देहली जैन डायरेक्टरी

प्रकाशक

जैन सभा नयी दिल्ली

सम्पादन मंडल.........

श्री डिप्टीमल जैन बी.ए.
चेयरमेन

★

श्री शिवदयाल सिंह एम.ए.
प्रधान, जैन सभा

★

श्री मुनीन्द्र कुमार जैन
एम.ए., बी.एससी., जे.डी., साहित्यरत्न

★

श्री सतीश कुमार जैन
बी.ए., एलएल. बी.
संयुक्त मंत्री, जैन सभा

★

श्री आदीश्वर प्रसाद जैन
एम.ए.

★

श्री टेक चन्द जैन
कोषाध्यक्ष, जैन सभा

★

श्री उग्रसेन दिगम्बर
दिगम्बर आर्ट काटेज

★

श्री चक्रेश कुमार जैन
बी.काम., एलएल.बी.
मंत्री, जैन सभा

★

दो शब्द

प्राचीन काल से, कौरव पाण्डवों के समय से तो अवश्य ही, दिल्ली भारतवर्ष का एक प्रमुख नगर रहा है और आज तो, स्वतन्त्र भारत की राजधानी होने के नाते, इसकी गणना संसार के गिने-चुने नगरों में है। दिल्ली के इतिहास में जैनों का हिन्दू, मुसलमान व ब्रिटिश काल में राजकीय व सामाजिक क्षेत्रों में ऊंचा स्थान रहा है। स्वतन्त्रता संग्राम में दिल्ली के जैन किसी से पीछे नहीं रहे हैं और स्वतन्त्रता प्राप्त होने के बाद, न केवल इनकी जनसंख्या बढ़ कर तीस-पैंतीस हज़ार हो गई हैं किन्तु व्यापारिक, औद्योगिक, सामाजिक, राजनैतिक व राजकीय आदि सभी क्षेत्रों में इनका एक विशेष स्थान हो गया है। ऐसी दशा में यह दुःख का विषय है कि पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदायों में बंटे होने, नगर के भिन्न-भिन्न भागों में रहने-सहने और उनका कोई दिल्ली-व्यापी, असाम्प्रदायिक संगठन न होने के कारण आपस में जानकारी नहीं के बराबर है। इस कारण बहुत दिनों से इस बात की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि दिल्ली के जैनों के बारे में ऐसी डायरेक्टरी प्रकाशित की जावे जिस से उनकी सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा अन्य स्थित का परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों में वृद्धि हो सके।

गतवर्ष जैन मिलन की एक बैठक में जब नई दिल्ली जैन सभा के मन्त्री श्री चक्रेश कुमार जैन से यह मालूम हुआ कि उनकी सभा ऐसी ही डायरेक्टरी निकालने का विचार कर रही है तो मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई और मैंने उन्हें इस कार्य में पूर्ण सहयोग देने का अश्वासन दिया।

प्रस्तावित डायरेक्टरी के लिए जन साधारण में उत्साह पैदा करने व सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त करने के हेतु श्री लाल मन्दिर जी में दो एक मीटिङ्ग करने के बाद सम्पादन मण्डल के साथी कार्य में जुट गये। अपने ढंग का नया और पहिला प्रयास होने और इस समय तक एक भी ऐसा प्रकाशन न होने से जिससे हमारा मार्ग प्रदर्शन हो सके, मंडल को शुरू से ही जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा। रूपरेखा बार-बार बदलनी पड़ी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री इकट्ठा करने में हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न कर सके। डायरेक्टरी को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने के लिए जैन व्यापारियों व उद्योगपतियों से विज्ञापन देने की प्रार्थना की और यह बड़े संतोष की बात है कि इस कार्य के लिए हम जिन सज्जनों के पास भी पहुंचे उन्होंने बड़ी उदारता से हमें अपना सहयोग प्रदान किया जिसके कारण ही हम इस डायरेक्टरी को समाज में प्रचारार्थ लागत के एक तिहाई दामों पर देने में सफल हुये हैं और डायरेक्टरी के काम को आगे जारी रखने और निकट भविष्य में इसका संशोधित और पूर्णतम संस्करण निकालने के लिए नींव पड़ी है। सम्पादन मंडल प्रत्येक विज्ञापनदाता महानुभाव का हार्दिक आभार मानता है। साथ ही हमें उन सज्जनों की भी सराहना करनी है जिन्होंने विज्ञापन दिलवाने में अपना अमूल्य समय दिया।

मंडल ने डायरेक्टरी में दिल्ली के जैनों के अतीत और वर्तमान की एक झांकी पेश की है जिससे समाज को अपनी स्थिति व सामाजिक महत्व व प्रगतियों पर दृष्टिपात करने का एक अवसर मिलेगा। साथ ही दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानों भारत के जैन तीर्थ स्थानों व प्रमुख जैन केन्द्रों का हाल देकर इसे और उपयोगी बनाने का प्रयत्न किया है। मंडल को खेद है कि गली कूचों में व्यापार करने वाले भाई इस डायरेक्टरी में स्थान न पा सके और कई वर्गों की सूची अधूरी है। यह भी सम्भव है कि कुछ व्यापारियों, संस्थाओं आदि का विवरण रह गया हो या अशुद्ध हो। सम्पादन मंडल ऐसे सभी सज्जनों से क्षमा प्रार्थी है।

यह डायरेक्टरी समस्त समाज के सहयोग का फल है। मंडल सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस डायरेक्टरी के निकालने में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। संपादन मंडल के सहयोगियों के कार्य की सराहना मैं किन शब्दों में करूं। वैसे तो सभी किसी न किसी रूप में बहुमूल्य योग देते रहे हैं फिर भी कुछ साथियों का जिक्र करना, मैं अपना आवश्यक कर्तव्य समझता हूं।

श्री शिवदयाल सिंह हमारा सदैव उत्साह बढ़ाते रहे हैं और जब जब जिस प्रकार की सहायता की आवश्यकता पड़ी, देने के लिए उद्यत रहे और सहर्ष मिलती रही। श्री चक्रेश कुमार की योग्यता, कार्य कुशलता, कर्तव्य परायणता, और अथक परिश्रम डायरेक्टरी की योजना की सफलता का मुख्य कारण है। डायरेक्टरी का आकर्षक और सुन्दर रूप श्री मुनीन्द्र कुमार जैन की लगन और उनके महीनों के कठिन परिश्रम का फल है। श्री आदीश्वर प्रसाद के सार्वजनिक जीवन का अनुभव मंडल के काम में बड़ा सहायक रहा है और इनसे न केवल अच्छे-अच्छे सुझाव ही मिलते रहे हैं वरन् डायरेक्टरी के प्रत्येक कार्य में पहिले दिन से ही इनका पूर्ण सहयोग मिलता रहा है। दिल्ली के मन्दिरों के संयोजन और ब्लाक बनाने का कार्य श्री उग्रसेन दिगम्बर, प्रोप्राइटर दिगम्बर आर्ट काटेज, ने बड़े उत्साह से कलापूर्ण और रुचिकर रूप में किया है।

संपादन मंडल, जैन सभा नई दिल्ली, का बड़ा आभारी है कि इसे सभा के इस वर्ष के प्रकाशन के सम्पादन का अवसर मिला, जिसे सभा ने जो गत वर्षों में अंग्रेजी में केन्द्रीय सरकार के जैन कर्मचारियों की सूची प्रकाशित करती रही है, समाज के हितार्थ पहिली बार एक वास्तविक दिल्ली जैन डायरेक्टरी का रूप दिया है।

आज संसार में बलवान देश कमज़ोर जातियों पर स्वत्व जमाए हुये हैं और उन पर तरह-तरह के अत्याचार ढा रहे हैं। छोटे देश ही नहीं, वरन् बड़े देश भी एक दूसरे से भयभीत हैं और अपनी रक्षा के नाम पर नित्य नये हिंसात्मक अस्त्र शस्त्र बना रहे हैं जो युद्ध छिड़ने पर मनुष्य जाति के सर्वनाश नहीं तो बहुत बड़े विध्वंस का कारण बनेंगे। धर्म, विज्ञान और स्वास्थ्य के नाम पर प्रतिदिन हज़ारों बेज़बान, पशु-पक्षियों के खून से धरती लाल हो रही है। नैतिकता का ह्रास हो रहा है। संसार में दिनों दिन बढ़ती जनसंख्या के लिए पर्याप्त भोजन, वस्त्र, मकान आदि उपलब्ध नहीं है। भगवान ऋषभदेव ने करोड़ों वर्ष और भगवान महावीर ने २,५०० वर्ष पूर्व मानव समाज को अहिंसा, अनेकान्त सत्य, अभय, अपरिग्रह आदि का उपदेश दिया था। इन सिद्धान्तों की सत्यता और उपयुक्तता आज भी ज्यों की त्यों है। जैनों का तो सदा जैन धर्म पर स्वभावतः अटल विश्वास रहा है परन्तु आज तो Einstein की Theory of Relativity, डाक्टर जगदीश चन्द्र वसु का यन्त्रों द्वारा वनस्पति में जीव की सिद्धि, महात्मा गान्धी का सत्य और अहिंसा द्वारा भारत को स्वाधीन कराना, अफ्रीका का पराधीन व पद्दलित जातियों का गान्धी जी के सत्याग्रह का अनुकरण, रूस और अमरीका आदि देशों के विज्ञानशास्त्रियों का और नई पृथ्वियों व उनमें हमारे जैसे मनुष्यों के अस्तित्व की संभावना आदि जैन शास्त्रों की सत्यता संसार के सामने लाते जा रहे हैं। ऐसी अवस्था में जैनों का केवल यह श्रद्धान रखना ही पर्याप्त नहीं हैं कि जैन धर्म आत्मा का निज धर्म होने के कारण यह किसी विशेष जाति या देश का धर्म नहीं है अपितु यह संसार के प्राणी मात्र का धर्म है, उनका यह कर्तव्य हो जाता है कि वह इस धर्म के सिद्धान्तों का व्यवहारिक व रचनात्मक रूप में प्रसार करें। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यकता है दिल्ली में समूचे जैनों की अपनी एक असाम्प्रदायिक संस्था की। डायरेक्टरी बनाने में सभी सम्प्रदाय जाति व क्षेत्र के बहुत से जैनों ने मिल कर कार्य किया हैं और जैन समाज में एक नवीन उत्साह और आशा की लहर दौड़ी है। यदि समाज अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और कमज़ोरियों से शिक्षा लेकर विकासशील प्रवृत्ति अपना कर भविष्य के निर्माण में लगेगी तो सम्पादन मंडल अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

चांदनी चौक, दिल्ली
७ नवम्बर, १९६१

डिप्टीमल जैन
अध्यक्ष, सम्पादन मंडल

भूमिका

जैन सभा नयी दिल्ली द्वारा जैन निर्देशिकाओं (Jain Directories) का संकलन व प्रकाशन अपनी स्थापना के साथ ही होता आ रहा है, किन्तु इनमें दी गई जानकारी केवल नई दिल्ली क्षेत्र तक ही सीमित हुआ करती थी। नई दिल्ली क्षेत्र से सम्बन्धित जानकारी में भी नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय सरकार के विभिन्न कार्यालयों में काम करने वाले जैन अधिकारियों से सम्बन्धित जानकारी मुख्यरूप से होती थी। सर्व प्रथम यह संकलन सन १९४१ में सभा के प्रथम मंत्री स्व० श्री बुद्धि प्रकाश जी एम० ए० के सद्प्रयत्नों से साइक्लोस्टाइल्ड सूची के रूप में निकाला गया और इसी भांति कई वर्षों तक वाद में भी प्रतिवर्ष निकलता रहा। सन १९४३, १९४८ और १९५५ में इसे छोटी सी पुस्तिका के आकार में मुद्रित करवा कर प्रकाशित किया गया। सन १९५५ के संस्करण के साथ ही अलग से एक स्थानीय संस्थाओं की सूची उनके पदाधिकारियों के नाम व पते सहित निकाली गई।

विगत वर्षों में प्रकाशित उक्त निर्देशिकाएं अत्यन्त ही लाभदायक सिद्ध हुई हैं। इनके द्वारा स्थानीय समाज में पारस्परिक सम्पर्कों में जो अभिवृद्धि हुई है, वह विशेष महत्वपूर्ण है।

गत वर्ष जव नवीन कार्यकारिणी का चुनाव हुआ तो मेरे मित्र श्री गोकुल प्रसाद जी, एम० ए०, ने सुझाव दिया कि दिल्ली में आज जैनों की संख्या तीस-पैंतीस हज़ार के लगभग है और वे अनेक विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हैं, यदि सभा इस प्रकार की एक डायरेक्टरी का, जिसमें कि समूचे दिल्ली प्रदेश के जैनों के वारे में जानकारी प्राप्त हो सके, संकलन और प्रकाशन करे तो वह न केवल स्थानीय जैन व जैनेतर समाज को, वरन् वाहर से आने वालों के लिये भी उपयोगी हो सकेगी। पिछली डायरेक्टरी का संशोधित संस्करण निकालने का विचार तो पहले से था ही केवल उस के क्षेत्र को बढ़ाने का प्रश्न था। कार्य के महत्व और इसकी उपयोगिता को दृष्टि में रखते हुए यह विचार किया गया कि यदि विभिन्न सम्बन्धित क्षेत्रों से सहयोग प्राप्त हो तो यह कार्य भली भांति सम्पन्न और पूर्ण हो सकता है। तदनुसार सभा के प्रधान श्री शिवदयाल सिंह जी, श्री गोकुल प्रसाद जी, व संयुक्त मंत्री श्री सतीश कुमार जी के साथ कई बैठकों में डायरेक्टरी की भावी रूपरेखा काफी चर्चा के वाद वनायी गयी। इस रूपरेखा को सभा की आम वैठक (वजट) में सरसरी तौर पर और वाद में कार्यकारिणी के समक्ष विशदरूप से प्रस्तुत कर इसे निश्चित रूप दिया गया।

इसी दौरान में जैन मिलन की एक वैठक कांस्टीट्यूशन क्लव में हुई जिसमें लाला डिप्टीमल जी आदि दिल्ली व नई दिल्ली के कई महानुभाव सम्मिलित हुए। मैंने लाला जी से इस योजना के सम्बन्ध में चर्चा चलाई तो उन्होंने इस विषय में केवल प्रसन्नता ही प्रकट न की, वल्कि पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इसके वाद ही लगभग प्रति दूसरे या चौथे दिन कार्यकर्त्ताओं की वैठकें लाला जी के निवास स्थान अथवा दुकान पर होनी आरम्भ हुईं और यह कार्यक्रम डायरेक्टरी के पूर्ण होने तक अनवरत रूप से चलता रहा, अन्तर केवल इतना हुआ कि कुछ कार्यकर्त्ता जो आरम्भ में थे वे अपनी किन्हीं व्यक्तिगत कठिनाइयों अथवा अन्य कारणों से अन्त तक सहयोग न दे सके और नवीन कार्यकर्त्ता सम्मिलित हुए।

डायरेक्टरी के लिये जानकारी एकत्रित करने के लिये विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों, संस्थाओं व प्रमुख कार्यकर्त्ताओं के पास अनेक पत्र और उसके वाद अनेक स्मरण-पत्र भेजे गये। समय

समय पर टेलीफोन तथा व्यक्तिगत रूप से भी जानकारी भेजने के लिये प्रार्थना की गई। आम समाज की जानकारी के लिये प्रत्येक मन्दिर आदि आम स्थानों पर इन सूचनाओं को लगवाया गया। इस विषय में परामर्श करने और अधिक से अधिक व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त करने की दृष्टि से दिल्ली प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग ७५ प्रमुख कार्यकर्त्ताओं की एक बैठक श्री लाल मन्दिर जी में दिनाङ्क २३ अक्टूबर सन १९६० को सायंकाल बुलाई गई। उस बैठक के निर्णय के अनुसार लगभग ३५० कार्यकर्ताओं की एक और बड़ी बैठक श्री लाल मन्दिर जी में दिनाङ्क ६ नवम्बर १९६० को अपरान्ह बुलाई गई। आमंत्रित व्यक्तियों में सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा विभिन्न व्यापारों, व्यवसायों आदि सभी क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्ति थे। इसी प्रकार की एक बैठक सदर बाजार के अन्तर्गत क्षेत्र वाले प्रतिनिधि व्यक्तियों की भी की गई। इन बैठक के होने से कार्य की सफलता के लिये समुचित वातावरण बनने के साथ-साथ कई नवीन व्यक्तियों द्वारा रचनात्मक सहयोग भी प्राप्त हुआ।

विभिन्न क्षेत्रों से धीरे धीरे सामग्री प्राप्त होती रही और आज से लगभग ४ मास पूर्व यह स्थिति आ सकी जब इस के प्रकाशन आदि की व्यवस्था के बारे में विचार किया जावे। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि जितना कठिन कार्य डायरेक्टरी की सामग्री इकट्ठी करने का था, उतना ही कठिन कार्य इसके प्रकाशन और उसके लिये आवश्यक धनराशि एकत्रित करने का था। अनुमानित व्यय लगभग पांच हजार की यह धनराशि भी केवल विज्ञापनों द्वारा ही एकत्रित होनी थी। अतः प्रकाशन संबन्धी और विज्ञापन लेने के दोनों ही कार्य साथ ही साथ आरम्भ किये गये।

इस डायरेक्टरी के प्रकाशन में वैसे तो रूपरेखा बनने के समय से लेकर पूर्ण होने तक ही अनेकानेक कठिनाइयां उपस्थित हुईं किन्तु उनमें सबसे बड़ी कठिनाई सामग्री को एकत्रित करने की थी। मुझे खेद है, कि अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति हैं, जिन्होंने अनेकों बार मौखिक, लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओं पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नहीं किया। वास्तव में इसी कठिनाई के कारण मुद्रण के लिये कोई निश्चित पांडुलिपि भी प्रेस में नहीं दी जा सकी और जो पांडुलिपि दी भी गई, उसमें प्रूफ स्टेज तक बीच बीच में नवीन सामग्री के आ जाने पर संशोधन करने पड़े। डायरेक्टरी के निकलने में जो विलम्ब हुआ है, उसका प्रधान कारण यह कठिनाई रही है।

डायरेक्टरी की प्रस्तुत सामग्री में प्रथम अध्याय दिल्ली के जैनों के इतिहास का है। हमारे पूर्वजों का इतिहास जैसा चाहिये, वैसा उपलब्ध नहीं है। जैन संघ में समय समय पर महान् तपस्वी एवं उद्भट विद्वान आचार्य हुए, उनका कोई प्रमाणिक जीवन-चरित्र नहीं; अनेक लोकोपयोगी कार्य हुए, उनकी कोई सूची नहीं; जैन सम्राटों, मंत्रियों, सेनापतियों के बल-पराक्रम, शासन-प्रणालियों का लेखा नहीं; जैन श्रेष्ठिवर्ग जो अपने महान् त्याग और जन-हित के कार्यों के लिये सदैव प्रख्यात् रहा है, उनके कार्य कलाप की कोई तालिका नहीं; और इसी भांति साहित्यकों, कवियों और समाज सेवियों का कोई परिचय नहीं। और तो क्या, विगत ४०-५० वर्ष में ही अनेक विभूतियां हुईं, उनका भी कहीं कोई लिपिबद्ध विवरण नहीं। देश की समूची समाज के बारे में जब यह स्थिति है तो एक प्रांत के बारे में क्या सामग्री होगी, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। प्राचीन शास्त्रों, लेखों व राजपत्रों से तथा वयोवृद्ध व्यक्तियों के अनुभवों को सुनकर जितना भी कुछ यत्र तत्र बिखरे मोतियों की भांति अतीत की धूल से उठाया जा सके, उससे ही संतोष करने के सिवाय अन्य कोई चारा नहीं। दिल्ली का इतिहास लिखने में मुझे आरम्भ से ही खोज करने की विशेष आवश्यकता नहीं हुई, क्योंकि इस दिशा में पं० परमानन्द शास्त्री कुछ वर्ष पूर्व प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने अपनी शोधपूर्ण लेखमाला में, जो अनेकांत के कई अंकों में प्रकाशित हुई, राजपूत और मुसलमान काल में जैन जगत की सुन्दर झांकी प्रस्तुत की थी। इन लेखों ने इतिहास के लिखने में महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध की। भट्टारक परम्परा का इतिहास श्री विद्याधर जोहरापुरकर, एम. ए., द्वारा सम्पादित 'भट्टारक सम्प्रदाय' नामक पुस्तक में दिये गये लेखों आदि पर आधारित है। 'अंग्रेजों के काल तथा उसके बाद' के अन्तर्गत दिया गया विवरण सामान्यतः सन १९४७ से पूर्व का है। इसमें दिये गये तथ्य जीवित वयोवृद्ध पुरुषों से प्राप्त जानकारी, विविध जैन पत्रों में प्रकाशित लेखों तथा राजकीय पत्रों

आदि से दिये गये हैं। यह जानकारी लाला डिप्टीमल जी ने स्वयं कई दिन विभिन्न स्थानों पर तथा अनेकव्य क्तियों के पास जा जाकर एकत्रित की है। सन १९४७ के बाद के वृत्तांत में बहुत कुछ अंश वर्तमान से ही सम्बन्धित है।

इतिहास के बाद के अध्यायों में मन्दिरों व स्थानकों, धर्मशालाओं व पुस्तकालयों, औषधालयों व शिक्षण संस्थाओं, सामाजिक तथा साहित्यिक संस्थाओं का परिचय तथा पदाधिकारियों के नाम व पते दिये गये हैं। सामाजिक संस्थाओं में स्थानीय संस्थाओं के अतिरिक्त अखिल भारतवर्षीय संस्था की, जिनके कार्यालय दिल्ली में हैं, जानकारी भी सम्मिलित की गई हैं। संस्थाओं के परिचय में सामान्यतः उनकी स्थापना-तिथि तथा उनके कार्य-कलाप का ही उल्लेख किया गया है, उद्देश्यों आदि का नहीं। संस्थाओं के पश्चात् 'भारतीय संसद व केन्द्रीय सरकार' के अन्तर्गत केन्द्रीय मंत्री, संसद सदस्य, संसद तथा केन्द्रीय सचिवालयों और उनके सम्बन्धित व अधीनस्थ कार्यालयों में जैन अधिकारियों के नाम, पद व घर के पते (जहां उपलब्ध हो सके) दिये गये हैं। प्रथम पंक्ति में अधिकारी के नाम के साथ उनका पद व कार्यालय का टेलीफोन नम्बर तथा द्वितीय पंक्ति में घर का पता व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) भी दिया गया है। सामान्यतः पद का उल्लेख केवल उन व्यक्तियों के लिये ही किया गया है जो गज़टेड अथवा सुपरवाइज़री पद ग्रहण किये हैं। इसी के अनुरूप बाद के अध्यायों में जहां दूतावासों, दिल्ली प्रशासन, बैंक व बीमा कम्पनियों आदि में काम करने वाले जैनों का उल्लेख है, यही पद्धति अपनाई गई है।

'उद्योग व व्यापार' के अध्याय में औद्योगिक संस्थानों के अन्तर्गत उन संस्थानों के स्वामियों अथवा लिमिटेड कम्पनियों के डायरेक्टरों के नाम, घर के पते व टेलीफोन नम्बर भी दिये गये हैं। व्यापारिक संस्थानों को मुख्य मुख्य श्रेणियों में विभाजित कर हिन्दी वर्णमाला के आधार पर दिया गया है। प्रत्येक श्रेणी में व्यापार विशेष के महत्व की दृष्टि से प्रधान क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। व्यापारिक संस्थानों के केवल नाम व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) प्रथम पंक्ति में तथा कार्यालय का पता व टेलीफोन दूसरी पंक्ति में दिया गया है। व्यवसायों, वैज्ञानिक, साहित्यकार व जैन विद्वानों तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में जैन पदाधिकारियों के बारे में सामान्यतः सरकारी कार्यालयों वाली ही व्यवस्था अपनायी गयी है।

अन्त के दो अध्यायों में क्रमशः 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान' तथा 'भारत के जैन तीर्थों' का विवरण है। दर्शनीय स्थानों में इतर ऐतिहासिक स्थानों के अतिरिक्त ऐतिहासिक व स्थापत्यकला आदि की दृष्टि से प्रमुख माने जाने वाले जैन सांस्कृतिक केन्द्रों को भी सम्मिलित किया गया है। जैन तीर्थों में सभी तीर्थों व प्रमुख अतिशय क्षेत्रों के अतिरिक्त भारत के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी वर्णन दिया गया है।

डायरेक्टरी में सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने में साम्प्रदायिक भेद को विशेष रूप से गौण रखा गया है। उदाहरण के लिये मन्दिरों व संस्थाओं आदि को दिगम्बर-श्वेताम्बर व अन्य उप-सम्प्रदायों में विभक्त नहीं किया है और इन विशेषणों को केवल वहां ही प्रयोग किया गया है जहां अन्य किसी सुविधा के कारण आवश्यकीय समझा है। हमारी संस्कृति एक है, एतदर्थ हम अनेक में भी एक हैं। हमारे सभी धार्मिक व सांस्कृतिक स्थान, चाहे वे किसी सम्प्रदाय विशेष की प्रधानता लेकर हों, समग्र जैन संघ के गौरव के प्रतीक हैं।

इस डायरेक्टरी की सामग्री एकत्रित करने तथा प्रकाशन आदि की 'व्यवस्था में व्यवस्थापन व सम्पादन मंडल' के अतिरिक्त अनेक महानुभावों से सहयोग प्राप्त हुआ है। सामग्री के एकत्रित करने में श्री सुमत प्रसाद (आर्मी हेड क्वाटर्स), श्री वकीलचन्द्र, बी० काम (आनर्स) (अर्थ मंत्रालय), श्री गोकुलप्रसाद एम० ए० (विधि मंत्रालय), श्री [illegible] राम (अर्थ मंत्रालय), श्री प्रेम चन्द्र 'नश्तर' (सिविल एविएशन), श्री श्रीकृष्ण (पब्लीकेशंस डिवी०), लाला [illegible], श्री एन० आर० शाह, लाला कुंजलाल ओसवाल, श्री लक्ष्मण सिंह भंसाली, लाला जग्गीमल कपड़े वाले, श्री जिनेन्द्र कुमार, कश्मीरी लाल बी० ए०, (राज्य सभा सचिवालय), श्री मनोहर लाल (इंस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एका०), श्री दर्शनलाल (म्यू० कार्पो०), श्री जगमोहन, श्री सागर चन्द्र व श्री गजेन्द्र कुमार (दिल्ली प्रशासन), श्री नरेन्द्र प्रसाद बी०

ए० (लोक सभा), श्री विजय कुमार व श्री मेहर चन्द्र (शिक्षा मंत्रा०), श्री नेमचन्द्र बी० ए० (अर्थ मंत्रा०), श्री जय कुमार (सू० व प्र० मंत्रा०), श्री प्रद्युम्न कुमार (व० हा० एण्ड स०), श्री गुलाब चन्द्र (डी०जी०एस० एण्ड डी०), श्री जयकुमार (परि० मंत्रा०), श्री हंस राज (कंट्रो० आफ प्रि०), श्री सुखमाल चन्द बी० ए० (आ० हेड०), श्री हुकुम चन्द्र (जी० पी० ओ०), श्री धर्म किशोर (सी० बी० आर०), श्री महावीर प्रसाद (एक्साइज़), श्री एम० के० जैन (एस० टी० सी०), श्री कुंदन लाल एम० ए०, श्री अतरचन्द्र, श्री राजकुमार (सी० पी० ड० डी०) श्री अक्षय कुमार (मेचवेल), श्री देव कुमार, श्री अरिदमन कुमार, श्री होश्यारसिंह, श्री प्रेम सागर (ए० जी०सी० आर०), व श्री सुरेन्द्रवीर सिंह, एकाउंटस आफीसर, श्री अजित प्रसाद बिजली वाले आदि ने विशेषरूप से सहयोग प्रदान किया है। श्री माई दयाल जी बी० ए०, बी० टी०, व लाला पन्नालाल जी अग्रवाल किताब वाले ने अनेक प्राचीन लेख, राजकीय पत्रों की प्रतिलिपियां आदि सामग्री उपलब्ध की है।

विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों में श्री सुखेन्द्र लाल (लोदी कालोनी सभा), ला० भगतराम (दि० जैन परिषद) व श्री रमेश चन्द्र (सा० वि० सभा) आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है।

विज्ञापनों के प्राप्त करने में लाला जसवंत सिंह, लाला प्रेम चन्द्र (जयना वाच कम्पनी), श्री पी० आर० मित्तल, लाला बनारसी दास ओसवाल, लाला खजांचीमल, लाला दौलत सिंह व श्री प्रेमचन्द्र (एम० एस० लक्ष्मी एण्ड कं०) ने अपना अमूल्य समय दिया है। पं० परमानन्द शास्त्री ने अपना लेख संग्रह तथा अन्य सामग्री उपलब्ध कर दिल्ली का इतिहास लिखने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है। श्री प्रमोद कुमार बी० एससी० (द्वितीय वर्ष) ने तीर्थ-सम्बन्धी पुस्तकों की निर्देश अनुक्रमणिका बनाकर दी, जिससे मुझे भारत के जैनतीर्थ लिखने में बड़ी सुगमता हुई।

डायरेक्टरी की मुद्रण व्यवस्था का सम्पूर्ण भार श्री मुनीन्द्र कुमार, सहायक सम्पादक, कृषि मंत्रालय, ने सम्भाला और लगभग ४ मास के अथक परिश्रम से इस गुरुतर कार्य को सुन्दर और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। इतने व्यस्त उत्तरदायित्व के अतिरिक्त उन्होंने 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानों' का सुन्दर विवरण भी लिखा है। सम्पूर्ण डायरेक्टरी की सामग्री के सुव्यवस्थित व क्रमबद्ध संकलन व सम्पादन में श्री मुनीन्द्र जी का भाग महत्वपूर्ण रहा है।

दिल्ली के मंदिरों के विविध चित्रों को उपलब्ध करने के लिये श्री मोतीराम, सहायक फोटो अधिकारी, सूचना मंत्रालय, ने अपना अमूल्य समय लगाया है। इन चित्रों के संयोजन और ब्लाक बनाने का कार्य श्री उग्रसेन दिगम्बर, प्रोपराइटर दिगम्बर आर्ट काटेज, ने बड़े ही कलापूर्ण और रुचिकर रूप में किया है। मुद्रण व्यवस्था की पूरी योजना को निश्चित करने के लिये उन्होंने कई बैठकों में अपना बहुमूल्य समय दिया। बाद में भी समय समय पर महत्वपूर्ण सुझाव देकर हमारा मार्गदर्शन किया है। इतिहास के आरम्भ होने से पहले लगा हुआ भगवान महावीर व भगवान बाहुबलि का सुन्दर चित्र उन्हीं के द्वारा विज्ञापन के रूप में प्राप्त हुआ है।

इस कार्य के लिये सभा के संरक्षक साहू श्रेयांस प्रसाद जी, लाला शीतल प्रसाद जी की शुभ-कामनाओं ने हमारा उत्साहवर्धन किया है। लाला राजेन्द्र कुमार जी बैंकर, सभा के उप-प्रधान बा० पीताम्बर दास जी एडवोकेट व श्री बी० बी० कपासी, पत्रकार, ने समय समय पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देकर प्रकाशन को अधिक उपयोगी बनाने में सहायता दी है।

श्री अजित प्रसाद जी, रिटायर्ड एकाउंट्स आफीसर (उत्तर रेलवे), व बा० त्रिलोक चन्द्र जी, असिस्टेंट डायरेक्टर रेलवे बोर्ड, ने अनेक महत्वपूर्ण सुझाव देने के अतिरिक्त सामग्री एकत्रित करने और विज्ञापन प्राप्त करने में भी सहयोग प्रदान किया है। तीर्थों के विवरण को रेलवे लाइन के क्रम से प्रस्तुत करवाने में बा० त्रिलोक चन्द्र जी ने अपना अमूल्य समय दिया है।

उक्त सभी महानुभावों तथा विज्ञापनदाताओं के, जिन्होंने अपने विज्ञापन देकर उदारता का परिचय दिया और डायरेक्टरी के प्रकाशन को सुलभ किया, हम हार्दिक आभारी हैं।

डायरेक्टरी के मुद्रक जयन्ती प्रेस के व्यवस्थापक पार्टनर श्री एम० आर० कुमार और उनके फोरमेन श्री विहारी लाल व श्री जगदीश जी का आदि से अन्त तक बराबर सहयोग प्राप्त होता रहा। मुझे प्रसन्नता है, कि डायरेक्टरी को अच्छे से अच्छे ढंग में प्रस्तुत करने का उन्होंने पूरा प्रयास किया है।

अन्त में, मैं व्यवस्थापन व सम्पादन मंडल के चेअरमेन तथा सदस्यगण का अत्यन्त ही आभारी हूं, जिनके प्रयत्नों से यह कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्य में हमारे प्रधान श्री शिवदयाल सिंह जी की आरम्भ से ही रुचि रही और उन्होंने पग-पग पर हमारा मार्ग-दर्शन किया। जब भी हमने कमज़ोरी अनुभव की, उन्होंने हमारा साहस बढ़ाया और अपूर्व प्रेरणा दी। यही नहीं, सामग्री के संकलन, विज्ञापनों के प्राप्त करने आदि सभी कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग दिया।

व्यवस्थापन मंडल के चेअरमेन लाला डिप्टीमल जी तो इस सम्पूर्ण योजना के पीछे शक्ति स्रोत रहे हैं। वे वयोवृद्ध हैं, किन्तु उनका उत्साह युवकों से कहीं अधिक है। शहर के उद्योग व्यापार आदि की जानकारी का एकत्रित करना दुस्तर कार्य था और उससे भी अधिक था प्रकाशन के लिये पांच हज़ार रुपये की धनराशि एकत्रित करना। लाला जी ने लोगों से बारबार कहा, टेलीफोन पर अनेकों ही बार स्मरण करवाया और जानकारी प्राप्त करवाई। अपने व्यक्तिगत सम्पर्कों से ही लगभग दो हज़ार के विज्ञापन तो उन्होंने टेलीफोन पर ही सुरक्षित कर दिये और शेष राशि के लिये हमारे साथ चलने में भी संकोच नहीं किया। डायरेक्टरी की सामग्री को क्रम से व्यवस्थित रूप देने में उनका ही प्रमुख हाथ है। लाला जी ने इस दुस्तर कार्य को सम्पन्न करने में जो युवकों सदृश परिश्रम किया वह अद्वितीय है। इस में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि लाला जी के ही अनवरत् प्रयत्नों का ही परिणाम है कि यह डायरेक्टरी और वह भी इस रूप में प्रकाश में आ सकी।

श्री आदीश्वर प्रसाद जी एम० ए० (यू० पी० एस० सी०) का सहयोग तो इतना विस्तृत रहा है कि इस सम्पूर्ण कार्य का कोई भी ऐसा पहलू नहीं जिस पर उनकी छाप न हो। योजना, सामग्री संकलन, प्रकाशन व्यवस्था, विज्ञापन प्राप्त करने आदि सभी कार्यों में वह मेरे साथ रहे हैं।

इस कार्य में भाई टेकचन्द्र जी, मित्र श्री सतीश कुमार व श्री वकीलचंद्र का पूर्ण साहाय्य प्राप्त हुआ है, एतदर्थ मैं उनका हार्दिक आभारी हूँ। इतने विशद क्षेत्र का यह प्रथम प्रयास है। अनेक प्रयत्नों के बावजूद भी बहुत सी कमियां रहती हैं। खेद है, कि हम डायरेक्टरी में उतनी सामग्री नहीं दे सके हैं जितनी होनी चाहिये थी। हम उन सभी महानुभावों से क्षमा प्रार्थी हैं जिनके बारे में इसमें जानकारी उपलब्ध नहीं की जा सकी है। समाज के सहयोग और सद्भावना से यह डायरेक्टरी प्रकाश में आ सकी और उसी सहयोग व सद्भावना से आगामी संस्करणों में इसकी अपूर्णता तथा अन्य कमियों को दूर किया जा सकेगा, ऐसा विश्वास है।

आज का युग सहकारिता का युग कहा जाता है। प्रस्तुत प्रयास सहकारिता के उस अनुपम सिद्धांत के महत्व की एक झलक है। यदि इस डायरेक्टरी में दी गई जानकारी समाज में संगठन और सहकारिता की भावना का संचार कर सके, तो यह प्रयास सफल होगा।

नयी दिल्ली,
कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी
वीर निर्वाण सम्वत् २४८८

चन्देश कुमार
मंत्री, जैन सभा नयी दिल्ली

श्री १०८ आचार्यरत्न विद्यालंकार
देशभूषण जी महाराज
का
शुभाशीर्वाद

"देहली भारतवर्ष की राजधानी है, यहां से निकले हुए शब्द तमाम भारतवर्ष में फैलते हैं। अतः देहली के जैन समाज का भारत में एक स्थान है। देहली की समाज सर्वदा भारत-मार्ग-दर्शक रही है। यहां की समाज बड़ी संगठित और उत्साही है, हर कार्य में उसका बड़ा सहयोग रहता है। यहां की समाज राष्ट्र उन्नति के लिए कटिबद्ध रही है, देश तथा जाति का प्रेम कूट कूट कर भरा है, धर्म के प्रति बहुत ही श्रद्धालु है, जिसकी झलक यहाँ के प्राचीन और अर्वाचीन विशाल जैन मंदिरों, जैन विद्यालयों तथा अन्य जैन संस्थाओं से मिलती है।

देहली के जैन मंदिर, विद्यालय, जैन संस्थाएं, तथा जैन समाज के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए यह डायरेक्टरी बहुत ही उपयोगी होगी।

जिन महानुभावों ने इस कार्य में सहयोग दिया है उन के लिये हमारा बार-बार शुभाशीर्वाद है।"

विश्व धर्म सम्मेलन के प्रेरक
मुनि रत्न श्री सुशील कुमार जी महाराज
का
शुभाशीर्वाद

"दिल्ली जैन डायरेक्टरी का प्रकाशन दिल्ली जैन समाज की सर्वाङ्गीण उन्नति के लिये श्रेष्ठतम प्रयास साबित होगा, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। दिल्ली जैन सभा समाज की समासिक एकता एवं आर्थिक तथा अध्यात्मिक प्रगति के निमित्त जो भगीरथ प्रयास कर रही है, उसकी मैं सफलता चाहता हूं।

मेरा विश्वास है कि यह पहला प्रगतिक प्रयास है, अतः निरन्तर इसको पूर्णता की ओर ध्यान दिया जाय जिससे अभीष्ट सिद्धि हो सके और सामाजिक संगठन की नींव सबल की जा सके।

हार्दिक धन्यवाद"

दिल्ली जैन डायरेक्टरी

- दिल्ली के इतिहास में जैनों का योग
- मंदिरों व स्थानकों का विवरण
- सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक केन्द्र
- शिक्षण व पारमार्थिक संस्थाएं
- दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

—और—

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

★

मुख पृष्ठ (टाइटिल) के चित्रों का परिचय
खंडेलवाल मंदिर, नयी दिल्ली में स्थापित
भगवान महावीर की मूलनायक प्रतिमा व
महरौली स्थित बड़ी दादावाड़ी का एक दृश्य

★ ★ ★

प्रकाशक : जैन सभा नयी दिल्ली
जैन निशी मंदिर
लेडी हार्डिंग रोड
नई दिल्ली-१
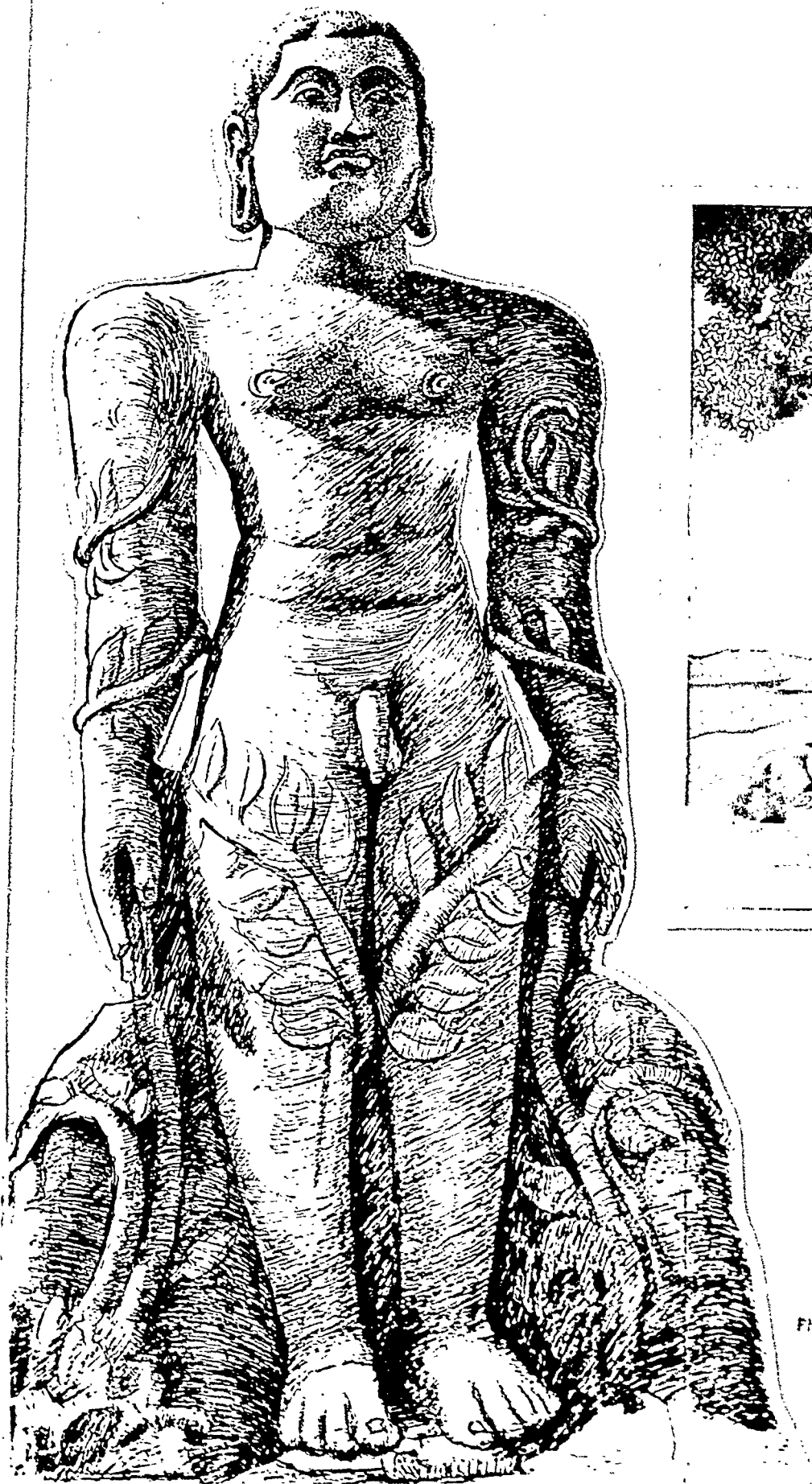
DIGAMBER ART COT
BLOCKMAKERS, DESIGNERS &
2305, Dharam Pura, DEL
Phone : 223524

विषय सूची

अतीत की ओर एक दृष्टि

दिल्ली का इतिहास भारत का इतिहास है। प्राचीन कुरू देश की वैभवपूर्ण राजधानी 'इन्द्रप्रस्थ' के नाम से विख्यात होने के समय से लेकर आज तक इस नगर ने अपने उत्थान-पतन के अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं। अतीत की क्रीड़ाओं, उसके कंदन एवं हास्य की निस्तब्ध साक्षी यह वह रंगभूमि है, जिसके वक्षस्थल पर कितने ही साम्राज्य उदित हुए, पनपे, शैशव से प्रौढ़त्व को प्राप्त हुए, अपने विस्तार और वैभव से विश्व को चमत्कृत किया, पर अन्त में अपने-अपने वैभव की संपदा को समेटकर, वे सब काल के दूरगामी क्षितिज में विलुप्त हो गये। यदि इस नगर को अनेकों बार राजधानी बनने का मान प्राप्त हुआ तो अनेकों बार ही इसके धरातल पर भीषण रक्तपात व विध्वंस के दृश्यों ने भी अपना पूरा अधिकार जमाया। इन सब परिवर्तनों की शृंखला की ओर दृष्टिपात किया जावे तो जैन दर्शन का 'उत्पाद-व्यय-ध्रौव्य' का सिद्धांत स्थूलरूप में घटित होता है।

दिल्ली कब और किसने बसायी, इस पर इतिहासज्ञ एकमत नहीं हैं। पाण्डु पुत्र युधिष्ठिर द्वारा बसायी गयी 'इन्द्रपुरी' अथवा 'इन्द्रप्रस्थ' नगरी के कथन का उल्लेख महाभारत तथा बौद्ध जातकों में मिलता है। यह अनुश्रुति भारत की जनता में १६ वीं शताब्दी में भी प्रचलित थी जैसा कि अबुल फजल ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'आइन-ए-अकबरी' में उल्लेख किया है। कौरवों और पाण्डवों का समय लगभग चार साढ़े चार हज़ार वर्ष पूर्व बताया जाता है। यद्यपि यह अनुमान कि वर्तमान दिल्ली का 'पुराना किला' या उसके निकट का 'इन्द्रपत' ग्राम प्राचीन इन्द्रप्रस्थ के खण्डहरों पर ही बसा हुआ है, पाण्डवों का किला तथा महल आदि भी इसी स्थान पर थे और पाण्डवों ने ही इन्द्रप्रस्थ के निकट 'पाणिप्रस्थ', 'स्वर्ण-प्रस्थ' और 'भागप्रस्थ' बसाये थे जो कि आज क्रमशः पानीपत, सोनीपत, व बागपत नामों से प्रसिद्ध हैं, नितांत निर्मूल नहीं प्रतीत होता। इस कथन की पुष्टि के लिये उक्त पौराणिक आधारों के अतिरिक्त ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। प्राचीन जैन ग्रंथों, प्राचीन शिलालेखों, और दिल्ली के आस पास बहुत से प्रचलित लोक गीतों में दिल्ली को 'योगिनीपुर' कहा गया है। पाण्डवों के पश्चात तोमरवंशीय राजपूत अनंगपाल (प्रथम) के शासनकाल तक इस प्राचीन इन्द्रप्रस्थ नगर का क्या महत्व रहा, वह प्रचलित कथाओं आदि से स्पष्ट नहीं है। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि इस दौरान में इन्द्रप्रस्थ ने अपना प्राचीन महत्व खो दिया था।

ऐतिहासिक [1]तथ्यों के आधार पर दिल्ली को सर्व प्रथम सन् ७३६ में तोमरवंशीय राजा अनंगपाल द्वारा बसाया जाना कहा जाता है। इसके खंडहर आनंदपुर (अनंगपुर) के पास आज तक विद्यमान है। इस कथन की पुष्टि दिल्ली के संग्रहालय में उपलब्ध सन १३२७ के एक शिलालेख में दिये निम्नलिखित अंश से भी होती है :

> 'देशोस्ति हरियानाख्यो पृथिव्यां स्वर्गसन्निभिः।
> ढिल्लकाख्या पुरी तत्र तोमरैरस्ति निर्मिता॥

अनंगपाल प्रथम के पश्चात दिल्ली में उसके वंशजों ने १२ वीं शताब्दी के अर्ध भाग से कुछ अधिक समय तक शासन[2]

---

१. देखो, जनरल कनिंघम की आर्कियोलोजीकल सर्वे आफ इंडिया, पृ० १४६.

२. देखो, दिल्ली अथवा इन्द्रप्रस्थ, पृ० ६, ओझा जी द्वारा सम्पादित, टाड राजस्थान, पृ० २२७, राजपूताने का इतिहास (प्रथम भाग), पृ० २३४।

किया, इनमें अनंगपाल द्वितीय व अनंगपाल तृतीय विशेष-रूप से उल्लेखनीय हैं। अनंगपाल द्वितीय का समय जनरल कनिंघम ने सन १०५१ निश्चित किया है। उसने अपने शासन-काल में दिल्ली (मिहिरपुरी प्राचीन महरौली) में अनेक नवीन निर्माण कर राजधानी को समृद्ध बनाया। कुतुब मीनार के निकट प्राचीन इमारतों के, जिनमें लाल कोट नाम का एक 'दुर्ग', तथा अनंगताल नाम का कुंड विशेष प्रसिद्ध है, अवशिष्ट चिह्न अधिकांशरूप से उसके समय के ही माने जाते हैं। इस कारण ही किन्ही इतिहास-कारों ने उसे दिल्ली का समुद्धारक भी कहा है।

अनंगपाल तृतीय के बारे में सन ११३२ में रचे गये जैन कविवर श्रीधर के 'पार्श्वपुराण' में विस्तृत उल्लेख[३] मिलता है। इस पुराण की रचना उन्होंने दिल्ली में ही की थी।

अनंगपाल तृतीय के पश्चात तोमरवंश के किन किन अन्य अन्य शासकों ने और कितने समय दिल्ली पर शासन किया, यह अन्वेषणीय है।

सन ११६६ में दादा गुरू श्री जिनचन्द्र सूरि के समाधि स्थान पर दादावाड़ी का निर्माण किया गया जो वर्तमान में बड़ी दादावाड़ी के नाम से प्रसिद्ध है।

तोमर वंश के अनंतर दिल्ली पर चौहान वंश के राज्य का अभ्युदय हुआ। इसी वंश के अंतिम शासक पृथ्वीराज चौहान ने ऐतिहासिक काल की प्रथम दिल्ली 'पिथोरागढ़' नाम से बसायी। इसके शासन काल में मुहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किये और सन ११९२ के युद्ध में गृह कलह के कारण पृथ्वीराज पराजित होकर वन्दी हुआ और कुछ समय पश्चात मारा गया। इस प्रकार भारत में मुस-लमान राज्य की नींव पड़ी।

गौरी खानदान के बाद एबक, गुलाम, सैय्यद, तुग़लक खिलजी, लोदी, पठान, और मुग़ल, बादशाहों के शासन काल में राज्य परिवर्तन के साथ साथ दिल्ली के नाम और बसने के स्थान भी परिवर्तित हुए। उस समय से लेकर सन १९११ तक 'कोशके-सीरी' या 'किला-ए-अलाई', 'तुग़-लकाबाद,' 'जहांपनाह', 'फीरोजाबाद', 'पुराना किला', 'शाह-जनाबाद' और अंग्रेजों की 'नयी दिल्ली'—इस प्रकार ७ दिल्लियां और बसीं[४]।

उक्त ऐतिहासिक गति के विपरीत प्रथम बार अंग्रेज़ों ने अपनी राजधानी (नयी दिल्ली) प्राचीन शाहजहानाबाद के दक्षिण में बसायी। सम्भवतः यह भी उस विशाल साम्राज्यवाद की अपनी साम्राज्य सीमा को ऐतिहासिक गति के विपरीत अनंतकाल तक अक्षुण्ड बनाये रखने की नीति का अंश होगी।

उपर्युक्त राज्य परिवर्तनों ने दिल्ली के राजनैतिक रंग-मंच पर समय-समय पर अनेक दृश्य उपस्थित किये। प्रत्येक शासन का समय अपना भिन्न भिन्न प्रकार दौरदौरा रखता था और प्रत्येक दौरे में दिल्ली की राजनीति में नाना प्रकार के रंग पैदा होते थे। कभी शासन की बागडोर किसी मुंह चढ़े गुलाम और कभी किसी धार्मिक, न्याय प्रिय प्रजारक्ष बादशाह या वज़ीर के हाथ में होती थी। कभी किसी बड़े योद्धा सिपहसालार या किसी महलों में रहने वाली समझ-दार या नासमझ बेग़म का जोर होता था तो कभी किसी धर्मान्ध की आज्ञायें धार्मिक विद्वेष की धधकती अग्नि में सहस्रों को निस्संकोच जीवित जला कर भीषण अट्टहास करती। यदि उस काल की राजनैतिक गतिविधियों की विवेचना की जावे तो यह प्रगट होगा कि दिल्ली के महलों और किलों की चहारदीवारी से राज्य संचालन में समया-नुसार दो विभिन्न प्रकार के स्रोत फूटते थे जिनसे कि एक ओर तो प्रजापालन के एक बड़े मैदान की सिंचाई होती थी और दूसरी ओर मृत्यु और विध्वंस का आलिंगन किया जाता था।

इस कालचक्र की तीव्रगति में जब जब प्रथम प्रकार के स्रोत का बाहुल्य रहा, तब तब सामाजिक और राज-नैतिक समृद्धि के साथ साथ प्रत्येक संस्कृति पल्लवित हुई।

---

३. हरियाणए देसे असंखगाम, गामिययण जाणि अणवरय काम परचक्क विहट्टणु सिरि संघट्टणु जो सुखइणा परिगणियं। रिउ रुहिरावट्टणु विउलू पवट्टणु ढिल्ली नामेणजि भणियं।

जहिं असिवर तोडिड रिउ कपालु। णारणाहु प्रसिद्ध अणंगवालु णिरुदलवड्डिय हम्मीर वीरू। वंदियणविंद पवियणण चीरु॥ —पार्श्वपुराण

४. देखो, दिल्ली की कहानी

तोमर और चौहान राज्य में जैन धर्म

उक्त मुसलमान शासन काल से पूर्व तोमर और चौहान वंश दोनों ही क्षत्रिय राजवंशों में जैन धर्म बराबर फूलता फलता रहा। उस काल में अनेक मंदिरों का निर्माण, प्रतिष्ठा महोत्सव और जैन साहित्य की सृष्टि हुई। तोमर वंशीय अनंगपाल तृतीय का राज्य मंत्री साहू नट्टल अग्रवाल वंशी जैन था जिसने सन ११३२ में तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का भव्य और अत्यन्त कलापूर्ण विशाल मंदिर [५] का निर्माण कराया जिसे तथा अन्य हिन्दू मन्दिरों को ध्वंस करके ही कुतुबुद्दीन एबक ने कुतुबमीनार के निकट कुव्वत-उल-इस्लाम मसजिद का निर्माण कराया। इस मस्जिद के वर्तमान अवशिष्ट भग्नावशेषों में स्तम्भों व छतों में उत्कीर्ण दिगम्बर जैन मूर्तियां, जैन मन्दिरों की शैली पर उत्कीर्ण चित्र व कलायुक्त धर्मचिह्न उस प्राचीन मन्दिर के साक्षी हैं। लोहे की कीली के सामने वाले दालान के दोनों ओर के गुम्बदों में पत्थरों में अंकित भगवान पार्श्वनाथ आदि तीर्थंकरों की मूर्तियां, देवेन्द्र द्वारा भगवान का अभिषेक करते हुए समय का दृश्य, तीर्थंकर के गर्भ में आने के समय माता को दिखलाई देने वाले १६ स्वप्नों में 'मीन युगल' का शुभ चिह्न [६] तथा नीचे के दोनों ओर के दालानों में खंभों पर हुई नक्काशी की गुच्छेदार जंजीरों से लटकती घंटियां आदि प्राचीन जैन स्थापत्य-कला का दिग्दर्शन कराती हैं।

उक्त राज्यमंत्री साहू नट्टल के अनुरोध पर ही उसी वर्ष कविवर श्रीधरने श्री 'पार्श्वनाथ चरित' नामक काव्य [७] ग्रंथ की भी रचना की थी, जिसमें उनका व उनके द्वारा इस विशाल मन्दिर के निर्माण करवाने का उल्लेख मिलता है।

चौहान वंश के शासनकाल में भी जैन धर्म को पल्लवित होने का यथेष्ट अवसर मिला। इसमें न केवल दिल्ली व अजमेर के चौहानवंशी राजाओं ने योगदान दिया, किन्तु आगरा के पार्श्ववर्ती इलाके रपड़ी, रायवद्दिय और चन्द्रवाड़ के चौहानवंशी राजाओं के राज्यकाल में भी, जिनका राज्य १२ वीं से लेकर १५ वीं शताब्दी तक रहा है, विशेष प्रभावना हुई। उस समय लमेंचू और जैसवाल आदि वंशों के अनेक प्रतिष्ठित जैनों को राज्य मंत्री बनने का मान प्राप्त हुआ। इन मंत्रियों ने अनेक विशाल मन्दिरों का निर्माण करवाया तथा अनेक साधनों से जिनशासन के महत्व में वृद्धि की [८]। उस समय की अनेक महत्वपूर्ण साहित्यिक रचनाओं में जैन कवि लक्ष्मण, धनपाल और धर्मधर द्वारा रचित 'अणुव्रत रत्नप्रदीप' 'बाहुबलि चरित' 'श्रीपाल चरित' व 'नागकुमार चरित' उल्लेखनीय हैं।

सन ११६९ के बिजोलिया के शिलालेख [९] से प्रकट है कि चौहानवंशीय राजा पृथ्वीराज द्वितीय और सोमेश्वर ने 'मोरझरी' और 'खेणा' नाम के गांव दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर (जिसका कथन ऊपर आया है) को दान में दिये थे।

---

५. पश्चाद्बभूव शशिमंडल भासमानः,
ख्यात क्षितीश्वर जनादपि लब्धमाना।
सद्दर्शनामृत रसायन पान पुष्टः,
श्री नट्टलः शुभमनाः सप्नारिद्रप्टुः॥
कवि श्रीधर रचित 'पार्श्वनाथ चरित' प्रशस्ति

६. येनाराध्य विशुद्ध धीरमतिना देवाधिदेवं जिनं,
सत्पुण्यं समुपर्जितं निजगुणैं संतोपिता बांधवः
जैनं चैत्यमकारि सुन्दरतरं जैनीं प्रतिष्ठा तथा
सश्रीमान विदित सदैव जयतात पृथ्वीतलेनट्टलः।
—पार्श्वनाथ चरित पांचवी संधि।

७. विक्कमणरिंद सुपसिद्ध कालि,
ढिल्ली पट्टणि धणकण विसालि,।
सणवासी एयारह सएहिं,
परिवाडिएवरिस परिगएहिं॥
कहाणट्ठमीहि आगहणमासि,
रविवार समाणिउ सिसिरभासि॥
—पार्श्वनाथ चरित प्रशस्ति.

८. देखो, जैन गजट दि० १८ जून, १९५९-पं० परमानंद शास्त्री का लेख 'दिल्ली में जैन धर्म।'

९. देखो, एपिग्राफिया इण्डिका, जिल्द २६, पृ० १०२, और अनेकांत वर्ष ११ किरण १० में प्रकाशित 'बिजोलिया का शिलालेख' नामक लेख।

मुसलमानी शासनकाल में जैन धर्म

मुहम्मद गौरी के स्वदेश वापिस चले चले जाने के बाद वास्तव में भारत में मुसलमानी शासन की सुदृढ़ नींव कुतुबुद्दीन एबक द्वारा डाली गई। कुतुबुद्दीन इस्लाम का कट्टर अनुयायी था। उसने अपनी धर्मांधता में अनेकों हिन्दू व जैन मन्दिरों को विध्वंस कराया। उपर्युक्त राजा अनंग पाल तृतीय के राज्यमंत्री श्री साहू नट्टल द्वारा निर्मित विशाल मन्दिर को भी तोड़कर उसने कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद बनवायी। जनरल कनिंघम को दिल्ली की इस मसजिद की दीवाल पर एक अभिलेख अंकित मिला था कि इस मसजिद के वास्ते सामग्री प्रदान करने के लिये २७ भारतीय मन्दिर नष्ट किये गये[१०]।

उक्त प्रकार के कार्य सामान्यतः अधिकांश मुसलमान बादशाहों के शासनकाल में हुए, किन्तु इस वातावरण में भी जैन साधुओं व श्रावकों ने अपने धर्म पर आरूढ़ रह कर तथा समुचित कर्तव्यों को निभा कर साहस व धैर्य का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सन १२७२ में, जबकि दिल्ली में गुलाम वंश के ही गयासुद्दीन बलबन का शासन था, आचार्य कुंदकुंद के महान आध्यात्मिक ग्रंथ 'पंचास्तिकाय' की प्रति दिल्ली में लिखी गई। इसकी एक प्रति जयपुर के तेरापंथी मंदिर के शास्त्र भंडार में आज भी सुरक्षित[११] है। बलबन के शासन काल में ही प्राग्वाट (पोरवाड़) कुल के सूर और वीर दो जैन सरदार राज्यमंत्री के पद पर नियुक्त किये गये[१२]

दिल्ली के सिंहासन पर गुलामवंश के बाद खिलजी वंश का अभ्युदय हुआ। इस वंश में अलाउद्दीन खिलजी का समय ऐतिहासिक तथा जैन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा है। यद्यपि अलाउद्दीन तीव्र और उग्र प्रवृत्ति का शासक था और उसकी किसी भी धर्म विशेष में आस्था न थी, किन्तु किसी संयोगवश वह जब भी जैन श्रावक अथवा साधुओं के समागम में आया, जैन धर्म की विशेषताओं ने उसके हृदय पर अपनी छाप अंकित की, जैसा कि निम्न प्रसंग से प्रकट होता है।

कहा जाता है कि एक बार बादशाह ने अपने एक दो कृपापात्र दरबारियों के कहने पर सभी धर्मों की परीक्षा लेने का विचार किया और इस बात की आज्ञा प्रचलित की कि जो धर्मावलम्बी अपने धर्म की परीक्षा में अनुतीर्ण होंगे, उनको इस्लाम अंगीकार करना पड़ेगा। जब जैनों को बुलाया गया तो उन्होंने ६ मास का समय मांगा। बादशाह से अनुमति मिलने पर उन्होंने गुरु की खोज में दक्षिण की ओर प्रस्थान किया। दक्षिण में उन्हें माहवसेन (माधवसेन) मुनिराज के दर्शन हुए। मुनिराज ने निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद पहुंचकर दरबार में वाद-विवाद किया और जैन धर्म की महत्ता पर उपदेश दिया[१३] जिसे सुन कर बादशाह बड़ा प्रभावित हुआ और ३२ शाही फर्मानों द्वारा जैन धर्म की महत्ता के साथ अहिंसा की प्रतिष्ठा और यात्रा आदि की सुविधाओं के साथ जीव हिंसा न करने का उल्लेख किया। वे फर्मान काष्ठासंघ मायुर गच्छ पुष्कर-गण के भट्टारक जगत्कीर्ति के शिष्य ललितकीर्ति के पास जो दिल्ली की गद्दी के भट्टारक थे सन १८३१ तक सुरक्षित रहे, उसके बाद वे फर्मान किस स्थान को ले जाये गये, अभी तक अज्ञात है। कहते हैं कि उन फर्मानों की कापियां नागौर और कोल्हापुर के भट्टारकीय भंडारों में अब भी उपलब्ध हैं।

उपर्युक्त मुनिराज माधवसेन के पास जाने वाले श्रावकों में तत्कालीन दिल्ली के प्रसिद्ध सेठ पूर्णचन्द्र जी अग्रवाल प्रमुख थे। अलाउद्दीन के दरबार में उनका बड़ा आदर था। उन्होंने बादशाह से आज्ञा लेकर गिरनार की यात्रार्थ एक तीर्थ यात्रा संघ[१४] निकाला था। उसी समय एक श्वेताम्बर संघ साहू पेयड़ के नेतृत्व में गिरनार यात्रा को पहुंचा था।

---

१०. दी आर्कियालाजीकल रिपोर्टर्स, जिल्द, १ पृ० १७६.

११. देखो, तेरापंथी मन्दिर जयपुर की जैन ग्रंथ सूची में अंकित पंक्तियां—'संवत १३२९ चैत्रवदी दशम्यां बुधवासरे अद्येह योगनीपुरे समस्त राजा वलि सभलंकृत श्री गयासदीन राज्ये अत्र स्थित अग्रोतव परम श्रावक जिन चरण कमल......

१२. देखो, सोमगणिकृत गुरु गुण रत्नाकर में निम्न पंक्तियां—'श्री ग्यास दीनावनि मुग्नियोगिनी महर्द्धि को मडणप दुर्गवासिनो। श्री सूरवीरी कृतिनौ। सुदानिनौ प्राग्वाट मुख्याविहयौ यशस्विनौ ॥१५॥

१३. देखो, जैन सिद्धांत भास्कर भाग१, किरण ४, पृ० १०९.

१४. देखो, जैन हितैषी भाग १५, अंक ४, पृ० १३२.

अलाउद्दीन के राज्य में ठक्कुर फेरू नाम के एक जैन विद्वान शाही खजांची थे। वे रत्न-परीक्षक और टकसाल के कार्य में दक्ष थे। राजकीय कार्य से समय निकाल कर उन्हों ने कई आध्यात्मिक रचनाएं भी कीं। 'युग प्रधान चौपई' नामक रचना सन १२९० में और 'रत्न परीक्षा', 'द्रव्य धातुत्पति', 'वस्तुसार प्रकरण' व 'जोईसार' ग्रंथ सन १३१६ में रचे। इसके अतिरिक्त भी उन्होंने कई ग्रंथ संभवतः अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद अपने विश्रामकाल में लिखे[१५]।

सन १३०९ में पानीपत निवासी साहुछंगे के पुत्र साहु-वीसल की प्रेरणा से कन्हड़ के पुत्र गंधर्व कवि ने आचार्य पुष्पदंत के यशोधर चरित्र में राजा व कौरू का प्रसंग, यशोधर का आश्चर्यजनक विवाह, और उसके भवांतर बना कर प्रविष्ट किये थे।[१६]

सन १३७९ में श्रावक देवराज ने ससंघ शत्रुंजय की यात्रा की जिसका उल्लेख तत्कालीन आचार्य जिनप्रभ सूरि ने निम्न पद्य में किया है:

महि मंडलि हुय संघ वइणा,
दिवराय सरिस बहु जत्तजणा।
जिणि ढिल्लिअ नगरिहि मज्झिसयं,
देवालउवढ़िढउ जत्तकयं ॥३॥
फालिहमणिससिहर कर विमलं,
जस कलसु चढावियऊ जेण कुलं।
मग्गणजण तोसि य घणवरिसे,
अवयरिउकन्नु दिवराय मिसे ॥४॥

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभ सूरि ने अपनी मधुर वाणी व गंभीर भाषण शैली से तत्कालीन बादशाह कुतुबुद्दीन मुबारकशाह को बड़ा ही प्रभावित किया था[१७]।

तुग़लक वंश में सर्वप्रथम बादशाह गयासुद्दीन तुग़लक सन १३२० में दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसके ही शासन काल में सन १३२३ में दिल्ली के श्रीमाल ज्ञातीय सेठ हरू के पुत्र श्रावक रयपति ने तीर्थयात्रा के लिये शाही फर्मान प्राप्त किया था और ५ माह की लम्बी यात्रा के बाद दिल्ली वापिस पहुँचे थे[१८]।

गयासुद्दीन तुग़लक की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र मुहम्मद तुग़लक गद्दी पर बैठा। मुहम्मद तुग़लक बड़ा ही विद्वान तथा तर्क, ज्योतिष व गणित में निपुण था। वह उच्चकोटि का लेखक व कवि भी था। दक्षिण में हुम्वय नामक स्थान के 'पद्मावती बस्ति' के शिलालेख से यह प्रगट होता है कि मुहम्मद तुग़लक ने कर्नाटक देशवासी दिगम्बर जैनाचार्य सिंहकीर्ति को सम्मान दिया था। आचार्य जी ने

---

१५. देखो, विशाल भारत अंक—पृ० १० पर मुनि कांतिसागर द्वारा 'लेख'।

१६. हो पंडिय ठक्कुर कणह पुत्त,
उवयारिय वल्लह परम मित्त।
कइ पुप्फयंत जसहरचरित्त,
किउ सुट्ठु सद्दलक्खण विचित्तु।
पेसहितंहि राउलुकउलु अज्जु,
जसहार-विवाहु तहजणिय चोज्जु।
सयलहं भव-भमण भवंतराइं,
महुवंछिउ करहि णिरंत राइं।
ता साहु समीहिउ कियउ सव्वु,
राउलु विवाहु भव-भमण भव्वु।
वक्खाणिउ पुरउ सेहइ जाम,
संतुट्ठउ वीसल साहु ताम।
जोयणिपुर वरि णिवसंतु सिट्ठु,
साहुहि धरे सुत्थि यणहु घुट्ठ।
पणसट्ठि सहिय ते रहसमाइं,
णिव विक्कम संवच्छा गया इं।
वइसाह पहिल्लइ पक्खिवीय,
रविवार सभत्थिउ मिस्सतीय।
चिरु वत्थु बंधिकइ कियउ जंजि,
पद्धडियहि बंधि मइ रइउ तंजि।
गंधव्वे कण्हयणंदणेण,
आयइं भवाइं किय थिरमणेण।
—'यशोधर चरित' प्रशस्ति, आमेर भण्डार।

१७. राउ महमंद साहिजिणि नियगुण जियउ मेहि
मंडलि ढिल्लिय पुरि जिनधरमु प्रकट किउ।
तेर पंचासियइ पोस सुदि आठमि सणिहवारो भेटिउ असपते
महमदो सुगुरू ढीलियनयरे॥
—जिनप्रभसूरि गीत ऐतिहासिक काव्य संग्रह पृ० ११-१३.

१८. देखो, दी कर्णाटक हिस्टोरीकल रिव्यू भा० ४, पृ. ८५.

बादशाह के निमंत्रण[१९] पर दरबार में जाकर धर्म का बड़ा ही सारगर्भित विवेचन किया था। आचार्य सिंहकीर्ति जी ने ही उस समय में हुए वाद-विवाद में इतर विद्वानों को पराजित किया था[२०]।

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभु सूरि ने मुहम्मद तुग़लक के राज्यकाल में ही अपना 'विविध तीर्थ कल्प' नामक ग्रंथ पूर्ण किया था[२१]। उसी समय भट्टारक रत्नकीर्ति के पट्ट पर भ० प्रभाचन्द्र का भारी महोत्सव के साथ पट्टाभिषेक हुआ था, जिसका उल्लेख उनके शिष्य धनपाल ने अपने 'बाहुबलि चरित' में किया है[२२]। इसी ग्रंथ में भ० प्रभाचन्द्र की मुहम्मद तुग़लक द्वारा मान्यता का भी उल्लेख है[२३]।

१९. देखो, कर्णाटक हिस्टोरीकल रिव्यू, भा० ४, पृ० ८५.

२०. श्री मद्दिल्ली पुरेउ, मुहम्मद सुरित्राणस्य माराकृतेः निर्जित्याशु सभावनौ जिनगुरू बौद्धादि-वादि-व्रजम। श्री भट्टारक सिंह कीर्ति मुनिरा'''द्यैकविद्यागुरुः बाभात्यश्वपते दिनेशतनयो बंगाल देशावृत :

हुम्वच वस्ति शिलालेख, जैन लेख सं० भा० ३ पृ० ५२१॥

उक्त वाद विवाद का उल्लेख दशभक्त्यादि महाशास्त्र में भी इस प्रकार है:

विद्यानन्द स्वामिन सुनूवर्यः संजात-सत्सिंह कीर्ति वतीद्रः। ख्यातः श्रीमान पूर्ण चरित्र गात्रो दान स्वभूं धेनुमन्दार देशः॥ बाभात्यश्वपदे दिनेश तनयो गंगाढय देश वृतः। श्री मद्दिल्लि पुरे महम्मद सुरित्राणस्य माराकृतेः। निर्जित्याशू सभावनौ जिनगुरू बौद्धादि वादि व्रजम। श्री भट्टारक सिंह कीर्ति मुनिराट नाटचैक विद्या गुरूः॥

—दशभक्त्यादि महाशास्त्र।

२१. नन्दानेक प्रशस्ति शीत गुमिते श्री विभुमोर्वीपते, वर्षे भाद्रपदस्य मास्यवरजे सौम्येदशम्यां तिथौ। श्री हम्मीर महम्मदे प्रतपति क्षमामंडलेखंडले, ग्रंथोऽयं परिपूर्णतो समभजच्छी योगिनीपतने। —विविध तीर्थ कल्प.

२२. तहिं भव्वहि सुमहोच्छवु विहियउ,
सिरि रयणकित्ति पट्टं णिहियउ।
—बाहुबलि चरित प्रशस्ति।

२३. 'महमद साहि मणु रंजियउ,
विज्जिहि वाइय मणु भंजियउ।"
—बाहुबलि चरित प्रशस्ति।

मुद्रण शैली के अभाव में उस समय श्रावकों के अनुरोध पर विद्वानों द्वारा धार्मिक ग्रंथों का लिखा जाना और मन्दिरों में विराजमान होना एक विशेष महत्व की बात मानी जाती थी। सन १३३४ में अग्रवाल वंशी साहू महीपाल के पुत्रों ने महाकवि पुष्पदंत के उत्तर पुराण की प्रति लिखवाई थी जो आज भी आमेर के शास्त्र भंडार में सुरक्षित[२४] है।

इसी प्रकार, जैन शास्त्रों में बतलाई गई व्यवस्थानुसार व्रतों की समाप्ति (उद्यापन) पर मन्दिरों में धर्म ग्रन्थों को भेंट देने का प्रचलन उस समय भी दिल्ली में था। सन १३४२ में दिल्ली के 'दरबार चैत्यालय' में पंचमी व्रत के उद्यापन पर काष्ठासंघी भट्टारक नयसेन के शिष्य दुर्लभसेन के अध्ययनार्थ अग्रवाल वंशी श्रावक सागिया और उनके पुत्रों द्वारा सकल संघ के समक्ष पांच पुस्तकें विराजमान करने का उल्लेख[२५] आमेर के शास्त्र भंडार में उपलब्ध 'क्रिया कलाप सवृत्ति' नामक ग्रंथ में मिलता है। इस सम्मुलेख में यह बात विशेषरूप से ध्यान देने योग्य है कि उस समय दिल्ली में एक 'दरबार चैत्यालय' नामका प्रसिद्ध मन्दिर था जिसमें काष्टासंघ, माथुरगच्छ और पुष्करगण के साधु नयसेन और दुर्लभसेन निवास करते थे। यह चैत्यालय कहां और किस स्थान विशेष पर था, किसके द्वारा बनवाया गया था और इसका क्या हुआ, यह सब अज्ञात सा ही है। किन्तु ऐसा मत है कि सम्भवतः यह चैत्यालय पूर्व में बसी हुई दिल्ली के स्थान पर ही कहीं होगा।

सन १३५१ में मुहम्मद तुग़लक की मृत्यु के पश्चात उसका चचेरा भाई फीरोजशाह तुग़लक दिल्ली की गद्दी पर बैठा। फीरोजशाह स्वभाव का धार्मिक व शांतिप्रिय था। यद्यपि वह इस्लाम का कट्टर पक्षपाती था, परन्तु तत्कालीन जैन भट्टारक प्रभाचन्द्र[२६] का विशेष सम्मान करता था।

२४. देखो, उत्तर पुराण लिपि प्रशस्ति संग्रह पृ० ६७.

२५. देखो, क्रिया कलाप सटीक प्रशस्ति, प्रशस्ति संग्रह, पृ० ६७.

२६. देखो, ए. पन्नालाल दि० जैन सरस्वती भवन ब्यावर में उपलब्ध 'भगवती आराधना पंजिका' और जयपुर तेरापंथी मंदिर में उपलब्ध 'बृहद द्रव्य संग्रह' की लिपिप्रशस्तियां।

तुग़लक वंश के अन्तिम बादशाह महमूद तुग़लक की सन १४१४ में मृत्यु के साथ ही इस वंश का अंत हो गया और उसके बाद सैयद वंश का पहला बादशाह खिजर खां बना। इस वंश के बादशाहों ने दिल्ली सिंहासन पर सन १४५० तक राज्य किया। इस वंश के मुबारिकशाह के शासन काल (सन १४२१-२३) में साहू हेमराज राज[२७]-मंत्री पर पद रहे। इन्होंने एक भव्य चैत्यालय बनवाया, तत्कालीन भट्टारक यशः कीर्ति द्वारा पाण्डव-पुराण की रचना करवाई और हस्तिनापुर के लिये संघ चलाया था[२८]। यशकीर्ति व उनके जेष्ठ भ्राता एवं गुरु गुण कीर्ति दोनों ही अपने समय के बड़े विद्वान व संयमी थे। उन्होंने स्थानों स्थानों पर भ्रमण कर जनसाधारण के लिये धर्म का उपदेश दिया। तथा अनेक ग्रंथों का जीर्णोद्धार कराया। गुणकीर्ति जी की प्रेरणा से पं० पद्मनाभ नाम के कायस्थ विद्वान ने 'यशोधर चरित' की रचना की। भट्ट० यशकीर्ति जी ने अग्रवाल वंशी साहू दिवड्डा की प्रेरणा से 'हरिवंश पुराण' नाम के ग्रंथ की रचना स १४४३ में की[२९]। इस ग्रंथ में २६७ कड़वकों के द्वारा जैन धर्मानुकूल महाभारत की कथा को अंकित करते हुऐ भं० नेमिनाथ का जीवन परिचय दिया है।

धर्मपुरा स्थित 'नया मंदिर' में भट्टारक यशःकीर्ति की प्रेरणा पर कवि विबुध श्रीधर द्वारा संस्कृत का सन १४२६ में रचित 'भविष्यदत्त कथा' नाम का ग्रंथ उपलब्ध है।

सन १४६१ में सैयद वंश के अंत के पश्चात लोदी वंश के सुलतानों ने दिल्ली पर शासन किया। इस वंश के अंतिम सुलतान इब्राहीम लोदी को सन १५२६ में पानीपत के प्रथम युद्ध में परास्त कर बाबर ने भारत में मुग़ल वंश की स्थापना की। बाबर के राज्य काल में सन १५३० में साहू साधारण श्रावक की प्रेरणा से दिल्ली (योगिनीपुर) में इल्लराज के पुत्र महिन्दु (महाचन्द्र) ने भगवान शांतिनाथ का चरित चार हजार तीन सौ श्लोकों के प्रमाण का बनाया था[३०]। उस ग्रंथ की एक मात्र उपलब्ध पांडुलिपि धर्मपुरा के नया मन्दिर के शास्त्र भंडार में आज भी है। इस ग्रंथ से यह भी ज्ञातव्य है कि साहू साधारण ने उस समय एक चैत्यालय का निर्माण कराया था और हस्तिनागपुर की यात्रा के लिये संघ भी चलाया था[३१]।

२७. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"तहो णंदणु णंदणु हेमराउ,
जिणधम्मोवरि जसु णिच्च भाउ।
सुइताण मुमारख तणंइ रज्जे,
मंतितणे थिउ पिय भार कज्जे।"

२८. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"जे अरहंत देउ मणि भाविउ,
जासु पहुत्त कोविण ताविउ।
जेण करावहु जिण चेयालउ,
पुणणहेउ चिररय पक्खालउ।
धयतोरण कलसेहि अलंकिउ,
जसु गुरुत्ति हरि जाणुवि संकिउ।"

विक्कमराय हो ववगय कालइं,
महि इंदिय दुसुणण अंकालइं।
भादव एयारसि सिय गुरुदिणे,
हुउ परिपुणणउ उग्गंतहि इणे॥

—हरिवंश पुराण-१३ १६

२९. वदान्यो बहुमानश्च सदा प्रीतो जिनार्चने।
परस्त्री विमुखो नित्यं दिउढाख्योम नन्दतात्॥

—हरिवंश पुराण संधि ५-१

३०. देखो, शांतिनाथ चरित की निम्न पक्तियां—

'विक्कम राय हु ववगइ कालइ
रिसि-वसु-सर भूयवि अंकालइ।
कत्तिय पढम-पक्खि पंचमिदिणि,
हुउ परिपुणणे कि उगंतइ इणि॥"

३१. देखो, शांतिनाथ चरित प्रशस्ति—

"जहि चाउवणण पयसुहि वसंति,
णिय-णिय किरियाइ विरत्त चित्ति।
तहि चेयालउ उत्तुंग सहइ,
धय मंडिड मोक्खहो मग्गु वहइ।
जहि मुणिवर सत्थइं वायरंति,
मह-जणण-पूय सावयकरंति।
तहि कट्ठसंघ माहुर विगच्छि,
पुक्खरगण मुणिवर चइविलच्छि।
जसमुत्ति विजसकित्तिवि मुणिंदु,
भव्वयण-कमल-वियसण-दिणिंदु।
तहु सीसु वि मुणिवरू मलयकिति,
अणवरय भमइ नगि जाहकित्ति।
तहु सीसु वि गुण-गण रयण भूरि,
भुवणयलि सिद्ध गुणभद्द-सूरि।
घत्ता-तहुपय-भत्तउ साहु भोयराउ जाणिज्जइ,
गुण वड्ढियइ णिवाणि जोयणिपुर णिवसज्जइ।

ी समय के साहु तोसड के जयेष्ठ पुत्र नेमिदास चन्द्रवाड़ के तत्कालीन चौहानवंशी राजा प्रतापरुद्र म्मानित था, ने बहुत प्रकार की धातु स्फटिक और (मूंगा) की अगणित जैन प्रतिमाऐं बनवाई थीं और प्रतिष्ठा भी कराई थीं[३२]।

ोरशाह सूरी, जो कि बाबर की मृत्यु के पश्चात उस ा हुमायूं को सन १५४० में पूर्णतया परास्त कर दिल्ली हासन पर बैठा, के शासन काल में आचार्य पुष्पदंत त 'आदिपुराण' की एक सचित्र प्रति लिखी गई, जो कि ान में जयपुर के तेरापंथी मन्दिर के शास्त्र भंडार में ा भी सुरक्षित है। इस ग्रंथ में लगभग ५०० चित्र हैं में अधिकांश स्वर्णांकित हैं। इन चित्रों में मुग़लकालीन ा परिलक्षित होती है तथापि दर्शनीय और भावपूर्ण हैं। सन १५५५ में हुमायूं ने पुनः दिल्ली का राज्य प्राप्त या। सन १५५६ में उसकी मृत्यु के पश्चात उसका ा अकबर गद्दी पर बैठा किन्तु उसने आगरा को जधानी बनाया। भारतीय इतिहास में मुग़ल सम्राटों अकबर का शासन काल स्वर्णयुग माना जाता है। कबर की उदार व असाम्प्रदायिक धार्मिक नीति के कारण सके शासन काल में प्रत्येक धर्म ने प्रगति की। अकबर ो इस धर्म निरपेक्षता की नीति के बारे में उल्लेख उस मय के जैन विद्वान पांडे राजमल जी ने सन १५७५ में चे गये अपने ग्रंथ 'श्री जम्बू स्वामी चरित' में भी किया है[३३]।

उक्त ग्रंथ में जैन श्रावक साहू टोडरमल, जो कि अकबर के उच्चधिकारियों में से थे और जिन्होंने मथुरा के निकट बने हुऐ ५०० से भी अधिक जीर्ण स्तूपों का उद्धार कराया था तथा नवीन स्तूप भी निर्माण कराये थे, का भी उल्लेख किया है[३४]।

अकबर एक कुशल राजनीतिज्ञ व धर्म निरपेक्ष बादशाह होने के साथ-साथ विद्वान प्रेमी भी था। उसके दरबार के नवरत्न इतिहास प्रसिद्ध हैं। श्वेताम्बरीय जैन तपगच्छ के तत्कालीन विद्वान पद्मसुन्दर उसके ३२ हिन्दू सभासदों के पांच विभागों में से प्रथम विभाग में थे[३५]। पद्मसुन्दर जी के के गुरू पद्ममेरू और दादा गुरु आनन्दमेरु दोनों ही विद्वान बाबर व हुमायूं से सम्मानित थे[३६]। पद्म सुन्दर जी के स्वर्गवास के पश्चात उनका विशाल जैन इतर साहित्य का भंडार भी अकबर के संरक्षण में ही रहा[३७]।

उस समय के प्रख्यात श्वेताम्बर जैनाचार्य हरिविजय जी व उनके शिष्य अकबर द्वारा विशेष सम्मान प्राप्त थे। आचार्य हरिविजय जी को उसने प्रथम भेंट पर जो कि सन १५८२ में हुई, उक्त पद्म सुन्दर जी के भंडार में से एक ंथ भी उपहार स्वरूप दिया था[३८]।

अबुलफजल ने इन साधुओं की गणना अकबर के दरबार के उल्लेखनीय विद्वानों में की है। उसने उन्हें 'खुशफहम' की उपाधि प्रदान की थी[३९]।

अकबर के शासन-काल में ही पद्मसुन्दर जी ने 'भविष्य दत्त चरित', 'रायमल्लाभ्युदय काव्य,' और 'पार्श्वनाथ चरित,' नामक ३ ग्रंथों की रचना की थी। भट्टारक विशाल कीर्ति के शिष्य ठाकुर ने भी उसी समय 'महापुराण कालिका' नामक विशाल हिन्दी ग्रंथ की रचना की थी जिस में त्रेसठशलाका पुरुषों (२४ तीर्थंकर, १२ चक्रवर्ती, ९ नारायण, ९ प्रतिनारायण और ९ बलभद्र) का संक्षिप्त परिचय दिया गया है[४०]। कवि परिमल की सन १५४९ की रचना 'श्रीपाल चरित' भी उसी समय की है।

जे तित्थयर विगोत्तु णिवद्धउ,
करि पयट्ठ सुहं पुराणु लद्धउ।
संघाहिउ गयपुरि संजायउ,
अमर वालु संघह सहु भायउ।
गग्ग गोतु णिम्मलु गुण सायरू,
सुथरें मेरुवितेय दिवायरू।"

३२. देखो, क़विवर रइधू कृत 'पुराणाश्रव कथा कोष' प्रशस्ति।

३३. देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्र' के ९, १० ० ११ वें पद्य।

३४. देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्त' के ७९ से १२२ वें पद्य।

३५. देखो, जैन साहित्य और इतिहास, पृ० ३९५.

३६. देखो, पद्मसुन्दर कृत 'अकबर शाहिश्रृंगारदर्पण' की प्रशस्ति।

३७-३८. देखो, 'सूरीश्वर अने सम्राट' पृ० ११९.

३९. अनेकांत वर्ष १३, किरण ७-८ में प्रकाशित लेख।

४०. देखो, 'लाटी संहिता' के २३, ६१ व ६२ वें छंद।

अकबर ने गुजरात के तत्कालीन महाविद्वान् साधु श्री जिनचन्दसूरि की विद्वता के बारे में सुनकर उन्हें सम्मान के साथ आमंत्रित किया था[४१]। जब तक उन्होंने राजधानी में निवास किया, वह उनका उपदेश नित्य श्रवण किया करता था।

अकबर के पुत्र सलीम (जहांगीर) के शासन काल में भी अनेक मूल ग्रंथों की रचना हुई और प्रतिलिपि का कार्य हुआ। जहांगीर ने भी अपनी राजधानी आगरा ही रखी इसी पर आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरि के शिष्य जिनसिंह का विशेष प्रभाव पड़ा था[४२]।

जहांगीर के शासन काल में जैन जगत के सुविख्यात कविवर भगवती दास जो कि मूलतः बूढ़िया ग्राम (जिला अम्बाला) के निवासी थे व दिल्ली के तत्कालीन भट्टारक महेन्द्रसेन के शिष्य थे ने अपनी रचनायें कीं। भगवतीदास जी जैनागम के अच्छे ज्ञाता संस्कृत व प्राकृत भाषा के विद्वान व आशु कवि थे। उनकी संस्कृत हिन्दी और अपभ्रंश भाषा की अनेक रचनाऐं उपलब्ध हैं।

कारंजा के शास्त्र भंडार में आपकी ज्योतिष सम्बन्धी 'ज्योतिषसार' नाम की एक संस्कृत रचना भी उपलब्ध है, जिसे उन्होंने सन १६३७ में हिंसार के वर्धमान चैत्यालय में बना कर समाप्त किया था[४३]। उनकी कुछ महत्वपूर्ण कृतियां जो कि सन १५६४ से लेकर सन १६४३ तक के समय के बीच में रची गई थीं अजमेर के भट्टारक हर्षकीर्ति के शास्त्र भंडार के एक गुटके में लिखी हुई प्राप्त हुई हैं। उन की अन्य रचनाओं में 'वैद्य विनोद' 'दिल्ली राज दोहावली' 'चूनडी रास' और 'अनेकार्थ नाम माला' उल्लेखनीय है[४४]। 'वैद्य विनोद' की रचना उन्होंने सन १६४३ में अकबरावाद में की थी और जो अब भी कारंजा के ज्ञान भंडार में सुरक्षित है। उन्होंने 'चूनड़ी रास' ग्रंथ की रचना सन १६२३ में जहांगीर के राज्य काल में की थी, इस ग्रंथ की अन्तिम प्रशस्ति में दिल्ली (योगिनीपुर) के मोती बाजार में स्थित पार्श्वनाथ मन्दिर का उल्लेख विशेष किया गया है[४५]। इस मंदिर का निर्माण कब और किस स्थान पर हुआ तथा बाद में इसके अस्तित्व को क्या हुआ, यह उपर्युक्त सन १४४० से लेकर सन १५३० के बीच में स्थित कई मन्दिरों, जिनके बारे में विभिन्न ग्रंथों में उल्लेख मिलता है और जिनका अस्तित्व आज ज्ञात नहीं हैं, की तरह अन्वेषणीय है।

सन १६२७ में जहाँगीर की मृत्यु के पश्चात उसके पुत्र शाहजहां सिंहासन पर बैठा। उसने पुनः दिल्ली को शाहजहांनाबाद के नाम से राजधानी बनाया। उसके शासन काल में ही एक सैनिक ने छावनी के निकट उर्दू बाजार में शाही अनुमति लेकर जैन मन्दिर की स्थापना की थी जो उस समय उर्दू मन्दिर और कालांतर में लाल मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। जैसा कि अगले अध्याय में दिये गये विवरण से प्रगट होगा, मन्दिर की दायीं ओर की वेदी प्राचीन मूल वेदी है जिसमें तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सन १४६१ की भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित मूर्ति विराजमान हैं।

शाहजहां के राज्य काल में ही दिल्ली दरवाजे के निकट अवस्थित दिगम्बर जैन मन्दिर का निर्माण हुआ[४६]।

---

४१. देखो, सूरिश्वर अने सम्राट, पृ० १४६७-१५५.
४२. इंडियन कलचर भा० ४ नं० ३, पृ० ३११-१२.
४३. देखो, भगवतीदास कृत 'ज्योतिसार'।
४४. देखो, अनेकांत वर्ष ११, किरण ४-५.

४५. देखो, भगवतीदास कृत 'चूनड़ी रास' के ८३ व ८४ वें निम्न पद्य—

"नगर बूढ़िये वसै भगौती,
जन्मभूमि है आसि भगौती।
अग्रवाल कुल वंसल गोती,
पंडित पद जन निरख भगौती। ८३.

जोगनिपुर परि राजें,
राम खोरि नित नौवत वाजे।
प्रतिमा पार्श्वनाथ अघहंता,
नगर नर पवर मतिवंता।
मोती हट निज भवन विराजै,
प्रतिमा पार्श्वनाथ की साजै।
श्रावक सुगुन सुजात दयाल,
पट् जिय जाम करे प्रतिपाल ॥

४६. देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनूमेंटस।

सन १६३५ में पंडित प्रवर रूपचन्द्र जी ने समवशरण पाठ की रचना की[४७]।

औरंगजेब के समय में क्रूर और कट्टर सम्प्रदायिक नीति का पुनः बोलबाला हुआ। अकबर द्वारा लगाये गये धर्म निरपेक्ष शासन के वृक्ष को समूल जड़ से उखाड कर फेंक दिया गया। ऐसे शासन में नवीन मंदिरों, मूर्तियों आदि के निर्माण की बात तो दूर रही, अवस्थित मन्दिरों आदि धार्मिक स्थानों को सुरक्षित रहना भी दुष्कर था।

उस समय की दिल्ली की उल्लेखनीय ग्रंथ रचनाओं में आचार्य अरुणमणि का 'अजितपुराण' है जिसकी रचना उन्होंने सन १६५९ में शाहजहानाबाद में जयसिंहपुरा के पार्श्वनाथ मन्दिर में की थी[४८]।

शाहजहानाबाद में जो बाद को जयसिंहपुरा और वर्तमान में नई दिल्ली के नाम से प्रसिद्ध है, दो प्राचीन मंदिरों का उल्लेख मिलता है एक मन्दिर पार्श्वनाथ का जिसका उल्लेख उक्त अजितपुराण में आया है और जो आज कल खंडेलवाल मन्दिर कहा जाता है, यह मन्दिर कब और किसने बनवाया, यह ज्ञात नहीं हो सका। दूसरे मन्दिर का उल्लेख 'महावीर चैत्यालय' के नाम से मुगल बादशाह मुहम्मदशाह के राज्यकाल का सन १७२४ का उपलब्ध हुआ है। इस मन्दिर के बारे में ऐसा कहा जाता है कि जयपुर के राजा सवाई जयसिंह जब दिल्ली पधारे थे और उन्होंने सन १७२४ में जब रायसीना में जंतर मंतर का निर्माण कराया था, उसी समय उनके दीवान रामचन्द्र छावड़ा ने 'महावीर चैत्यालय' का निर्माण कराया था। ऐसा भी मत है कि नई दिल्ली की वर्तमान निशियां स्थान में ही उक्त मन्दिर अवस्थित रहा हो क्योंकि उसमें भी शिखर आदि नहीं था।

सन १७१६ में नौघरे के भव्य व कलापूर्ण श्वेताम्बर मन्दिर का निर्माण हुआ।

औरंगजेब के बाद बहादुरशाह, फर्रुखसियर और मुम्मदशाह दिल्ली की गद्दी पर बैठे। फर्रुखसियर के काल में सेठ घासी राम खजांची रहे जिन्होंने कूंचा घासीराम बसाया। मुहम्मदशाह के राज्य काल में सन १७३९ में नादिरशाह के आक्रमण से मुगल साम्राज्य, जिसका अधःपतन औरंगजेब के समय से ही प्रारंभ हो गया था, की नींव खोखली हो गई। मुहम्मद शाह के उत्तरधिकारी नितांत ही निर्बल और अयोग्य थे। शाह आलम द्वितीय ने अंग्रेजों को बंगाल, बिहार उड़ीसा की दीवानी का अधिकार दिया। धीरे धीरे अंग्रेजों का जो कि भारत में केवल व्यापार की अनुमति लेकर आये थे, राजनैतिक प्रभुत्व बढ़ता गया और बाद में एक क्षेत्रराज्य स्थापित हुआ। बहादुर शाह द्वितीय मुगल वंश का अन्तिम बादशाह था, जिसे सन १८५७ के अंग्रेजों के विरुद्ध प्रथम स्वातंत्र्य संग्राम में थोड़े समय के लिये सिंहासनारूढ़ किया गया। बाद में अंग्रेजों ने उसे बंदी बनाकर रंगून भेज दिया जहां उसकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार भारत में मुगल वंश की सदैव के लिऐ इतिश्री हो गई।

मुहम्मदशाह के राज्य काल में सन १७४६ में भट्टारक जगत कीर्ति की आम्नाय में पंडित जैरामदास के शिष्य राम चन्द्र ने 'आदि पुराण' की प्रतिलिपि लिखी जो आज भी पंचायती मन्दिर में विद्यमान है। उसके मुहम्मदशाह के समय में नादिरशाह द्वारा किये गये आक्रमण व आज्ञा के परिणाम स्वरूप दिल्ली में फाल्गुन शुक्ल १२ सम्वत् १७९५ का कुविख्यात नर वध तथा लूट आदि का निरूपण उसी दिन पूर्ण हुए 'प्रद्युम्न चरित' की प्रतिलिपि जो वर्तमान में 'जैन सिद्धांत भवन आरा' में उपलब्ध है, में किया गया है।

मुहम्मदशाह के शासन काल में शाही खजांची पद पर हिसार निवासी राजा हरसुखराय जी थे। उनके बाद भी अपनी मृत्युपर्यंत, आलमशाह द्वितीय आदि के राज्य में, वह इस पद पर रहे। इनको बादशाह की ओर से राजा की पदवी प्राप्त थी।

---

(४७) श्रीमत साहि जलालदीनविलसद् वंशाद्रि भास्वन्महा,
नुघद्विश व महोदय जहांगीरात्मजः सज्जयः।
व श्री साहिजहां नरेन्द्र महितो मर्त्यां, चकत्तान्वयः
श्रीन्द्रप्रस्थपुर प्रताप विदितो यत्पालनेप्रोद्गतः।
—जैन ग्रंथ प्रशस्ति सं०, पृ० १५९.

४८. देखो, अरुणि मणि कृत 'अजित पुराण' की निम्न पंक्तियां—
"रस वृषपति चंद्रे ख्यात संवतसरे (१७१६) स्मिन।
नियमित सितवारे वैजयन्ती दशम्यां ॥
अजित जिन चरित्रं, बोधयांत्र बुधानां।
रचित ममल वाग्यि रक्त रक्तेन ॥४०॥
मुगले भू भुजां श्रेष्ठ राज्येऽ वरंग साहि के।
जहानाबाद नगरे पार्श्वनाथ जिनालये ॥४१॥"

कहा जाता है कि मन्दिर की नींव सन १८०० में पड़ी थी और ७ वर्ष पश्चात लगभग ५ लाख की लागत से इसका निर्माण हुआ था[४९]। कुछ लेखकों ने ८ लाख रुपये की लागत का उल्लेख भी किया[५०] है। मन्दिर की मुख्य वेदी, मूलनायक का कमल रूपी सिंहासन तथा वेदी के चारों ओर बने हुए सिंह युगल की कारीगरी अत्यन्त ही आकर्षक है। वेदी तथा उसके चारों ओर बने हुए सिंह युगल में किया गया पच्चीकारी का काम किन्ही अंशों में ताजमहल से भी अधिक बारीक है। सिंहों की मूछों के बाल अलग-अलग पत्थरों से अंकित करने का कार्य निस्सं-देह ही अद्वितीय है। वेदी के चारों ओर दीवारों पर दर्शनीय वहुमूल्य चित्रकारी है। जो खोज के साथ शास्त्रोक्त प्रसंगों को लेकर की गई है।

राजा साहव व उनके सुपुत्र सेठ सुगन चन्द्र जी ने जैसा कि कहा जाता है, विभिन्न स्थानों पर ५७ मन्दिर वनवाये। इन मन्दिरों के निर्माण के अतिरिक्त उन्होंने अपने समय में जन सामान्य के हित के लिये अनेक कार्य किये, जो सिद्ध करते हैं कि वे सच्चे अर्थों में धार्मिक व उदार स्वभाव के व्यक्ति थे[५१]।

वर्तमान वैदवाड़ा में स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर की प्रतिष्ठा सन १७४१ में हुई। मस्जिद खजूर में अवस्थित पंचायती मन्दिर का निर्माण भी मुहम्मदशाह के समय में उसके कमसरियट विभाग के पदाधिकारी आज्ञामल ने सन १७४३ में कराया था[५२]।

४९. देखो, आसारेसनादीद, सन १८४७, पृ० ४७-४८ रहनुमाये देहली, पृ०१६६, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मानूमेंटस, भाग १, पृ० १३२.

५०. देखो, देहली दी इम्पीरियल सिटी, पृ० ३५, दिल्ली डायरेक्टरी (सन १९१५) पृ० १०३, पंजाव डिस्ट्रिक्ट गजेटियर (१९१२) पृ० ७८.

गजेटियर आफ दिल्ली डिस्ट्रिक्ट (१८८३-८४), पृ० ७८-७९.

दिल्ली दिग्दर्शन, पृ० ६, देहली इन टू डेज़, पृ०४३. वंडर फुल दिल्ली, पृ० ४३.

५१. देखो, 'अनेकान्त,' अंक अप्रैल, सन १९३९.

५२. देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनूमेंटस।

भट्टारक परम्परा

भगवान महावीर के निर्वाण के बाद लगभग ६०० वर्ष तक जैन संघ[५३] विकासशील था। संघ का साधु वर्ग मुनियोचित चारित्र का पालन कर धर्म के मौलिक सिद्धांतों का विकास और प्रसार करने के लिये अपना पूरा समय व्यतीत करता था। जन साधारण से सम्पर्क वना रहे; इस उद्देश्य से वे परिव्रज्या व निरंतर भ्रमण का अवलम्ब करते थे। भगवान के आदर्शों के अनुरूप मठ, मंदिर, वाहन आसन आदि वाह्य परिग्रह की उन्हें आवश्यकता न थी।

दूसरी शताब्दी से जैन समाज के इतिहास में व्यवस्थापन युग शुरू हुआ। इसके आरम्भ में कुन्दकुन्द और धरसेन आचार्य ने विशाल जैन शास्त्रों को सूत्रवद्ध करना आरम्भ किया। पांचवी सदी में श्वेताम्वर सम्प्रदाय ने भी अपने आगम शास्त्रवद्ध किये। अनुश्रुति से चली आई पुराण कथायें इसी समय विमलसूरि, संघदास, कवि परमेश्वर के द्वारा ग्रंथवद्ध हुईं। तत्व ज्ञान के क्षेत्र में भी समंतभद्र और सिद्धसेन के मौलिक विवेचन को अकलंक और हरिभद्र द्वारा इसी युग में सुव्यवस्थित सम्प्रदाय का रूप प्राप्त हुआ। पल्लव, कदम्व, गंग और राष्ट्रकूट राजाओं के आश्रय से इसी युग में मठ और मंदिरों का निर्माण वेग से हुआ तथा आचार्य परम्परायें सार्वदेशीय रूप छोड़ कर स्थानीय रूप धारण करने लगीं।

जैन संघ में प्राचीन समय से मुनि, आर्यिकाओं का साधु वर्ग और श्रावक श्राविकाओं का गृहस्थ वर्ग होता है।

मुसलमानी शासकों के काल की अस्थिर राजनैतिक परिस्थितियों के कारण न केवल जैनों में ही वरन् सभी भारतवासियों में स्वभावतः विकास और व्यवस्था की प्रवृत्तियां पीछे रह गईं और आत्म-संरक्षण की प्रवृत्ति को ही प्राधान्य मिलने लगा। किसी युग प्रवर्तक नेता के अभाव से यह संरक्षणात्मक प्रवृत्ति धीरे धीरे व्यापक होती गई और अन्त में उसने विकासशीलता को समाप्त कर दिया। इसी प्रवृत्ति के फलस्वरूप जैन साधुवर्ग में भट्टारक सम्प्रदाय की उत्पत्ति हुई। भट्टारकों के कार्य क्षेत्र में, जिसका वर्णन आगे किया जावेगा, इसी प्रवृत्ति की छाप मिलती है, जो यद्यपि भगवान महावीर तथा उनके वाद के आचार्यों के

५३. देखो, भट्टारक सम्प्रदाय, पृष्ठ १

आदर्श के अनुरूप न था, किन्तु तत्कालीन परिस्थितियों में जैन संघ के अस्तित्व के लिये आवश्यकीय था। इस प्रकार के नेतृत्व के अभाव में ही बौद्ध धर्मावलम्वी समाज, जिस की सामार्थ्य जैनों से अपेक्षाकृत अधिक थी भारत से सर्वथा लुप्त हो गई।

जैन संघ के साधुवर्ग से भट्टारक परम्परा पृथक होने के दो आधार भूत कारण थे–पहला वस्त्रधारण और दूसरा मठ और मंदिरों का निर्माण और उपयोग। यद्यपि उस समय भी वस्त्र धारण की प्रथा श्वेताम्वर सम्प्रदाय के साधुओं में थी, किन्तु भट्टारक परम्परा में किसी न किसी रूप में दिगम्वरत्व का आदर भाव था। नग्नता के इस आदर के कारण ही यह परम्परा प्रायः श्वेताम्वर सम्प्रदाय से पृथक, दिगम्बर साधु वर्ग का अपवाद मार्ग होकर मान्यता प्राप्त करती रही।

उक्त दो प्रथाओं के कारण ही भट्टारकों का स्वरूप साधुत्व से अधिक शासकत्व की ओर झुका और अन्त में यह प्रकट रूप से स्वीकार भी किया गया। वे अपने को राजगुरु कहलाते थे और राजा के समान ही पालकी, छत्र, चमर आदि का उपयोग करते थे। कमण्डल और पीछी आदि में सोने चांदी का उपयोग होने लगा था। इनका पट्टाभिषेक राज्यभिषेक की तरह वड़ी धूमधाम से होता था। इस राजवैभव की अकांक्षा ही भट्टारक पीठों की वृद्धि का एक प्रमुख कारण रही।

धर्म प्रसार के हेतु भट्टारकों का आवागमन भारत के प्रायः समी भागों में होता था। किन्तु स्थान-भेद और कहीं कहीं कुछ आचरण भेद के कारण विभिन्न परम्पराओं पद्धत्तियों का प्रादुर्भाव हुआ। इनमें अधिकांश परम्पराओं के ऐतिहासिक उल्लेख नौंवी शताव्दी से प्राप्त होते हैं। इस लिये यह परम्परा अमुक आचार्य ने अमुक समय स्थापन की, यह कहना असम्भव है। इनकी विभिन्न परम्पराओं के पीठ दक्षिण में मूडबिडी, श्रवणवेलगोल, कारकल, हुंवच, महाराष्ट्र में मलखेड, कोल्हापुर, विदर्भ में रिद्धिपुर, वालापुर, रायटेक, अमरावती, आसगांव, एलिचपुर, नागपुर, गुजरात में सूरत, सोजिला, ईडर, मध्य भारत में धारा नगरी, ग्वालियर, सोनागिरि, अटेर, नागौर, जयपुर, अजमेर, चित्तौड़, भानपुर, और उत्तर भारत में हिसार, दिल्ली और हस्तिनापुर आदि स्थानों में थे।

भट्टारकों के कामों में मूर्ति व मंत्र प्रतिष्ठा ग्रंथ-लेखन और संरक्षण, विद्याध्ययन हेतु शिष्य परम्परा, जाति संघटन, तीर्थयात्रा और तीर्थ व्यवस्था मंत्र-तंत्र साधना और चमत्कार तथा कला कौशल्य का संरक्षण उल्लेखनीय हैं।

दिल्ली में यद्यपि समय समय पर प्रायः सभी पीठों के भट्टारकों ने अपना सम्वन्ध जोड़ा है, पर यहां मुख्य रूप से दो परम्पराओं की पीठ होना ज्ञात होता है। पहली परम्परा मध्यकालीन काष्ठासंघ माथुरगच्छ शाखा के आरम्भ करने वाले भट्टारक माधवसेन (माहवसेन) की थी। ये अलाउद्दीन खिलजी के राज्यकाल में (सन १२९५-१३१५) हुए थे और अपनी विद्वत्ता व त्याग द्वारा वादशाह तथा जन साधारण के वड़े ही श्रद्धापात्र थे। तत्वज्ञान के अतिरिक्त इन्हें मंत्रादि शक्ति की भी सिद्धि थी। इनकी परम्परा में क्रमशः उद्धव सेन, देव सेन, विमल सेन, धर्म सेन, भाव सेन, सहस्त्रकीर्ति गुणकीर्ति, यशःकीर्ति, मलय कीर्ति, गुणभद्र, भानु कीर्ति, क्षेत्रकीर्ति और कुमार सेन हुए।

भट्टारक गुणभद्र के अम्नाय में सन १५१८ में सुलतान इब्राहीम के शासनकाल में चौधरी टोडरमल जैसवाल ने 'महापुराण' की एक प्रति लिखी[५४]। सन १५३० में भट्टारक गुणभद्र के एक शिष्य ने 'शांतिनाथ चरित्र' लिखा। हुमायू के राज्य काल सन १५३३ में इनके शिष्य धर्मदास के आम्नाय में 'धनद चरित्र' की एक प्रति लिखी गई[५५]। अन्य भट्टारकों द्वारा अथवा उनके समय में रचित ग्रंथों का उल्लेख ऊपर किया जा चुका है।

दूसरी परम्परा थी वलात्कार-गण के नयसेन दुर्लभसेन आदि की। इस परम्परा की उत्तर शाखा में भट्टारक रत्नकीर्ति हुए। इन्हीं के पट्ट पर दिल्ली में संवत् १३१० (सन १२५३) की पौष शुक्ल १५ को भट्टारक प्रभाचन्द्र का अभिषेक किया गया[५६]। भट्ट० प्रभाचन्द्र ब्राह्मण जाति के थे। इन्होंने खंभात, धारा, देवगिरि आदि स्थानों में विहार किया तथा दिल्ली के तत्कालीन वादशाह मुम्मदशाह को प्रसन्न किया और ७४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। इनके शिष्य ब्रह्म नाथूराम ने संवत् १४१६ (सन १३५९) को

---

५४. देखो, महापुराण-पुष्पदंत (माणिक चन्द्र ग्रंथ माला) प्रस्तावना, पृष्ठ १५.

५५. देखो, 'अनेकांत' अंक ५, पृष्ठ ५०.

५६. देखो, धनपाल कृत 'बाहुबलि चरित'.

माघ शुक्ल ५ को फ़ीरोजशाह तुग़लक के राज्यकाल में 'आराधना पंजिका' की एक प्रति लिखी थी[५७]।

भ० प्रभाचन्द्र ने बाद में अपने पद पर भट्ट० पद्मनंदि को स्थापित किया। भट्ट० पद्मनंदि के तीन प्रमुख शिष्यों शुभचन्द्र, सकल कीर्ति तथा देवेन्द्र कीर्ति द्वारा क्रमशः तीन भट्टारक परम्परायें जयपुर शाखा, ईडर शाखा तथा सूरत शाखा से शुरू हुई जिनका आगे अनेक प्रशाखाओं में विस्तार हुआ।

जयपुर शाखा में भट्ट० शुभचन्द्र के बाद भट्ट० जिनचन्द्र हुए जिनका पट्टाभिषेक संवत् १५०७ (सन १४५०) की ज्येष्ठ कृष्णा ५ को हुआ। ये ६४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। 'सिद्धान्तसार' ग्रंथ इन्हीं की कृति है। सेठ जीवराज पापड़ीवाल ने इन्हीं के द्वारा मुडासा शहर में संवत १५४८ (सन १४९१) की वैशाख शुक्ल ३ (अक्षय तृतीया) को हज़ारों मूर्तियों की प्रतिष्ठा कराई। ये मूर्तियां आज भारत के कोने कोने में पहुंची हैं।

भट्टारक सम्प्रदाय का इतिहास अब तक उपेक्षित सा रहा है, अतएव अन्य स्थानों की भांति दिल्ली की भट्टारक परम्पराओं में भी बहुत कुछ अन्वेषणीय हैं। इस सम्प्रदाय की उत्पत्ति, अभ्युदय और कालांतर में इसके ह्रास का काल यद्यपि कई अर्थों में जैन संघ के ही ह्रास का परिचायक है, तथापि इसका इतिहास ऐसी कई विशेषताएं छिपाये है जो आज की परिस्थितियों में और भविष्य के लिये मार्ग दर्शन कर सकती है।

अंग्रेजी शासन काल और उसके बाद

सन १७०७ में मुग़ल सम्राट औरंगजेब की मृत्यु के १५० वर्ष के दौरान में दिल्ली की धरती पर हुए राजनैतिक झगड़ों, लूट खसोट और भीषण रक्तपात ने इसे वीरान बना दिया। यदि नादिरशाह ने इसके शरीर को अपनी धन लोलुपता और नृशंसता के लम्बे नाखूनों से नोंच कर अस्थिपंजरवत् किया तो १८५७ के बाद अंग्रेजों द्वारा अपनाई गई प्रतिक्रिया नीति ने इस विशाल नगर को खंडहरों में बदल दिया। उस कला प्रिय शाहजहां की राजधानी शाहजहांनाबाद की भव्य इमारतें व बड़े बड़े विशाल प्रासाद गिरा दिये गये। न्याय व सुरक्षा की ओट में देश प्रेमी नागरिकों व उनके मासूम बालकों को बंदूक का निशाना बनाया गया। अंग्रेजों की इस दमन नीति के अंतिम प्रहार में दिल्ली प्रथक शासन से हटकर नवीन पंजाब प्रांत का एक जिला मात्र रह गयी।

किन्तु कालचक्र की गति बदली! ब्रिटेन की महारानी की सन १८५८ की घोषणा के बाद ही नीतिकुशल अंग्रेजों ने भारत में राजनैतिक स्थिरता लाने का प्रयास किया। सम्पूर्ण भारत में विशाल साम्राज्य के उन महत्वाकांक्षियों ने एक ओर देश के विभिन्न भागों में राजे महाराजाओं को अपनी कूटनीति द्वारा अपंग और निर्बल कर अपने आधीन किया और दूसरी ओर रेल आदि यातायात के साधनों को उन्नत किया।

सुदृढ़ केन्द्रित शासन की दृष्टि से दिल्ली के महत्व को भी उन्होंने समझा, जिसके फलस्वरूप सन १९११ के दरबार में जार्ज पंचम ने राजधानी को कलकत्ता से हटाकर दिल्ली लाने की घोषणा की।

दिल्ली ने राजधानी के रूप में स्वतंत्र प्रांत होकर अपना खोया हुआ प्राचीन महत्व पुनः प्राप्त किया। वाइसरीगल लाज, काउंसिल हाउस (जो वर्तमान में क्रमशः राष्ट्रपति भवन व पार्लियामेंट हाउस के नाम से प्रसिद्ध हैं) सेक्रेटेरियट ब्लाक, राजे महाराजों के विशाल भवन, कनाट प्लेस का दर्शनीय बाज़ार आदि का निर्माण कर सन १९३० में वर्तमान 'नयी दिल्ली' बसायी गई।

दिल्ली की उत्तरोत्तर उन्नति होती गई और इस उन्नति में जैनों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। यद्यपि संख्या की दृष्टि से जैन भले ही थोड़े हों, किन्तु वे कार्यक्षेत्र में सदैव ही अग्रणीय रहे। शासन के विभिन्न अंगों में वे बराबर महत्वपूर्ण पदों पर रहे और सामाजिक, शिक्षण, उद्योग व व्यापार तथा राजनैतिक व सार्वजनिक क्षेत्रों में भी उन्होंने पूरा भाग लिया।

दिल्ली राज्य के प्रमुख जैन अधिकारी

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, दिल्ली में तोमर वंशीय अनंगपाल से लेकर मुग़लवंश तक बराबर जैन राजमंत्री व शाही खजांची हुए और अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे। शाहजहानाबाद के बसने के समय से जैनों में मुख्य-

५७. देखो, अनेकांत १, पृष्ठ २१३.

तथा दो परिवार शाही खजांची पद पर रहे पहला तो राजा हरसुखराय सुगनचंद्र का और दूसरा ला० ईशरीप्रसाद का।

राजा हरसुखराय व सुगन चन्द्र जी के पूर्वज सेठ दीपचन्द्र जी अग्रवाल जैन हिसार के रईस थे। शाहजहानावाद वसाये जाने के समय शाही निमंत्रण पर वे दिल्ली आये। उस समय वादशाह ने उनको दरीवे के सामने ४-५ वीघे जमीन प्रदान की जिस पर उन्होंने अपने १६ पुत्रों के लिये प्रथक-प्रथक महल वनवाये थे। ईस्ट इंडिया कम्पनी के शासन तक आपके वंशज खजांची रहे[५८]।

वाद में भी इस परिवार में से लाला गिरधर लाल और लाला पारसदास क्रमशः सन १८६३ से १८६६ तक और सन १८७६ से १८८७ तक सरकारी खजांची रहे तथा गवर्नर जनरल व लेफ्टीनेंट गवर्नर पंजाव के दरवारी थे।

दूसरा परिवार था ला० ईशरी प्रसाद जी व उनके पूर्वजों का। यह परिवार भी अपने समय में 'खजांची खानदान' के नाम से प्रसिद्ध रहा है। राजा रामसिंह व उनके सुपुत्र सेठ सहारनवीर सिंह जो सम्राट अकवर के जागीरदार थे और जिन्होंने सहारनपुर नगर वसाया, इनके पूर्वजों में से थे। लाला ईशरी प्रसाद जी के पिता लाला सालिगराम जी सन १८२५ में गवर्नमेंट ट्रेज़रार नियुक्त हुए। साथ ही वह ग्वालियर व अलवर रियासतों के भी खजांची थे। ला० सालिगराम जी जी मृत्यु के वाद उनके पुत्र ला० धर्मदास खजांची पद पर रहे। उनके वाद सन १८७७ में ला० ईशरी प्रसाद ओल्ड दिल्ली डिवीज़न के खजांची नियुक्त हुऐ। वह दिल्ली व लंदन वैंक लिमिटेड व म्यूनिसिपल कमेटी के भी कोषाध्यक्ष रहे। अपने पिता व भाई की तरह वह भी वाइसरीगल दरवारी, म्यूनिसिपल कमिश्नर और आनरेरी मज़िस्ट्रेट रहे[५९]।

सन १८७६ में उनके भाई श्री अयोध्या प्रसाद जी भी खजांची नियुक्त हुए।

विगत शताब्दी की अंतिम वीसवीं में दिल्ली ने एक और रत्न उत्पन्न किया वे थे रायवहादुर डा० सर मोती सागर। उन्होंने एक साधारण वकील से जीवन प्रारम्भ कर पंजाव हाई कोर्ट के न्यायाधीश का पद ग्रहण किया और वुद्धि चातुर्य और नम्र व शांत स्वभाव से राजकीय क्षेत्रों में उन्होंने विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया।

सर मोती सागर जी के ही समकालीन थे रायवहादुर ला० सुल्तान सिंह जिनका जन्म सन १८७६ में कुताना तहसील सोनीपत के ज़मीदार व रईस श्री निहाल चन्द्र जी के यहां हुआ था। शैशव काल में ही पिता की मृत्यु हो जाने से उनका लालन पालन उनके प्रपिता ला० श्योसिंहराय द्वारा हुआ। सन १८९८ में व्यस्क होने पर उन्होंने पैतृक सम्पति की देखभाल संभाली और थोड़ी ही अवधि में उसे दिन दूनी रात चौगुनी वढ़ाया। दिल्ली के तत्कालीन साहूकारों में आपका अग्रणी स्थान होने से आपके सवल हाथों में ही दिल्ली, शिमला, मेरठ आदि स्थानों के इम्पीरियल वैंक के मुख्य कार्यालय और समस्त शाखाओं के खज़ानों की संभाल और संचालन का उत्तरदायित्व था। रायवहादुर सन १९०१ में दिल्ली म्यूनिसिपैलिटी के सदस्य सन १९०५ में आनरेरी मजिस्ट्रेट और सन १९१० में पंजाव लेजिस्लेटिव काउंसिल के सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य हुए। और इन पदों पर कई वर्षों तक रहे[६१]।

ला० ईशरी प्रसाद जी, जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, के सुपुत्र रायवहादुर ला० पारस दास जी और उन के समकालीन राय साहव ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट अपने समय के उन प्रतिष्ठित व जनप्रिय व्यक्तियों में से थे जिनकी याद न केवल दिल्ली के जैनियों की, वल्कि इतर समाज की भी अमूल्य निधि है। राय वहादुर ला० पारसदास अपने पूर्वजों की भांति दिल्ली राज्य और म्यूनिसिपलिटी के कोपाध्यक्ष रहे। और कई वर्षों तक आनरेरी मजिस्ट्रेट भी रहे। राय साहव वा० प्यारे लाल जी अपने समय के सर्वोच्च कोटि के एडवोकेट थे और सरकारी क्षेत्रों में उनका विशिष्ट मान था। राजा हरसुखराय जी के प्रपौत्र श्री० पी० डी० राम चन्द्र भी कई वर्षों तक आनरेरी मजिस्ट्रेट रहे।

उपर्युक्त सम्मानीत और राजनैतिक पदों के अतिरिक्त दिल्ली के जैन कई उल्लेखनीय एक्जीक्यूटिव पदों पर

५८. देखो, अनेकान्त, अंक मई, सन १९३४.

५९. देखो, इम्पीरियल कारोनेशन दरवार, दिल्ली १९११ ३७५-३७६

६०-६१. देखो, जैन जागरण के अग्रदूत, पृष्ठ ५४१-४८ व पृष्ठ ५६७-८२.

भी रहे हैं। राय बहादुर ला० नन्द किशोर जी यू० पी० गवर्नमेंट के प्रथम जैन सुपरिटेंडिंग इंजीनियर रहे। इसी प्रकार राय बहादुर ला० जगत प्रकाश जी प्रथम भारतीय थे जो डिप्टी आडीटर जनरल आफ इंडिया के पद पर नियुक्त हुए। वह बाद में कश्मीर राज्य सरकार के आर्थिक सलाहकार भी रहे

धार्मिक उत्सव आदि

मुग़ल कालीन अथवा उससे पूर्व के मन्दिरों के अतिरिक्त वर्तमान में उपलब्ध लगभग सभी मन्दिरों अथवा अन्य धार्मिक स्थानों का निर्माण पिछले डेढ़ या पौने दो सौ वर्षों के अन्तर्गत हुआ। मन्दिरों में मेहर मन्दिर, सेठ के कूंचे का मन्दिर, पद्मावती पुरवाल मन्दिर, चेलपुरी में श्वेताम्बर मन्दिर, श्री महावीर जैन भवन (चांदनी चौक) पहाड़ी धीरज के दोनों मन्दिर और सेठ सुगन चन्द्र जी द्वारा दिल्ली के विभिन्न स्थानों, जयसिंह पुरा (नई दिल्ली) पटपड़गंज व शहादरा में बनवाये गये मन्दिर विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। यों तो प्रायः सभी जैन मन्दिरों की भव्य कलामय कारीगरी दर्शनीय होती है किन्तु जैसा कि अगले अध्याय में दिये गये वर्णन से ज्ञात होगा, इनमें कई मन्दिरों में कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जो कि जैनों के आध्यात्म प्रेम व त्याग को प्रगट करतीं हैं।

जैनों के धार्मिक महोत्सवों में, पर्वों के अतिरिक्त, पंच कल्याणक व बिम्ब प्रतिष्ठायें और रथयात्रा उत्सव मुख्य हैं जिनके अवसर पर न केवल स्थानीय वरन् बाहर से भी विशाल जन समुदाय सम्मिलित होता है। सन १८१० १८३४ व १८६३, में इस प्रकार के रथोत्सव हुए।

उसके बाद धार्मिक विद्वेष के फलस्वरूप कुछ विरोध के कारण यह रथोत्सव रुका रहा। समाज के सतत् प्रयत्नों के बाद लेफ्टिनेंट गवर्नर ने दो मई सन १८७७ को रथोत्सव निकालने की आज्ञा प्रदान की और २० जुलाई सन १८७७ को बड़ी धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई। तभी से यह यात्रा प्रतिवर्ष पोह वदी दूज को निकलती आती है।

जुलाई सन १८७७ के रथयात्रा उत्सव के २ वर्ष बाद ही जनवरी २३, सन १८७९ में लाला मेहर चन्द्र जी ने

६२. देखो, भा० दि० जैन महासभा का ट्रेक्ट 'दिल्ली दिग्दर्शन, पृ०, ५०.

'मेहर मन्दिर' की प्रतिष्ठा बड़ी धूमधाम के साथ कराई। उसके बाद जनवरी सन १९२३ में सकल जैन पंचायत, दिल्ली की ओर से पंच कल्याणक प्रतिष्ठा हुई जिसमें भारत के प्रत्येक कोने से हजारों की संख्या में जन समुदाय एकत्रित हुआ। उस पुण्य अवसर की अनेक स्मृतियां आज भी गौरव के साथ बखानी जाती हैं। कहते हैं, वैसा अभूतपूर्व उत्साह, अनूठी भक्ति और निर्दोष व्यवस्था दिल्ली के अन्य किसी उत्सव में फिर से देखने में नहीं आई।

धर्मोत्सवों के साथ ही आध्यात्म शासन की प्रभावना के लिये व जन सामान्य में अहिंसक प्रवृत्ति बनाये रखने के दृष्टिकोण से स्थानीय व्यक्तियों व संस्थाओं द्वारा अनेक रचनात्मक कार्य भी सम्पन्न हुए हैं। सन १९१७ में आर्य समाजियों द्वारा जैन सिद्धान्तों के विरुद्ध फैलाई गई भ्रांतियों का निवारण प्रसिद्ध 'दिल्ली शास्त्रार्थ' में न्याय प्रमाण युक्त व तर्क संगत उत्तर देकर किया गया। सन १९३०-३१ में 'मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी' नामक संस्था के तत्वावधान में लाला जगन्नाथ जी आदि के सद् प्रयत्नों से कालका जी के मन्दिर में होने वाले पशु-बलि को बन्द करवाया गया। उसी वर्ष दिल्ली समाज के महान पुण्योदय से आचार्य शांतिसागर जी महाराज का ससंघ पदार्पण हुआ।

देश में सर्व प्रथम भ० महावीर जयंती महोत्सव जैन मित्र मंडल द्वारा आरम्भ किया गया।

सन १९३९ में 'जैन सभा नई दिल्ली' के विरोध पत्र पर 'वाइसरीगल भवन' (वर्तमान राष्ट्रपति भवन) व सेक्रेटेरियट ब्लाकों पर होने वाला पक्षी-वध बन्द हुआ।

धार्मिक कार्यों की परम्पराओं में 'तीर्थ यात्रा संघ' को लेजाना भी महत्वपूर्ण परम्परा रही है। ऐसे समय में जब कि यातायात के साधन उन्नत और सहज न थे, इस का महत्व विशेष था। प्राचीन काल से ही श्रीसम्पन्न एवं सामर्थ्यवान् व्यक्तियों ने इस प्रकार के यात्रासंघों को ले जाकर लक्ष्मी का सदुपयोग किया है, इनमें से कुछ का उल्लेख ऊपर किया गया है। सन १८१५ में सेठ सुगनचंद जी ने 'यात्रा संघ' निकाला जो ६ माह के बाद दिल्ली वापिस आया था। सन १९४३-४४ में चौधरी झुन्नू लाल जी ने भी गिरनार जी के लिये 'यात्रा संघ' निकाले।

जैन विद्वान लेखक व कवि

विगत डेढ़ सौ वर्ष के समय में दिल्ली में निम्नलिखित प्रमुख जैन विद्वान हुए हैं। इनमें से कई विद्वानों ने अनेक मौलिक ग्रंथों की रचना कर के जैन साहित्य को समृद्ध किया है।

(१) **पांडे शिवचंद्र जी**—पंचायती मंदिर, मसजिद खजूर के भट्टारक की गद्दी पर बैठे। पांडे जी को धार्मिक ग्रन्थों के अतिरिक्त ज्योतिष, वैद्यक तथा मंत्र विद्या का भी अच्छा ज्ञान था। उनकी रचनाओं में गृहस्थचर्या, धर्मप्रश्नोत्तर श्रावकाचार, ध्यान दर्पण आदि मुख्य हैं। उन्होंने पंचायती मन्दिर में शास्त्रों का सुन्दर संग्रह किया था।

(२) **पंडित तुलसीराम जी** (सन १८५९-१९००)—पंडित जी जैन सिद्धांत के अच्छे ज्ञाता थे। उन्होंने जीवन पर्यंत सेठ के कूंचे के मन्दिर में नित्य शास्त्र सभा की परिपाटी बनाये रखी जो आज भी चालू है। सन १९१३ में उन्होंने आचार्य पुष्पदंत कृत 'आदिपुराण' की भट्टारक सकल कीर्ति जी की संस्कृत टीका पर आधारित पद्यमय हिन्दी रचना की जो कुछ वर्ष पूर्व दिगम्बर जैन पुस्तकालय सूरत ने प्रकाशित की है।

(३) **पं गौरीलाल जी**—अपने समय के उच्चकोटि के विद्वानों में से थे। आपकी मौलिक रचनाओं में जैन तत्वार्थ क्रिया कोष मुख्य है। उन्होंने रत्नकरंड श्रावकाचार, नीति वाक्यामृत रत्नमाला, जिनसहस्त्रनाम, धनंजय नाममाला आदि कई ग्रन्थों की भाषा टीका भी की।

पंडित जी अपने जीवन पर्यंत अनेक शिक्षा संस्थायें स्थापित करवाने मे प्रयत्नशील रहे। उनके सद् प्रयत्नों से ही सन १९०० में भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की स्थापना हुई।

(४) **बैरिस्टर चम्पतराय जी** (सन १८७५-१९४२)—वे युग पुरुष थे। समृद्ध और वैभव पूर्ण वातावरण में भी वे त्यागी व साधु थे। वे जैन व इतर दर्शनों के उच्चकोटि के विद्वान ही नहीं वरन् प्रभावपूर्ण वक्ता और लेखक भी थे। उनकी रचनाओं में 'Key of Knowledge,' 'Confluence of Opposits', 'Jain Logic,' 'Discourse Divine,' 'House holder's Dharama,' 'Practical Dharma,' 'Sanyasa Dharma', 'Jain Psychology,' 'Faith Knowledge and Conduct,' 'What is Jainism,' 'The Change of Heart,' 'Jain Penance,' 'Jain Culture,' 'Jain Law,' 'आत्म रामायण', 'Rishabh Deva,' 'Where the Shoe Pinches', 'The Gems of Islam', 'Glimpses of a Hidden Science in Original Christian Teachings,' 'Jainism, Christianity and Science' आदि प्रमुख हैं। इनमें अधिकांश पुस्तकों के हिन्दी में और कुछ के उर्दू में अनुवाद भी प्रकाशित हो चुके हैं।

बैरिस्टर साहब ने जीवन पर्यंत देश विदेश भ्रमण कर अध्यात्म शासन का संदेश दिया। उनके सात्विक चारित्र निर्दोष विद्वता और ओजपूर्ण वाणी से प्रभावित आज भी इंगलैंड, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, स्विटजरलंड, इटली आदि देशों में अनेक भक्त हैं।

(५) **कविवर जगदीशराय जी** (सन १८४५-१९०६)—अपने समय के उच्चकोटि के अध्यात्म कवियों में से थे। उनको ज्योतिष व रमल का भी अच्छा ज्ञान था। उनके द्वारा रचित कविता संग्रह 'जगदीश विलास' नाम से प्रकाशित हुआ है।

(६) **पं जिनेश्वर प्रसाद जी 'माइल'**—उर्दू के माने हुऐ कवि थे। उनकी रचनाओं में 'हुस्न अव्वल', 'हुस्न फितरत', 'सुबहसादिक' हैं। उन्होंने कविवर दौलतराम जी के कुछ पदों का भी उर्दू में अनुवाद किया था। कविताओं के अतिरिक्त उन्होंने कुछ नाटक भी लिखे थे।

अन्य जैन विद्वानों में व्रती हुकम चन्द्र जी, पं सागर चन्द्र जी सर्राफ, पं० फतेह चन्द्र जी, पं० मनीराम जी, ला० प्रभूदयाल जी तहसीलदार, पं० महावीर प्रसाद जी, भूरीमल, पं० महबूब सिंह जी, पं० मक्खन लाल जी आदि उल्लेखनीय हैं। इनमें कई विद्वानों ने अपने प्रयत्नों से शहर के मन्दिरों में शैलियां स्थापित कीं तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा की परिपाटी आरम्भ की। पं० मक्खन लाल जी जैसे प्रभावक उपदेशक व कवि के प्रवचन का सौभाग्य आज भी दिल्ली समाज को प्राप्त है।

महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य

उस समय की दिल्ली जैन समाज की प्रमुख विशेषता थी—कि प्रत्येक व्यक्ति में [illegible] का होना। यों तो सम्पूर्ण जैन समाज में सदैव [illegible]

गुण रहा, जैसा कि अनेक विरोधी परिस्थितियों के बावजूद भी उनके आज के अस्तित्व से स्वंय सिद्ध है, तथापि उस समय यह विशेष मात्रा में था। इसका कारण उस समय में हुए अनेक महान पुरुषों का सद् भाव भी कहा जा सकता है जिनके सुयोग्य नेतृत्व में समाज ने अपना अस्तित्व ही क़ायम नहीं रखा बल्कि प्रगति भी की।

समाज के कार्यशील व्यक्तियों के प्रयत्नों से नवीन प्रगतिशील सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं, दानी व महानुभावों के द्वारा पारमार्थिक ट्रस्टों आदि की स्थापना हुई, साथ ही साथ दो तीन ठोस और रचनात्मक कार्य भी हुए। प्रमाद और आज्ञनता के कारण विवाहों में जैन पद्धति नहीं अपनाई जाती थी, उसका प्रचार लाला जगन्नाथ जी ने मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी नामक संस्था के तत्वावधान में प्रारम्भ किया। उनके प्रयत्नों के फलस्वरूप आज हम देखते हैं कि लगभग सभी स्थानों पर जैन पद्धति से विवाह सम्पन्न होते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य था 'जैनों का कोड'। सन १९१८ में केन्द्रीय व्यवस्थापिका के सामने डा० हरीसिंह गौड़ द्वारा लिखित हिन्दूकोड के कानून के रूप में स्वीकार किये जाने की संभावना होने लगी थी। उसमें जैन रीति रिवाज़ों के बारे में कई भ्रांतिपूर्ण बातें थीं। इस विषय में 'जैन मित्र मंडल' की ओर से आंदोलन किया गया और अनेक पत्र व पत्रिकाओं में निराधार तथ्यों का उत्तर प्रकाशित करवाया गया। इन प्रयत्नों के फलस्वरूप श्री टी० वी० शेशामरी अय्यर, भूतपूर्व जज मद्रास हाईकोर्ट व श्री कन्नोमल, भू० जज धौलपुर, के लेख प्रकाशित हुए जिनमें डा० गौड़ के कथन को निराधार बतलाया गया। इस पर डा० गौड़ ने अपने कोड के द्वितीय संस्करण में जैनियों द्वारा आपेक्षित संशोधन कर दिये।

इसी सिलसिले में सभी जैन सम्प्रदायों की एक सम्मिलत कमेटी बनी जिसने स्वतंत्ररूप से 'जैन ला' बनाने का कार्यभार संभाला। अंत में सम्पूर्ण सामग्री द्वारा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा 'जैन ला' लिखा गया। जो अंग्रेज़ी, हिन्दी तथा उर्दू में प्रकाशित हुआ उसी समय में रा० ब० जुगदमंदरलाल जैनी ने भी 'भद्र-बाहु संहिता' पर आधारित 'जैन ला' की रचना की।

सन १९२३ में रायबहादुर डा० सर मोतीसागरजी तथा विभिन्न स्थानीय संस्थाओं के सदप्रयत्नों से दिल्ली प्रदेश भगवान महावीर के जन्म-दिन की छुट्टी स्वीकृत हुई।

सन १९१५ में जैन मित्र मंडल, सन १९२४ में स्व० ला० गोकलचंदजी नाहर के सद्प्रयत्नों से महावीर जैन लायब्रेरी, और सन १९३९ में जैनसभा की स्थापना हुई जिस के प्रथम प्रधान रा० ला० आदीश्वर लाल बैंकर थे।

शिक्षण संस्थाएं और सांस्कृतिक कार्य

अन्य क्षेत्रों की भांति ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र में भी जैनों का सदैव अग्रणीय भाग रहा है। धार्मिक शिक्षा के लिये पाठशालाओं के अतिरिक्त जैनों ने आधुनिक शिक्षा-प्रणाली पर अनेक अंग्रेजी विद्यालयों की स्थापना की। जैन हायर सेकेंड्री स्कूल दरियागंज, श्रीमहावीर जैन संस्कृत कमर्शियल हायर सेकेंड्री स्कूल कूंचा सेठ, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल कूंचा सेठ, श्री हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदरबाजार, श्री लक्ष्मीदेवी जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, पहाड़ी धीरज, आदि आज स्थानीय शिक्षण संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में रायबहादुर डा० सर मोती सागर (न्यायाधीश पंजाब हाई कोर्ट), रायबहादुर ला० मुल्तान सिंह बैंकर्स, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, राय साहब ला० आदीश्वर लाल बैंकर, रघुवीर सिंह बैंकर लाला शिवदयाल जी, डिस्ट्रिक्ट इंसपैक्टर आफ स्कूल्स, रायसाहब ला० रतन लाल जी, डिस्ट्रिक्ट इंसपैक्टर आफ स्कूल्स, ला० हीरालाल जी, पं० महबूब सिंह, लाला महावीर प्रसाद ठेकेदार आदि की सेवायें दिल्ली के इतिहास में चिरस्मरणीय हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपतियों की परम्परा में सर मोतीसागर जी का काल महत्वपूर्ण माना जाता है। उनके द्वारा बनायी गई परम्परायें आगामी पदाधिकारियों के लिये पथ प्रदर्शक रही हैं।

डा० साहब स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने इस बात का प्रचार भी किया। दरीबे की गली कुंजस में उन्होंने सुन्दरनन्नी गर्ल्स स्कूल स्थापित किया। आजकल यह स्कूल कार्पोरेशन के अन्तर्गत हैं।

राय बहादुर ला० मुल्तान सिंह ने सदा ही शिक्षा प्रचार में तन, मन और धन तीनों से योग दिया। इन्द्रप्रस्थ

गर्लज़ स्कूल और कालिज जो आजकल न केवल स्थानीय वल्कि भारतवर्ष की उच्चकोटि की संस्थाओं में है, उनके प्रयत्नों सें स्थापित हुआ और उनके आजीवन सभापतित्व में ही पनपा। इसके अतिरिक्त तिविया कालेज, लेडी हार्डिंग मेडीकल कालिज, हिन्दू कालिज आदि की स्थापना के अवसर पर उन्होंने वृहत् दान दिया और अपने जीवन पर्यंत उनकी प्रगति में प्रयत्नशील रहे। उनके सुपुत्र लाला रघुवीर सिंह ने विदेशों के पब्लिक स्कूलस की स्थापना की प्रणाली पर माडर्न स्कूल की स्थापना की और उसके संवर्धन में आजीवन लगे रहे। आज यह अपने स्कूल ढंग का अद्वितीय विद्यालय है।

रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट ने अपने व्यस्त जीवन में भी अपने समय की सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओं की प्रगति में योग दिया।। वे दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य रहे। हिन्दू कालेज़ के तो वे प्राण थे। उस समय के लगभग सभी प्रमुख विद्यालयों की व्यवस्था से उनका निकट सम्बन्ध रहा। उनके द्वारा विद्यार्थियों की सहायता के लिये सन १९३३ में स्थापित लाला गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फंड जिसमें उन्होंने एक वृहत् धनराशि प्रदान की, उनकी असीम उदारता और दानशीलता का द्योतक है।

राय साहव के सुसंस्कारों के फलस्वरूप उनके सुपुत्र राय साहव लाला आदीश्वर लाल भी प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रचार में प्रयत्नशील रहे। अपने पिता की भांति वे भी दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य और हिन्दू कालिज आदि के प्रमुख व्यवस्थापकों में से रहे।

आर्थिक व्यवस्था

इतिहास के अवलोकन से विदित होगा। कि ९ वीं या १० वीं शताब्दी के अन्त तक जैनों का बहुभाग क्षत्रियों में से था जो या तो स्वंय शासक रहे, अथवा शासन के प्रमुख व्यवस्थापक-पदों, राजमंत्री, राज कोपाध्यक्ष, सेनापति, आदि पर रहे। भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी तीर्थंकर राजवंश में उत्पन्न हुए, कइयों ने लम्बी अवधि तक राजपद सुशोभित किया और अन्त में सांसारिक भोगों से विरक्त होकर निर्ग्रंथ वेष धारण किया और सतत साधना के वाद निर्मल ज्ञान प्राप्त कर जनकल्याण के लिये उपदेश दिया। मौर्य और गुप्त ऐतिहासिक काल के राजाओं में सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य, महामंडलेश्वर श्रेणिक विम्विसार, कलिंगाधिपति राजा मेघवाहन खारवेल आदि प्रसिद्ध राजा जैन धर्मावलम्वी थे। सम्राट अशोक ने भी, जो पहले वौद्ध था, मृत्यु के कुछ समय पहले जैन धर्म धारण किया था।

नौवीं दसवीं शताव्दी के वाद जैन समाज प्रधानतः वैश्य समाज के एक भाग के रूप में परिणित होने लगा। इन्होंने हीरे-जवाहरात, सोना, चांदी ज्वेलरी, कपड़ा आदि के व्यापार अपनाये।

अंग्रेजों के शासन काल से पूर्व मुग़लों के समय में दिल्ली भारत के अन्य नगरों की भांति किसी भी उद्योग अथवा व्यापार का केन्द्र न था। उन दिनों नगरों का महत्व या तो राजनैतिक प्रभुत्व या धार्मिक केन्द्र और या नदियों आदि के उन्नत साधन उपलव्व होने के कारण था। इसीलिये इनमें से किसी भी कारण के अभाव में नगरों का ह्रास होता देखा जाता था।

अठ्ठारहवीं शताव्दी में दिल्ली में अधिकांश जनता का प्रमुख धंधा शाही फौज़ की आवश्यकताओं को पूरी करना था[६३]। अतएव उस समय धनिक जैन परिवार या तो शाही खजांची आदि के उच्च राजकीय पदों पर रहे या हीरे जवाहरात के व्यापार को अपनाये थे। शेष मध्य वर्ग सामान्यतः विविध व्यापारों में थे।

अंग्रेजी शासन काल में दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र में जैनों का मुख्य भाग रहा। हीरे जवाहरात, सोने चांदी, कागज, कपड़ा और सीमेंट के व्यापारी प्रधानतः जैन ही थे। इसके अतिरिक्त साहूकारी और वैंकिंग में तो जैन सर्वोपरि थे ही। सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईसरी प्रसाद, राय वहादुर लाला सुल्तान सिंह, राय वहादुर लाला पारस दास, राय साहव, वा० प्यारे लाल, राय साहव लाला आदीश्वर लाल अपने समय के प्रमुख वैंकर्स व रईसों में थे। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इनमें से सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईसरी प्रसाद, राय वहादुर लाला पारस दास गवर्नमेंट ट्रेज़रार्स भी रहे। राय साहव वा० प्यारेलाल सेंट्रल वैंक आफ इंडिया के ट्रेज़रार के अतिरिक्त पंजाब नेशनल

६३. देखो, वर्नियर, एफ—ट्रेवल्स इन दी मुगल एम्पायर (१९३४ संस्करण) पृष्ठ २८२,३८४.

बैंक के स्थानीय डायरेक्टर भी थे। उसके बाद उनके सुपुत्र रायसाहब लाला आदीश्वर लाल सेंट्रल बैंक के ट्रेज़रार रहे।

राजनीतिक और सार्वजनिक क्षेत्र

देश के स्वधीनता संग्राम में भी दिल्ली के जैन सदैव अग्रणीय रहे। वर्तमात शताब्दी के आरम्भ में जब कि राष्ट्रीयता की बात करना भी राज-अपराध माना जाता था, रायबहादुर सुल्तान सिंह, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, लाला हजारीमल जौहरी आदि कांग्रेस के प्रमुख कार्यकर्ताओं में से थे। यद्यपि इन व्यक्तियों के नाम के साथ राज्य की ओर से प्रदान की गई बड़ी बड़ी उपाधियां थीं, तथापि उनकी राष्ट्रीय भावनायें व राष्ट्र प्रेम किसी भी अन्य नागरिक से कम न था। यदि रायबहादुर लाला सुल्तान सिंह की विशाल कोठी में होने वाली गार्डन पार्टियों में वायसराय, गवर्नर और चीफ़ कमिश्नर आते थे, अथवा उनके अतिथि भवन में ठहरने वाले महाराजा कश्मीर, महाराजा मैसूर, महाराजा जयपुर आदि थे तो महात्मा गांधी, सरदार पटेल, श्रीमती सरोजिनी नायडू आदि राष्ट्रीय नेताओं का, जब भी वे दिल्ली पधारते थे, निवास भी उनके ही यहां होता था। सन १९२१ में गांधी जी ने जब अपना प्रथम उपवास किया तो वह इन्हीं की कोठी में ठहरे हुए थे।

सन १९१८ में दिल्ली में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में उक्त तीनों व्यक्ति मुख्य कार्यकर्ताओं में से थे। रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट अधिवेशन की स्वागत-समिति के उपाध्यक्ष भी चुने गये थे। सन १९२३ में वे दिल्ली कांग्रेस सीट से सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली के सदस्य भी निर्वाचित हुए।

उक्त अधिवेशन से राजधानी में राष्ट्रीयता की एक अनूठी लहर दौड़ी। कांग्रेस का सम्पर्क जन-सामान्य से बढ़ा। सैकड़ों की संख्या में नवयुवक अपने भविष्य की चिन्ता छोड़ कर स्वातंत्र्य संग्राम में कूद पड़े।

दिल्ली के जैन युवकों में सर्वप्रथम लाला डिप्टीमल जी सन १९२१ में कांग्रेस के सदस्य बने। उसी वर्ष निर्वाचन आदि के नियम द्वारा कांग्रेस को व्यवस्थित रूप भी दिया गया। लाला जी की असाधारण योग्यता, दूरदर्शिता और कार्य शीलता ने उन्हें शीघ्र ही नेताओं की कतार में ला खड़ा किया। कांग्रेस में आने के केवल एक वर्ष बाद ही सन १९२२ में उनको प्रांतीय कांग्रेस कमेटी की व्यवस्थापिका के सदस्य और सन १९३१ में कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। इस दौरान में साढ़े ग्यारह मास तक लगातार दरीबा क्षेत्र से बाहर जाने के लिये भी उन पर प्रतिबन्ध लगा रहा। दिल्ली में सन १९३२ में हुए कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में लाला जी प्रमुख कार्यकर्ताओं में से थे। इसी सम्बन्ध में उन्हें २ मास का कारावास भी मिला।

लाला जी सन १९४६ से १९५२ तक दरीबा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सन १९५४ से १९५६ तक दिल्ली नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर रहे। सन १९५८ से १९६० तक दिल्ली नगर कांग्रेस कमेटी के सदस्य व सन १९४९ व सन १९६० में हुई दिल्ली स्टेट पालीटिकल कान्फ्रेंसेज़ की रिसेप्शन कमेटी के चेअरमेन और सन १९४९ से १९५१ तक दिल्ली स्टेट इलेक्शन कमेटी के सदस्य भी रहे। लाला जी की अद्वितीय संगठन-प्रतिभा के कारण सन १९२२ से लेकर सन १९५४ तक दिल्ली राज्य में कांग्रेस की ओर से लड़े गये सभी चुनावों का संचालन उनके ही द्वारा हुआ। लाला जी की गणना आज उन सम्माननीय विशिष्ट वयोवृद्ध व्यक्तियों में हैं जिनके निस्पृह त्याग और महान साधना के ऊपर न केवल कांग्रेस पार्टी को बल्कि सम्पूर्ण नगर को गौरव का अनुभव होता है।

सन १९३० के सविनय-अवज्ञा आन्दोलन, सन १९४२ की ऐतिहासिक जन-क्रान्ति आदि के सिलसिले में श्री जैनेन्द्र कुमार, श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय, सेठ आनंदराज सुराणा, लाला नन्हें मल, लाला तनसुखराय, मास्टर गिरधारी लाल, लाला उग्गर सेन, लाला टीकम चंद्र जौहरी, श्री ज्ञान प्रकाश, श्री कमल चंद गोधा, श्री गुलाब चंद, श्री कपूर चंद गोधा, श्री छगन लाल रावयाण, श्री विमल भाई, श्री अनंतराम नानखताई वाले, श्री विरधी चंद्र, लाला श्री राम, श्री सुन्दर लाल, श्री मुकंदलाल जौहरी, लाला लक्ष्मी चंद्र, श्रीमती चमेली देवी, लाला टीकम चंद्र 'लाट', श्रीमती सीता देवी, श्री गिरी लाल, श्री कस्तूर चंद्र, श्री बहाल सिंह, श्री मनुभाई शाह (वर्तमान केन्द्रीय उद्योग मंत्री), श्री फतह चंद्र, श्री कपूर चंद्र, श्री मुन्नालाल

जौहरी, श्री पदम चंद्र, श्री जुगल किशोर तथा अनेक व्यक्तियों ने कई बार लम्बी लम्बी अवधि की जेल यात्रायें कीं। इन विविध राजनीतिक आंदोलनों में सक्रिय भाग लेने वाली जैन महिलाओं में श्रीमती सुशीला सुल्तान सिंह (धर्मपत्नी राय बहादुर सुल्तान सिंह) का नाम उल्लेखनीय है।

राजनीति के अतिरिक्त म्यूनिसिपल कमेटी, शिक्षण एवं अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं आदि में भी जैनों ने महत्वपूर्ण योगदान किया। सन १८७४ में लाला बलदेव सिंह, सन १८८१ में लाला हज़ारी मल जौहरी, सन १९०१ व १९११ में रायबहादुर सुल्तान सिंह, सन १९११ में रायसाहब लाला वज़ीर सिंह, सन १९१७ में रायसाहब बाबू प्यारे लाल एडवोकेट, सन १९२८ व १९४५ में डा० चम्पत राय जयना, सन १९३१ व १९३७ व १९४५ में लाला डिप्टीमल, सन १९३४ में रायसाहब लाला उल्फतराय, सन १९४० में रायबहादुर लाला आदीश्वर लाल, सन १९४५ में लाला भीकू राम व श्री राज कुमार, सन १९५१ में डा० कैलाश चंद्र, सर्वश्री फूल चंद्र व ओम प्रकाश व रायसाहब जोती प्रसाद दिल्ली म्यूनिसिपल कमेटी के सदस्य (म्यूनिसिपल कमिश्नर्स) हुए।

रायसाहब लाला वज़ीर सिंह सन १९१५ में, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट सन १९१९ में और लाला डिप्टीमल सन १९४५ में वाइस प्रेजीडेंट[६४] के पद पर नवाचित हुए और लगातार कई वर्षों तक इस पद पर रहे। दिल्ली नगरपालिका के इतिहास में इन तीनों का कार्यकाल अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा है। लाला डिप्टीमल जी सन १९३२ से जब जब निर्वाचित हुए पालिका की व्यवस्थापिका व अर्थ समिति (Executive and Finance Committee) व शिक्षा समिति (Education Committee) के सदस्य रहे। लाला जी ने अपने समय में सोशल एजूकेशन स्कीम के अन्तर्गत विशाल पैमाने पर साक्षरता आंदोलन को उठाया और अनेक स्थानों पर सामाजिक शिक्षा व शारीरिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की। इस प्रकार के केन्द्रों का संचालन उत्तर भारत की नगरपालिकाओं में दिल्ली नगरपालिका की एक विशेषता रही है। इन योजनाओं का महत्व तो केवल इस तथ्य से ही प्रकट है कि इन्हें राष्ट्र-स्तर पर कार्यान्वित करने के लिये केन्द्रीय सरकार ने पंचवर्षीय योजनाओं में भी सम्मिलित किया है।

पालिका की ओर से सर्व प्रथम नर्सरी स्कूलों की स्थापना, मिड-डे-मिल्क-स्कीम (Mid-day-milk Scheme) तथा लायब्रेरी आंदोलन को उठाने के लिये भी मारवाड़ी लायब्रेरी, महावीर लायब्रेरी आदि नगर की प्राचीन लायब्रेरियों की प्रगति के लिए विशेष अनुदान की व्यवस्था करने का श्रेय लाला जी को ही है। उस समय जब कि राज्य की ओर से एलोपेथी के प्रसार पर ही सारी शक्ति व्यय होती थी, लाला जी ने आयुर्वेदिक, व यूनानी औषधालयों आदि की स्थापना करवायी। नगर पालिका के एन्टीकरपशन डिपार्टमेंट को सुदृढ़ तथा कार्यकारी बनाने के लिये लालाजी के नेतृत्व में जो कदम उठाये गये वे चिरस्मरणीय हैं।

विगत ५० वर्षों के दौरान में दिल्ली के अन्य विविध सार्वजनिक क्षेत्रों में हुए रचनात्मक कार्यों में भी जैनों का छाप रही है। रायबहादुर डा० (सर) मोतीसागर, राय बहादुर सुल्तानसिंह, रायसाहब बाबू प्यारेलाल एडवोकेट, बैरिस्टर चम्पतराय, लाला गोकलचन्द नाहर आदि व्यक्तियों ने दिल्ली के विविध क्षेत्रों में जो कार्य किये, उनकी स्मृति न केवल जैन वरन् इतर समाज की भी अमूल्य निधि है। यदि वे लोग जैन धर्म और समाज के कार्यों में अपना तन, मन और धन लगाते थे तो अन्य समाज के सुकार्यों में भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा बांटते थे। रायबहादुर लाला सुल्तानसिंह प्रायः प्रतिवर्ष रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पद के लिये चुने जाते थे। जब दिल्ली में अखिल भारतवर्षीय वैष्णव कान्फ्रेंस हुई, जिसके सभापति महाराजा दरभंगा थे, तो उस समय रायबहादुर सुल्तान सिंह को स्वागताध्यक्ष चुना गया। रायसाहब बा० प्यारे लाल वर्षों तक दिल्ली बार एसोसियेशन के प्रेसीडेंट रहे।

रायबहादुर सुल्तानसिंहजी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी लगातार कई वर्षों तक आल इंडिया वीमेन कान्फ्रेंस की प्रेसीडेंट रही है। इन्हीं की मूल प्रेरणा से आज सरकारी

६४. सन १९४६ तक सरकार की ओर से चीफ़ कमिश्नर प्रेजीडेंट के पद पर नियुक्त किया जाता था, जो कि प्रायः अंग्रेज होता था।

भवन, जो कि दिल्ली में महिलाओं की उन्नत और जागृत संस्थाओं में से है, चल रहा है। दिल्ली की प्रसिद्ध मारवाड़ी लायब्रेरी लाला डिप्टीमलजी के सहयोग से ही सन १६१५ में स्थापित हुई और बाद में भी पनपी। स्थापित होने के समय से लगातार ३० वर्षों तक लाला जी ही लायब्रेरी के मैनेजर रहे और इस दौरान में संस्था ने आशातीत उन्नति की। लालाजी ने सन १६१७ में दिल्ली में सबसे पहली समाज-सेवक संस्था 'इन्द्रप्रस्थ सेवक मंडल' के नाम से स्थापित की और लगातार २० वर्ष तक मंत्री पद पर कठिन श्रम द्वारा उसके कार्य को बढ़ाया। मंडल की गणना आज प्रसिद्ध लोक सेवक संस्थाओं में की जाती है।

उपसंहार

अगस्त १५ सन १६४७ को देश स्वतन्त्र हुआ और जनवरी २६, सन १६५० को नवीन भारतीय संविधान के अनुसार सार्वभौम प्रजातन्त्रात्मक गणतन्त्र की स्थापना हुई।

गणतन्त्र की व्यवस्था नवीन नहीं और न किसी विदेश की देन है। यह भारतवासियों की पुरानी वसीयत है। लिच्छिव और नवमल्ली जाति के अठारह गण राज्यों का प्रजातन्त्रात्मक शासन इतिहास प्रसिद्ध है। महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर ऐसे ही गण-राज्यों के गणाधिपतियों के यहां उत्पन्न हुए थे। गण का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की प्रतिष्ठा तथा व्यवस्था बनाये रखने के लिये उत्तरदायी रहे, उसे कहते हैं गणतन्त्र।

स्वाधीनता के वरदान के साथ-साथ प्रत्येक देश-वासी के ऊपर भारत को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का भारी उत्तरदायित्व भी आया। देश के विकास और पुनर्निर्माण के महान यज्ञ में दिल्ली के जैनों का महत्व पूर्ण योगदान है। विगत वर्षों में हुई दिल्ली की औद्योगिक उन्नति की ओर दृष्टि डालें तो निस्संदेह यह विदित होगा कि राजधानी को देश के अन्य औद्योगिक उन्नत नगरों की लाइन में खड़े करने का मुख्य श्रेय यदि किसी एक समाज को है तो वह जैन समाज ही है। आज देश के विख्यात् उद्योगपति सेठ रतन चन्द्र हीराचन्द्र, साहू शाँति प्रसाद, साहू श्रेयांस प्रसाद, सेठ कस्तूर भाई लाल भाई के औद्योगिक संस्थानों का मुख्य केन्द्र दिल्ली ही है। बिजली के सामान, साइकिल, हार्डवेअर गुडस, सिलाई की मशीन, घड़ी घंटों, कागज, केमीकल्स आदि के उद्योगों का नेतृत्व जैनों ने किया है। जापान के विश्वविख्यात् टाय उद्योग की शैली पर अनेक नवीन खिलौनों को भारतीय बाजार में उपस्थित करने का मान राजा टायज़ को प्राप्त है। अन्य लघु और कुटीर उद्योगों में ऊन, होज़री आदि के अधिकांश मिलों का स्वामित्व जैनों के हाथों में है। इन उद्योगों ने न केवल देश के आयात में कमी की है, वरन् निर्यात के द्वारा विदेशी मुद्रा को अर्जन कर राष्ट्रीय आर्थिक स्थित को सुदृढ़ बनाने में सहयोग दिया है। व्यापार के क्षेत्र में, बैंकिंग, ज्वैलरी, कागज, कपड़ा और सीमेंट में तो जैनों की प्रधानता बहुत समय से है। जनरल और हौज़री के वितरण में, जिसके लिये दिल्ली वर्षों से उत्तर भारत का प्रसिद्ध केन्द्र माना जाता है, लगभग ६० प्रतिशत जैन व्यापारी हैं।

जब दिल्ली विधान सभा बनी तो उसमें सेठ आनन्द राजा सुराना, लाल शंकर लाल व श्री हेमचन्द्र सदस्य निर्वाचित हुए।

जैन धन-सम्पन्न हैं तो उदार और दानी भी हैं। अनेक शिक्षण व जन हितकारी संस्थाओं को स्थापित कर राज्य को अशिक्षा आदि की समस्या को हल करने में रचनात्मक सहयोग प्रदान किया है। दिल्ली जैन समाज में जहां एक ओर बड़े बड़े दानी हैं, तो दूसरी ओर डा० डी० एस० कोठारी जैसे विश्व-विख्यात् वैज्ञानिक तथा शिक्षाविद् और आचार्य जुगल किशोर व जैनेन्द्र कुमार जी जैसे महान विचारक और साहित्यकार भी इसी की देन हैं।

जैनागम के महान पंडित एवं तपस्वी विद्यालंकार आचार्य देश भूषण जी महाराज व मुनिरत्न सुशील कुमार जी की प्रेरणा व आशीर्वाद से जैनों द्वारा क्रमशः सन १६५६ और सन १६५८ में जैन कला व शिक्षा प्रदर्शनी और जैन सेमिनार तथा विश्व धर्म सम्मेलन दिल्ली के सांस्कृतिक जीवन की चिरस्मरणीय ऐतिहासिक स्मृतियों में से हैं। दोनों ही आयोजनों में अनेक भारतीय व विदेशी विद्वानों व विचारकों ने भाग लिया था। नागरिकों के चारित्रिक विकास के लिये आचार्य तुलसी द्वारा संचालित देश व्यापी अणुव्रत आंदोलन का केन्द्र दिल्ली ही है।

यह गौरव की बात है कि दिल्ली प्राचीन काल की भांति आज भी जैनों का प्रमुख केन्द्र है। पिछले सैकड़ों

वर्षों के काल में समाज ने उन्नति और अवनति दोनों प्रकार के ही दिन देखे हैं। प्रत्येक अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करके भी समाज का अपना अस्तित्व अक्षुण्ड रहा है, इसमें प्रधान कारण उन सार्वभौमिक सिद्धांतों का श्रद्धान और अनुकरण हैं जो न केवल लौकिक वरन् हर एक आत्मा को उत्कृष्ट और पूर्ण उन्नत बनाने की क्षमता रखते हैं।

आज जब कि विश्व में पारस्परिक विरोध और संघर्ष की भावना बढ़ रही है, विज्ञान प्रदत्त शक्तियों को निर्माण की अपेक्षा विनाश का साधन बनाया जा रहा है, इन सिद्धान्तों का प्रसार ही नहीं बल्कि व्यवहारिक रूप देने की आवश्यकता है। सह अस्तित्व अथवा 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत परम धर्म अहिंसा का ही प्रतिरूप है। महात्मा गांधी ने न केवल अपने स्वयं के जीवन में वरन् सम्पूर्ण राष्ट्र के जीवन में इस सिद्धांत का महान् प्रयोग किया और यह सिद्ध कर दिया कि अहिंसा का सिद्धांत पूर्ण रूप से व्यवहारिक और प्रकृति अनुरूप है। भारत के लिये यह कम गौरव की बात नहीं कि गांधी जी के अपनाये हुऐ मार्ग द्वारा एशिया के अन्य पिछड़े देशों ने भी चेतना ग्रहण कर स्वतन्त्रता प्राप्त की। यही नहीं, आज विश्व की आम जनता का यह विश्वास दृढ़ हो चला है कि विज्ञान के दुरुपयोगों से मानव जाति को यदि किसी प्रकार बचाया जा सकता है तो वह केवल अहिंसा के सिद्धांत से ही संभव है।

शाकाहार की प्रवृत्ति यद्यपि उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर है तथापि इस दिशा में कुछ व्यवहारिक प्रयोगों द्वारा जन सामान्य को शिक्षित बनाने की महती आवश्यकता है। हाल ही में एक विदेशी विद्वान के मतानुसार शाकाहारियों की भोजन सामग्री उत्पन्न करने के लिये जितनी भूमि की आवश्यकता होगी उससे कहीं अधिक मांसाहारियों की सामग्री के लिये होगी। जैनों का कर्तव्य है कि इस मत को बल देने के लिये रचनात्मक प्रयोग करें और तुलनात्मक आंकड़ों द्वारा जनता को शिक्षित बनावें।

अहिंसा का दूसरा सह सिद्धांत 'अपरिग्रहवाद' का है जो किसी भी वस्तु के ऊपप किसी भी व्यक्ति या समाज विशेष का स्वामित्व होना भी मिथ्या बतलाता है। और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छाओं को सीमित करने का पाठ पढ़ाता है। आज के औद्योगिक युग में जब कि तृष्णा अपना उग्र रूप धारण करती जा रही है और जिसके फलस्वरूप आर्थिक असमानता बढ़ती जा रहीहै, यह सिद्धांत ही समाज के सर्वाधिक कल्याण करने में समर्थ है।

तीर्थंकर धर्म और शांति का ढिंढोरा नहीं पीटते, वह स्वयं अनंत शांति रूप होते हैं, उन का सर्वाङ्ग ही दिव्य वाणी के रूप में सम्पूर्ण विश्व को कल्याण मार्ग का उपदेश देकर शांति प्रदान करता है। वे हमारे आदर्श हैं और हम उनके पथानुगामी हैं। यदि जैन कहलाने वाला प्रत्येक व्यक्ति-और वही क्यों-प्रत्येक धार्मिक व्यक्ति यह व्रत ले तो निश्चय ही संभव है कि थोड़े ही समय में विश्व चर्चा के विषय शस्त्रीकरण और हाइड्रोजन बमों को प्रयोग न होकर, पारस्परिक स्नेह बढ़ाने वाले सम्मेलन और 'ज्ञान के विकास के साधन' आदि होंगे।

अपरिग्रहवाद ही तो है गांधी का 'ट्रस्टीशिप सिद्धांत' और विनोबा का 'सर्वोदय तीर्थ'। व्यक्ति अपने हित और स्वार्थ को समाज के हित और स्वार्थ में निहित समझे तो किसी भी सम्पत्ति का व्यक्ति विशेष अपने को स्वामी माने, यह बात अप्राकृतिक है, अन्यायपूर्ण है, अधार्मिक है। समाज के श्रम से उत्पन्न वस्तु समाज का ही कल्याण करे। यह प्राकृतिक मूल सिद्धांत अपरिग्रहवाद की जड़ है,

वस्तुतः विज्ञान की नवीन खोजों के साथ साथ ज्यों ज्यों मानव समाज के ज्ञान का विकास होता जा रहा है (अथवा दूसरे शब्दों में उसकी अज्ञानता में न्यूनता आ रही है) त्यों त्यों जैन सिद्धांतों की सार्वभौमता और सत्यता प्रकाश में आ रही है। उदाहरण के लिये आज से ६० वर्ष पूर्व यह सिद्धांत की वनस्पति में मानव प्राणियों की तरह 'जीवन' (आत्मा) है, निर्मूल माना जाता था। किन्तु वर्तमान शताब्दी के आरम्भ में महान वैज्ञानिक सर जगदीश चन्द्र वसु ने प्रयोगों द्वारा यह सिद्ध कर दिया कि वनस्पति में भी प्राण हैं और प्राणी वर्ग की तरह उनमें भी चेतना का सद्भाव है[६५]। आकस्मिक घटनाओं, चोटों, गर्मी सर्दी तथा विष आदि का उन पर भी अन्य प्राणियों की भांति प्रभाव पड़ता है और वे भी हर्ष विषाद भूख और प्यास का अनुभव करते हैं। इसी भांति, यह आत्मा

६५. देखो, वसु जगदीश चन्द्र, रिस्पान्स इन दी लिविंग एण्ड नान लिविंग।

की जाती है, कि हाल ही में हुए अंतरिक्ष (स्पेस) यात्राओं के अनुसंधानों के फलस्वरूप जैन शास्त्रों में दी गई लोक रचना के बारे में प्रकाश पड़ेगा।

हमारा सौभाग्य है कि आज दिल्ली में जैन कहलाने वाले तीनों सम्प्रदायों का संगम बना हुआ है। इस त्रिवेणी का निर्मल जल यदि साम्प्रदायिक व संकुचित भावनाएं धोने में साधन हो तो देश के कोने कोने के जैन यह अमृत पीने को लालायित हो उठेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। संगठन की शक्ति असीम है। युग की मांग है कि हम अपनी बिखरी शक्ति को संचित कर विकासशील प्रवृत्ति को अपनावें और अनादि निधन सिद्धांत 'अहिंसा' को विश्व में शांति बनाये रखने के लिये और प्राणीमात्र के कल्याण के लिये विश्व के कोने कोने में पहुंचा दें।
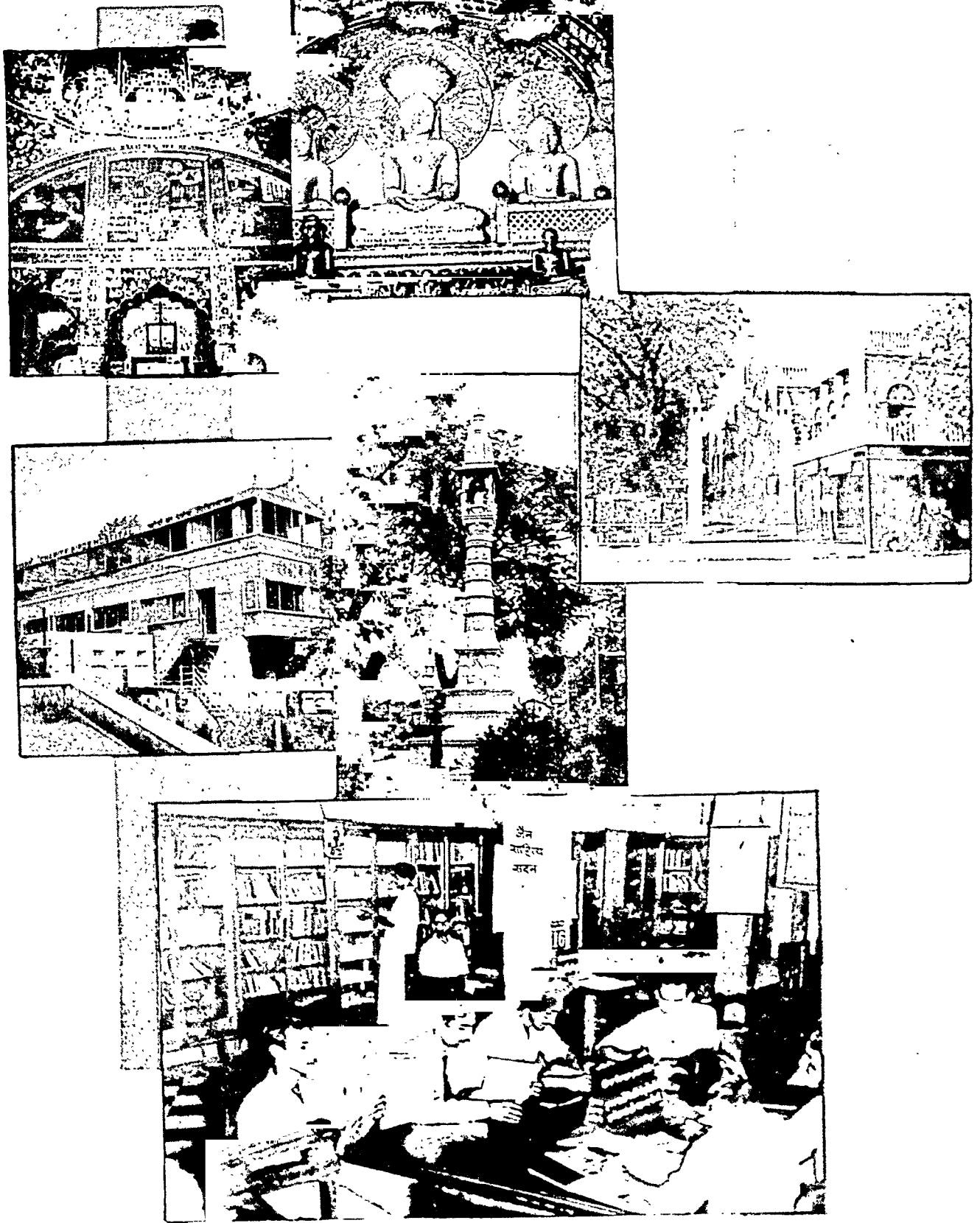
श्री दिगम्बर जैन लाल मंदिर, चांदनी चौक, स्थापित सन् १६५६ (विशेष विवरण पृष्ठ २६)
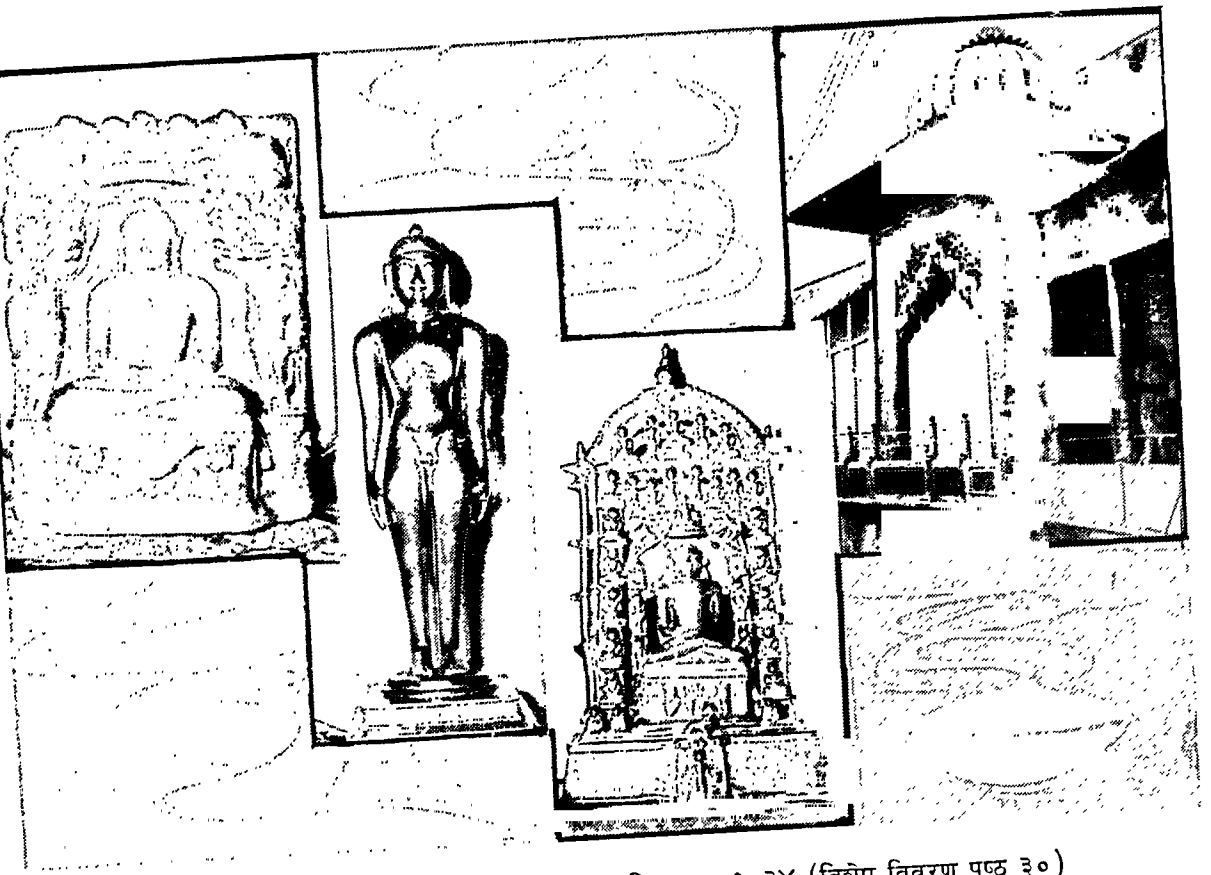
श्री दिगम्बर जैन वड़ा मंदिर कूंचा सेठ, स्थापित सन् १८३४ (विशेष विवरण पृष्ठ ३०)

श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर धर्मपुरा, स्थापित सन् १८०७ (विशेष विवरण पृष्ठ २८)

जैन मन्दिर व स्थानक

१. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मन्दिर, महरौली—इसे तोमरवंशीय राजा अनंगपाल तृतीय के मंत्री अग्रवालवंशी साहू नट्टल ने सन ११३२ से पूर्व बनवाया था। इसके बारे में कवि श्रीधर ने 'पार्श्वपुराण' में भी उल्लेख किया है। इसी मन्दिर तथा निकटवर्नी अन्य मन्दिरों को ध्वंस करके कुतुबुद्दीन ऐबक ने सन ११९३ में कुव्वतुल इस्लाम मसजिद का निर्माण करवाया था। लोहे की किल्ली (स्तम्भ) के सामने वाले दालान में पत्थरों में खुदी हुई जैन मूर्तियां व अन्य चिन्ह इस मन्दिर के साक्षी हैं। मंदिर के वर्तमान अवशेषों में नक्काशी और पच्चीकारी के काम को देख कर उस काल की जैन स्थापत्य कला का कुछ अनुमान लगाया जा सकता है।

२. बड़ी दादा बाड़ी—यह दादा बाड़ी कुतुब मीनार से लगभग एक मील की दूरी पर, गुड़गांव रोड पर मौजा लड्डासराय में स्थित है।

इसी स्थान पर श्री जिनदत्त सूरि जी के पट्टशिष्य श्री जिनचन्द्र सूरि मणीधारी जी महाराज का अग्निसंस्कार सन ११६६ में हुआ था। उनकी स्मृति में ही इस बाड़ी का निर्माण हुआ, जो कि श्री बड़ी दादा बाड़ी के नाम से विख्यात है।

यहीं श्री बब्बुमल जी भंसाली (ठप्पे वालों) ने श्री सिद्धाचल स्थापना तीर्थ के सुन्दर दिग्दर्शन के प्रयत्न में नवीन निर्माण कराया है, जिसमें तलहटी, बाबू का डेरा, पर्वतीय मार्ग, शत्रुंजय नदी, नौ टूंक, खरतर वसई, दादा की टूंक आदि दर्शनीय हैं।

बाड़ी में यात्रियों के रहने की भी सुन्दर व्यवस्था है।

३. दि० जैन पार्श्व मंदिर, जयसिंह पुरा, नई दिल्ली-यह मंदिर कनाट सर्कस में मद्रास होटल के पीछे की ओर जैन मंदिर मार्ग पर स्थित है। यह 'खंडेलवाल' अथवा 'बड़े मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इस मंदिर का निर्माण कब और किसने कराया, यह निश्चित रूप से ज्ञात नहीं हो सका है। परन्तु विद्वानों का मत है कि यह वही प्राचीन पार्श्वनाथ मंदिर है जहां आचार्य अरुणमणि ने सन १६५९ में 'अजित पुराण' की रचना की थी और जिसकी अन्तिम प्रशस्ति में इस मंदिर का उल्लेख भी किया है। यह भी कहा जाता है कि इसी मंदिर

जो में सांगानेर निवासी कवि खुशाल चन्द जी काला ने स्थानीय धार्मिक महानुभाव श्री गोकुल चन्द जी ज्ञानी के उपदेश से सन १७२३ से लेकर १७४३ तक हरिवंशपुराण आदि अनेक ग्रंथों की रचना की। इन सब उल्लेखों से यह प्रगट होता है कि यह मंदिर निश्चय ही औरंगजेब के समय से पूर्व का निर्मित है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान महावीर स्वामी की है। जो कि लगभग ५०० वर्ष पूर्व भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित की गई है। इसके अतिरिक्त भ० ऋषभदेव, भ० चंद्रप्रभु, भ० नेमिनाथ, भ० पार्श्वनाथ आदि तीर्थंकरों की सन १४९१ की प्रतिष्ठित प्रतिमायें विराजमान है। विगत वर्षों में मन्दिर जो में अनेक नवीन निर्माण हो जाने से किन्ही अशों तक प्राचीन चिन्हों में न्यूनता आ गई है।

४. दि० जैन लाल मंदिर—यह मंदिर लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने व चांदनी चौक के प्रारम्भ में स्थित है और शहर के स्थानीय जैन मन्दिरों में सबसे प्राचीन मंदिर है। इसका निर्माण शाहजहां के राज्यकाल में सन १६५६ में हुआ। कहा जाता है कि शाही छावनी इसी निकटवर्ती क्षेत्र में थी और इस मन्दिर का निर्माण भी शाही सेना के जैन पदाधिकारियों के लिये ही हुआ था। यह उर्दू मंदिर या लशकरी मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध था।

जिस स्थान पर इस मन्दिर की नींव पड़ी, ऐसा प्रचलित है कि वहीं शाही सेना के एक जैन पदाधिकारी ने अपने खेमे में जैन चैत्यालय स्थापित किया था। कालांतर में शाही स्वीकृति मिलने पर उसी स्थान पर इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

इस मन्दिर के सम्बन्ध में यह कथन भी प्रचलित है कि एक वार सम्राट औरंगजेब ने मन्दिर जी में वाजे वजाने की मनाई की। शाही आज्ञा के हो जाने पर भी वाजे वजते रहे, परन्तु आश्चर्य की वात कि कोई वजाने वाला दृष्टिगोचर नहीं होता था। इस पर सम्राट स्वयं देखने गये और पूर्ण स्थिति से परिचित होने के वाद उन्होंने अपनी आज्ञा वापिस ले ली।

मंदिर जी की मुख्य व प्राचीन वेदी में भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा सन १४९१ में प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा मध्य में विराजमान है। इस प्रतिमा के दायें वायें भी उसी सम्वत की प्रतिष्ठित मूर्तियां विराजमान हैं। सन १९३५ से मंदिर में समय समय पर नवीन निर्माण होता आ रहा है। मन्दिर का विशाल सरस्वती भवन, पीछे की ओर उदासीनाश्रम, यात्रियों के ठहरने के लिये कई कमरे, पक्षियों का चिकित्सालय, जैन साहित्य सदन का भवन, मुख्य द्वार के समक्ष मान-स्तम्भ आदि का निर्माण विगत थोड़े वर्षों में ही हुआ है। इनसे मंदिर की शोभा व उपयोगिता दोनों में ही अत्यधिक वृद्धि हुई है।

५. दिगम्बर जैन मंदिर, दिल्ली गेट—यह मन्दिर दिल्ली गेट के निकट ही स्थित है। यह मन्दिर भी मुगलकालीन बना

हुआ है। इसमें सबसे प्राचीन मूर्ति सन १७७३ की है। इसके अन्दर के भवन में अलंकृत चित्रकारी भी है।

ऐसा कहा जाता है कि लाल किले के पास मन्दिर (लाल मन्दिर) के बन जाने के बाद, समाज में कुछ मतभेद हो गया, जिसके फलस्वरूप कुछ व्यक्तियों द्वारा इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

६. दि० जैन मंदिर, मोरी गेट—यह मंदिर कब बना और किसने बनवाया यह ठीक ज्ञात नहीं हो सका है, तथापि इसकी निर्माण शैली से यह निश्चित है कि यह भी मुगलकालीन है।

मन्दिर में मूलनायक प्रतिमा सन १४९१ की भट्टारक जिनचन्द्र और जीवराज पापड़ीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान है।

७. श्वे० जैन मंदिर, नौघरा—यह मंदिर किनारी बाजार, मौहल्ला नौघरा में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण शाहजहां के राज्यकाल में हुआ था और यह स्थानीय श्वेताम्बर मंदिरों में सबसे प्राचीन है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण सन १७०९ में हुआ था।

मुख्य प्रतिमा भ० सुमतिनाथ जी की है। श्री पार्श्वनाथ जी की श्याम पाषाण की बनी चतुर्मुखी प्रतिमा भी अत्यन्त ही मनोहर व मनोज्ञ है। मंदिर के अन्दर के भवन में स्वर्ण चित्रकारी भी है।

८. महावीर दि० जैन मंदिर, वैद्यवाड़ा—यह मंदिर चांदनी चौक अथवा नई सड़क की ओर से जाकर वैद्यवाड़ा मुहल्ला में स्थित है। इसका निर्माण सन १७४१ में खंडेलवाल दि० जैन पंचायत द्वारा हुआ था।

मंदिर में लगभग २००–२५० प्राचीन मूर्तियां है, जिनमें कई स्फटिक पाषाण की भी हैं। मुख्य प्रतिमा सन ११७५ की प्रतिष्ठित है। अन्य मनोज्ञ प्रतिमायें सन १४५७ की व कुछ उसके बाद के समय की प्रतिष्ठित हैं।

मंदिर के शास्त्र भंडार में कई हस्तलिखित ग्रन्थ भी हैं।

९. दि० जैन पंचायती मंदिर—यह मंदिर गली मस्जिद खजूर में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण मुहम्मदशाह द्वितीय के कमसरियट विभाग के सैनिक पदाधिकारी आयामल या आज्ञामल ने सन १७४३ में कराया था। बाद में इसे पंचायती घोषित कर दिया गया। यह मंदिर भट्टारकों की गद्दी का भी स्थान रहा है और तत्पश्चात 'पांडे जी का मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध रहा।

इस मंदिर में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। यह प्रतिमा श्यामवर्ण, ५ फुट ६ इंच ऊंची और ३ फुट ५ इंच चौड़ी है। दायें बायें भ० आदिनाथ और भ० शांतिनाथ की श्वेतवर्ण प्रतिमायें विराजमान, हैं जो कि प्रत्येक ३ फुट ५ इंच ऊंची और २ फुट ८॥ इंच चौड़ी हैं। इनके अतिरिक्त कई रत्न-प्रतिमायें भी हैं। इस मंदिर में सबसे प्राचीन मूर्ति सन १३४६ की है। और अन्य १०–१२ मूर्तियां सन १४९१ की हैं।

मंदिर में लगभग ३,००० अप्राप्य हस्तलिखित शास्त्रों का तथा अन्य मुद्रित ग्रन्थों का सुन्दर संग्रह है।

१०. दि० जैन मेहर मंदिर-यह मंदिर मस्जिद खजूर के बाहर स्थित है। इसका निर्माण लाला मेहर चन्द जी ने करवाया था। इस मंदिर में नंदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयों की अपूर्व रचना की गयी है जिसकी प्रतिष्ठा २३ जनवरी, सन १७३२ में हुई थी। मंदिर की अन्य वेदियों की प्राचीन प्रतिमायें भी मनोज्ञ व दर्शनीय हैं।

मंदिर के शास्त्र भन्डार में हस्तलिखित व मुद्रित ग्रन्थों का सुन्दर संग्रह है।

११. दि० जैन नया मंदिर, धर्मपुरा– चाँदनी चौक से किनारी बाजार होते हुए धर्मपुरा के मध्य में पहुंचने पर यह मंदिर आता है। यह मंदिर राजा हरसुखराय जी ने जो शाही खंजाची थे, व भरतपुर राजा के दरबारी थे, लगभग आठ लाख रुपए की लागत से बनवाया। इसका बनाना सन १८०० में प्रारम्भ हुआ था और सन १८०७ में इसकी प्रतिष्ठित हुई थी।

मंदिर में मध्य की वेदी पर भ० आदिनाथ की सन १६०७ में प्रतिष्ठत मूर्ति विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य कई प्रतिमायें स्फटिक, नीलम, मरकत और पाषाण की सन १०५२ की प्रतिष्ठित, विराजमान हैं।

मंदिर की मूलनायक वेदी जयपुर के मकराना संगमरमर की बनी है और उसमें सच्चे बहुमूल्य पाषाण की पच्चीकारी का काम और बेलबूटों का कटाव ऐसा बारीक है कि उसकी तुलना ताजमहल की अद्वितीय कारीगरी से की जा सकती है। जिस कमल पर भगवान की प्रतिमा विराजमान है उसकी लागत दस हजार रुपया तथा वेदी की लागत सवा लाख रुपया बताई जाती है। कमल के नीचे चारों ओर जो सिंहों के जोड़े बने हुए हैं उनकी कारीगरी भी अपूर्व और आश्चर्य जनक है।

मंदिर में पच्चीकारी का अद्भुत काम, दीवालों पर सुनहरी चित्रकारी आदि कई विशेषतायें हैं जिनसे आकर्षित होकर देशी व विदेशी यात्री दर्शनों के लिए आते हैं।

विगत वर्ष सन १९६० में इसी मन्दिर में सहस्र-कूट चैत्यालय की स्थापना भी की गई है।

मंदिर जी के शास्त्र-भंडार में लगभग १,८०० हस्तलिखित ग्रन्थ और अन्य सभी शास्त्रों का सुन्दर संकलन हैं। यह शोध कार्य करने वाले छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी होते हैं।

१२. दि० जैन मंदिर, शहादरा– दिल्ली शहर से लगभग ४-५ मील की दूरी पर यमुना नदी के पार शहादरा उप-नगर में यह मंदिर, गली मंदिर वाली में स्थित है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय द्वारा हुआ था।

१३. दि० जैन मंदिर, पटपड़गंज– पटपड़गंज के लिए फौहारे से बस की सुविधा
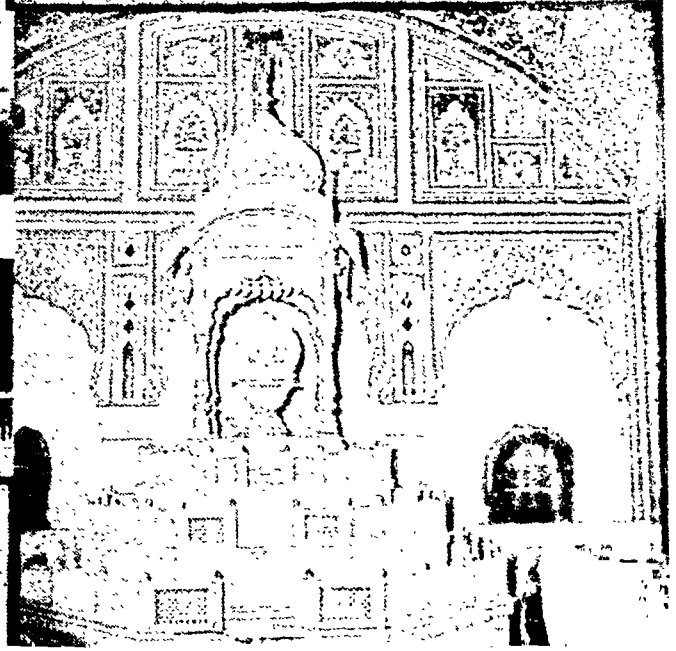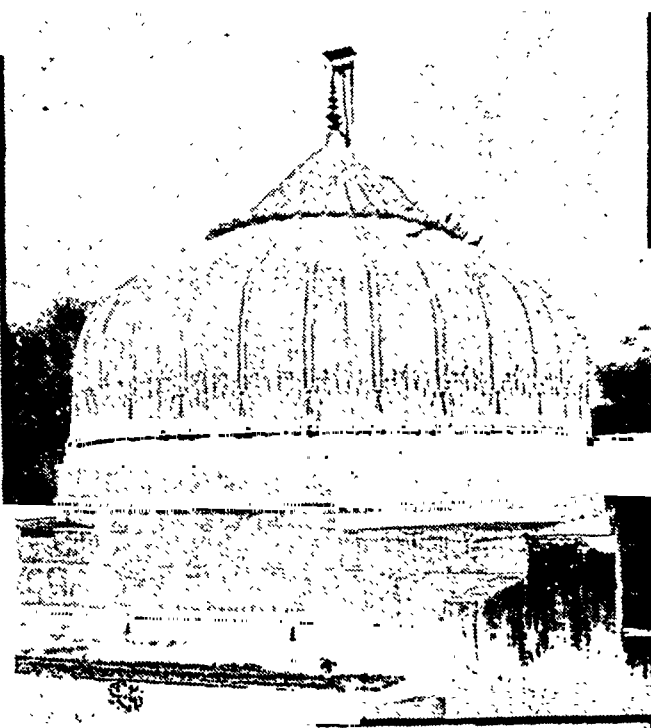
श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन मंदिर (जैसिंहपुरा) नयी दिल्ली, स्थापित सन् १८०७ (विशेष विवरण पृष्ठ २९)
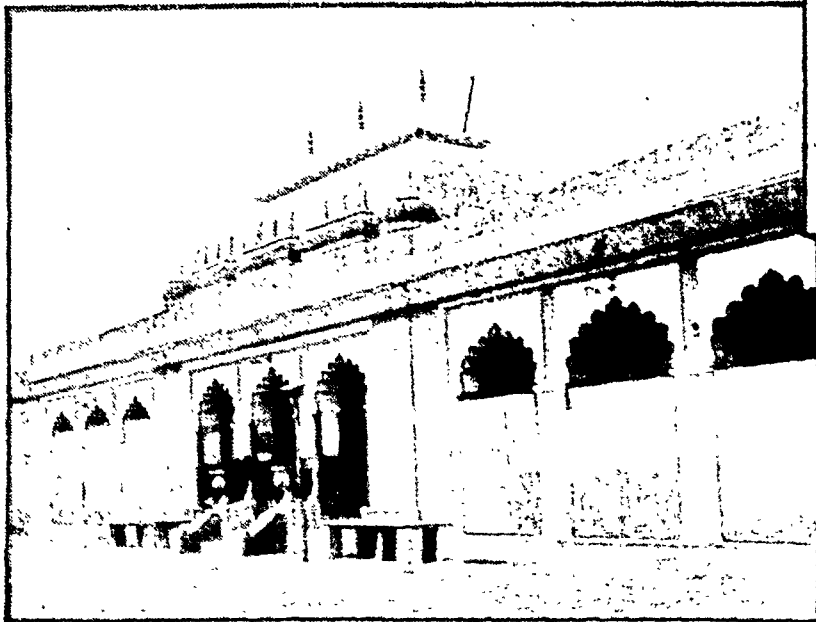
जैन निसी मंदिर कनाट प्लेस, नयी दिल्ली. मुगल काल में स्थापित (विशेष विवरण पृष्ठ २९)

श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर महरौली के

भारत में मुस्लिम राज्य के अन्तर्गत अनगिनत हिन्दू व जैन मंदिर ध्वंस करके उनके स्थानों पर मस्जिदों का निर्माण किया गया। उसी प्रवृति की प्रतीक गुलाम वंश के संस्थापक कुतुबुद्दीन एबक द्वारा निर्मित "कुव्वत-उल-इस्लाम" मस्जिद है जिसके प्राचीन खण्डहरों में जैन मूर्ति और स्थापत्य कला का वैभव बिखरा पड़ा है। यह मसज़िद अपने समय के इसी स्थान पर निर्मित विशाल पार्श्वनाथ जैन मंदिर को विध्वंस करके बनाई गई थी। मंदिर के अवशिष्ट चिह्नों में हाथी-दरवाजा तथा दो ओर के सभा-गृह अब भी अछूते से जान पड़ते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि कीली के पार्श्वभाग में शिखर-युक्त पीठिका में मुख्यवेदी स्थापित थी तथा इसी के केन्द्र से चारों ओर सभागृह था
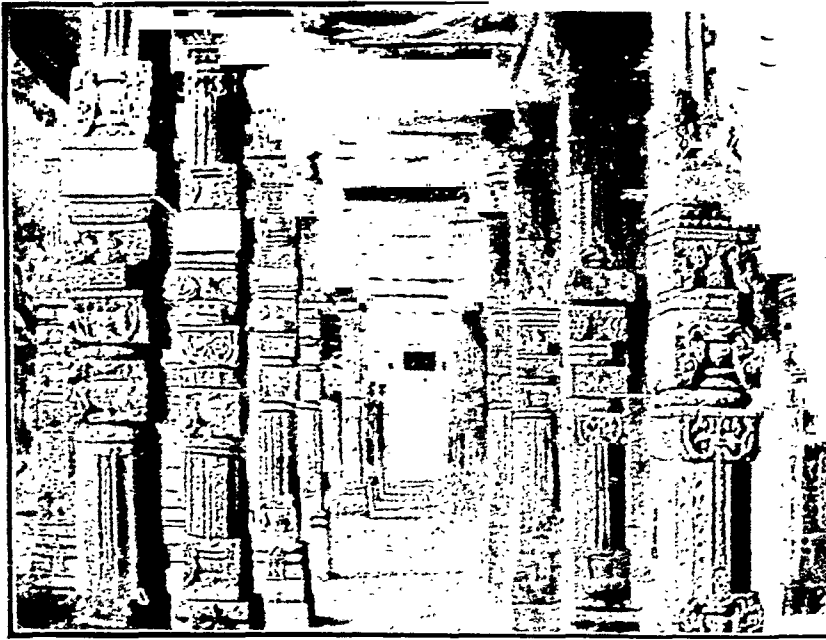
के अवशिष्ट चिह्न

जिसके स्तम्भों व दीवारों आदि पर तीर्थंकरों की भव्य मूर्तियां व तत्कालीन जैन स्थापत्यकलामय दृश्यावलियां एवं धार्मिक चिह्न उत्कीर्ण थे। द्वार को छोड़ कर बाकी तीन ओर के सभागृह में तीन अतिरिक्त वेदियों की स्थापना का आभास पाया जाता है। यह सम्पूर्ण मंदिर एक सरोवर के मध्य में स्थित था।

महरौली स्थित इस पार्श्वनाथ मंदिर का निर्माण तोमर वंशी राजा अनंगपाल तृतीय के मंत्री साहू नट्टल ने सन् ११३२ के लगभग करवाया था। इसका वर्णन कवि श्रीधर द्वारा विरचित "पार्श्वपुराण" में भी पाया जाता है।

मंदिर के वर्तमान अवशेषों में कई स्तम्भ, दालान, कक्ष आदि अभी तक सुरक्षित हैं। बाईं ओर का चित्र मुख्य द्वार से अन्दर के कक्ष का है। इस कक्ष में बहुत से स्तम्भ अभी तक अच्छी दशा में है। इन स्तम्भों की रचना और खुदाई का कार्य आबू के जैन मंदिरों की शैली पर है। दोनों ओर के कोने के प्राचीन शैली के शिखरयुक्त भव्य गुम्बदों की छतों व दीवारों में तीर्थंकरों की मूर्त्तियां, तीर्थंकर की माता को गर्भावस्था में दिखलाई देने वाले सोलह स्वप्नों में से एक–मीनयुगल, भगवान के जन्म के पश्चात् इन्द्र द्वारा अभिषेक का दृश्य, आदि उत्कीर्ण हैं।

मध्य में ऊपर का चित्र मंदिर के दालान में स्थित मुख्य पीठिका के अवशिष्ट ध्वंसों का है। मध्य में नीचे का चित्र दीवार पर उत्कीर्ण दृश्यावलियों का है इनमें जैन धर्म सम्बन्धी मूर्त्तियां व चिह्न उत्कीर्ण हैं। दायीं ओर का चित्र एक स्तम्भ का है जिस पर बीच में तीन ओर जैन तीर्थंकरों की पद्मासन मूर्तियां उत्कीर्ण हैं। मंदिर के वर्तमान अवशिष्ट चिह्न देख कर यह विश्वास होता है कि जैसे शीघ्रता से किसी मंदिर को तोड़ फोड़ कर मस्जिद बना दिया गया हो।

श्री वड़ी दादा वाड़ी गुड़गांव रोड महरौली, स्थापित सन् ११६६ (विशेष विवरण पृष्ठ २५)
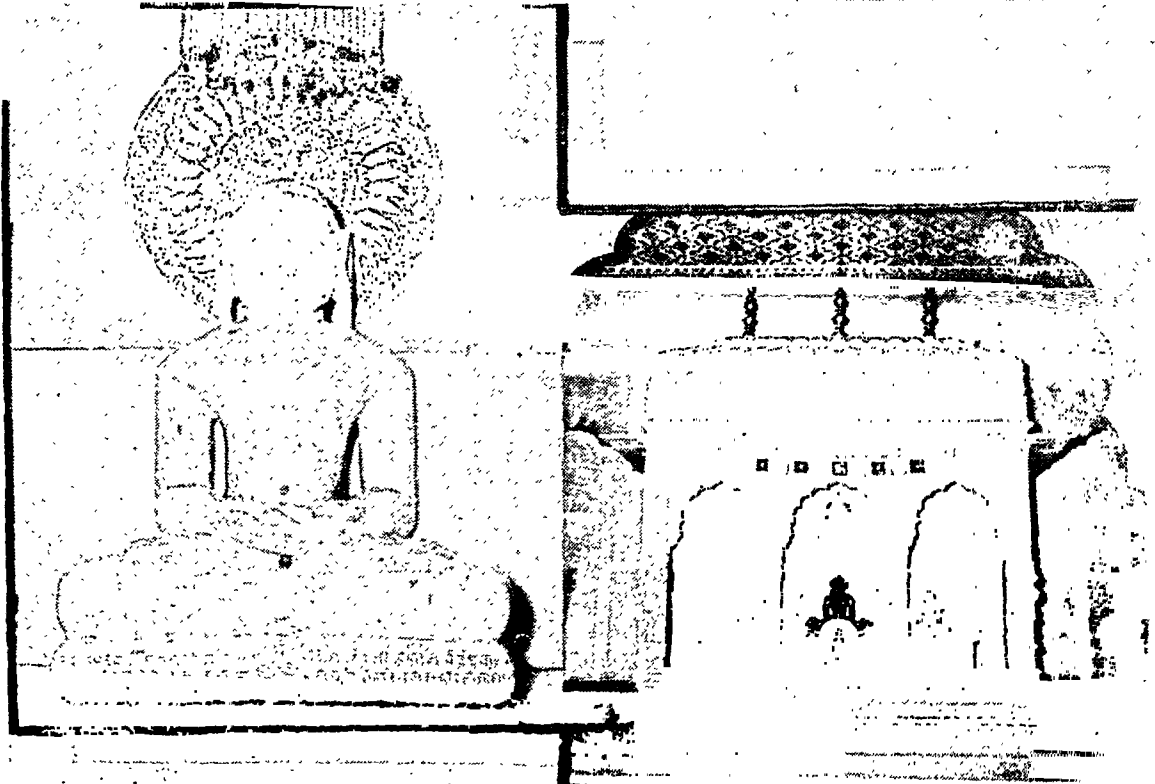
श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल वड़ा मंदिर (जैसिंहपुरा) नयी दिल्ली, मुगल काल में स्थापित (विशेष विवरण पृष्ठ २५-२६)।

उपलब्ध है। इस मंदिर का निर्माण राजा हरसुखराय जी ने करवाया था। विगत वर्षों में इस मंदिर में जीर्णोद्धार व अशंतः नवीन निर्माण भी हो गया है।

१४. श्री अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिंहपुरा—यह मंदिर खंडेलवाल मंदिर, नई दिल्ली से लगा हुआ है और 'छोटे मन्दिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय जी के सुपुत्र राजा सुगन चन्द जी ने कराया था, इसकी प्रतिष्ठा सन १८०७ में हुई थी। कहा जाता है कि इस मन्दिर के निर्माण के लिए १० बीघा जमीन राजा सुगनचंद जी को जयपुर राज्य से, राजा जयसिंह जी द्वितीय के समय में, उनके दीवान जूथाराम जी के द्वारा प्राप्त हुई थी।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा अष्टम तीर्थङ्कर भगवान चन्द्रप्रभु जी की सन १८०४ की प्रतिष्ठित विराजमान है। मंदिर के अंदर के भवन की स्वर्ण-चित्रकारी प्राचीन भव्य स्थापत्य कला का प्रतीक है जो कि इतनी लम्बी अवधि के पश्चात आज भी मूल रूप में है। दूसरी वेदी, जो कि मूलतः प्राचीन है में भी मुख्य प्रतिमा भ० चंद्रप्रभु की है जिसकी प्रतिष्ठा सन १८६७ में वाराणसी के शाह खड्गसेन उदयराज लमेंचू ने करायी थी।

मंदिर जी में लगभग १,००० मुद्रित ग्रन्थों का शास्त्र भंडार भी है।

इस मन्दिर जी के पीछे मुनिराज, त्यागियों तथा यात्रियों के ठहरने की भी व्यवस्था है।

१५. जैन निशी मंदिर, क० प्लेस—यह कनाट प्लेस के निकट लेडी हार्डिंग रोड पर स्थित है तथा निशी अथवा नशियां जी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इसका निर्माण भी मुग़लकालीन है। इसके चारों ओर परकोटा है जिसके चारों कोनों पर चार गुम्वज हैं। परकोटे की पश्चिमी दीवाल से लगा हुआ एक गुम्वजरूप मंदिर है जिसके तीन भाग हैं। मध्य भाग में एक पक्की वेदी बनी हुई है जिसमें प्रतिमा जी को विराजमान किया जाता है।

प्राचीन काल में अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिंहपुरा से, इस स्थान पर वर्ष में दो बार, तीन दिन के लिये, मूर्ति लाकर विराजमान की जाती थी तथा पूजन, भजन इत्यादि उत्सव होते थे।

वर्तमान में इसका प्रवन्ध जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। यहां पर समय समय पर अनेक धार्मिक व सामाजिक उत्सव होते हैं। भगवान् महावीर जयन्ती के अवसर पर अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिंहपुरा से प्रतिमा जी लाकर एक दिन पूर्व विराजमान कर दी जाती है तथा दूसरे दिन पूजन इत्यादि के पश्चात् एक विराट् रथोत्सव का आयोजन किया जाता है।

१६. श्वे० जैन मंदिर, चेलपुरी—यह मन्दिर किनारी वाजार की गली चेलपुरी में स्थित है। इसका निर्माण भी मुग़लकालीन है।

मंदिर जी में मुख्य प्रतिमा भगवान संभवनाथ जी की है।

१७. दि० जैन बड़ा मंदिर, कूंचा सेठ—यह मन्दिर कूंचा सेठ, दरीबा कलां में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण सन १८३४, (सं० १८९१) में हुआ। कहा जाता है कि इस मन्दिर का निर्माण होना सन १८२८ में प्रारम्भ हुआ था।

मन्दिर में मूलनायक प्रतिमा श्यामवर्ण की भगवान ऋषभदेव की, मूलवेदी में विराजमान है। इस मूर्ति की प्रतिष्ठा सन ११९४ में हुई थी। वेदी नं० ३ में एक धातु मूर्ति सन ११४३ की पंच बालयती तीर्थङ्करों की है, एक धातु मूर्ति तीर्थङ्कर-त्रय, भगवान शाँतिनाथ जी भगवान कुंथनाथ जी व भगवान अरहनाथ जी की है। इनके अतिरिक्त अन्य प्रतिमायें सन १३४६ के बाद के काल की प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर में कई प्रतिमायें स्फटिक की भी हैं।

मन्दिर के शास्त्र भण्डार में अन्य मुद्रित ग्रन्थों के अतिरिक्त १,४०० हस्तलिखित ग्रन्थ हैं।

इस मन्दिर में पं० इन्द्रराज जी की शैली प्रचलित थी, इस बात का उल्लेख पं० बखतावर लाल जी ने भी किया है।

१८. दि० जैन छोटा मंदिर, कूंचा सेठ—इस मन्दिर का निर्माण सन १८४० में हुआ। इस बनवाने में श्रावक श्री इंद्रराजजी का विशेष हाथ था। उन्होंने काबुल के एक दुर्रानी से सन १४९२ की प्रतिष्ठित पाषाण मूर्ति खरीदी थी। प्रतिमा जी को कुछ दिन अपने घर में स्थापित करने के पश्चात पंचों को सौंप दी थी। वही मूर्ति इस मंदिर में विराजमान है।

१९. दि० जैन मन्दिर, सतघरा—यह मन्दिर धर्मपुरा के अन्दर सतघरा में स्थित है। इसका निर्माण लगभग ६० वर्ष पूर्व चैत्यालय के रूप में हुआ। कालांतर में सन १९३९ में शिखरबन्द मन्दिर में परिवर्तित किया गया.

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की है यहां प्रतिदिन महिलाओं की शास्त्र सभा होती है।

२०. दि० जैन चैत्यालय, सतघरा, धर्मपुरा—यह चैत्यालय 'मुंशी रिशक लाल चैत्यालय' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

२१. दि० जैन चैत्यालय, बीबी तोखन, किनारी बाजार—यह गली अनार के अन्दर कुएं वाली गली, किनारी बाजार में स्थित है।

२२. श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन उपाश्रय, किनारी बाजार—यहां साधु, साध्वियों के ठहरने और उनके व्यावच्छ का प्रबन्ध है। उपाश्रय में आंबिल खाते का कार्य सम्पन्न होता है और विवाह-पार्टी आदि उत्सवों के लिये बर्तन इत्यादि भी प्राप्त हो सकते हैं।

२३. ला० हजारी मल जौहरी का श्वे० जैन चैत्यालय—यह चैत्यालय किनारी बाजार के छत्ता प्रताप सिंह में स्थित है।

२४. पद्मावती पुरवाल दि० जैन मंदिर—यह मन्दिर मसजिद खजूर के बाहर गली में स्थित है।

इसका निर्माण पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने सन १९३१ में किया था।

२५. श्री शांतिनाथ दि. जैन चैत्यालय, वैदवाड़ा—वैदवाड़ा के महावीर मन्दिर से ही सम्बन्धित गली की दूसरी ओर एक चैत्यालय भी है, जिसमें षष्टम तीर्थङ्कर भगवान शान्तिनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

२६. दि० जैन चैत्यालय (गोधाजी) वैदवाड़ा—उक्त मंदिर व चैत्यालय से थोड़ा आगे अन्दर की ओर चलकर ही यह नवीन निर्मित चैत्यालय स्थित है। इसका निर्माण लाला कपूरचंद जौहरी ने कराया। चैत्यालय में भगवान महावीर स्वामी की स्फटिक की एक मनोज्ञ प्रतिमा है।

२७. दि० जैन चैत्यालय (ला० भौंदूमल जी)—यह चैत्यालय गली पहाड़ के बाहर स्थित है। यह लाला भौंदूमल जी द्वारा स्थापित हुआ था।

२८. दि० जैन चैत्यालय (ला० मोरीमल जी)—उक्त चैत्यालय के सामने ही लाला मोरीमल द्वारा स्थापित चैत्यालय है।

२९. दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ चैत्यालय—यह चैत्यालय जो गली खंजाची वाली में स्थिति है, लाला हजारीमल चैत्यालय के नाम से प्रसिद्ध है, इसे लाला साहब सिंह ने सन १७९१ में बनवाया था।

३०. दि० जैन चैत्यालय, कूंचा सुखानन्द—यह चैत्यालय मुग़लकालीन होने से बहुत प्राचीन है। इसका निर्माण लाला गुलाब राय ने कराया था।

३१. जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालो वाड़ा—यह स्थानक एक ओसवाल श्रावक द्वारा लगभग ६०, ७० वर्ष पूर्व चढ़ाया गया था। यहां साधु साध्वियों के ठहरने की व्यवस्था है।

३२. दि० जैन मंदिर, मोहल्ला, इमली—यह मंदिर बाजार सीताराम में कूंचा पातीराम के मोहल्ला इमली में स्थित है। इसमें मूलनायक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ की है।

३३. जैन स्थानक, १८०२, चीराखाना—यह स्थान ला० सेटामल जी भंसाली ने लगभग ६० वर्ष पूर्व चढ़ाया था। यहाँ सती वगैरह ठहरती हैं।

३४. श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ श्वे. मन्दिर, चीराखाना—यह मन्दिर मालीवाड़ा से चल कर मु० चीराखाना (गली हरदयाल) में स्थित है। मुख्य प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। मन्दिर जी के नीचे एक पोशाल भी है।

३५. महावीर भवन, चाँदनी चौक—इस भवन में जैन मुनिराज आदि ठहरते हैं और नित्य उनके प्रवचन, कथा इत्यादि होते हैं। समय-समय पर अन्य धार्मिक समारोह भी होते हैं।

भवन में ही श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय स्थित है।

३६. दि० जैन चैत्यालय, जैन बालाश्रम, दरियागंज-एडवर्डपार्क के सामने

गंजरोड को ओर थोड़ी दूर पर जैन वालाश्रम (जो कि पूर्व में जैन अनाथाश्रम प्रसिद्ध था) का भवन है। इसके ऊपर की मंजिल में चैत्यालय स्थापित है। चैत्यालय की दो वेदियों में क्रमश: भगवान महावीर की धातु मूर्ति व भगवान पार्श्वनाथ की कृष्ण-पाषाण मूर्ति विराजमान हैं।

३७. हुकुमचंद दि० जैन चैत्यालय, दरियागंज--जैन वालाश्रम (अनाथाश्रम) से थोड़ा आगे चलकर नं० ७ दरियागंज में यह चैत्यालय स्थित है। इसे ला० हुकुम चन्द गोहाना निवासी ने स्थापित किया था।

३८. अहिंसा मन्दिर दि० जैन चैत्यालय, १ दरियागंज-यह ला० राजकृष्ण जी द्वारा स्थापित किया गया है। इसमें भ० चंद्रप्रभु की श्वेत पाषाण की प्रतिमा विराजमान है।

३९. दि० जैन पंचायती मन्दिर, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस मंदिर का निर्माण सन १८५३ में हुआ था। मंदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ की सन १५९३ में प्रतिष्ठित विराजमान हैं।

४०. श्री महावीर दि० जैन मंदिर गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज--यह मन्दिर 'कांच का मन्दिर' के नाम से प्रसिद्ध है। इस मन्दिर का निर्माण श्रीमती जानकी बाई धर्मपत्नी लाला मक्खन लाल ने सन १९३८ में कराया था। मंदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की सन १९२३ में प्रतिष्ठित विराजमान है।

४१. दि० जैन चैत्यालय ला० मनोहरलाल जौहरी, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस चैत्यालय का निर्माण लाला मनोहर लाल जी जौहरी ने सन १९३५ में कराया था। चैत्यालय में मूलनायक प्रतिमा भ० शांतिनाथ स्वामी की विराजमान है।

निर्माता की मंत्रशास्त्र में विशेष रुचि होने के कारण चैत्यालय में मंत्र-ग्रंथों का सुन्दर संग्रह है।

४२. दि० जैन चैत्यालय, डिप्टीगंज, महावीर नगर, सदर बाजार--चैत्यालय की स्थापना सेठ लालचन्द जी बीड़ी वालों ने सन १८५० में की थी। इस में मूलनायक प्रतिमा भ० चन्द्रप्रभु स्वामी की है।

४३. श्री जैन उपाश्रय, गली नाई वाली, पहाड़ी धीरज--इस स्थानक का निर्माण सदर बाजार स्थानकवासी पंचायत द्वारा ३० वर्ष पूर्व हुआ था। यहाँ साधु साध्वियों के ठहरने की व्यवस्था है।

४४. श्री जैन स्थानक चन्द्रावल रोड (सब्जीमंडी)।

४५. श्री जैन स्थानक, केदार बिल्डिंग, सब्जी मन्डी।

उपरोक्त दोनों स्थानकों का निर्माण ला० रघुनाथ सहाय जी रोहतक वालों ने करवाया था।
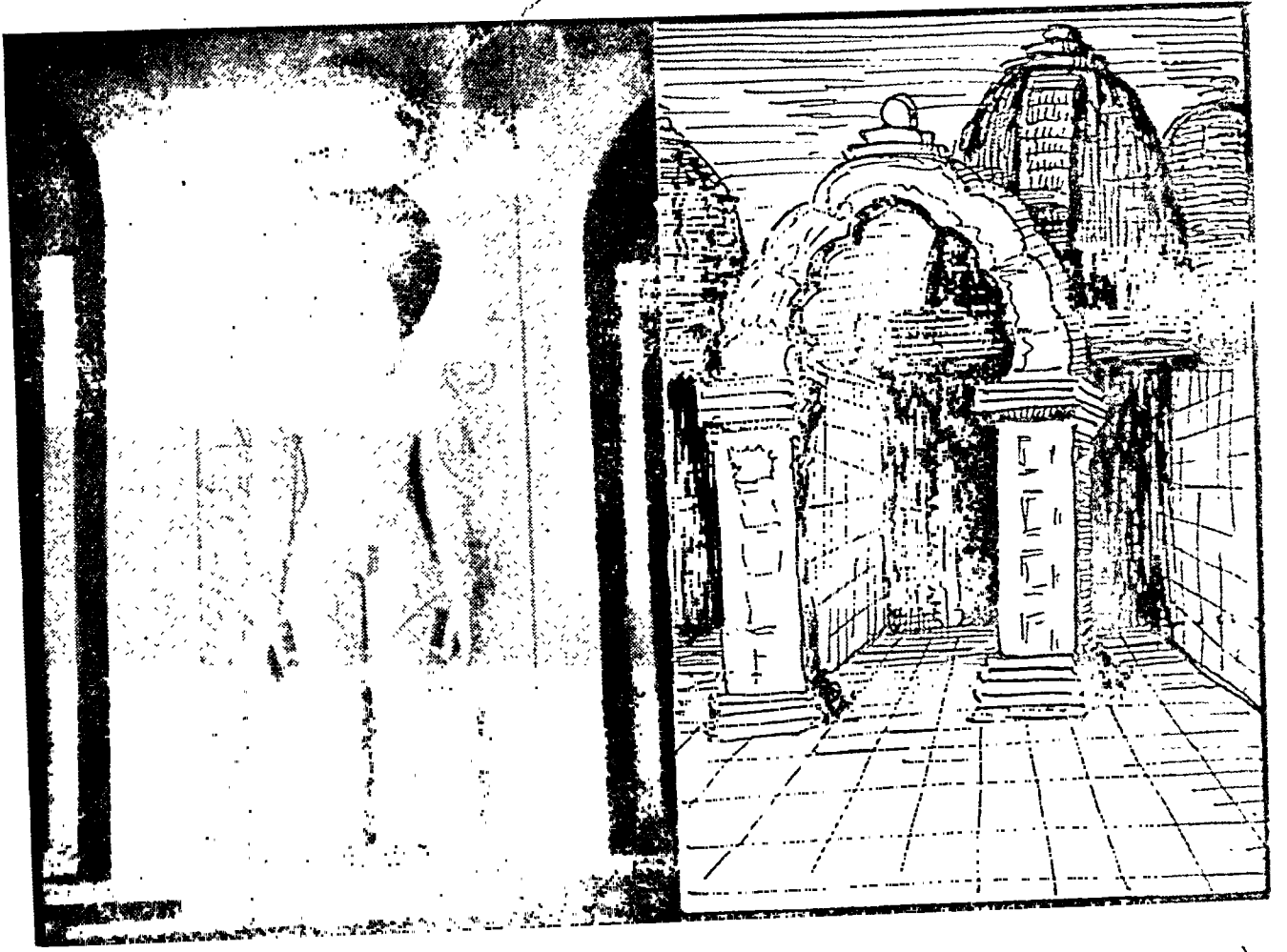
श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर (गली मस्जिद खजूर) धर्मपुरा, स्थापित सन् १७४३ (विशेष विवरण पृष्ठ २७-२८)

श्री दिगम्बर जैन मेहर मंदिर (गली मस्जिद खजूर) धर्मपुरा, स्थापित सन् १७३२ (विशेष विवरण पृष्ठ २८)
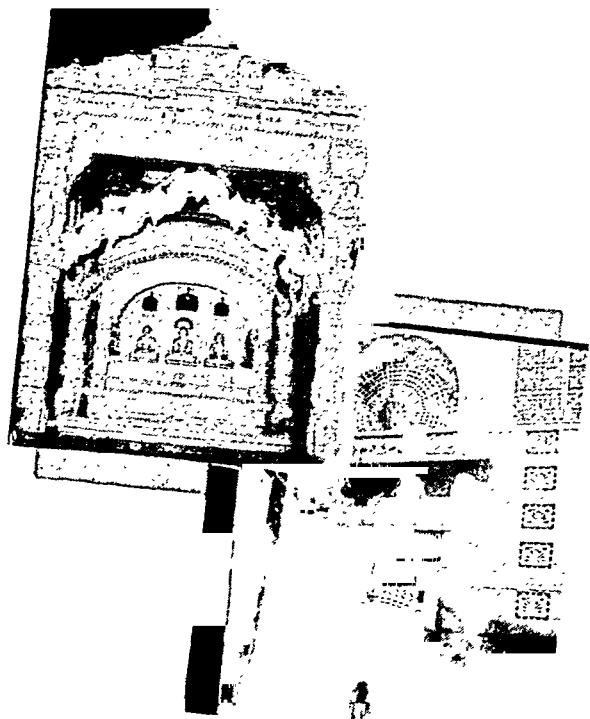
श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय, वैदवाड़ा
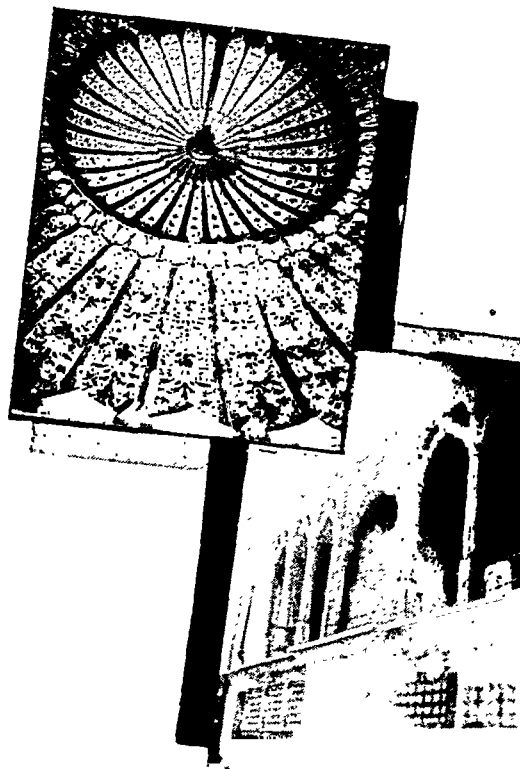
श्री दिगम्बर जैन मंदिर, वैदवाड़ा
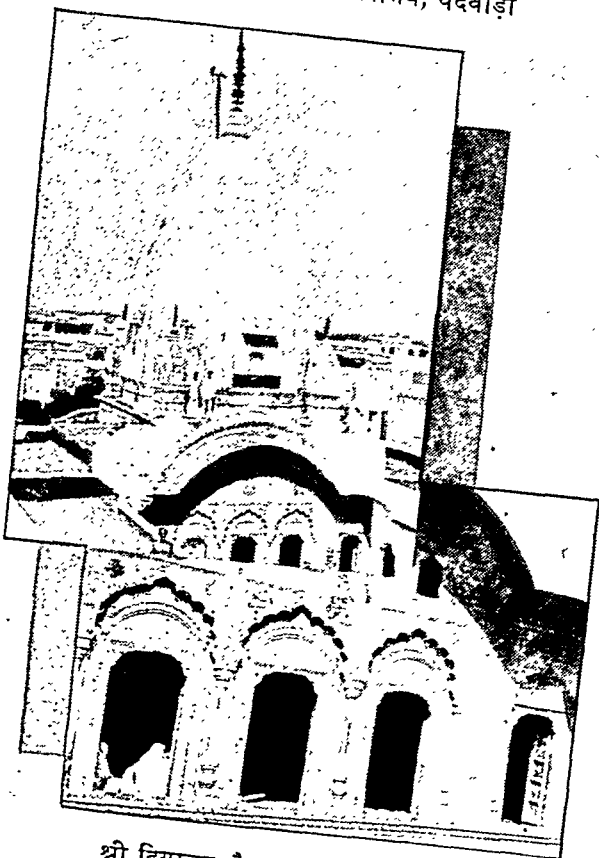
श्री दिगम्बर जैन मंदिर, शहादरा
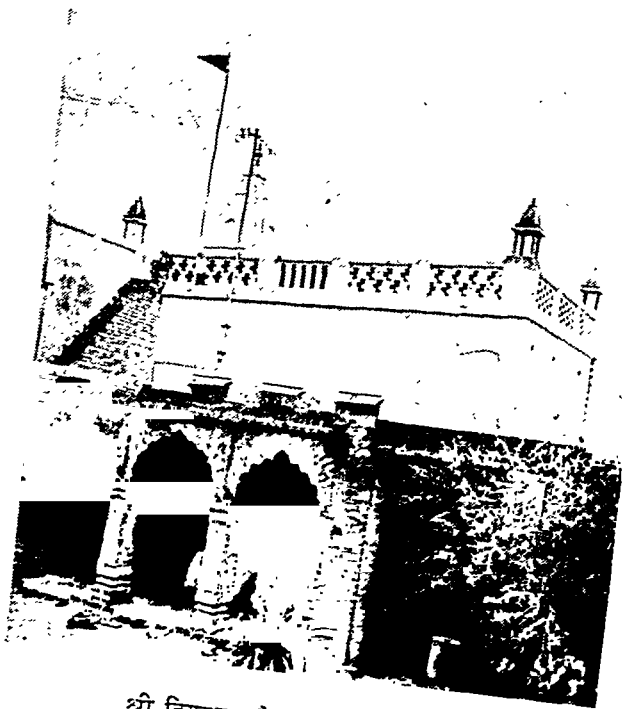
श्री दिगम्बर जैन मंदिर, गांधी नगर

४६. दि० जैन मंदिर, पहाड़गंज– यह मन्दिर पहाड़गंज के मोहल्ला मंटोले में स्थित है।

४७. दि० जैन मंदिर, करोल बाग़– यह मंदिर करोल बाग़ में छप्पर वाले कुएं के पास स्थित है।

इस मंदिर की प्रतिष्ठा सन १९३५ में हुई थी। मंदिर में मूलनायक प्रतिमा भ० शांतिनाथ जी की है।

मंदिर जी के साथ ही जैन विद्या मंदिर है जहाँ पर पाँचवी कक्षा तक सहशिक्षा की व्यवस्था है।

४८. दि० जैन मंदिर, ५ सी/२९, रोहतक रोड–यह मंदिर लिबर्टी सिनेमा से लगभग ५० गज की दूरी पर शहर की ओर सामने गली में स्थित है। मंदिर का निर्माण सन १९१२ में रोहतक रोड पंचायत ने किया।

४९. भ० पार्श्वनाथ दि० जैन चैत्यालय, सब्जी मन्डी--यह चैत्यालय रोशनआरा रोड, सब्जी मन्डी में बर्फखाने के पास स्थित है। यह लगभग ७० या ८० वर्ष पूर्व निर्मित है। इसमें मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ की है। प्राचीन समय में यहां भट्टारकों की गद्दी भी थी।

५०. दि० जैन मन्दिर, आर्यपुरा सब्जी मन्डी--मंदिर में मूलनायक प्रतिमा भ० आदिनाथ स्वामी की है। मन्दिर में वाचनालय भी है। ऊपर की मंजिल में एक ओर मुनियों व त्यागियों के ठहरने की व्यवस्था है।

५१. श्वे० जैन मंदिर, २/८२, रूप नगर--इस मन्दिर की स्थापना सन १९६१ में हुई। मन्दिर जी का निर्माण पंजाब से आए हुए जैनों की संस्था श्री आत्मानंद जैन सभा द्वारा हुआ। मन्दिर जी का उद्घाटन समारोह वर्ष के प्रारम्भ में श्री आनन्द जी कल्याण जी की पैढ़ी के अध्यक्ष द्वारा सम्पन्न हुआ।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० शांतिनाथ स्वामी की है।

५२. दि० जैन चैत्यालय, प्रेम नगर– यह चैत्यालय रोशनआरा एक्सटेंशन एरिया में बिरला मिल्स के निकट प्रेम नगर में स्थित है।

५३. दि० जैन चैत्यालय, माडल टाउन--यह चैत्यालय किंग्सवे कैंप के चौराहे से लगभग ४ फर्लाङ्ग की दूरी पर बी ५/१२ माडल टाउन (माल रोड) में स्थित है।

इस चैत्यालय की स्थापना सन १९५७ में ला० शिवचरणदास जी द्वारा अपने मकान के ही एक भाग में हुई। चैत्यालय में आचार्य श्री १०८ देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से, भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की ११ इंच ऊंची अष्टधातु की प्रतिमा, बड़ा मंदिर पहाड़ी धीरज से लाकर विराजमान की गई है।

यहां शिखर युक्त मंदिर बनाने की योजना भी जैन सभा माडल टाउन के अन्तर्गत चल रही है।

५४. दि० जैन मंदिर, कैलाश नगर--यह मन्दिर दिल्ली शहर से लगभग ३ मील दूर, यमुना के पार, कैलाश नगर में स्थित है। मन्दिर के भवन का निर्माण-कार्य अब भी चल रहा है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की विराजमान है।

५५. दि० जैन मन्दिर, गांधी नगर--यह मन्दिर यमुना नदी के पार नवीन कालोनी गांधी नगर में स्थित है। इस मन्दिर जी की स्थापना सन १९५८ में हुई। मन्दिर के भवन इत्यादि का निर्माण अब भी चल रहा है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा, लाल पाषाण की, भ० वासुपूज्य स्वामी की है जो यमुना नदी में एक ब्राह्मण महानुभाव को प्राप्त हुयी थी और जिसे प्राप्त कर इस मन्दिर जी में स्थापित किया गया है।

मन्दिर जी के ही एक भाग में एक धार्मिक पाठशाला भी है।

५६. छोटो दादा बाड़ी--यह बाड़ी उपनगर (कालोनी) मसजिद मोठ के पास स्थित है।

इस दादा वाड़ी में दादा गुरु श्री कुशल सूरी जी के चरण प्रतिष्ठित हैं। दर्शनार्थ श्री नेमिनाथ जी का मन्दिर हैं। चारों ओर बगीची है व यात्रियों के ठहरने का भी प्रबन्ध हैं।

५७. दिगम्बर जैन चैत्यालय, लोदी कालोनी--यह चैत्यालय लोदी कालोनी में स्थित हैं। यहाँ भगवान महावीर की धातु प्रतिमा विराजमान है।

५८. दि० जैन चैत्यालय, नेता जी नगर--यह चैत्यालय डी. टी. यू. बस डिपो के पास नेता जी नगर (वेस्ट विनय नगर) में स्थित हैं।

चैत्यालय में भगवान महावीर स्वामी की पाषाण प्रतिमा विराजमान है।

५९. दि० जैन मंदिर, भोगल जंगपुरा--यह मंदिर दिल्ली शहर से लगभग ७ मील की दूरी पर भोगल में स्थित है।

६०. दि० जैन मंदिर, चिराग़ दिल्ली--यह मंदिर दिल्ली शहर से ८ मील दूर चिराग़ दिल्ली में स्थित है। इसका निर्माण लगभग ८-१० वर्ष पूर्व हुआ था।

६१. श्री जैन स्थानक, चिराग़ दिल्ली--इसका निर्माण स्थानीय पंचायत द्वारा लगभग ८-१० वर्ष पूर्व हुआ था।

६२. दिगम्बर जैन चैत्यालय, यूसुफ सराय--इस चैत्यालय की स्थापना लगभग ७-८ वर्ष पूर्व हुई थी। यह चैत्यालय लाला चम्पतराय जी के निवास-गृह के एक भाग में स्थापित है। चैत्यालय में भ० पार्श्वनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

स्थानीय समाज द्वारा शिखरयुक्त मंदिर बनाने की योजना भी चल रही है।
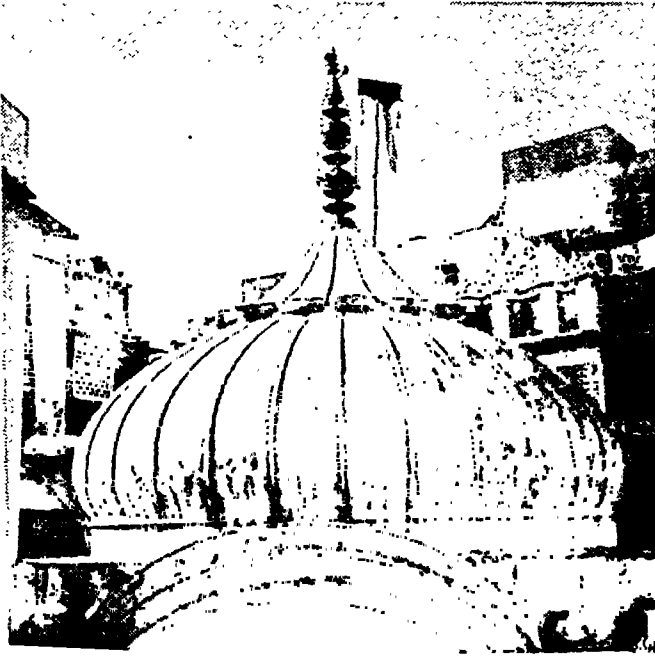
श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, पहाड़ी धीरज

श्री दिगम्बर जैन महावीर मन्दिर, पहाड़ी धीरज

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, रोहतक रोड
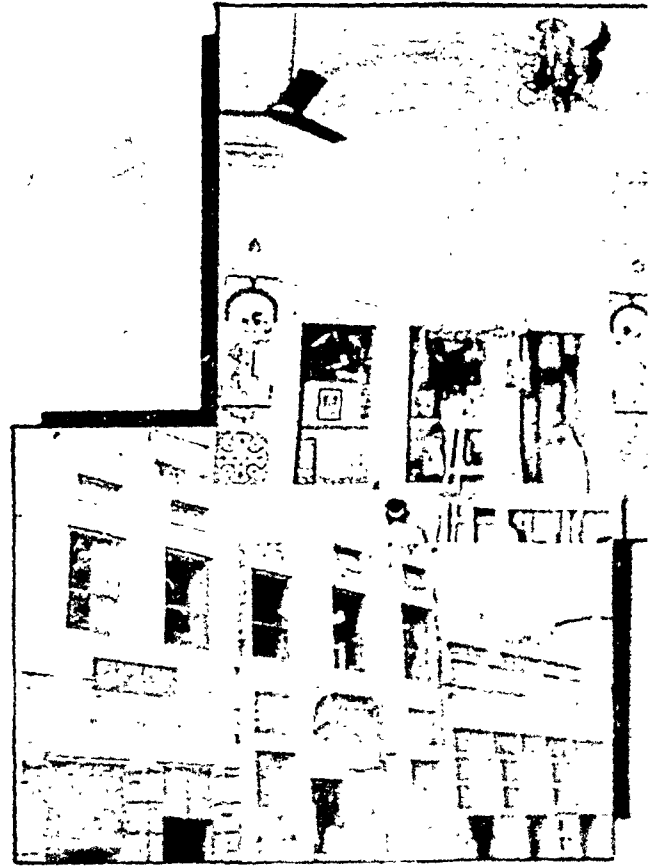
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, करोल बाग
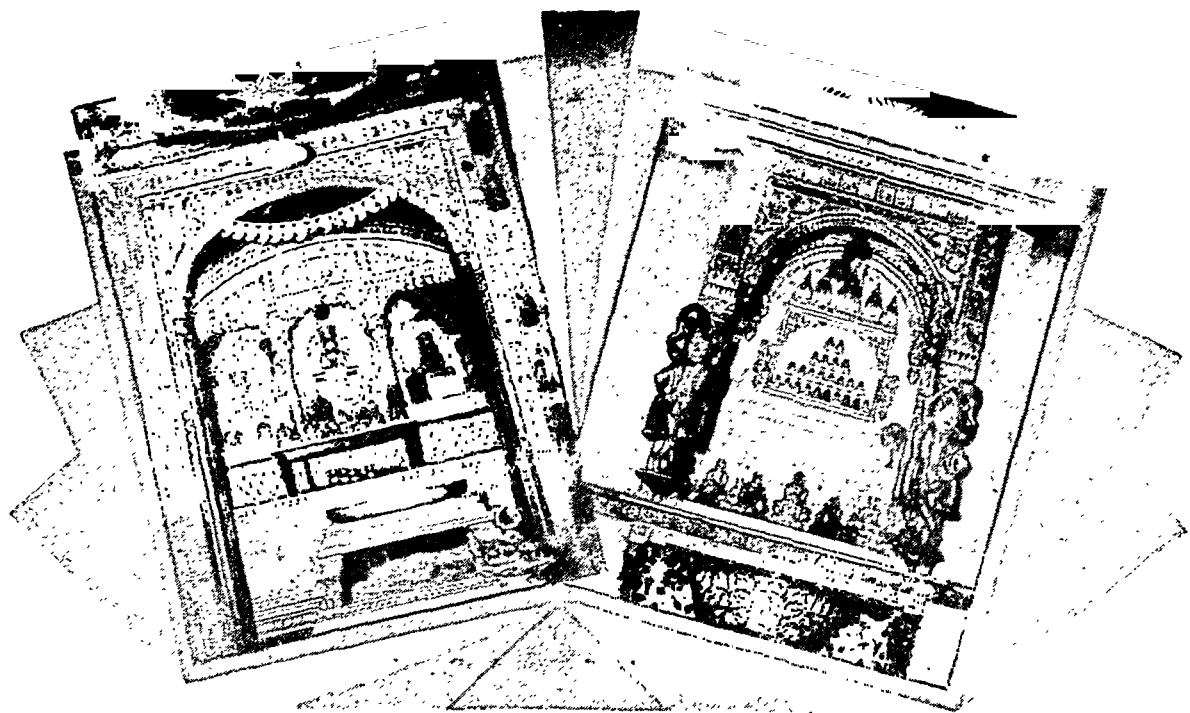
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर नौघरा, किनारी बाज़ार, मुग़ल काल में स्थापित (विशेष विवरण—पृष्ठ २७)

श्री महावीर जैन भवन
चांदनी चौक
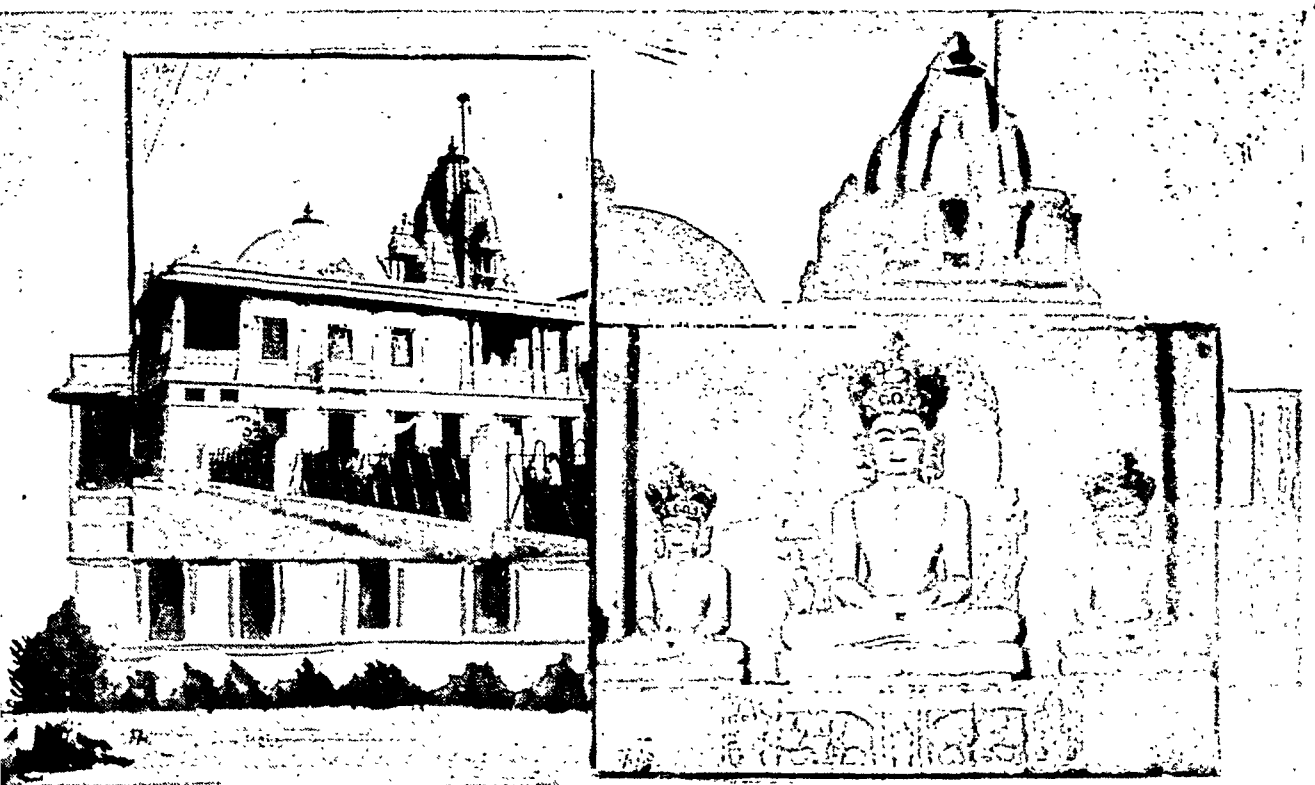
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर, रूप नगर

श्री श्वेताम्बर जैन स्थानक
डिप्टी गंज, पहाड़ी धीरज
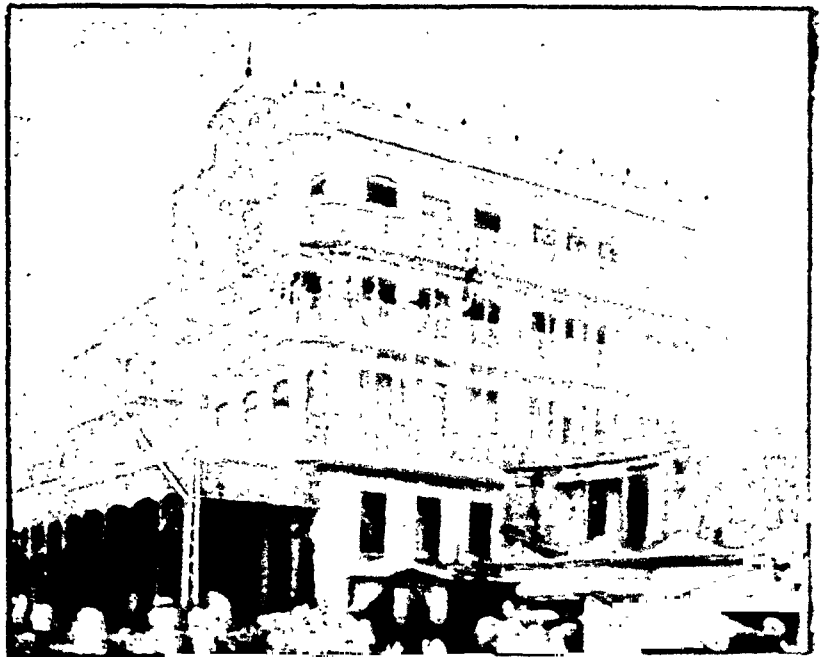
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, दिल्ली गेट
मुगल काल में स्थापित
(विशेष विवरण—पृष्ठ २६-२७)
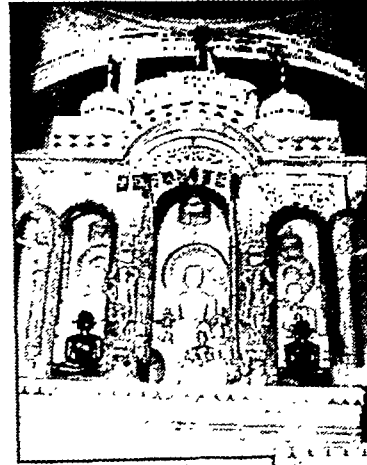
श्री दिगम्बर जैन छोटा मन्दिर
कूंचा सेठ दरीबा कलां
स्थापित सन १८४०
(विशेष विवरण—पृष्ठ ३०)
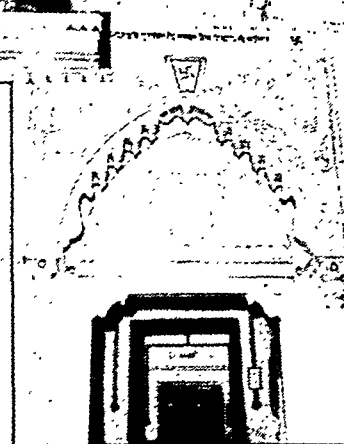
६३. दि० जैन मंदिर, नजफगढ़--यह दिल्ली शहर से लगभग १८ मील की दूरी पर जैन मोहल्ला, नजफगढ़ में स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

मंदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की विराजमान है। मंदिर जी के चारों ओर लगभग ५० वीघे की एक वगीची है जिसमें प्राचीन समय से किन्ही मुनिराज के चरण स्थापित हैं।

६४. दि० जैन मंदिर, पालम--यह मंदिर दिल्ली शहर से ६ मील की दूरी पर पालम में स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

६५. दि० जैन चैत्यालय, शांति नगर--यह चैत्यालय दिल्ली शहर से ५ मील की दूरी पर जखीरे (शांति नगर) में स्थित है।

मंदिरों व स्थानकों के व्यवस्थापक

१. वड़ी दादा वाड़ी—श्री धनपतसिंह भंसाली, ५३ रामनगर।

२ श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मंदिर, जयसिंह पुरा—लाला कश्मीर चन्द्र (मेसर्स शांतिविजय एण्ड कं०, जौहरी, ५२ जनपथ)।

३. (अ) श्री दि० जैन लाल मंदिर, चांदनी चौक—(१) लाला प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरिया-गंज। (२) श्री रघुवीर सिंह कोठीवाले, कूंचा-सुखानन्द, दरीवा।

(ब) उदासीनाश्रम, विश्रामगृह—श्री राजेन्द्र प्रसाद, गली गुलियान।

४. श्री दि० जैन मन्दिर, दिल्ली गेट—लाला धन्नूमल जौहरी, दरीवा कलां।

५. श्री दि० जैन मन्दिर, मोरी गेट—लाला श्री चन्द, वंगला मोरी गेट।

६. श्री श्वे० जैन मन्दिर, नौघरा—लाला मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, जौहरी, ९०, जनपथ, नई दिल्ली) १४६, सुन्दर नगर।

७. श्री दि० जैन महावीर मन्दिर, वैदवाड़ा—लाला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोल्फलिंक्स (मै० निर्ङो-मल एण्ड सन्स, चावड़ी वाजार)।

८. श्री दि० जैन पंचायती मन्दिर, गली मस्जिद खजूर—(१) ला० महेन्द्र प्रसाद, चाहरहट, (२) ला० हरिश्चन्द्र, मस्जिद खजूर।

९. श्री दि० जैन, मेहर मन्दिर—(१) ला० श्रीपाल टाइप वाले, मसजिद खजूर। (२) ला० फूल चन्द कागजी, गली पहाड़ी वाली।

१०. श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा—(१) ला० जुगल किशोर कागजी, दुजना हाउस, चावड़ी वाजार। (२) श्री त्रिलोकचन्द, धर्मपुरा।

११. श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर, जयसिंह-पुरा—ला० शीलचन्द्र बैंकर, ३४ फीरोजशाह गेट।

१२. श्री जैन निगी मन्दिर—श्री [illegible] कुमार, ३८ सी., वेअर्ड रोड।

१३. श्री श्वे० जैन मन्दिर, [illegible], [illegible] वाजार—ला० मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, ८०, जनपथ)।

१४. श्री दि० जैन मन्दिर, [illegible]—(१) ला० [illegible] जौहरी, गली [illegible]। (२) चौ० [illegible]।

१५. श्री दि० जैन मन्दिर, कूंचा सेठ, (छोटा मन्दिर) —ला० आदीश्वर प्रसाद बिजली वाले, चाहरहट।

१६. श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल मन्दिर—पं० बनवारीलाल स्याद्वादी, गली भूतवाली।

१७. श्री श्वे० जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालीवाड़ा—श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट, चांदनी चौक।

१८. श्री श्वे० जैन स्थानक, १८०२, चीराखाना—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चांदनी चौक।

१९. श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ श्वे० मन्दिर, चीराखाना—ला० रामचन्द भंसाली, चौक रायजी, गली पहाड़ वाली।

२०. श्री महावीर भवन, चांदनी चौक—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चांदनी चौक।

२१. दि० जैन पंचायती मन्दिर, पहाड़ी धीरज—चौ० सुल्तान सिंह, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज।

२२. श्री महावीर दि० जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज - ला० जयनरायन, पहाड़ी धीरज।

२३. दि० जैन मन्दिर, पहाड़ गंज—लाला श्रीचन्द्र, मंटोला पहाड़गंज।

२४. दि० जैन मन्दिर, करोल बाग़—श्री जुगमंदर दास, गली नाई वाला, करोल बाग़।

२५. दि० जैन मन्दिर, रोहतक रोड—श्री उग्रसेन, ५३ डी., देवनगर।

२६. श्वे० जैन मन्दिर, रूपनगर—ला० इन्द्र प्रकाश (पं० ने बैंक, क० गेट) रूप नगर।

२७. दि० जैन मन्दिर, भोगल—ला० सुमेर चन्द्र, सम्मन बाजार, जंगपुरा।

२७. दि० जैन मन्दिर, नजफगढ़—लाला नेकीराम, नजफगढ़।

धर्मशालाएं व शिक्षण संस्थाएं

विश्रामगृह व धर्मशालाएं

१. विश्रामगृह, श्री दि० जैनलाल मन्दिर, चांदनीचौक—यहां मुख्यतया मुनिराज व त्यागियों के ठहरने की व्यवस्था है। यदा-कदा वाहर से आये हुए यात्री भी यहां ठहर सकते। यहां का प्रवन्ध श्री राजेन्द्र कुमार, गली गुलियान करते हैं।

२. जैन धर्मशाला, कटड़ा मशरू, दरीवा—इस धर्मशाला का निर्माण ला० श्रीराम जैन वकील ने सन १९०९ में करवाया था। वर्तमान में इसका प्रवन्ध श्री जैन वाला आश्रम, दरियागंज, की ओर से किया जाता है।

३. जैन धर्मशाला, कूंचा बुलाकी वेगम एस्प्लेनेड रोड—यह धर्मशाला परेड के मैदान के सामने कूंचा बुलाकी-वेगम में स्थिति है। इस धर्मशाला का निर्माण ला० लच्छूमल कागजी ने सन १९२९ में करवाया था। आजकल इस का प्रवन्ध ला० लच्छूमल ट्रस्ट के द्वारा होता है। धर्मशाला के प्रबंधक ट्रस्टी ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट हैं।

४. जैन धर्मशाला, कूंचा सेठ, दरीवा—यह स्थानीय अग्रवाल दि० जैन पंचायत की धर्मशाला है। सन १९३१ से श्री १०८ आचार्य नमिसागर परमार्थ औषधालय इनमें स्थित है।

५. दिगम्बर जैन धर्मशाला, नया मन्दिर, धर्मपुरा—यह 'धर्मशाला द्रोपदी देवी' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इस का निर्माण सन १९३७ में श्रीमती द्रोपदी देवी ट्रस्ट द्वारा हुआ था। यह धर्मशाला दि० जैन नया मन्दिर के बिल्कुल निकट है। इसके वर्तमान प्रवंधक ला० कुंदन लाल जी मशवाले, छःघरा हैं।

६. दिगम्बर जैन धर्मशाला, पंचायती मन्दिर, मसजिद खजूर—यह धर्मशाला पंचायती मन्दिर जी के सन्निकट है। आजकल इसके प्रवन्धक ला० सुल्तान सिंह जौहरी, छत्ता तनसुख राय, नई सड़क हैं।

७. जैन धर्मशाला, चीराखाना—इस में धर्मशाला धर्म० मुन्नालाल सिंघी, मकान नं० ३८३ आजकल सती व साध्वियाँ ठहरती हैं। यहां का प्रवन्ध श्री महावीर जैन भवन वारादरी ट्रस्ट द्वारा होता है।

८. श्री सुन्दर लाल पारसदास दि० जैन धर्मशाला, वैदवाड़ा—इस धर्मशाला का निर्माण सन् १९३४ में ला० सुन्दर लाल जी ने कराया था। धर्मशाला के व्यवस्थापक ला० हरक चन्द जी (मै० रूपचन्द हरक चन्द, कपड़े वाले,) कूंचा शहंशाही, चांदनी चौक हैं।

९. जैन श्वेताम्बर खतरगच्छीय धर्मशाला, वैदवाड़ा—यह धर्मशाला ला० नवल किशोर खैरातीलाल रायजादा जौहरी ने सन १९२५ में बनवाई थी। यह लाल धर्मशाला के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसके व्यवस्थापक ला० मिट्ठू-मल जी राक्याण (फर्म खैराती लाल एण्ड संस जौहरी, ८० जनपथ, हैं।

१०. जैन धर्मशाला, गली भोजपुरा, माली वाड़ा—नई सड़क की ओर से प्रवेश करने पर गली भोजपुरा में सर्व श्री घसीटामल केशरीचंद्र जी बोहरे की धर्मशाला है। यहां मुख्यतया साधु-साध्वियों के लिये ठहरने की व्यवस्था है, परन्तु यात्री भी ठहर सकते हैं। धर्मशाला की व्यवस्था बोहरा परिवार, गली हीरानंद मालीवाड़ा, द्वारा होती है।

११. जैन धर्मशाला ला० गोकल चंद नाहर, [illegible] किनारी बाजार—इस धर्मशाला का निर्माण [illegible] ला० गोकल चंद [illegible] ने लगभग १८-२० वर्ष पूर्व करवाया था। धर्मशाला की व्यवस्था एक ट्रस्ट द्वारा होती है जिसके मंत्री ला० धर्मचन्द्र [illegible] हैं।

१२. आत्मवल्लभ जैन धर्मशाला, किनारी बाजार—इसका निर्माण सन १६३६ में श्री टीकम चंद जी ने करवाया था। यहां यात्रियों, साधु, व साध्वियों के ठहरने की व्यवस्था है। यहां का प्रवन्ध श्री विजय सिंह जी पहलावत नौघरा, किनारी बाजार, करते हैं।

१३. दि० जैन पंचायती धर्मशाला, पहाड़ी धीरज—यह अग्रवाल दि० जैन पंचायत, पहाड़ी धीरज, की पंचायती धर्मशाला है, जो पहाड़ी धीरज की मुख्य सड़क पर ही स्थित है। इसी धर्मशाला में जैन संगठन सभा, पहाड़ी-धीरज का कार्यालय तथा उसके द्वारा संचालित पुस्तकालय व वाचनालय है।इसके वर्तमान व्यवस्थापक ला० राजेन्द्र प्रसाद (फर्म प्यारेलाल जगन्नाथ) सदर बाजार हैं।

१४. ला० मूलचंद मुसद्दीलाल जैन धर्मशाला, सदर-बाजार—

१५. जैन विश्राम गृह, १२ लेडी हार्डिंग रोड—यहां बाहर से आये निरामिष भोजी यात्रियों तथा टूरस्टों लिए सामान्य दरों पर ठहरने की तथा शाकाहारी भोजन की समुचित व्यवस्था है। यहां का प्रवन्ध श्री अ० भ० श्वेताम्बर स्थानकवासी कांफ्रेंस की ओर से होता है।

१६. जैन धर्मशाला, श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर जैसिंह पुरा—यह धर्मशाला श्री अग्रवाल दि० जैन मन्दिर नई दिल्ली से सम्बन्धित है। यहां बाहर से आये हुए त्यागियों तथा यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है।

यहां का प्रवन्ध मन्दिर जी के व्यवस्थापक द्वारा ही होता है।

१७. अहिंसा मन्दिर, १ दरियागंज—अहिंसा मन्दिर का निर्माण ला० राजकृष्ण ने कराया है। यहां दि० जैन चैत्यालय है तथा यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था भी है।

१८. से २१. दि० जैन धर्मशालाएं, नजफगढ़—यहां पर चार जैन धर्मशालाएं हैं। प्रथम दो धर्मशालाएं श्री दि० जैन मंदिर के दाएं व वाएं स्थित हैं। यहां मुनिराज और त्यागियों के ठहरने की व्यवस्था है। इन दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था श्री अतर सेन जी करते हैं। अन्य दो धर्मशालाएं नफजगढ़ के मुख्य बाजार में स्थित है। यहां यात्रियों आदि के ठहरने की व्यवस्था है। इन अन्य दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था लाला बनवारी लाल जी करते हैं।

पाठशालायें व विद्यालय

१. श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, १७८-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन १६५७ में हुई। स्कूल में लगभग ४५० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

स्कूल का प्रवन्ध श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, कमला नगर की ओर से निम्नलिखित व्यवस्थापिका समिति करती है—

प्रधान—श्री मुन्शी राम (बोम्बे क्लाथ हाउस) अजमल खां रोड, करोल बाग़, नई दिल्ली।

उपप्रधान, व कोषाध्यक्ष—श्री मुकन्द लाल (मै० कक्कशाह राधूशाह) चांदनी चौक, दिल्ली।

मंत्री—श्री तिलक चन्द्र, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

मैनेजर—श्री अमर नाथ, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

सं० मैनेजर—श्री चमन लाल, ३७-एफ कमला नगर, दिल्ली।

स्कूल के प्रिंसीपल श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर, दिल्ली।

२. श्री महावीर जैन मांटेसरी स्कूल, ३५-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन १६५७ में हुई। स्कूल में कक्षा ५ तक शिक्षा दी जाती है। वर्तमान में लगभग ६०० बालक, बालिकाऐं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल में धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है।

स्कूल की व्यवस्था—श्री श्वे०स्था० जैन सभा, कमला नगर की ओर से श्री कर्तार चन्द्र, रूप नगर, दिल्ली करते हैं।

३. श्री जैन शिक्षा समिति, नई दिल्ली (दक्षिण), युसुफसराय—समिति की स्थापना स्थानीय गर्ल्स स्कूल, जिसकी स्थापना सन १६५४ में हुई थी, के संचालन के लिए सन १६५७ में हुई। वर्तमान में भी उक्त स्कूल का संचालन इस समिति द्वारा हो रहा है।

प्रधान—श्री जगदीश राय, टी/११, ग्रीनपार्क, दिल्ली।

मंत्री—श्री सुमत प्रसाद, ए-५५ (जी) लक्ष्मीबाई नगर, नई दिल्ली ।

उप-मंत्री—श्री अजीत प्रसाद, गली मंदिर वाली, युसुफसराय, नई दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—श्री त्रिलोक चन्द्र, सी-६०१, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली ।

४. जैन गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, युसफसराय—स्कूल की स्थापना सन १९५४ में हुई । स्कूल में लगभग ४०० क्षात्रायें शिक्षा प्राप्त कर रही हैं । क्षात्राओं को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है ।

स्कूल के व्यवस्थापक श्री विजय कुमार, सी-५४०, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली तथा मुख्य-ध्यापिका सुश्री प्रसन्न कुमारी, बी-१९७, नेताजी नगर हैं ।

५. शान्तिसागर दि० जैन कन्या पाठशाला वैदवाड़ा—इस पाठशाला का संचालन स्थानीय खंडेलवाल दि० जैन पंचायत की ओर से होता है । पाठशाला में कक्षा ५ तक की शिक्षा की व्यवस्था है । क्षात्राओं को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है ।

पाठशाला की व्यवस्था उक्त पंचायत की ओर से लाला शिखर चन्द्र, वैदवाड़ा करते हैं ।

६. महावीर जैन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, नई सड़क—स्कूल की स्थापना सन १९३० में लाला गोकल चन्द्र जी नाहर के सद्प्रयत्नों से हुई ।

स्कूल में १०० क्षात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । स्कूल का अपना बैंड भी है ।

इसकी प्रबन्धक समिति निम्नलिखित है—

प्रधान (कार्यवाहक)—श्री राम नारायण (रिटा० सेशन्स जज) दरियागंज, दिल्ली ।

उप-प्रधान—लाला कुन्ज लाल ओसवाल, सदर बाजार, दिल्ली ।

मंत्री—लाला रामनारायण (मै० सनेही राम राम-नारायण) नया बाजार, दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—सेठ आनन्द राज सुराना, चांदनी चौक, दिल्ली ।

७. श्रीजैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल, (फोन ७४६४४) जंगपुरा (भोगल)—स्कूल की स्थापना सन १९३५ में प्राथमिक स्तर पर हुई कालान्तर में सन् १९४८ में मिडिल तथा सन् १९६० में हायर सेकन्ड्री किया गया । स्कूल में लगभग ४०० क्षात्राऐं शिक्षा प्राप्त कर रहीं हैं ।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका कु० सुशीला जैन हैं ।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, १० एम. एम. रोड, नई दिल्ली ।

मंत्री—श्री सुमेर चन्द, समन बाजार, जंगपुरा, नई दिल्ली ।

मैनेजर—ला० जिनेश्वर दास, भोगलरोड, जंगपुरा' नई दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—लाला राजेन्द्र कुमार, गुरुद्वारा के पास, जंगपुरा, नई दिल्ली ।

८. जैन हायर सेकेंड्री स्कूल (फोन-२६१८३), दरिया-गंज—भारतवर्षीय अनाथरक्षक सोसायटी, दिल्ली द्वारा संचालित होता है । यह स्कूल जो कि सन १९१२ में मुख्य तौर पर जैन अनाथाश्रम के बालकों को लौकिक शिक्षा देने के विचार से प्राथमिक विद्यालय के रूप में प्रारम्भ हुआ और सन १९१९ में मिडिल तक किया गया, आज सन १९४८ में स्थानीय हायर सेकेंड्री स्कूलों में अग्रणीय स्थान रखता है । स्कूल के आर्टस, कामर्स व साइंस सभी विभागों में लगभग १,२०० क्षात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । स्कूल का वार्षिक परीक्षाफल सदैव ९० प्रतिशत से अधिक ही रहा है । स्कूल के व्यवस्थापक ला० जैनीलाल जी (डी० ए० जी० आफिस वाले) हैं । स्कूल का अपना बैंड भी है । प्रधानाध्यापक श्री जुगमंदर दास जैन एम० ए० एल० टी हैं ।

९. जैन विद्या मंदिर, छप्पर वाला कुंआ, करोल-बाग—इसका उद्घाटन सन १९५४ में लाला भागमल जी ठेकेदार द्वारा किया गया । जैन विद्या मंदिर श्री दि० जैन मंदिर करोल बाग में ही स्थित है । इसकी ओर से एक सह-शिक्षा प्राइमरी स्कूल चल रहा है ।

१०. श्री जैन शिल्प कन्या विद्यालय, बिल्डिंग मोहन लाल बजाज, ३८४३, डिप्टीगंज—श्रीमती [illegible] द्वारा संचालित इस विद्यालय में जैन अजैन निर्धन स्त्रियों को निःशुल्क शिल्प-कार्य सिखाया जाता है ।

११. श्री धर्मप्रकाशिनी जैन पाठशाला, जैन मंदिर, गांधी नगर—दि० जैन मंदिर, गांधी नगर के भवन में ही पाठशाला स्थित है। यहां स्थानीय बालक व बालिकाओं को निःशुल्क धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था है।

१२. १०८ आ० शांतिसागर जैन कन्या विद्यालय, सब्जी मंडी—विद्यालय की स्थापना सन १९३२ में केवल धार्मिक पाठशाला के रूप में हुई। कालांतर में सन १९४८ में प्राइमरी स्टैंडर्ड तक किया गया। इस समय विद्यालय में लगभग २२० छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहीं हैं। विद्यालय दिल्ली शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्य है। यहां पर धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। विद्यालय का मासिक व्यय लगभग १२००) रु० का है। जिसकी पूर्ति समाज सहायता व कार्पोरेशन द्वारा दी गई ग्रांट से होती है।

प्रधान—श्री जम्बू प्रसाद, ४१४० गली जैन मंदिर, सब्जी मंडी।

उप-प्रधान—बा० पूरनमल, ४१३२, आर्यपुरा, सब्जी मंडी।

मंत्री—श्री महावीर प्रसाद, ३७ जैनाबिल्डिग, रोशआरा रोड।

सं० मंत्री—श्री शांति प्रसाद।

मैनेजर—श्री कश्मीर लाल, ४० एफ, कमला नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री आत्माराम, ४३३८ आर्यपुरा।

१३-१६. श्री जैन शिक्षा बोर्ड, कूचा सेठ—बोर्ड की स्थापना सन १०४९ में हुई।

वर्तमान में इस बोर्ड द्वारा निम्नलिखित संस्थाओं का संचालन हो रहा है।

(क) जैन संस्कृत कार्मशियल हायर सेकंड्री स्कूल, कूंचा सेठ।

(ख) जैन गर्ल्स हायर सेकंड्री स्कूल, धर्मपुरा।

(ग) जैन प्राइमरी स्कूल, धर्मपुरा।

(घ) जैन बाल सदन, धर्मपुरा।

प्रधान—डा० महावीर प्रसाद (दिल्ली यूनिवर्सिटी)।

उप-प्रधान—

श्री चुन्नीलाल एडवोकेट, दरीबा कलां।
श्री बाबूमल जौहरी।
श्री दरबारी मल साड़ी वाले।
श्री सुमेरचन्द, कोठी वाले।
श्री मुंशीलाल कागज़ी, मुंशी भवन, आसफअली रोड।

जनरल सेक्रेट्री—कैलाश चन्द्र (जैना वाच कं०), ७/३२ दरियागंज।

सेक्रेट्री—श्री श्रीमन्दर नाथ।

कोषाध्यक्ष—श्री अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट, दिल्ली।

१७. श्री जैन संस्कत कार्मशियल हायर सेकेंडरी स्कूल, (फोन-१७३७३) कूंचा सेठ—प्राइमरी की स्थापना सन १९२३ में व सन १९५७ में सेकंड्री की स्थापना हुई इसमें क्षात्रों की संख्या लगभग ५०० है। विद्यालय अपने निजी भवन में स्थित है। स्कूल का एक बैंड भी है।

विद्यालय के प्रिंसीपल श्री बसंतलाल, एम० ए० एल० टी० और मैनेजर श्री रघुवीरसिंह जी कोठी वाले हैं।

१८. जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, धर्मपुरा (फोन-२८८४४)—इस विद्यालय की स्थापना सन १९०८ में कन्या पाठशाला के रूप में हुई, तथा सन १९५३ में मिडिल और स० १९५६ में हायर सेकेंड्री किया गया। इसमें लगभग ७०० क्षात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। विद्यालय में गृह-विज्ञान के विषय का भी उचित प्रबन्ध है।

विद्यालय के मैंजर श्री पदमचन्द हैं।

१९. जैन प्राइमरी स्कूल, धर्मपुरा—इस स्कूल में लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यालय के मैनेजर श्री छेदीदास हैं।

१ जैन बाल सदन, धर्मपुरा—इस सदन की स्थापना सन १९५३ में हुई। इसमें ३ से ५ वर्ष तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों की, जबकि वे किसी विद्यालय में प्रवेश नहीं पा सकते, सुप्तवृत्तियों को मनोवैज्ञानिक ढंग से विकसित करने का प्रयास किया जाता है। सदन में लगभग १०० बालक व बालिकाएं हैं।

२१. श्री समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, (फोन २६१८३) दरियागंज—विद्यालय, जिसकी स्थापना सन १९५० में हुई, अ० भा० अनाथरक्षक सोसायटी, दिल्ली द्वारा संचालित संस्थाओं में से मुख्य है। विद्यालय द्वारा क्षात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की प्राज्ञ, विशारद व शास्त्री परीक्षाएं दिलवाई जाती हैं। धर्मशिक्षा के लिए विद्यालय का अपना एक कोर्स है, जिसे पूर्ण करने के बाद सार्वजनिक रूप में विद्यार्थी को 'सिद्धान्त-रत्न' की उपाधि प्रदान की जाती है।

यह विद्यालय स्व० लाला मुंशीलाल जी कपड़े वाले द्वारा बनवाये गये भवन में स्थित है। इस समय यहां लगभग १५० विद्यार्थी अध्ययन प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक पं० लाल बहादुर शास्त्री एम० ए० हैं।

२२. जैन हैपी स्कूल, जैन निशी मंदिर, लेडी हार्डिंग रोड–स्कूल की स्थापना सन १९५२ में हुई। पब्लिक स्कूलों की प्रणाली पर छोटे बालकों की शिक्षा-दीक्षा के लिए यह स्कूल, जैन सभा नई दिल्ली द्वारा, लाला शामलाल ठेकेदार आदि महानुभावों के सद्प्रयत्नों से, सर्वप्रथम सन १९५२ में केवल ३ बालकों से प्रारम्भ हुआ। आज कल स्कूल में लगभग ३०० बालक नर्सरी व प्राइमरी सेक्शनों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

स्कूल की व्यवस्था जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा निर्वाचित जैन एजूकेशन बोर्ड के द्वारा होती है। बोर्ड के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं:

चेयरमैन—लाला शामलाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड।

वाइस चेयरमैन—श्री रामेश्वर दयाल, ७ मार्केट रोड।

मैनेजर—श्री अजित प्रसाद, १—एम. एम. रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री नेमचन्द्र, २४ फौच स्क्वेअर।

२३. श्री एस० एस० जैन कन्या पाठशाला, चांदनी चौक—इसकी स्थापना सन १९३० में महासती मोहनदेवी की प्रेरणा से हुई। इस पाठशाला में प्राथमिक शिक्षा के साथ साथ मुख्यरूप से धार्मिक शिक्षा की भी व्यवस्था है।

पाठशाला की व्यवस्थापिका—कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारी हैं:

प्रधान—श्री भीखालाल गिरधारी लाल सेठ, इयोरेशिया ट्रेडिंग कं०, चावड़ी बाजार।

उप-प्रधान—श्री निहाल चन्द सुराना, घंटाघर, सब्जी मंडी।

मंत्री—श्री सत्यपाल सुराना, वैदवाड़ा।

उपमंत्री—श्री पूरनचन्द नाहर, नौघरा किनारी बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री लाभचन्द सूजंती, सत्ताइसघरा, किनारी बाजार।

२४. श्री दि० जैन महिलाश्रम, १ दरियागंज—आश्रम की स्थापना सन १९०५ में हुई। यह संस्था असहाय बालिकाओं, विधवाओं व परित्यक्ता स्त्रियों को स्वावलम्बी बनाने व उनके जीवन-निर्वाह के साधन जुटाने में प्रयत्नशील है।

आश्रम में इस समय ४० क्षात्राएं हैं। जिनके भोजन, शिक्षण आदि की सभी व्यवस्था की जाती है।

अध्यक्षा—श्रीमती सुशीला सुल्तानसिंह, कश्मीरी गेट।

मंत्राणी—श्रीमती मखमली देवी, १९, दरियागंज।

कोषाध्यक्षा—श्रीमती कांता जैसीराम, १९, दरियागंज।

संचालिका—ब्र० गुणमाला जी, १ दरियागंज।

२५. जैन शिक्षा प्रचारक सोसायटी, हीरालाल जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, सदर बाजार—सोसायटी की स्थापना सन १९०० में हुई।

इस सोसायटी के अन्तर्गत निम्नलिखित संस्थाएं हैं।

(१) श्री हीरालाल जैन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, सदर बाजार।

(२) श्री हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज।

(३) श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल, सदर बाजार।

प्रधान—डा० सी० आर० जैना ११/१९३४ फाउंटेन।

उप-प्रधान—राजवैद्य महावीर प्रसाद, ४६०२ पहाड़ी धीरज।

मंत्री—लाला मदन लाल (गुप्ता परफ्यूमर्स), [illegible] रोड।

कोपाध्यक्ष—लाला नन्हें मल, २५ डिप्टीगंज ।

२६. श्री हीरा लाल जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, वारा टूटी, सदर वाजार (फोन-२६४७१)—यह स्कूल दिल्ली का सर्व प्रथम जैन विद्यालय है। यहां आर्टस, साइन्स व कामर्स तीनों विभागों की शिक्षा का प्रवन्ध है।

स्कूल में इस समय लगभग १,००० क्षात्र अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल का अपना वैंड भी है। स्कूल में धर्म-शिक्षा की भी व्यवस्था है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला सुल्तान सिंह, (रिटा० एकाउंटस आफीसर) ३७ मोडल वस्ती व प्रिंसीपल श्री मोहन लाल, पहाड़ी धीरज हैं।

२७. श्री हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज—इस स्कूल में लगभग ६०० वालक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

२८. श्रीमती लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेण्ड्री स्कूल, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज (फोन-२७६६६)—स्कूल में क्षात्राओं की संख्या लगभग १०० है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला प्रकाश चन्द, (राजा टायज़) २५, पूसा रोड, व प्रिंसीपल कुमारी कनकमाला, पहाड़ी धीरज है।

२९. श्री जैन श्रमणोपासक हायर सेकण्ड्री स्कूल, रुई की मंडी, वारा टूटी, सदर वाजार (फोन-२७९३९)—स्कूल की स्थापना सन १९१६ में प्राइमरी स्टैंडर्ड तक हुई। कालान्तर में सन १९३७ में मिडिल, सन १९५० में हाई स्कूल व सन १९५९ में हायर सेकेण्ड्री तक किया किया। स्कूल में कुल क्षात्र संख्या लगभग ७४५ है।

प्रधान—श्री भीकूराम, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज।

उप-प्रधान—लाला गिरधारी लाल, गली राजा पाती मल।

मैनेजर—लाला निहाल चन्द्र, ९-डिप्टीगंज।

मंत्री—श्री दया चन्द्र, गली नई वस्ती, पहाड़ी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री अमर नाथ, गली मामन जमादार, पहाड़ी धीरज।

पुस्तकालय व औषधालय

पुस्तकालय व वाचनालय

१. श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय (फोन-२५१२१, चांदनी चौक)—इस पुस्तकालय की स्थापना सन १९२४ में व्याख्यान-वाचस्पति श्री मदनलाल जी महाराज की प्रेरणा व लाला गोकुल चन्द नाहर के सद्प्रयत्नों द्वारा हुई। यह पुस्तकालय स्थानीय पुस्कालयों में प्रमुख स्थान रखता है। इसमें लगभग ४०० अनुपलब्ध हस्तलिखित ग्रंथ हैं। इनके अतिरिक्त ६,१०० हिन्दी, संस्कृत व प्राकृत भाषा की, ६,५०० अंग्रेज़ी की, १५०० उर्दू भापा की तथा ४०० अन्य भापाओं की पुस्तकें हैं।

पुस्तकालय में लेजिस्लेटिव असेम्वली डिवेट्स, कांस्टीट्यूशन एसेम्वली डिवेट्स, पार्लियामेंट डिवेट्स, गजट आफ इण्डिया तथा हिन्दी, अंग्रेजी प्राकृत व अन्य भापाओं के कोष भी उपलब्ध है।

प्रधान—श्री निहाल चन्द्र २८१६ चेलपुरी, किनारी वाजार।

उपप्रधान—श्री मोहन लाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड, सब्जीमंडी।

मंत्री—श्री दुर्गाप्रसाद लोढा, चीराखाना।

सहायक मंत्री—श्री ताराचन्द, कटरा शहंशाही, चांदनी चौक।

कोपाध्यक्ष—श्री कस्तूर चन्द्र, जवाहर नगर।

२. जैन सार्वजनिक पुस्तकालय (पहाड़ी धीरज)—इस पुस्तकालय की स्थापना जैन संगठन सभा, पहाड़ी धीरज द्वारा सन १९२४ में हुई। यह पुस्तकालय श्री अग्रवाल दि० जैन पंचायती धर्मशाला, पहाड़ी धीरज में स्थित है। इसमें लगभग ६०० पुस्तकें हैं। यह पुस्तकालय दिल्ली नगर निगम से सहायता प्राप्त (Grant-in-aid) है। पुस्तकालय के अध्यक्ष लाला नन्हेंमल, डिप्टीगंज हैं। वर्तमान में पुस्तकालय का कार्य लाला नेमचन्द (महावीर हैट मेनु० कं०, सदर बाजार) देखते हैं।

३ श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी (दि० जैन नया मंदिर के सामने, धर्मपुरा)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९२८ में जैन मित्र मंडल द्वारा हुई। इसमें लगभग ९,००० पुस्तकें हैं। वाचनालय में ४५ दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र व पत्रिकाएं आती हैं।

सभापति—लाला अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उप-सभापति—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार।

मंत्री—(१) लाला महेन्द्र प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
(२) श्री विशनचन्द ड्राफट्समैन, धर्मपुरा।

कोपाध्यक्ष—श्री त्रिलोकचन्द, १२१६ चाहरहट।

४. श्री जैन पब्लिक लायब्रेरी (उपाश्रय भवन, डिप्टीगंज)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९३४ में हुई। इसमें लगभग ३,००० पुस्तकें हैं। वाचनालय में लगभग ४० दैनिक, साप्ताहिक व मासिक पत्र-पत्रिकाएं आती हैं।

प्रधान—श्री कुंजलाल ओसवाल, सदर बाजार।

महामंत्री—श्री रूपचन्द (वीविंग डिपार्टमेंट, दिल्ली क्लाथ मिल्स)।

मंत्री—श्री जोगीराम, गली जाटान, पहाड़ी धीरज।

कोपाध्यक्ष—श्री मित्रसेन, क्लाथ मर्चेंट, पहाड़ी धीरज।

५ जैन साहित्य सदन (चांदनी चौक)—सदन की स्थापना श्री प्रेमचन्द्र जी (जैना वाच कं०) आदि के सद्प्रयत्नों से सन १९५९ में हुई। सदन के पुस्तकालय में लगभग ३,००० मुद्रित ग्रंथों और १९५ हस्तलिखित पाण्डुलिपियों का संग्रह है।

सदन के वाचनालय में साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक जैन व अजैन पत्र-पत्रिकाएं आती हैं। सदन की ओर से ३ पुस्तकों का प्रकाशन भी हुआ है। सदन का विक्री विभाग जैन व जैनेतर जनता को जैन साहित्य उपलब्ध कराने का सुगम साधन है।

सदन के व्यवस्थापक श्री प्रेमचन्द्र जी, (जैना वाच कं०) ७/३२, दरियागंज हैं।

.६ जैन वाचनालय (४१०६, गली श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सब्जीमंडी)—वाचनालय की स्थापना सन १९५२ में हुई। इसमें लगभग १,००० धार्मिक तथा अन्य पुस्तकें है। वाचनालय में ४ दैनिक ५ पाक्षिक व मासिक पत्र आते हैं। पुस्तकालय से लगभग ६० स्त्री-पुरुष प्रतिदिन लाभ लेते हैं।

प्रधान—सेठ करोड़ी मल, ४२१०, आर्यपुरा, सब्जी मंडी।

उप-प्रधान—श्री पूरण मल, उप-प्रधान, ४१३२ आर्यपुरा।

मंत्री—श्री कश्मीरी लाल, ४०-एफ, कमला नगर।

उपमंत्री—श्री आदीश्वर नाथ, ४१९५ आर्यपुरा।

कोषाध्यक्ष—श्री आत्माराम, ४३३८ आर्यपुरा।

७. श्री सुधर्मा जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय (२०४९, किनारी बाजार)—इस पुस्तकालय की स्थापना सन १९५९ में साध्वी श्री मृगावती जी की प्रेरणा से हुई।

पुस्तकालय में संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, गुजराती आदि भाषाओं की लगभग १०,००० पुस्तकें हैं। इनमें हस्त-लिखित प्राचीन शास्त्र भी हैं। वाचनालय में स्त्री व पुरुषोपयोगी प्रमुख पत्र, पत्रिकाएं आते हैं। इस पुस्तकालय की व्यवस्था श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन मैनेजिंग कमेटी द्वारा होती है।

८. श्री पार्श्वनाथ सार्वजनिक पुस्तकालय (सब्जी मंडी)—पुस्तकालय में लगभग ५०० पुस्तकें हैं। वाचनालय में २० दैनिक, साप्ताहिक व मासिक पत्र पत्रिकाएं आती हैं।

प्रधान—श्री जसवंत सिंह, २५-डी, कमला नगर।

मंत्री—श्री जयंतीलाल मेहता, १०, रोशनआरा रोड।

९. श्री जैन धर्म प्रचार सामग्री भंडार (उपाश्रय भवन, डिप्टीगंज)—इस भंडार द्वारा धार्मिक उपकरणों के प्रबन्ध तथा पुस्तकों के प्रकाशन व विक्रय का कार्य होता है।

औषधालय व चिकित्सालय

१. श्री आचार्य नमिसागर जी जैन धर्मार्थ औषधालय (कूंचा सेठ)—औषधालय की स्थापना सन १९३२ में हुई। इससे वर्ष में लगभग ३०,००० रोगी विना किसी जाति, वर्ग अथवा सम्प्रदाय भेदभाव के निशुःल्क लाभ उठाते हैं। औषधालय का कार्य प्रधान—चिकित्सक पं० कन्हैया लाल वैद्य आयुर्वेदाचार्य और सहायक—चिकित्सक श्री वाचस्पति शास्त्री आयुर्वेदाचार्य की देखरेख में होता है।

औषधालय का वार्षिक व्यय लगभग ६,००० रुपये का हैं, जिसमें ५००) रु० की ग्रांट दिल्ली म्यूनिसीपल कार्पोरेशन से प्राप्त होती है और शेष विक्री विभाग की आय व समाज-सहायता से पूरी होती है।

प्रधान—श्री वसंतलाल घंटेवाले, चांदनी चौक।

उप-प्रधान—श्री रामनाथ कागज़ी, चावड़ी बाजार।

मंत्री—डा० एस० सी० किशोर, एस्प्लेनेड रोड।

उप-मंत्री—श्री मंगतराम।

कोषाध्यक्ष—श्री राजेन्द्रप्रसाद, गली गुलियान।

२. श्री सुन्दरलाल दिगम्बर जैन धर्मार्थ औषधालय (वैदवाड़ा)—औषधालय की स्थापना लगभग २५-३० वर्ष पूर्व श्री सुन्दरलाल जैन चेरीटेवल ट्रस्ट के अन्तर्गत हुई। औषधालय में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की जाती है।

औषधालय की व्यवस्था निम्नलिखित महानुभावों की समिति द्वारा होती है:

(१) लाला कपूर चन्द जौहरी (फर्म-शान्ति विजय एण्ड कं०, जनपथ) १३१६ वैदवाड़ा।

(२) लाला कश्मीर चन्द, १३१६ वैदवाड़ा।

(३) श्री देवेन्द्र कुमार (फर्म—सिद्धोमल एण्ड सन्स, कागजी, चावड़ी बाजार।

(४) श्री रूपचन्द, १२७३ वैदवाड़ा, ।

(५) श्री हरखचन्द, कपड़े वाले, कूंचा शहंशाही।

३. श्री १०८ आचार्य शांतिसागर दि० जैन धर्मार्थ औषधालय (४१५० गली जैन मंदिर, सब्जी मंडी)—औषधालय की स्थापना सन १९४२ में हुई। औषधालय में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रबन्ध है। प्रति माह लगभग, १,१०० रोगी यहां से लाभ उठाते हैं।

प्रधान—श्री लट्टोमल, आर्यपुरा, सब्जीमंडी।

उप-प्रधान—चौ० जम्बू प्रसाद, ४१४० गली जैन मंदिर, आर्यपुरा, सब्जीमंडी।

मंत्री—श्री पूरनमल, ३१३२, सब्जीमंडी।

कोपाध्यक्ष—श्री गोकल चन्द, ३३८१, आर्यपुरा, सब्जोमंडी, ।

४. पूज्य कांशीराम जैन धर्मार्थ औषधालय—यह औषधालय महावीर जैन संघ द्वरा दिल्ली व नई दिल्ली में निम्नलिखित तीन विभिन्न स्थानों पर संचालित हो रहा है :

१. डिप्टीगंज, सदर बाजार, ।

२. सोहनगंज, सब्जीमंडी, ।

३. ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग़।

उपर्युक्त इन तीनों स्थानों पर निशुल्क होम्योपेथिक चिकित्सा की जाती है।

औषधालय के व्यवस्थापक श्री तिलक चन्द, तिलक थ्रेड हाउस, सदर बाजार हैं।

५. श्री अग्रवाल जैन धर्मार्थ औषधालय (छत्ता शाह जी, चावड़ी बाजार)—औषधालय की स्थापना सन १९४० में लाल शम्भूनाथ जी कागजी द्वारा हुई। यहां होम्योपेथिक चिकित्सा की निःशुल्क व्यवस्था है। प्रतिदिन लगभग १०० रोगी यहां से लाभ उठाते हैं।

औषधालय की व्यवस्था लाला शम्भूनाथ जी स्वयं ही करते हैं।

६ सेठ सुन्दरलाल जैन नेत्र चिकित्सालय (डिप्टी गंज)—चिकित्सालय की स्थापना सेठ छुन्नामल चेरीटेबल ट्रस्ट के अन्तर्गत सन १९५८ में हुई। यहां नेत्रों के अतिरिक्त नाक, कान व गले के रोगों के निदान का भी प्रबन्ध है। चिकित्सालय की ओर से समय समय पर विभिन्न स्थानों में नेत्र-शिविर का भी आयोजन किया गया है, जिसमें मोतियाबिंदु तथा अन्य रोगों की चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध की गई।

चिकित्सा की व्यवस्था उपर्युक्त ट्रस्ट द्वारा होती है।

७. श्री लालचन्द जैन धर्मार्थ औषधालय (डिप्टीगंज, सदर बाजार)—औषधालय में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा है। राजवैद्य श्री मामनसिंह जी 'प्रेमी' प्रधान चिकित्सक हैं।

८. मुंशीलाल आयुर्वेदिक औषधालय (मुंशी निकेतन आसफअली रोड)—औषधालय की स्थापना सन १९५६ में ला० मुंशीराम जी कागज़ी ने की। औषधालय उनके निजी भवन में ही स्थित है। यहां निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा प्रदान की जाती है।

इसकी व्यवस्था ला० मुंशीलाल जी स्वयं ही करते हैं।

९. जैन औषधालय (छत्ता शाहजी, चावड़ी बाजार)—ला० अमरसिंह घूमीमल कागजी द्वारा सन १९३९ में स्थापित हुआ।

१०. ला० रघुवीर सिंह जैन धर्मार्थ औषधालय (जैना बिल्डिंग, जी०टी० रोड, शहादरा)—औषधालय की स्थापना ला० रघुवीर सिंह जी (जैना वाच कं०) द्वारा सन १९४४ में हुई। औषधालय में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रबन्ध है। सभी औषधियां यहां उनकी अपनी रसायनशाला में ही बनती है। निर्धन रोगियों के यहां औषधालय-चिकित्सक निःशुल्क देखने भी जाते हैं। औषधालय से लगभग ४०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते हैं।

यहां की व्यवस्था वर्तमान में ला० रघुवीर सिंह जी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा होती है।

११. जिनेन्द्र होम्योपेथिक डिस्पैन्सरी (५५०९ कूचा हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड)—डिस्पेंसरी की स्थापना ला० खजांचीमल (नेहरू होंजरी मिल्स) द्वारा सन १९४५ में हुई और उनके अपने स्थान में ही स्थित है। यहां होम्योपेथिक चिकित्सा की व्यवस्था है। लगभग १०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते हैं।

यहां का प्रबन्ध ला० खजांचीमल जी की देख रेख में होता हैं।

धार्मिक व पारमार्थिक संस्थाएं

१. श्री भारतवर्षीय अनाथरक्षक जैन सोसायटी (फोन-२६१८३, दरियागंज)—सोसायटी की स्थापना सन १६०३ में जयपुर में हुई और इसके द्वारा जैन अनाथाश्रम की नींव सन १६०४ में हिसार (पंजाब) में डाली गई। सन १६११ में इस सोसायटी व आश्रम को दिल्ली लाया गया।

सोसायटी द्वारा किये जाने वाले कार्यों में अनाथाश्रम, जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, संगीत शाला, शिल्प-शिक्षा, जिन-चैत्यालय व सरस्वती भवन, धर्मशाला, त्यागी भवन तथा अतिथि-भवन की व्यवस्था और विधवाओं तथा असमर्थों को मासिक आर्थिक सहायता दिया जाना, आदि उल्लेखनीय हैं।

सोसायटी के पास लगभग १० लाख रुपये की अचल सम्पत्ति है। सोसायटी के अन्तर्गत कार्यों में वार्षिक व्यय लगभग २,२५००० रुपय का है जिसकी पूर्ति राज्य की ओर से प्राप्त वार्षिक अनुदान तथा समाज-सहायता द्वारा होती है।

प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।

उप-प्रधान—(१) श्री एस. पी. लाल, किचनर रोड।

ज० सेक्रेटरी (१) अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
(२) श्री सुखवीर प्रसाद, एडवोकेट, दरियागंज।
(३) लाला रतनलाल, विजली वाले।
(४) लाला कश्मीरी लाल, दरियागंज।
(५) लाला प्रताप सिंह, मोटर वाले, ७-ए, राजपुर रोड।

जनरल मैनेजर—लाला मुन्शी लाल कागजी, मुन्शी निकेतन, आसफअली रोड।

कार्यालय मंत्री—लाला विमल प्रसाद, धर्मपुरा।

प्रचार मंत्री—लाला महेन्द्रसेन, दरियागंज।

कोषाध्यक्ष—श्री पदम किशोर, वकील।

२. जैन बालाश्रम (दरियागंज, अनाथाश्रम फोन-२६१८३)—आश्रम की स्थापना भारतवर्षीय अनाथ-रक्षक जैन सोसायटी, द्वारा सन १६०४ में हिसार (पंजाब) में हुई। सन १६११ में आश्रम दिल्ली लाया गया। आश्रम दरियागंज में अपने निजी भवन में स्थित है।

आश्रम में लगभग ७५ बालक संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं। आश्रम की ओर से बच्चों के भरण-पोषण तथा आवास के अतिरिक्त समुचित शिक्षा आदि की भी व्यवस्था होती है, जिससे कि वे भविष्य में सुयोग्य नागरिक बन सकें।

आश्रम के व्यवस्थापक लाला फकीर चन्द जी कपड़े वाले (कटरा मारवाड़ी, नई सड़क) हैं।

३ श्री गंगादेवी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (२०७६, गली दरोगा कन्हैयालाल, माली वाड़ा)—ट्रस्ट द्वारा असहाय विधवाओं तथा बालकों आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

ट्रस्ट के मंत्री लाला कपूर चन्द बोथरा, गली दरोगा कन्हैया लाल, माली वाड़ा, दिल्ली हैं।

४. श्री दि० जैन मुल्तान गुप्त सहायक फंड (२१ बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना)—फंड द्वारा गुप्त रूप से निर्धन व अनाथ विधवाओं व दुखियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

सर्व श्री पारस दास, अमर नाथ, गुमानी राम, [illegible] चन्द और तोला राम फंड के व्यवस्थापक हैं।

५. असमर्थ बहन भाई सहायक फंड—फंड की स्थापना श्री दि० जैन सत्संग सोसायटी द्वारा सन १६[illegible] में हुई। फंड की आय दान द्वारा है।

प्रधान—लाला रतन लाल, विजली वाले, दरियागंज।

मंत्री—श्री श्रीपाल, टाइप वाले।

कोपाध्यक्ष—लाला अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

६ जैन स्कालर शप फंड (प्रधान कार्यालय-४०, ठठेरवाड़ा, मेरठ सिटी; सचिवालय-३३-एक्स, चित्रगुप्तरोड, दिल्ली)—फंड की स्थापना सन १९४४ में हुई। फंड द्वारा क्षात्रों को अध्ययन के लिए स्कालरशिप के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अव तक फंड से लगभग ३०० क्षात्रों ने लाभ उठाया है।

फंड के पास ध्रौव्य-राशि लगभग १५,०००) रुपए की है।

प्रधान—श्री एस. पी. जैन।

मंत्री—श्री सुरेन्द्र वीरसिंह, ३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड।

उप-मंत्री—(१) श्री आनन्द प्रकाश, एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर, सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर।

(२) श्री वी. पी. जैन, इन्जीनियर, पी. डब्ल्यू डी., लखनऊ।

(३) श्री कस्तूर चन्द, एकाउंटस आफीसर, पान दरीवा, लखनऊ।

(४) श्री डी. के. जैन, इन्कमटैक्स आफिस, मुज़फ्फर नगर।

(५) श्री जय कुमार, ४१४ वादशाही मंडी, इलाहवाद।

कोपाध्यक्ष—श्री मंगत सिंह, मेरठ।

७. श्री विरधी चन्द जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (४०९३, नया वाजार)—ट्रस्ट के अन्तर्गत एक पुस्तकालय व औषधालय खोलने की योजना है। श्री सुमेर चन्द्र (विरधी चन्द जैन एण्ड सन्स) आदि अन्य ४ महानुभाव ट्रस्टी हैं।

८. ठाकुर दास वनारसी दास चैरीटेवल ट्रस्ट (१२२३ चाहरहट—ट्रस्ट की स्थापना लगभग २२ वर्ष पूर्व स्व० लाला महावीर प्रसाद ठेकेदार व स्व० लाला रतन लाल मादीपुरिया ने की। इसके द्वारा एक होम्योपेथिक चेरीटेवल डिस्पेंसरी, १२२३, चाहरहट, का संचालन हो रहा है।

प्रधान—श्री शाम लाल, (महावीर प्रसाद एण्ड संस) ४, टोडरमल रोड।

मंत्री—श्री चुन्नीलाल एडवोकेट, दरीवा।

९. श्री महावीर प्रसाद जैन, चेरीटेवल ट्रस्ट (१२२३, चाहरहट)—स्व० लाला महावीर प्रसाद, टेकेदार ने असहाय भाई वहिनों की आर्थिक सहायता व क्षात्रों के अध्ययन के लिए स्कालरशिप देने के लिए इस ट्रस्ट की स्थापना सन १९५४ में की।

ट्रस्ट के पास ध्रौव्य राशि ५०,००० रुपए की है।

प्रधान—लाला शाम लाल, ४-टोडरमल रोड।

मंत्री—लाला अजीत प्रसाद, १२२३ चाहरहट।

१०, श्री कुन्ज लाल ओसवाल जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (५८०६, सदर वाज़ार)—ट्रस्ट द्वारा ५३५ वर्ग गज़ क्षेत्रफल की एक इमारत सदर थाना रोड पर क्रय की की गई है। इस स्थान पर कांफ्रेंस हाल व धर्मशाला वनवाने दी योजन है।

ट्रस्ट की ध्रौव्य राशि १,००,०००) रुपए की है।

११. लाला रघुवीर सिंह जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (७/३२ दरियागंज)—ट्रस्ट की स्थापना लाला रघुवीर सिंह जी (जैना वाच कं०) ने सन १९५८ में की। ट्रस्ट की ओर से शहादरा में एक धर्मार्थ औषधालय संचालित हो रहा है तथा असहाय भाई व वहिनों को आर्थिक सहायता दी जाती है।

१२. श्री छुन्नामल चेरीटेवल ट्रस्ट (सुन्दर भवन, डिप्टीगंज)—ट्रस्ट की स्थापना सेठ सुन्दर लाल जी (फर्म-सुन्दर लाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कं०, वीड़ी वाले) ने अपने पिता स्व० सेठ छुन्नामल जी की स्मृति में सन १९५२ में की।

ट्रस्ट ने अव तक मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य किये हैं:

(१) हिमाचल प्रदेश (शिमला हिल्ज़) में घैणी नामक स्थान पर मिडिल स्कूल की स्थापना।

(२) सन १९५६ में फ्लू की महामारी के समय दिल्ली, गोंदिया (महाराष्ट्र) तथा अन्य स्थानों पर निःशुल्क औषधि वितरण।

(३) सन १९५४ में गोंदिया (महाराष्ट्र) में सेठ छुन्नामल आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालय के नाम से दो आयुर्वेदिक औषधालयों की स्थापना।

(४) सन १९५८ में सेठ सुन्दर लाल जैन नेत्र चिकित्सालय, डिप्टीगंज, सदर बाजार, दिल्ली, की स्थापना तथा कई निःशुल्क नेत्र शिविरों का आयोजन।

ट्रस्ट की प्रवन्ध समिति (गवर्निंग बाडी) के निम्नलिखित पदाधिकारी हैं :

चेअरमेन—सेठ सुन्दर लाल, सुन्दर भवन, डिप्टीगंज।
मंत्री—(१) श्री रिखीराम कालिया, २७डिप्टीगंज।
(२) श्री चन्द्र कुमार, ४६३६/४०, सुन्दर भवन, डिप्टीगंज।

१३. श्री देशभूषण मुद्रणालय और प्रकाशन ट्रस्ट—इस ट्रस्ट की स्थापना आचार्य श्री १०८ देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से सन १९५६ में हुई। ट्रस्ट द्वारा श्री लच्छूमल जी कागज़ी की धर्मशाला में श्री देशभूषण मुद्रणालय की स्थापना की गई। इस ट्रस्ट की ओर से अनेक जैनोपयोगी पुस्तकों व शास्त्रों का प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त 'अमर साहित्य' नाम से एक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया गया। ग्रंथराज 'श्री भूवलय' के प्रथम खण्ड के प्रकाशन का कठिन कार्य भी आचार्य श्री के संरक्षण में इसी संस्था के मुद्रणालय में पूरा किया गया।

इस संस्था की निम्नलिखित व्यवस्थापक समिति बनाई गई :

१. श्री अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
२. श्री महताव सिंह जौहरी, दरीबा कलां।
३. श्री छुट्टनलाल कागजी, व्यवस्थापक।
४. श्री जयनारायण, पहाड़ी धीरज।
५. श्री मुनीन्द्र कुमार, माडल टाउन, मुद्रण सलाहकार।

१४. श्री रंगसूरि खरतरगच्छिय जैन पौशाल (कटरा खुशाल राय, चांदनी चौक)—पौशाल की व्यवस्था श्री मिट्ठूमल रास्याण करते हैं।

१५ श्री जानकीदास रामचन्द्र ट्रस्ट—ट्रस्ट की स्थापना स्व० ला० रामचंद्र जी द्वारा सन १९५१ में हुई। ट्रस्ट के पास २ मकान हैं जिनकी आय से निर्धन विधवाओं आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

ट्रस्ट के प्रबन्धक ट्रस्टी ला० महताब सिंह जौहरी, ३०५ दरीबा कलां हैं।

१६. जैन सहायता फंड (सदर बाजार)—फंड की स्थापना स्थानीय स्थानकवासी समाज द्वारा सन १९५३ में हुई। फंड से असहाय व निर्धन विधवाओं तथा बालकों आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

सभापति—चौ० सनेहीराम (फर्म—सनेहीराम राम नरायन) नया बाजार।
मंत्री—बा० कालूराम (सेंट्रल बैंक आफ इंडिया) सदर बाजार।
कोषाध्यक्ष—ला० कुंज लाल ओसवाल, ५८०६, सदर बाजार।

१७. बैरिस्टर चम्पतराय जैन ट्रस्ट (धर्मपुरा)—ट्रस्ट की स्थापना स्व० बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा अपने जीवन काल में ही सन १९४१ में हुई थी। ट्रस्ट सम्पत्ति लगभग तीन लाख रुपये की है, जो स्टेट बैंक आफ इंडिया ट्रस्टीज़ एण्ड एक्जीक्यूटिव डिपार्टमेंट, बम्बई में जमा है। ट्रस्ट द्वारा विदेशों में जैन साहित्य का प्रचार किया जाता है।

ट्रस्ट की कंट्रोलिंग अथारिटी के निम्नलिखित सदस्य हैं :

(१) मास्टर उग्रसेन, काशीपुर, नैनीताल।
(२) श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, करोल बाग।
(३) श्री ज्ञानेन्द्र प्रकाश, १ दरियागंज।
(४) श्रीमती एगनेश जैन, ऋषभ लायब्रेरी, लंदन नया
(५) श्रीमती ऐलिजबेथ फ्रेज़र, लंदन।

१८. राय बहादुर फूल चन्द चेरीटेबल ट्रस्ट (३२, हनुमान रोड)—ट्रस्ट की स्थापना रायबहादुर फूलचन्द जी ने अपने जीवन-काल में ही सन १९४५ में की। ट्रस्ट द्वारा उच्च शिक्षा, विशेषरूप से टेकनीकल शिक्षा के लिये छात्र वृत्ति दी जाती है।

सभापति—ला० लाल चन्द्र।
मंत्री—ला० श्री दयाल, ३२, हनुमान रोड।
कोषाध्यक्ष—ला० उग्रसेन, ३२, हनुमान रोड।
सदस्य ट्रस्टी—(१) श्री अजीत प्रसाद, १ [illegible] रोड।
(२) श्री प्रताप चन्द्र।
(३) श्री प्रेम चन्द।
(४) श्री [illegible], १०५ [illegible]।

१९. श्री वर्धमान एजूकेशनल सोसायटी (५८ जनपथ)-सोसायटी की स्थापना सन १९६० में ला० राजेन्द्र कुमार बैंकर द्वारा हुई। सोसायटी के द्वारा श्री वर्धमान कालेज, बिजनौर, श्री वर्धमान कन्या पाठशाला तथा पशु चिकित्सालय व औषधालय, बहालपुर (जिला बिजनौर) का संचालन हो रहा है।

सोसायटी के ट्रस्टी सर्वश्री राजेन्द्र कुमार, जगत प्रकाश तथा रवि प्रकाश, ११ कौलिंग रोड हैं। इसके मंत्री श्री के० एल० मित्तल हैं।

२०. बीबी तोखन ट्रस्ट—(ट्रस्ट की स्थापना श्रीमती बीबी तोखन धर्मपत्नी ला० नाथूमल गोटेवाले द्वारा सन १९४० में हुई थी। ट्रस्ट की अचल सम्पत्ति की आय से श्रीमती बीबी तोखन द्वारा स्थापित दि० जैन चैत्यालय, गली अनार की व्यवस्था होती है।

इसके प्रबन्धक ट्रस्टी ला० महताब सिंह जौहरी, दरीबा कलां है। इनके अतिरिक्त ला० शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड व ला० जगाधर मल, अन्य दो ट्रस्टी हैं।

२१. गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फंड (३४ फीरोजशाह रोड)–फंड की स्थापना स्व० राय बहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट द्वारा सन १९३३ में हुई। फंड से जैन विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये स्कालरशिप दिया जाता है। स्कालरशिप के लिये छात्र द्वारा स्वलिखित आवेदन-पत्र विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा स्थानीय जैन समाज के एक दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सही करवाकर व्यवस्थापक के पास आना चाहिये।

फंड की व्यवस्था संस्थापक के पौत्र ला० शील चन्द्र जी बैंकर, ३४ फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली करते हैं।

२२. श्री राजकृष्ण जैन चेरीटेबल ट्रस्ट (२३, दरियागंज—ट्रस्ट की स्थापना ला० राजकृष्ण जी द्वारा सन १९४५ में हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत छात्रों को स्कालरशिप, अहिंसा मन्दिर पुस्तकालय, चैत्यालय, त्यागी आश्रम व धर्मशाला तथा जैन साहित्य प्रकाशन की व्यवस्था होती है।

ट्रस्ट की ध्रौव्य सम्पत्ति १ लाख रुपये की है।

ट्रस्ट के मंत्री ला० प्रेम चन्द्र २३, दरियागंज है।

२३. ला० प्यारे लाल एडवोकेट चैरिटी फंड (३४ फिरोज़शाह रोड)—फंड की स्थापना स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल जी ने अपने पिता रायबहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट की स्मृति में सन १९४२ में की। फंड से असहाय व्यक्तियों को आर्थिक सहायता दी जाती है।

फंड के व्यवस्थापक ला० शील चन्द्र जी, ३४ फीरोज शाह रोड है।

२४. रायसाहब आदीश्वर लाल मेडीकल रिलीफ फंड (३४, फीरोज़शाह रोड)—फंड की स्थापना चालू वर्ष के प्रारम्भ में ला० शील चन्द्र जी द्वारा हुई। फंड से असहाय व निर्धन रोगियों की समुचित चिकित्सा के लिये आर्थिक सहायता दी जाती है।

फंड की व्यवस्था संस्थापक द्वारा स्वयं होती है।

२५. ला० मुंशीलाल जैन ट्रस्ट (मुंशी निकेतन, आसफ अली रोड)–ट्रस्ट की स्थापना ला० मुंशीलाल जी कागज़ी द्वारा सन १९५७ में हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत धर्मार्थ औषधालय, आसफ अली रोड का संचालन हो रहा है।

२६. श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट (महावीर भवन, चांदनी चौक, फोन २५१२१)–ट्रस्ट के अन्तर्गत महावीर भवन तथा अन्य सम्बन्धित जायदाद व संस्थाएं जिनमें श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय, श्री पार्श्वनाथ जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व श्री एस. एस. जैन कन्या पाठशाला मुख्य है, की व्यवस्था होती हैं। ट्रस्ट ने विगत वर्षों में गली हरदयाल में एक नवीन भवन का निर्माण किया है जिसमें जैन साध्वियां विराजती हैं और धर्म कार्य होते है। ट्रस्ट की व्यवस्थापक समिति १५ व्यक्तियों की होती है जिनके वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :

प्रधान—श्री कुन्दनलाल पारख, मालीवाड़ा।

उप-प्रधान—श्री दीपचन्द चोरड़िया, किनारी बाजार।

प्रधानमंत्री—श्री मुन्नालाल भंसाली, गली हरदयाल।

मंत्री—श्री मिश्रीलाल कोचर, कटरा खुशालराय।

कोषाध्यक्ष—श्री नौरतन चन्द चौरड़िया, गली अनार, किनारी बाजार।

सामाजिक व साहित्यिक संस्थाएं

अखिल भारतीय संस्थाएं

१. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (प्रधान कार्यालय —रंग महल, अजमेर; दिल्ली कार्यालय—कटरा मारवाड़ी, नई सड़क)—महासभा भारतवर्ष के दिगम्बर जैनों की सबसे प्राचीन संस्था है, इसकी स्थापना सन १८९२ में चौरासी (मथुरा) के वार्षिक मेले पर पं० छेदालाल अलीगढ़, पं० चुन्नीलाल मुरादाबाद आदि महानुभावों के सदप्रयत्नों से हुई। समस्त दिगम्बर जैन समाज को एक संस्था के अन्तर्गत संगठित करने का प्रथम प्रयास महासभा ने ही किया।

महासभा ने अपने अब तक के कार्यकाल में निम्न-लिखित विभिन्न दिशाओं में समाज की सेवा की है :

(अ) संस्कृत महाविद्यालय—इसकी स्थापना सन१८९६ में मथुरा में हुई। विद्यालय ने जैन विद्यार्थियों को संस्कृत पढ़ने की सुविधा प्रदान की और इस प्रकार तत्कालीन एक बड़ी समस्या को हल किया। यह विद्यालय सन १९०५ में सहारनपुर व बाद में बनारस के स्याद्वाद महाविद्यालय में मिला दिया गया। विद्यालय ने अपने समय में समाज को कई विद्वान दिये।

(ब) जैन गजट—सन १८९६ में विद्यालय की स्थापना के साथ साथ महासभा के मुख-पत्र के रूप में 'जैन गजट' मासिक का प्रकाशन आरम्भ हुआ। विगत वर्षों में काफी समय तक यह पत्र अंग्रेजी में भी प्रकाशित होता रहा, परन्तु अब कुछ समय से यह बन्द है। हिन्दी अंक आजकल दिल्ली से प्रकाशित हो रहा है।

(स) शिक्षा विभाग : परीक्षालय—महासभा के इस विभाग को प्रारम्भ करने का श्रेय स्व० पं० गोपालदास जी को है। विभाग ने कई स्थानों पर पाठशालाओं की स्थापना करवाई तथा छात्र व छात्राओं को पारितोषिक भी दिये। वर्तमान में लगभग ८ हज़ार परीक्षार्थी प्रतिवर्ष इससे लाभ उठा रहे हैं।

(द) तीर्थ-क्षेत्र प्रबन्ध विभाग—सन १९०२ में महा-सभा के कुन्डलपुर अधिवेशन में इस विभाग की स्थापना हुई। इस विभाग के प्रयत्नों से देश के विभिन्न दिगम्बर जैन तीर्थों के स्वत्व की सुरक्षा व उनका नियमित प्रबन्ध, गोमट्टेश्वर महामस्ताभिषेक की स्थायी व्यवस्था आदि कार्य हुए हैं।

सन १९३० के बाद से यह विभाग तीर्थ क्षेत्र कमेटी के रूप में महासभा से प्रथक् होकर कार्य कर रहा है।

(ध) जैन कानून विभाग—इसने जैन शास्त्रों के आधार पर जैन कानून की पुस्तकें प्रकाशित की हैं। यह प्रयत्न स्व० बैरिस्टर चम्पतराय जी व बैरिस्टर जुगमन्दर लाल जी द्वारा हुआ। वर्तमान में यह विभाग स्वत्वरक्षक विभाग के रूप में कार्य कर रहा है।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त महासभा द्वारा देश में विभिन्न स्थानों पर उपदेशकों द्वारा धर्म-प्रचार, समाज में फैली हुई बालविवाह इत्यादि कुरितियों का विरोध, जैन धर्म व समाज सम्बन्धी भ्रांतिपूर्ण साहित्य का प्रति-कार, राजस्थान विधान सभा में नग्न-प्रदर्शन विरोधी बिल का उन्मूलन आदि अन्य महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। सन १९५२ में फलटन में स्व० आचार्य शान्तिसागर जी महाराज की हीरक-जयन्ती समारोह का आयोजन भी महासभा ने किया। महासभा के वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :

सभापति—सर सेठ भागचन्द जी सोनी, [illegible] अजमेर।

उप-सभापति—(१) रायबहादुर सेठ राजकुमार सिंह जी, इन्द्र भवन, तुकोगंज, इन्दौर।
(२) रायबहादुर सेठ हीरालाल जी, कल्याण भवन, तुकोगंज, इन्दौर।
(३) रायबहादुर सेठ लालचन्द जी सेठी, विनोद भवन, उज्जैन।
(४) रायबहादुर सेठ प्रद्युम्न कुमार, मित्र भवन, सहारनपुर।
(५) सेठ बाल चन्द पाटनी, निवांई राजस्थान।
(६) सेठ सुन्दर लाल जी ठोल्यां, ठोल्यां भवन, मिर्ज़ा इस्माइल रोड, जयपुर।
(७) लाला परसादी लाल पाटनी, कटरा मारवाड़ी, नई सड़क (व्यवस्थापक-दिल्ली कार्यालय)।
महामंत्री—चौधरी सुमेर मल, रंगमहल, अजमेर।
सं० महामंत्री—(१) पं० अमोलक चन्द, जवेरी बाग़, इन्दौर।
(२) श्री हीरा चन्द बोहरा, (जुहार मल गंभीर मल) ४०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
कोषाध्यक्ष—राय बहादुर सेठ राजकुमार सिंह जी, इन्द्र भवन, तुकोगंज, इन्दौर।

२. अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद—परिषद प्रगतिशील दिगम्बर जैनों की भारतवर्षीय संस्था है। इसकी स्थापना सन १९२३ में पू० ब्र० शीतल प्रसाद जी तथा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा दिल्ली के बिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव पर हुई थी।

परिषद द्वारा किये गये कार्यों में निम्नलिखित मुख्य कार्य हैं :

क. दस्सापूजन अधिकार।
ख. अन्तर्जातीय विवाह।
ग. हरिजन मंदिर प्रवेश।
घ. विवाह के अवसर पर लेन देन पर प्रतिबन्ध।
च. सामूहिक आदर्श विवाह।

इसके अतिरिक्त परिषद के अन्तर्गत तीन विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं :

१. परिषद परीक्षा बोर्ड—यह प्रतिवर्ष विभिन्न स्तरों की धार्मिक परीक्षाओं का आयोजन करता है तथा उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र व पारितोषिक भी प्रदान करता है। इन परीक्षाओं में प्रतिवर्ष लगभग १७,००० जैन व जैनेतर छात्र व छात्राएं भाग लेते हैं।

बोर्ड के मंत्री श्री उग्रसेन जी, काशीपुर, नैनीताल हैं।

(२) परिषद पब्लिशिंग हाउस—यह जैन साहित्य के प्रकाशन की व्यवस्था करता है। यहां से परिषद के अपने प्रकाशनों के अतिरिक्त अन्य जैन संस्थाओं द्वारा प्रकाशित साहित्य भी उपलब्ध होता है।

इसके मंत्री श्री विजेन्द्र कुमार जी सर्राफ, २०४ दरीबां कलां हैं।

(३) जैन मैरिज ब्यूरो—इसके द्वारा दिगम्बर जैन समाज में अविवाहित बालक तथा बालिकाओं सम्बन्धी आवश्यक विवरण एकत्रित किया जाता है। यह सूची परिषद के पाक्षिक पत्र 'वीर' में समय समय पर प्रकाशित होती रहती हैं। इसके मंत्री प्रो० बलवन्त सिंह जी डिप्टीगंज, सदर बाजार हैं।

परिषद का मुख-पत्र 'वीर' (पाक्षिक) आजकल दिल्ली से प्रकाशित हो रहा है।

परिषद के वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :
प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कौलिंग रोड।
उप-प्रधान—श्री जयभगवान एडवोकेट, पानीपत।
प्रधान मंत्री—श्री अक्षय कुमार, प्रधान संपादक नवभारत टाइम्स १०, दरियागंज।
मंत्री—(१) श्री भगतराम, ३०२३, बहादुर गढ़ रोड।
(२) श्री हंस कुमार, २७, हैवलाक स्क्वैअर।
कोषाध्यक्ष—लाला नन्हें मल, २५, डिप्टीगंज।

३. अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस (१२, लेडी हार्डिंग रोड)—यह कान्फ्रेंस भारत वर्ष के समस्त श्वे० स्थानकवासी जैनों की प्रतिनिधि संस्था है। इसकी स्थापना सन १९०६ में मोरवी (सौराष्ट्र) में हुई थी।

कान्फ्रेंस द्वारा किये गये कार्यों में निम्नलिखित मुख्य हैं :
(१) जैन ट्रेनिंग कालेज की रतलाम व बीकानेर-जयपुर में स्थापना।
(२) बम्बई व पूना में जैन बोर्डिंग की स्थापना।
(३) पंजाब व सिंध के निर्वासित भाइयों की आर्थिक सहायता।

(४) अर्धमागधी कोष के ५ भाग, कुछ आगमों के अनुवाद तथा अन्य धार्मिक पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन।

(५) स्थानकवासी श्रमण-सम्प्रदायों को 'श्री वर्धमान स्था० जैन श्रमण-संघ' के रूप में संगठित करना।

(६) घाटकोपर में श्राविकाश्रम की स्थापना।

कान्फ्रेंस का मुख पत्र 'जैन प्रकाश' हिन्दी और गुजराती भाषा में विगत ४४ वर्षों से पाक्षिक एवं साप्ताहिक रूप में प्रकाशित हो रहा है।

अध्यक्ष—सेठ अचल सिंह एम० पी०, ८६, नार्थ एवेन्यू; स्थायी नि०—३२ गार्डन रोड, 'अचल भवन', आगरा।

उपाध्यक्ष—(१) श्री सौभाग्यमल, सुजालपुर, मध्य प्रदेश।

(२) श्री चिमन लाल चकूभाईशाह, सालिसिटर, रेखा बिल्डिंग नं० २, द्वितीय फ्लोर, रिजरोड, मलाबार हिल, बम्बई।

प्रधानमंत्री—सेठ आनन्दराज सुराना, ४१, सुन्दर नगर।

मंत्री—(१) श्री राम नारायण, (मै० सनेहीराम राम नारायण) नया बाजार।

(२) श्री गिरधारी लाल दामोदर दफ्तरी, द्वारा अ० भा० श्वे० स्था० कांफ्रेंस, डी. जी. शाह बिल्डिंग, १ पायधूनी, बम्बई—३।

(३) श्री खीमं चन्द मगन लाल वोहरा, द्वारा अ० भा० श्वे० स्था० कांफ्रेन्स, डी. जी. शाह बिल्डिंग, १ पायधूनी, बम्बई—३।

(४) श्री शांति लाल वी० सेठ, गली हीरानन्द, मालीवाड़ा।

४. अखिल भारतीय अणुव्रत समिति (प्रधान कार्यालय १५३२, चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी)—अणुव्रत आंदोलन, आचार्य श्री तुलसी जी द्वारा प्रवर्तित एक नैतिक योजना है जिससे छोटे छोटे व्रतों के माध्यम से जन-जीवन में नैतिकता जाग्रत हो सके।

समिति सम्पूर्ण भारत में अणुव्रत-अनुयाइयों को संगठित करने तथा स्थान-स्थान पर शाखाओं व अणुव्रत समितियों की स्थापना करने के लिए प्रयत्नशील है।

आंध्र प्रदेश के प्रमुख सर्वोदय नेता श्री पारस जैन समिति के अध्यक्ष हैं। दिल्ली में कार्यालय की व्यवस्था श्री गोपीनाथ जी 'अमन' मोहल्ला टोकरीवालान, तथा सेठ मोहन लाल जी कठोतिया, १५३२, चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी, की देख रेख में होती है।

समिति की ओर से 'अणुव्रत' नामक पाक्षिक पत्र भी निकलता है। इसके सम्पादक श्री मुद्राराक्षस हैं।

५. केन्द्रीय अणुव्रत विद्यार्थी परिषद (४०६३ नया बाजार)—परिषद विद्यार्थियों में नैतिक-विकास के लिए प्रयत्नशील है। इनका कार्य देश-व्यापी अणुव्रत आन्दोलन का एक अंग है। इसके व्यवस्थापक श्री प्रेम चन्द (बिरधी चन्द्र बैजनाथ) चावड़ी बाजार हैं।

६. आचार्य श्री तुलसी धवल समारोह समिति (४०६३ नया बाजार)—आचार्य श्री तुलसी जी की सन १९६२ में मनायी जाने वाली जयन्ती पर आचार्य श्री का व अणुव्रत सम्बन्धी साहित्य प्रकाशित करने की व्यवस्था इस समिति द्वारा हो रही है।

इस दिशा में अब तक के प्रकाशनों में 'आषाढ़ भूति', Light of India, पथ के गीत, विश्व शांति व अणुव्रत, आदि मुख्य हैं।

७. वीर सेवा मंदिर—वीर सेवा मन्दिर की स्थापना आचार्य जुगल किशोर जी मुख्तार 'युगवीर' द्वारा २४ अप्रेल, सन १९३६ को सरसावा में हुई। यह जैन साहित्य, इतिहास और तत्वविषयक शोध खोज के लिये सुप्रसिद्ध अन्वेषिका संस्था है। 'वीर शासन जयन्ती' जैसे पावन पर्व का उद्धार व अनेक प्राचीन मूल आगम ग्रन्थों का अनुवाद, ऐतिहासिक एवं शोध ग्रन्थों का तथा अनेकानेक नवीन जैन साहित्य ग्रंथ, लेख, निबन्ध इत्यादि के प्रकाशन का श्रेय इसी संस्था को प्राप्त है।

संस्था के पास विशाल पुस्तकालय है जिसमें अनेक प्राचीन हस्तलिखित व मुद्रित ग्रन्थ उपलब्ध हैं। इस संस्था के तत्वावधान में 'अनेकांत' मासिक प्रकाशित होता था।

इस संस्था को सुचारु रूप से चलाने के हेतु मुख्तार साहब ने 'वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट' की स्थापना [illegible] सन १९५१ में की। ट्रस्टियों के अतिरिक्त ट्रस्ट के वर्तमान पदाधिकारी निम्न प्रकार हैं:

अधिष्ठाता—आचार्य जुगल किशोर 'मुख्तार'।

मन्त्री—पं० दरबारी लाल कोठिया 'न्यायाचार्य'।

कोषाध्यक्ष,—श्री जुगल किशोर कागज़ी (धूमीमल जुगल किशोर, चावड़ी बाजार।

सन १९५४ में वीर सेवा मन्दिर के कार्य की देखभाल के लिए वीर सेवा मन्दिर सोसायटी की स्थापना हुई। सोसायटी के अधिष्ठाता मुख्तार साहब स्वयं हैं, तथा बा० छोटेलाल, २९ इन्द्रविश्वास रोड, कलकत्ता, अध्यक्ष। रायसाहब उल्फतराय ७/३३ दरियागंज, उपाध्यक्ष। श्री जयभगवान एडवोकेट, पानीपत, मन्त्री। श्री प्रेमचन्द, १८ दरियागंज, स० मन्त्री और श्री नन्हेमल, ७ दरियागंज, कोषाध्यक्ष हैं।

वीर सेवा मन्दिर का अपना विशाल भवन २१ दरियागंज में है। इसमें बाहर से आनेवाले विद्वानों के ठहरने की तथा जैन साहित्य व इतिहास के शोध की सुविधा उपलब्ध है।

स्थानीय संस्थाएं

१. जैन सभा नई दिल्ली (जैन निशी मन्दिर, लेडी हार्डिंग रोड)—सभा नई दिल्ली क्षेत्र के सभी सम्प्रदाय वाले जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

सभा की स्थापना सन १९३९ में स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल, श्री के० बी० जिनराज हेगडे (मैंगलोर), सदस्य, भूतपूर्व सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेम्बली आदि महानुभावों के सद्प्रयत्नों से हुई। स्व० शांतिदास अस्करन, शेरिफ-बम्बई व सदस्य, भूतपूर्व काउंसिल आफ स्टेट इसके प्रथम संरक्षक थे

सभा सभी सम्प्रदाय के जैनों को एक प्लेटफार्म पर लाकर उनमें पारस्परिक स्नेह बढ़ाने और संगठन के सूत्र में बांधने में प्रयत्नशील है। इस उद्देश्य से समाज को स्थानीय-स्तर पर सर्व प्रथम संगठित करने का मान इस संस्था को ही प्राप्त है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति में सभा को स्थानीय समाज के सहयोग के साथ-साथ दिल्ली से बाहर के अनेक ख्याति प्राप्त महानुभावों का भी संरक्षण व वरद हस्त प्राप्त रहा है।

सभा ने अपने शैशवकाल में ही वायसराय की कोठी (वर्तमान में राष्ट्रपति भवन) व सचिवालय-भवनों (सेक्रेटेरियट बिल्डिंग्स) के ऊपर होने वाले पक्षियों के शिकार को बन्द करवाने में सफलता प्राप्त की। उन दिनों ऐसी प्रथा थी कि प्रतिवर्ष मार्च के महीने में एक दिन निश्चित हुआ करता था। जबकि शाम को इन भवनों के विभिन्न स्थानों पर विश्राम करने वाले सहस्रों कबूतरों को अपने स्थानों से उड़ाकर वायसराय व उसके अन्य कर्मचारी उन का शिकार करते थे। सभा ने सन १९३९ में तत्कालीन वायसराय लार्ड लिनलिथगो को विरोध-पत्र (रिप्रजेंटेशन) भेजा, जिसके फलस्वरूप यह पक्षी-वध सदैव के लिये बन्द कर दिया गया।

सभा ने सन १९४१ में जैन निशी मन्दिर, जो कि सरकार द्वारा सन १९१४ में नई दिल्ली राजधानी बनाने के सिलसिले में ले लिया गया था, को पुनः प्राप्त कर उस का जीर्णोद्धार कराया।

राजकीय कार्यालयों में काम करने वाले जैनों के लिये वर्ष में तीन मास (नवम्बर, दिसम्बर व जनवरी) निश्चित समय से आधा घन्टा पूर्व जाने की अनुमति दिलवाने का श्रेय भी सभा को ही है। सभा के सतत् प्रयत्नों के फलस्वरूप सन १९५१ में यह आज्ञा (मिनिस्ट्री आफ होम एफेअर्स आ० मेमोरेंडम नं० ३२/५३/५१—प न दिनांक २९-११-५१) स्थायीरूप से प्रत्येक राजकीय कार्यालय में लागू हो रही है।

सभा ने समाज में पारस्परिक प्रेम व सौहार्द की भावना को जाग्रत करने के ध्येय से समय समय पर जैन डायरेक्ट्रीज़ का प्रकाशन किया है। इस डायरेक्ट्री का संकलन व प्रकाशन भी सभा की ओर से ही हुआ है।

सन १९५२ में सभा ने एक नर्सरी प्रायमरी स्कूल की स्थापना की। स्कूल 'जैन हैपी स्कूल' के नाम से निशी मन्दिर में स्थित है। स्कूल में हैपी प्रणाली के आधार पर नन्हें-मुन्ने बालक, बालिकाओं को शिक्षा-दीक्षा दी जाती है। इस समय स्कूल में लगभग ३०० छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल ने अपने लघु कार्य काल में ही अन्य पब्लिक स्कूलों के सदृश स्टैंडर्ड प्राप्त किया है। सभा स्कूल के लिये पृथक भवन के निर्माण के लिये भूमि प्राप्त करने में प्रयत्नशील है।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त, प्रत्येक सामाजिक व धार्मिक समस्याओं के सुलझाने में सभा का प्रमुख योगदान

रहा है। विगत वर्षों में, उदाहरणार्थ, सरकार द्वारा भ० महावीर जयंती को छुट्टी स्वीकृत करवाने, जवलपुर जैन समाज पर हुऐ अत्याचारों, रिलीजस ट्रस्ट विल आदि के सम्वन्ध में सभा ने महत्वपूर्ण योग दिया है।

वार्षिक महावीर जयंती महोत्सव आदि धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सवों के साथ साथ सभा द्वारा समय समय पर दिल्ली में पधारने वाले विद्वानों, नेताओं व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क स्थापित करने के लिये सामाजिक कार्य क्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।
उप-प्रधान—श्री पीताम्वर दास, ३७ तुर्कमान रोड।
मंत्री—श्री चक्रेश कुमार, ३८ सी, वेग्रर्ड रोड।
उप-मंत्री—(१) सतीश कुमार, ६६ ई राजावाजार।
(२) श्री कैलाश चन्द्र, २७ क्लाइव स्क्वेग्रर।
कोषाध्यक्ष—श्री टेक चन्द्र, १२ ई. वेग्रर्ड रोड।
निरीक्षक—श्री जय प्रकाश, २३ अहिल्या वाई रोड।
कार्य कारिणी-सदस्य—(१) श्री त्रिलोक चन्द्र, एफ २ ग्रीनपार्क
(२) श्री उल्फत राय, १०५ वेग्रर्ड रोड
(३) श्री कपूर चन्द्र, एलनवी रोड।
(४) श्री महेन्द्र कुमार, ३३ ई. वेग्रर्ड लेन।
(५) श्री वी. वी. कपांसी, वी. ५ पंडारा रोड।
(६) श्री जय कुमार, वंगला साहव लेन।
(७) श्री जम्बू प्रसाद, ४८ डी राजावाजार।
(८) श्री हंस कुमार, २७ हेवलाक स्केवग्रर।
(९) श्री वकील चन्द्र, ५३ डी राजावाजार।

२. दिल्ली प्रांतीय भारत जैन महामण्डल—अखिल भारतवर्षीय जैन महामण्डल की दिल्ली प्रांतीय शाखा की स्थापना सन १९४० में हुई।

प्रधान—ला० जसवंत सिंह, २५ डी कमला नगर।
उप-प्रधान—(१) सेठ मोहन लाल कठोतिया, चंद्रावल रोड।
(२) ला० नन्हेमल, डिप्टीगंज।
प्रधान मंत्री—श्री भगतराम, २०२३ वहादुरगढ़ रोड।
मंत्री—श्री शांतिलाल वी. सेठ, १०३० गली हीरानन्द मालीवाडा
कोषाध्यक्ष—श्री धनपत सिंह भंसाली, ५३ रामनगर।

३. अणुव्रत समिति दिल्ली शाखा (४०९३ नया वाजार)—दिल्ली प्रदेश के अणुव्रतियों का संगठन है।

समिति की ओर से राजधानी में समय-समय पर सार्वजनिक सभाएं इत्यादि का आयोजन होता है तथा अणुव्रत सम्बन्धी साहित्य भी प्रकाशित होता है, जिनमें अणुव्रत जीवन दर्शन, प्रेरणादीप, उठो जागो, जागृत इत्यादि पुस्तकें मुख्य हैं।

अध्यक्ष—श्री गोपीनाथ 'अमन' टोकरीवालान, पुल मिठाई।
उपाध्यक्ष—श्री मंगतराय (मै. पारसराम द्वारकादास) कटरा चोवान, चांदनी चौक।
मंत्री—सेठ मोहन लाल कठोतिया, १५३२, चंद्रावल रोड, सब्जी मंडी।
उप-मंत्री—श्री सोहनलाल वाफणा, ४०९३ नयावाजार।

४. जैन मित्र मंडल दिल्ली (कार्यालय-धर्मपुरा नया-मन्दिर जी के सामने)—मित्र मण्डल की स्थापना सन १९१५ में हुई। सन १९१७ में जैन व आर्य समाज के विद्वानों के मध्य हुए शास्त्रार्थ की आयोजना भी मित्र मंडल ने की।

मंडल ने जैन-साहित्य प्रचार के लिये अव तक भारतीय व विदेशी विद्वानों द्वारा लिखित लगभग १५० पुस्तकों का प्रकाशन किया है। सन १९२१ की सरकारी जन-गणना में प्रमुख जैन साहित्यिक संस्था घोषित होने का मान इसी संस्था को प्राप्त है।

सम्पूर्ण देश में भगवान महावीर जयंती महोत्सव को मनाये जाने की धार्मिक प्रथा को सन १९२५ में प्रथम वार प्रारम्भ करने का श्रेय भी मण्डल को ही प्राप्त है। इसी पुनीत अवसर पर नगर का वार्षिक जुलूस भी सर्व प्रथम मंडल द्वारा ही निकालने की व्यवस्था हुई थी।

मंडल के द्वारा सन १९२३ में धर्मपुरा, दिल्ली में श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी की स्थापना हुई जो अव तक सुचारू रूप से कार्य कर रही है।

सभापति—ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, [illegible]।
उप-सभापति—(१) ला० प्रेमचंद (जैना [illegible])।
(२) ला० प्रकाशचंद [illegible], [illegible]।
प्रधान मंत्री—श्री [illegible], [illegible]।

मंत्री—(१) श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, करोल बाग।
(२) श्री पन्नालाल (तेज अखबार) वकीलपुरा।
मंत्री पुस्तक भंडार—श्री विजेन्द्र कुमार सर्राफ, दरीवा कलां।
कोषाध्यक्ष—(१) श्री पूरनमल जैन जौहरी दरीवा कलां।
(२) श्री अमृतलाल, वकीलपुरा।

५. श्री जैन विद्वत् परिषद—स्थानीय जैन विद्वानों की संस्था है। परिषद के सदस्य समय समय पर धार्मिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं।

परिषद ने हाल ही में दिल्ली में सामूहिक रात्रि भोजन की कुप्रथा को बन्द करवाने के लिए आंदोलन छेड़ा था, जिसमें काफी सफलता प्राप्त हुई है।

अध्यक्ष—श्री हीरालाल 'कौशल' शास्त्री, सदर बाजार
उपाध्यक्ष—श्री बनवारी लाल, 'स्याद्वादी', २२००, गली भूतवाली, धर्मपुरा।
मन्त्री—श्री मथुरा दास शास्त्री, समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, दरियागंज।
उप-मन्त्री—श्री सुमेरचन्द शास्त्री, गली गुलियान।
कार्या० मन्त्री—श्री रिखीचन्द्र, रेवती भवन, २१, दरियागंज।

६. अखिल भारतीय महावीर जयन्ती कमेटी (१२ लेडी हार्डिग रोड)—कमेटी की स्थापना सन १९५३ में हुई। इस संस्था द्वारा राजधानी में प्रत्येक वर्ष भगवान महावीर जयन्ती महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—सेठ अचल सिंह, एम० पी०, १५० नार्थ एवेन्यू।
उप-प्रधान—(१) श्री राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।
(२) श्री कपूर चन्द्र गोधा, शांति विजय एण्ड कं०, ज्वैलर्स, जनपथ।
(३) सेठ मोहनलाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड।
(४) श्री जवाहरलाल राक्यान, खैराती लाल एण्ड सन्स ज्वैलर्स, कनाट सर्कस।
प्र० मन्त्री—श्री दौलत सिंह, गली लाड़ेवाली, माली वाड़ा।
मन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३, बहादुर गढ़ रोड।
कोषाध्यक्ष—श्री नन्हेमल, घमंडीलाल नन्हेमल, सदर बाजार।

७. श्री १००८ जम्बूकुमार संघ (३५ डिप्टीगंज)—संघ की स्थापना राजवैद्य श्री मामनसिंहजी प्रेमी द्वारा सन १९४५ में हुई।

संघ कार्य के द्वारा विश्व-शांति संदेश तथा शाकाहार भोजन के प्रचार में प्रयत्नशील है। अब तक लगभग २,५०० व्यक्तियों को शाकाहारी बनाने में सफल हुआ है। संघ सन १९५४ से प्रेमी महाविद्यालय, सोनीपत का संचालन कर रहा है। संघ की ओर से ३५ डी दिलशाद कालोनी एक्सटैंशन, जी० टी० रोड, शहादरा बोर्डर पर भगवान ऋषभदेव जी का समवसरण बनाने की योजना चल रही है। संघ का मुख-पत्र 'ज्ञान' मासिक है।

प्रधान—श्री कैलाश चन्द्र (राजा टायज़), डिप्टीगंज।
उप-प्रधान—श्री कर्मवीर सिंह, छप्परवाला कुंआ, करोल बाग़।
प्रधान मन्त्री—श्री महीपाल सिंह, ४४४ देवनगर, करोल बाग़।
मन्त्री—श्री रमेश चन्द्र ४४४ ई० देवनगर, करोल बाग़।
प्रधान महिला समिति—श्रीमती रतनमाला, २५ पूसा रोड।
मन्त्राणी—श्रीमती शान्ती देवी (लक्ष्मी मोटरकार कं०) क्वींज रोड।
कोषाध्यक्ष—श्रीमती मन्नोदेवी, ३५ डिप्टीगंज।

८. ब्यूरो आफ जैन इन्फार्मेशन (५८७, सदर बाजार)—इस संस्था की स्थापना १ सितम्बर सन १९५७ को हुई। संस्था का कार्यालय ५८७ सदर बाजार दिल्ली में स्थापित है।

ब्यूरो की ओर से 'बी० जे० आई समाचार' नाम की एक द्विभाषी (हिन्दी व अंग्रेज़ी) पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। समय समय पर जैन-अजैन पत्रों को समाचार व चित्र आदि भी निःशुल्क भेजे जाते हैं।

वर्तमान में इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स हैं:
१. श्री अतरचन्द, ४६७६, गली उमराव सिंह, पहाड़ी धीरज।

२. श्री मुनीन्द्र कुमार डी० २/६ माडल टाउन, माल रोड ।

३. श्री राजेन्द्र कुमार आर्टिस्ट प्रो० राजन आर्ट्स, ५८६, सदर बाजार ।

४. श्री सुकमाल चन्द्र २० सी०, बेअर्ड रोड ।

६. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत (कार्यालय श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा)—यह पंचायत पहले दिल्ली-हिसार-पानीपत अग्रवाल दिगम्बर पंचायत के नाम से प्रसिद्ध थी ।पंचायत द्वारा दिल्ली नगर के अग्रवाल दिगम्बर जैन मन्दिरों, ट्रस्टों तथा संस्थाओं आदि की व्यवस्था होती है ।

पंचायत समाज की स्थायी रीतियां व अन्य रीति-रिवाजों (दस्तूर-उल-अमल) को निश्चित करती है तथा उनके उलंघन पर दण्ड की व्यवस्था करती है ।

पंचायत के अन्तर्गत निम्नलिखित समितियां हैं :

(क) पंच-समिति—इसके मुख्य कार्यों में कार्यकारिणी द्वारा सामाजिक रीति-रिवाज के उलंघन पर दोषी ठहराये गये व्यक्तियों की जांच करके निर्णय देना है । वर्तमान पंच निम्नलिखित हैं :

(१) रायसाहब ला० उल्फतराय, ७/३३, दरियागंज ।
(२) ला० चुन्नीलाल एडवोकेट, कूंचा सेठ ।
(३) ला० अजित प्रसाद कोठी वाले धर्मपुरा ।
(४) ला० इन्दर सेन (सीमेंट मार्केटिंग) ५ ए, दरियागंज ।
(५) रिक्त ।

मंत्री—ला० हुकमचन्द, धर्मपुरा ।
स० मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, ३१ चावड़ी बाजार ।

(ख) कार्यकारिणी समिति :
सभापति—ला० डिप्टीमल, चांदनी चौक ।
मंत्री—ला० रनजीत सिंह जौहरी, दरीबा कलां ।
स० मंत्री—ला० विमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा ।
कोषाध्यक्ष—ला० कुन्दनलाल मादीपुरिया, कटरा खुशालराय ।

(ग) प्रबन्धकारिणी समिति—इसके अन्तर्गत ३ कमेटियां कार्य करती हैं ।

(१) कमेटी मंदिरान-धर्मशालाएं, उदसीनाश्रम, अस्पताल परिदगान व साहित्य-सदन ।
सभापति—ला० जगाधर मल, गली संगतराशान, दरीबा कलां ।
मंत्री—ला० अतर चन्द जौहरी, वैदवाड़ा ।
स० मन्त्री—श्री विमल प्रसाद पीतल वाले धर्मपुरा ।

(२) रथयात्रा कमेटी—
सभापति—ला० श्योप्रसाद कोठीवाले, कूंचा सेठ ।
मन्त्री—ला० त्रिलोकचन्द कमीशन एजेण्ट, धर्मपुरा ।

(२) जायदाद कमेटी—
सभापति—ला० हरिश्चन्द्र वकील, छत्ता प्रताप सिंह, किनारी बाजार ।
मन्त्री—ला० हरिश्चन्द्र पीतल वाले, शीशमहल, पायवालान ।

१०. श्री खंडेलवाल दि० जैन पंचायत–पंचायत स्थानीय खंडेलवाल दिगम्बर जैनों की धार्मिक व सामाजिक संस्था है । पंचायत के द्वारा :

(१) श्री दि० जैन मन्दिर, वैदवाड़ा ।
(२) श्री दि० जैन मन्दिर, जयसिंहपुरा ।
(३) श्री शांतिसागर दि० जैन पाठशाला, वैदवाड़ा ।
(४) श्री शांतिसागर दि० जैन औषधालय । तथा
(५) श्री दि० जैन धर्मशाला, वैदवाड़ा, की व्यवस्था होती है ।

प्रधान—ला० कपूरचन्द्र, १३१६ वैदवाड़ा ।
उप-प्रधान—ला० परसादी लाल पाटनी, मारवाड़ी कटरा, नई सड़क ।
मन्त्री—ला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोलमार्किट ।
स० मन्त्री—ला० रूपचन्द, १२७३, वैदवाड़ा ।
कोषाध्यक्ष—ला० हजारी लाल (मै. हजारी लाल शांतिलाल) चावड़ी बाजार ।

११. श्री पद्मावती दि० जैन पंचायत, (कार्यालय पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर, मस्जिद खजूर)—स्थानीय पद्मावती पुरवाल दि० जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है । श्री पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था भी पंचायत द्वारा होती है ।

प्रधान—पं० लाल बहादुर शास्त्री, समंतभद्र विद्यालय, दरियागंज।

उप-प्रधान—ला० गुलज़ारी लाल (जैन रेस्टोरेन्ट), दरीबा कलां।

मन्त्री—पं० बनवारीलाल स्याद्वादी, २२०० गली भूत-वाली।

उपमन्त्री—ला० रामचन्द्र निकल वाले, चावड़ी बाजार।

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद सर्राफ, दिल्ली दरवाज़ा।

१२. श्री जैसवाल जैन सभा—सभा अ० भा० जैसवाल जैन महासभा की दिल्ली शाखा है। सभा का मुख्य कार्य स्थानीय जैसवाल जैनों को संगठित करना तथा उनके लिए पंचायत-रूप उत्तरदायित्व की पूर्ति करना है। सभा द्वारा समय समय पर सामाजिक उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।

मंत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ४७/८३ दरियागंज।

उप-मंत्री—श्री सुरेश कुमार, ४८६ एम. पी. टी., सरोजिनी नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री राम बहादुर, २१/८४ लोदी कालोनी।

१३. श्री श्वेताम्बर तेरापन्थी सभा (४०६३, नया बाजार)—जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। सभा द्वारा विगत वर्ष सन १९६० में तेरापन्थी द्विशताब्दी समारोह का आयोजन टाउन हाल में किया गया था।

अध्यक्ष—श्री गिरधारी लाल, (बिरधी चन्द जैन एण्ड सन्स) चावड़ी बाज़ार।

उपाध्यक्ष—(१) श्री मंगतराम (परसराम द्वारका दास), कटरा चोबान।

(२) श्री बुधसेन (सिंघवी इंडस्ट्रीज) १० वैस्ट बैंक साइड, सदर थाना रोड।

मंत्री—श्री लाजपत राय (भिक्षा लाल रणजीत सिंह) कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली।

उपमंत्री—श्री सूरजभान (सूरजभान लक्ष्मी चन्द) पत्ते वाली गली, नया बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री बाल चन्द, (मै० बिरधी चन्द नोनग राम) चावड़ी बाजार।

१४. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (कटरा धूलिया, चांदनी चौक)—संघ की स्थापना सन १९५५ में हुई। संघ द्वारा श्वे० स्थानकवासी साधुओं व साध्वियों के चातुर्मास आदि की व्यवस्था, धार्मिक उपदेशों व प्रवचनों तथा अन्य धार्मिक उत्सवों का आयोजन किया जाता है। संघ की समस्त गतिविधियों का केन्द्र श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महावीर भवन (बारादरी), चांदनी चौक है।

प्रधान—लाला राम नारायन (फर्म-सनेहीराम राम नारायन) नया बाजार।

उप-प्रधान—लाला रामलाल सर्राफ, १३९० चांदनी चौक।

मंत्री—लाला मोहर सिंह (फर्म शादीराम मोहर सिंह) कटरा मारवाड़ी, नई सड़क।

उपमंत्री—श्री बद्री प्रसाद, ५७ महावत खां रोड।

कोषाध्यक्ष—मा० शाम लाल, ९३ बड़शाबूला, चावड़ी बाज़ार।

१५. श्री अग्रवाल दिगम्वर जैन समाज, (V/७३, मोती बाजार, चांदनी चौक)—समाज की स्थापना सन १९५९ में हुई। समाज दिल्ली नगर के प्रगतिशील अग्रवाल दिगम्बर जैनों की पंचायत है। चालू वर्ष के प्रारम्भ में समाज द्वारा भगवान ऋषभ जयन्ती महोत्व मनाया गया।

प्रधान—लाला पारसदास मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

उप-प्रधान—(१) लाला केशव दास, डेरी वाले, गली लेसवान, चांदनी चौक।

(२) लाला त्रिलोक चन्द्र, कपड़े वाले, गली लेसवान, चांदनी चौक।

(३) लाला प्रताप सिंह, मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

(४) श्री फीरोजी लाल वकील, क्लाथ मार्केट।

प्रधान मंत्री—श्री श्रीपाल, २६४४ गली पीपल वाली, धर्मपुरा।

मंत्री—(१) श्री खुशी राम, १२९३ वकील पुरा।

(२) श्री अतर सेन, ३६१६ चावड़ी बाजार।

(३) सुदर्शन लाल, २२५७ गली अनार, किनारी वाजार।

(४) श्री दर्शन लाल (म्यूनिसिपल कार्पोरेशन), २०, म्यू० कालोनी, कमला नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री दयाल सिंह कपड़े वाले, १३०१, कटरा धूलिया।

१६. श्री दिल्ली गुजराती जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ (२०५८ किनारी वाजार)—स्थानीय गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैनों की प्रमुख संस्था है। वाहर से आये गुजराती संघ आदि की सुविधा की व्यवस्था करना भी संघ के कार्यों में उल्लेखनीय है।

१७. जैन सभा दरियागंज—दरियागंज क्षेत्र के समस्त जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है। सभा की ओर से पर्यूषण-पर्व के पश्चात वार्षिक रथयात्रा का आयोजन होता है।

प्रधान—श्री मंगत राम, ४८ दरियागंज।

उप-प्रधान—श्री प्रेम चन्द्र, आनन्द भवन, १८ दरियागंज।

मंत्री—श्री बाल कृष्ण सरावगी, ७ दरियागंज।

उप-मंत्री व कोषाध्यक्ष—श्री आनन्द प्रकाश, ७५ दरियागंज।

सभा की ओर से एक बर्तन-भण्डार भी चल रहा है। इसकी व्यवस्था श्री जैनेन्द्र प्रकाश, २१ दरियागंज, करते हैं।

१८. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत (पहाड़गंज)—पंचायत की औपचारिक स्थापना तथा रजिस्ट्रेशन सन १९५६ में हुई। यह पहाड़गंज व रामनगर क्षेत्र की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह, मंटोला।

उप-प्रधान—लाला महावीर प्रसाद, मंटोला।

मंत्री—लाला श्री चन्द, मंटोला।

सं० मंत्री—लाला शीलचन्द, पहाड़ गंज।

कोषाध्यक्ष—लाला अतर सेन, मंटोला, पहाड़ गंज।

१९. श्री दिगम्बर जैन पंचायत सब्जी मंडी—पंचायत की औपचारिक तौर पर स्थापना सन १९५० में हुई। यह सब्जी मंडी के दिगम्बर जैनों की प्रमुख सामाजिक संस्था है। स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी, की व्यवस्था इसी पंचायत की देख रेख में होती है।

प्रधान—श्री लट्टोमल, (मैं० लट्टोमल नानूराम, ४२०० आर्यपुरा) सब्जी मंडी।

उप-प्रधान—श्री महावीर प्रसाद, ३७ जैना विल्डिंग, रोशनआरा रोड।

मंत्री—चौ० जम्बू प्रसाद, ४११०, गली जैन मन्दिर।

स० मन्त्री—मा० ओम प्रकाश, सब्जी मन्डी।

जनरल भण्डारी—पं० उल्फ़त राय, ४१०८, गली जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी।

वर्तन भंडारी—लाला वावूराम, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

शास्त्र भंडारी—वावू आत्माराम, ४३३८, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

कोषाध्यक्ष—श्री छज्जू मल, (द्वारा मैं० लट्टोमल नानूमल) सब्जी मन्डी।

२०. श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, (४०-एफ, कमला नगर)—सभा की स्थापना रावल पिंडी से आये हुए श्वे० स्थानकवासी जैनों द्वारा सन १९४७ में हुई। सभा अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त कमला नगर कालोनी में स्थित श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, श्री महावीर जैन मांटेसरी स्कूल, तथा दो स्थानकों का संचालन व उनकी व्यवस्था का कार्य कर रही है।

प्रधान—लाला वोधराज, मटके वाली गली, सदर वाजार।

उप-प्रधान—लाला लालचन्द, पलाय मार्केट, श्या० मुकर्जी मार्ग।

मन्त्री—श्री अमर नाथ (डिफेंस मिनिस्ट्री)।

कोषाध्यक्ष—श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर।

२१. श्री दिगम्बर जैन पंचायत रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया—रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया के दिगम्बर जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। पंचायत स्थानीय चैत्यालय की व्यवस्था भी करती है।

प्रधान—श्री दीवान चन्द, ८८-ए कमला नगर।

उप-प्रधान—श्री तारा चन्द, २६/१६ शक्ति नगर।

मन्त्री—श्री सरूप सिंह, २७/६ कमला नगर।

उप-मन्त्री—श्री मानक चन्द, ३३६०-ए, प्रेम नगर।

भंडारी—श्री अनूप सिंह, २६/७ शक्ति नगर।

कोपाध्यक्ष—श्री गुणवन्त राय, ६६-इ. कमला नगर।

२२. जैन सभा माडल टाउन (कार्यालय, वी ५/१२ माडल टाउन, माल रोड)—माडल टाउन व निकटवर्त्ती वस्तियों में रहने वाले जैन वन्धुओं के संगठन के उद्देश्य से मार्च सन १६६१ में इस सभा की स्थापना हुई। माडल टाउन, किंग्ज्वे कैम्प, विजय नगर, रिषभ नगर, रामेश्वर नगर, इन्द्रा नगर, आजादपुर, व मोहन पार्क आदि कालोनियों में रहने वाले जैनी इस सभा के सदस्य हैं।

सभा की ओर से २ अप्रेल १६६१ को एक विशाल पंडाल में महावीर जयन्ती का उत्सव मनाया गया। जिसमें अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त एक विशाल मुशायरे का भी आयोजन किया गया। वर्तमान में सभा की ओर से एक शिखर युक्त मन्दिर बनाने की योजना चल रही है। इस मन्दिर के साथ साथ एक औषधालय व पुस्तकालय के स्थापना की योजना भी है।

सन १६६१-६२ के लिए सभा के निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गये हैं :

प्रधान—श्री मोती राम, फर्नीचर वाले, सी-११/१० माडल टाउन।

उप-प्रधान—श्री दर्शन लाल, म्यु० कारपोरेशन वाले, डी. एम. सी., कालोनी।

मन्त्री—श्री मुनीन्द्र कुमार, कृषि मन्त्रालय वाले, डी. २/६ सूरज, सदन माडल टाउन।

उप-मन्त्री—श्री चन्द्रभान, अध्यापक, डी. एम. सी. कालोनी।

कोपाध्यक्ष—श्री शिवचरण दास, पं० ने० बैंक वाले, वी० ५/१२ माडल टाउन।

२३. श्री दिगम्बर जैन पंचायत करोल बाग (दिगम्बर जैन मन्दिर, छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग)—इस पंचायत की ओर से दिगम्बर जैन मन्दिर छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग तथा जैन विद्या मन्दिर छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग का प्रबन्ध होता है।

पंचायत की स्थापना सन १६४६ में हुई।

प्रधान—श्री नेमचन्द्र, वी १३/२८ देवनगर।

उपप्रधान—(१) श्री सतिन्द्रनाथ, २४ नाई वाली गली, करोलबाग।

(२) श्री त्रिलोक चन्द्र, ४४४ ई. देव नगर।

मन्त्री—श्री जुगमंदरदास, ६७ नाई वाली गली, करोल बाग।

उपमन्त्री—(१) श्री जुगमंदरदास, रहगड़पुरा, करोल बाग।

(२) श्री सुमेरचन्द्र, अब्दुल अजीज रोड, करोल बाग।

कोपाध्यक्ष—श्री विमल प्रसाद, २१ नाई वाली गली, करोल बाग।

भंडारी—(१) श्री मूलचन्द्र, अब्दुल अजीज रोड, करोल बाग।

(२) श्री केशरी प्रसाद, जोशी रोड, करोल बाग।

२४. श्री दिगम्बर जैन पंचायत रोहतक रोड—पंचायत की स्थापना सन १६५५ में हुई। पंचायत ने स्थापना के समय से तीन वर्ष ही में एक अस्थाई चैत्यालय का रोहतक रोड में आयोजन किया। सन १६५६ में ५ सी. रोहतक रोड में स्थायी दि० जैन मन्दिर का निर्माण कराया।

सभापति—ला० प्रेम चन्द, (जैना वाच कं०)७/३२ दरियागंज।

उप-सभापति—(१) ला० दयाचन्द (जैन वूल शाप) २४, रोहतक रोड।

(२) ला० होरी लाल ५ सी/३६, रोहतक रोड।

मंत्री—ला० उग्रसेन, ५३-डी देवनगर।

उप-मंत्री—श्री वी. सी. जैन (दिल्ली क्लाथ मिल्स)

कोपाध्यक्ष—ला० पदम सिंह, ४ सी/६ रोहतक रोड।

२५. श्री दिगम्बर जैन पंचायत देवनगर—पंचायत की स्थापना सन १६५४ में हुई।

भाद्रपद मास में देवनगर तथा आस-पास की वस्तियों में रहने वाले जैन वन्धुओं की सुविधार्थ एक अस्थाई मंदिर का आयोजन प्रति वर्ष इस पंचायत द्वारा किया जाता है। पंचायत के द्वारा एक स्थाई मन्दिर के निर्माण की योजना चल रही है।

वर्तमान समिति :

१. श्री लाल चन्द-५७५६ देवनगर, करोल बाग।

२. श्री पन्नालाला, शिवनगर, करोल बाग।

३. श्री उग्रसेन, ५३-डी देव नगर, करोलबाग।

४. श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, देव नगर, करोलबाग।

५. ला० इन्दर सैन, ५० ए० गली नं० १, कृष्णनगर।

६. ला० चेतनलाल, देवनगर बस स्टैंड के पास।

२६. श्री दि० जैन पंचायत, मोडल वस्ती—मोडल वस्ती क्षेत्र के दि० जैनियों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है।

पंचायत की ओर से पर्यूषण पर्व पर एक अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था की जाती है। स्थायी मन्दिर के निर्माण के लिये भी पंचायत प्रयत्नशील है।

प्रधान—श्री सुलतान सिंह, ३७ मोडल वस्ती।

उप-प्रधान—श्री जोती प्रसाद, १०२ ए, मोडल वस्ती।

मंत्री—श्री दया दीपक प्रकाश, २७, मोडल वस्ती।

उप मंत्री—श्री राम भज, मंडी अनाज, मोडल वस्ती।

कोषाध्यक्ष—श्री खूब चन्द्र, १०५ मोडल वस्ती।

२७. श्री दिगम्बर जैन बिरादरी—बिरादरी की स्थापना सन १९४० में हुई। यह नई दिल्ली के दिगम्बर जैनों की पंचायत है।

बिरादरी द्वारा भगवान् महावीर जयंती के अवसर पर स्थानीय वार्षिक रथयात्रा का आयोजन, श्रुत पंचमी पर्व, पर्यूषण पर्व तथा अन्य धार्मिक पर्वों पर सामूहिक पूजन, शास्त्र प्रवचन, कीर्तन, भजन आदि की व्यवस्था तथा जैन साहित्य के प्रचार व शास्त्र-स्वाध्याय की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिये शास्त्र- भण्डार में उपयुक्त साहित्य का संचय कर उसका प्रवन्ध किया जाता है।

प्रधान—ला० राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।

उप-प्रधान—ला० माम चन्द ठेकेदार, ६५ जैन मन्दिर रोड।

मंत्री—श्री वलवीर चन्द्र, ३६ वाई. चित्रगुप्त रोड।

उप-मंत्री—श्री वकील चंद्र, ५३ ई. राजाबाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री राजाराम, ३८ सी. बेअर्ड रोड।

२८. जैन सभा लोदी कालोनी—लोदी कालोनी व अन्य निकट के क्षेत्रों के जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है। सभा के कार्यों में चैत्यालय की स्थापना व वार्षिक महावीर जयंती महोत्सव मुख्य हैं।

प्रधान—श्री शुभचन्द्र, ८/II८०६, लोदी कालोनी।

उप-प्रधान—श्री प्रेमचन्द्र, २३/१७०, लोदी कालोनी।

मन्त्री—श्री कामता प्रसाद, सी-२/११०, लोदी कालोनी

सं० मन्त्री—श्री सतीश चन्द्र, सी-२/११०, लोदी कालोनी।

(२) श्री सुखानन्द कुमार, १०/२३७, लोदी कालोनी।

कोषाध्यक्ष—श्री रामरक्षपाल, १७/६१८, लोदी कालोनी।

२९. जैन सभा जंगपुरा, भोगल—यह जंगपुरा (भोगल) उप नगर के जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। सभा की स्थापना लगभग १० वर्ष पूर्व हुई थी।

सभा द्वारा स्थानीय दि० जैन चैत्यालय, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, व औषधालय की व्यवस्था होती है।

प्रधान—ला० फतेह चन्द, सेंट्रल रोड, जंगपुरा।

मंत्री—श्री सुमेर चन्द्र, समन बाजार, जंगपुरा।

कोषाध्यक्ष—ला० सुलतान सिंह, भोगल रोड, जंगपुरा।

३०. जैन सभा (दक्षिण)—इस सभा की स्थापना सन १९५४ में हुई। यह सफ़दरजंग हवाई अड्डे के दक्षिण पश्चिम नवीन गवर्नमेंट कालोनीज़ आदि क्षेत्रों में रहने वाले जैनों की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था है। सभा द्वारा भ० महावीर जयंती महोत्सव, पर्यूषण-पर्व तथा भ० महावीर निर्वाण महोत्सव आदि का आयोजन किया जाता है। पर्युषण पर्व पर एक चैत्यालय भी स्थापित किया जाता है। इसके अतिरिक्त समय समय पर धार्मिक प्रवचन व सामाजिक उत्सव का आयोजन भी होता है। विगत कुछ मास से नेताजी नगर में एक नियमित चैत्यालय की स्थापना की गई है जहां जैन साहित्य का संकलन भी है।

प्रधान—श्री सुमेर चन्द्र, डी-II/२८६ विनय मार्ग।

उप-प्रधान—श्री अजीत प्रसाद बी-९२ (६० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर।

उप-प्रधान—श्री मेहर चंद, टी सी. १०४८ सरोजिनी नगर।

महा मंत्री— श्री रमेशचंद्र, बी-४९ लक्ष्मीबाई नगर।

उप-मंत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ई. पी. टी. ११० सरोजिनी नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री जगत प्रसाद, डी-३७ लक्ष्मीबाई नगर।

क्षेत्र १—मंत्री—श्री त्रिलोकचंद, सी-६०१ सरोजिनी नगर।

" —उपमंत्री—श्री शांति प्रसाद, एक्स. २२७ सरोजिनी नगर।

क्षेत्र २—मंत्री—श्री वीरेन्द्र कुमार, जी-६२२ सरोजिनी नगर।

" —उपमंत्री—श्री प्रकाश चंद्र, एच-१०० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ३—मंत्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद, के-७७ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चन्द्र, ई. टी.टी. ११० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ४—मंत्री—श्री नमेश्वर दास, बी. डी. १०४२ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चंद्र, जी. आई. सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ५—मंत्री—श्री निरंजन दास, जी. आई. सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ६—मंत्री—श्री सोहनलाल, ए-१०५ लक्ष्मीबाई नगर।

" उपमंत्री—श्री बूटा सिंह, बी-६६ लक्ष्मीबाई नगर।

क्षेत्र ७—मंत्री—श्री नंद लाल, युसफसराय।

३१. जैन सभा मोती बाग—सभा की स्थापना सन १६५६ में हुई। यह सम्पूर्ण मोती बाग़ क्षेत्र के जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री प्रकाश चन्द्र, बी-११६ मोती बाग़ I।

उप-प्रधान—श्री रतन लाल, बी ७ दक्षिण मोती बाग़।

मंत्री तथा कोषाध्यक्ष—श्री सुमत प्रसाद, ए-३०१ मोती बाग़ I।

३२. जैन समाज शहादरा—यह समाज शहादरा के दिगम्बर जैनों की पंचायत है। इसकी स्थापना लगभग १५ वर्ष पूर्व हुई। अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त स्थानीय दि० जैन मन्दिर जी, दि० जैन धर्मशाला व मिडिल स्कूल की व्यवस्था करती है।

प्रधान—ला० नन्द किशोर, फरश बाजार, शहादरा।

उप-प्रधान—ला० लक्ष्मी चंद्र, गली मंदिर वाली शहादरा।

मन्त्री—ला० भब्बूमल, टेली० एक्सचेंज के सामने, जी० टी० रोड, शहादरा।

सं० मन्त्री व कोषाध्यक्ष—ला० रमेश चन्द्र, बूरा मंडी शहादरा।

३३. जैन सभा चिराग़ दिल्ली—यह चिराग़ दिल्ली क्षेत्र के दिगम्बर जैनों की धार्मिक एवं समाजिक संस्था है। सभा द्वारा स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था होती है तथा वार्षिक पर्यूषण पर्व के पश्चात जलयात्रा महोत्सव व अन्य धार्मिक समारोह किये जाते हैं।

३४. श्री अग्रवाल दि० जैन पंचायत नजफगढ़—पंचायत स्थानीय दिगम्बर जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। यह स्थानीय मन्दिर जी, धर्मशालाओं तथा बगीची के साथ अन्य सम्बन्धित जमीन व जायदाद आदि का प्रबन्ध करती है।

अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर प्रति वर्ष रथयात्रा व जलयात्रा महोत्सव भी पंचायत द्वारा आयोजित किया जाता है।

प्रधान—ला० पन्नालाल, तेज अखबार वाले।

उप-प्रधान—ला० भगवानदास, (मै० भगवानदास धर्मवीर, क्लाथ मर्चेंट), नजफगढ़।

मन्त्री—ला० जयतीं प्रसाद, नजफगढ़।

कोषाध्यक्ष—श्री अतर सेन, नजफगढ़।

पंचायत की ओर से मन्दिर कमेटी निम्नलिखित पदाधिकारियों की है :

प्रधान—ला० नत्थूमल, इंजीनियर, नजफगढ़।

मन्त्री—ला० दरबारीलाल, टिम्बर मर्चेंट, नजफगढ़।

३५. जैन सभा मिंटो रोड—सभा की स्थापना सन १६५१ में हुई। यह सभा मिंटो रोड तथा उसके निकट के क्षेत्रों में रहने वाले जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री फतेह चन्द, ५७, मीरदर्द रोड।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री प्रेमसागर, ७६ रनजीतसिंह रोड।

३६. जैन बन्धु (श्रीनिवासपुरी)—यह श्रीनिवासपुरी उपनगर के जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री कीर्तिचन्द्र, जी. ३३४, श्री निवासपुरी।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री शीतल प्रसाद, जी. ३२६, श्रीनिवासपुरी।

३७. श्री आत्मानन्द जैन सभा (२/८२, रूपनगर)—इस सभा, की स्थापना सन १६४८ में हुई। यह रूपनगर

क्षेत्र के श्वेताम्वर-मूर्तिपूजक जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। सभा के द्वारा जैन मन्दिर, रूपनगर का निर्माण व प्रतिष्ठा हुई है। साधु व साध्वियों के लिये एक उपाश्रय का निर्माण करवाने में भी यह सभा प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० सुन्दरलाल, ४० यू० ए० बंगलो रोड, जवाहर नगर।

उप-प्रधान—ला० खैरातीशाह गली मन्दिर वाली, २/८० रूपनगर।

मन्त्री—ला० इन्द्र प्रकाश, पंजाब नेशनल बैंक, कश्मीरी गेट।

स० मन्त्री—ला० अमीचन्द्र, २/८० रूपनगर।

कोषाध्यक्ष—ला० रामलाल (फर्म-मनोहर लाल रामलाल) रूपनगर।

३८. श्री पार्श्वनाथ युवक मण्डल (जैन धर्मशाला, पहाड़ी धीरज)—मण्डल की स्थापना सन १९४० में हुई। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उप-संस्थाएं कार्य कर रही हैं:

(१) श्री शिवदयाल जैन फ्री नाइट स्कूल, पहाड़ी धीरज।

(२) वर्तन भंडार समिति, पहाड़ी धीरज।

(३) टी० वी० निवारण समिति।

(४) जन-सम्पर्क समिति, व

(५) सिलाई-मशीन वितरण समिति।

इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक अवसरों पर सामूहिक आयोजन भी होते हैं।

प्रधान-हेमचन्द्र (एक्स-एम० एल० ए०) ४६९०, गली उमराव वाली, पहाड़ी धीरज।

उप-प्रधान—(१) श्री सुल्तान सिंह, ४१७८, गली अहीरन, पहाड़ी धीरज।

(२) मामचन्द्र, ४५९४, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज।

मन्त्री—श्री करमचन्द्र, ७१२१ मंडीघास, प० धीरज।

उप-मन्त्री—श्री दयादीपक प्रकाश, २७-ए, मोटल बस्ती।

कोषाध्यक्ष—श्री फीरोजी लाल, प्रेम भवन, पहाड़ी धीरज।

३९. श्री जैन संगठन सभा (पहाड़ी धीरज, सदर बाजार)—सभा की स्थापना सन १९२३ में हुई। यह पहाड़ी धीरज व सदर के जैनों की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्था है। सभा के कार्यों में निम्नलिखित विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं:

(१) जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय—

पुस्तकालय में अंग्रेजी, हिन्दी व उर्दू की लगभग १०,००० पुस्तकें हैं, वाचनालय में लगभग ५० दैनिक, साप्ताहिक इत्यादि, पत्र पत्रिकाएं आते हैं। इस विभाग के मन्त्री श्री सूरजभान गुप्ता घड़ी वाले व अजित प्रसाद, पहाड़ी धीरज, वाले हैं।

(२) जैन धार्मिक ग्रन्थ भण्डार—

भण्डार में लगभग २००० ग्रन्थों का संग्रह है। स्वाध्याय के लिये ग्रन्थ निःशुल्क दिये जाते हैं भंडार की ओर से ४ साप्ताहिक तथा १० मासिक पत्र भी मंगाये जाते हैं।

भंडार-मन्त्री श्री महावीर प्रसाद हैं।

(३) जैन मैरिज ब्यूरो—

शादी योग्य युवक व कन्याओं का ब्योरा उपलब्ध करना व विवाहों में सादगी इत्यादि को प्रोत्साहन देना मुख्य कार्य हैं। इसके मन्त्री बलवन्त सिंह, वाइस-प्रिंसिपल, हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदर बाजार हैं।

(४) प्रकाशन विभाग—

धार्मिक विषयों पर ट्रेक्ट प्रकाशित किये जाते हैं। इस विभाग के मन्त्री श्री एन० आर० शाह, पहाड़ी धीरज हैं।

प्रधान—श्री नन्हेमल २५, डिप्टीगंज।

उप-प्रधान—श्री नेमचन्द्र (ईंट वाले)।

मन्त्री—डा० फूल चन्द, पहाड़ी धीरज।

उपमन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३ बहादुरगढ़ रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री [illegible] चन्द्र, पहाड़ी धीरज।

४०. आत्मानन्द जैन सभा (प्रेम भवन, [illegible] बाजार)—सभा के सदस्यों की कीर्तन मण्डली ख्याति-प्राप्त है।

प्रधान—श्री [illegible] लाल, [illegible]।

मन्त्री—श्री इन्द्र प्रकाश, पंजाब नेशनल बैंक कश्मीरी गेट।

४१. श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन (मैनेजिंग कमेटी, २०४६, किनारी बाजार)—इस कमेटी की स्थापना सन १९५५ में हुई। यह कमेटी बाहर से आये हुए श्वेताम्बर मूर्तिपूजक साधुओं व साध्वियों के ठहरने इत्यादि की व्यवस्था करती है। इसके अतिरिक्त इसके द्वारा एक सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय भी चलाया जा रहा है।

प्रधान—श्री नानक चन्द, जैना होजरी वर्क्स, कुतुब रोड।

उप-प्रधान—श्री रतनलाल दूगड़, शीशमहल, कटरा खुशालराय।

मन्त्री—श्री अजय कुमार, १८०३, चीरा खाना, माली वाड़ा।

उप-मन्त्री—श्री प्रताप चन्द, कटरा खुशालराय।

कोषाध्यक्ष—श्री विजय सिंह, नौघरा, किनारी बाजार।

४२. जैन तरुण समाज (चीराखाना)—समाज की स्थापना लगभग ३० वर्ष पूर्व सर्वश्री दौलतसिंह जी, कमला प्रसाद जी व राजेन्द्र कुमार जी के सदप्रयत्नों से हुई। समाज द्वारा असहायों को आर्थिक सहायता की व्यवस्था की जाती है तथा शादी के अवसर पर पाणि-ग्रहण संस्कार सम्बन्धी उपकरण उपलब्ध किये जाते हैं।

प्रधान—श्री रोशनलाल (मै० मोहनलाल रोशनलाल, सर्राफ) चांदनी चौक।

उप-प्रधान—श्री नौरतन चन्द, गली अनार, किनारी बाजार।

मन्त्री—श्री दौलतसिंह, १००४, गली लाड़े वाली माली वाड़ा।

उप-मन्त्री—श्री अक्षयकुमार, चीराखाना।

कोषाध्यक्ष—श्री ज्ञानचन्द सूजन्ती, सत्ताइसघरा, किनारी बाजार।

४३. जैन विद्यार्थी मण्डल (जैन भवन, मकान न० ४८६४, २४ दरियागंज)—मण्डल की स्थापना सन १९३५ में हुई।

मण्डल की ओर से प्रतिमास एक पत्रिका 'ज्ञान ज्योति सरकुलर' के नाम से प्रकाशित की जाती है। इसके अति-रिक्त मण्डल धर्मार्थ होम्योपैथिक औषधालय का भी संचालन होता है। मण्डल के मन्त्री डा० हरनारायण दास जी हैं।

४४. जैन विद्यार्थी सभा (जैन साहित्य सदन, चांदनी-चौक)—सभा की स्थापना स्थानीय विद्यार्थी नवयुवकों द्वारा सन १९६० में हुई। सभा जैन विद्यार्थियों की साहित्यिक संस्था है।

प्रधान—श्री गोकुल प्रसाद, २१ दरियागंज

मंत्री—श्री नेमी चन्द्र, दि० जैन लाल मन्दिर, चांदनी चौक।

४५. जैन प्रेम सभा (चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं, तथा एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते हैं।

सभा का एक वर्तन भंडार है जिससे शादी विवाह के लिये वर्तन उपलब्ध होते है।

प्रधान—ला० शाम लाल, ४ टोडरमल रोड।

उप-प्रधान—(१) ला० मुंशीलाल कागज़ी, मुंशी निकेतन, आसफ अली रोड।

(२) ला० प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरियागंज।

मंत्री—ला० कुन्दन लाल मादीपुरिया, कटरा खुशाल-राय।

सं० मन्त्री—ला० पवन कुमार, कोठी वाले दरीबां-कलां।

कोषाध्यक्ष—ला० जुगल किशोर कागज़ी, दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार।

४६. जैन सत्संग सोसाइटी (गली गुलियान)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनो-रंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं तथा एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते हैं।

प्रधान—ला० रतन लाल बिजली वाले, दरियागंज।

मंत्री—श्री विमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा।

४७. जैन वीर सभा (गली गुलियां, चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनो-रंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं तथा एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते हैं।

सभा के वर्तन भण्डार से शादी विवाह के लिये वर्तन भी उपलब्ध होते हैं।

प्रधान—ला० फकीर चन्द, ११ दरियागंज।

उप-प्रधान—ला० चेतनदास, कूंचा आलम चन्द किनारी बाजार।

मन्त्री—ला० छगनलाल, द्वारा चिरंजीलाल छगनलाल कटरा अशर्फी।

उप-मन्त्री—ला० अतर चन्द, वकीलपुरा।

कोषाध्यक्ष—ला० सुमेर चन्द, दिल्ली वनस्पति सिंडीकेट, छःघरा।

भंडारी—ला० अमृतलाल, वकीलपुरा।

कोठारी—ला० रघुवीर सिंह, धर्मपुरा।

४८. जैन सेवा समिति (कूंचा बुलाकी बेगम)—समिति के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं तथा एक दूसरे के सुख दुख में सम्मिलित होते हैं।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, (मै० मनोहर लाल अजित प्रसाद) कपड़े वाले।

उप-प्रधान—(१) श्री जैनी लाल, धर्मपुरा।
(२) श्री विशम्भर सहाय सर्राफ, ७ दरियागंज।

मन्त्री—(१) श्री अजीत प्रसाद पीतल वाले, धर्मपुरा।
(२) श्री धन्नामल, कूंचा बुलाकी बेगम।

कोषाध्यक्ष—(१) श्री हुकुम चन्द्र सर्राफ, कूंचा बुलाकी बेगम।
(२) श्री नरेन्द्र कुमार सर्राफ, २५४० धर्मपुरा।

भंडारी—(१) श्री बसंत लाल, कार्यालय सेवा समिति।
(२) श्री अमृत लाल वकीलपुरा।

४९. दिगम्बर जैन महिला समाज (सतघरा धर्मपुरा)—समाज जैन महिलाओं में जाग्रति उत्पन्न करने तथा उनको उन्नत बनाने में प्रयत्नशील है। समाज सतघरे के दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा करती है। समाज एक महिला पाठशाला का संचालन भी कर रही है जिसमें धार्मिक शिक्षा तथा हिन्दी परीक्षाओं का प्रबन्ध है। समाज की ओर से वार्षिक भ० महावीर जयंती महोत्सव तथा समय समय पर सार्वजनिक सभा आदि का आयोजन होता है।

अध्यक्षा—श्रीमती सुशीला सुलतान सिंह, कश्मीरी गेट।

मंत्राणी—श्रीमती सूरजदेवी, वकीलपुरा।

आदर्श समाज—समाज के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं।

प्रधान—श्री नेम चन्द्र मित्तल, कूंचा बुलाकी बेगम।

उप-प्रधान—श्री सुलतान सिंह, १६ दरियागंज।

मन्त्री—श्री सनत कुमार, कूंचा सेठ।

कोषाध्यक्ष—श्री काशीराम, कूंचा उस्ताद हीरा बाजार गुलियान।

संघपति—श्री शील चन्द्र, मित्र भवन ११ दरियागंज।

५१. श्री जैन खत्तरगच्छीय संघ (जैन पौशाल, कटरा खुशाल राय)—यह स्थानीय श्वेताम्बर मूर्ति पूजक खत्तरगच्छीय जैनों की धार्मिक संस्था है। संघ वर्तमान में छोटी दादा वाड़ी मसजिद मोठ की व्यवस्था कर रहा है।

प्रधान—ला० अमीर चन्द रावयाण, नौघरा, किनारी बाजार।

उप-प्रधान—ला० छोगमल, चीराखाना, गली कायस्थान।

मन्त्री—श्री दौलत सिंह, १०३४ गली लाड़े वाली माली वाड़ा।

उपमन्त्री—ला० मोती चन्द, गली किशनदत्त, माली वाड़ा।

कोषाध्यक्ष—ला० इंदर चन्द भंसाली, कटरा रोशन-उद-दौला, किनारी बाजार।

५२. श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर पूजा समिति (चीराखाना)—उपर्युक्त मन्दिर की व्यवस्था तथा अन्य धार्मिक समारोहों का आयोजन यही संस्था करती है।

प्रधान—श्री सिताब चन्द, चीराखाना।

मन्त्री—श्री अक्षय कुमार, १८०३ चीराखाना।

कोषाध्यक्ष—श्री मोती चन्द, गली किशनदत्त माली-वाड़ा।

५३. जैन समाज दिल्ली—भगवान महावीर जयंती के अवसर पर शहर में प्रति वर्ष निकलने वाले जुलूस का आयोजन कई वर्षों से समाज द्वारा हो रहा है।

प्रधान—ला० नन्हेमल, २५ [illegible]।

उप-प्रधान—(१) ला० [illegible] सिंह, दरीबा [illegible]।
(२) ला० जवाहर लाल [illegible], १४४ सुन्दर नगर।

प्रधानमंत्री—श्री जसवंत सिंह, २५ डी. कमला नगर।

मन्त्री—श्री नानक चन्द, डिप्टीगंज।

कोषाध्यक्ष—श्री पूरनमल ज्वैलर, दरीवा कलां।

जुलूस संचालक, (१) श्री आदीश्वर प्रसाद, १ डी. करौल बाग।

(२) श्री अरिदमन कुमार, ५१ डी. थाम्सन रोड।

(३) ला० श्रीपाल (बाबा ग्लास कं०)।

(४) श्री भगतराम, बहादुरगढ़ रोड।

(५) श्री ए० डी० रामलाल, सदर बाजार।

५४. श्री महावीर जैन संघ (सदर बाजार)—संघ की स्थापना सन १९५६ में हुई। यह स्थानीय स्थानकवासी जैनों की, जिनमें कि अधिकांश पश्चिमी पंजाब से आये हुऐ हैं, एक प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है। संघ की ओर से तीन धर्मार्थ औषधालयों (डिप्टीगंज, सोहनगंज व ईस्ट पार्क रोड) का संचालन हो रहा है।

प्रधान—श्री कुंजलाल ओसवाल, ५८०६ सदर बाजार।

उप-प्रधान—श्री रामलाल (के० डी० रामलाल एण्ड कं०) सदर बाजार।

मंत्री—श्री कैलाश चन्द्र (स्टेट बैंक आफ इंडिया)।

उप-मंत्री—श्री तलक चन्द (वसंत प्लासटिक्स) बरती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री लोक नाथ (जैन सोप मिल्स) लाहोरी गेट।

भण्डारी—श्री शादी लाल (जैन ट्रेडिंग कं०) गली डाकखाना, सदर बाजार।

५५. जैन युवक परिषद (गली जैन मन्दिर, सब्जीमंडी) —परिषद की स्थापना सन १९५१ में हुई। यह सब्जी मंडी क्षेत्र की सामाजिक संस्था है। इस वर्ष भ० महावीर जयंती का आयोजन परिषद ने किया था।

संरक्षक—श्री जसवंत सिंह, २५ डी. कमला नगर।

प्रधान—डा० विमल कुमार, ५-प्रेम भवन, पंजाबी मोहल्ला, सब्जी मन्डी।

उप-प्रधान—श्री कश्मीरी लाल, ४० एफ. कमलानगर।

मन्त्री—श्री श्रीपाल, ४१३७ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी।

उप-मन्त्री—श्री आदीश्वर नाथ, ४१९५ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी।

कोषाध्यक्ष—श्री शांति प्रसाद, आर्यपुरा सब्जी मण्डी।

५६ जैन युवक संघ (३५ डी. कमला नगर, फोन २४५०९)—संघ कमला नगर क्षेत्र के युवकों का सामाजिक व सांस्कृतिक संगठन है। भ० महावीर जयंती के अवसर पर शहर में निकलने वाले वार्षिक जुलूस में झांकियों आदि की व्यवस्था करने में संघ महत्वपूर्ण भाग लेता है।

प्रधान—श्री नाथूराम, गली मटके वाली, सदर बाजार।

उप-प्रधान—श्री तेजाशाह (मै० तेजशाह एण्ड सन्स) सदर बाजार।

मन्त्री—श्री धनदेव, जैन श्रमनोपासक स्कूल, रुई की मंडी, सदर बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री महावीर प्रसाद, गली मटके वाली, सदर बाजार।

५७. जैन सभा (४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी)—सब्जी मण्डी के जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रबन्ध समिति :

प्रधान—श्री जुगन्दर दास जैन ४२३२ गली जैन मंदिर वाली, सब्जी मंडी।

उप-प्रधान—श्री गजेन्द्र कुमार जैन, ४२२४ आर्यपुरा सब्जी मंडी।

" —डा० गोकुल चन्द, आर्यपुरा सब्जी मंडी।

मंत्री—श्री गजेन्द्र कुमार ४१३२, गली जैन मन्दिर वाली, सब्जी मंडी।

संयुक्त मंत्री—श्री नेमदास, ४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मंडी।

कोषाध्यक्ष—श्री धर्मदास, ४१०० आर्यपुरा, स० मंडी।

५८. दिगम्बर जैन मंदिर प्रबन्धक सोसायटी (मंटोला पहाड़गंज)—सोसायटी स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर का प्रबन्ध करती है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह, मंटोला।

उप-प्रधान—लाला निरन्जन दास, मंटोला।

मन्त्री—लाला श्रीचन्द, मंटोला।

सं० मन्त्री—लाला मीन चन्द्र, पहाड़गंज।

कोषाध्यक्ष—श्री अमर सैन, मंटोला, पहाड़गंज।

५९. सोसायटी फ़ार दी प्रोटेक्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ़ अग्रवाल जैन टैम्पिलस एण्ड धर्मशालाज़ (जयसिंहपुरा, नई दिल्ली)—सोसायटी द्वारा श्री अग्रवाल दि० जैन मन्दिर, जयसिंह पुरा तथा इससे सम्बन्धित जायदाद की व्यवस्था की जाती है।

सभापति—लाला शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड।
उप-सभापति—लाला लाल चन्द, ५७५६ देवनगर।
मन्त्री—लाला शील चन्द, ३३ फीरोज़शाह रोड।

६०. जैन यंगमेन एसोसिएशन (नई दिल्ली)—एसोसिएशन की स्थापना सन १९३५ में हुई। एसोसिएशन के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार-विमर्श व खान-पान करते हैं।

प्रधान—श्री ज्योती प्रसाद, १०२-ए. मोडल वस्ती।
उप-प्रधान—श्री मोहन लाल काला, ४९ काकानगर।
मन्त्री—श्री हंस कुमार, २७ हैवलोक स्क्वेअर।
उपमन्त्री—श्री जुगमन्दर दास, ४६ सी, इर्विन रोड।
कोषाध्यक्ष—श्री जय प्रकाश, २३ अहिल्यावाई रोड।

६१. जैन मिलन (नई दिल्ली)—मिलन की स्थापना विगत वर्ष सन १९६० में हुई। मिलन के सदस्य लगभग प्रति मास कांस्टीट्यूशन क्लब में एकत्रित होकर खान-पान व विचार-विमर्श करते हैं।

सर्वश्री बी. वी. कपासी, वी-५, पंडारा रोड व दौलत सिंह, गली लाड़े वाली, मालीवाड़ा इसके संयोजक हैं।

६२. जैन फ्रेंडस (नई दिल्ली)—नई दिल्ली के जैनों की प्रगतिशील संस्था है। इसके सदस्य समय-समय पर एक-होकर खान-पान तथा विचार-विमर्श करते हैं।

प्रधान—श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी. देवनगर, करोल बाग़।
मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री मित्रसेन, ६३-ई. राजा वाजार।

६३. महावीर युवक मण्डल (श्री जैन मन्दिर छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग़)—मण्डल की स्थापना सन १९५७ में हुई। मण्डल युवकों के चारित्रिक व बौद्धिक विकास के लिये प्रयत्नशील है।

मण्डल के द्वारा समय समय पर भजन, कीर्तन नृत्य तथा ड्रामे आदि का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्रीमती शकुंतला देवी, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग़।
उप-प्रधान—श्री सुमेरचन्द, १८५५, गली नाई वाली नं० ४७, करोल बाग़।
कार्याध्यक्ष—श्री महेन्द्र कुमार, नाई वाली गली नं० १, करोल बाग़।
मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, गली अहीरन, पहाड़ी धीरज।
कोषाध्यक्ष—श्री वृजलाल, नाई वाली गली नं० २१, करोल बाग़।

६४. श्री दि० जैन मन्दिर प्रबन्धकारिणी कमेटी (गांधी नगर)—कमेटी की स्थापना सन १९५८ में हुई। यह स्थानीय दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है।

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द्र, आ० मजिस्ट्रेट, शहादरा भवन, गली मन्दिर वाली, शहादरा।
उप-प्रधान—श्री मामचन्द्र सर्राफ गांधी नगर।
मन्त्री—(१) श्री हरिश्चन्द्र, गांधी नगर।
(२) डा० वी एस. जैन, गांधी नगर।
उप-मन्त्री—श्री शांति प्रसाद, गांधी नगर।
कोषाध्यक्ष व मैनेजर—श्री प्रकाश चन्द, गांधी नगर।
भण्डारी—श्री धन कुमार, गांधी नगर।

६५. जैन युवक निर्माण समिति (१५०९ कूंचा सेठ)—समिति दिल्ली शहर के जैन नवयुवकों की सांस्कृतिक संस्था है।

समिति के सदस्य धार्मिक उत्सवों पर संगीत आदि के कार्यक्रम तथा शिक्षाप्रद झांकियां प्रस्तुत करते हैं। इनका एक स्वयंसेवक दल भी है।

प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र २२११, कूंचा आलम चन्द्र, किनारी बाजार।
उप-प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र १३२३, गली गुलियान।
सचिव—श्री सुमत प्रसाद, १२६२, वैदवाड़ा।
उप-सचिव—श्री महेंद्र कुमार, २५६६ गली पीपल वाली।
कोषाध्यक्ष—ला० श्रीपाल, २५८४ गली पीपल वाली।

६६. **श्री ग्रन्थराज भूवलय प्रकाशन समिति** (जैन मित्र मण्डल कार्यालय, धर्मपुरा, दरीवा)—ग्रंथराज श्री भूवलय को प्रकाशन करने के लिए सन १९५७ में इस समिति की स्थापना की गई। आचार्य कुमुदेन्दु द्वारा रचित अंकमय शास्त्र 'श्री भुवनव' के अनुवाद और प्रकाशन का कार्य इस समिति द्वारा किया जा रहा है। श्री भूवलय का अनुसंधान तथा अनुवाद आजकल श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज द्वारा हो रहा है। इस प्रकाशन समिति में निम्नलिखित व्यक्ति हैं:

संस्थापक—दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज।

संरक्षक—स्वार्थ सिद्धि संघ, बैंगलौर।

सभापति—श्री अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उपसभापति—(१) श्री मनोहरलाल जौहरी।
(२) श्री मुन्शीलाल कागजी, चावड़ी बाजार।

मन्त्री—(१) श्री महताब सिंह जौहरी, दरीबा।
(२) श्री आदीश्वर प्रसाद, करोल बाग।
(३) श्री पन्नालाल (तेज अखबार)।

कोषाध्यक्ष—श्री नेमचन्द जौहरी।

प्रकाशन प्रबन्धक—(१) श्री मुनीन्द्र कुमार, डी २/९ माडल टाउन, माल रोड।
(२) ला० छुट्टन लाल कागजी, चावड़ी बाजार।
(३) श्री रघुवर दयाल, बिजली वाले।

६७. **जैन सस्ती ग्रंथ माला** (नया मन्दिर, धर्मपुरा)—इस संस्था की स्थापना सन १९५१ में पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री चिदानन्द जी महाराज ने "वीर सेवा मन्दिर सस्ती ग्रन्थ माला" के नाम से की। इस ग्रंथ माला की ओर से अब तक अनेक उपयोगी ग्रंथ तथा पुस्तिकाएं प्रकाशित की जा चुकी हैं।

प्रधान—लाला हुकमचन्द, धर्मपुरा।

मन्त्री—मुन्शी सुमेर चन्द, गली पीपल वाली कूंचा सेठ।

कोषाध्यक्ष—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार।

भण्डारी—लाला शीतल प्रसाद, गली पीपल वाली।

६८. अहिंसा प्रचार शास्त्र सभा (जैन अनाथाश्रम, दरियागंज)—सभा जैन अनाथाश्रम में स्थित मन्दिर में नित्य शास्त्र सभा और अन्य अवसरों पर धार्मिक-प्रवचनों का आयोजन करती है। सभा के मंत्री श्री देव कुमार, २१, दरियागंज हैं।

६९. अहिंसा एकेडमी, (२१/१७ दरियागंज)—एकेडमी की स्थापना श्री गोकुल प्रसाद जी डावर द्वारा सन १९५५ में हुई। एकेडमी द्वारा जैन साहित्य और इतिहास के कई अनुसंधानकर्ताओं को अपेक्षित सहायता प्रदान की गई है। इसके कार्य-संचालन में पंडित परमानन्द शास्त्री व पंडित हीरालाल 'कौशल' आदि प्रमुख सहयोगी हैं।

७०. श्री जैन पार्श्व समिति (जैन पौशाल, कटरा खुशालराय)—नवयुवकों में संगठन, सेवा व स्वाध्याय की भावना उन्नत करने के लिए यह संस्था प्रयत्न करती है। समिति द्वारा पंचमी महोत्सव कार्तिक सुदी पंचमी को प्रति वर्ष सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है।

प्रधान—श्री राजेन्द्र कुमार, माली वाड़ा।

मन्त्री—श्री चन्द्रेश कुमार, गली नौघरा, किनारी बाजार।

७१ जैन स्पोर्टस क्लब, (परेड ग्राउंड)—यह क्लब श्री दिगम्बर जैन, लाल मन्दिर जी के सन्निकट है। इसकी स्थापना सन १९३२ में हुई। यह दिल्ली के जैनों की एक मात्र स्पोर्टस (खेलों) की संस्था है। यह दिल्ली जिला क्रिकेट-एसोसियेशन से सम्बन्धित है तथा समय समय पर टूर्नमिंटस में भी भाग लेता है।

क्लब की सदस्यता लगभग १४० व्यक्तियों की है, जिसमें इतर लोग भी हैं।

प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कौलिंग रोड।

उप-प्रधान—डा० सी० आर० जैना, डेंटिस्ट, फुव्वारा, चांदनी चौक।

महामन्त्री—लाला हरीचन्द्र (आइवरी पैलेस के ऊपर) १०७४, शीशमहल।

गेम्स-मन्त्री—श्री मदन मोहन लाल, कूंचा सेठ।

सं० मन्त्री—श्री प्रकाश चन्द्र, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष - लाला इन्दर सेन, ५-ए. दरियागंज।

७२. जैन ड्रैमेटिक क्लब (पहाड़ी धीरज)—क्लब की स्थापना सन १९४३ में हुई। क्लब के द्वारा दिल्ली नगर व निकटवर्ती क्षेत्रों में सती मनोरमा, सती अंजना, मेवाड़ गौरव, दानवीर भामाशाह, समाज की वेदी पर, बहूरानी आदि धार्मिक व सामाजिक नाटकों का प्रदर्शन किया जाता रहा है। क्लब के पास अपनी नाटक सम्बन्धी सभी सामग्री मौजूद है।

प्रधान—लाला नन्हें मल, २५ डिप्टीगंज।

उप-प्रधान—(१) लाला नेम चन्द (हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी) गली बरना, सदर बाजार।

(२) श्री महावीर प्रसाद, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज।

डायरेक्टर—(१) श्री दया दीपक प्रकाश, २७-ए. मोडल बस्ती।

(२) श्री फूल चन्द्र आजाद, डिप्टीगंज।

मंत्री—श्री विशेशर नाथ, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज।

उप-मंत्री—डा० फूल चन्द्र, पहाड़ी धीरज।

स्टेज इंचार्ज—श्री अजीत प्रसाद, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज।

कोषाध्यक्ष—प्रो० बलवन्त सिंह, डिप्टीगंज।

७३. जैन मन्दिर सभा, दिल्ली कैंट (छावनी)—सभा की स्थापना सन १९५७ में हुई।

सभा दिल्ली छावनी क्षेत्र के जैनों की धार्मिक संस्था है। इसके द्वारा पर्यूषण पर्व में अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था होती है।

सभा इस क्षेत्र में स्थायी जैन मन्दिर के निर्माण के लिये प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० वजीरा लाल ठेकेदार, सदर बाजार दिल्ली कैंट।

उप प्रधान—श्री चम्पालाल ठेकेदार, मोरम नगर दिल्ली कैंट।

जनरल सेक्रेट्री—श्री दयाराम, सदर बाजार, दिल्ली कैंट।

कोषाध्यक्ष—श्री हरीचन्द्र, सदर बाजार, दिल्ली कैंट।

७४. अखिल विश्व जैन मिशन दिल्ली शाखा (१३१४ गली गुलियान, दरीबा)—अखिल विश्व जैन मिशन की स्थापना बाबू कामता प्रसाद, अलीगंज, एटा, बाबू अजित प्रसाद एडवोकेट, लखनऊ, व पं० सुमेर चन्द 'शास्त्री', दिल्ली आदि के सदप्रयत्नों से हुई। इसका प्रथम अधिवेशन पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के तत्वाधान में महावीर नगर, डिप्टीगंज, दिल्ली में हुआ। दिल्ली शाखा के द्वारा समय समय पर विदेशी विद्वानों को जैन साहित्य आदि भिजवाने का कार्य किया जाता है।

इसके संयोजक पं० सुमेर चन्द 'शास्त्री', १६१४ गली गुलियान हैं।

७५. जैन पुरातत्व समिति—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट-समिति की स्थापना दिल्ली में अक्तूबर सन १९५९ में जैन कन्वैंशन के फलस्वरूप हुई। समिति ने मध्य प्रदेश में स्थित सभी प्राचीन जैन तीर्थ स्थानों की सुरक्षा तथा जीर्णोद्धार का भार लिया है। समिति के कार्य संचालन के लिये साहू शांती प्रसाद जी ने २॥ लाख रुपये की राशि प्रदान की है।

प्रधान—सेठ भाग चन्द्र सोनी, अजमेर

उप प्रधान—(१) साहू शांती प्रसाद, ११ क्लाइव रो कलकत्ता ६, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली।

(२) ला० राजेन्द्र कुमार' ११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली।

मंत्री—डा० एस. सी. किशोर, ५४१ एस्प्लेनेड रोड, दिल्ली।

नाट्य भारती (हिन्दी-संस्कृत के रंगमंच की विकासोन्मुखी संस्था)—इस संस्था की स्थापना १५ जुलाई १९६१ को हुई। संस्था की ओर से हिन्दी-संस्कृत के रंगमंच के विकास के लिए सुसंगठित प्रयत्न आरम्भ किया गया है।

वर्तमान में इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स हैं।

(१) श्री मुनीन्द्र कुमार डी. २/९ माडल टाउन, मालरोड दिल्ली-९

(२) श्री नरेन्द्र पाल नरेश, ६६५/११७ शांति भवन, कैलाश नगर, दिल्ली-३१.

(३) श्री सुखमाल चन्द, ११ दरियागंज, दिल्ली-६.

(४) श्री चेतन स्वरूप, 'सुमन', २१ मुद्गल भवन, दरियागंज, दिल्ली-६.

७७. वेजीटेरियन क्लब (११६ सुन्दर नगर, फोन-७५२०३)—क्लब की स्थापना सन १६५८ में हुई। क्लब द्वारा शाकाहार के प्रचार के लिये समय समय पर जन-सभाओं का आयोजन किया जाता है जिनमें देश विदेश के सम्माननीय शाकाहारियों के भाषण कराये जाते हैं।

क्लब के सदस्य परस्पर प्रति मास 'सोशल गेदरिंग' अथवा 'पिकनिक' के रूप में मिलते है तथा शाकाहार के प्रचार के लिये परस्पर विचार-विमर्श करते हैं।

प्रधान—श्री वी. एच. डालमियां, ४ सिंदिया हाउस।

उप-प्रधान—श्री ब्रज मोहन रायज़ादा

डिलाइट सिनेमा, आसफअली रोड।

मंत्री—श्री निहाल चन्द्र राक्याण

५८ जनपथ।

उप-मंत्राणी—श्रीमती प्रीति जिंदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री एन. डी. कपूर

२ ए. शंकर मार्केट।

७८. अहिंसक पार्टी (१/६ जिंदल हाउस, आसफअली रोड, फोन २२६४०५)—पार्टी की स्थापना सन १६५७ में हुई।पार्टी अहिंसा प्रचार में प्रयत्नशील है। विगत वर्षों में पार्टी द्वारा खाद्य सामग्री, औषधि-निर्माण तथा मनोरंजन के लिये किये जाने वाले पशु तथा पक्षीवध का भी विरोध किया गया है।

श्री अमृत लाल जिंदल, ११५ सुन्दर नगर, पार्टी के कन्वीनर तथा मंत्री हैं।

७६. इण्डियन वेजीटेरियन कांग्रेस (१/६ जिंदल हाउस, आसफ अली रोड, फोन-२२६४०५)-कांग्रेस शाकाहार प्रचार के लिए प्रयत्नशील है।

प्रधान—सरदार मोहन सिंह, ६ फ्रेंच कालोनी।

उप प्रधान—श्री आनन्द राज सुराना

१३६० चांदनी चौक।

मंत्री—श्री अमृत लाल जिंदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री हंसराज गुप्ता

२० बाराखम्बा रोड।

८०. दिल्ली जैन हू-इज-हू कम्पाइलेशन समिति (डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड, दिल्ली ६.)--समिति दिल्ली के दिवंगत और वर्तमान प्रमुख जैनों के जीवन वृत्त (Life Sketches) के संकलन व प्रकाशन के लिये प्रयत्नशील है।

संपादक मंडल

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन

२४५८ चांदनी चौक।

सदस्यगण—(१) श्री पन्ना लाल

चर्खेवालान, गली कन्हैया लाल अत्तार।

(२) श्री माई दयाल

४५६६ डिप्टीगंज।

(३) श्री आदीश्वर प्रसाद

१-डी. करोल बाग।

(४) श्री मुनीन्द्र कुमार

डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड।

(५) श्री चकेश कुमार

२८ सी. बेअर्ड रोड।

८१. श्री दिगम्बर जैन रथयात्रा प्रबंधक कमेटी (गन्दा नाला, मोरी गेट)—कमेटी द्वारा दिगम्बर जैन मन्दिर गन्दा नाला, मोरी गेट से सम्बन्धित वार्षिक रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री अमर सिंह, मोरी गेट।

उप प्रधान—ला० पारसदास मोटर वाले

डा० मुकर्जी मार्ग।

मंत्री—श्री केशोदास

मोरी गेट।

कोषाध्यक्ष—श्री महताब सिंह

सम्पादक मंडल

अवैतनिक प्रधान सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड।

सह सम्पादक—कविमन, 'नरेश', कैलाश नगर।

उप सम्पादक—श्री चन्द।

प्रचार अधिकारी—श्री रघुवर दयाल।

चित्र और कला—राजन आर्टस, सदर बाजार।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री छुट्टनलाल कागजी, श्री देशभूषण मुद्रणालय, एसप्लेनेड रोड।

९. अनेकांत—मासिक

वीर सेवा मंदिर, दरियागंज, दिल्ली का मुखपत्र। एक प्रति का मूल्य आठ आना व वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

सम्पादक—बा० जुगल किशोर मुख्तार।

मुद्रक व प्रकाशक—पं० परमानन्द शास्त्री, १ दरियागंज, दिल्ली।

१०. जैन गजट (अंग्रेजी)—मासिक

भगवान महावीर के विश्व धर्म का प्रचारक पत्र। इसका वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

प्रधान सम्पादक—श्री फूल चन्द्र 'अनेकांती'।

अवैतनिक सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार।

सह-सम्पादक—श्री सुकुमाल चंद।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री फूलचन्द्र 'अनेकांती', १७०५ मोहन भवन, चांदनी चौक।

११. ज्ञान—मासिक

यह श्री १००८ जम्बू कुमार संघ का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य बीस नये पैसे व वार्षिक मूल्य दो रुपया है।

अवैतनिक सम्पादक—श्री अविनाश चन्द्र।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री मामन सिंह 'प्रेमी', ३५ डिप्टी गंज।

१२. जैन प्रचारक—मासिक

यह अखिल भारतवर्षीय अनाथ रक्षक जैन सोसायटी, दरियागंज का मुखपत्र है।

सम्पादक—(१) श्री लालबहादुर शास्त्री।
(२) श्री चन्द्र मौलि शास्त्री।

मुद्रक व प्रकाशक }—श्री रघुवीर सिंह, कोठी वाले।

१३. ज्ञान ज्योति सरकुलर—मासिक

यह जैन विद्यार्थी मंडल, दिल्ली का मुखपत्र है। इसका वार्षिक सदस्यता शुल्क दो रुपये है।

सम्पादक व प्रकाशक }—डाक्टर हरनायण दास जैन भवन, नं० २४ दरियागंज।

विविध विषयक पत्र व पत्रिकाएं

१४. नवभारत टाइम्ज—दैनिक

१० दरियागंज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री अक्षय कुमार

१५. सेवाग्राम—साप्ताहिक

१-दरियागंज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री ज्ञानेन्द्र प्रसाद।

१६. करेंट इण्डियन इनकमटैक्स—मासिक

२६४६ बल्लीमारान, दिल्ली

सम्पादक—श्री कुलवन्त राय

१७. लव—मासिक

२६५३ रोशन पुरा, नई सड़क, दिल्ली।

सम्पादक—श्री एस० पी० जैन

१८. रूप वानी—मासिक

३०६ दरीबा कलां, दिल्ली

सम्पादक—श्री अजीत प्रसाद

१९. सेल्स मैन—मासिक

२३-डी. कमला नगर, दिल्ली

सम्पादक—श्री जी० सी० जैन

२०. वेजीटेरियन इण्डिया—मासिक

जिंदल भवन, १/६ बी. आसफ अली रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री अमृत लाल जिंदल

२१. वर्ल्ड इन्फार्मो—मासिक

८७७ जोशी पथ, नई दिल्ली-५

सम्पादक—श्री जिया लाल

२२. वर्धमान—मासिक

२३५५ तेली वाड़ा, दिल्ली

सम्पादक—श्री दीप चन्द

२३. शोला-ओ-शबनम—उर्दू मासिक

दरीबा कलां, दिल्ली-६

सम्पादक—श्री विमल प्रसाद

२४. गुलजार जैन गजट—उर्दू-हिन्दी मासिक

८९ दरीबा नुक्कड़, चांदनी चौक

सम्पादक—श्री मंगल देव शास्त्री

२५. अहिंसा पथ—त्रैमासिक

१२-लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री शान्तिलाल वी. सेठ

भारतीय संसद व केन्द्रीय सरकार

भारतीय संसद

मनुभाई शाह, उद्योग मंत्री
- १२, तुग़लक रोड — ३३६०३
- कार्यालय-१५८, उद्योग भवन — ३२०६२

संसद सदस्य - राज्य सभा

राजपत सिंह दूगड़
- १६२-डी-साउथ एवेन्यू — ३३७१२

रतनलाल किशोरीलाल मालवीया
- १२६-साउथ एवेन्यू — ३१६६१

संसद सदस्य - लोक सभा

सेठ अचल सिंह
- ८७, नार्थ एवेन्यू — ३३०५३

अजित प्रसाद
- ५, रफी मार्ग — ४०८१२

मूल चंद्र
- १५४, नार्थ एवेन्यू — ३४३२६

एम० के० जिनचंद्रन
- २१३, नार्थ एवेन्यू — ३४६७८

नेमी चंद्र कासलीवाल
- ६८, नार्थ एवेन्यू — ३३२३१

भवानजी ए० खीमजी
- ३, फिरोजशाह मार्ग — ४७३७३

कृष्ण चन्द्र
- २४, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग — ४४४०८

बलवंतराय गोपालजी मेहता
- ५, कर्जन लेन — ४३६८३

जसवंतराय मेहता
- १३, जनपथ — ४८५६०

सुमत प्रसाद
- ४५, साउथ एवेन्यू — ३४११६

राज्य सभा सचिवालय

महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर — ३२१३४
- ३३-ई वेस्टर्न रोड

कश्मीरी लाल, सेक्शन आफीसर — ३१३८१
- ४०-एफ, कमला नगर

सुमत प्रसाद — ३२३४८
- ए-३०१, मोती बाग़

श्रीपाल — ३६६८१
- १६८-डी, कमला नगर

प्रेम सागर — ३६६८१
- ४३५७, गली भैरों वाली, नई सड़क

इक्षा पूरण — ३१३६८
- जी-२३८, नेताजी नगर

लोक सभा सचिवालय

विनय कुमार — ३१२४०
- बी-१६७, नेताजी नगर

चक्रेश कुमार — ३१८६०
- ३८ बी-वेस्टर्न रोड

रूप चन्द्र — ३१८७३
- १७८०, चीराखाना, चांदनी चौक

मानिक चन्द्र — ३२५४८
- १३११, बैद वाड़ा

नरेन्द्र प्रसाद — ३१३८१
- ७, त्रिलोक भवन, दरियागंज

इन्दर सेन ३१६६२
१५०७, कूचा सेठ
वंसी लाल ४०५६०
४३, मिंटो रोड
ज्योती प्रसाद ३२२५१
२६-सी, रामनगर
अजित प्रसाद ३६६६६
१२८६ गली नाई वाला नं० ८, करोलवाग
जवाहर लाल ३१६६२
२५०३, धर्मपुरा
भगवान दास ३३३०६
२५२६, धर्मपुरा
प्रकाश चन्द्र ३३०३६
बी-१३/६८ देव नगर
ओम प्रकाश ३३०६०
५७ मीर दर्द मार्ग
जितेन्द्र कुमार ११८६७
४०५, गली राजनकला, काश्मीरी गेट
महाराज सिंह ३२५२८
२०७१, नाई वाली गली ३८, करोलवाग
चन्द्र भान ३१३३६
गली मंदिर वाली, शांति नगर

प्रेजीडेंट्स प्रेस, राष्ट्रपति भवन

इन्द्र सेन,
३६ हेस्टिंग्स स्क्वेअर

प्राइम मिनिस्टर्स सेक्रेटेरियट

प्यारे लाल ३२२६७
२५०३, धर्मपुरा

केन्द्रीय सचिवालय (डिपार्टमेंट आफ एटोमिक एनर्जी)

सुभाप चन्द्र ३१७७३
वाई ३२० सरोजिनी नगर

उद्योग व व्यापार मंत्रालय
(कामर्स एण्ड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री)

मनुभाई शाह, उद्योग मंत्री
१२, तुग़लक रोड ३३६०३
कार्यालय-१५८, उद्योग भवन ३२०६२

कम्पनी ला एडमिनिस्ट्रेशन (रिजर्व बैंक बिल्डिंग)

सज्जन मल दूगड़, अकाउन्ट्स आफीसर ३६६१६
२४ भरतराम रोड, दरयागंज २६६८०
ओम प्रकाश,
४०-ए/१, यू० ए० ब्लाक, जवाहर नगर

चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स, उद्योग भवन

सुशील कुमार,
१०३४-गली हीरानंद, मालीवाड़ा
जगदीश प्रसाद
सी-३१६, सरोजिनी नगर
आशाराम
२७१०-चौक रायजी
वीरसेन
वाई-३२०, सरोजिनी नगर
मदन लाल
सी-४१८, सरोजिनी नगर

डि० चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स
जनपथ बैरेक्स

कैलाश चन्द्र ४३३४०
ए-११, नेताजी नगर (ई. टाइप)
जुगेन्द्र कुमार ४३३३६
डी-७ प्रेस लेन

स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि०, मथुरा रोड

मोहनलाल काला, ज्वा० फा० एडवाइज़र ४३६७६
४६ (डी. II), काका नगर ३६५६५
नेम चन्द, डिप्टी डिवी. मैनेजर ४२४६३
५६/१४ वे. एक्स० एरिया रोहतक रोड
संतोष कुमार ४६४५४
फैज वाजार (पं० ने० बैंक के ऊपर) ३५०६१
जी. सी. जैन ४६४५४
२६३-ई. देवनगर
ए. सी. जैन ४२७२३/१४
११-दरियागंज
पी. सी. जैन ४३६७६
२५६६, श्रवण गली, तेली वाड़ा

सुरेश चन्द ४२६३१
 ४६ किशन नगर, युसुफ सराय
एस. पी. जैन ४२६३१
 १४/७-रेलवे कालोनी, सेवानगर

डेवलपमेंट विंग, उद्योग भवन

सी. जे. शाह, डेवलपमेंट ग्राफीसर ३२८६५
 ७३, पंडारा रोड ४५२११
जुगमंदरदास ३४३५१/३६
 १०१६/१६, लोदी कालोनी
चेतनलाल
 जी-१४४, नौरोजी नगर
ग्रार. एल. जैन
 बी-७०, नार्थ ग्राफ मेडीकल एन्क्लेव
मोती लाल
 १२/१५८, देवनगर

इकोनोमिक एडवाइजर, भारत सरकार

पी. सी. जैन ३३२८३
 ३८४-ई-देवनगर
जे. एस. जैन ३३२८३
 ३४-गौतम नगर
वी. के जैन ३३२८३
 ३७-एफ, कमला नगर

इंस्टीट्यूट ग्राफ चार्टर्ड एकांउनटेंट्स

मनोहर लाल ४५६६१

ग्राल इंडिया हैंडीक्राफ्टस बोर्ड, ताज वं रेंवस, जनपथ

लक्ष्मी चन्द्र, मेम्बर सेक्रेटरी ४४६०८
 ४३ गोल्फ लिंक ७५१७६

सामुदायिक विकास ग्रौर सहकार मंत्रालय (कम्यूनिटी डेवलपमेंट एण्ड कोग्रापरेशन मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट ग्राफ कम्यूनिटी डेवलपमेंट

ए. सा. जैन
 १३ मिलि० कैम्प
एस. के. जैन
 २१ वी/१ रोहतक रोड
एस. ग्रार. जैन
 २६४५, रोशन वाड़ा, नई सड़क
एन. सी. जैन
 २६५१ गली ग्रनार
ए. सी. जैन
 ८८ ए, कमला नगर

डिपार्टमेंट ग्राफ कोग्रापरेशन

महेन्द्र सेन, पार्लीयामेंट ग्रसिस्टेंट ३५१२८
 ३० थामसन रोड ४४६१२

प्रतिरक्षा मंत्रालय (डिफेंस मिनिस्ट्री)

साउथ ब्लाक

कपूर चन्द, डिप्टी सेक्रेट्री ३२४२५
 ३, एलनवी रोड ४०६६२
सतीश चन्द, टेक. ग्राफीसर ३२३३८
 ए-१२८ पंडारा रोड
पदम कुमार, सेक्शन ग्राफीसर ३१४१०
 एम-२१५ विनयनगर
काशी प्रसाद, रिसर्च ग्राफीसर ३२४२८
 २८, पटौदी हाउस, केनिंग लेन
कुलवंतराय गोयल, स्टाफ ग्राफीसर ३२४०८
 २ पार्क लेन
सुरेन्द्र लाल, सुपरिटेंडेंट ३३००७
 बी-१८/३५० लोदी कालोनी
कुल भूषण ३६६२३
 एच ५०६, सरोजनी नगर
प्रभुदयाल गुप्ता, स्टाफ ग्राफीसर ३१३४८
 ३४ सी. इरविन रोड
जैन प्रकाश ३३५३१
 ३४ सी. इरविन रोड
ग्रार. सी. जैन, सेक्शन ग्राफीसर ३२६३८
 ३०-ई, करोल बाग
ग्रजित प्रसाद ३३१६३
 चिराग दिल्ली
कान्तीराम ३२४८१
 एफ-२८१, लक्ष्मीबाई नगर

लालचन्द ३२७१७
जंगपुरा, भोगल
वीरेन्द्र विजय
डी-१३६ सरोजिनी नगर
अमृत लाल
ई. मफ-६२१ सरोजिनी नगर
अमर चन्द
सी-१६८, (ई० टा०) लक्ष्मीवाई नगर
नन्दलाल
एफ-२७६ (सी) लक्ष्मीवाई नगर
जयदेव, सुपरिनटेंडेंट ३२२८६
३६ डिप्टी गंज
नारंग राम, जू० साई० आफीसर ३१०४०
ए-२४७ पंडारा रोड
श्रीमती आइरीन, जू० साई० आफीसर ३१०४०
ए-२४७ पंडारा रोड

चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर, सी-११ हटमेंटस
डिफेंस हेड क्वार्टर्स

रामेश्वर दयाल, एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर ३१०१६
७ मार्केट रोड
प्रेमचन्द, आफीसर सुप० २३५२६
ए२३/१७० लोदी कालोनी

डिफेंस साइंस लेबोरेट्री, मेटकाफ हाउस

शीतल प्रसाद २६१५७/६
६१ शांति नगर (के. गनेशपुरा)
धनपतराय, टेक्नीकल लाइब्रेरियन २६१५७
ए २१/१२८ लोदी कालोनी

एअर हैडक्वार्टर्स

होशियार सिंह, स्टा० आफीसर ३०१३१/३२५
१५ फायर ब्रिगेड लेन
पदम सेन, स्टा० आफीसर ३०१३१
जाफ़ी स्केयर
ज्ञान चन्द, सुपरिनटेंडेंट, ३०१३१/२५३
बी-४/११ लोदी रोड
किशन दयाल, सुपरिनटेंडेंट ३०१३१/२३१
३३ मोडल वस्ती

जे. डी. जैन, सुपरिनटेंडेंट
५ सी-५०, रोहतक रोड
शांत वीर प्रसाद, सुपरिनटेंडेंट
४७ दरियागंज
एस. पी. जैन
७/३३ दरियागंज
हुकम चन्द
६३-ई वैरन रोड
मुकुट बिहारी लाल
ए/३६ (जी. टा.) लक्ष्मीवाई नगर
नेमचन्द ३०१३१/३६
बी-१६/४०३ लोदी रोड
रतन लाल
बी-१२/२३७ लोदी रोड
शिखर चन्द
बी-१३/६८ देवनगर
डी. सी. जैन
४४०१ जटान मोहल्ला, पहाड़ी धीरज
एच. सी. जैन
१२११ चाहरहट
त्रिलोक चन्द
३३६६ बूडावाली, गंदा नाला, मोरी गेट
पुरुषोत्तम दास
५३/६६ रामजस रोड, करोल बाग़
पी. के. सिंघल
सी-११ मोती बाग़
कांति चन्द
६८१ भोजपुरा, माली वाड़ा
चम्पतराय
१२ युसुफ सराय
मदन लाल
एफ-१५२ (जी० टाइप) लक्ष्मीवाई नगर
रूपचन्द
ई-४५ अहाता किदारा
जे. सी. जैन
एफ-२११ मोती बाग़

डायरेक्टरेट ग्राफ रेडियो इंजीनियरिंग

आर. वी जैन, स्क्वैड्रन कमांडर (डि.डा.) ३०१३१/१९३
  १८/३८ शक्ति नगर

नेवल हेडक्वार्टर्स

विशम्भर दयाल, ग्राफीसर सुप० ३६४६३
  ४१, रणजीतसिंह रोड
नेमचन्द
  एफ-२२४, बी. १३/२८, डवल स्टोरी देवनगर
मित्र सेन ३५६६७
  ६६-ई राजा बाज़ार
रतन लाल
  ३२३-ई. देवनगर
कस्तूर चन्द
  एफ-२२४ एडंरूज गंज
वी. डी. जैन
  चिराग़ दिल्ली
ग्रो. जी. जैन
  देवनगर
त्रिलोक चन्द
  ए-१३८, सरोजिनी नगर
इंदर सेन
  ३-ग्रंसारी रोड, दरियागंज

ग्रार्मी हेडक्वार्टर्स

वीरेन्द्र सिंह, ब्रिगेडियर ३१५१३
  रायबहादुर सुल्तान सिंह बि. काश्मीरी गेट
रामचन्द्र, ग्रा० सुपरवाइज़र, ३१३४२
  १३ पार्क लेन
शीतल प्रसाद, पी. ए. टू डी. एस. डी. ३१५१३
  ३ नूरजहां रोड
धर्मसिंह
  करोल बाग़
प्रेमराज ३१५३८
  २२८/१ बाग मुरीद खां, किशन गंज
प्रद्युम्न कुमार ३१४१८
  ए-१०७ नेताजी नगर

जंगबहादुर सिंह, स्टाफ ग्राफीसर ३५७९१
  २३ नार्थ ग्राफ सफदरजंग
ग्रोम प्रकाश, ग्राफी० सुप०, ३१०२३
  २ टोडरमल लेन
रविचन्द, ग्राफीसर सुप० ३१२५३
  सी. ३७ राजेन्द्र नगर
नरेश चन्द, पी. ए. टू डी. डब्लू ई. ३१५५२
  २२ हेग स्क्वेग्रर
जगदीश प्रसाद, प्रा. से. टू एड. जन ३१५०३
  सी १०३ लक्ष्मीबाई नगर
हंसराज ३१५०६
  बी-१६/४१०, लोदीरोड
धन्नामल ३२३०८६
  ३७९ कूंचा बुलाकीबेगम
विमल प्रसाद ३२३६६
  एच-४३६ विनयनगर
सुमत प्रसाद ३३१०८
  ४३ डी. राजा बाजार
रघबीर दयाल ३५२२०
  २५२२ नाईवाड़ा गली, बड़गाबुला, चावड़ी बाजार
माया चन्द
  ग्राई-२२० सरोजिनी नगर
कुलवंतराय
  ३९/२० शक्ति नगर
सुखमाल चन्द, ग्राफीसर सुपरवाइजर ३२२३५
  २० सी., बेग्रर्ड रोड
पारसदास ३९६३८
  ११७-ए पंडारा रोड ४८५३४
जगत प्रसाद ३१९०५
  डी. ७७ सरोजिनी नगर
हरी सिंह
  २९१६ मस्ताग्म परा, किनारी बाजार
किशोरी लाल
  बी. १६ (ई. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर
ग्रजित प्रसाद
  १२/६५ मेहरा रोड

कैलाश चन्द
३७३४, गली मामन जमादार, पहाड़ी धीरज

आदीश्वर नाथ ३१६०५
४१६५ आर्यपुरा, सब्जीमंडी

संतलाल, आफीसर सुपरवाइजर ३२२६३
३६ थामसन रोड

जगदीश चन्द ३१८६३/३१९३९
७६/७ दरियागंज

महावीर प्रसाद, स्टाफ केप्टन ३२५६६
३०/५३ वे. एक्स एरिया रामजस रोड ५५४८२

महेश चन्द, मेजर ३२४८८
वी २/किंग एडवर्ड रोड होस्टल

यशवीर प्रसाद, सुप० ३५६२०
७ दरियागंज

आनन्द सिंह, सुप० ३५०२०
४ डिप्टी गंज, सदर बाजार

नवल सिंह ३३५२५
२१-गली नाई वाला, करोल बाग़

पदम प्रसाद ३३५२५
कटरा लक्षीराम दलाल, नई सड़क

अजीत प्रसाद ३१२६५
बी. ६२ लक्ष्मीबाई नगर

के. पी. जैन
६०६ केदार बिल्डिंग, सब्जीमंडी ३२२६३

दीप चन्द
सी. ५५ (ई. टाइप) मोती बाग-१

एस. एल. जैन

बेनी प्रसाद गोपाल
एफ. १२० नौरोजी नगर

ईश्वर दयाल, स्टाफ आफीसर ३२४७२
५/५५ डब्लू. ई. ए. करोलबाग़

उग्रसेन, स्टाफ आफीसर ३०१३१/३१
१० ए/२३ शक्ति नगर

हंस कुमार, स्टाफ आफीसर ३१२५५
२७ हेवलाक स्क्वेअर

रमेश चन्द
बी. ४६ (ई. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

जे. पी. जैन
सदर बाजार, मेरठ कैंट

अनूप सिंह
डी. २२० मोती बाग

एन. एल. जैन

सुखनन्द कुमार, सुप० ३४
बी. १०/१६७ लोदी कालोनी

अरहदास ३४

मिश्रीलाल
बी१०/१७१, लोदी कालोनी

रविचन्द कुमार
२१२ ई. करोल बाग़

करोड़ी मल
देव नगर

माम चन्द
१४ एम. एम. रोड

शीतल प्रसाद
७१० कबूल नगर, शहादरा

विमल प्रसाद ३२३
एच. ४३६ सरोजिनी नगर

रेशम सिंह ३२३
४५८३, बाड़ा हिन्दूराव २३२

जवाहर लाल
सी. १६० (ई. टाइप) मोती बाग़

जयन्ती प्रसाद
४४८५ गली राजा पाटनीमल, पहाड़ी धीरज

रामनिवास
४१०६ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

वीरेन्द्र कुमार
२७०० छत्ता प्रतापसिंह, किनारी बाजार

ए. पी. जैन
जी-१६१ साउथ विनय नगर

जे. के. जैन
४०, मोतिया खान

शिक्षा मंत्रालय (एजूकेशन मिनिस्ट्री)

अभिमन्यु कुमार, अंडर सेक्रेट्री ३२४४३
४-सी., तालकटोरा लेन म० ३३४७१

शीतल प्रसाद, अंडर सेक्रेट्री ३४६६०
२२-डी. करोल बाग़

महेन्द्र प्रसाद, अ० एजू० आफीसर ३६४१५
२०४, काका नगर

ज्ञान चन्द, अ० डायरेक्टर

राजमल, अ० एजू. आफीसर
एक्स-२५४ सरोजिनी नगर

विशम्भर दयाल, से० आफीसर ३३६७१
बी. २२४, नेताजी नगर

राजाराम, से० आफीसर
३८ सी. बेअर्ड रोड

पी. के. जैन

श्रीमती एस. के. जैन
४८ नाई वाली गली करोलबाग ५५४१६

विजय कुमार ३१६७६
सी. ५४०, सरोजिनी नगर

कपूर चन्द
१८/एफ, अतुलग्रोव

महेन्द्र कुमार, लायब्रेरियन (हिं० ला०)
डी. १५५, सरोजिनी नगर

इंदर सेन
बीडी ८११, सरोजिनी नगर

मेहर चन्द ३३६७१/२७
३३८. थानसिंह नगर, आनन्द पर्वत

नरेन्द्र कुमार ३३६७१/२१
जी. १४०, सरोजिनी नगर

मूल चन्द ३२८०५
एफ. १२६ (जी टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

पभसेन ३३६७१/२१
३६८१, गली जमादार, पहाड़ी धीरज

बलबीर सिंह ३३६७१/२६
२६६६, गली सक्की वाली, मोरी गेट

रोशन लाल ३३६७१/५४
१३३/५-रेलवे क्वा०

नेम चन्द ३३६७१/५७
ए. ५६, लक्ष्मीबाई नगर

भोपालदास ३३६७१/५२
४२०-२१, कूंचा बुलाकी बेग़म

श्रीमती सन्तोष

निर्मल कुमार

डाल चन्द

यूनीवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन

डा० डी. एस. कोठारी, चेअरमेन ३२७६८
५ यूनीवर्सिटी रोड २४३३३

तारा चंद
एफ-३५० (जी०) लक्ष्मीबाई नगर

परराष्ट्र मंत्रालय
(एक्सटर्नल एफैअर्स मिनिस्ट्री)

एन० पी० जैन, अंडर सेक्रेट्री
डी I/२० चाण्क्यपुरी

सुमेर चन्द
जी-१२२, सरोजिनी नगर

ब्रजेन्द्र कुमार
एम पी टी ४८६ सरोजिनी नगर

कीर्ति चन्द
आई-३०० मेडीकल एन्क्लेव

सुरेन्द्र नाथ
आर. डी. जैन

अर्थ मंत्रालय (फाइनेंस मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट आफ़ एक्सपेंडीचर

बलायती राम, मैनेजर-कोआपरेटिव स्टोर्स [illegible]
४५०-ई, करोलबाग.

बलबीर चंद [illegible]
३६ पार्ट०, निगमबोध गेट

ज्ञान चंद [illegible]
पाल्म

प्रेमचन्द
एफ-५३ नौरोजी नगर

डिपार्टमेंट आफ़ इकोनोमिक एफ़ैअर्स

वाई. टी. शाह, डिप्टी सेक्रेटरी ३५०९३—४२६६३
कोमल चन्द सोधिया, अंडर सेक्रेट्री ३२८३६
वी-३१, पंडारा रोड
वी-डी-जैन, सेक्शन आफीसर ३५७४१
वकील चन्द
५३-ई, राजा बाजार ३२९१६
जे० एल० जैन
८-डिप्टीगंज ३५७४१
सत्य प्रकाश
डी-२१७, मोती बाग़ ३२७०९
दीप चन्द
ए-२८३, किदवई नगर ३४६४५
विमल कुमार ४७६१०
४६-सी, इर्विन रोड, ३१५७३
सागर चन्द
पो० आ० बहादुर गढ़ (रोहतक)

डिपार्टमेंट आफ़ रेवेन्यू

एच०ए० शाह, डिप्टी सेक्रेट्री ४०७०५
नेमी चन्द, सेक्शन आफीसर
३६-मोडल बस्ती ४०६२०
बद्री दास, सेक्शन आफीसर
जी-१२२, सरोजिनी नगर ४१६८७
लक्ष्मी चन्द, सेक्शन आफीसर
३२-एक्स, चित्रगुप्त रोड ४२५४८
नेम चन्द, सेक्शन आफीसर
२४-फीच स्केअर
एस० एन० जैन
६०-आराम बाग़ प्लेन ४०६७७
दीवान चन्द
४५८२-जगन्नाथ भवन, डिप्टी गंज
लाल चन्द
२२-गनेशी दास बिल्डिंग, गांधीनगर ३१४७६
पदम सिंह ३२६८०
४१२०-आर्यपुरा, सब्जीमंडी

ज्ञान चन्द ४२५४८
श्रीपाल
२५८४, गली पीपल वाली, धर्मपुरा ३२२८४
श्रीमती ऊषा
६-तुग़लक प्लेस

इंडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन आफ़ इंडिया
रिज़र्व बैंक बिल्डिंग

३५३८१
सुल्तान सिंह
ए-७०८ सरोजिनी नगर
गनपतराय
६६ एफ-कमला नगर

डायरेक्टोरेट आफ़ रेवेन्यू इंटेलीजेंस

जगदीश प्रसाद ४०५५७
६६५/२२६-सी, जैन मुहल्ला, कैलाश नगर

फाईनेन्स डिफेंस

प्रेम चन्द
एक्स वाई-३६, सरोजनी नगर

सेंट्रल एक्साइज

रामेश्वर दास
डी-१०६ सरोजिनी नगर

सेंट्रल एक्साइज एण्ड लैंड कस्टम्स कलैक्ट्रेट

एम० पी० जैन
१६३-आचार्य निकेतन, पटपड़ गंज

सेंट्रल बोर्ड आफ़ रेवेन्यू

पदम सिंह
आर्यपुरा, सब्जीमंडी

इन्कमटैक्स आफिस

जी. ऐम. सिंघवी, इन्कमटैक्स आफीसर
मथुरा रोड
डी० के० जैन ४६११६
७/३८ डा० सचदेव लेन, दरियागंज २७६०८
अभय कुमार ४६११६
आई-२५५, सरोजिनी नगर
आर० सी० जैन
७/१६ दरियागंज

सुमत प्रसाद, इन्कमटैक्स ग्राफीसर ४२६६०
ए-५५ (जी) लक्ष्मी बाई नगर
वैजनाथ ४६१६४
५५/१ राजेन्द्र नगर
नरेन्द्र सिंह
II A/६८ लेंसर्स रोड, दी माल
जसवंतराय
रामतेल भवन, ७/२० दरियागंज
कैलाश चन्द ४००८४
२६/७ शक्ति नगर
मुरारी लाल ४७४८१
४५८२ डिप्टीगंज
वसंत कुमार
३६/२० शक्ति नगर
मामचन्द ४६७६८
२० ग्राराम बाग़ रोड
संत प्रकाश ४०६८५
जी १६२-साउथ विनय नगर
कुंथु सागर ४३२७४
३००५, कूंचा नील कंठ
शिखर चन्द ४३२७४
२७६८ गलीरूप, सब्जीमंडी
राम कुमार ४३२७४
३६६४ गली ग्रहीरान पहाड़ी धीरज
सुरेन्द्र कुमार २८८५५
२५ फैज़ बाजार, दरियागंज
ग्रजीत सिंह ४७०४६
२५-डी कमला नगर
प्रेम चन्द ४७०४६
ए. २२२ किदवई नगर

डायरेक्टोरेट ग्राफ़ इंसपेक्शन

एस. पी. जैन, डायरेक्टर ४३७८५
सी-II/६६, मोती बाग़ ३३४०७

डायरेक्टोरेट ग्राफ़ इंसपेक्शन (इन्वेस्टीगेशन)

प्रेम चन्द
ए-३२२ नार्थ ग्राफ मेडीकल एनक्लेव

कृषि एवं खाद्य मंत्रालय
(फूड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री)

फूड डिपार्टमेंट, कृषि भवन

महावीर प्रसाद, सेक्शन ग्राफीसर ३५३११/६५
४०६२, गली मन्दिर, पहाड़ी धीरज
जगदीश राय, सेक्शन ग्राफीसर ३५३११/६६
ग्रीन पार्क
कैलाश चंद ३५३११/६६
२७ क्लाइव स्क्वेग्रर
शांतिसागर ३५३११/६
४३ भोगलरोड, जंगपुरा ७४६५४
चक्रेश्वर कुमार
३१ डिप्टीगंज
प्रकाश चन्द
१२३-ए, नेताजी नगर
रूपलाल ३५३११/६६
ई-१४३ ई. विनय नगर
मित्रसेन
एफ-१६५, मोती बाग़ (II)
पदम चन्द
८३-स्कूलर रोड़ ३५३११/२२.
शिवसहाय
नई ग्रनाज मंडी, मोडल बस्ती

एग्रीक्लचर डिपार्टमेंट, कृषि भवन

ग्रतर चंद, ग्रंडर सेक्रेट्री ३६५८१
२६८१-कूंचानीलकंठ २४०४८
जगत किशोर, डि० इर्रीगेशन एडवाइज़र ३८४६३
५४६, एस्प्लेनेड रोड
सतीश कुमार ३३७४१/२२
६६-ई. राजा बाजार
चत्तर सिंह ३३७४१/६१
एफ-५०२, नेताजी नगर
ग्रजीत प्रसाद
२६८१-कूंचा नीलकंठ, दरियागंज
जगन्नाथ ३६५८२
सी-सी ८१/एस ई, लक्ष्मीबाई नगर

अमीन चंद्र
१४४० फय्याज़ गंज, वहादुरगढ़ रोड, सदर वाजार
धन कुमार
वी. डी. ६०५, सरोजिनी नगर
नरेन्द्र कुमार　३३७४१/२२
५५५६, वस्ती हरफूल सिंह
हेम चन्द्र
४०३५ गली अहीरन, पहाड़ी धीरज
शिव कुमार
२१/१८४ लोदी कालोनी
जम्बू प्रसाद
गली अहीरन, पहाड़ी धीरज

डायरेक्टोरेट आफ़ इकोनोमिक्स एंड स्टेटिसटिक्स कृषि भवन

सुन्दर सिंह
२७२०, छत्ता प्रताप सिंह, किनारी वाजार
नेम चन्द्र
१- अंसारी रोड, दरियागंज
कुलभूषण लाल
एफ-१७१ (जी० टा०) लक्ष्मीवाई नगर
चित्तरंजन दास
७/७ दरियागंज
सुरेश चन्द्र
२३१०, धर्मपुरा
सुदर्शन लाल
जमालपुरा (सोनीपत)
महिपाल
१३०४, गुली गुलियान, दरीवा

शुगर एंड वनस्पति डायरेक्टरेट, जामनगर हाउस

के० पी० जैन, चीo डायरेक्टर　४४०४१
२७९३, गली पीपल महादेव　२३७३६
एन. एस. जैन, मैनेजर-दो. सुगर फैक्ट्री
विमल प्रसाद　४५९४३
मिंटो रोड
ओम प्रकाश
लोदी रोड

सुरेश चन्द
१२२८-वकीलपुरा
सुल्तान सिंह　४६०९५
२१९५ मसज़िद खजूर
सुख दयाल
एम-४८१, सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट आफ एक्सटैनशन, कृषि भवन

नेम चन्द, सेक्शन आफीसर　३५९४३
२३/६, वी रोहतक रोड　५२ २२
कैलाश चंद्र　३३८४१
१०७ सम्मन वाजार, जंगपुरा
मंगतराय
एफ. ९३, मोती वाग़ (२)
हेम चन्द्र　३३८४१
२९७२ गली लक्षी वाली, गंदा नाला

इंडियन काउंसिल आफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च कृषि भवन

मुनीन्द्र कुमार, अ० एडीटर　३०१९१/५६,
डी.-२/६, माडल टाउन, माल रोड
यू० एस०जैन, सैक्शन आफीसर　३०१९१/१२
१ नाई वाला, १२८६, करोल वाग़
आशाराम
डी. जी-१०२६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन　३०१९१/५८
भगवती निवास, एच-१० ग्रीन पार्क
श्रीपाल　३०१९१/६२
४० राजा फांउड्री
बुधसेन
जी-१४४ नौरोजी नगर

इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूसा रोड

के० वी० लाल, रिसर्च स्कालर
४६, हेस्टिंग्स स्क्वेअर

स्वास्थ्य मंत्रालय (हेल्थ मिनिस्ट्री)

मोती चन्द, अंडर सेक्रेट्री　३१५८७
२४ फैज़ वाजार

प्रकाश चन्द ... ३४५०२
२३२७-धर्मपुरा

रामेश्वर नाथ ३४५०२
५-डी. कमला नगर

आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ़ मेडीकल साइन्सेज

डा० मानक चंद नौलखा
ई-१००. (ई० टा०)

डायरेक्टोरेट जनरल, हैल्थ सर्विसेज

राम बहादुर, सेक्शन आफीसर ३६३१६
ए-२१/८४ लोदी कालोनी

सुर्जन दास ३३४५२
सैक्शन आफिसर, ६-तुगलक प्लेस

कीर्ति चन्द्र ४८३६७
डी-३३४, श्री निवास पुरी

त्रिलोक चन्द्र ३५६६५
४४४-ई, देवनगर

पी० सी० जैन ४८३६७
१४७-ई, तिमारपुर

महेन्द्र स्वरूप
२२-डी० रोबर्टस स्क्वेअर

भीम सेन मित्तल
२०७९-दरीबा खुर्द, चांदनी चौक

एस० के० जैन

सुमेर चन्द्र ३२८४७
ए-सी (जी टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

एम० सी० जैन ३६७६७
६७३-भोजपुरा स्ट्रीट, मालीवाड़ा

ज्ञान चन्द
१२६-ई० करोल बाग़

पी० सी० जैन
७१ मेमवती गली, शाहादरा

रमेश चन्द
१७८२-दरीबा कला

भाग चन्द

सी० एच० एस० डिस्पेंसरीज

चन्द्रगुप्त रोड, पहाड़ गंज

डा० एस० के० जैन ४३०४४
५३२१, सदर थाना रोड

विलिंगटन अस्पताल

डा० भीमसेन, स्टाफ सर्जन (आई) ४३४६१
१५, महादेव रोड ४८१३४

डा० आर० एस० कोठारी, जू० स्टाफ सर्जन (मेडी०)

सी० एम० जैन

सफदरजंग अस्पताल

डा० के० सी० कासलीवाल (आ० स्पे०)
डी/१, लक्ष्मीबाई नगर

फेमिली प्लानिंग सेंटर डाइज स्क्वेअर, गोल मार्केट

डा० (श्रीमती) तारामणि ४३२२८
ए-७ पंडारा रोड ४३२२३

गृहमंत्रालय (होम मिनिस्ट्री)

शिव दयाल सिंह, सैक्शन आफिसर ३४०८६
८ टेम्पिल लैन

जे० डी० जैन
४२६८, आर्यपुरा, सब्ज़ी मन्डी

शेखर चन्द ३१०११/४३
५८११, ब्लाक नं० ४, देवनगर

वी० एल० जैन
४४१५, मो० जाटान, पहाड़ी धीरज

एम० पी० जैन
६/६६८७, देवनगर

श्रीपाल जैन ३५५७३
४१३७, गली जैन मन्दिर, सब्ज़ी मंडी

एन० के० जैन ४२०००
डिप्टीगंज

के० आर० जैन ३४१०२
बी-११/१८४, देवनगर

त्रिलोक चन्द ४२०००
सी-६०१ सरोजिनी नगर

रघुवीर प्रसाद ४२०००
बी. डी. ६८१, सरोजिनी नगर

राम चन्द ४२०००
बी-५३२, सरोजिनी नगर

कैलाश चन्द
जी. आई ८८५, सरोजिनी नगर

वद्री प्रसाद
जी-२२ नौरोजी नगर

इंटैलीजेंस व्यूरो

मदन लाल
ए-३४६, नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट

रमेश चन्द
एच. पी. टी. ८६, सरोजिनी नगर

रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया

शीतल प्रसाद, डि० रजि० जनरल ४७१९८
३३, शान नगर ७२८५१
अनिरुद्ध कुमार ४०७०२
१०३-डी, कमला नगर
राजेलाल ४०७०२
एफ-२०२, वेस्ट विनय नगर

सेक्टेरियट ट्रेनिंग स्कूल

जय प्रकाश, इंस्ट्रक्टर ४४१८६
२३ अहिल्यावाई रोड

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (इन्फोर्मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री) नार्थ ब्लाक

जुगमन्दर दास, अंडर सेक्रेट्री ३२५५७
४६-सी. इर्विन रोड ४७६१०
मदन मोहन लाल, कैम्पेन आफीसर ३४४७८
ए-२७ डी. II फ्लैट, मोती बाग़ ३३६६०
जय कुमार, सेक्शन आफिसर ३६७६८
१-बी, राउज़ लेन
मनमोहनवीर सिंह, सेक्शन आफीसर ३६८६०
३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
प्रेम चन्द ३५०७६
डी-४०२, मोती बाग़-१
विमल प्रसाद ३५०७६
सी-४६१, नेताजी नगर
प्रेमचन्द ३३७२६
४५६-मंटोला, पहाड़ गंज

एडवर्टाइजिंग एन्ड विजुअल पब्लिसिटी डायरेक्टोरेट, कर्जन रोड

सुरेन्द्रवीर सिंह, अकांउट्स आफीसर ४६५२४
३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
कल्याण चन्द ४६४७६
ए-२/७३ लेंसर्स रोड, दीमाल
त्रिलोकचन्द फोटोग्राफर ४४३७३
३३-मोडल वस्ती
सुरेन्द्र कुमार
२१८३, मसजिद खजूर, धर्मपुरा
जितेन्द्र कुमार ४६४७६
५/६१ देव नगर

पब्लीकेशन्स डिविज़न, ओल्ड सेक्रेटेरियट

महेन्द्र सेन, विज़नस मैनेजर २६६२८
मनोरंजन भवन, ११-दरियागंज २६३३८
श्री कृष्ण २६६७५
४५३७/XIV पहाड़ी धीरज
सुरेन्द्र कुमार २६६७५
४०/१६ शक्ति नगर
तारा चन्द, फोटोग्राफर ३०१०१/३६६
१/१६२६ मद्रास रोड, काश्मीरी गेट
सागर चन्द २८४३२
४१/II ए, लेंसर्स रोड, तिमारपुर
ओम प्रकाश
एस० पी० जैन २६६७५
१४-यू० बी०, जवाहर नगर
राज कुमार २६६३६
१७०२, कूंचा जाटमल, दरीवा
मुरारी लाल
४५६७, गली नथ्थन सिंह, पहाड़ी धीरज २६६७२
संत कुमार
१७०२, कूंचा जाटमल, दरीवां २६६३६

प्रेस इन्फोर्मेशन व्यूरो, आकाशवाणी भवन

शिवनाथ मित्तल, अ०प्रि० इन्फा० आफिसर ४५२८७
ए-१४२ नेताजी नगर ७२५२६

रतन लाल, एकाउन्टेट
त्रिभुवन प्रसाद
मनमोहन दास
नेम चन्द

इन्टैग्रेटेड फोटो यूनिट, आकाशवाणी भवन

मोतीराम, अ० फोटो आफीसर २९९१०
गली कन्हैयालाल अत्तार, चरखेवालान
तारा चन्द्र, फोटोग्राफर ४४३७३

आफ इन्डिया रेडियो, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रोशन लाल, अ० डायरेक्टर ३०१०१/२२४
१३, डी० करोल बाग़
वी० एस० जैन
८-ई, कमला नगर ३०१०१/३८४
शांति प्रसाद ३०१०१/३७१
जी १-९०२, सरोजिनी नगर
एम० एल० जैन ५०५५६
कूंचा घासीराम, चांदनी चौक
धरणेन्द्र कुमार ३३९९४
एच-५, मोती बाग़-२
मदन कुमार स्टाफ आर्टिस्ट ३५२११/१९७
सी-४९० वेस्ट विनय नगर
सतीश चन्द्र, स्टाफ आर्टिस्ट
१३६-ए०. किदवई नगर
जैन कुमार, स्टाफ आर्टिस्ट
१७/२१-दरियागंज
प्रकाश चन्द्र, स्टाफ आर्टिस्ट
नाई वाड़ा
नरेश कुमार, स्टाफ आर्टिस्ट
कूंचा बुलाकी बेगम
एस० सी० जैन, स्टाफ आर्टिस्ट
सेन्ट्रल इन्डिया प्रेस क्लाथ मार्केट
महावीर प्रसाद, हेड क्लर्क
एच-१००, सरोजिनी नगर
भगतराम ३५११/१८८
बाई-३२७, सरोजिनी नगर
एम० के० जैन ३०१०१/३१०
२५९६ गली पीपल वाली, धर्मपुरा

कामता प्रसाद
सी० II/११२ लोदी कालोनी

हाई पावर ट्रांसमीटर, डा० खामपुर

जे० पी० जैन, हैड क्लर्क २५७०४

इर्रीगेशन एण्ड पावर मिनिस्ट्री, नार्थ ब्लाक

जगदीश शरण, डिप्टी सेक्रेट्री ३२७३१
सी-२/१२० मोती बाग़ ३९४२६
मोहन लाल ३२९९६
सी-६०१, सरोजिनी नगर
एस० पी० एस० जैन ३२९९६
४५५१, आर्यपुरा, सब्जी मंडी
धर्मदास, स्पे० कमिश्नर फार केनाल वाटर्स ४८१८९
२४, विलिंगडन क्रेसेंट ७५३१९

सेंट्रल वाटर एण्ड पावर कमीशन, जामनगर हाउस

राजेन्द्र कुमार, डिप्टी डायरेक्टर ४२०९८
सी-४३, (फर्स्ट फ्लोर) जंगपुरा
प्रेम सागर, असिस्टेंट डायरेक्टर ४२२५१
१३, महादेव रोड
प्रीतम चन्द ४४९९५
ए-२९३, मोती बाग़ (१)
मनभावन सिंह ४४९९५
ई-१, करोल बाग़, न्यू रोहतक रोड
विमल कुमार ७२९९५
बी-२३३ मोती बाग़ (साउथ)
बलराज
१५४०/२८ नाई वाला, करोल बाग़

सेन्ट्रल बोर्ड आफ इर्रीगेशन एण्ड पावर

पदम प्रसाद
जी-३९, नेता जी नगर

कृष्णा-गोदावरी कमीशन

धर्मदास, [illegible] ४८१८९
२४, विलिंगडन क्रेसेन्ट ७५३१९

लेबर एण्ड एमप्लायमेंट मिनिस्ट्री

दलपतराय, [illegible] ३[illegible]
बी-१७/९०० लोदी कालोनी

शंकर स्वरूप, सेक्शन आफीसर २७३३०
वी-१७/६१६ लोदी कालोनी

जितेन्द्र कुमार
सी-४३७ सरोजिनी नगर

शाम स्वरूप ३५१०३
वी-१४/८७४ लोदी रोड

कैलाश चन्द ३१४६२
वी. डी-६३६ सरोजिनी नगर

भजन लाल
आई-३०५, सरोजिनी नगर

एम्प्लाइज एस्टेट इन्श्योरेन्स कार्पोरेशन, न्यू देहली एरिया

डा० एस० के० जैन ५२६४६

सेन्ट्रल प्रोवीडेंट फंड कमिश्नर्स आफिस

सुमत प्रसाद
एफ-४८१ नेता जी नगर

डायरेक्टोरेट जनरल आफ रिसेटलमेंट एण्ड एम्पलायमेंट तालकटोरा बैरेक्स

प्रेम कुमार ३४३११/४२
डी-१/८ लोदी कालोनी

विधि मंत्रालय (ला मिनिस्ट्री)

गोकुल प्रसाद ३६३१६
२१-दरियागंज

शंकर लाल

सनत कुमार ३६६३६
२३१० धर्मपुरा

शरद कुमार
टी-६० ना० रे० का० फूसकीसराय, तीसहज़ारी

इलेक्शन कमीशन, १ औरंगजेब रोड

सतीश चन्द ७३५०३
एफ-८४, सरोजिनी नगर

सुरेश चन्द ७३५२३
कूचा नीलकंठ, दरियागंज

रामस्वरूप, पी. ए. टू. ज्वा. सेक्रेट्री ३२६७३
सी-४६ (ई टा०) लक्ष्मीवाई नगर

राज कुमार

पी. सी. जैन

नरेन्द्र कुमार

श्याम लाल
३३८-१६ सुमति सदन, गनेशपुरा, विनय नगर

रेलवे मिनिस्ट्री (रेलवे बोर्ड) रेल भवन

त्रिलोक चन्द, अ० डायरेक्टर ३५८२४
ऐफ-२, ग्रीन पार्क

प्रताप वहादुर, अ० डायरेक्टर ४५५१४
३, कोटला रोड ४३८२१

कैलाश चन्द सेक्शन आफीसर ३५८४७
वी-६/६८२, लोदी कालोनी

शुभ चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३०४७२
वी-११/८०६ लोदी कालोनी

द्वारका प्रसाद ५५४१३
१८४६/४८ नाई वाला गली, कराल बाग़

कामता प्रसाद ४८६१५
डी. जी-१०५२, सरोजनी नगर

एम. पी. जैन ३४६३६
२१८/६ जोशी रोड, करौल बाग़

ऋषभ दास ३२५८५
सी-II/३२ लोदी कालोनी

जय कुमार ४७५०४
वी-१४/८७४, लोदी कालोनी

सुमेर चन्द
४५६५ गली नथ्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

गुण पाल ३११६२
जी-४४३ नौरोजी नगर,

सोम प्रकाश ३५३६१
२६६५/४४ बीदनपुरा, करोल बाग़

जय कुमार
११ फाच स्क्वेअर

रीहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री, जैसलमेर हाउस

राम चन्द्र, वैल्यूएशन आफीसर ४५२०५
ए २५८ पंडारा रोड ४३६३७

दौलत सिंह, अ० से० आफीसर ४०२४१
गली लाड़े वाली, मालीवाड़ा २६२१८

सुमत प्रसाद सुपरिटेंडेंट
गली अनार कुरांवाली,

मदन लाल
ई एफ ६५४, सरोजिनी नगर
महावीर प्रसाद

जयचंद
१४४७-फैज़ गंज, वहादुर गढ़ रोड

देवेन्द्र कुमार
३१६२-वारवाला चौक

प्रेम चन्द
एफ-१७६ मोती वाग़-२

शिखर चंद
शिवनगर, करोल वाग़

प्रेम चन्द

मोहन लाल

नवीन चन्द
जी-१६६ नौरोजी नगर

रीजनल सेटलमेंट कमिश्नर, जामनगर हाउस

स्वरूप चन्द, अ. से० आफीसर
१५३४ कूंचा सेठ

आर० के० जैन

दिलवाग राय
जी-२६५ नौरोजी नगर

आर० डी० जैन

साइंटिफिक एण्ड कल्चरल एफैअर्स मिनिस्ट्री

मदन मोहन, अंडर सेक्रेटरी
एच० ६५ साउथ एक्सटेंशन

एन. के. जैन

कस्तूर चन्द
डी जी-६८४ सरोजिनी नगर

खेल चन्द्र ३६५४२
२२२६-टंडा फाटक, सदर वाजार

जय कुमार ३६५७८
एक्स, ३३२-सरोजिनी नगर

जिया लाल
६२-ए, रानी वाग़, शकूर वस्ती

आर्क्यिोलोजी डिपार्टमेंट, जनपथ

शीतल प्रसाद, सर्वेयर इंस्ट्रक्टर
८-रामनगर

हुकम चन्द
४८ वैरन रोड

प्रेम किशोर, जू. लायब्रेरियन
जी-६ मोती वाग़ (२)

ललित कुमार
क्वा. ३४/व्ला. ४ गव. कालोनी, कटोल रोड, नागपुर

सुशील कुमार

नेशनल म्यूज़ियम

पी. सी. जैन
एफ. ३५३ नेताजी नगर

ओमप्रकाश
डी. ६६ (ई. टाइप) लक्ष्मीवाई नगर

काउंसिल आफ साइंटीफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च
रफ़ी मार्ग

डा० डी० एस० कोठारी, सदस्य-गवर्निंग वाडी ३२७६८
चेअरमेन-एरोनोटीकल रिसर्च कमेटी
५, यूनीवर्सिटी रोड २४३३३

आनन्द प्रकाश, एडमिनि० आफीसर
(से० प. ए. इं. रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर)

अनन्तवीर प्रसाद
६ वी. तिविया कालेज क्वा०, करोल वाग़

पदम चन्द ३३०५६
६०/६१ नयागंज, गाजियावाद

नेम चन्द
मोती वाड़ा
संगीत नाटक अकादमी, ४-ए मथुरा रोड, जंगपुरा

अमोलक चन्द्र [illegible]
५६४, गली जैन मंदिर, शाहदरा

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा एण्ड एशियन थियेटर
इंस्टीट्यूट, १५ ए. कैलाश कालोनी

नेमिचन्द्र, अ० डायरेक्टर [illegible]
३ एस. जंगपुरा एक्स. [illegible]

स्टील, माइंस एण्ड फ्यूल मिनस्ट्री, उद्योग भवन

डिपार्टमेंट-आइरन एण्ड स्टील

निर्मल कुमार, लायब्रेरियन ३४२४१/२४
१४२१-कू० उस्ताद हीरा, गुलियां

टेक चन्द, कैशियर ३४२४१/२५
१२-ई, वेग्रर्ड लेन

हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड

सन्तलाल, आफीसर आन स्पे० ड्यूटी (राँची)
२०५, जोर वाग ७४७.६

माइंस एण्ड फ्यूल डिपाटमेंट

मनभावन लाल ३२६६६
ए. १४७ (ई. टाइप) लक्ष्मी वाई नगर

विमल कुमार ३१६६६
वी. १५/२६५, लोदी कालोनी

ट्रांसपोर्ट एण्ड कम्यूनिकेशंस मिनिस्ट्री

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट-ट्रांसपोर्ट विंग, नार्थ ब्लाक

एम. डी. जैन ३२६१३
५७-डी, कमला नगर

. सी. जैन ३२६१३
५०-सी. इर्विन रोड

दौलत राम ३२६१३
द्वारा ला० दनतराम जिनलाल, वे० पटेल नगर

एम. सी. जैन
दु० नं० २३६० शादीपुर ३२६१३

एस. के. जैन
एफ. ३६६ लक्ष्मीवाई नगर ३२६१३

ट्रांसपोर्ट डिपा०/रोड विंग, जाम नगर हाउस

फतेह चन्द, अंडर सेक्रेट्री ४८७४७
६४२ जैन भवन, अर्जुन नगर

जय कुमार, सेक्शन आफीसर ४००१६
१४-डी राजा वाजार

रतन चन्द, सेक्शन आफीसर ४००१६
२७६६ किनारी वाजार

आनन्द स्वरूप, अं० इंजीनियर ४००१६
एफ-१३८ नौरोजी नगर

महेश कुमार
१४-डी. राजा वाज़ार

सुखनन्द कुमार
१४-डी. राजा वाजार

गौतम कुमार
४४-डी. कमला नगर

कम्यूनीकेशंस एण्ड सि० एवियेशन डिपा०

सुमेर चन्द, अंडर सेक्रेट्री ३२१११
डी. II/२४६ डिप्लो० एन्क्लेव

रनवीर सिंह, सेक्शन आफीसर ३१२३४
एच-६५ सरोजिनी नगर

के. पी. जैन
३७३६ जमादार गली, पहाड़ी धीरज ३३६७३

लाइट हाउसेज विभाग

राजेन्द्र प्रसाद ३२६८६
वी. १७/६०४, लोदी कालोनी

सिविल एवियेशन, डिपार्टमेंट

प्रेम चन्द, सेक्शन आफीसर ७४२३६
ए ११५, नेताजी नगर

देवराज ३५२७१/१२०
वी. ६०, सरोजिनी नगर

प्रकाश चन्द ३५२७१/५६
धर्मपुरा

कंट्रोलर आफ एरोड्रोम

वी० एन० जैन
ई. एफ. ६५४ सरोजिनी नगर

सफदरजंग एरोड्रोम

जगदीश चन्द
सी. १६६ (ई टाइप), लक्ष्मीवाई नगर

डायरेक्टर जनरल, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ पा० स्ट्रीट

सुमेर चन्द, डि० डा० जनरल ३४१७१ ३०१५१/२८०
डी. १/१८६ चानक्यपुरी ३३४४०

शीतल प्रसाद, एकाउन्टेट ३०१५१/४१५
जी-३२६, श्री निवासपुरी

मुन्नी लाल ३०१५१/४०४
१८/३४० लोदी कालोनी
प्रकाश चन्द ३०१५१/२५५
बी-११६ मोती बाग़ (१)
शांति प्रकाश ३०१५१/४४२
एक्स-३४५ सरोजिनी नगर
चेन लाल ३०१५१/२६७
जी-४३३ श्री निवासपुरी
ज्योति प्रसाद ३०१५१/३०६
ई०-१२६ लक्ष्मीबाई नगर
सुगन चन्द
जी-१६६ नौरोजी नगर

कार्यालय, डायरेक्टर, पोस्टल सर्विसेज

पी. एण्ड टी. डा० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रोशन लाल, हेड क्लर्क ३०१५१/३५५
एल. पी. टी. ३४०, सरोजिनी नगर
प्यारे लाल ३०१५१/३५५
१६ टेली० टेक० व० मे० क्वार्टर्स, अतुलग्रोव
रानी देवी ३०१५१/३६०
५/५७८१, देवनगर
प्रकाश चन्द ३०१५१/३६०
एच. ६५, सरोजिनी नगर
भगवान स्वरूप
एम. पी. टी. ४८६, सरोजिनी नगर

दिल्ली जी० पी० ओ०, कश्मीरी गेट

ब्रजभूषण लाल
छोटे लाल
हुकुम चन्द, टा० इन्सपेक्टर २६३४४
१७/२/१६, अतुलग्रोव चेम्बरीज
कपूर चन्द
केशव चन्द
ओम प्रकाश

नई दिल्ली जी० पी० ओ०

भगवान स्वरूप
मंगत राम
ज्ञानचन्द

पोस्ट आफिस—सिविल लाइन्स

विधान दास

पोस्ट आफिस—करोल बाग़

खूब चन्द्र, सुपरवाइज़र

इन्टर, नेशनल टेलीग्राफ आफिस

जीवन दीप बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

सुरेन्द्र सिंह
१३५ गली हवाई. पहाड़ गंज
जयचन्द
ई० पी० टी० १३३, सरोजिनी नगर
ब्रज लाल
ई० पी० टी० १३३, सरोजिनी नगर

सेंट्रल टेलीग्राफ आफिस

कैलाश चन्द
ई० पी० टी० ११०, सरोजिनी नगर

दिल्ली टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, ईस्टर्न कोर्ट

बाबू राम ४५६५१/३६
७०२० गली टाँकी वाली, पहाड़ी धीरज
ओ० पी० जैन ४५६६१/५३
१६७ अनारकली सा० एक्सटेंशन, गांधी नगर
देवेन्द्र प्रसाद ४८४६०
एच० पी० टी० ८६, सरोजिनी नगर
रोशन लाल
८५, बेअर्ड रोड

तीसहज़ारी एक्सचेंज

सुमत प्रसाद
मसजिद खजूर

देहली टेलीफोंस

केशर दास, इलेक० सुप० (फोन) ७३६२७
एम० पी० टी ४८३, सरोजिनी नगर
सत्यपाल, इंजीनियरिंग सुपरवाइज़र (फोन) ४८६५३
टी १८ एफ, अतुलग्रोव ४८५५३
उत्तम चंद्र, इंजीनियरिंग सुपरवाइज़र (फोन) ७३४०१
१२८५, फैजगंज, बहादुरगढ़ रोड २८६००

वर्क्स, हाउसिंग एण्ड सप्लाई मिनिस्ट्री

हरी शंकर, अंडर सेक्रेट्री ३१५५०
ए-२७७, पंडारा रोड
प्रद्युम्न कुमार, सेक्शन आफीसर ३११२५/२३१
१७-[illegible] स्क्वैयर

अर्जीत प्रसाद, सेक्शन आफिसर ३११२५/२२४
३७३६ गली जमादार, पहाड़ी धीरज

जवाहर लाल ३११२५/२४६
१३३-टैगोर रोड

प्रेम चन्द ३११२५/२३६
४१७८ मो० अहीरन, पहाड़ी धीरज

प्रेमचन्द गोयल ३११२५/२३८
ए-२२३, मोती बाग़–१

सुरेन्द्र कुमार ४११२५/२०५
ई० पी० टी० ११०, सरोजिनी नगर

तारसीम कुमार ३११२५/२०५
२/३७ रूप नगर

खुशदिल प्रसाद
बी० १६४ नेताजी नगर

चीफ कंट्रोलर आफ प्रिंटिंग एण्ड स्टेशनरी

हंसराज, अ० कन्ट्रोलर (प्रि०) ४२२६१
४६-सी, माता सुन्दरी रोड

ओम प्रकाश ४२२६१/१६
एफ-३० नौरोजी नगर

रघुवीर प्रसाद ४२२६१/२४
डी० जी० ६७०, सरोजिनी नगर

पी. सी. जैन ४२२६१/३१
२२५२ सतघरा, धर्मपुरा

डायरेक्टोरेट जनरल-सप्लाइज़ एण्ड डिसपोज़ल्स

पुरुषोत्तम दास, आफी० आन स्पे० ड्यूटी (एका०) ४००२६
१३, महादेव रोड

के० सी० जैन, सेक्शन आफीसर ४६०५६
III/२६४४ नया बाज़ार

पारस दास, सेक्शन आफीसर ४३६२८
६५/१५-रोहतक रोड

वीरेश्वर प्रसाद
१-एम० एम० रोड

बद्री प्रसाद
५७-महाबतखां रोड

जवाहर लाल ४०६२५
१६-गनेश प्लेस, रीडिंग रोड

महेन्द्र सैन ४२४६७
१३०-ई० देवनगर

एम० पी० जैन ४०६६१
बी-११/१८६ देवनगर

उग्रसेन मित्तल
२१-दरिया गंज

मिश्री लाल ४०६२५
सी-२३-ई० विनय नगर

नेम चन्द ४६०५६
डा० सचदेव लेन, ७/१ दरिया गंज

प्रेमनाथ ४४७४०
१५ बी/२८७ लोदी कालोनी

प्रमोद कुमार
ए-६०५ सरोजिनी नगर

रामलक्षपाल सिंह ४०६२५
बी. १७/६१८ लोदी कालोनी

देवेन्द्र कुमार ४३८३१
२०२३ गली कायस्थान, बहादुरगढ़ रोड

जिनराज सिंह ४३८६७
३६१-ईस्ट विनय नगर

कैलाश चन्द्र
सी-२४८ सरोजिनी नगर

निरंजन लाल ४०३६२
डी. जी. ६२५, सरोजिनी नगर

नेमी चन्द ४५७३३
बी० ६/७०४, लोदी रोड

नेमी चन्द २३२०१/१६७
८४ गज्जू कटरा, बाड़ा-सदर

तारा चन्द ४२१८६
४०-एफ, कमला नगर

भारत सिंह ४३३१०
रघुनाथ भवन, ११ दरिया गंज

चन्द्रभान ४०६६१
डी-३८१, मोती बाग़

गुलाब चन्द ४६३७४
जी-३६, श्रीनिवास पुरी

जसवन्त सिंह ४५७३३
६२, बेअर्ड रोड (बेक साइड)

जय कुमार ४२४६७
६६८८-बी०, न्यू रोहतक रोड

राजेन्द्र प्रसाद ४३७३७
४०२ कूंचा बुलाकी बेग़म, दरीबां कला
राम चन्द्र ४३८९२
२२६१ गली अनार, कूंचा जल्ला
शिखर चन्द्र ४३३३५
३७३६ गली जमादार, पहाड़ी धीरज
सुरेश कुमार ४६३४७
एम. पी. टी. ४८९, सरोजिनी नगर
एन० एल० जैन ४८१२९
२७ डिप्टीगंज
मोतीराम ४३८९२
३१७ प्रकाश गली, तेलीवाड़ा सदर
परमेश्वरी दास
डी. जी. ८५७ सरोजिनी नगर
मनोहर लाल ४२५३८
२५४३, धर्मपुरा

नेशनल बिल्डिंग आरगेनाइज़ेशन ११-ए, जनपथ

सी. एम. पालविया, जौइन्ट डायरेक्टर ४५२५७
१२ लेडी हार्डिंग रोड
रिजक राम जैना ४२५२२
९०२, बैरन रोड

डायरेक्टरोरेट आफ एस्टेटस एस्टेट आफिस

चर्च रोड

राम कुंवर, सेक्शन आफिसर ३१२३७
३०२०, गली चूड़ियान, म० खजूर
फतेह चन्द, एकाउण्टेण्ट
५७, मीर दर्द रोड
टेक चन्द
जी-१२८ सरोजिनी नगर
शिवचरन लाल
एफ-२०४ (जी.) लक्ष्मीबाई नगर
एम० एस० जैन
ए-२७६ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
दलवन्त सिंह
ए-३४७ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

गवर्नमेंट आफ इन्डिया प्रेस

प्रेमचन्द, अ० मैनेजर-प्रि०
धर्मपुरा
सीता राम
एफ-१५३ नेताजी नगर

लैंड एण्ड डेवलपमेंट आफिस, सिंदिया हाउस

(फोन-४७८२९, ४८१२८)

कर्तार चन्द्र, एकांउटेन्ट
३/१३, रूप नगर
रोशन लाल
जे-४१, वेस्ट पटेल नगर
पी० सी० जैन
४१७८, मोहल्ला अहीरन, पहाड़ी धीरज
अतर चन्द्र
कूंचा सेठ
अजीत प्रसाद
सी ३०८, किदवई नगर
प्रीतम सिंह
१२/६, यूसुफ सराय

सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट

कैलाश चन्द्र, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०) ३१९८३
५/७२ वे० एक्स० एरिया, करोल बाग़ ५२४२६
कन्हैयालाल, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (इले०) ३४४८१
गली नाई वाली, करोल बाग़
अजीत प्रसाद, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०) ७२९२४
२१/१०, ईस्ट पटेल नगर ५२४१८
देवेन्द्र कुमार, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०)
जोगेन्द्र प्रसाद, अ० सर्वेयर आफ वर्क्स
१३/१९ वेस्ट पटेल नगर
एस० एल० जैन, अ० इन्जीनियर
रघुनाथ सहाय, अ० इन्जीनियर
मोती बाग़
शिखर चन्द्र, लेबर आफीसर ३३३४०
५ एन्डरिया गंज
महेन्द्र कुमार, डिवी० एकाउटेन्ट
एच-१७६, सरोजिनी नगर

चन्द्र किरण, सेक्शन आफीसर (पार्लि० हाउस) ३२४८२
२४/६५ इवेटसन रोड चेम्बरीज़
जय कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६८३
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३३५५७
सुरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६४७
१६ बी/१४, देव नगर
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३२५६७
नरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३२५१०
आई-३०६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन, सेक्शन आफीसर ३२५१०
पी० एल० जैन, सेक्शन आफीसर
सुखमाल चन्द्र, सेक्शन आफीसर
हिम्मत लाल मेहता, सेक्शन आफीसर ४२६४२
सी-II/२, लोदी कालोनी
महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ४०१११/८८
१५/२८८, लोदी कालोनी
सम्पतराम, सेक्शन आफीसर (इलेक्ट्रिकिल) ४०७४६
५६६/३३, गली जैन मंदिर, गांधी नगर
दीन दयाल, हेड क्लर्क २६४६८
निर्मल प्रसाद (पी० एण्ड टी०) ३०१५१/२४४
४/४३ लोदी कालोनी
राज कुमार, ड्राफ्टसमेन ४०१११/८८
११, फौच स्क्वेअर
जीवन राम, (जी. ब्लाक)
सुलेक चन्द्र, (जी. ब्लाक) ३१६८३
एन० पी० जैन, (अजमेरी गेट)
दीन दयाल, (सेकंड सर्किल) ३६३४०
महेन्द्रपाल ४०१११/७२
मोती लाल ४०१११/६७
२५१३, नाई वाड़ा
पी० सी० जैन ४८६२७
जगदीश प्रसाद ३१३०४
छोटे लाल
माखन लाल
एफ-६०५ नेताजी नगर
आर. सी. जैन
एफ-६०५ नेताजी नगर

मोती लाल
ई-६६ (जी० टा०) लक्ष्मीवाई नगर
दर्शन लाल
आई-२७७ मेडीकल एन्कलेव

अशोक होटल

जसवंत राय, एकाउण्टेण्ट
जी १६७, लक्ष्मीवाई नगर

प्लैनिंग कमीशन, योजना भवन

कपिल देव, रिसर्च आफीसर ३४३२५
१०२ ए, मोडल वस्ती २३२३३
शांति लाल कोठारी, स्पे० अ० टू मिनिस्टर
६१, कांस्टीट्यूशन हाउस ४६०६७
मंगल चन्द, इको० इनवेस्टीगेटर ३५२४१/२१५
१२ लेडी हार्डिंग रोड
राजकुमार, स्टे. टू डिप्टी मिनिस्टर ३१०३२
१६१७, गली माता वाली, किनारी बाजार
पदम सैन ३५२४१/२७
ए-३८, मोती बाग़-१
सुदर्शन कुमार ३४२२४
१४/८७४, लोदी कालोनी
राजेन्द्र कुमार
१२ बी/१५८, डबल स्टो० क्वा० देव नगर

प्रोग्राम इवेल्यूऐशन आर्गेनाइजेशन, योजना भवन

जगत नारायन, अंडर सेक्रैट्री ३६२२०
१४-फोच स्क्वेअर ४४१५६
जगदीश मित्र जिंदल
१३ गोड़ोदिया होस्टल, आनन्द पर्वत, करोल बाग़
सतवीर सिंह
४, नूरजहां रोड
जयवीर सिंह
३ टेगोर लेन

स्टेटिस्टिक्स एन्ड सर्वे डिवीजन

क्यू० सी० जैन
XII/६६४७ इस्लाम चन्द, लायब्रेरी रोड

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन

धौलपुर हाउस

आदीश्वर प्रसाद, सेक्शन आफीसर, ४०१६३/४०
१-डी, देवनगर, करोल बाग़ ५४६१८

नरेन्द्र सेन, सेक्शन आफीसर ४०१६१/१०
१०ए/२३, शक्ति नगर
महीपाल ४०१६१/५६
४४४ ई, देवनगर
सोहनलाल ४०१६१/८४
ए. १०५ (ई. टाइप), लक्ष्मीवाई नगर
रघुवीर सिंह ४०१६१/८१
५६ कूंचा सुखानन्द, चांदनी चौक
बूटासिंह ४२८३१
वी. ६१, लक्ष्मीवाई नगर
महेन्द्र पाल ४०१६१
कूंचा सेठ
सुमत प्रसाद ४०१६१
वी. डी. १०४०, सरोजिनी नगर
महताब सिंह ४०१६१
वी. ६२, लक्ष्मीवाई नगर

सेन्ट्रल सोशल वेलफेअर बोर्ड

जीवन दीप विल्डिग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

राकेश जैन, सम्पादक 'समाज कल्याण' ४५७६७
गली नं० २, नाई वाला, करोल बाग
मेहर चन्द, सुपरिनटेंडेंट ४७६५७
डी. जी. १०४२, सरोजिनी नगर
राजेन्द्र कुमार ४७६५८
१४ फौच स्क्वेअर ४४१५६

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

पार्लियामेंट स्ट्रीट

भानु कुमार, बैंकिंग आफीसर ३५३०१/२६
एल. ८६, सरोजिनी नगर ७४००७
निहाल चन्द, असि० करेंसी आफीसर ३५३०१
के ५, सरोजिनी नगर
नरेन्द्र कुमार, सुपरिनटेंडेंट ३५३०१/२७
३५७४ गली बोरिया वाली, सब्जीमंडी
सोहनलाल, सुपरिनटेंडेंट
के० २२ सरोजिनी नगर
ओमप्रकाश, सुपरिनटेंडेंट
के. ६६ सरोजिनी नगर

राजेन्द्र कुमार ३५३०१/डी. बी. ओ.
७१२१, मंडी घास, मो० जाटान, पहाड़ी धीरज
राजेन्द्र प्रसाद ३५३०१/डी. बी. ग्रा.
के ६०, सरोजिनी नगर ७४००७
महेन्द्र कुमार
८ एच, पी. एण्ड टी० क्वा., सिविल लाइंस
सोमनाथ
एल. १२, सरोजिनी नगर
सरदार मल
के ११०, सरोजिनी नगर
सुमत प्रकाश
जे ३१, सरोजिनी नगर
प्रेमचन्द
७१०६, गली पहाड़ वाली, पहाड़ी धीरज
ओमप्रकाश
१२६५, वकीलपुरा
सागर चन्द
निर्मल विल्डिग, वस्ती हफूरल सिंह
किशोर चन्द
१८२ कटरा मशरू, दरीबा
हुकुम चन्द
गली गुलियां, धर्मपुरा
शांती लाल
छप्पर वाला कुआं, करोल बाग
रमेशचन्द
रेगड़पुरा, करोल बाग
शिवधन
३, एलनवी रोड
पवन कुमार
के १२०, सरोजिनी नगर
किशन लाल
के १३८, सरोजिनी नगर
प्रकाश चन्द
एफ २४८, नेताजी नगर
जैन दास
जे २०, सरोजिनी नगर
छतर चन्द
जे १२, सरोजिनी नगर

प्रेमचन्द गर्ग
जे १७, सरोजिनी नगर
त्रिभुवन नाथ
एल ८०, सरोजिनी नगर
राजेन्द्र प्रसाद
गोपाल दास
एल १, सरोजनी नगर

नई दिल्ली ट्रेजरी
रिज़र्व बैंक बिल्डिंग

नेमदास
४१३७ आर्यपुरा सब्जी मंडी
धर्मेन्द्र कुमार
एफ. ३९६ (जी), लक्ष्मीबाई नगर
केवल राम
चन्द्रभान ३५७४९
सी. १७९ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

कार्यालय, कन्ट्रोलर एण्ड आडीटर जनरल आफ इंडिया
मथुरा रोड

पी. सी. दोसी, सुपरिंटेंडेंट
१ सी/११, रोहतक रोड
प्रेमचन्द ४३४७१/६
११४-ए, नेताजी नगर
के. के. जैन ४३४७१/१०
११७७/६ रोहतासनगर, देहली शहादरा
शांतिपाल ४३४७१/आई
II आई/८८, लाजपत नगर
ओमप्रकाश ४३४७१/३१
१४१-सी, वे. विनयनगर
पी. एल. जैन ४३४७१/१०
४३११ गली भैरो वाली, नई सड़क

कार्यालय-अकाउन्टेंट जनरल, सेन्ट्रल रेवेन्यूज़
मथुरा रोड

डी० के० जैन, अ० एकाउण्टेंट जनरल ४२३४१
जम्बू प्रसाद, अ० एकाउण्टस आफीसर ४२३४१
४८ डी, राजा बाजार ४४५१८

प्रेमसागर, सुपरिंटेंडेंट ४२३४१
१४१, टैगोर रोड
आर. एल. जैन, सुपरिंटेंडेट
नेमिनाथ
६३४२, दरवाजा नं० १/७ ब्लाक, देवनगर ४२३४१
मोती लाल
६३, चावड़ी बाज़ार ४२३४१
रमेश चन्द ४२३४१
३७२६ गली बरना, पहाड़ी धीरज
ए. पी. जैन
१४८१, नाई वाड़ा, कराल बाग़
एस. सी. जैन
८०, मार्केट रोड
जानकी दास
१४१ सी., टैगोर रोड
एस- एल. जैन
८/२ सी. राना प्रताप बाग, सब्जी मंडी
इंदर सेन
१५ एक्स, चित्रगुप्त रोड
डी. सी. जैन
१४७१ पंजाबी मोहल्ला, सब्जी मंडी
एच. सी. जैन
३६६७ गली जमादार, पहाड़ी धीरज
एम. एल. जैन
१६/६८३१, अमरीकगंज
डब्ल्यू. सी. जैन
जी-१५, श्री निवास पुरी
उत्तम चन्द मित्तल
सी. II/७, लोदी कालोनी ४२३४१/४
रोशनलाल
के, २५१, सरोजिनी नगर
उग्रसेन
५३-डी, देवनगर
एम. के. जैन
किराना बाजार, गाजियाबाद
महावीर
६, आरामबाग लेन

एन. के. जैन
६२७ मोहल्ला चौधरियान, सोनीपत
वीरेश्वर कुमार ४३२४१
वी १६/१०१६, लोदी कालोनी
जे. डी. जैन
आर. पी. जैन
२६३६, छत्ता प्रतापसिंह, किनारी बाजार
पी. एस. जैन
१६ डी, करोल बाग़
सुरेश चन्द
६५-ई, कमला नगर
कुल भूषण
२५-डी, कमला नगर
एच. डी. जैन
सी. २६६, किदवई नगर
एम. एल. जैन

सी: डी. एकाउन्टेन्ट जनरल (पी. एण्ड टी.)

ओल्ड सेक्रेटेरियट

अरिदमन कुमार, एस. ए. एस. सुपरिनटेंडेंट ४१७१
५१ थोमसन रोड
किशन चन्द, एस. ए. एस
सागर चन्द, एस. ए. एस.
श्री मंदर दास, एस. ए. एस.
करन सिंह, एस. ए. एस.
अजीत प्रसाद
हरीसिंह
सुमत प्रसाद
नेकी राम, अ० सुपरिनटेंडेंट
विशंभर सिंह
जुगमंदर दास (II), सुपरवाइजर
४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी
पूरनमल, सुपरवाइज़र
फिरोजी लाल, सुपरवाइज़र
प्रद्युम्न कुमार, सुपरवाइज़र
४०६६/४१०२ आर्यपुरा, सब्जी मंडी,
मेहर चन्द, सुपरवाइज़र
रिखबदास सुपरवाइज़र
सतवरा धर्मपुरा
शीतलप्रसाद, (II) सुपरवाइज़र
काली चरण, सुपरवाइजर
सुमत प्रसाद
महावीर प्रसाद
रामलाल
धनपत राय
सुमत प्रसाद (II)
मुरारी लाल
राम भज
चम्पा लाल
राम लाल (II)
नेमी चन्द
भूप सिंह
लक्ष्मी चन्द्र
रूप चन्द्र
सागर चन्द ( )
लक्ष्मी नारायन
रोशन लाल
विमल प्रसाद
कपूर चन्द
पदम चन्द,
अगर सेन
नेम चन्द
४१३२ आर्यपुरा, सब्जी मंडी
भोपाल सिंह
सोम प्रकाश
राज कुमार
बदल सेन
जैनेश चन्द्र गर्ग
प्रेम चन्द
गुगन चन्द
हुकम चंद
अजीत प्रकाश
रघुवर दयाल

सागर चन्द (III)
रामदास
दीवान चन्द
प्रेम चन्द्र
सूरजभान
सुखवीर सिंह
सुमत प्रसाद
ज्ञान चन्द्र
पदम प्रकाश
विनय चन्द्र
सुखमाल सिंह
ओम प्रकाश (I)
कैलाश चन्द्र
नरेश चन्द्र
पदम प्रसाद
निर्मल कुमार
जय प्रकाश
सतीश कुमार
सुरेन्द्र कुमार
नेम चंद्र
सुमत प्रसाद
कीर्ति प्रसाद
हीरा लाल

डायरेक्टोरेट आफ आडिट, फूड, रिहेबिलीटेशन सप्लाई, कामर्स, स्टील एण्ड माइन्स

अकबर रोड

महेन्द्र कुमार
जी-६२२, सरोजिनी नगर
लक्ष्मी चंद
डी जी १०५ सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट आफ कमर्शियल आडिट

ब्लाक न० १, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग

एल. सी. जैन, अ० आडिट आफीसर ४७२४८
अजीत कुमार
एम-२१५, सरोजिनी नगर
रूप चन्द
डी जी ८८९, सरोजिनी ननर

उत्तर (नार्दन) रेलवे

दिल्ली, रेलवे स्टेशन

एम. पी. जैन, स्टेशन सुपरिनटेंडेंट २४८२५
१७-ए., डा० श्याम प्रसाद मु० मार्ग २५४१३
ईश्वर प्रसाद, टि० कलक्टर २४८२५
१७-ए, डा० मुकर्जी मार्ग
नरेश चन्द, टि० कलक्टर
मोती नगर
नेमचन्द
२१८८, धर्मपुरा
अनिल कुमार
२१८८, धर्मपुरा
विनोद कुमार
२१८८, धर्मपुरा
विद्याप्रकाश
२१८८, धर्मपुरा
ज्ञानचन्द
पी. के. जैन
सुलेक चन्द
२९४, कृष्णा नगर
अनूप चन्द
मित्रसेन
२२३९, गली अनार, किनारी बाजार
धर्मचन्द
नरेन्द्र कुमार २८४५८
१०७ छीपी वाड़ा, मेरठ
प्रकाश चन्द

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

राजेन्द्र कुमार, टि० कलक्टर ४४७७८
९९६०, मुल्तानी ढांढा, पहाड़ गंज
नानक चन्द ४४७७८
२३६७, छत्ता शाहजी, चावड़ी बाजार
महेश चन्द ४५९७१/२६५
१२१९ चाहरहट

हेड क्वार्टस आफिस, बड़ौदा हाउस (४६४२१)

अजीत प्रसाद, एका० आफीसर (रिटा०)
  १, एम. एम. रोड
अमर चन्द्र, ची. विजीलेंस इन्सपेक्टर
भगवान स्वरूप, हेड क्लर्क
  टी. ५८ जी. सराय फूस, रेलवे क्वाटर्स
बारूमल, हेड क्लर्क
  १६/२३, रेलवे कालोनी, किशनगंज
उदयवीर प्रसाद
  २१३३, मसजिद खजूर
नानक चन्द्र
  टी ४८ ए. दिल्ली क्लाथ मिल के सामने
विजय सेन
  पहाड़ी धीरज

सिक्यूरिटी ब्रांच, बड़ौदा हाउस

महावीर प्रसाद
  १७७७, सोहनगंज, सब्जी मंडी
फूल चन्द्र
  रेलवे क्वार्टस, सराय फूस, तीसहजारी

आपरेटिंग ब्रांच, बड़ौदा हाउस

एस. पी. लाल, चीफ आप. सुपरिटेंडेंट ट४५०६०/४३८२१
  बड़ौदा हाउस ४५६७१
मूल चन्द्र
  २५२१, नाई वाड़ा, बड़शाबूला, चावड़ी बाजार
नरेश चन्द्र
  १३६-डी. कमला नगर
महावीर प्रसाद
  टी. ५१ ए. दिल्ली क्लाथ मिल के सामने

कमर्शियल ब्रांच, कश्मीरी गेट

जय प्रकाश
  १२६३, वकील पुरा
सुमेर चन्द्र
  हलालपुर (रोहतक)
जय चन्द्र
  गली जैन मन्दिर, शाहदरा
महेन्द्र कुमार
  गली जैनी, समाना (पटियाला)
राज कुमार

इन्जीनियरिंग ब्रांच, बड़ौदा हाउस

पी० डी० जैन, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर
रघुनाथ सहाय, ड्राफ्ट्समैन
  XIVटे. ६६६०, पहाड़ी धीरज
जगन्नाथ
  ई-१३, अन्धा मुगल, सब्जी मंडी
शिवदास
  ६५/१२, रेलवे क्वाटर्स, सब्जी मंडी
किशन चन्द्र
  सी-६५, जैन नगर, मेरठ
राज कुमार
  ६७८१, अमरीकाराय गंज, न्यु रोहतक रोड
जनेश्वर दास
  १२१/२१, रेलवे क्वाटर्स, दिल्ली-किशनगंज

मेकेनिकल ब्रांच, बड़ौदा हाउस

के० डी० टांक, हैड क्लर्क
  एल/६५ ए. रे० क्वाटर्स, सराय फूस, तीस हजारी
महावीर प्रसाद
  २३५१, धर्मपुरा

स्टोर्स ब्रांच, बड़ौदा हाउस

राम कुमार
  २७३४, सीताराम बाजार
मंगल सेन
  बी-२३, जैन नगर, रेलवे रोड, मेरठ
हनुमन राय
  बी-२३, जैन नगर, मेरठ
बाबू लाल
  ८६६, मद्रासी कैम्प, मार्ट. एल. ए. [illegible]
[illegible] सिंह
  २५१३, नाई वाड़ा, चावड़ी बाजार
[illegible]
  १५५६, गली नाई वाली, [illegible]

स्टेटिस्टीकल ब्रांच, बड़ौदा हाउस

जे० के० जैन

१७७ मोहल्ला गंगाराम, शहादरा

मुसल प्रसाद

म० नं० ६१४, कूंचा वाली एन, सीताराम बाजार

सिगनल एण्ड टेली कमयुनिकेशन ब्रांच, बड़ौदा हाउस

श्रीपाल

४२६३, सब्जी मंडी

एकाउंटस ब्रांच, बड़ौदा हाउस

करम चन्द्र

१३/२, दिल्ली-किशनगंज रेलवे कालोनी

निहाल चन्द्र

४५३६, पहाड़ी धीरज

कैलाश चन्द

३६०५, पहाड़ी धीरज

विमल प्रसाद

२१, गली नाई वाला, करोल बाग़

हेम चन्द्र

रली गली, पुरानी मंडी, सोनीपत

इन्द्रसेन

६/११, सेवा नगर

मदन लाल

२/१५, रेलवे कालोनी, सब्जी मंडी

आर० एल० जैन, सुपरिटेंडेंट ४६८२१

सराय रोहिल्ला

आडिट ब्रांच, बड़ौदा हाउस

वी. पी. लाल, ओसवाल

१७०३, सोहनगंज, सब्जी मंडी

कार्यालय-डिवीजनल सुपरिटेंडेंट

शंकरलाल, हेड क्लर्क (रिटा०)

१७ जी, मीरदर्द रोड

कंवल सिंह

२१, नाई वाला, करोलबाग़

ओंकार सिंह

२६१३, सतघरा, किनारी बाजार

हरीचन्द

पालम

लक्ष्मण दास

शहादरा, दिल्ली

सन्तोष कुमार

सोनीपत

मनोहर लाल

पालम

लालचन्द्र

नरेला मंडी

विमल प्रसाद

५१२, छत्ता हींग, छोटा बाजार, शहादरा

महावीर प्रसाद

४४६३ गलीमल, पहाड़ी धीरज

नवल किशोर

पालम

अभिनन्दन कुमार

२४८२ गली पीपलवाली, धर्मपुरा

चन्द्रसेन

३ दरियागंज

ट्रैफिक एकाउटन्स आफिस, दिल्ली-किशनगंज

पदम प्रसाद सुपरिन्टेन्डेन्ट

१८, दरियागंज

लक्ष्मी चंद्र

क्वा० नं० २३६ जेड, तिमारपुर

ज्ञान चंद्र

सुभाष चौंक, बहादुर गढ़.

राम रतन

८३५३ आर्य नगर, पहाड़गंज

कंवर सेन

मंडी घी, पहाड़गंज

राम प्रकाश

रेलवे क्वा० ११८/१६ दिल्ली-किशनगंज

मुन्नालाल

२१ दरियागंज

विशाल चंद

तिमारपुर

एन० सी० जैन
    २३५१ धर्मपुरा.
निरंजन लाल
    पन्नावाली गली, फर्श बाजार शाहदरा
रामनरायन
    रे० क्वा० १६०/१२ दिल्ली-किशनगंज

सुमत प्रसाद
    न्यू गेट, गाजियाबाद
चेतन स्वरूप
    आर्य नगर, गाजियाबाद
किशन चंद
    चांदनी चौक
महावीर प्रसाद
    १०२/१ रेलवे क्वा०, दिल्ली-किशनगंज
एच० सी० जैन
के० आर० जैन
    मोहल्ला केशरी, शहादरा

बनारसी दास
    ४४११, नई सड़क

प्रेम शंकर
    लड्डू घाटी, पहाड़ गंज

नार्दन रेलवे दिल्ली डिवीजन

मनोहर लाल
    पालम, कैंट
हरिश्चन्द्र
    पालम, कैंट
लक्ष्मणदास
    गली मन्दिर वाली शहादरा
सन्तोष कुमार
    देवीवाड़ा, सोनीपत

डिवीजनल एकाउंट्स आफिस

नवल किशोर
    पालम, कैंट
रूपचन्द्र
    गनौर (रोहतक)

पश्चिम (वेस्टर्न) रेलवे

ट्रैफिक एकाउंटस आफिस, दिल्ली-किशनगंज

लक्ष्मी चन्द
    गली जैन मन्दिर, शहादरा
चंद्रपाल
    गली जैन मन्दिर, शहादरा
भगवत स्वरूप
    रे० क्वा० ३७/१६ दिल्ली-किशनगंज
एन० के० जैन
    ५ सी/५०, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग
जगदीश प्रसाद
    पटोदी रोड, जि० गुड़गांव
आनन्द स्वरूप
    गज्जू कटरा, शहादरा
महावीर प्रसाद

कार्यालय पे एण्ड एकाउण्टस आफिसर्स

अकबर रोड हटमेंटस

देव कुमार अ० पे० एका० आफीसर ४४३११/५६
    ४६८४ दरियागंज
फिरोजी लाल गोयल, एकाउन्टेन्ट ४४३११
गनेशी लाल एकाउन्टेन्ट
    ए- २३/११७ लोदी कालोनी
पी० पी० जैन, अ० सुपरिन्टेंडेंट
आनन्द कुमार
जिनेन्द्र प्रसाद
रामती प्रसाद
    बी-३०७ सरोजिनी नगर
राजेन्द्र कुमार
शिखर चन्द
विमल चन्द
एस० एम० पी० जैन
वीरेन्द्र कुमार गोयल
    बी-६५२ सरोजिनी नगर
आदीश्वर प्रसाद
दयाचन्द

दर्शन सिंह
नेम चन्द

फूड एण्ड एग्रीकलचर मिनिस्ट्री

जे. पी. जैन
१३ डी, स्कूल लेन
जनेश्वर दास
३७ मी, तुर्कमान रोड
ए० एस० जैन
हरिश्चन्द्र
जे. पी. जैन
विशाल मोहन

रिहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री

कैलाश चन्द
आई-३५० सरोजिनी नगर

कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउण्टस

बी. एल. जैन डि. एटर्नी, जन—डिफ. एकाउंट्स
(आन डेप्यूटेशन)
पदम कुमार
एक्स. ३४५ सरोजिनी नगर

गवर्नमेंट आफ इंडिया अण्डरटेकिंग्स

रिजर्व बैंक आफ इण्डिया

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
अहमदाबाद

लोकल बोर्ड (वेस्टर्न एरिया)

कस्तूरभाई लालभाई, सदस्य
मथुरादास मंगलदास पारख, सदस्य

लोकल बोर्ड (नोर्दन एरिया)

साहू जगदीश प्रसाद, सदस्य

इंडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन आफ इण्डिया
रिजर्व बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

के० पी० जैन, सदस्य, शुगर एडवाइजरी कमेटी ४४०४१
२७६३, गली पीपल महादेव, हौज काजी २३७३६

रिहेबिलीटेशन फाइनेंस एडमिनिस्ट्रेशन

अमोलक चन्द्र, सदस्य (उ० प्र०)

इंडस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया लि०, १६३ बैकवे रिक्लेमेशन, बम्बई-१

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
अहमदाबाद

नेशनल इण्डियन डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन

मनुभाई शाह, वाइस-चेयरमेन ३३०६१
१२ तुगलक रोड १३६०३
शांतिप्रसाद (साहू), डायरेक्टर ३३५६१
६ सरदार पटेल मार्ग ३४४०२
कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
अहमदाबाद

इण्डिया आयल कम्पनी लिमिटेड

अमोलक चन्द्र, डायरेक्टर
हिंदुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि०, नजफगढ़ रोड
बी० आर० भंडारी, सेक्रेट्री व एड० आफीसर ५४२०१
१६ बी/२८, देवनगर ५५८६३

नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि०
रानी झांसी रोड

मूलचन्द्र (संसद सदस्य), डायरेक्टर
१५४, नार्थ एवेन्यू ३४३२६

हिन्दुस्तान केमीकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(हेड आफिस नया नंगल, होशियारपुर)
शाखा—१५७/४८ चाणक्यपुरी

व्रजभान, डायरेक्टर

साहित्य अकादमी
(नेशनल एकादमी आफ लेटर्स)
हिन्दी एडवाइजरी बोर्ड

जैनेन्द्र कुमार, सदस्य २४६५६
७/३६, दरियागंज २४१०६
यशपाल, सदस्य ४०५०४
७, दरियागंज ३२६२६

दूतावास, दिल्ली प्रशासन, आदि

दूतावास

यूनाइटेड स्टेट्स आफ सोवियत रिपब्लिक्स
चाणक्यपुरी

प्रेम कुमार
    क्वा० नं० ५६, ब्लाक नं० २, जंगपुरा

यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका
चाणक्यपुरी

छोटेलाल
    १४०-देवनगर

कैलाशचन्द्र
    ३० चावड़ी बाजार

धर्मप्रकाश
    क्वा० १११-ए/१६ न्यू डबलस्टोरी, लाजपत नगर

मंगतराय

प्रकाशचन्द्र
    ४७ बंगला रोड

राजेन्द्र प्रसाद
    २४/५ शक्तिनगर

सुमेरचन्द्र
    २२८३ गली पहाड़ वाली, धर्मपुरा

एस० के० जैन
    १५०३ कूंचा सेठ, दरीबा कलां

बी० सी० जैन
    III/I-I लाजपत नगर

श्रीमती सरला जैन प्रकाश
    दीवान हाल

यूनाइटेड स्टेट्स इन्फार्मेशन सर्विस

सुश्री हीरा कपासी, जू० लायब्रेरियन
    बी० ५, पंडारा रोड

दिल्ली प्रशासन

जज व मजिस्ट्रेट

चेतन दास, एडी० सेशन जज (पंजाब) — २८३३५
    १७३७ मंगल बिल्डिंग, चांदनी चौक

विनोद कुमार, सब-जज

कान्ता जैशीराम (श्रीमती) मजिस्ट्रेट — २६५६६
    १६ दरियागंज

लक्ष्मी चन्द, आ० मजिस्ट्रेट — ४२५२१
    गली मन्दिर वाली, शाहदरा — २३२०१/२०७

कैलाश चन्द (डा०), आ० मजिस्ट्रेट — २६३०१
    किदार बिल्डिंग, ट्राम टर्मीनस, सब्जी मंडी — [illegible]७७८२

दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन, सेक्रेटरियट
ओल्ड सेक्रेटेरियट भवन

विनोद कुमार, असिस्टेंट कलक्टर (कस्टम्स)
    पहाड़ी धीरज

सागरचन्द्र, सुपरिटेंडेंट — २४१८१/१६
    V/२६६ ओल्ड पुलिस पोस्ट के पास, शाहदरा

मेहर चंद, इंस्पेक्टर (लोकल आफिसेज) — [illegible]६६८०
    कश्मीरी गेट

कैलाश चन्द — [illegible]४१८१/[illegible]
    १५०३ कूंचा सेठ, दरीबा कलां

सागर चन्द — [illegible]
    ४३४६/२१, दरियागंज

दीप चन्द — [illegible]
    क्वा० नं० ७, सी. क. स्टाफ क्वार्टर्स

महावीर प्रसाद — [illegible]
    ६६८८-डी, भगवान मंदिर, [illegible]

मंगल सेन — [illegible]
    १३-सी. क. स्टाफ क्वार्टर्स, [illegible]

महेन्द्र प्रसाद　　२६६४४
　२४४३, धर्मपुरा

मंगतराम　　२६६४४
　२३४४ धर्मपुरा

डायरेक्ट्रेट आफ फूड एण्ड सिविल सप्लाइज
तीस हजारी कोर्टस विल्डिंग

बाल किशन गोयल, इंसपेक्टर
　८७०-ईस्टपार्क रोड, करोल बाग

जगमोहन लाल　　२४१८०
　७/३२ दरियागंज　　२६२८३

रमेश चन्द
　२३३५ धर्मपुरा

उल्फतराय
　३८-ई कमला नगर

दिल्ली स्टेट मोटर ट्रांसपोर्ट कंट्रोलर्स आफिस
राजपुर रोड

निष्कलंक जिंदल, रोड सोसाइटी इंसपेक्टर
　आफीसर्स होस्टल, तीस हज़ारी कोर्टस विल्डिंग

रनजीत सिंह
　तिमार पुर

अजीत सिंह
　करोल बाग

छबील दास
　६ शाम भवन, दरियागंज

मदन लाल
　६ शाम भवन, दरियागंज

दिल्ली ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग, सिंदिया हाउस

हेम चंद्र, लेवर वेलफेलर आफीसर

आर. पी. जैन, अ० इंचार्ज

रामकिशोर, अ० इंचार्ज

नरेन्द्र नाथ, एकांउटेंट
　दरियागंज

सतीश कुमार
　३१३० मार्डन स्ट्रीट, जगत सिनेमा के पास

महेन्द्र कुमार
　पहाड़ी धीरज

विजेन्द्र कुमार
　दरियागंज

एन० के० जैन

बस कंडक्टर्स

दया चंद्र

विमल प्रसाद

गोपीराम

जितेन्द्र कुमार

नानूराम

पी. एल. जैन

कार्यालय- सेल्स टैक्स, एक्साइज, एटंरटेनमेंट टैक्स व रजिस्ट्रेशन कमिश्नर, २ बैटरी लेन, सरस्वती हाउस, कनाट प्लेस

उलफतराय जैन, अ० सेक्शन आफीसर
　६ भार्गव लेन

जितेन्द्र कुमार, अ० सेक्शन आफीसर
　१०० गज्जू कटरा, शहादरा

शाम लाल
　४५४७-४८ पहाड़ी धीरज

देव कुमार
　६६८८-डी. न्यू रोहतक रोड

सुखमाल चन्द
　१०८६-गली राजा उग्रसेन, बाजार सीताराम

नेम चन्द
　सी-१८२ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव

कैलाश चन्द
　१२/६५ रोहतक रोड

शिवराज सिंह, स० इंसपेक्टर (एक्साइज़)
　१/१६ रूप नगर

सागर चन्द
　८८० ईस्ट पार्क रोड

महावीर प्रसाद
　२५०३ धर्मपुरा

प्रेम चन्द
　६५ गनेशपुरा, शांति नगर

गजेन्द्र कुमार
　४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी　　२८६४८

रवीन्द्र नाथ
    ९८८ गली भोजपुरा, माली वाड़ा
उग्रसेन
    ३६८१ गली जमादार
निर्मल कुमार
    ३७०४ गली जमादार
के० के० जैन
    ३१६७ कूंचा तारा चन्द, दरियागंज

इंडस्ट्रीज एण्ड लेबर डायरेक्टोरेट

१-राजपुर रोड

विमल प्रसाद, सुपरिटेंडेंट — २३५६८
    ४२११ आर्यपुरा
राज ऋषि — २३४८८
    XIII/४५० पहाड़ी धीरज
वी. पी. जैन — २२४६८
    मंडीवाली गली, पहाड़ी धीरज
मंगतराम — २५५१७
    ५२ आर. के. केमी. व.. नजफगढ़ रोड — ५४३३६

पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (फोन-२३४८१/२८६१३)

ब्लाक नं० ६, ओल्ड सेक्रेटेरियट

कमल कुमार
    ६६८८/स. न्यू रोहतक रोड, सराय रोहेला

एम्पलायमेंट एण्ड ट्रेनिंग डायरेक्टोरेट

ई. ब्लाक कनाटप्लेस

सतेन्द्र कुमार
    २६/२३, जैन भवन, शक्ति नगर

इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट पूसा रोड

चमन लाल, इंस्ट्रक्टर

एम्पालायमेंट एक्सचेंज

टी० सी० जैन
पी० सी० जैन

फिशरीज डिपार्टमेंट

लक्ष्मण दास
    ४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी

दिल्ली स्टेट प्रेस आफिस, ओल्ड सेक्रेटेरियट

बलवन्त राय — २६२६५
    ४६५६ गली मोहर सिंह, पहाड़ी धीरज
अजीत प्रसाद — २६६५
    ८३४ मंटोला, पहाड़गंज

एजूकेशन डायरेक्टोरेट, ओल्ड सेक्रेटेरियट

हेम चन्द — २३००१
    १२, लोदी रोड (मेन मार्केट)

बोर्ड आफ हायर सेकण्ड्री एजूकेशन

ओल्ड सेक्रेटेरियट

रवीन्द्र कुमार — २५२५१
    १२-डी कमला नगर
अजीत प्रसाद — २५२५१
    फैज बाजार, दरियागंज

डिप्टी कमिश्नर्स आफिस

तीस हजारी कोटर्स बिल्डिंग

पूरन मल
    २३४, कूंचा मीरआशिक, चावड़ी बाजार
शिखर चन्द
    चिराग दिल्ली
सुरेन्द्र सिंह
    तिमारपुर
जगन्नाथ
    सब्जी मंडी
सागर चन्द
    गुड़ मंडी, पहाड़गंज
धर्मपाल
    बाग कड़े खां
लाल किशन
शान्ति प्रसाद
    आर्यपुरा, सब्जी मंडी
माखन लाल
[illegible]
[illegible]

दिल्ली ट्रेजरी

तारा चन्द

मदन लाल

कोआपरेटिव सोसायटीज़ डिपार्टमेंट

दीप चंद्र, सब इन्सपेक्टर २६५१८
मौडल बस्ती

दिल्ली नगर निगम (म्युनिसिपल कार्पोरेशन)

टाउन हाल, चांदनी चौक

सदस्य नगर निगम (म्युनिसिपल काउंसिलरस)

भीकू राम २५६६६
पहाड़ी धीरज २७३२७

ओम प्रकाश
गली बहूजी, पहाड़ी धीरज

रतन लाल
८२६, मंटोला, पहाड़गंज ४६७७०

कार्यालय जनरल विंग

ए० पी० जैन, एक्ज़ी० इंजीनियर (२४१५१ २४१५६/१७
७, दरियागंज २४६०२

माम चन्द्र, विजीलेंस आफीसर २५१५१/४७
XIV/४५६४, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

दर्शन लाल, सुपरिटेंडेंट (विजि०) २४६५१/४७
२०, म्यू० कालोनी, ई.ब्ला०, कमला नगर

अमर सेन, सुपरिटेंडेंट (इले०)
३६१६, चावड़ी बाजार

सुमत प्रसाद, पी० ए० टू चीफ एकाउंटेंट २३२२०
ए-१६, राना प्रताप बाग़

त्रिलोक चन्द्र, सुपरिटेंडेंट (क्रीमेशन ग्राउंडस)
शहादरा

जिनेन्द्र प्रसाद, जनरल एटार्नी (तीस हजारी)
१२६६, वकीलपुरा

सागर चन्द्र, हेड क्लर्क
४६४१, गली मोहर सिंह, पहाड़ी धीरज

सतीश चन्द्र, हेड कैशियर
३२ म्यू० कालोनी, बंगलो रोड, कमला नगर

हरीश चन्द्र २४१५१/४७
६ म्युनिसिपल कालोनी, कमला नगर

श्याम लाल
सब्जी मंडी

जवाहर लाल (क्यू० ट्रेज़री)
३२०, गली कुंजसवाली, दरीबा

शीतल प्रसाद २४१५१/५०
१०१६, नजफगढ़

हुकुम चन्द्र २४१५१/५०

सुमत प्रकाश
४६८३, शिव नगर, करोल बाग़

सतिन्द्र कुमार
१७/६०४ लोदी कालोनी

राम कुमार
५२, रीडिंग लेन

श्री पाल
१०००, रीडिंग लेन

सुरेन्द्र कुमार
२४६४, नाई वाड़ा, चावड़ी बाजार

शिखर चन्द्र
पहाड़गंज

नन्द किशोर, जनरल एटार्नी २४१५१/१०
६ म्यू० कालोनी, कमला नगर

नरेश चन्द्र, इन्सपेक्टर
२२४८, गली अनार

जयपाल, इन्सपेक्टर

हेमचन्द्र
४६८, बड़ा बाजार, शहादरा

मानक चन्द्र २४१५१/३८
५३५८, लड्डूघाटी, पहाड़गंज ४०५५३

विमल चन्द २४१५१/३८
१६६५, नौघरा, किनारी बाजार

पवन कुमार
३०-डी, कमला नगर

ओम प्रकाश
३८७३, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज

वीरसेन
४५३०, पहाड़ी धीरज

दर्शन लाल २४१५१/२६
१०६, म्यू० कालोनी, आजादपुर

महेन्द्र प्रसाद २४१५१/२६
११२, म्यू० कालोनी, आज़ादपुर
सुरेन्द कुमार २४१५१/२६
भीम सिंह २४१५१/२६
विजेन्द्र पाल २४१५१/२६
प्रेम चन्द्र, सेक्शन आफीसर (सिटी ज़ोन)
थामसन रोड
अहमिद्र कुमार
६४७, मालीवाड़ा, नई सड़क
जे० के० जैन
क्वाटर नं० १६, ब्लाक ११०, सराय रोहेला
प्रह्लाद सिंह
४५-ई. कमला नगर

कार्यालय-ओल्ड हिन्दू कालेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट

महेन्द्र कुमार, हेड क्लर्क (लायसेंसिंग डिपार्टमेंट)
३ म्यू० कालोनी, बंगलो रोड, जवाहर नगर
जयचन्द, रेंट कलक्टर (लायसेंसिंग डिपार्टमेंट)
राम चन्द्र (एजू० डिपार्टमेंट)
१३६५, बदवाड़ा
चेतन लाल (एजू० डिपार्टमेंट)
कंवर सेन (एजू० डिपार्टमेंट)
गली पहाड़ वाली, पहाड़ी धीरज
सुख चरन (टर्मीनल टैक्स)
नजफगढ़
कान्ति प्रसाद (टर्मीनल टैक्स)
जैन प्रकाश (टर्मीनल टैक्स)
हरी चन्द्र (टर्मीनल टैक्स)
गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

कार्यालय—तिबिया कालेज बिल्डिंग, करोल बाग

निर्मल कुमार, अ० म्यू० प्रासीक्यूटर (प्रासी० ब्रांच)
सुल्तान
बैज नाथ
म्यू० कालोनी, ब्लाक ई. कमला नगर
देवी दयाल
४५ ई०, कमला नगर

कार्यालय-वेस्ट ज़ोन, राजोरी गार्डन

एम० के० राय, ज़ोनल आफीसर ५१५६३
सन्तोष कुमार, सेक्शन आफीसर (इन्जीनियरिंग)
जयपाल, सेक्शन आफीसर (बिल्डिंग)
नेम चन्द्र
म्यू० कालोनी, आज़ादपुर
अभिनन्दन कुमार
डी० जी० ६५०, सरोजिनी नगर

कार्यालय—सिविल लाइन्स ज़ोन, १६ राजपुर रोड

फूल चन्द्र २५५२५
२१/१७ (४६५७) दरियागंज
प्रताप चन्द्र २५५२५
पी-५५, डी. एल. एफ. कालोनी, रिंग रोड
नरेश चन्द्र २४६०७
५२३४, अशोक भवन, कोल्हापुर रोड
सुखवीर
छोटा बाजार, दिल्ली शाहदरा

कार्यालय-नई दिल्ली ज़ोन, ७ सिंधिया हाउस

ओम प्रकाश, सेक्शन आफीसर ४७७१५
चिराग दिल्ली
वकील चन्द्र

कार्यालय-साउथ दिल्ली ज़ोन, ग्रीन पार्क

रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ७२६२१
ई-५, ग्रीन पार्क
महीपाल, सेक्शन आफीसर
११३, सरोजिनी नगर
जगेश्वर दास
डी. जी. ६५० सरोजिनी नगर

वाटर सप्लाई एण्ड सीवेज डिस्पोज़ल [illegible]
टाउन हाल, चांदनी चौक

[illegible], डिप्टी चीफ इन्जीनियर [illegible]
[illegible]

रमेश चन्द्र २४१५१/१४
१८४६, चीराखाना, मालीवाड़ा

दिल्ली इलेक्ट्रिक सप्लाई अंडरटेकिंग

राजेन्द्र कुमार २३५४८
७/२६, दरियागंज

मोहन लाल २३५४८
९६, मोडल बस्ती

मेहर चन्द
२३६७, छत्ता शाह जी

बाबू लाल
७२, मोडल बस्ती

इक़बाल सिंह
XIV/४५८६ गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

जय चन्द
३७२३, गली जैन मंदिर, पहाड़ी धीरज

विद्या सागर
४४६४, जुगल किशोर कोठी, गली जतन, प० धीरज

मुन्नालाल
७०४२, घास मंडी, पहाड़ी धीरज

हरिश चन्द्र
१६२६, वर्वीज रोड

महेन्द्र कुमार
१२०२, बड़ा बाज़ार, कश्मीरी गेट

नव निहाल सिंह
६३, मुक्तराम निवास, चावड़ी बाज़ार

ओम प्रकाश
१०, रीडिंग रोड

रविन्द्र कुमार
५६५, मंटोला

प्रेम चन्द
१७०८, फिल्म कालोनी

मदन लाल
१३६, कटरा मशरू, दरीबा

महेन्द्र कुमार
१०००, रीडिंग रोड

सतीश चन्द्र
२१, दरियागंज

बाबू राम
जैन मंदिर, गांधी नगर

सुभाष चन्द्र
एच-५०६, सरोजिनी नगर

देवेन्द्र कुमार
५१, रेगढ़पुरा, करोल बाग़

हेम चन्द
१२७२, वकीलपुरा, दरीबा

फूल चन्द
७/२६ दरियागंज

नई दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी

चिरंजी लाल, सुपरिंटेंडेंट (रेट्स)

भगवत स्वरूप, सुपरिंटेंडेंट (आडिट)

सुखवीर सिंह गोयल, अ० इले० इन्जीनियर ४७७५८
८५, मिन्टो रोड ४७५७१

पदम सेन, शिफट इन्चार्ज

वकील चन्द

मुन्नी लाल

प्रकाश चन्द

सुमेर चन्द

नेम चन्द

सुमत प्रसाद

दया नन्द

रोशन लाल

एम० एल० जैन
२०८७/६ बी०, प्रेम नगर, नजफगढ़ रोड

निर्मल कुमार

मुन्शीलाल
एच-५३/५५ कर्बला, लोदी रोड

बैंक व बीमा कम्पनियां

इलाहाबाद बैंक लिमिटेड
(चांदनी चौक शाखा-फोन २८६६२)

तिलक चन्द
(सिंदिया हाउस, नई दिल्ली शाखा-फोन ४८२६८)
एस० एम० जैन

बैंक आफ बड़ौदा लिमिटेड
(दिल्ली शाखा-कूंचा गौरी शंकर-फोन २४६७७)

कंवर सेन

सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया लिमिटेड

शीलचन्द्र, ट्रेज़रार (दिल्ली-अम्बाला ग्रुप) २५०८६
कार्यालय—३३, चांदनी चौक २६८३६
निवास—३४, फीरोज़शाह रोड ४८०८१
(अशोक होटल शाखा-फोन ३०१११)

राजेन्द्र कुमार, एकाउंटेंट
४२२२, आर्यपुरा, सब्जीमंडी
(चांदनी चौक शाखा-फोन २३३३१ व २६८३९)

बालमुकुन्द
चीफ कैशियर, ५६५, पहाड़ गंज

इन्द्रसेन
गली कटरा, शहादरा

शांति प्रसाद
२०८८, किनारी बाजार

मोहन सिंह
एफ. ८/११, माडल टाउन

राजनरायन
२२६१, गली अनार

सनत कुमार
गंदा नाला, मोरी गेट

प्यारे लाल
१२१४, कूंचा सेठ

दरबारी लाल
छीपीवाड़ा

प्रेमचन्द
गली पहाड़ वाली

ओमप्रकाश
सतघरा, धर्मपुरा

मित्रसेन
४६६४, डिप्टीगंज

विमल प्रकाश
२५२६, धर्मपुरा

हीरालाल
२१६४, धर्मपुरा

बालचन्द
१४६८, गली भटके वाली, कूंचा सेठ

रूप किशोर
२५६८, कूंचा सेठ

कामता प्रसाद गोयल
चांदनी चौक

जुगमंदर दास
२२६२, गली पहाड़ वाली धर्मपुरा

सुमत प्रसाद
२२५३, गली पहाड़ वाली, धर्मपुरा

विलायती राम
१२६६, वकीलपुरा

श्री महेन्द्र
शाहदरा

महेन्द्र कुमार
१३६, पहाड़ गंज

दीपचन्द
नाई वाड़ा, करोल बाग़
प्रेमचन्द
१५०९, कूंचा सेठ
सलेक चन्द
३७७५, गली मंदिर, पहाड़ी धीरज़
महैन्द्र कुमार,
४५९६, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धारज
सुरेश कुमार
गली मन्दिर वाली, शहादरा
पुष्पचन्द २३३३१/३
३६५ मंटोला, पहाड़गंज ४२०१३
पद्मचन्द
६४ ई०, कमला नगर
बालेश्वर प्रसाद
४६२१, पहाड़ी धीरज
जयन्ती प्रसाद
४२० जोगी वाड़ा
ज्ञानचन्द
सब्जी मंडी

(जनपथ शाखा-फोन ४८२७५)

राजेन्द्र कुमार, जूनियर आफीसर
४२२४, आर्यपुरा, सब्जीमंडी
जोती प्रसाद, खजांची
९४४, सब्जीमंडी
सन्तलाल
९४४, मालीवाड़ा
महावीर प्रसाद
२३१७, धर्मपुरा
अभिनन्दन कुमार
६९ गली जैन मन्दिर, शहादरा
हुकुमचन्द
आर्य नगर, गाज़ियावाद
नानक चन्द
२३३, कूंचा मीरासी
महेन्द्र कुमार
१२६६/६७, वकीलपुरा

(नया बाजार शाखा-फोन २७३०५)

विजय कुमार
१०४, मोडल बस्ती

(पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा-फो० ४७५४६)

इन्द्र नारायण
कांतिलाल
जिनेन्द्र कुमार

दिल्ली स्टेट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
खारी बावली

दीपचन्द, मैनेजर २५४८६

गाडोदिया बैंक लिमिटेड
बैंक स्ट्रीट, करोल बाग़

प्रेमचन्द्र, मैनेजर ५३३१६
गली नाई वाली, करोल बाग़

नेशनल एण्ड ग्रिंडलेज बैंक लि०
(कनाट प्लेस शाखा-फोन ४५९०१)

रघुवीर सिंह
४७/४७१५ रेगड़पुरा, करोलबाग
महावीर प्रसाद
२३१६, धर्मपुरा
हरिश्चन्द्र
२१६७, मसजिद खजूर
शांति प्रसाद
५३/६६ रामजस राड
काली चरन
७५७५/२ तेल मिल रोड, रामनगर
त्रिभुवन प्रकाश
५२३६ बारह टूटी, सदर बाजार

(चांदनी चौक शाखा-फोन-२५२४२)

शांति प्रसाद, डि० चीफ कैशियर २५०३५/२५२४२
२२९३, धर्मपुरा २८०८३
ओम प्रकाश
४२१६, आर्यपुरा, सब्ज़ी मंडी
उल्फतराय
कूंचा चाहरहट

जगदीश राय

२५६३, गली नीम वाली, धर्मपुरा

लाल चन्द

३०२३, बहादुरगढ़ रोड

घनश्याम दास

६७, माडल टाउन

(लायडस ब्रांच, पार्लियामेंट स्ट्रीट-फोन ४५३८३)

धूमसिंह

६५३, गली, शामलाल, मटिया महल, जामा मसजिद

दमन कुमार

२०८६, कटरा खुशाल राय

लाल चन्द

१५/६, वेस्ट पटेल नगर

मदन लाल

४७१६, डिप्टीगंज

सलेक चन्द

४६६४/२१ ए. दरियागंज

ओरंटियल बैंक आफ कामर्स लिमिटेड

(कनाट सर्कस—फोन ४५८२४)

सन्त लाल, हेड कैशियर

नरेश चन्द, अ० कैशियर

२५३४, चावड़ी बाजार

आनन्द कुमार, अ० कशियर

४६५३, गली मोहर सिंह, पहाड़ी धीरज

कैलाश चन्द

२५०६, धर्मपुरा

(चांदनी चौक शाखा—फोन २४७१०)

फीरोजी लाल, हैड कैशियर

कैलाश चंद, अ० कैशियर

निर्मल कुमार, अ० कैशियर

सलेक चंद, अ० कैशियर

सुमत प्रसाद, अ० कैशियर

(चावड़ी बाजार शाखा-फोन, २६४५३)

सागर चन्द, हैड कैशियर

सुरेन्द्र कुमार, अ० कशियर

आदीश्वर प्रसाद, अ० कैशियर

(दरियागंज शाखा-फोन २०८६७)

अजीत कुमार, हैड कैशियर

(करोल बाग शाखा-फोन ५६६४७)

राजेन्द्र कुमार, हैड कैशियर

श्री कृष्णदास, अ० कैशियर

मनोहर लाल सोहन लाल

(नया बाजार शाखा-फोन २३६०३)

पदम चंद, हैड कैशियर

प्रेम चंद, अ० कैशियर

(सदर बाजार शाखा-फोन २०८१५)

मनोहर लाल, हैड कैशियर

सुरेश चंद, अ० कैशियर

(सब्जी मंडी शाखा-फोन २०८४३)

भीम सेन, हैड कैशियर

पदम चंद, अ० कशियर

धनपाल अ० कैशियर

पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड

सेठ सुन्दर लाल, ट्रेजरर

४६३६, डिप्टी गंज २३०५८

(सेंट्रल आफिस, पार्लियामेंट स्ट्रीट-४३५७१)

जे० डी० जैन

४१४ छितकी गेट, चावड़ी बाजार

पी० सी० जैन

१०७४ माली वाड़ा

माम चन्द

४ ए./३ ए. अंसारी रोड

जगदीश प्रसाद

२७/१४ शक्तिनगर

महेन्द्र कुमार

२६४ राम नगर स्ट्रीट, गांधीनगर

के० सी० जैन

४१३८ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

पदम सेन

द्वारा [illegible] धर्मदास [illegible], चावड़ी बाजार

मदन प्रकाश

२२०७ मस्जिद [illegible], गली [illegible]

जिनेन्द्र कुमार
२७/१४ शक्ति नगर
सेवाराम
गली अनार, दरीवा कलां
जगदीश प्रसाद
२७/१४ शक्तिनगर

(आसफ अली रोड शाखा-फोन-२७२३३)

वनारसी दास
सुमत प्रसाद

(चांदनी चौक शाखा-फोन २५०७५)

आदीश्वर प्रसाद, कैशियर इंचार्ज २५०७५
प्रकाश भवन, गली माता वाली, तेली वाड़ा २६६६८
आनन्द कुमार, कैशियर
१/२६६ छोटा वाजार कश्मीरी गेट
शीतल प्रसाद, कैशियर
जोशी रोड, करोल वाग
जितेन्द्र प्रकाश कैशियर
२५३२ धर्मपुरा
कन्हैया लाल, कैशियर
गली बरना, सदर वाजार
अमर नाथ, कैशियर
धर्मपुरा
शिवचरन दास
वी ५/१२ माडल टाउन २६३०५
सुलेख चंद
गली पनिहारी, तेलीवाड़ा

(चावड़ी वाजार शाखा-फोन २६४३७)

लक्ष्मी चंद
धर्म चंद
भगवान दास

(सिविल लाइंस शाखा-फोन २७३३६)

सुमत प्रसाद

(दरियागंज शाखा-फोन २८६४३)

आनन्द कुमार, मैनेजर
२५ नेताजी सुभाष मार्ग २०१८८
हंसराज
दयाराम
कैलाश चंद
नानक चंद

(फाउंटेन शाखा —फोन २४७६६)

ऋषभ सेन
२१०० गली भूतवाली, मसजिद खजूर
खुशीराम
अतर सेन
नेम चंद

(गुरुद्वारा रोड शाखा-फोन ५१६२०)

जय भगवान, हैड कैशियर
१०३५ मानकपुरा
प्रेम चंद
१२४१ नाई गली नं० १, करोल वाग़
लाजपत राय
६१ शांति नगर, जैन मन्दिर के सामने
शीतल प्रसाद
४६२१, पहाड़ी धीरज

(कश्मीरी गेट शाखा—फोन २४६६३)

लाल चन्द, हैड कैशियर
नरेन्द्र कुमार
इंदर प्रकाश

(खारी वावली शाखा-फोन २३०५१)

सुमत प्रसाद

(मिंटो रोड शाखा-फोन ४७१५६)

हसन लाल
१२५१ गंज मीर खां
गुलाव चंद
डिलाइट सिनेमा के पीछे
विमल प्रसाद
१६/६७६ जोशी रोड, करोल वाग
जुगमंदर दास
३५६२, गली नं० १०/११ रेगड़पुरा, करोल वाग़
पारस दास
३६/२ हनुमान रोड
सुरेन्द्र कुमार
पहाड़ी धीरज

(नया बाजार शाखा-फोन २५७००)

किशन चन्द्र
    ३५६० मो० जटवाड़ा, दरियागंज

(पहाड़गंज शाखा-फोन ४३६६१)

नानक चन्द
महेन्द्र प्रसाद
कंवर सेन
भगतराम

(पार्लियामेंट स्ट्रीट-फोन ४५४४६)

राम चंद
    ४४६४ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

(पटेल नगर शाखा-फोन ५१२६०)

ईश्वर सिंह

(रीगल बिल्डिंग शाखा-फोन ४७८७७)

सरूप चंद, हैड कैशियर
    ४२२६ गली बरना, बारा टूटी
प्रेम चन्द
    १४७-१४८ ई. कमला नगर
शांती स्वरूप
    ३३२१ कूंचा कशगरी, सीताराम बाजार
वीरेन्द्र कुमार
    ३६ भोगल, जंगपुरा
अमर नाथ
    धर्मपुरा
जुगमंदर दास
वीरेन्द्र कुमार

(सदर बाजार शाखा-फोन २६४८६)

प्रभास चन्द्र, मैनेजर
चंद्र सेन, हेड कैशियर
    गंदा नाला, मोरीगेट जैन मंदिर के पास
शांति प्रसाद
    जैन मंदिर के पास, वैदवाड़ा
भीमसेन
शील चंद
श्री चंद
जय चन्द
सागर चन्द
जिनेश्वर दास
सुमत प्रसाद

(सब्जी मंडी शाखा-फोन २५३५६)

महावीर प्रसाद, हैड कैशियर
हेम चन्द
ज्ञान चन्द
रोशन लाल
अक्षय लाल

(सब्जी मंडी, क्लाक टावर शाखा-फोन २५३७०)

जिनेश्वर दास, सुपरवाइज़र २५३७०
जगदीश चंद
हेम चंद
विशन लाल
शिव नारायन गुप्ता
    ४२४७ गली बहूजी, पहाड़ी धीरज

स्टेट बैंक आफ बीकानेर, २०८ चांदनी चौक

अजीत प्रसाद, कैशियर २७२५६
    १२९३ वकीलपुरा

स्टेट बैंक आफ इंडिया

(लोकल हैड आफिस, पार्लियामेंट स्ट्रीट-फोन ४३५२१)

एन० के० जैन, स्टा० असिस्टैंट
के० सी० जैन
    १०८७२, झंडावाला रोड, नबीकरीम
अ० आर जैन
    २८८, कूंचा नंजोगी राम, नया बांस
ए० पी० जैन
    १८ हैवलोक स्क्वेयर
जे० के० जैन
    ३५/१ सिविल लाइन्स, ग्रांड मैकेन्जी रोड
डी० के० जैन
    २/२ बेयर्ड रोड
नगीन चन्द
    मार्फत जैन पेंट हाउस, सदर बाजार

श्री पाल
　　३/४३ रूप नगर
राजेन्द्र प्रसाद
　　३०१३ मसजिद खजूर, किनारी बाजार

यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया लिमिटेड

(दिल्ली शाखा-फोन २३११३)

जुगल किशोर
　　पहाड़ी धीरज

(कनाट सर्कस शाखा-फोन ४२५५३)

हेम चन्द्र, हैड कैशियर　　४३५५३
　　७०५०, गली टंकी वाली, पहाड़ी धीरज
सीताराम गोयल　　४२५५३
　　१४३६, फैज़गंज, बहादुरगढ़ रोड

(चांदनी चौक शाखा-फोन २५४३६)

प्रेम प्रकाश
　　८७, ए. नया बाजार
सुरेश चंद
महेश चन्द्र
रतन प्रकाश
रमेशदास
हेम चंद्र
बाल मुकुंद

यूनाइटेड कमशियल बैंक लिमिटेड

(चांदनी चौक शाखा-फोन २४३११)

प्रेम चन्द्र, कैशियर　　२४३११
　　पटपड़गंज, (जैन मंदिर के पास)
तारा चन्द्र　　२४३११
　　दर्शन भवन, राम नगर

(पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा-फोन ४४३५१)

रवीन्द्र कुमार
　　जैन मन्दिर गली, सब्जी मंडी

(कनाट प्लेस शाखा-फोन ४२०१४)

सुमेर चन्द
　　आर्यपुरा, सब्जी मंडी

बीमा कम्पनियां

लाइफ इंश्योरेंस कार्पोरेशन आफ इन्डिया (जोनल आफिस)
लक्ष्मी इंश्योरेंस बिल्डिग, आसफ अली रोड

नेम चन्द्र, अ० सी० आफीसर　　२६६०१
　　मुकीमपुरा, सब्जी मंडी
राधे श्याम　　२६५०१/१७
　　१३, पार्क लेन
सुलेख चन्द्र　　२६६०१/७
　　३६६८, गली जमादार वाली, पहाड़ी धीरज
तसम कुमार　　२३७६३
　　७८४८ नई बस्ती, बाड़ा हिंदूराव
कदम गोपाल　　२३७६३
　　१३५८ गुलियां, दरीबा कलां
प्रकाश चन्द　　२६०६१/७
　　२१६५ धर्मपुरा, २८४८६
नरेन्द्र कुमार　　२६६०१/१०
　　७/३६३, फराश बाज़ार
आई. एच. ओ. नेशनल
　　ई २८ कनाट प्लेस
सी. एम. शाह, आफीसर इंचार्ज　　४७४८३

डिवीजनल आफिस, इंडस्ट्रियल एण्ड प्र० विल्डिग
आसफअली रोड

पी. के. जैन, जूनि० आफीसर　　२६६०७
　　वीरेन्द्र कुमार

न्यू एशियाटिक वेस आफिस, एच. ब्लाक, कनाट सर्कस

निहाल चन्द, सुप०　　४७४५८
　　१३१२, वैदवाड़ा
महेन्द्र कुमार, फील्ड आफीसर
　　३०२० गली चूड़ीवालान, मस्जिद खजूर
ए० सी० जैन
　　४४६१, गली राजा पाटनमल
एस० सी० जैन
　　८१, मोडल बस्ती, शीदीपुरा
संतोप चन्द
　　५३५२, चं० निवास, लड्डूघाटी, पहाड़गंज

मांगे राम
  ३३४६, गंदा नाला, मोरी गेट
राम प्रसाद
  ५६-डी, फौच स्क्वेअर
ओम प्रकाश
  ४५०८, दाई वाड़ा, नई सड़क
सत प्रकाश ४७४५८
  मु० झरसा, जि० गुड़गांव

ब्रांच आफिस नं० ६-सनलाइट बिल्डिंग, आसफअली रोड

हरिश्चन्द्र, मैनेजर २८८९३
  ६, पूसा रोड ४५९१६
(यूनिट ११८—कनाट सर्कस)
नेकी चन्द, फील्ड आफीसर

रूबी जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, दरियागंज

चुन्नी लाल, ब्रांच मैनेजर २३५३३
  २३, दरियागंज
जगत प्रसाद
  ७, दरियागंज
नरेन्द्र प्रकाश
  ३०१, दरीबा कलां
किशन लाल
  ४४६३, गली नानूराम, आर्यपुरा

यूनीवर्सल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, दरियागंज

देवेन्द्र कुमार २५३२६
  ४६१४, पहाड़ी धीरज
मदन लाल
  २९, सी. राम नगर, पहाड़गंज

न्यू ग्रेट इन्श्योरेंस कं० आफ इण्डिया लिमिटेड
१६-ए. आसफ अली रोड

आर० सी० जैन, डिवीजनल मैनेजर २३८७५
  गुरुबक्स भवन, चूना मंडी ४६४१७

इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, कनाट प्लेस

त्रिलोक चन्द
  धर्मपुरा

न्यू एशियाटिक इन्श्योरेंस कं० लिमिटेड, कनाट सर्कस

आर० सी० जैन, इन्चार्ज नार्दर्न डिवीजन ४३६५४

समाचार-पत्र व निजी व्यापारिक संस्थान

समाचार-पत्र

इंडियन एक्सप्रेस, एक्सप्रेस बिल्डिंग, मथुरा रोड
(फोन ४५१३३१)

एच० सी० जैन
  २०६८, किनारी बाजार
ए० पी० जैन
  दरियागंज

नव भारत टाइम्स, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

अक्षय कुमार, प्रधान सम्पादक	२८१६१
१, अंसारी रोड, दरियागंज	२४९६०
आनन्द स्वरूप, स्पे० करसपोंडेंट	२८१६१
२३, दरियागंज	
पारस दास, सब-एडीटर	२८१६१
जैन भवन, जगत सिनेमा के पास	
हरिश्चंद्र, सब-एडीटर	
५, दरियागंज	
रमेश चंद, ची० सब-एडीटर (मैगजीन)	
५, दरियागंज	
श्री किशोर	
मसजिद खजूर, धर्मपुरा	
सुशील कुमार, सब-एडीटर (स्पोर्टस)	
६, दरियागंज	
विनोद कुमार	
खुरानिया भवन, २३, दरियागंज	
शांती स्वरूप	
मुद्गल भवन, २३, दरियागंज	
नरेन्द्र पाल 'नरेश'	२८१६१/३८
६९५/११७ शांति भवन, कैलाश नगर	

प्रकाश चन्द
  बी. १३/६८ देवनगर

दी डेली तेज (प्रा०) लिमिटेड, नया बाजार
(फोन २४२४८)

पन्नालाल, प्रिंटर एण्ड पब्लिशर	२६२४१
१२२८, वकीलपुरा	
आशाराम, सं० सम्पादक	२४२४८
गली पीपल वाली, धर्मपुरा	
रघुवीर सिंह, रिप्रजेंटेटिव	२६२४१
२८, रोहतक रोड	५२२३४
शिव प्रसाद, एजेंसी इंचार्ज	२६२४१
पहाड़गंज-तेल की मंडी	
सुमत प्रसाद 'शौक', सहसम्पादक	२४२४८
दरीबा कलां	
विनोद कुमार	२४२४८
१२२८, वकीलपुरा	

टाइम्स आफ इंडिया, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

सम्पादकीय विभाग

जय प्रकाश, सब-एडीटर	
मदन मोहन, सब-एडीटर	
गिरी लाल, स्पेशल करसपोंडेंट	
७/२३ दरियागंज	८६०६१
वीरेन्द्र किशोर	
५ एस्प्लेनेड रोड	
सतीश चंद, जू० एक्जी० आफीसर	
विमल प्रसाद	

विज्ञापन विभाग

रमेश चंद, बिज़नेस मैनेजर
सुमत प्रसाद, एस्टेट इंचार्ज
  ४३८२/४ दरियागंज

प्यारे लाल
जय प्रकाश
फूल चंद
विमल प्रसाद
ब्रज लाल
शांति नाथ
सुमत प्रकाश
भगवत् स्वरूप

नफेन (एशिया) लिमिटेड
आई. ई. एन. एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग

चेतन स्वरूप ३४१८७
मुद्गल भवन, २३ दरियागंज २०८८४

निजी व्यापारिक संस्थान

एजेंटस एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, २६, नेताजी सुभाष मार्ग

देशराज, ब्रांच मैनेजर
४ कृष्णा मार्केट, पहाड़गंज ४०७८१

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

मंगत राम, कार्मशियल मैनेजर ४३५६१
४८, दरियागंज २५५८७
आर. के. जैन
२४५, जोशी रोड, करोल बाग़
छुन्नूमल
१२, लेडी हार्डिंग रोड
मुन्नालाल
ऋषभ निवास, जैन मन्दिर के पास, पालम
सुमत चंद
८१ डी, कमला नगर, सब्जी मंडी
सुरेश चंद
पालम

ब्लंडेल एण्ड इक्रोमाइट पेंटस लिमिटेड
जिंदल हाउस, आसफ अली रोड

त्रिलोक चंद्र, सीनियर सेल्स रिप्रजेंटेटिव २६६३८
आर-५३०, न्यू राजेन्द्र नगर
शीतल प्रसाद २६६३८
१२२३, चाहरहट १५५६४

वर्मा शैल, स्टेटसमैन बिल्डिंग, कनाट सर्कस

राम चन्द्र, ब्रांच असि० ४००५१
५ ए/२ दरियागंज
प्रेम चन्द
पूरन चंद
महेन्द्र कुमार
आर. के० जैन
दीवान चंद
एन. सी. जैन
फतेह चंद
ए. एस. जैन
एस. एल. जैन
सोम नाथ
अजित प्रसाद

काल्टेक्स (इंडिया) लिमिटेड, थापर हाउस

दया दीपक प्रकाश
२७ ए. मोडल बस्ती
सुरेन्द्र कुमार
२ एफ. ग्रीन पार्क
चेतन लाल
ए. सी. जैन
एम. एस. जैन
चमन लाल
नरेन्द्र कुमार
सागर चंद
एस. सी. पालीवाल

सेंट्रल ला इंस्टीच्यूट, हार्डिंग ब्रिज

श्रीमंदर नाथ, ला रिसर्च आफीसर
५-ए./२०-२१ दरियागंज

सीमेंट मार्केटिंग कम्पनी आफ इंडिया लिमिटेड
जीवन दीप बिल्डिंग

इन्द्र सेन ४४२६१
५८ डा० सेन कालोनी, अंसारी रोड, दरियागंज
अजीत प्रसाद
२४ गली नाई वाली, करोलबाग़
अशोक कुमार
पी० ए० प्रेस के ऊपर, दरीबा कलां

डी० सी० एम० केमीकल वर्क्स, नजफगढ़ रोड

सुरेश चंद
 ६ वी आराम बाग पेलेस ४५२६८

ओंकार चंद
 ४४८४ गली राजा पातीमल, पहाड़ी धीरज

वीर सेन
 एफ-४३७ करमपुरा, इंडस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड

राम स्वरूप
 वी-५, स्वतंत्र भारत लि० कालोनी

किदार नाथ
 ए-२०, स्वतंत्र भारत मिल कालोनी

शीतल प्रसाद

बी० सी० जैन
 १४ साउथ पटेल नगर

बलवंतराय
 ए-२, स्वतंत्र भारत मिल कालोनी

रविश चंद्र
 ३ सी. ३३ रोहतक रोड

जगदीश चंद्र
 २० मालिक बिल्डिंग, मंडी पहाड़गंज

सुमेर चंद

हेम चंद

कोमल प्रसाद
 ३७/ए. कमला नगर

मांगेराम

डालमियां सीमेंट भारत लिमिटेड, सिंदिया हाउस

करम चंद, एडवोकेट, लीगल एडवाइजर ४०१२१
 ३५७५ फैज़ बाजार २०५६१

संतलाल, एड०-कम-ला आफीसर ४०१२१/१६
 ४३८३ तुलसीदास लेन, ४ दरियागंज

भीम सेन, सेक्रेटरी, शुगर फेक्टरी, रामपुर
 कूंचा बुलाकी बेगम, चांदनी चौक

सुभाष चंद

जगदीश चंद

दिल्ली क्लाथ एण्ड जनरल मिल्स कं लिमिटेड
बाड़ा हिंदूराव, प्रधान कार्यालय

कपूर चंद
 १४२/१६ गनेशपुर

सुन्दर पाल १४२/१६ गनेशपुर

अनंत प्रकाश, हेड डिजाइनर
 ४४६४ आर्यपुरा
 (सेंट्रल मार्केटिंग आर्गेनाइजेशन)

निर्मल कुमार
 ४१०६ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

जे० के० जैन
 ५ सी./३१ रोहतक रोड

एन० डी० जैन
 ४६४६ शोरा कोठी, पहाड़ गंज

वी० वी० जैन
 दरियागंज

वीर सागर
 ६०५६ सुखनन्द भवन, शीदीपुरा

जे० पी० जैन
 ८७-८८, लाइन नं० ६, ब्लाक बी, सत्यवती पार्क

महावीर प्रसाद
 शक्ति नगर

दरयाव सिंह
 १४२/१६ गनेशपुरा

फूल चंद
 ११५-११६ डी० सी० एम क्वा०, किशनगंज

कैलाश चंद
 ३६६७, गली मामन जमादार, पहाड़ी धीरज

छोटूराम
 मोती नगर

सुरेन्द्र कुमार
 ३८७३, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

किशन लाल
 २३५ सरस्वती पार्क, डी. सी. एम. क्वा०, किशनगंज

एल० पी० जैन
 १११८ छत्ता मदन गोपाल, चांदनी चौक

ज्ञान चंद
 गली आटान, पहाड़ी धीरज

मोहनपाल
 पालम, कैंट

लक्ष्मी नारायन
 डी २६० लाइन नं० ६, डी.सी.एम. क्वा०, [illegible]

धर्मसिंह
२२६३ गली अनार, किनारी बाजार
वी० सी० जैन
११३-११४, डी. सी. एम. क्वा० किशनगंज

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड

पी० चन्द्रा, ज़नरल मैनेजर २५२७५
दिल्ली फ्लोर मिल्स
सुरेन्द्र कुमार, सेल्स मैनेजर
५८ जनपथ
नरेन्द्र कुमार
लक्ष्मी बाजार, क्लाथ मार्केट
सुनहरी लाल
४८०५, गली मित्रा, रोशनआरा रोड
राम प्रसाद
२७६१ गली रामरूप, सब्जीमंडी
सुन्दर लाल
४५६७ गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

दिल्ली गैरेज लिमिटेड, कनाट प्लेस

वी० एस० जैन ४४४०५

दिल्ली लैंड एण्ड फाइनेंस (प्राइवेट) लिमिटेड
एफ-कनाट प्लेस

रामकिशन, सेक्रेट्री ४५०८६
६ एफ, माडल टाउन २६१४४

डा० युधवीर सिंह होम्योपेथिक सेल्स डिपो, चांदनी चौक

डा० गोकल चन्द, सेल्स मैनेजर
आर्यपुरा, सब्जीमंडी

इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, कनाट प्लेस

ए० जैन, (फोरन डी०) ४६६१६

गोवन ब्रदर्स रामपुर (प्राइवेट) लिमिटेड
४ सिंदिया हाउस

भीमसेन, सेक्रेट्री ४२७३०
३६३, कूंचा बुलाकी बेगम २५४०६

हिमको इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड

प्रफुल्ल चन्द्र
डी० जी० ८८० सरोजिनी नगर

हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड, इण्डियन एक्सप्रेस बिल्डिंग
मथुरा रोड

अविनाश चन्द
४१९५ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

हाउसिंग एण्ड जनरल फाइनेंस लिमिटेड
१० अलीपुर रोड

आर बी० जैन, (रिप्रेजेंटेटिव) २५२०८
१० अलीपुर रोड
सुमत प्रसाद
कटरा मशरू, दरीबा

इण्डियन एअरलाइंस कार्पोरेशन, कनाट प्लेस

उमराव सिंह
सी-४६१ नेताजी नगर
नरेश कुमार
देवनगर

आई० एस० एम० ए० (वेस्ट यू० पी ब्रांच)
४ सिंदिया हाउस

बी० पी० जैन, ब्रांच सेक्रेट्री ४०१२१
६६ मोडल बस्ती २७१६८

इंडियन ला इंस्टीच्यूट
सुप्रीम कोर्ट बिल्डिंग मथुरा रोड

हेमचन्द्र, लायब्रेरियन ४४२२६

इण्डियन प्रोजेक्टस कंसलटेटिव सर्विस
१६ बाबर रोड

बी० पी० जैन डायरेक्टर ४८८५०
१६ बाबर रोड

जयपुर उद्योग लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

एम० पी० जैन, असि० पर्चेज आफीसर ४३५६१
२३ दरियागंज
पी० सी० धारीवाल ४३५६१
गली बनिहारी, तेली वाड़ा
भगत राम
२०२३ बहादुर गढ़ रोड २८६४८

खादी ग्रामोद्योग भवन, रीगल बिल्डिंग

नन्द किशोर
३५६७ कूंचा लालबानी, दरियागंज
सतीश कुमार
ओम प्रकाश
हज़ारीलाल
कूंचा कशगरी, सीताराम बाजार
भगवानदास
३४७६, कूंचा लालबानी, दरियागंज

मशीनवेल इण्डस्ट्रीज, २ डबल स्टोरी मार्केट
न्यू राजेंद्र नगर

अशोक कुमार ५६४५४
४५५ मंटोला ३२०१३

मास्टर साठे एण्ड कोठारी, कनाट सर्कस

सुल्तान सिंह ४७४८६
१६, दरियागंज २७३४६

मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स (इण्डिया) लिमिटेड
४/११ आसफअली रोड

कुम्भकरण अमलूंजा, सेल्स एक० आफीसर २७८७१
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड २७८७२
शुभ कुमार, सेल्स एक्ज़ि० असिस्टेंट
दान बाजार, बलाय मार्केट
अक्षय कुमार, सेल्स एक्ज़ि० असिस्टेंट
१८०३ चीराखाना, बैदवाड़ा

मेट्रोपोलीटन बुक कं० (प्राइवेट) लिमिटेड
१ नेताजी सुभाष मार्ग

नन्द किशोर, एकांउटेंट २५७७१

नेशनल फिजीकल लेबोरेटरी, हिलसाइड रोड

डा० एस० सी० जैन, असिस्टेंट डायरेक्टर [illegible]

नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया
मंडी हाउस, लिटन रोड

एम० एस० शाह, असिस्टेंट कैमीकल इंजीनियर [illegible]

ओवरसीज कम्यूनिकेशन सर्विस
एल० आइ० सी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

आर० के० जैन [illegible]

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड
राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

बद्रीशर नाथ, मैनेजर २५२६४
३३६५, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

राजकुमार
४२६६ गली बहू जी, पहाड़ी धीरज

शीतल प्रसाद
म० छोटेलाल सिंहसभा रोड, घंटाघर, सब्जी मंडी

फोटोफोन इक्विपमेंट्स प्रा० लिमिटेड
डिलाइट बिल्डिंग, आसफअली रोड

एन. कुमार जैन, मैनेजर २०५७४
१६४, गोल्फ लिंक्स ७५३८३

राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड सन्स
चांदनी चौक

रूप कुमार, मैनेजर
२७१४ चौक रामजी

रोडवेज़ एण्ड जनरल फाइनेंस (प्रा०) लिमिटेड
४/२ ज्वाल मेंसन, आसफ अली रोड

एम० एल० जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर २८२७८
२/७२, रूप नगर २५०८१

स्टैंडर्ड वेकुअम आयल कम्पनी, पार्लियामेंट स्ट्रीट

सुरेन्द्र कुमार, एका० असिस्टेंट
३४७५ फैज बाजार

महेन्द्र कुमार, सेक्शन सुपरिटेंडेंट

महेन्द्र दास

प्रद्युम्न कुमार

पी० सी० जैन

सुखमाल चन्द

साहू सीमेंट सर्विस, पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड बिल्डिंग
पार्लियामेंट स्ट्रीट

आ० सी० पारिख, डि० चीफ इंजीनियर ४३५६१

साहू जैन (प्राइवेट) लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

डा०. एस० सी० किशोर, असि० डिविज़न आफीसर ४३५६१
५४१, एस्प्लेनेडरोड

आर० एस० जैन एकाउंटेंट
१ अंसारी रोड, दरियागंज

आर० के० जैन
१/१४५, जैन बिल्डिंग, शहादरा

स्वतन्त्र भारत मिल्स, नजफगढ़ रोड

चतर सेन ५३१६३
नजफगढ़ रोड

बृजलाल मणिलाल एण्ड कं०, लाहोरी गेट

अनन्तराम, जनरल मैनेजर २६२६६
२३, दरियागंज २६१६०

इण्डियन स्टैंडर्डस इंस्टीच्यूट
मानक भवन ९, मथुरा रोड

वी. सी. जैन, ए. अ. डायरेक्टर ४५०११
यू. एस. जैन, टेक० असिस्टेंट ४५०११
१९ एज़, किदार बिल्डिंग, सब्ज़ी मंडी

उद्योग व व्यापार

औद्योगिक व मैनुफेक्चरिंग संस्थान

साहू जैन लिमिटेड

रजि० कार्यालय—११ क्लाइव रोड कलकत्ता।
दिल्ली कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। ४३५६१
चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन
६ सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली ३४४०२
मैनेजिंग डायरेक्टर—अशोक कुमार जैन
फायनेंशल डायरेक्टर—शीतल प्रसाद जैन
डायरेक्टर—ए० पी० जैन

दी जयपुर उद्योग लिमिटेड

सीमेंट वर्कस—सवाई माधोपुर, जयपुर (राजस्थान)
प्रधान कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। ४३५६१
चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन
६ सरदार पटेल मार्ग ३४४०२

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली ४३५६१

साहू सीमेंट सर्विस

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पार्लियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली ४३५६१

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड

मिल्स—रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२७५
प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली ४५८२८
डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन
११ कौलिंग रोड, नई दिल्ली ४७९५९
(२) दीलचन्द्र जैन ४८०८१
२४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली

राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२६७

आर० जी० गोवन एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ रोड ४५८२८
नई दिल्ली ४५८२९
शाखाएं—(१) १५-ए. हार्नीमेन सर्किल
फोर्ट, बम्बई… २५५०४२
(२) बहावलपुर (उत्तर प्रदेश) … ५९
(३) बिजनौर (उत्तर प्रदेश) …. ११
डायरेक्टर्स—(१) जगत प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१९८९
बम्बई २४१४८७
(२) रवि प्रकाश जैन
११ कौलिंग रोड, नई दिल्ली ४७९५९
(३) शशि प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१९८९
बम्बई २४१४८७
(४) केप्टन ओ० प्रसाद
सिकंदरा रोड, नई दिल्ली ४८९४८

इण्डियन हार्डवेअर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

फैक्ट्री—फरीदाबाद, (पूर्वी पंजाब)
प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली [illegible]
शाखा—१५-ए. हार्नीमेन, सर्किल [illegible]
फोर्ट, बम्बई [illegible]
डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन
११ कौलिंग रोड, नई दिल्ली [illegible]
(२) जगत प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव [illegible]
बम्बई [illegible]

Introducing JaycO

INDIA'S FIRST
ALARM CLOCKS

PROGRESSIVELY MANUFACTURED IN TECHNICAL
COLLABORATION WITH WORLD-FAMOUS

TOYOCLOX
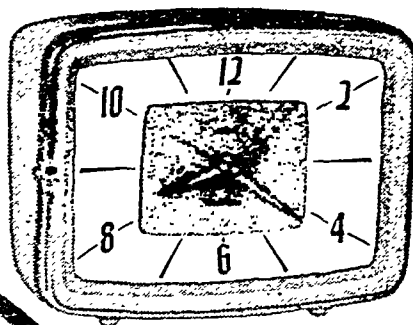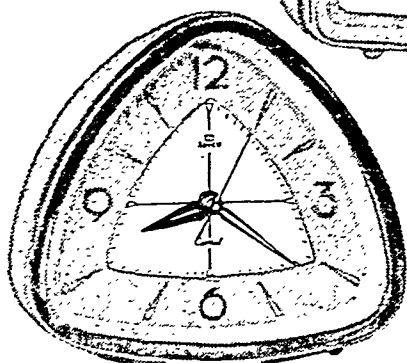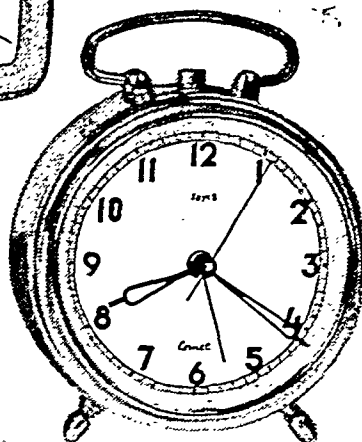
JAYNA TIME INDUSTRIES (P) LIMITED

जैना टाइम इण्डस्ट्रीज़ (प्रा०) लिमिटेड
प्रधान कार्यालय—७/३२ दरियागंज, दिल्ली

(३) रवि प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७९५६
वर्कस डायरेक्टर—क्रांति प्रकाश जैन

जैन फार्म्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ
नई दिल्ली ४५८२९
फार्म्स कार्यालय—विजनौर ११
डायरेक्टर्स—(१) किशोरी लाल जैन रईस
विजनौर (उत्तर प्रदेश) ११
(२) क्रांति प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७९५६
(३) केप्टन ग्रो० प्रसाद
सिकंदरा रोड, नई दिल्ली

फैसलस लिमिटेड

(मैनेजिंग एजेंटस टू मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स इंडिया लिमिटेड)

कार्यालय—ट्राम टर्मीनस, सब्जी मंडी, दिल्ली २४१११
चेग्ररमेन—सेठ मोहनलाल कठोतिया
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली २४११२

मेचवेल इलेक्ट्रीकलस (इण्डिया) लिमिटेड

फैक्ट्री—पूना
कार्यालय—१५६ रामजस विल्डिग ४/११
ग्रासफग्रली रोड, दिल्ली २७८११
मैनेजिंग डायरेक्टर—मोहन लाल कठोतिया
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड
सब्जी मंडी, दिल्ली २४११२

वालचन्द नगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

चेग्ररमेन—गुलाब चन्द हीरा चन्द
डायरेक्टर—लालचन्द हीरा चन्द
दिल्ली कार्यालय—६/३ ए. नेशनल ४६५७८
इंश्योरेंस विल्डिग (ग्रा० फ्लोर)
पालियामेंट स्ट्रीट।

हिन्दुस्तान कंसट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

डायरेक्टर—(१) लाल चन्द हीरा चन्द
(२) रतन चन्द हीरा चन्द ५१३०५
बी-१ पूसा रोड, करोल बाग

प्रीमियर ग्राटोमोबाइल्स लिमिटेड

चेग्ररमेन—लालचन्द हीरा चन्द
दिल्ली कार्यालय—बाम्बे म्युचुग्रल विल्डिग ४०६०५
१० पालियामेंट स्ट्रीट ४४५५५

जैना टाइम इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड

टाइमपीस फैक्ट्री—जी० टी० रोड, साहिबाबाद
(उत्तर प्रदेश) फोन- (८५)२२५०
प्रधान कार्यालय—७/३२, दरियागंज, दिल्ली २५५६७

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

फैक्ट्री—('संसार' सिउइंग मशीन)—जी० टी० रोड
दिल्ली-शहादरा २००७१/१३२
कार्यालय—११ दरियागंज, दिल्ली २४६६३
डायरेक्टर्स—(१) विमल प्रसाद जैन
११ दरियागंज, दिल्ली २४५६३
(२) निर्मल प्रसाद जैन
४८-डी. राजा बाजार
नई दिल्ली ४४५८३
(३) कामल प्रसाद जैन
११ दरियागंज, दिल्ली २४६६३

चन्द्रा इलेक्ट्रीकल इण्डस्ट्रीज़

फैक्ट्री—(सुपरइनेमिल्ड कापर वायर)—७/१८
नजफगढ़ रोड, दिल्ली २५०८६
कार्यालय—३३ चांदनी चौक, दिल्ली २६८३६
शील चन्द्र जैन, नरेश चन्द्र जैन — ३४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली ४८०८१

हिन्दुस्तान इंडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री—एम/४ इंडस्ट्रियल एरिया, पानीपत
कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
डी० पी० जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७

पर्ल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन

फैक्ट्री व प्रधान कार्यालय —३५, इंडस्ट्रियल एरिया चंडीगढ़ (पंजाब) १००१
दिल्ली कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
मैने० पार्टनर—ए० के० जैन

जयभारत हार्डवेयर कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेअर्स)—इंडस्ट्रियल एरिया
पानीपत (पंजाब) ३७
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड
नई दिल्ली ५५६४७
पार्टनर—श्रीमती शकुंतला देवी, जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हरयाना प्रोग्रेसिव इंडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री (रिविटस)—०/३४, इंडस्ट्रियल एरिया
पानीपत (पंजाब)
कार्यालय—रोहतक रोड
नई दिल्ली ५५८६५
मैने० पार्टनर—अतर सेन जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हिन्दुस्तान वायर प्रोडक्टस

फैक्ट्री (वाइफरकेटिड रिविटस)—लारेंस रोड
रोहतक रोड ५१४४४
कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
पार्टनर्स—(१) बलदेव दास जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७
(२) सागर चन्द्र जैन
८७० ईस्ट पार्क रोड ५२५७६

नेशनल स्टील मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेअर्स)—बहादुरगढ़ (पूर्वी पंजाब)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली
मैने० पार्टनर—एस० पी० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

साउण्ड स्पेअर्स (इण्डिया)

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा

हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (साइकिल एक्से०)—बहादुरगढ़ (रोहतक)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
मैने० पार्टनर—एम० के० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

अशोका साइकिल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (साइकिल एक्से०)—२३२८ इंडस्ट्रियल एस्टेट ग्वालियर (म० प्र०)
कार्यालय—४८६७ क्लाथ मार्केट, फतहपुरी
पार्टनर—श्रीमती शांतीदेवी जैन
२८ रोहतक रोड २५४६३

हिन्दुस्तान साइकिल एक्सेसरीज़ मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय—लारेंस रोड, रोहतक रोड ५४२५४
सेल्स आफिस—४३६ एस्प्लेनेड रोड २०३१२
ए० एस० जैन, एस० पी० जैन — ६ रोहतक रोड नई दिल्ली ५५६४७
ए०डी० मित्तल, ८७० ईस्ट पार्क रोड, नई दिल्ली ५२५७६

महावीर स्टील रौलिंग मिल्स

जी० टी० रोड, दिल्ली-शहादरा २००७१-४०

हिन्द स्टील कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय—४२१ जी० टी० रोड दिल्ली-शहादरा २००७१/१७४

श्रोलम्पस श्राप्टीकल इंडस्ट्रीज मैनुफेक्चरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (माइक्रोस्कोप व कैमरा)—मेन बाजार, मेहरौली ७२५४३
कार्यालय—१ कीलिंग रोड ४८८६०
डिप्टीमल जैन
२८ रोहतक रोड ५३२६२

जैन श्राप्टीकल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा
कार्यालय—बल्लीमारान, चांदनी चौक

जयहिन्द ट्रेडिंग कार्पोरेशन

फैक्ट्री (बिजली स्विच)—घंटेवाला बाजार गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—५१८६ सदर बाजार, दिल्ली २६०६२
धर्मेन्द्र कुमार जैन
२८ रोहतक रोड ५२२३४

रतन चन्द्र रिखबदास जैन

फैक्ट्री (कॉपर सल्फेट) व कार्यालय—कच्चा बाग चांदनी चौक २४६३१
पार्टनर—रिखबदास जैन
४/५४ एच० रूपनगर २३४६७

दिल्ली बोर्ड मिल्स

फैक्ट्री (मिल बार्ड)—६ एस०, इंडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद ६४
कार्यालय—चावड़ी बाजार, दिल्ली २६६४०

क्वालिटी वाटर प्रूफ मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (वाटर प्रूफ तथा वेक्स पेपर)—फरीदाबाद (पंजाब)
कार्यालय—चावड़ी बाजार, दिल्ली

स्वतंत्र भारत पेपर मिल्स लिमिटेड

फैक्ट्री (पेपर बोर्ड)—नाहर नगर, पिलखुआ, (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—२८ चावड़ी बाजार
डायरेक्टर्स—(१) अजित प्रसाद जैन (२) धर्म प्रकाश जैन (३) वीरेन्द्र कुमार जैन — ५/७ देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली ४४७५६

राजा टायज् कम्पनी

फैक्ट्री—८२७३, शीदीपुरा, (अनाज मंडी के अन्दर) २६०५६
प्रधान कार्यालय—३३, डिप्टी गंज २६३२६
सदर बाज़ार, दिल्ली २६३२३
शाखाएं—(१) बी. १०३, बगरी मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, ७१ केनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता-१ ४७५२८३ ३४६६३१
(२) ६१-६३, सारंग स्ट्रीट, बम्बई-३
(३) १०३ बी, नारायना मुदाली स्ट्रीट, मद्रास २१६१०

कैलाश चन्द्र जैन, आर० सी० जैन, आर० के० जैन —२५ पूसा रोड, नई दिल्ली ५२३१३

सारू स्मेल्टिंग एण्ड रिफाइनिंग कार्पोरेशन प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री (नान फेरस मेटल्स) व प्रधान कार्यालय— मेरठ, उत्तर प्रदेश
व दिल्ली कार्यालय— ३०, चावड़ी बाजार
डायरेक्टर—सुल्तान सिंह जैन, मेरठ

जैन ग्लास वर्क्स

फैक्ट्री—हिरनगौ (उत्तर प्रदेश)
दिल्ली कार्यालय—५४५, एस्प्लेनेड रोड
छदामीलाल जैन
फीरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश)

विशंभर दास एंड सन्स (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (बटन आदि)—११ ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, दिल्ली ७२८११
कार्यालय—५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
चेअरमेन—आदीश्वर प्रसाद जैन ५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
मैनेजिंग डायरेक्टर—पी० डी० जैन ५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
वर्क्स-इंचार्ज—सुरेन्द्र कुमार जैन ७२८११

जे० एम० सी० इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (लेथ मशीन)—नजफगढ़ रोड, दिल्ली ५४२५६

कार्यालय—१६४६/३ डा० मुकर्जी मार्ग, दिल्ली २५६६६

भीखूराम जैन २७३२७

गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज सदर बाजार दिल्ली

सुन्दरलाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी फैक्ट्री (बीड़ी)

कार्यालय—३११ बाराटूटी, सदर बाजार २६६७०

सेठ सुन्दर लाल २७०५८

४६३६ डिप्टीगंज

होज़री सामान के निर्माता

नेहरू होज़री मिल्स २०५२३

बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

खजांची मल जैन २०५२३

बस्ती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड

जैनीको होज़री मिल्स २४१०२

५६३३ कुतुब रोड

नानक चंद्र जैन ४७०६६

५६, रामनगर

अग्रवाल जैन होज़री फैक्ट्री

प्लाट नं० ६, मोडल बस्ती

काल्टेक्स होजरी

७८४६ नई बस्ती, बाड़ा हिन्दूराव, अहाता किदारा

कैलाश होज़री वर्क्स

५७७७ ईस्ट पार्क रोड, मोडल बस्ती

ओम प्रकाश जैन होजरी फैक्ट्री

१०६१६ मानकपुरा, करोल बाग

ओलम्पिक होज़री फैक्ट्री

गली मटके वाली, सदर बाजार

रथ ब्रांड केंडिल एण्ड होज़री वर्क्स

गली बहूजी, म० नं० ४३६१/१ पहाड़ी धीरज

शिखर होज़री फैक्ट्री

गली बहूजी, म० नं० ४३६१/१ पहाड़ी धीरज

सुशील होज़री मिल्स

१०६४४/५ मानकपुरा, मोडल बस्ती

सुधीर होज़री फैक्ट्री

३०६४, बहादुरगढ़ रोड

गोयल होज़री फैक्ट्री

१०८ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

रूपा होज़री फैक्ट्री

११३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

सिंघवी इन्डस्ट्रीज

१० वैस्ट, बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

इन्द्रा होज़री मिल्स

बस्ती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड २४१०२

जैन होज़री मिल्स कम्पनी

बस्ती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड

सूत गोला निर्माता

ओसवाल थ्रेड बाल फैक्ट्री २३५७१

गली छापाखाना, सदर बाजार

बनारसीदास ओसवाल

सदर बाजार

लक्ष्मी थ्रेड फैक्ट्री

कटरा मिठ्ठनलाल, सदर बाजार

इन्डियन सूत गोला फैक्ट्री
३६१३ गली वरना, सदर वाजार

डी. के. जैन सूत गोला फैक्ट्री
२१ एन. वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

मंगलदास विशम्भर लाल जैन
३५ एन. वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

एस. डी. मित्तल मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २८७२०
६५५ गली नं० ११, सदर वाजार

पी. आर. मित्तल ५१०४८
करोल वाग, नई दिल्ली

रतनचन्द हरजसराय (प्लास्टिक्स) प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री—इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० ५४ फरीदावाद टाउनशिप १०२
कार्यालय—५४, इन्डस्ट्रियल एरिया २२५
वर्क्स मैनेजर—बी० एन० जैन
प्रोड० मैनेजर—आर. वी. जैन } १७५

न्यू राजधानी फ्लोर मिल्स

मिल्स (दाल) ६५४६ कुतुव रोड ४६६६८
सुन्दरलाल
४०८६ गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज २६१७८

राजवैद्य शीतलप्रसाद एण्ड संस

रसायनशाला—जी. टी. रोड दिल्ली-शाहदरा २३२०१-५२
कार्यालय—चांदनी चौक, दिल्ली २३५२६
राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन
वैद्य शांती प्रसाद जैन } पहाड़ी धीरज, दिल्ली

ड्रग डील कार्पोरेशन

फैक्ट्री (फार्मा०टेव०)—वाग़ फूलचन्द रोहतक रोड ५४२६८
कार्यालय—१४६६, भगवती भवन, स्टेट वैंक के पीछे चांदनी चौक २४०७३

जनरल ट्रेडस एजेंसी

फैक्ट्री—क्लिनीकल गुडस व लेव० इक्युपमेंटस १७ नजफगढ़ रोड ५१६६५
कार्यालय—गली पाइवालान जामा मसजिद के पास २६२५४
मैनेजिंग डायरेक्टर-मोती लाल जैन २६१५४

हिन्द ट्रेडिंग एण्ड मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली वरना सदर वाजार २८५०४
पार्टनर्स—(१) नेम चन्द्र
(२) महेन्द्र कुमार } ६ पार्क एरिया करील वाग ५२८६३
(३) सुमेर चंद्र जैन, डिप्टीगंज

महावीर हैट मैनुफैक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली डाकखाने वाली मंडीपान, सदर वाजार दिल्ली २८५०५

जैनसन इन्डस्ट्रीज

फैक्ट्री (ट्राइसिकल, स्टील ट्यूव व कैन्डयूट पाइप)—अट्टा मंदिर, अलवर (राजस्थान)
प्रधान कार्यालय—१२१६ चाहरहट, दिल्ली
गिरीलाल
१२१६, चाहरहट, दिल्ली
त्रिलोकचन्द्र
गली कुऐं वाली, गली अनार, दिल्ली
जगदीश प्रसाद
२५५३ सतघरा, धर्मपुरा, दिल्ली
सतेन्द्र सिंह
छोटा छीपीवाड़ा, दिल्ली

दिल्ली प्राम एण्ड ट्राइसिकिल मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री—११८५ चाहरहट, दिल्ली
प्रधान कार्यालय—१२१७ चाहरहट, दिल्ली
शाखायें—(१) ३/१ मैंगो लेन, कलकत्ता
(२) इतवारी वाज़ार, नागपुर
मैनेजिंग डायरेक्टर—मदन लाल जैन

वाटरलू प्रोडक्टस

फैक्ट्री (पोलिश व सीमेंट के रंग) जी. टी. रोड दिल्ली-शाहदरा
कार्यालय—४० जी. वी. रोड, दिल्ली २३३२६
पंचकुमार जैन ३ दरियागंज, अंसारी रोड, दिल्ली

जैन टेक्सटाइल वीविंग एण्ड डाइंग फैक्ट्री

शीदीपुरा ५५६८४

हेम चन्द्र जैन } ४६६० पहाड़ीधीरज
पवन कुमार } दिल्ली २६५७३

प्रकाश वीविंग एण्ड डाइंग फैक्ट्री

फक्ट्री—शीदीपुरा ५५६१६

ओमप्रकाश जैन
१, दरयागंज २४५००

हुकम चन्द जैन वेयर मेन्युफेक्चरिंग हाउस

फैक्ट्री (सिलवर वेयर्स)—३०१, दरीबा कलां
कार्यालय—१७०७, दरीबा कलां २०५५६
पार्टनर्स—(१) बहादुर सिंह जैन } दरीबा
(२) दरयाव सिंह जैन } कलां

घूमीमल जुगल किशोर

फैक्टरी (स्टेशनरी मैनुफे०) } दुजाना हाउस, चावड़ी
व कार्यालय } बाजार दिल्ली २६१०५
जुगल किशोर जैन, दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार, दिल्ली

इम्पीरियल प्लेइंग कार्डस मैनुफैक्चुरिंग कम्पनी

फैक्टरी—गली मिट्ठन लाल, पहाड़ी धीरज
कार्यालय—सदर बाजार, दिल्ली २७७७०
नेमी चन्द्र मित्तल, कूंचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

ओसवाल प्लेइंग कार्ड फैक्ट्री

बस्ती हर्फूल सिंह

गेम्स इंडस्ट्रीज एण्ड टायलैंड (इण्डिया)

कार्यालय—२४१३ चावड़ी बाजार

एनके रबर मिल्स

फैक्ट्री व कार्यालय—२/३५६ जी. टी. रोड
दिल्ली-शहादरा २००७१/१८४

खैराती लाल जैन
२/३५६ जी. टी. रोड, दिल्ली-शहादरा

माया इंडस्ट्रीज़

फैक्ट्री (टायज)
कार्यालय—५७५६/५ दे० गुप्ता रोड, देवनगर ५३६६७

के. के. बख्शी इंडस्ट्रीज़

कार्यालय—१८ सदर थाना रोड २६००५
मदन किशोर जैन

न्यू एरा प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री व } ५०६ हवेली हैदर कुली
कार्यालय } चांदनी चौक
शान्ति स्वरूप जैन २०१८२

अमेरिकन रबर मिल्स कम्पनी

फैक्ट्री—जी० टी० रोड,
दिल्ली शहादरा २३२०१/४५

इंटरनेशनल प्रोडक्टस

फैक्टरी व कार्यालय—गली छापाखाना, मण्डी पान
सदर बाजार २८५०५

अमर भारत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड

४५५ मंटोला, पहाड़गंज ४२०१३
मैनेजिंग डायरेक्टर—श्री चन्द्र जैन
४५५ मंटोला, पहाड़गंज ४२०१३

दिल्ली कैलेन्डर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } १५३०, नई सड़क २५८०८

लक्ष्मण दास १५३० नई सड़क

सर्वोदय प्रकाशन

मेनु०—मांटेसरी ट्रेनिंग इक्विपमेंटस

प्रधान कार्यालय—सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली कार्यालय—चावड़ी बाजार दिल्ली २५२७८

पार्टनर्स—(१) मंगल किरन जैन

मो० चौधरियान, सहारनपुर (उ० प्र०)

(२) कोमल प्रसाद जैन

११ दरियागंज, दिल्ली २४९६३

एम. जे. इंजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (वाटर टैंक्स, पाइप आदि) कार्यालय व } बगीची तनसुखराय अजमेरी गेट, दिल्ली

शाम लाल जैन

४ टोडरमल रोड, नई दिल्ली ४५९५५

अजित प्रसाद जैन
महेन्द्र प्रसाद जैन } १२२३ चाहरहट, दिल्ली २५५९४

जय कुमार जैन

५-ए. दरियागंज, दिल्ली

प्रमोद प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—
कार्यालय— } पहाड़ी धीरज, दिल्ली

प्रमोद चंद्र जैन

१ डी. करोल बाग

सुरेश प्लास्टिक्स वर्क्स

४१०७ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

बिशंभर दास जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (नेटिंग वायर आदि) व कार्यालय—चावड़ी बाजार, दिल्ली २०८८७

जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (वायर नेटिंग्स) व कार्यालय } ३५८० चावड़ी बाजार २८०३३

मनोहरलाल त्रिलोक चंद्र जैन

फैक्ट्री (लोहे की जाली) व कार्यालय } —आनन्द पर्वत रोहतक रोड

भारत तार उद्योग

फैक्ट्री—जी टी० रोड

दिल्ली-शहादररा

रतन चन्द्र रिखबदास

फैक्ट्री—छोटा बाजार

दिल्ली शहादरा २३२०१/३४

कार्यालय—४२२, भोलानगर

दिल्ली शहादरा २३२०१/१६१

लक्ष्मण सिंह जरीवाला

(इलेक्ट्रिक व रेडियो केबिल तथा तार)

फैक्ट्री व कार्यालय— } २०८८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार

शाखा—२४६, वाला जी का रास्ता, रामगंज, जयपुर (राजस्थान)

लक्ष्मण सिंह भंसाली

कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार, दिल्ली

कानूजी माठूमल एण्ड सन्स

फैक्ट्री (बिजली व रेडियो केबल तथा तार)

व कार्यालय—चौक राय जी, रोशनपुरा, दिल्ली

व्यापारिक संस्थान

अनाज के व्यापारी व आढ़ती

नया बाजार

सनेही राम राम नरायन	२४८२७
सौनाथराय राम धारी	
कुंजी लाल कुन्दन लाल	२७०३१
सन्त लाल कश्मीरी लाल	
पूरन मल उग्र सेन	२३२३९
गुलाब चन्द हंस राज	
बाबू मल रमेश चन्द	
बिशनदास नवल चंद	
लक्ष्मी नारायन सुन्दर लाल	२६१८९
पूरन चन्द	
चतर सेन	
लखमी चंद	
केसरी चन्द मोहन लाल	
रतन ट्रेडिंग कं०	
जुगमंधर दास धन कुमार	
सोनीमल बद्री प्रसाद	
लखोमल राम नाथ	

चावड़ी बाजार

मुकुट लाल पदम चन्द

पन्ना लाल हीरालाल

नंद किशोर

शीतल प्रसाद

राम रछिपाल अजीत प्रसाद, रघुगंज

विशम्बर दयाल मंगल सेन, रघुगंज

पहाड़ गंज

धनीराम रघुबीर सिंह
　मुलतानी टांडा

गोरधन दास
　मुलतानी टांडा

पन्नालाल गिन्नर चन्द
　मुलतानी टांडा

नजफगढ़ व अन्य

मेहर चन्द रतन लाल

ज्वाला प्रसाद बनवारी लाल

उलफत राय मदन लाल

हरप्रसाद जैन

डिल्लोमल मेहर चन्द्र

फकीर चन्द ताराचन्द

दीप चन्द जिनेश्वर दास
भोगल रोड, जंगपुरा

एअर कंडीशनिंग व रेफ्रीजरेशन इंजीनियर

आर० सी० डूरांट एण्ड कं०	४७८४४
एम. ब्लाक, कनाट सर्कस	
न्यू इण्डिया मोटर्स (प्रा०) लि०	४५१०८
कनाट सर्कस (सिंदिया हाउस)	
वीर रेफ्रीजरेटर्स इण्डिया	२३००५
ए ३/१५ आसफ अली रोड	
वीर रेफ्रीजरेटर एण्ड एअर कंडीशनिंग कम्पनी	
तिमारपुर	२७३२२

कपड़े के व्यापारी व आढ़ती

चांदनी चौक (मेन)

हजारी लाल एण्ड ब्रादर्स

मुसद्दी लाल मलखान सिंह

बी० आर० जैन क्लाथ स्टोर

कटरा लछू सिंह, चांदनी चौक

कन्हैया लाल त्रिलोक चन्द्र	२०४१२
पवनकुमार मदनकुमार	
जंगली मल पवन कुमार	
छगन लाल धन कुमार	
गुंदूमल चांदमल	
मुन्नी लाल रतन लाल	
श्रीमंदर दास मोतीलाल	
इन्दर राम धर्म दास	

विलास राय रोशन लाल
हरद्वारी मल विशन स्वरूप
ईश्वर दास प्रेम चन्द्र
रतन लाल श्रीपाल

कच्चा बाग, कटरा शहंशाही, चांदनी चौक

रतन लाल जग्गी मल २४६१७
नेम चन्द जैन
अग्रवाल स्टोर २७३१८
बुद्धामल हरिदमन लाल
रोशन लाल हरत चन्द्र
जम्बू प्रसाद डिप्टी मल
उग्र सेन सुशील कुमार
उग्र सेन रघुनाथ सहाय
कन्हैया लाल राज कुमार
मिट्ठन लाल तारा चन्द
सोहन लाल वाल चन्द
दुली चन्द पवन कुमार
जवाहर लाल शिव कुमार
वैज नाथ जैन
सुमेर चन्द्र जैन
वद्री प्रसाद राजेन्द्र कुमार
सूरज मल फूल चन्द्र
पदम चन्द ताराचन्द
वंशीधर रतन लाल
राकेश कुमार
गंगाराम शंकर लाल
जगन्नाथ लक्ष्मूमल
शम्भूनाथ कल्याण चन्द्र
मूल चन्द्र रतन लाल
शिव लाल गुलाव चन्द
विमल प्रसाद जैन
क्षेम राज स्वेरम दास
दर्शन लाल व्रज मोहन
उधमी राम कुन्दन लाल
प्रभू दयाल हर चन्द्र
माखन लाल तारा चन्द्र
वेद प्रकाश महादेव प्रसाद

गली लेहसवान, चांदनी चौक

पन्नालाल जन एण्ड कं० २३४०१
धूमसिह् अमोलक सिंह
प्रकाश चन्द कैलाश चन्द्र
सुमत प्रसाद राम प्रकाश
वद्री प्रसाद दुली चन्द्र
भाग मल वीर मल
रहतू मल सुरेन्द्र कुमार
दरोगा मल शेर सिंह
रघुवीर सिंह सुरेश चन्द्र
जम्बू प्रसाद गंभीर सिंह
कश्मीरी लाल रहतूमल
शान्ती प्रसाद नरेन्द्र कुमार
राम नाथ भान सिंह
सुमन्दरा लाल श्याम लाल
कन्हैया लाल महावीर प्रसाद
ठंडीराम जन
उत्तम चन्द्र देवेन्द्र कुमार
विश्वंभर सहाय जगजीत सिंह
मुकन्दी लाल मांगेराम
शिव प्रसाद हर प्रसाद
रिसाल सिंह गुलाव सिंह
प्रकाश चन्द्र धन कुमार
जैनी ब्रादर्स

कटरा धूलिया, चांदनी चौक

नरायन दास दयाल सिंह
लिसपाल जैन
भगत सिंह जैन
दयाचन्द जैन
वद्री दास विजय कुमार
रघुवीर सिंह अमोलक चन्द्र
धूम सिंह जैन
गोपीमल जगदीश प्रसाद
शिव प्रसाद कंवल किशोर
उमराव सिंह जैन
शिखर चन्द्र लक्ष्मी चन्द्र
वीर सेन जिनेंद्र कुमार

धनपाल सुकौशल कुमार
देशराज किरोड़ी मल
धनपाल सुरेश चन्द्र
ईमान राय चिरंजीलाल
शिखर चन्द्र जैन
रूप चन्द जैन
सुलतान सिंह राजेन्द्र कुमार
ज्योती प्रसाद
मंगाराम गुज्जनमल
निरंजन सिंह जैन
कालूराम महावीर प्रसाद
किरनसिंह महेन्द्र कुमार
गिरी लाल कान्ता प्रसाद
श्रीचन्द्र त्रिलोक चन्द्र

कटरा नवाब साहब, चांदनी चौक

भोजराज सोम प्रकाश
गोविन्द प्रसाद सुमत प्रसाद
सूरजभान सुरेन्द्र कुमार

नया कटरा, चांदनी चौक

रोशन लाल दुग्गण एण्ड कं०
नियादर मल अमर नाथ २८०४७
गोविन्द प्रसाद तन्नूलाल जैन

नया मारवाड़ी कटरा

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द्र २७६०८
धनपत राय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल संजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

कटरा सत्यनारायण, चांदनी चौक

श्रीपाल सुरेन्द्र पाल
धन कुमार नेम चन्द्र
सन्त लाल निर्मल कुमार
भोपाल सिंह
वासमल पलटू मल
जगदीश प्रसाद आदीश कुमार
नवल सिंह चन्दन लाल
आतमाराम बाबूराम

उल्फतराय धर्मपाल सिंह
अनोखे लाल
त्रिलोक चन्द जय चन्द्र
खजांची मल माम चन्द
काशीराम विजय कुमार
चेतनदास सुरेश चन्द
रोशन लाल रूप चन्द्र
दर्शन लाल मूल चन्द्र
चेतन दास रमेश चन्द्र
दया चन्द जय चन्द्र
जैन कटपीस स्टोर
पेशीराम माखन लाल
सूरज भान जैन
मिट्ठन लाल सुशील कुमार
जम्बू प्रसाद जैन
गोपीराम तारा चन्द्र
लखमी चन्द्र नेम चन्द्र
सतीश चन्द्र भूषण कुमार
नेम चन्द्र जयपाल सिंह

कटरा चौबान, चांदनी चौक

परस राम द्वारका दास
रतन लाल जग्गी मल जैन २४६१७
मुन्नी लाल मोती लाल

कटरा अशर्फी

जगन्नाथ जैन
मोहन लाल जैन
गनपत राय विजय कुमार
किशन गोपाल कौशल कुमार
गुज्जी मल मेहर चन्द्र
श्रीराम केसरी चन्द्र
रतनलाल जग्गी मल २४६१७
रतन लाल नरेन्द्र कुमार
पी. पी. जैन एण्ड कम्पनी, दरीबा
जैन वस्त्र भंडार
किनारीबाजार, चांदनी चौक
कन्हैया लाल [illegible]
मोती महल, नई सड़क

कटरा छतरी, नई सड़क

उल्फत राय कैलाश चन्द्र
सामल दास राज कुमार
धर्नासिह राय संत नारायण
चन्दन लाल महावीर प्रसाद
बाल मुकन्द जुगमंदर लाल

कटरा राठी, नई सड़क

चुन्नी लाल रूप चन्द्र
मदनलाल देवेन्द्र कुमार

नई सड़क

दरबारी मल जैन एण्ड कं० २९१११
बैंगलोर साड़ी सैंटर १९१११
जैन साड़ी निकेतन
प्रभूदयाल, कटपीस वाले
जैन क्लाथ हाउस
धनपाल जैन
आभेराम जैन
माता दीन जैन
जगन्नाथ जैन
जंगली मल अनूपसिंह

माली वाडा, चांदनी चौक

अनराज नरायन दास २४७६३
मुसद्दी लाल फूल चन्द्र
निहाल चन्द्र फकीर चन्द्र
विलास राय रोशन लाल
मिट्ठन लाल जैन

नया मारवाड़ी कटरा, नई सड़क

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द
धनपतराय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल संजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

पुराना मारवाड़ी कटरा, नई सड़क

फकीर चन्द्र विमल प्रसाद
मिक्की मल अजीत प्रसाद
इगन चंद्र संत लाल
शादी राम मौहर सिंह
प्रीतम लाल अतर चन्द
छोटे लाल
जैन क्लाथ स्टोर
फकीर चन्द ओम प्रकाश
राधेलाल रमेश चन्द्र
चन्द्र भान महावीर प्रसाद
जगजीत सिंह जैन
मिट्ठन लाल नेमचंद्र
नेम चन्द मदन लाल
कन्हैया लाल ज्वाला प्रसाद
उग्रसेन दीपक कुमार
मंगल सेन आदीश्वर कुमार

डा० मुकर्जी मार्ग, बाग दीवार

रणजीत सिंह अमर नाथ, महावीर बाजार
अतर सेन नरेन्द्र कुमार, लक्ष्मी बाजार
कन्हैया शाह रोहनी शाह, लक्ष्मी बाजार
जौहरीमल दयाचन्द, गनेश बाजार

दाऊ बाजार, बाग दीवार

चीनूभाई नगीनदास शाह
कान्ती लाल एण्ड कम्पनी

सदर बाजार

शम्भू दयाल महावीर प्रसाद
अनूपसिंह विमल प्रसाद
प्यारे लाल जगन्नाथ २९२३५
राजधानी सिल्क भंडार २९२३५
बल देवसहाय प्यादर मल
केदार नाथ राम चन्द
हेमंत राय राजेलाल
केदार नाथ अतर चन्द
किरपाराम शंकर दास
गिरधारी लाल नेम चन्द
प्यारे लाल जैन बहादुर
सागर चन्द फूल चन्द
सांवल दास सागर चन्द
चुन्नी लाल शांती प्रसाद
कल्लू मल हुकुम चन्द

गोविन्द प्रसाद सुमत प्रकाश
ज्वाला प्रसाद लखमी चन्द
मान सिंह
उमराव सिंह फकीर चंद
किशन लाल अशोक कुमार

पहाड़ी धीरज

उलफत राय विजय कुमार
    ४७१६ पहाड़ी धीरज
मंगल सेन पदम कुमार
    ४१४१ पहाड़ी धीरज
जोरामल
इन्दर सेन लक्ष्मण दास
    ४३२२ पहाड़ी धीरज
महावीर प्रसाद
    ४५०२ पहाड़ी धीरज
सितावराय ज्ञान चन्द
    ४५०४ पहाड़ी धीरज
पूरन चन्द
    ४५०२ पहाड़ी धीरज
जाया राम रमेश चन्द
घसीटाराम रमेश चन्द सुखपाल सिंह
वीरेन्द्र कुमार
विमल प्रसाद
नत्थूमल मित्र सेन
रतन लाल
मनोहर लाल
हजारी लाल
इन्द्र प्रसव
बाल मुकंद
    ४६१६ पहाड़ी धीरज
कुन्दन लाल मानक चन्द
    ४६१८ पहाड़ी धीरज
मदन ब्रादर्स
    ४४६२ पहाड़ी धीरज
विमल प्रसाद
    २८६२ पहाड़ी धीरज

बलदेव जैन
    २८१२ पहाड़ी धीरज
चेतराम तारा चन्द
    ४७३६ पहाड़ी धीरज
मोती लाल,
    ४७३७ पहाड़ी धीरज
शीतल प्रसाद रवीन्द्र कुमार
    ४७४१ पहाड़ी धीरज
केवल राम शीतल प्रसाद
    ४७४६ पहाड़ी धीरज
सागर चन्द्र
    ४८०० पहाड़ी धीरज
मोहन लाल ओम प्रकाश
    ४७६६ पहाड़ी धीरज
पन्नालाल
    ३७३६ पहाड़ी धीरज
रतन लाल श्री मंदर
    ३६१६ पहाड़ी धीरज
बैजनाथ सुरेश चन्द्र
    ४५४७ पहाड़ी धीरज
बाबूराम लाड़ली प्रसाद
    ४१३६ पहाड़ी धीरज
प्यारे लाल जैन
सौदागर मंगल सेन
राजस्थान क्लाथ हाउस
निराला क्लाथ हाउस
सूरजभान कन्हैया लाल
फैन्सी क्लाथ हाउस
नेम चन्द हीरा लाल
पिता साड़ी हाउस
बाबूराम
    [illegible]
रंगीलाल किशन चन्द
मुंशी लाल मोहन लाल
    चावड़ी बाजार

पहाड़ गंज

किशोरी लाल खंडेलवाल
जगन्नाथ पल्लीवाल
नन्हेंमल, कटपीस वाले
ग्यारसीमल गुलाब चन्द
भोलाराम

करौल बाग

बोम्बे सिल्क स्टोर गंजाराम बिल्डिंग, अजमल खां रोड,	५१८३०
चीप सिल्क स्टोर २४१३-१४ अजमल खां रोड	५१६९५
जैन नोवेल्टीज अजमल खां रोड	५५०२२
बोम्बे क्लाथ हाउस २४९२ अजमल खां रोड	५५०४१
इण्डिया सिल्क्स ८ बीदनपुरा	
जैन क्लाथ हाउस २६२६ बैंक स्ट्रीट	

नई दिल्ली

अर्जुन लाल उल्फत राय १०५ बेअर्ड रोड	४७३१८
निराला एण्ड कम्पनी ८५ बेअर्ड रोड	
ग्रीनवेज़ २० ई. कनाट प्लेस	४३९६२
जैनसंस ९ ई कनाट प्लेस	४७३८९
सिल्को ११ ई. कनाट प्लेस	४२५२१
जैन साड़ी स्टोर्स जनपथ	
चीप जैनी १८ एफ. कनाट प्लेस	

जंगपुरा (भोगल) व अन्य स्थान

महावीर क्लाथ स्टोर
भोगल रोड
शाम लाल मेहर चन्द
भोगल रोड
रामूमल शाती प्रसाद
गांधीनगर
सलेक चन्द्र जैन
कृष्णा मार्केट, गांधीनगर
प्रेम चन्द जैन
नजफगढ़
अतर सेन जैन
नजफगढ़
जोती प्रसाद जैन
नफजगढ़
घीसा मल
नजफगढ़

कागज़ व स्टेशनरी के व्यापारी

चावड़ी बाजार

बिरधी चन्द बैज नाथ	२६८८२
बिरधी चंद जैन एण्ड संस	२६४४०
बिरधी चन्द जैन एण्ड संस	२७८१८
मिट्ठनलाल जैन एण्ड संस	२३७५३
नेमचन्द्र नरेन्द्र कुमार	२०८५३
रूपचन्द एंड संस	२५९६७
सिद्धोमल एण्ड संस	२६४४२
मुंशीलाल एण्ड संस	२६६४०
सागर चन्द जैन एण्ड संस	
मोतीलाल जैन	
रतन लाल जैन	
नन्नूमल एण्ड संस	२५७३६
हजारी लाल शांती लाल	२४४८२
गिरधारीलाल पवन कुमार	
नन्द राम सूरजमल	२३८४१
मुंशीलाल, प्रकाश चन्द	
ओम प्रकाश जेतिंदर कुमार	
धर्मदास तारा चन्द	
सोहनलाल नेमचन्द	
डाल चन्द पृथी सिंह	२०२७६

नेमचन्द एण्ड संस	
इंडिया पेपर प्रोडक्ट	
न्यू इंडिया जनरल ट्रेड्स एजेन्सी	२४४५७
जगदीश राय नरेन्द्र कुमार	
फूलचन्द वेद प्रकाश	
गोकल चन्द जगन्नाथ नाहर	२६५३५
धूमीमल विशाल चन्द	
धूमीमल जुगल किशोर	२६१०५
दुजाना हाउस	
धूमीमल धर्मदास	
३७१० चावड़ी बाजार	२६८२०
अजीत पेपर कम्पनी	
चर्खेवालान	
सिंघल पेपर मार्ट	
मोडर्न पेपर मार्ट	
धनेश पेपर मार्ट	
महावीर पेपर मार्ट	
भगवत प्रसाद एण्ड संस	२६५८१
शिम्भो नाथ एण्ड संस	
खंडेलवाल पेपर मार्ट	
सुमत प्रसाद एण्ड संस	२४२२५
छुट्टनलाल विजेन्द्र कुमार	
गिरधारी लाल पदम कुमार जैन	२६४२३
सुमत प्रसाद अनिल कुमार	
सुमन लाल उग्गर सेन	
गुलशन राय वीर सेन	
श्रीपाल एण्ड कम्पनी	२०७३०
शेरसिंह किरपाराम	
मूलचन्द होशियार सिंह	
पी० आर० जैन स्टेशनरी मार्ट	
जनरल पेपर कम्पनी	
अशोक पेपर मार्ट	
प्रकाश पेपर मार्केट	
सतीश ब्रदर्स	
प्रकाश पेपर मार्केट	
ललित प्रसाद एण्ड ब्रदर्स	
यूनीक स्टेशनरी डिपो	२८५३३

जंगली मल प्यारे लाल	
भिक्खी लाल जैन	
मोती लाल जैन एण्ड संस	
अमर सिंह धूमीमल	
राजेन्द्र कुमार एण्ड कम्पनी	
दयाल पेपर मार्ट	
दिनेश पेपर मार्ट	
बाबूराम किरन चन्द	
टीकाराम सेठन लाल	
सेंट्रल पेपर एजेन्सी	
मोडर्न कापी मार्ट	
मुंशीराम मनोहर लाल	२७१५३
दारोगामल जैन	
छीपीवाड़ा खुर्द, चावड़ी बाजार	
जैन पेपर मार्ट	
छीपावाड़ा खुर्द चावड़ी बाजार	

सदर बाजार

राम प्रसाद जगन्नाथ जैन	२६४४६
कटरा नवीबक्स	
जोती प्रसाद महावीर प्रसाद	
बाराटूटी	
नीकाराम सीनथ लाल	
गुलशन राय जैन एण्ड संस	
शिखर चंद पद्म प्रसाद	
प्रकाश चंद जैन एण्ड संस	२५६४६
हुकम चन्द शिखर चंद जैन	
भोलाराम रंगूलाल	२६४५८
टेक चन्द बेनीराम	
५६६३, गली मटके वाली, सदर बाजार	
जुगिंदर लाल जैन एण्ड कम्पनी	२८२४३
कटरा मिट्ठन लाल	
मोती राम पदम चन्द	
बाड़ा हिन्दूराव	

पहाड़ी धीरज

गिरधारीमल ताराचन्द	
मथुराम जैन एण्ड संस	
दिगम्बर सहाय श्यामलाल	

श्रीपाल धनपाल
हेमचन्द अजित प्रसाद
विद्या सागर सुमन प्रसाद
नत्थूराम सतीश चन्द
किरन चन्द बाबू राम
महेन्द्रा पब्लिशिंग हाउस
प्रेम कत्याल
हीरा स्टेशनरी मार्ट
हिन्दुस्तान पेपर मार्ट
 ८, नारायन मार्केट

खारी बावली और विवधि

विरधी चन्द नौनगराम
विरधी चन्द गिरधारी लाल २४३०३
नत्थूमल जैनीलाल
 गाडोदिया मार्केट खारी बावली
सेन ब्रदर्स
 बाजार गुलियान
मंगल सेन तरलोक चन्द
 दरीबा कलां
निर्मल दास राजाराम
 दरीबा कलां
विरधी चन्द्र जैन एण्ड सन्स २७८१८
 ४३ बाग दीवार, चांदनी चौक
अजमेरी गेट पेपर मार्ट
 आसफ अली रोड
बाबूराम एण्ड कम्पनी
 गली लुहारान, अजमेरी गेट
राज पेपर मार्ट
 २६६७ देशबन्धु गुप्ता रोड
धूमीमल रामचन्द ४७४३३
 ८-ए. ब्लाक कनाट प्लेस

किराना के व्यापारी व आड़ती

मीरीमल अशोक कुमार २४१७८
 गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
मूल चन्द्र महावीर प्रसाद
 गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
पूरनमल ओम नारायण
 गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
श्रीपाल प्रद्युम्न कुमार २३६८२
 कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
फूल चन्द्र जैन
 कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
सूरज भान सुलतान चन्द्र
 कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
नन्हे मल अमीर चन्द्र
 तिलक बाजार, खारी बावली
शिवलाल नानक चन्द्र, जैन २०५२६
 कटरा तम्बाकू, खारी बावली
श्याम लाल श्रीपाल
 कटरा तम्बाकू, खारी बावली
हुण्डीलाल श्याम बिहारी लाल २६६८३
 खारी बावली
राम प्रसाद बिशन स्वरूप
 खारी बावली
बख्तावर मल तारा चन्द्र
 खारी बावली
केशरी चन्द्र श्रीचन्द्र
 खारी बावली
सुन्दर लाल देवेन्द्र कुमार
 खारी बावली
घेवर चन्द्र राम अवतार
 खारी बावली
मूल चन्द नेम चन्द
 नया बांस
वकील चन्द
 नया बांस
राजेन्द्र कुमार जैन
 सदर बाजार
प्रेम चन्द सुरेश चंद
 सदर बाजार
शिखर चंद गुप्ती प्रासाद
 सदर बाजार

मंगल सेन दीप चंद
आर्यपुरा, सब्जी मंडी

पन्ना लाल प्रेमचन्द
आर्यपुरा सब्जी मंडी

सी० एम० उग्गर सेन
आर्यपुरा, सब्जी मंडी

शोभा प्रसाद फतेह चंद
६७ पंच कुंइया रोड

मोती लाल निहाल चंद
६६ पंचकुंइया रोड

दीवान चंद महेश चंद
छःटूटी, पहाड़ गंज

धन्ना लाल भौरी लाल
छःटूंटी चौक, पहाड़ गंज

उग्गर सेन हेमचन्द
पहाड़ गंज

माखन लाल श्रीपाल
तेल मंडी, पहाड़ गंज

ग्यारसी मल गुलाब चंद
गली घोसियान, मंटोला पहाड़ गंज

सन्तलाल फतेह चन्द
सेंट्रल रोड, जंगपुरा

केमिस्ट व ड्रगिस्ट

गेंदा मल हेमराज २७६५१
११ रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

गेंदामल विलायतीराम ४६१८४
८१० कनाट सर्कस

मायाशाह विलायती राम एण्ड संस ४३६५७
म्यू० मार्केट, इर्विन रोड

एम० एस० लक्ष्मी एण्ड संस २३६२३
१४४६ चांदनी चौक

एसोसियेटिड एजेंसीज २८२६५
भागीरथ पैलेस

मेडीसन ट्रेडर्स
चांदनी चौक

के० संस
चांदनी चौक

रेडीक्योरा एण्ड कम्पनी २४८७६
फतेपुरी

कुमार ब्रदर्स २४०७३
भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक

ड्रगडील कार्पोरेशन २४०७३
१४६६ भगवती भवन, स्टेट बैंक के पीछे

जैना फार्मेसी २८२८८
जोगीवाड़ा, नई सड़क

जमनादास एण्ड कम्पनी
भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक

जैन फार्मेसी २६३०८
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

होम्यो मेडीकल हाल २६५६६
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

हीरालाल प्रेम चंद्र २८२८०
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

रनजीत फार्मेसी
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

सुगन चंद्र ज्योति प्रसाद
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

जैना फार्मा (प्रा०) लिमिटेड ५५६७६
२६, नजफगढ़ रोड

घड़ी व घंटों के व्यापारी

जैना वाच कम्पनी २६६५०
सदर बाजार

स्टैंडर्ड वाच हाउस
७१ गफ्फार मार्केट

कोलीजियेट वाच हाउस
६० गफ्फार मार्केट

घी व चीनी तथा खांड के व्यापारी

घी के व्यापारी

देवीराम बंसीधर [illegible]
प्रेम निवास ६१५०/[illegible] [illegible]

चीनी तथा खांड के व्यापारी

सरदारी मल, कुन्दन लाल २५७२६
नया बांस, खारी बावली
जिनेश्वर दास एण्ड संज
भोगल रोड, जंगपुरा

ज्वैलर्स

शांति विजय एण्ड कम्पनी ४२६१६
५२, जनपथ
शाखा—इम्पीरियल होटल, जनपथ ४५२२८
खैराती लाल एण्ड संस ४३७६४
८० जनपथ
इंडियन आर्टस पैलेस ४३८६३
१६-ई. कनाट प्लेस
मनोहर लाल एण्ड संस ४०६६०
कनाट सर्कस
सुमति दास एण्ड ब्रदर्स
रीगल विल्डिंग
शीतल दास एण्ड संस
६ एफ. कनाट प्लेस
जे. सी. पारिख एण्ड कं० ४७३५५
६ एफ. कनाट प्लेस
मनोहर लाल वुज्जन मल
जनपथ होटल, जनपथ
टी. कृष्ण चन्द्र
२२, सुन्दर नगर
हीरालाल जैन ४४८६७
३०/३२ वावर लेन
पिंडी जैन ज्वैलर्स ५३०४६
२३६६ गुरुद्वारा रोड
पापूलर जैन ज्वैलर्स ५२०८७
वैंक स्ट्रीट, करोल वाग

दरीबा चांदनी चौक

महवूव सिंह जैन एण्ड संस २०५५६
महताव सिंह जैन एण्ड संस २६३६६
पूरन मल नन्नूमल २५३७५
मीरीमल नेम चन्द्र २४८५६
जगावर मल वन्नूमल २८६२४
वेलीराम तारा चन्द २७७२६
राम स्वरूप जैन २६२८७
रनजीत सिंह जैन २५६०८
मुसद्दी लाल एण्ड संस
वसंत राम हुकुम चन्द्र
धूम सिंह नाहर सिंह
शिव्वामल रघुवीर सिंह
जम्वू प्रसाद जैन सर्राफ
मीरीमल सुल्तान सिंह
रतनलाल अजित प्रसाद
तारा चन्द्र माम चन्द्र
दलीप सिंह प्रकाश चन्द्र
मुसद्दी लाल एण्ड संस
मुन्नीलाल जैन
७५, गली सुखानन्द (दरीवा)
प्रकाश चन्द्र शील चन्द्र २५४३५
चांदनी चौक
हुकुम चन्द्र उल्फतराय जैन २५६६५
चांदनी चौक
जैन ज्वलर्स २०८८१
१४३३ चांदनी चौक
महताव राय महावीर प्रसाद २४७१५
चांदनी चौक
जगन्नाथ हेम चन्द्र २८६७२
१४२१ चांदनी चौक
खुशाल सिंह जैन
१८२३ चांदनी चौक
लाल चन्द्र रतन लाल
चांदनी चौक
वन्नूमल किशन चन्द्र
चांदनी चौक
हुकुम चन्द्र जगावर मल
चांदनी चौक
मोहन लाल रोशन लाल
चांदनी चौक

धन्नूमल जैदयाल सिंह
चांदनी चौक
जैन आभूषण भंडार
कूंचा महाजनी, चांदनी चौक
महावीर आभूषण भंडार
कूंचा महाजनी, चांदनी चौक
मदनलाल विनोद कुमार
कच्चा बाग, चांदनी चौक
रतनचन्द्र ऋषभदास
कच्चा बाग, चांदनी चौक
मुरारी लाल कंवर किशन
कच्चा बाग, चांदनी चौक
प्रताप सिंह जसवंत राय
कटरा सत्यनारायन, चांदनी चौक
उमराव सिंह कुन्दन लाल २०५१६
१६७६ किनारी बाजार
काशीनाथ जगन्नाथ
किनारी बाजार
हरी चंद्र मालू
२२१४ किनारी बाजार
सुरेन्द्र कुमार बोथरा
२८६५ किनारी बाजार
भैरुन प्रसाद सोहन लाल
२००१ नौघरा, किनारी बाजार
प्यारे लाल दलेल सिंह
२००६ नौघरा, किनारी बाजार
अजीत प्रसाद जैन
२६४२ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
चुन्नी लाल दूगड़
१६६८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
गुज्जन लाल दाबूराम
धर्मपुरा
जोरा मल जैन
धर्मपुरा
बहादुर सिंह मूसल
१४०५ माली वाड़ा

सुल्तान सिंह जैन
माली वाड़ा
खूब चन्द्र इन्दर चन्द्र
१३८५ माली वाड़ा
सांवल दास छोटे लाल
राजिन्द्र निवास, ४५६ मालीवाड़ा
कुन्दन लाल पारख
६४४ माली वाड़ा
जंगली मल फतेह सिंह
६३८ माली वाड़ा
रतन लाल तातेड़
१०४० माली वाड़ा
सुल्तान सिंह आदीश्वर लाल
११६१ माली वाड़ा
छगन लाल मगन लाल
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
पूरन चन्द रतन लाल
१०४२ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
जीवन लाल बोहरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
हेमचन्द्र जैन
१०४२ गली हीरानन्द माली वाड़ा
खेम चन्द्र पारख
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
इन्दर चन्द बोथरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
मनमोहन जैन
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
डिप्टी मल गूजंती
६३२ गली पत्तन वाली, माली वाड़ा
[illegible]
गली [illegible], माली वाड़ा
पन्नालाल जैन
१८१६ छत्ता मदन गोपाल, माली वाड़ा
माणक चन्द्र डोंगा
११२७ छत्ता मदन गोपाल, माली वाड़ा

जमुना दास सुराना
गली छीपियान, माली वाड़ा
जीवन लाल बोथरा
१४५४ गली छीपियान, माली वाड़ा
चांदमल संखवाल उमराव सिंह
१४४४ गली छीपियान, माली वाड़ा
हजारी लाल
गली लाड़े वाली, माली वाड़ा
नानक चन्द कस्तूर चन्द
गली भोजपुरा, माली वाड़ा
पन्ना लाल छजलानी
६७६ गली भोजपुरा, माली वाड़ा
अतर चन्द्र जैन
१२६६ वैदवाड़ा
श्रीचन्द जैन
१३७१ वैदवाड़ा
सूरज लाल जैन
वैदवाड़ा
पन्नालाल एण्ड संस
१३११ वैदवाड़ा
पन्नालाल तातेड़
वैदवाड़ा
लल्लूमल विजय सिंह
१२६८ वैदवाड़ा
बल्लोमल जग्गीमल
वैदवाड़ा
मुन्नालाल जैन
१८१८ चीराखाना, वैदवाड़ा
हजारी लाल रावयाण
१८६३ चीराखाना, वैदवाड़ा
बब्बूमल लोढा
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाड़ा
मांगीलाल रिखब चन्द
चीराखाना, वैदवाड़ा
मुन्नालाल दलेलमल
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाड़ा

कपूर चन्द बोथरा
४१४४ नई सड़क
नरेन्द्र कुमार लूनिया
गली भैरों वाली, नई सड़क
बाबूमल एण्ड कम्पनी २५१३०
५ कश्मीरी गेट
रामगोपाल हजारी लाल
सदर बाजार
खजांची मल उग्रसेन
सदर बाजार
श्रीराम अजित प्रसाद
सदर बाजार
पारस दास डिप्टी मल
सदर बाजार
सुमत प्रसाद एण्ड संस
सदर बाजार
शीतल प्रसाद पदम प्रसाद
सदर बाजार
ओसवाल ज्वैलर्स २८८५७
४६ बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड
रामनारायन जोती प्रसाद
आर्य पुरा, सब्जी मंडी
प्यारे लाल मान सिंह
आर्य पुरा, सब्जी मंडी

जरी गोटा आदि के व्यापारी

किनारी बाजार

निहालचन्द ज्योती प्रसाद
सुल्तानसिंह
विशम्भरनाथ हरीचन्द
जैन जरी पेलेस
छगनलाल जयकिशनदास
मानक चन्द
दीप चन्द पदम चन्द
जैन गोटा स्टोर
बाबूराम बन्नूमल
रमन चन्द
गिरनारी लाल

कुलवन्त राय

मुंशीलाल पूरनचन्द

सूरजभान

ज्योती प्रसाद

फूलचन्द

कल्यान दास

गोपालदास 'भगत'

रघुनाथ सहाय जयचन्द राय
चांदनी चौक

प्यारेलाल अमीरचन्द २०३८२
२१८ फतेपुरी

बेल वाले

मुंशी लाल अजीत प्रसाद २८४९४
६९५ चांदनी चौक

लक्ष्मणसिंह जरी वाला
२०८८ कटरा खुशाल राय

कानू जी माटूमल एण्ड संस
चौक राय जी, रोशनपुरा

इम्ब्रोइड्री ट्रेसर्स

कुंजलाल जैन
बिल्ली मारान, चांदनी चौक

सुदर्शन लाल जैन
नई सड़क

राजेन्द्र प्रसाद जैन
नई सड़क

निर्मल इम्ब्रोइडरी वर्क्स ५२३६६
७९ गफ्फार मार्केट, अजमल खां रोड

किंग इम्ब्रोइडर्स
३० गफ्फार मार्केट, अजमल खां रोड

जायदाद एजेंट्स

कालोनाइजेशन लिमिटेड २३५३७
२३ दरियागंज

फूल चन्द २३७७७
जवाहर नगर

नेमी चन्द २७९११
५३-डी कमला नगर

शिखर चन्द ७२९७७
के १२० हौज खास

हरीचन्द जैन एण्ड संस २४८३८
६४६४ कटरा बरयान

इंदर सेन ५४८२८
५०९० कृष्ण नगर, करोल बाग़

भागमल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड, करोल बाग़

त्रिलोक चन्द
२२९३ धर्मपुरा

महेन्द्र जैन ७३८११
डी-१ ग्रीन पार्क

महेन्द्र कुमार
५, दरियागंज

प्रियालाल जैन
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

सुल्तान सिंह जैन
चावड़ी बाजार

धनराज जैना २३७११
२३ दरियागंज

परताप एण्ड कम्पनी
१७ फैज़ बाजार

त्रिलोक चन्द्र जैन
७ दरियागंज

हेम चन्द्र जैन
७ दरियागंज

अतर चन्द्र जैन
मस्जिद मजूर

एम. एन. दान जैन ७४१८१
न्यू देहली माडल एक्सटेंशन

जैन बन्धु
माडल टाउन

टेलर्स और ड्राई क्लीनर्स

वेस्टवेज टेलर्स [illegible]
चांदनी चौक

चीप जैनी
कनाट प्लेस

भोलपाल टेलर्स [illegible]
६ बीडनपुरा, करोल बाग़

मदन लाल जैन
जैन मंदिर अहाता, नई दिल्ली

जैन टेलर्स
३८६ दीवान हाल रोड

एक्लिप्स ड्राई क्लीनिंग कम्पनी ४५८४७
५६ जी. कनाट प्लेस

नावेल्टी ड्राई क्लीनर्स ५१२७८
८८० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग़

प्रकाशक व पुस्तक-विक्रेता

बेनेट कोलमेन एण्ड कम्पनी लिमिटेड २८१६१
१०, दरियागंज
चेअरमेन-शांती प्रसाद जैन ३४४०२
६ सरदार पटेल मार्ग

घूमीमल धर्मदास २६८२०
३७१०, चूड़ीवालान, चावड़ी बाजार

सर्वोदय प्रकाशन २५२७८
चावड़ी बाजार

पन्नालाल अग्रवाल
गली कन्हैया लाल, चर्खेवालान

ला लिटरेचर हाउस २७५०८
२६४६ बल्लीमारान, चांदनी चौक

कम्पनी ला आफिस २०५१७
कूंचा ब्रजनाथ, चांदनी चौक

दिल्ली कलैंडर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २५८०८
१५३० नई सड़क

साहित्य ज्ञान मन्दिर
नई सड़क

मुंशीराम मनोहर लाल २७१५३
पी. बी. ११६५ नई सड़क

सेंट्रल बुक डिपो
नई सड़क

पूर्वोदय प्रकाशन २४६५६
ऋषि भवन, ८ नेताजी मार्ग

मेट्रोपोलीटिन बुक कं० (प्रा०) लिमिटेड २५७७१
१ नेता जी मार्ग

मोती लाल बनारसीदास २७६५५
४० बंगलो रोड, जवाहर नगर

हिन्दुस्तान बुक एजेंसी २०२०१
१७ यू-बी. जवाहर नगर

जे० एम० जैना एण्ड ब्रदर्स २५०६४
मोरी गेट

'टूडे एण्ड टू मारो' बुक एजेंसी ५३६८७
२२-बी/५. देशबन्धु गुप्ता रोड

जयना बुक डिपो ५३३६७
छप्परवाला कुआं, करोल बाग़

जैन बुक डिपो
लिबर्टी सिनेमा के पास, रोहतक रोड

जैन बुक एजेंसी ४०६२६
सी. ९ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस

प्रेम बुक स्टाल
आपोजिट जी. ई. सी., ई. ब्लाक कनाट प्लेस

यंगमेन बुक डिपो
लेडी हार्डिंग रोड

अमीर सिह जैन एण्ड सन्स
डी-२/९ माडल टाउन, माल रोड

वीर जनरल स्टोर
भोगल रोड, जंगपुरा

जैन पुस्तक भंडार
गांधी नगर

फर्नीचर के व्यापारी

जैन फर्नीचर हाउस २०८७५
बड़ा बाजार, कश्मीरी गेट

दया चन्द मगन चन्द्र
६७ पंच कुइयां रोड

गोयल फर्नीचर हाउस
३८१९ तीस हजारी, सराय फूस

बर्तन व क्राकरी के व्यापारी

धातु के बर्तन तथा अन्य सामान

घमंडी लाल नन्हेंमल २६७९२
बारा टूटी, सदर बाजार

टिन्डूराम जय नरायण
बारा टूटी, सदर बाजार

जय नारायण देवेन्द्र कुमार
वारा टूटी, सदर बाजार

ऋषभ कुमार जिनेन्द्र कुमार — २२६५७८
७ डिप्टी गंज, सदर बाजार

पी० सी० गिरधारी लाल जैन — २२६०४०
६ डिप्टीगंज, सदर बाजार

मुसद्दी लाल निर्मल कुमार — २२६२६७
डिप्टीगंज, सदर बाजार

महावीर मेटल वर्क्स — २२६८८५
४७७ वर्तन मार्केट, सदर बाजार

चन्नूलाल मोहनलाल — २२६४४६
४२७ कटरा नवी ववस, सदर बाजार

महावीर मेटल वर्क्स
कटरा नवीवक्स, सदर बाजार

राम रखामल मदन लाल जैन — २२६८०२
सदर बाजार

दयाराम शिखर चन्द — २२६२१२
४२१७ सदर बाजार

दयाराम प्रेम सागर
सदर बाजार

वलदेव सहाय एण्ड संस
सदर बाजार

सांवल सिंह नवीन कुमार
सदर बाजार

प्रद्युम्न कुमार विनय कुमार
सदर बाजार

सांवलदास मीरी मल जैन
सदर बाजार

भारत मेटल वर्क्स
सदर बाजार

कश्मीरी लाल सुशील कुमार
सदर बाजार

जुगमन्दर दास फूल चन्द्र
सदर बाजार

ब्रज किशोर नन्द किशोर
सदर बाजार

जैन वर्तन स्टोर
सदर बाजार

कश्मीरी लाल सांवल सिंह
सदर बाजार

पहाड़ीमल सागर चन्द
चावड़ी बाजार

जिया लाल सुमेर चन्द
चावड़ी बाजार

सुमेर चन्द सुभाष चन्द
चावड़ी बाजार

श्रीचन्द
दरीवा

जैन वर्तन स्टोर
लाजपतराय मार्केट, चांदनी चौक

कल्याण चन्द्र अग्रवाल
लाजपतराय मार्केट, चांदनी चौक

जय कुमार ब्रादर
लाजपतराय मार्केट, चांदनी चौक

रूपीमल मुंशीलाल
मंटोला, पहाड़गंज

रूपीमल खजांची
मंटोला, पहाड़गंज

आकरी

आर० एस० मुल्कराज एण्ड संस — २२६०५१
आकरी मर्कट, सदर बाजार

पिंडी ट्रेडर्स
११७ आकरी मार्केट, सदर बाजार

बिल्डिंग कांट्रेक्टर्स व सेनीटरी इंजीनियर्स

महावीर प्रसाद एण्ड संस — २२६७३५
चावड़ी बाजार

अतर चन्द्र जैन
मसजिद खजूर

जैन एण्ड संस
मसजिद खजूर

चुन्नी लाल जैन
पीपल वाली गली, धर्मपुरा

जैन कंस्ट्रक्शन कम्पनी (एनाइ०) — २२४१६३
११ दरियागंज

नाम चन्द्र जैन — ४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)

एन० के० अग्रवाल — ४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)

नरेन्द्र कुमार जैन
२२ फीरोजशाह रोड
पन्ना लाल सुमत प्रसाद
देव नगर
भाग मल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड
मगन चन्द्र जैन
लड्डू घाटी, पहाड़गंज
मदन लाल जैन
शीदीपुरा
राय एण्ड जैन २२३२३३
१०२ ए. मोडल वस्ती
एन. के. जैन एण्ड कं०
VIII/४५५ छाटा वाजार, शहादरा

बिल्डिंग, सेनीटरी व लोहे के सामान के व्यापारी

बिल्डिंग मेटीरियल

बिल्डवेल स्टोर्स २२६७०६
सदीक़ बिल्डिग, जी. वी. रोड
महावीर प्रसाद एण्ड संस २२६७३५
चावड़ी बाजार
शाखा—जी. वी. रोड २२६४०७
सीमेंट डिपो-गांधीनगर
दिल्ली सीमेंट स्टाकिस्ट कम्पनी २२६४०२
VII/५२३३ जी. वी. रोड

—सेल्स डिपो—

माडल टाउन
सराय भरोला
नरेला
राजा गार्डन (नजफगढ़ रोड)
बिजवासन
मेहपालपुर
देवली (खानपुर)
मेहरोली
यूसुफ सराय
मसजिद मोठ
कालका जी कालोनी
वदरपुर
जंगपुरा
भोगल
कनाट प्लेस
चावड़ी वाजार
चितली क़वर
कश्मीरी गेट
वस्ती हर्फूलसिंह

पदम सिंह जैन एण्ड कम्पनी २२६६०९
४१ जी. वी. रोड
भारत मारवल हाउस २२६६०९
४१ जी. वी. रोड
नेशनल सीमेंट एण्ड लाइम स्टोर्स २२६४३३
४० जी. वी. रोड
पंच कुमार एण्ड कम्पनी २२३३२६
४० जी. वी. रोड
दिल्ली बिल्डर स्टोर्स २२६६५७
जी. वी. रोड
महावीर प्रसाद जैन एण्ड कम्पनी
जी. वी. रोड
बिल्लोमल जैन
जी. वी. रोड
भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
चावड़ी बाजार
शामलाल जैन एण्ड संस २२६७३५
चावड़ी बाजार
इंडियन एजेंसीज कार्पोरेशन २२३८०९
१४५७ चांदनी चौक
इंडस्ट्रियल मिनरल्स
बल्लीमारान, चांदनी चौक
जैन कैमीकल वर्क्स
कटरा, वरयान
सुखानन्द शंकर लाल
तिलक बाजार
जैन फाइन कलर एण्ड जनरल इंडस्ट्रीज़
बेला रोड
जैन ब्रदर्स
हौज़ काज़ी
जैन पैंट हाउस २२९४७४
बारा टूटी, सदरबाजार
विपुल ट्रेडिंग कम्पनी
सदर बाजार
न्यु इंडिया सेनीटरी वर्क्स
३७५८ गली बरना, सदर बाजार
हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी
गली बरना, सदर बाजार
दिल्ली सीमेंट ट्रेडिंग कार्पोरेशन ७४५५४
३९ जंगपुरा रोड, भोगल

चिम्मन पेंट एण्ड हार्डवेयर स्टोर्स ७३२३९
    ७८ सम्मन बाजार, जंगपुरा
वाटरलू प्रोडक्स कं०
    जी. टी. रोड, शहादरा
कल्यान सिंह मानिक लाल
    छोटा बाजार, शहादरा
बनवारी लाल महेन्द्र प्रसाद
    नजफगढ़
सुन्दर लाल जैन २२६८१९
    लाहोरी गेट
ओम प्रकाश जैन
    बारा टूटी, सदर बाजार

लोहे का सामान

महावीर प्रसाद एण्ड सन्स २२६७३५
    चावड़ी बाजार
विशम्भर दास जैन एण्ड कम्पनी २२०८८७
    चावड़ी बाजार
रोशन लाल जैन एण्ड कम्पनी २२६५८५
    चावड़ी बाजार
स्टील एण्ड मेटल स्टोर २२६५८५
    चावड़ी बाजार
जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी २२८०३३
    ३५८० चावड़ी बाजार
हीरालाल जैन एण्ड कम्पनी
    चावड़ी बाजार
मित्तल वायर एण्ड नेटिंग वर्क्स
    चावड़ी बाजार
मित्तल ब्रदर्स
    चावड़ी बाजार
जैन ट्रेडर्स
    चावड़ी बाजार
मनोहर लाल त्रिलोक चन्द
    चावड़ी बाजार
हरियाना वायर नेटिंग स्टोर्स
    चावड़ी बाजार
प्रेम ब्रदर्स
    कूंचा दयाराम चावड़ी बाजार
बी० एस० जैन
    गली चूड़ीवालान, चावड़ी बाजार
बनारसी दास जैन
    चावड़ी बाजार
रघुबीर दास जैन
    चावड़ी बाजार
जगदीश प्रसाद जैन
    चावड़ी बाजार
भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
    चावड़ी बाजार
फूल चन्द सुमेर चन्द्र
    चावड़ी बाजार
भोगी लाल पोसा
    चावड़ी बाजार

सेनीटरी वेअर्स

महावीर प्रसाद एण्ड संस २२६७३५
    चावड़ी बाजार
भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
    चावड़ी बाजार
जैन एण्ड संस
    मसजिद खजूर
हिन्द ट्रेडिंग एण्ड मैनुफैक्चुरिंग कं० २२८५०४
    गली बरना, सदर बाजार
एम. जे. इंजीनियरिंग वर्क्स
    बगीची तनसुख राय, अजमेरी गेट
हिन्दुस्तान इंजनियरिंग कम्पनी
    ६७६ सदर बाजार
सुरेन्द्रा एण्ड कम्पनी
    गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
संतलाल जैन
    छ.टूटी, पहाड़गंज
गोयल ट्रेडिंग कं०
    कुंदन भवन, ३ दरियागंज
[illegible]लाल सुमत प्रसाद
    नजफगढ़

जैन ब्रदर्स
हौज़ काजी
पी० शाह एण्ड कम्पनी
हौज़काजी
नेशनल हार्डवेयर सिंडीकेट २२७५९१
हौज़ काजी
इंडस्ट्रियल मिनरल्स
३०४३ वल्लीमारान, चांदनी चौक
जैनेन्द्रा हार्डवेयर कम्पनी
३०४६ वल्लीमारान, चांदनी चौक
वी० एस० जैन
गली चूडीवालान
रतन लाल नानक चंद जैन
सदर बाजार
जैन हार्डवेयर स्टोर ५४६८४
२७६० अजमल खां रोड

पेंटस

शामलाल जैन एण्ड संस ५६७३५
चावड़ी बाजार
वाटरलू प्रोडक्टस कम्पनी
दिल्ली-शहादरा
जैन पेंट हाउस २२६४७४
बारा टूटी, सदर बाज़ार
जन कैमीकल वर्क्स
कटरा बरयान

टिम्बर व बान-रस्सा

सीताराम फिरोजीलाल जैन (प्रा०) लिमिटेड २२५६६२
कटरा बरयान
हरीचंद जैन एण्ड संस २२४८७८
६४६४ कटरा बरयान
मोतीराम जैन एण्ड संस
१०६१ लाल कुंआ

सदर (कवाड़ी) बाजार

दुर्गा प्रसाद चिरन्जीलाल
दुर्गा प्रसाद मित्तर सैन
गुल्शन राय पदम सैन
नेमचन्द मोती लाल
दुर्गा प्रसाद लाहौरीमल
उदमीराम मदनलाल
गोरखी मल धनपत राय
रतनलाल बलवीर सिंह
जुगमन्दर दास प्रेमचन्द
रूपचन्द राजकुमार
फतेहचंद दीवानचन्द
फतेहचन्द वजीर चन्द
बालमुकुन्द उग्रसैन
मुसद्दीलाल फूलचन्द
महावीर प्रसाद श्रीराम
हंसराज धनपाल
सुखलाल हुकमचन्द
गंगादास चोखराज
पन्नालालाल सुमत प्रकाश
कश्मीरी लाल ओमप्रकाश
सम्मन लाल लखपतराय
भगवान दास आदीश्वर कुमार
जगदीश प्रसाद राजेलाल
नेमचन्द वकील चन्द
तारा चन्द त्रिलोक चन्द
चोखराज रमेशचंद
जनता टिम्बर स्टोर्स
करम चन्द सुभाष चन्द
श्रीपाल वकील चन्द
कानाशा तेजाशा
तिलक चन्द
जानकी लाल राजमल
सोहनलाल महेशचन्द
चिरन्जीलाल मान सिंह
सूरजभान खेम चन्द्र
आर्यपुरा
वर्मा एण्ड जैन
देश बन्धु गुप्ता रोड

बिजली के सामान के व्यापारी व इंजीनियर

कर्मशियल इलेक्ट्रीक वर्क्स — २२५४६१
चांदनी चौक

दास एण्ड कम्पनी — २२६५०३
गुरुद्वारा के नीचे, चांदनी चौक

जैन इलेक्ट्रिक स्टोर्स — २२५४९७
१८७३ महालक्ष्मी मार्केट, चांदनी चौक

एस. एम. इलेक्ट्रि ककम्पनी — २२८७६५
१५१० कूंचा उस्ताद हीरा, गुलियां

महावीर जैन इलेक्ट्रीकल्स
चांदनी चौक

यूनाइटेड इलेक्ट्रिक एण्ड रेडियो कम्पनी
चांदनी चौक

यूनीवर्सल ट्रेडिंग कम्पनी
कूंचा बुलाकी बेगम, चांदनी चौक

सुप्रीम इलेक्ट्रिक कम्पनी
१७५१ भागीरथ पैलेस

बी. आई. इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एम. लाल एण्ड कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एम. बी इलेक्ट्रिक कम्पनी — २२७४२१
भागीरथ पैलेस

नवीन एजेंसीज़
भागीरथ पैलेस

श्री गनेश इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

जैन ट्रेडिंग कम्पनी
भागीरथ पैलेस

इलेक्ट्रिक एम्पोरियम
भागीरथ पैलेस

रेडियो स्पेयर्स — २२८२५७
भागीरथ पैलेस

फोनिक्स रेडियोज़ — २२७३२६
भागीरथ पैलेस

दरीबा कलां

डायमंड इलेक्ट्रिक कम्पनी

इलेक्ट्रिक इम्पोरियम

बंसल इलेक्ट्रिक स्टोर्स

वीर इलेक्ट्रोनिक्स

जैन इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स

ए. के. जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स

इंडियन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

मिट्ठन लाला एण्ड संस

विविध

जैन कार्पोरेशन
चावड़ी बाजार

जैन रेडियोज
२४ दरियागंज, भरतराम रोड

महावीर इलेक्ट्रिक कम्पनी
चांदनी चौक

जनरल इलेक्ट्रिक ट्रेडिंग कम्पनी
चांदनी चौक

जैन रेडियो एण्ड इलेक्ट्रिक कम्पनी — २२६६६
बारा टूटी, सदर बाजार

जैन इलेक्ट्रिक एण्ड पाइप फिटिंग वर्क्स — ५४९३
२० राजेन्द्र नगर मार्केट

बैंक व पूंजी संस्थाएं

बैंकर्स

साहू शांती प्रसाद — ३४८०
६, सरदार पटेल मार्ग

अशोक कुमार जैन — ३४८०
(डायरेक्टर-पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

शीतल प्रसाद जैन — ३४८०
(डायरेक्टर-पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

राजेन्द्र कुमार जैन — ४३९५
११ कौलिंग रोड

शील चन्द्र जैन
ट्रेजरार—सेंट्रल बैंक आफ इंडिया लिमिटेड
(दिल्ली व अम्बाला ग्रुप)

कार्यालय—३३ चांदनी चौक २२५०८६,२२६८३६
निवास—३४, फीरोजशाह रोड ४८०८१

सुन्दर लाल जैन
ट्रेजरार—पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड
कार्यालय—३११, बारा टूटी, सदर बाजार २२६६७०
निवास—सुन्दर भवन, डिप्टीगंज २२७०५८

जैन कोओपरेटिव बैंक लिमिटेड
६ वेरन रोड (वेस्ट) नई दिल्ली
प्रेसीडेंट—जोती प्रसाद जैन २२३२३३
१०२ ए. मोडल वस्ती
वाइस-प्रेसीडेंट—(१) हंस कुमार जैन ३१२५५
२७ हेवलाक स्क्वेअर
(२) मामचन्द्र जैन २०१५१
पहाड़ी धीरज
मन्त्री—दर्शन लाल जैन २०१५१
(म्यू० कार्पोरेशन वाले)
सहायक मंत्री—(१) रिजकराम जैन
१०२ वेरन रोड
(२) दुलीचन्द्र जैन
एफ. १०७ मोती बाग़
कोषाध्यक्ष—खुशीराम जैन
१२६३ वकील पुरा

फाइनेंसर्स

रोडवेज़ एण्ड जनरल फाइनेंस (प्राइवेट) लिमिटेड
४/२ ज्वाला मेंसन, आसफअली रोड २२८२७८
मैनेजिंग डायरेक्टर—मदन लाल जैन २२५०८१

एक्सप्रेस फाइनेंसर्स (प्रा०) लिमिटेड ४८१६३
८६,गोल मार्केट

मदन गोपाल जैन २२७८३३
४७५० फाटक रशीद खां, जोगी वाड़ा

कुंदनलाल मादीपुरिया
कटरा खुशालराय, किनारी बाजार

जौहरी मल जैन
दरियागंज

मनोहर लाल जैन
२३ दरियागंज

हरिश्चन्द्र जैन
२ दरियागंज

रतन लाल विजय चन्द्र मादीपुरिये
कटरा खुशाल राय

हरीचन्द प्रीतम वाले
शीश महल, जामा कसजिद

जैनीमल जैन
मंटोला, पहाड़ गंज

सम्मन लाल अनूप सिंह
सम्मन बाजार, जंगपुरा

सम्मन लाल सरूप सिंह
सम्मन बाजार, जंगपुरा

यंगमेन वेनीफिट चिटफंड (प्रा०) लिमिटेड ४४११२
पहाड़गंज
मैनेजिंग डायरेक्टर्स—(१) पी० सी० जैन
(२) एफ० सी० जैन
(३) एस० सी० जैन

मिष्ठान-विक्रेता तथा होटल व रेस्टोरेंट

मिष्ठान-विक्रेता

मोहनलाल माली राम घंटेवाला २२३०८२
चांदनी चौक

महादेव प्रसाद कन्हैयालाल घंटेवाला २२७७४६
फाउंटेन

महावीर रेस्टोरेंट (जलेबी वाले)
दरीवा कलां

रतन सेन जैन
चांदनी चौक

जैन स्वीट हाउस
चांदनी चौक

मामन मल मेहर चंद्र
घी मंडी, पहाड़गंज

जैन विस्कुट फैक्ट्री
गली हलवाई, पहाड़गंज

कपूर चन्द्र जैन
मंटोला, पहाड़गंज

रतन सेन जैन
तिलक बाज़ार

शीशराम प्रेम चन्द्र
आर्यपुरा, सब्जी मंडी
छोटेलाल जैन
आर्यपुरा, सब्जी मंडी
जैन स्वीट रेस्टोरेंट
युसफ सराय
जैन स्वीट भंडार २६५३२
सदर बाजार, दिल्ली कैंट
जैन स्वीटस
एफ. १४/१६ माडल टाउन
राम चन्द्र तोताराम
नजफगढ़
पृथ्वी चन्द्र जैन
नजफगढ़
मदन लाल जैन
गांधी नगर
विशम्वर दयाल जैन
छोटा बाजार, शहादरा

होटल व रेस्टोरेंट

रंगमहल २८३४६
३७३१ नेता जी सुभाष मार्ग
शाकाहार २३५३७
अंसारी रोड, दरियागंज
स्योरिटी लाल
बाग दिवार

मुद्रक और छपाई की मशीन व सामान आदि के व्यापारी

मुद्रक (प्रिंटर्स)

धूमीमल रामचन्द्र ४७४२२
८ ए. ब्लाक, कनाट प्लेस
धूमीमल धर्मदास २२६८२०
३७१०, चावड़ी बाजार
रामा प्रिंटिग वर्क्स २२६१०५
दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार
जैनेन्द्र प्रेस २२६६००
चावड़ी बाजार
नागेश आर्ट प्रेस
गड़ैया चूड़ीवालान, चावड़ी बाजार
धूमीमल विशाल चन्द्र २२६१८६
चावड़ी बाजार
दिगम्बर आर्ट काटेज २२३५२४
धर्मपुरा
नया हिन्दुस्तान प्रेस २२४८६५
महालक्ष्मी मार्केट के सामने, चांदनी चौक
हरयाना प्रिंटिंग प्रेस २२०४६४
२६६५ बारादरी शेर अफगन खान, बल्लीमारान
जैना प्रिंटिंग प्रेस
गली खंजाचिन, चांदनी चौक
नूतन आर्ट २२८३६५
१७३८ मंगल बिल्डिंग, स्टेट बैंक के पीछे, चांदनी चौक

इंडिया प्रेस २२८७७८
एस्प्लेनेड रोड
रूपवाणी प्रिंटिंग प्रेस
दरीबा कलां
धनी चन्द्र जैन
नया बाजार
नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स २२८१६१
१० दरियागंज
इंन्द्रा प्रिंटिंग प्रेस
दयानन्द रोड, दरियागंज
विद्या चित्र प्रकाशन [illegible]
१ दरियागंज
दिगम्बर प्रिंटिंग वर्क्स
तुर्कमान गेट
सुरेन्द्रा प्रिंटर्स (प्रा०) लिमिटेड [illegible]
स्विफ्टगंज, सदर बाजार
राजहंस प्रेस [illegible]
गली नई मंडी, सदर बाजार
हीरा आर्ट प्रेस [illegible]
५५३, सदर बाजार

महावीरा प्रिंटिंग प्रेस	२२००६२
वारा टूटी, सदर वाजार
अभय प्रिंटिंग प्रेस
अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज
पेरेडाइज़ प्रेस
गली टंकी वाली, अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज
नेम फाइन आर्ट प्रेस
मंडी घास, पहाड़ी धीरज
राणा प्रिंटिंग प्रेस
३८४३, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
वीर फाइन आर्ट प्रेस
गली वरना खुर्द, सदर वाजार
प्रवीन आर्ट प्रेस
वहादुर गढ़ रोड
जाव प्रिंटिंग प्रेस
वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
ओसवाल प्रिंटिंग प्रेस
वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
नरेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
२० मोडल वस्ती
अमीर सिंह जैन एण्ड संस
डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड
जैनेन्द्र प्रेस
४० यू० ए० वंगलो रोड, जवाहर नगर

ब्लाक मेकर्स

दिगम्बर आर्ट काटेज	२२३५२४
धर्मपुरा
घूमीमल धर्मदास	२२६१०५
दुजाना हाउस, चावड़ी वाजार
एक्सप्रेस ब्लाक वर्कस
चावड़ी वाज़ार
नूतन आर्ट	२२८३६५
१७३८ मंगल विल्डिंग, स्टेट वैंक के पीछे, चाँ० चौक
राजहंस प्रेस
गली रुई मंडी, सदर वाजार
नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स	२२८१६१
१०, दरियागंज

राजन आर्टस
५८६ सदर वाजार

प्रिंटिंग मशीनरी व मेटीरियल

जे० महावीर एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड	२२४२५४
नेता जी सुभाष मार्ग	२२०८७१
इंडोयोरोपा ट्रेडिंग कम्पनी	२२४३०७
१३६० चांदनी चौक
इयोरेशिया ट्रेडिंग कम्पनी	२२६२४४
चावड़ी वाजार

मोटरकार तथा पुर्जों के व्यापारी व इंजीनियर

न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड	४८३६०
सिंदिया हाउस	४७७२७
वर्कशाप—१२ कनाट सर्कस	४५१०८
जैन मोटर कार कम्पनी
१६४६/३ डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग	२२३७२०
फैक्ट्री—नजफगढ़ रोड	५४२५६
पेट्रोल पम्प व सर्विस स्टे० —रोहतक रोड	५३२३५
जी० एस० जैन मोटर कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड २२३६८५
डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ट्रेक्टर्ज़ एण्ड स्पेअर्ज़ (प्रा०) लिमिटेड	२२६६५३
डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
मूलचन्द्र श्रीपाल जैन	२२६६५३
डा० मुकर्जी मार्ग
लक्ष्मी मोटर कम्पनी एण्ड वर्कशाप	३५६५४
डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ब्रदर्ज
डा० एस० पी० मुकर्जी माग
जैन आटोमोवाइल्स	२२०४००
कश्मीरी गेट
भारत सेल्स कार्पोरेशन
हेमिल्टन रोड
इंटरनेशनल एजेंसीज	२२७७५६
जंगपुरा मोटर स्टोर्स	७३१३०
मम्मन वाजार जंगपुरा

लकड़ी व कोयले के व्यापारी

दुलीचन्द बिमल प्रसाद ५३०६३
२७/७ न्यू रोहतक रोड
कुन्दनलाल मदनलाल जैन ४८३६७
मीर दर्द रोड
सूरजभान कैलाश चन्द्र
आनन्द पर्वत
सुलेख चन्द्र जैन
दरीबा कलां
डी० एस० जैन
चावड़ी बाजार
मुसद्दी लाल सुरेन्द्र कुमार जैन
चावड़ी बाजार
धन पाल एण्ड संस
सरकुलर रोड, शाहदरा

वनस्पति आयल तथा तेल व साबुन के व्यापारी

वनस्पति आयल

चम्पालाल प्रेमचन्द्र २२६६२३
नया बांस, जामा मसजिद के पास
रामलाल मनोहर लाल
नया बांस
राम गोपाल जयदयाल
नया बांस
धर्मचन्द्र लद्धामल
खारी बावली
प्रेम आयल कम्पनी
खारी बावली
लखूमल रामनाथ जैन २२७७४६
नया बाजार
सुखानन्द जैन २२३५१६
२६५१ गली रघुनन्दन नया बाजार
जैन आइल ट्रेडर्स
नया बाजार
मंगत राम जैन
नया बाजार
किशन लाल जैन
नया बाजार
सुखदेव एण्ड कम्पनी
सदर थाना रोड
वंशीधर शिखर चन्द्र
छः टूटी चौक, पहाड़ गंज
रामचन्द्र सूरजभान २२००७१/११६
छोटा बाजार, शाहदरा
गोपीनाथ बाजार, दिल्ली कैंट

तेल साबुन

धर्म चन्द्र लद्धामल
खारी बावली
कबूल चन्द शिव प्रसाद
पहाड़गंज, मेन बाजार
गोयल सोप मिल्स
राम नगर, पहाड़गंज
जैन कोहोदरी मिल्स
राम नगर, पहाड़ गंज

स्पोर्टस गुड्स व खिलौनों के व्यापारी

एनके रबर मिल्स
जी. टी. रोड, शाहदरा
गेम्स इण्डस्ट्रीज एण्ड टायकैट (इंडिया)
२४१३ चावड़ी बाजार
फैन्सल स्पोर्टस २२४२०२
१० एस्प्लेनेड रोड
जयना स्पोर्टस एण्ड टू कम्पनी ३६२३०

साइकिलों के व्यापारी

एन. किशोर २२४८७३
४८२ एस्प्लेनेड रोड
फेड्रन स्पोर्टस २२७७६१
१० एस्प्लेनेड रोड
नवल किशोर एण्ड संस २२०५११
एस्प्लेनेड रोड
अमर सिंह प्यारे लाल
एस्प्लेनेड रोड

डी० कुमार एण्ड कम्पनी २२५४२६
१४७७ दीवान हाल रोड

फूल चन्द एण्ड संस
१४१५/१ मोती टाकीज के पीछे

हिन्दुस्तान साइकिल एक्सेसरीज़ मेनु० कं० २२०३१२
लारेंस रोड

जैन साइकिल वर्क्स
६६६६/३ न्यू रोहतक रोड

हीरोइक साइकिल मार्ट
लेडी हार्डिंग रोड

न्यू देहली मोटर साइकिल हाउस
लेडी हार्डिंग रोड

सिगरेट, बीड़ी व तम्बाकू के व्यापारी

सुन्दर लाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी २२६६७०
३११ बारा टूटी, सदर बाजार

हेम चंद जैन एण्ड संस २२०३८८
२०६ नया बांस

गोपीराम महावीर प्रसाद
नया बांस

मांगेराम मूल चन्द
नया बांस

मांगेराम नानक चन्द
नया बांस

मूल चन्द मानक चन्द
नया बांस

प्यारे लाल ओम प्रकाश
नया बांस

प्रेम चन्द प्रकाश चन्द
नया बांस

महावीर प्रसाद पदम प्रसाद
नया बांस

कश्मीरी लाल रघुवीर सिंह
नया बांस

जैन ब्रादर्स
    नया बांस
भोलानाथ निरंजन लाल
    नया बांस

सिनेमा व फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स

जुपीटर फिल्म्स — २२००६६
    चांदनी चौक
दिल्ली फिल्म कार्पोरेशन (प्रा०) लि० — २२४५३०
    महालक्ष्मी मार्केट, चांदनी चौक
हिन्द पिक्चर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स — २२८६३६
    चांदनी चौक
जयना फिल्म्स — २२५७१४
    फिल्म्स कालोनी, चांदनी चौक
कानपुर फिल्म्स — २२५७१४
    चांदनी चौक
अशोक पिक्चर्स — २२०३१६
    चांदनी चौक
विजयश्री (प्रा०) लि० — ४३६१८
    लिबर्टी सिनेमा, रोहतक रोड
सत्यजीत पिक्चर्स
    चांदनी चौक
यूनाइटेड फिल्म कार्पोरेशन — २२०३३४
    चांदनी चौक
मंजुल चित्र — २२७६१४
    चांदनी चौक — २२४७१३
लक्ष्मी पैलेस — २२००७१/१४३
    गांधीनगर
गोलचा प्रापर्टीज लि० — २२४४७०
    प्रो० गोलचा सिनेमा दरियागंज
हिन्दुस्तान पिक्चर्स — २२५७१४
    चांदनी चौक (प्रा० न्यू केपीटल सिनेमा, गयबरेली)
मिनर्वा टाकीज
    कश्मीरी गेट

होजरी व जनरल मर्चेन्टस

होजरी

सदर बाजार (मेन)

भोलाराम ऋषभदास २२०८१३
भोलाराम रंगूलाल
पंजाब जनरल स्टोर्स
फ्रेंड पेन स्टोर्स २२६८८५
पन्नालाल विलायती राम ओसवाल २२५८८६
के. सी. मदनलाल एण्ड कम्पनी
नत्थूमल लालूमल
दुलीचन्द रतन चन्द
कस्तूरचन्द परजन कुमार
जैन पैन कम्पनी २२६५५६
जैन पैन स्टोर्स
जैन ट्रंक हाउस
पूरनचन्द एण्ड संस २२६१८५
कुतब रोड
नरेश एण्ड कम्पनी २२७५३८
२३४७ तेलीवाड़ा चौक
कुंजलाल शीतल प्रसाद २२६४६०
तिलक चंद राजेन्द्रकुमार
परजन ब्रदर्स
विलायती राम एण्ड कम्पनी
रतनचंद हरजसराय

गली मटके वाली, सदर बाजार

वीर ट्रेडिंग कम्पनी २२८६४४
तेजाशाह एण्ड संस २२५६८१
जे० नाहर एण्ड कम्पनी २२०७५४
स्वस्तिक पोलिशज (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड २२८६४४
देशराज वसन्तराम २२०८३४
बोम्बे ट्रेडिंग कम्पनी २२७१८४
बी. आर. निरंजनदास
वसंतराम त्रिलोकनाथ
हीरालाल गंगाराम
प्रकाश वीड्स
पी. बी. ब्रदर्स, मोती वाले
अमरनाथ जैन
गुलाब मल लद्दू मल
महावीर ब्रदर्स
खैरातीलाल एण्ड संस

गांधी मार्केट, सदर बाजार

मोती ब्रदर्स २८०८६
गांधी मार्केट
अशोक बटन स्टोर
५७७४ गांधी मार्केट
आशाराम प्यारेलाल
गांधी मार्केट
घूमन चन्द मामन चन्द
गांधी मार्केट
जुगमन्दर दास राजेन्द्रकुमार
गांधी मार्केट
श्री निवास जैन एण्ड संस
गांधी मार्केट
देहली टावल एण्ड जनरल स्टोर
गांधी मार्केट
खैराती लाल जैन एण्ड संस
५५१० गांधी मार्केट
जैन बटन स्टोर
५५१६ गांधी मार्केट

सीताराम जैन
५५५१ गांधी मार्केट
जैन ब्रदर्स
५५६४ गांधी मार्केट
सरदारी लाल प्रकाश चन्द
५६७१ गांधी मार्केट
पदम ब्रादर्स
५७४६ गांधी मार्केट
जगदीश ब्रादर्स
गांधी मार्केट
ताराचन्द जैन
गांधी मार्केट
रामगोपाल जैन एण्ड ब्रदर्स
गांधी मार्केट
नौलखा स्टोर्स
५३०५ गांधी मार्केट
महावीर ब्रदर्स
५६०३ गांधी मार्केट
रोशनलाल जैन एण्ड संस
५४७४ गांधी मार्केट
शांति जैन जनरल स्टोर
५५२६ गांधी मार्केट
अर्जुनदास जैन एण्ड संस
५४७६ गांधी मार्केट
चीप बैंगिल स्टोर्स
५७५ गांधी मार्केट

स्वदेशी मार्केट, सदर बाजार

नरपतिराय खैराती लाल २२६८५६
३४ स्वदेशी मार्केट
अमरचन्द विलायती राम २२७५३८
स्वदेशी मार्केट
बी. के. जैन एण्ड संस
४० स्वदेशी मार्केट
श्री आदीश्वर जामनगर बटन स्टोर
३४ एच. स्वदेशी मार्केट
हिन्दुस्तानी ब्रदर्स
स्वदेशी मार्केट
मामचन्द जैन एण्ड संस
स्वदेशी मार्केट
हजारी शाह रूपलाल
३२ ए. स्वदेशी मार्केट
आर. एस. फकीर चन्द जैन एण्ड संस
३२ ए. स्वदेशी मार्केट
हरदयालमल प्यारेलाल
३२ स्वदेशी मार्केट
जगदीश ब्रदर्स
स्वदेशी मार्केट
रूपचन्द हजारी लाल
स्वदेशी मार्केट
कुन्दनलाल सुरेन्द्रपाल
स्वदेशी मार्केट
महावीर जैन स्टोर
५६ स्वदेशी मार्केट
धर्मचन्द्र जैन
१५ स्वदेशी मार्केट
प्रकाशचन्द जैन एण्ड संस
८८ स्वदेशी मार्केट
जैन फैंसी शाप
१२ स्वदेशी मार्केट

लाहौर शाप
 ६ स्वदेशी मार्केट
जन शृंगार हाउस
 स्वदेशी मार्केट
श्यामलाल जैन एण्ड संस
 ६० ए. स्वदेशी मार्केट
जगदीश प्रसाद जैन
 ६० स्वदेशी मार्केट
जैन बैंगिल स्टोर्स
 १६ ए. स्वदेशी मार्केट

गली छापाखाना, सदर बाजार

विजय प्लास्टिक स्टोर
 गली छापाखाना, सदर बाजार
गोल्डन प्लास्टिक
 गली छापाखाना, सदर बाजार

नारायन मार्केट, सदर बाजार

ज्ञान चन्द नवीन कुमार
 १५ नारायन मार्केट
पूरन होजरी
 ६१ नारायन मार्केट
जैन ट्रेडिंग कम्पनी
 १४/३५८ गली डाकखाना

खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दीवान चन्द रोशन लाल
 ४३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
पी. एल. जैन एण्ड संस
 ११४ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
आर. के. ट्रेडिंग कार्पोरेशन
 ११५ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
जैन ब्रदर्स
 २ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

बर्तन मार्केट, सदर बाजार

डी. एम. जिनेन्द्र प्रसाद जैन
 ५०४ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
धर्मचन्द बनारसीदास
 ४६६ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
एफ. सी. ओसवाल
 ४७६ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
प्यारालाल राजकुमार
 ४६० बर्तन मार्केट, सदर बाजार

कटरा नवीवक्स, सदर बाजार

इन्द्रमोहन लाल एण्ड कम्पनी २२६३३७
 कटरा नवीवक्स, सदर बाजार
आर. सी. जैन होजरी
 कटरा नवीवक्स, सदर बाजार
हरद्वारीलाल फूलचन्द
 ४२६ कटरा नवीवक्स, सदर बाजार
चन्दूलाल हर किशोर
 कटरा नवीवक्स, सदर बाजार
जैन एण्ड कम्पनी
 ५०७ कटरा नवीवक्स, सदर बाजार

काकरी मार्केट, सदर बाजार आदि

शादीलाल जैन एण्ड कम्पनी २२०११६
 ७६ काकरी मार्केट, सदर बाजार
आर. एस. मुल्कराज एण्ड कम्पनी २२६४५१
 काकरी मार्केट, सदर बाजार
निक्कूराम जैन
 ५६५८ प्रताप मार्केट, सदर बाजार
डी. डी. सेठ ब्रदर्स
 कृष्णा मार्केट, सदर बाजार
बाबू दी फैंसी हट्टी
 २१ अमृत मार्केट, सदर बाजार
सरदारी लाल जैन एण्ड संस
 २८ अमृत मार्केट, सदर बाजार
भारत ब्रश इन्डस्ट्रीज
 रुई की मंडी, सदर बाजार
नानक चन्द दीवान चन्द २२६०२३
 १३६ जवाहर मार्केट, सदर बाजार
आर. एस. मुल्खराज एण्ड संस
 २२४ जवाहर मार्केट, सदर बाजार

खजांचीमल एण्ड कम्पनी
सदर थाना रोड

जैन रबर इन्डस्ट्रीज
१५/५७४०, नबी करीम

गेंदामल विलायतीराम ४७१७४
८/१० जी. कनाट सर्कस

गेंदामल हेमराज ४७६५१
११ रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रमेश ब्रदर्स ५३७६१
देशबंधु गुप्ता रोड, देवनगर

जैन जनरल स्टोर
८३ गफ्फार मार्केट

देवराज जैन
५४, गफ्फार मार्केट

ब्यूटी जनरल स्टोर
७१, गफ्फार मार्केट

न्यू पिंडी जनरल स्टोर
६ सेठी बिल्डिंग

रावलपिंडी जनरल स्टोर
२८१४ अजमल खां रोड

जैन ब्रदर्स
२६२५ बैंक स्ट्रीट, कम्पनी बाग

जैन स्टोर्स
२४-बी./६ देशबन्धु गुप्ता रोड, देवनगर

एस. के. जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स २२७५००
१७४८ भागीरथ पैलेस

मुंशीलाल अजीतप्रसाद २२८४६४
६६५ चांदनी चौक

राधा फैंसी स्टोर्स
मोती बाजार के पास, चांदनी चौक

जोती प्रसाद जैन (खिलौने वाले)
चांदनी चौक

फागीराम जैन (टोपी वाले)
चांदनी चौक (कटरा भंगी)

महावीर प्रसाद प्रेम चन्द
दरीबा कलां

शील चन्द जैन
मेन बाजार, पहाड़गंज

गोरधन दास जैन
मेन बाजार, पहाड़ गंज

वीर प्लास्टिक स्टोर
आर्यपुरा सब्जी मंडी

सुरेश कुमार जैन
आर्यपुरा सब्जी मंडी

शिवलाल दरबारी लाल
नजफगढ़

रामयत जोती प्रसाद
नजफगढ़

वहन प्लास्टिक वर्क्स
६२६/३ गली मुकर्जी, गांधीनगर

निटिंग वूल

के. डी. राम लाल एण्ड कम्पनी २२६५८१
सदर बाजार (मेन)

जैन वूल कम्पनी
सदर बाजार (मेन)

बनारसी दास हरबंस लाल २२८८६६
गली छापाखाना सदर बाजार

ए० डी० राजकुमार एण्ड कम्पनी
४६८८/८६ मंडी रोड, सदर बाजार

जैन वूल कम्पनी
५७३२ गांधी मार्केट

बैसाखी शाह दौलत राम [illegible]
१७ ए, स्वदेशी मार्केट सदर बाजार

सुदर्शन लाल जैन
गली पुराना डाकखाना, सदर बाजार

जैन वूल स्टोर [illegible]
१६/२८७२ अजमल खां रोड

जैन वूल हाउस [illegible]
२४ [illegible] रोड, करोल बाग

विजय वूल स्टोर
२५८६ अजमल खां रोड

ग्रीन वेज ४३९६२
२० ई. कनाट प्लेस

जैन वूल स्टोर
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी

जैन एण्ड कम्पनी
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी

जैन वूल शाप
कमला नगर, सब्जी मंडी

सूत व धागा

बनारसी दास प्रेम चन्द २२३५७१
गली छापाखाना सदर बाजार

एस. डी. मित्तल मैनु. कम्पनी २२८७२०
६५५ गली नं० ११ सदर बाजार

कुंज लाल शीतल प्रसाद २२६४६०
सदर बाजार

पन्ना लाल विलायती राम २२५८७६
सदर बाजार

तिलक थ्रेड हाउस २२६४०५
सदर बाजार

तारा चन्द रतन चन्द २२६५६०
३८ स्वदेशी मार्केट

महेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी
गली छापाखाना, सदर

जैन स्वींग कम्पनी
प्रताप मार्केट, सदर बाजार

नेशनल सिल्क कम्पनी
१७ अमृत मार्केट, सदर बाजार

बी. एल. अमृत लाल
२० अमृत मार्केट, सदर बाजार

मुल्तान एण्ड कम्पनी
बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड

जैन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी
कटरा मिट्ठन लाल, सदर बाजार

जैन कम्पनी
गली वजाजान, सदर वाजार
कुड़यामल वनारसी दास
काठ वाजार, कुतव रोड
लाहौरीमल मीर सिंह
सदर वाजार
लक्ष्मी थ्रेड एजेंसी
कटरा मिट्ठन लाल, सदर वाजार
मंगल दास विशम्वर दास
३५ वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

अन्य व्यापारी

आर्ट गेलरीज

कुमार गैलरी ७५८७५
११ सुन्दर नगर मार्केट
इण्डियन आर्टस पैलेस
शोरूम-१९ ई. कनाट प्लेस ४३८९३
वर्कशाप—सूरज निवास, १३०४ गली वैदवाड़ा २२४४११

इमीटेशन ज्वेलरी

रमेश जनरल स्टोर्स
५५३८ गांधी मार्केट, सदर वाजार
सांवल दास मीरीमल
५५११ गांधी मार्केट, सदर वाजार
दीप ब्रदर्स
५३१२/२ गांधी मार्केट, सदर वाजार

कमशियल इंस्टीच्यूटस

वीर नाइट कालेज २२०६०४
डिप्टीगंज
भारत कालेज आफ कामर्स २२८७०४
२१ डिप्टीगंज

इन्जीनियरिंग वर्क्स

कुमार इंजीनियरिंग वर्क्स ४०७८६
५३ राम नगर
रायपाल इंजीनियरिंग वर्क्स
कश्मीरी गेट
जैन इंजीनियरिंग वर्क्स
सदर थानारोड
हाई स्पीड टाइपिंग इंस्टीच्यूट
२१ दरियागंज

क्लिनीकल गुडस व लैव० इक्विपमेंटस

जनरल ट्रेडस एजेंसीज २२६२५४
पायवालान, जामा मसजिद के पास
एस० के० जैन, डिस्ट्रीब्यूटर्स २२३५००
१७४८ भागीरथ पैलेस
राष्ट्रीय दीप साइंटिफिक कार्पोरेशन ५५१६१
जैन भवन, छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग

चश्मे व फाउन्टेनपेन आदि

जैन आप्टीकल इंडस्ट्रीज
चश्मा विल्डिंग, वल्लीमारान, चांदनी चौक
महावीर आप्टीकल कम्पनी
वल्लीमारान, चांदनी चौक
सौराष्ट्र आप्टीकल कम्पनी
वल्लीमारान, चांदनी चौक
जैन पैन कम्पनी २२८४५८
३७७ सदर वाजार

जिल्द बनाने वाले

जैन बुक वाइंडिंग हाउस
किनारी वाजार
व्राइट
गुलियां
जैन कार्ड वोर्ड एण्ड वाइंडिंग वर्क्स
गली पायवालान

ट्रांसपोर्ट व टूरिस्ट सर्विस

नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट कम्पनी [illegible]
लाहौरी गेट
हरिश्चन्द्र जैन
कटरा [illegible]
जनता ट्रेवल एण्ड टूरिस्ट एजेंसी [illegible]
[illegible], चांदनी चौक
[illegible] [illegible]
२२९३ [illegible]

श्री जैन वर्धमान यात्रा संघ　　२२६७१३
　१२४४ चाहरहट

डेरी

एम. पी. जैन डेरी　　२२४१८६
(केशोदास महावीर प्रसाद) बाग़ दीवार, फतेहपुरी
अहिंसा डेरी
　बाग़ दीवार, फतेहपुरी
पोपूलर डेरी
(अजित प्रसाद जैन) लक्ष्मी बाई नगर

डिपार्टमेंटल स्टोर

जैनसंस　　४७३८६
　ई. कनाट प्लेस
सिल्को　　४२५२१
　११ ई. कनाट प्लेस

पान, सुपाड़ी के व्यापारी

मंगल चन्द्र टीकम चन्द्र जैन
　३६ गोल मार्केट

सछीदंदी लाल पुनीतराय जैन
　३ लेडी हार्डिंग रोड
प्रभू दयाल रतन लाल जैन
　लेडी हार्डिंग रोड
छोटे लाल नत्थी लाल जैन
　जनपथ
शीतल प्रसाद जैन
　मंटोला, रोड
जैन पान शाप
　चांदनी चौक
ज्ञान चन्द्र जैन
　चांदनी चौक

प्रावीजन स्टोर्स

जवाहर मल
　२७-बी./५ न्यू रोहतक रोड
मुंशी लाल छोटे लाल
　६६६२/१ न्यू रोहतक रोड
रामेश्वर दास केवल स्वरूप
　६६६६/४ न्यू रोहतक रोड
पोकर मल सुरेश कुमार
　६६६६/२ न्यू रोहतक रोड
रघुनाथ जैन
　६६६६/१ न्यू रोहतक रोड
कालीराम लाल चन्द
　६६६८/न्यू रोहतक रोड
सुरजनमल नंद लाल
　६६६८/ई. न्यू रोहतक रोड
भगवान सरूप जैन
　६६६८ न्यू रोहतक रोड
छतर सेन महावीर प्रसाद
　६६६८/सी. न्यू रोहतक रोड
रविदत्त मांगेराम
　६६६८/बी. १ न्यू रोहतक रोड
लक्ष्मी प्रोवीजन स्टोर्स
　१-सी./१० न्यू रोहतक रोड
निहाल सुगर स्टोर
　१८३८/४८ नाई वाला, अब्दुल अज़ीज रोड

जैन प्रोवीज़न स्टोर
१२३ भगत सिंह मार्केट
महावीर प्रोवीज़न स्टोर
राम द्वारा रोड
चिरंजी लाल सुक्खन लाल
पहाड़गंज
रोशन लाल
गुड़गांवा रोड, पहाड़गंज
नेम चन्द्र दीवान् चन्द
लड्डू घाटी, पहाड़गंज
छुट्टन लाल प्रमोद कुमार
नया बांस
जैन प्रोवीज़न स्टोर्स
सदर बाजार
चम्पत राय
युसुफ सराय
भोरी लाल
युसुफ सराय
सलेक चन्द्र
युसुफ सराय
शिखर चन्द्र
युसुफ सराय
जैन ब्रदर्स
एफ १४/२० माडल टाउन

फ्लोर एण्ड दाल मिल्स

दीप चन्द (जैन फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट
माम चन्द (श्री जी फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट
रतन लाल (सदस्य म्यू० कार्पो०)
रामद्वार रोड
न्यू राजधानी फ्लोर मिल्ज ४६६६८
६५४६ कुतब रोड

फल व शाक

लट्टोमल नानूराम जैन २२६७४४
४२०० धर्मपुरा

बाम्बे फ्रूट शाप
बाग दीवार, चांदनी चौक
बनवारी लाल मुरारी लाल
नजफगढ़
भगवान दास जैन
नजफगढ़
रामचन्द्र श्रीपाल
नजफगढ़
घूमीमल रमेश चन्द्र
बूरा मंडी, शहादरा
गोपाल राय संतोष कुमार
बूरा मंडी, शहादरा

भूसा व चारा

गिरीलाल त्रिलोक चन्द्र जैन
१२१६ चाहरहट

यात्रा संघ

आल इण्डिया चन्द्रकीर्ति यात्रा संघ २२८०८३
आनन्द दास जैन, २२६३ धर्मपुरा

श्री जैन वर्धमान यात्रा संघ २२६७१३
१२४४ चाहरहट

रंग व केमीकल

सुखानंद शंकरलाल जैन एण्ड कं० (प्रा०) लि० २२५३६४
फाटक हबस खां

महावीर कलर कम्पनी
कटरा तम्बाकू, खारी बावली

अशोक केमीकल कम्पनी
तिलक बाजार

जैना फाइन कलर एण्ड जनरल वर्क्स
कूंचा सेठ, किनारी बाजार

सिलाई व कढ़ाई की मशीन के व्यापारी

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लि०
११ दरियागंज २२४६६३

दुली चन्द जैन
नई सड़क

सुगंधित तेल व इत्र

गुप्ता एण्ड कम्पनी २२७६६२
गली नया डाकखाना, सदर बाजार

इन्द्रराज सिंह श्री चन्द्र ४००१३
मंटोला, पहाड़गंज

इन्द्रराज सिंह ओमप्रकाश
मंटोला पहाड़गंज

स्टाक, शेअर व फाइनेंस ब्रोकर्स

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज एसोशियेसन लि०
५ एक्सचेंज बिल्डिंग, आसफ अली रोड
(फोन २२५१६०,२२७१७१)

किशन चन्द्र जैन एण्ड कम्पनी २२५७३१
बुलियन डिपा० १२६० चांदनी चौक

स्टाक व शेअर डिपा०-५ स्टाक २२५१६०
एक्सचेंज बिल्डिंग २२७१७१
आसफ अली रोड २२७१७१

मुसद्दी लाल जैन
५ स्टाक एक्सचेंज बिल्डिंग
आसफ अली रोड २२७५५४

प्रेम चन्द्र गनेश नारायण

हरिश्चन्द्र जैन

कुंवर सेन जैन

पंजाब एक्सचेंज लि० कटरा बरयान
(फोन २२३२३०,२२५८७६, २२४७५१)

जसवंत सिंह जैन २२३८१[illegible]
२५ डी. कमला नगर
केदार बिल्डिंग, चन्द्रावल रोड २२६५५[illegible]

अन्य

कुंजलाल शीतल बी० ए०
८७ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दाताराम जैन
२७ क्लाइव स्क्वेअर

हाउस बिल्डिंग सोसाइटी

श्री ऋषभ जैन कोआपरेटिव
हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड
१४७० रंग महल, मुकर्जी मार्ग

प्रधान—ला० पारस दास, मोटर वाले २२६६५[illegible]
१४७० रंग महल, मुकर्जी मार्ग

उप प्रधान—(१) ला० प्रकाश चन्द्र
कटरा लेसवान, चाँदनी चौक
(२) श्री दर्शन लाल
(म्यू० कार्पोरेशन)

मंत्री—(१) श्री अजित प्रसाद
वकील पुरा

उप-मंत्री—(१) श्री नन्द किशोर
(म्यू० कार्पोरेशन)
(२) श्री हजारे लाल गुप्ता
१४७० रंगमहल, मुकर्जी मार्ग

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद
(नावल्टी सिनेमा के पीछे) मुकर्जी मार्ग

विविध

मोहनलाल रोशनलाल जैन २२८४११
 १२५९ चांदनी चौक
मनजीत चित्रा २२७६१४
 चांदनी चौक
विक्ट्री ग्रामोफोन कंपनी
 भागीरथ पैलेस
रामेश्वरदास नवल किशोर
 कूंचा नटवा
धनपाल कुमार सुकौशल कुमार
 कटरा धूलिया, चांदनी चौक
सन्त लाल निर्मल कुमार
 कटरा सत्यनारायण, चांदनी चौक
अमृतलाल विनोद कुमार
 धर्मपुरा
सूरजमल सुमेरचन्द्र २२४७७२
 कूंचा शहंशाही
अमृत लाल सी. शाह २२३६६०
 कटरा खुशाल राय, महाराजालाल बिल्डिंग
कांतिलाल आर. पारिख २२६६६६
 २६५८ कटरा खुशाल राय
कन्नूजी माठूमल एण्ड संस २२७८७७
 २७२७ चौक रायजी, नई सड़क
चन्द्रा एण्ड संस २२४२७६
 नई सड़क
दयाचन्द जयचन्द जैन २२६७३८
 ११३६ चाहरट
जैन बोतल सप्लाई कम्पनी
 गुलियान
चिमनलाल एम. शाह २२५६८८
 फाटक हवस खान
छोगामल जैन
 फाटक हबस खां
हीरालाल कपूरचन्द जैन २२०६१२
 १३१६ वैदवाड़ा
हरीचन्द जैन एण्ड संस २२४८७८
 ६४६४ कटरा बरयान

बनारसी दास मोहन लाल २२८७४६
 कोरोनेशन होटल, फतेपुरी
बनारसीदास रतनचन्द २२४४६२
 कोरोनेशन होटल, फतेपुरी
पी. सी. जैन एण्ड कम्पनी २२८४६७
 ४१८ हवेली हैदरकुली
अभयकुमार जैन, मंजुल चित्र २२७६१४
 चांदनी चौक
ए. के. जे. (प्रा०) लिमिटेड २२६६५५
 ६१० छोटा छीपीवाड़ा, चावड़ी बाजार
धर्मदास ताराचन्द जैन २२३५७६
 चावड़ी बाजार
श्री पाल एण्ड कम्पनी २२०७३०
 चावड़ी बाजार
गिरधारीलाल पदमकुमार जैन २२६४२२
 चावड़ी बाजार
आनन्द एण्ड कम्पनी
 चावड़ी बाजार
विजय पाल भारत भूषण
 चावड़ी बाजार
कैपीटल सेनीटरी स्टोर्स
 गली बजरंग वाली, चावड़ी बाजार
सूरजभान लखमीचन्द जैन
 रामकिशनदास भवन, गली पत्ते वाली, नया बाजार
मंसाराम सुन्दर लाल २२६८१६
 नया बाजार
देवीदयाल वृजलाल
 नया बाजार
निपस्टोक सेल्स कार्पोरेशन [illegible]
 १६ अंसारी रोड
ललिताराम जैन एण्ड संस [illegible]
 ४६६३ अंसारी रोड
डी. के. सेठ एण्ड कम्पनी
 ५ ए./२४ दरियागंज
पब्लिक एजेन्सीज
 ५ ए./२४ दरियागंज

इंटरनेशनल एजेंसीज २२७७५६
कश्मीरी गेट (बस स्टैंड के पास)

वैष्णवदास चुरंजीलाल जैन २२६६५६
सदर बाजार

राम प्रसाद जगन्नाथ जैन २२६४४६
कटरा नबी बक्स, सदर बाजार

हंसराज सुखचैन लाल ओसवाल २२६७७१
४८६ वर्तन मार्केट, सदर बाजार

रूपचन्द्र एण्ड कम्पनी
५४४६ गांधी मार्केट, सदर बाजार

अमरचन्द विलायती राम जैन २२७५३८
सदर बाजार

ताराचन्द्र रतनचन्द्र २२६५६७
३८ स्वदेशी मार्केट, सदर बाजार

एस. आर. बनारसीदास जैन २२६७७६
५६३ गली बजाजान, सदर बाजार

तिलकचन्द राजेन्द्र कुमार जैन २२६४६४
१३ सदर बाजार

त्रिलोक चन्द जैन एण्ड कम्पनी २२६७७८
सदर बाजार

माडर्न ट्रेडिंग कार्पोरेशन २२६०६२
५१८६ सदर बाजार

पवन कुमार एण्ड ब्रदर्स २२६०६२
५१८६ सदर बाजार

कबूलसिंह एण्ड ब्रदर्स २२६०६२
५१८६ सदर बाजार

आजाद म्यूजीकल स्टोर्स
सदर बाजार

एम. एल. राजकुमार जैन
रुई मण्डी, सदर बाजार

सुरेश इन्डस्ट्रीज २२६३२६
३३ डिप्टीगंज, सदर बाजार

राजा मेकेनीकल कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड २२६३२६
३३ डिप्टीगंज, सदर बाजार

बनारसी दास कश्मीरी लाल २२८१५६
१६१ गली रुई, तेलीवाड़ा

मोजीराम पारसदास
३१६२ गली खारे कुए वाली, पहाड़ी धीरज

सुखदेव एण्ड कम्पनी २२७०७६
११ सदर थाना रोड

जैन ग्लेजिंग वर्क्स
सदर थाना रोड

सोहनलाल डुंगरमल सुराना
३/४ बस्ती हर्फूल सिंह

धनराज भरतराम पयालू
६ सदर थाना रोड

मंगलदास विशम्भर लाल
बस्ती हर्फूल सिंह

दिल्ली एल्यूमिनियम कार्पोरेशन २२८११४
५ वेस्ट सदर थाना रोड

मेटल इमीटेशन वर्क्स
१२/३२६७ आर्यपुरा

स्यालकोट स्केल वर्क्स
ईदगाह रोड

शोरीलाल कश्मीरी लाल ४७५०३
लोहामंडी मोतियाखान

ज्ञानीराम दर्शन कुमार जैन ४७६१४
१०३३२ मोतिया खान

रामेश्वरदास पवन कुमार ४८०६२
१०३२१ मोतिया खान

गंगा एजेंसीज (प्रा०) लिमिटेड
२७ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस

नन्दलाल जैन
जैन मंदिर मुहल्ला, राजा बाजार

जीतमल जैन
जैन मंदिर मुहल्ला, राजा बाजार

जयचन्द्र जैन
५ मोल्ड मिल रोड

[illegible] [illegible]
[illegible], [illegible] रोड

[illegible] जैन एण्ड [illegible] [illegible]
[illegible] ५५, ब्लाक नं० ८, [illegible]

दीवानचन्द्र एण्ड ब्रदर्स ५२१६६
१८ ई. पार्क एरिया

एसोशियेटिड एजेंसीज ५४००७
५ सी./६ रोहतक रोड

नारी उद्योग ५११२२
६ पूसा रोड

चन्द्रा मेटल वर्क्स ५५५७६
६२ नजफगढ़ रोड

वालकिशन दास एण्ड संस
७३७६ प्रेम नगर

न्यू स्टाइल
१६ मेन मार्केट, लोदी रोड

पंखेवाला ७४६७१
१२ मेन मार्केट, लोदी रोड

लक्ष्मीचन्द जैन एण्ड कम्पनी ७४६७१
१२ लोदी रोड मार्केट

रामस्वरूप राजकुमार जैन
४ अलीगंज, लोदी रोड

न्यू ईस्टर्न स्टोर्स ७३८७१
७ मेन मार्केट, लोदी रोड

अजित प्रसाद एण्ड कम्पनी ५५२०६
नजफगढ़ रोड

धनपाल सिंह जैन एण्ड संस २२००७१/१३५
सर्कूलर रोड, दिल्ली शहादरा

हिन्दुस्तान अमेरिकन कार्पोरेशन २२००७१/१७८
५३ डी. दिलशाद गार्डन

भब्बूमल जैन २२००७१/१८६
टेलीफोन एक्स. के सामने, जी. टी. रोड, शाहदरा

जुगल किशोर जैन २२००७१/२६१
६/१७१ फराश वाजार, दिल्ली शहादरा

कल्याणसिंह जैन २२००७१/५१
छोटा वाजार, दिल्ली-शहादरा

शंकर लाल जैन २२००७१/१४६
१/४३६, जी. टी. रोड, शहादरा

एन. के. जैन एण्ड कंपनी २२००७१/१२१
VIII/४६५ छोटा वाजार, शहादरा

लैंड एण्ड विल्डिंग कार्पोरेशन
दिल्ली-शहादरा

सुमत प्रसाद प्रीती राम
गाजियाबाद ८५-२०२४

मित्तल इमीटेशन वर्क्स
दिल्ली-शहादरा

कल्याण सिंह मानक लाल जैन २२३२०१/५१
दिल्ली-शहादरा

एन० के० एण्ड कम्पनी २२३२०१/२१
दिल्ली-शहादरा

खजांची मल जय कुमार जैन
दिल्ली-शहादरा

भब्बू मल श्योसिंह राम जैन
दिल्ली-शहादरा

धनपाल जगदीश कुमार जैन
वड़ा वाजार, दिल्ली-शाहदरा

दुलीचन्द्र जैन
वड़ा वाजार, दिल्ली-शाहदरा

हेम चन्द्र चन्दराम जैन
जज्जू कटरा, दिल्ली-शाहदरा

खेम चन्द्र रघुवीर सिंह जैन
वड़ा व जार, दिल्ली-शाहदरा

कश्मीरी लाल जगन्नाथ जैन
छोटा वाजार, दिल्ली-शाहदरा

धूमी मल रमेश चन्द्र जैन
मंडी, दिल्ली-शाहदरा

हरी चन्द्र जैन
वड़ा वाजार, दिल्ली-शाहदरा

ईश्वरी प्रसाद महेन्द्र कुमार जैन
छोटा वाजार, दिल्ली-शाहदरा

वाबू लाल जैन एण्ड ब्रादर्स २२३२०१/११८
दिल्ली-शाहदरा

केदार नाथ जैन ठेकेदार
दिल्ली-शाहदरा

वाबू राम एण्ड संस
गली पुराना डाकखाना, दिल्ली-शाहदरा

ज्ञान चन्द्र लखमी चन्द्र जैन
अनाज मंडी, दिल्ली-शाहदरा

जैन स्टेशनरी मार्ट
निकट वाबू राम स्कूल, शाहदरा

हिन्द स्टील कम्पनी
दिलशाद गार्डन, शाहदरा

राज बहादुर जैन
शाहदरा

व्यवसाय

मेडीकल प्रेक्टीशनर्स

वैद्य व हकीम

राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन
चिकित्सालय—राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड संस
१३३१ चांदनी चौक २२३५२९
निवास—पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

वैद्यराज मामनसिंह 'प्रेमी'
चिकित्सालय—सेठ लालचन्द्र धर्मार्थ औषधालय
डिप्टीगंज
निवास—३६ डिप्टीगंज, सदर बाजार

वैद्य शुगनचन्द्र (पानीपत वाले)
डिप्टीगंज के सामने, पहाड़ी धीरज

वैद्य भगवत प्रसाद
पहाड़ी धीरज

हकीम हीरालाल जैन
चिकित्सालय—बाबूलाल हीरालाल जैन
बारा टूटी, सदर बाजार २२८२८०

वैद्य कन्हैयालाल जैन
चिकित्सालय—श्री नमिसागर जैन धर्मार्थ औषधालय
कूंचा सेठ २२००४७
निवास—धर्मपुरा

हकीम श्रीराम जैन
चिकित्सालय—छोटेलाल श्रीराम जैन
बाजार गुलियान २२८७४०

हकीम हुलास राय जैन
चिकित्सालय—जयना फार्मेसी
जोगी वाड़ा, नई सड़क

वैद्य अतरसेन जैन
चिकित्सालय—बाजार गुलियान
निवास—कूचा सुखानन्द, दरीबा कलां

एलोपैथिक चिकित्सक

डा० के. एल. जैन, चिल्ड्रन फिज़ीशियन
क्लिनिक—(१) १ डाक्टर्स लेन ४८१३८
(२) ४७-डी. कमला नगर २२९०७४
(३) १०५ बी. डिफेंस कालोनी ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० बी. एस. जैन, स्टाफ सर्जन
(औपथेलमोलोजी) विलिंगटन हास्पिटल ४३४६१
निवास—६ बी. टेलीग्राफ लेन ४८१३४

डा० आर. एस. कोठारी
जूनि० स्टाफ सर्जन (फिज़ीशियन)
विलिंगटन हास्पिटल ४३४६१
निवास—१० वैरन रोड ४७३४५

डा० चन्द्र मोहन जैन
विलिंगटन हास्पिटल ४३४६१
निवास—पहाड़ी धीरज २२९५६६

डा० हेमचन्द्र जैन
रिटायर्ड सर्जन, नार्दन रेलवे डिस्पेंसरी
११/३ पंचकुइया रोड

डा० कृष्ण मोहन जैन
क्लिनिक—१०५ बी. डिफेंस कालोनी ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० के. पी. जैन
५ रफी मार्ग [illegible]

डा० ज्ञान चन्द्र
४४ बाबर रोड [illegible]

डा० एन. एस. जैन
अवैतनिक नेत्र सर्जन, इर्विन हास्पिटल
क्लिनिक—(१) कूंचा महाजनी, [illegible]
चांदनी चौक
(२) डी. [illegible] [illegible]
निवास—३० [illegible] रोड [illegible]

डा० सुशीला जैन
२१२१/५६ नाई वाली गली, करोल बाग ५५६६७

डा० (श्रीमती) आदर्श जैन
१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० (श्रीमती) तारामणि जैन
लेडी असि० सर्जन—सी. एच. एस.
डिस्पेंसरी १ डाइज़ स्क्वेअर, गोल मार्केट ४३२२८
निवास—ए. ७ पंडारा रोड ४३२२३

डा० (श्रीमती) मोहिनी जैन
क्लिनिक—प्लाजा सिनेमा के सामने ४५२०८
कनाट सर्कस
निवास—५ हेली रोड ४३६८२

डा० एस. पी. जैन
सर्जन—इर्विन हास्पिटल
प्राध्यापक—मौलाना आजाद मेडीकल कालेज

डा० सुमंत प्रसाद जैन
फिजियोथेरापिस्ट, डा० सेन नर्सिंग होम ४४६१३
निवास—१०० दरियागंज २२६३६८

डा० एस. सी. किशोर
५४१ एस्प्लेनेड रोड २२४५४३

डा० ताराचन्द्र पारख
१०२२ मालीवाड़ा २२६६६५

डा० शामलाल जैन
१३३७/X चितली कबर २२६३८६

डा० जी. वी. जैन
अवैतनिक फिजीशियन—तीरथ शाह हास्पिटल
क्लिनिक—हेमराज जैन हस्पताल २२६६७३
बाराटूटी, सदर बाजार
निवास—हेमराज जैन नर्सिंग होम २२६६२६
पहाड़ी धीरज

डा० तुलसीदास जैन
५१६७ सदर बाजार २२७६६७

डा० कन्हैया लाल
सदर बाजार २२६३०८

डा० आर. वी. जैन २२६५६६
डिप्टीगंज

डा० के सी. जैन
टी. वी. व चिल्ड्रन स्पेशलिस्ट
(आनरेरी मजिस्ट्रेट)
क्लिनिक—कुतुब रोड २२६३०१
निवास—केदार बिल्डिंग, सब्जी मण्डी २२७७८६

डा० ब्रजलाल जैन
पहाड़ी धीरज

डा० बी. डी. जैन
पहाड़ी धीरज

डा० महवीर प्रसाद जैन
पहाड़ी धीरज

डा० कल्पना जैन
क्लिनिक—२७/३ शक्तिनगर २२७८६८
निवास—२७४ ए. मलकागंज

डा० आर. एन. जैन
११० डी. कमला नगर २२६०४६

डा० गोपाल दास जैन
५५२१ सदर थाना रोड २२७२७६

डा० एस. के. जैन
असि० सर्जन, सी एच. एस. डिस्पेंसरी
पहाड़ गंज ३/४ चित्रगुप्त रोड
निवास—५३२१ सदर थाना रोड

डा० वी. एस. जैन
गांधी नगर

दन्त चिकित्सक (डेंटिस्ट)

डा० सी. आर. जयना
क्लिनिक—फाउंटेन, चांदनी चौक २२५२७३

डा० पी. सी. जयना
क्लिनिक—फाउंटेन, चांदनी चौक २२५२७३
निवास—१६ टोडरमल लेन ४०४८८

होम्योपेथिक चिकित्सक

डा० फूलचन्द्र जैन
क्लिनिक—जैन फार्मेसी २२६३०८
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार
निवास—पहाड़ी धीरज, सदर बाजार

डा० सुन्दर लाल जैन
बाराटूटी सदर बाजार २२६३०६

डा० आर. वी. जैन
१० भाटिया भवन हाथीखाना २२६५६६

डा० नन्द किशोर जैन
७ दरियागंज २२६३७०

एडवोकेट व वकील

चुन्नीलाल जैन एडवोकेट २२४५१७
कूंचा सेठ, दरीवा कलां

पीताम्बर दास जैन, एडवोकेट
इन्कमटैक्स कंसल्टैंट
कार्यालय—२९७ दरीवा कलां २२५६५५
निवास—३७ तुर्कमान रोड

मनोहर लाल जैन, एडवोकेट
२१५ दरीवा कलां

चन्दूलाल 'अख्तर,' एडवोकेट
२२० दरीवा कलां

निहाल चन्द्र, एडवोकेट २२७६८७
७२७ दरीवा कलां

भगवान दास जैन, एडवोकेट
दरीवा कलां

सुखवीर प्रसाद, एडवोकेट
दरीवा कलां

अजीत प्रसाद जैन, एडवोकेट २२४५१७
दरीवा कलां

भीस सेन जैन एडवोकेट
दरीवा कलां

बालक राम जैन, एडवोकेट २२०५१७
कूंचा ब्रजनाथ, चांदनी चौक

फीरोजी लाल जैन, एडवोकेट २२५३२८
क्लाथ मार्केट, चांदनी चौक

शांति किशोर एण्ड कम्पनी, इन्कमटैक्स प्रेक्टीशनर
४८१ एस्प्लेनेड रोड २६२३२

जिनेन्द्र पाल, वकील
फोर्टव्यू होटल, चांदनी चौक

कपूर चन्द्र जैन, वकील
१६६६ कटरा मारवाड़ी, नई सड़क

हीरालाल जैन, एडवोकेट
VI ३६३७ चावड़ी बाजार

गुलाब चन्द्र जैन, वकील
मंजीत मैंसन, जी. बी. रोड

जनेश्वर दास जैन, एडवोकेट २२७५०८
२६४६ बल्लीमारान, चांदनी चौक २२७५०८

परमेश्वर दास जैन, एडवोकेट
२६४६ बल्लीमारान. चांदनी चौक

लाल चन्द्र जैन, एडवोकेट
बाजार सीताराम

देवेन्द्र कुमार जैन, वकील २२७६४६
क्लाथ मार्केट, चांदनी चौक

अमर चन्द जैन, एडवोकेट २२७४८८
XIII/४५१७ सदर बाजार

इंद्रसेन जैन, वकील
कू० पातीराम, सीताराम बाजार

मोतीलाल जैन, वकील
२६ सी. रामनगर

प्रेम नाथ जैन, एडवोकेट
१ वेस्ट, सदर थाना रोड

जंग्गी लाल जैन, एडवोकेट
बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड

सिखर चन्द्र, वकील
सदर बाजार

जैन दास जैन, एडवोकेट २२६५७८
७ डिप्टीगंज

दयाल चन्द्र, वकील
सदर थाना रोड

मुरारी लाल जैन, एडवोकेट
गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी

एम० के० जैन, इन्कमटैक्स प्रेक्टीशनर [illegible]
५ डिप्टीगंज

वसंत कुमार जैन, वकील
१२ डिप्टीगंज

विनोद कुमार जैन, वकील
पहाड़ी धीरज

कैलाश चन्द्र जैन, वकील
पहाड़ी धीरज

बनारसीदास जैन, वकील
१४/४२२५ पहाड़ी धीरज

के० सी० जैन, इन्कमटैक्स प्रैक्टीशनर २२५६७०
१०२ डी. कमला नगर

किशोरी लाल जैन, वकील
१४६ ई. तिमारपुर

आदीश्वर दास जैन, वकील
३५ मोडल बस्ती

मदनलाल जैन, वकील
३६ मोडल बस्ती

चन्द्र भान जैन, एडवोकेट ५२५७६
८७० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग़

शुभचन्द्र जैन, एडवोकेट ४७८५७
७ जनपथ लेन

ईश्वर चन्द्र जैन, वकील
कृष्णा निकेतन, दिल्ली गेट

के० सी० जैन, एडवोकेट २२५०९१
नेताजी सुभाष मार्ग

प्राध्यापक व अध्यापक

दिल्ली विश्वविद्यालय

ओल्ड वाइसरीगल लाज (फोन २२८१२१)

डा० वी० डी० जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी. (लन्दन)
डी. आई. सी.
प्राध्यापक—आर्गेनिक केमिस्ट्री २२८९९४

डा० एम. पी. जैन
बी. ए. (आनर्स), एल. एल. एम.-
जे. एस. डी.
रीडर—ला डिपार्टमेंट २२८१२१

डा० एस. के. राज भंडारी
एम. काम., पी. एच. डी.
एल. एल. बी.
रीडर—बिजनेस मैनेजमेंट

श्री त्रिभुवन नाथ जैन
बी. काम. एम. बी. ए.
रीडर—बिजनेस मैनेजमेंट

डा० वी. जिनानंद
एम. ए., पी. एच. डी.
रीडर—संस्कृत व पाली २२८९९१
बुद्धिस्ट स्टडीज़

श्रीमती मोनीक क० जैन
एम. ए., डिप० रशियन
लेक्चरार—रशियन

डा० ए. सी. जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
ए. आर. आई. सी.
लेक्चरार—कैमिस्ट्री २२८९९४

डा० धर्मवीर जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
लेक्चरार—कैमिस्ट्री २२८९९४

श्री मंगल चन्द्र जैन कागजी
बी. एस. सी., एल. एल. एम.
लेक्चरार—ला डिपार्टमेंट २२९४८३

डा० एस. के. जैन
एम. ए. डाक्टरेट (पेरिस)
लेक्चरार—पोलीटिकल साइंस

कालेजों में रिकग्नाइज्ड टीचर
(आर्टस फैकल्टी)

रामजस कालेज (फोन २३७०६)

एम. पी. जैन, एम. ए.
के. आर. जैन, एम. ए.

देश बन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

जे. के. जैन, एम. ए.
(फिलोसोफी व साइकोलोजी)

लेडी श्रीराम कालेज फार वीमेन

डा० शारदा जैन, एम, ए., एल. एल. बी.
पी. एच. डी.
वाइस-प्रिंसीपल
१ दरियागंज

(मैथमेटिक्स)

हिन्दू कालेज (फोन २४३४५)

डा० पी. सी. जैन, एम. ए., पी. एच. डी,

डा० वी. एस. जैन, एम. ए.

श्री ज्योती लाल जैन, एम. ए.

देश बन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

डा० एस. के. जैन
बी. ए. (आनर्स), एम. ए.

(संस्कृत)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० वी. के. जैन, एम. ए., पी. एच. डी.

(हिन्दी)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० विमल कुमार जैन, एम. ए. पी. एच. डी.
डा० वी. के. जैन, एम. ए.

लेडी श्रीराम कालेज (फोन ७२८५०)

श्रीमती निर्मला जैन एम. ए.
अध्यक्ष हिन्दी विभाग
कूंचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

(कैमिस्ट्री)

हिन्दू कालेज (फोन २२४३४५)

श्री वंशीलाल जैन, बी. एस. सी.

(बोटेनी)

रामजस कालेज (फोन २२३७०६)

एम० पी० जैन, एम. एस. सी.

(नर्सिंग)

कालेज आफ नर्सिंग
जसवंत सिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी० जैन, एम. एस. बी. एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग

(कामर्स)

दिल्ली पोलीटेक्नीक (फोन २४८३०)

एम० एम० जैन, एम. काम.
एफ. आर. ई. एस. (लन्दन
ए. आई. आई. बी.

(सोशल वर्क)

दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क (फोन २३९९१)

एस० सी० जैन, एम. ए.

(इकानोमिक्स)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन (फोन २९२५३)

कु० मालती जैन, एम. ए.

(मेडीकल साइंसेज)

मौलाना आजाद मेडीकल कालेज (फोन ४८९१६)

डा० एस. पी. जैन
एम. बी. बी. एस.

वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट (फोन २३८४६)

डा० एन. एल. जैन
बी. एस. सी., एम. बी. बी. ए.
डी. ओ. एम. एए, (लंदन)

डा० एस. के. जैन
एम. बी. बी. एस., टी. टी. डी.

दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क
८ यूनीवर्सिटी रोड (फोन २३९९१)

एस० सी० जैन, एम. ए.

हिन्दू कालेज
इम्पीरियल एवेन्यू (फोन २४३४५)

डा० पी० सी० जैन
एम. ए., पी. एच. डी. (मैथमै०)

डा० वी० एस० जैन
एम. ए. (मैथ०)

ज्योती लाल जैन
एम. ए. (मैथ०)

डा० वी० के० जैन
एम. ए., पी. एच. डी. (संस्कृत)

वंशी लाल जैन
बी. एस.सी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट (फोन २६८०२)

डा० विमल कुमार जैन
एम. ए., पी. एच. डी. (हिन्दी)

बी० के० जैन
एम. ए. (हिन्दी)

रामजस कालेज, यूनीवर्सिटी एन्क्लेव (फोन २३७०६)

पी. जैन, एम. ए. (इंग०)
आर. जैन, एम. ए. (इंग०)
पी. जैन, एम. एस.सी. (बाटेनी)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन

अलीपुर रोड (फोन २२६२५३)

मालती जैन, एम. ए. (इको०)

दिल्ली पोलीटेकनीक

कश्मीरी गेट (फोन २२४८७०)

एम. एम. जैन
एम. काम., ए. आई. आई. बी. (बम्बई)
एफ. आर. ई. एस. (लन्दन)
सीनियर लेक्चरार—इन्डस्ट्रियल साइकोलोजी व कामर्स
१८ दरियागंज

सी. डी. शाह
बी. एससी. (आनर्स), बी. एससी. (टेक०)
लेक्चरर
६७ यू. बी. जवाहर नगर

धर्मदास जैन, एम. एस सी. (मैथ०) एल. टी.
सीनियर टीचर, टेकनीकल हायर सेकन्ड्री स्कूल
१/१६२६ मदरसा रोड, कश्मीरी गेट
कार्यालय—(फोन २२७७४७)

श्री कान्त उग्र, जी. डी. आर्ट (बम्बई)
अ० लेक्चरार आर्ट २२४८०७
डिपार्टमेन्ट आफ फाइन आर्ट
४/६२ राजेन्द्र नगर

महावीर प्रसाद जैन
३०२० मसजिद खजूर

खेमचन्द्र जैन
रेवाड़ी कटरा, सब्जीमण्डी

कालेज आफ नर्सिंग

जसवंतसिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी. चन्द्रा, एम. एस.,
बी. एस.सी. (नर्सिंग)

मौलाना आजाद मेडीकल कालेज

मथुरा रोड (फोन ४५२६२, ४८६१६, ४२२३१)

डा० एस. पी. जैन
एम. बी. बी. एस.

आल इण्डिया इन्स्टीट्यूट आफ मेडीकल साइंसेज

अंसारी नगर (फोन ७२६६०)

डा० मानकचन्द्र नौलखा
ई. १०० (ई० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

लेडी श्रीराम कालेज फार वीमेन

कालका जी रोड (फोन ७२८५०)

डा० शारदा जैन
एम. ए., एल एल. बी., पी. एच. डी.
(फिलासफी व साइकोलजी)
वाइस प्रिंसीपल, दरियागंज

श्रीमती निर्मला जैन, एम. ए. (हिन्दी)
कूचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

देशबन्धु कालेज

कालका जी (फोन ७२५६५)

जे. के. जैन, एम. ए. (इंग०)
एस. के. जैन, बी. ए. (आनर्स), एम. ए. (मैथ०)

होशियार सिंह कालेज

४४ बीदन पुरा (फोन ५४७८७)

ओ. पी. जैन, प्रिंसीपल ५४७८७

वाई. डब्लू. सी. ए. (सेक्रेटेरियल) स्कूल

अशोक रोड (फोन ४८१५३)

प्यारेलाल, लेक्चरार, जैन कालेज ४८१५३
    ६ रामा पार्क, श्रोल्ड रोहतक रोड

गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सैकन्ड्री स्कूल
राम नगर, नई दिल्ली

कु० संतोष कुमारी
    देव नगर

मलकागंज, सब्जी मंडी

कु० किरन
    दरीवा कलां

झील कुरंजा

श्रीमती कांती रानी
    धर्मपुरा

कालका जी

श्रीमती शीला जैन
    कालका जी

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (वायज)
किंग्सवे कैम्प

एम. पी. जैन, सहायक अध्यापक
डा० के. जैन, सहायक अध्यापक

शक्ति नगर

देशराज जैन, सहायक अध्यापक

मोरी गेट

एम. एस. जैन, सहायक अध्यापक

बाड़ा हिन्दूराव

आर. के. जैन, सहायक अध्यापक

सब्जी मण्डी (द्वितीय शिफ्ट)

आर. डी. जैन, सहायक अध्यापक
हुकमचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (वायज)
तिलक नगर (नं० १)

देशराज जैन, हेड क्लर्क

कुतुब रोड (द्वितीय शिफ्ट)

कुन्दनलाल जैन, एम. ए., एल. टी.
    ७/३४ दरियागंज

मोती बाग

जयकुमार जैन, सहायक अध्यापक
    एच. १०० सरोजिनी नगर

नेताजी नगर

सुशील कुमार जैन, सहायक अध्यापक
    जी. १०० नौरोजी नगर

लोदी रोड नं० १

एम. एल. जैन, सहायक अध्यापक

कृष्ण नगर

एस. पी. जैन, सहायक अध्यापक

मालवीय नगर

गुलाबचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक
    एफ. ६८ लक्ष्मीबाई नगर

जंगपुरा

एम. के. जैन, सहायक अध्यापक

लाजपत नगर (फोन ७२३२७)

नेमचन्द जैन, बी. ए. प्रभाकर
    ए. २०/३ लोदी कालोनी

शाहाबाद मोहम्मदपुर

एल. सी. जैन, सहायक अध्यापक

शकूरपुर

जुगल किशोर जैन, सहायक अध्यापक

अन्धा मुगल

पी. बी. जैन, सहायक अध्यापक

मोती नगर

भीमसिंह जैन, सहायक अध्यापक

नजफगढ़

नन्दकुमार जैन, सहायक अध्यापक

अन्य

डी. जैन
एम. पी. जैन
ज्ञानचन्द जैन
पी. सी. जैन
प्रेमचन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन

कैलाश चन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन
राजकुमार जैन
आर. के. जैन
महावीर प्रसाद जैन
देवेन्द्रकुमार जैन
सुभाषचन्द्र जैन
रामेश्वर दयाल जैन
माखनलाल जैन
सु० विद्या जैन
शांतीसागर जैन
एच. सी. जैन
सरलकुमार जैन
ज्ञानप्रकाश जैन
आर. के. जैन
एम. के. जैन
जे. के. जैन

वी. आर. गवर्नमेंट हायर सेकेंड्री स्कूल

दिल्ली-शहादरा

बाबू लाल जैन, लायब्रे रियन

जैन हायर सेकेंड्री स्कूल

दरियागंज (फोन-२२६१८३)

जुगमंदर दास एम. ए., बी. टी., प्रिंसीपल
गली छापाखाना, नेताजी सुभाष मार्ग
जयंती प्रसाद एम. ए. एल. टी.
५/ए. दरिया गंज
राम दास एम. ए. बी. टी.
अनंत राम बी. ए. बी. टी.
८० जी. पी० टेलीग्राफ क्वार्टर्स
सुरेन्द्र कुमार बी. ए. एल. टी.
४७८३ दरियागंज
इन्द्र सेन
त्रिलोक भवन, ७ दरियागंज
नरेश चन्द बी. ए. बी. टी.
७/३३ दरियागंज

प्रभू दयाल
१२६५ वकीलपुरा
हुकुम चन्द
सुमेर बिल्डिंग, २१ दरियागंज
कपूर चन्द
४२ सी. तिमारपुर
प्रेम चन्द
४२ सी. तिमारपुर
चन्द्र प्रकाश
३६५७ गली अहीरन, पहाड़ी धीरज
सजवन्त राय
जैन अनाथाश्रम, दरियागंज
पी० एन० जैन
७/३३ दरियागंज
श्री चन्द
११३२ गली सनोरा वाली
खुश दिल प्रसाद
११३२ गली समोसा

जैन संस्कृत कमशियल हायर सेकेंड्री स्कूल

कूंचा सेठ (फोन-२२७३७३)

बसंत लाल एम. ए., बी. टी. प्रभाकर, प्रिंसीपल
१५५० कूंचा सेठ
नाभि नंदन एम. ए., लेक्चरार
धन प्रकाश एम. ए., बी. टी.
हरिहर नाथ एम. ए., एल. टी., लेक्चरार
श्री कृष्ण लाल एम. ए.
सुमेर चन्द शास्त्री
सुरेन्द्र कुमार बी. ए.
ओम चन्द
शीतल प्रसाद

जैन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल

धर्मपुरा, दिल्ली

कुमारी उर्मिला जैन बी. ए., बी. टी.
श्री धन पाल जैन बी. काम
श्रीमती मैना देवी जैन जे. बी.

श्रीमती जमुना देवी जैन जे. बी.
श्रीमती कस्तूरी बाई जैन जे. बी.
श्रीमती शान्ति देवी जैन साहित्य रत्न जे. टी. सी.
श्रीमती राजमती देवी

महावीर जैन हायर सेकेंड्री स्कूल
नई सड़क

मथुरा दास
शाम लाल
कैलाश चन्द
जय प्रकाश
जैन प्रकाश
हरिश चन्द्र
धन कुमार
ओम प्रकाश
दया चन्द्र

कार्यालय— { केशोराम लायब्रेरियन
सिकत्तर पाल }

जैन श्रमणोपासक हायर सेकेंड्री स्कूल
मंडी रूई, सदर बाजार

धनदेव कुमार जैन
जिनेन्द्र कुमार जैन
शादीलाल जैन
जुगल किशोर जैन

कार्यालय— { बी. सेन
बैनी प्रसाद }

हीरालाल जैन हायर सेकेन्ड्री स्कूल
सदर बाजार (फोन २२२६७१)

मोहन लाल जन, एम. ए. बी. टी., प्रिंसिपल
नकाश भवन, गली नत्थनसिंह, पहाड़ी धीरज
बलवंत सिंह जैन एम. ए. बी. टी., वाइस प्रिंसीपल
४ डिप्टीगंज
शिवचन्द्र जैन, एम. ए. बी. टी., लेक्चरार
१२६५ चवीलपुरा
जे० बी० जैन, एम. ए. बी. टी., लेक्चरार
१३६२ बाजार गुलियान
मोती जैन, एम. ए. बी. टी., स० अध्यापक
१९ जयना बिल्डिंग, रोशनआरा रोड
अजीत प्रसाद जैन, बी. ए. बी. टी., स० अध्यापक
२३२८ बहादुर गढ़ रोड
डी० एस० गोयल, सहायक अध्यापक
२२ ए. डिप्टीगंज
हीरालाल 'कौशल' हिन्दी व धर्म शिक्षक
३७४९ गली जमादार, पहाड़ी धीरज
शिखर चन्द्र जैन बी. ए. बी. टी., सहायक अध्यापक
११ डिप्टीगंज
ज्वाला प्रसाद, एस, बी. अध्यापक
२२५७ गली अनार
ओम प्रकाश
२४ ओंकार नगर
सागर चन्द्र
२५८१ गला पीपल धर्मपुरा
श्री कृष्ण
४५४४ डिप्टीगंज
जानकी प्रसाद
५०२५ गली जैसीराम, पहाड़ी धीरज
जय कुमार
गली बरना, पहाड़ी धीरज

लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
पहाड़ी धीरज

कु० कनक माला जैन, एम. ए. बी. टी. प्रिंसिपल
४८९९ गली जाटान, पहाड़ी धीरज
कु० सुशील जैन, बी. ए. बी. टी.
४३१६ गली बहू जी, पहाड़ी धीरज
कु० शकुन्तला जैन, एम. ए. बी. टी.
३८४७ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
कु० कस्तूरी देवी जैन
४९७३ [illegible], पहाड़ी धीरज
श्रीमती मर्कनी देवी जैन
३८४८ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
श्रीमती माला देवी जैन
१६५४ नई सड़क

श्रीमती शकुंतला जैन
शिव भवन, बी. ५/१२ माडल टाउन

कु० मगनमाला जैन
३०२३ गली कायस्थान, बहादुर गढ़ रोड

जगदीश चन्द्र
४७५४ अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज

सूरजमल
४१७६ मोहल्ला अहीरन, पहाड़ी धीरज

श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेन्ड्री स्कूल
१७८ डी, कमला नगर, दिल्ली

पिंडी दास, प्रिंसीपल २२४५०६
५-डी. कमला नगर

हुकुम चंद

दीवान चन्द

खीश चन्द्र

शाम लाल

कु० चाद वाला

श्रीपाल

श्री जैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
जंगपुरा (भोगल), नई दिल्ली

श्रीमती सुशील जैन, प्रधानाध्यापिका

श्रीमती राजरानी जैन
जंगपुरा

कु० सरला जैन
दिल्ली

म्यूनीसिपल गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
गोल मार्केट (फोन ४२०६०)

कु० शाता जैन, स० अध्यापिका
६ महादेव रोड

कार्माशय हायर सेकेन्ड्री स्कूल
दरियागंज

गुलजारी लाल जैन, एम. काम.
७ दरियागंज

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (न० १)
दरियागंज

मन्नूलाल ग्यानार्थी, भापा टीचर २२४६४०
२१ दरियागंज

महेन्द्र प्रसाद जैन २२४६४०
२३३ गली जैन मन्दिर, दिल्ली-शहादरा

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (नं० ५)
करोल बाग़

केशव चन्द्र जैन, बी. एस.सी., बी. टी. ५२८१५
साइंस टीचर
४६६७/४६ रेगढ़पुरा, करोल बाग़

जे० डी० 'पथिक' बी. ए. (अ०), बी. टी. ५२८१५
मेथेमेटिक्स व इंगलिश टीचर
१८१ गवर्नमेंट क्वा०, करोल बाग़

रघुवीर सिंह जैन, बी. ए. बी. टी ५२८१५
मेथेमेटिक्स टीचर
देवीराम पार्क, गनेशपुरा

आर. के. एन. एल. एम. वर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
करोल बाग़

कु० सावित्री देवी जैन, प्रभाकर ५२८५४
लेंग्वेज़ टीचर

विद्या भवन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल
न्यू राजेन्द्र नगर

श्रीमती कस्तूरी देवी जैन, एम. ए. बी. टी.
२१ दरियागंज

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (नं० ४)
चित्रगुप्त रोड

जय कुमार जैन, बी. एस.सी., बी एड. ४३३००
साइंस अध्यापक
२७ गोल्डन पार्क, रामपुरा

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (नं० २)
आनन्द पर्वत

प्रकाश आनन्द जैन, लायब्रेरियन
२८/१४, भोलानाथ नगर, दिल्ली-शहादरा

आर. बी. हायर सेकेंड्री स्कूल
रीडिंग रोड-(फोन ४८१६४)

सुरेन्द्र लाल जैन, सहायक अध्यापक
बी १८/३५० लोदी कालोनी

म्युनिसिपल कार्पोरेशन गर्ल्स मिडिल स्कूल
जामा मसजिद (१)

वी० के० जैन, सहायक अध्यापिका

अनारकली बिल्डिंग, पुल बंगश

श्रीमती संतोष जैन
सहायक अध्यापिका

बी. डी. यू. सी रामजस मिडिल स्कूल
बल्लीमारान, चांदनी चौक

पी. एस. जैन, एम. ए., बी. एड.
मुख्याध्यापक
१११४, कूंचा उस्ताद हीरा, दरीबा

इंदर सेन जैन, बी. ए., बी. टी. इंगलिश टीचर
७०५० पहाड़ी धीरज

शील चन्द्र जैन, एफ. ए., स० अध्यापक
२१ दरियागंज

रामजस ए. बी. मिडिल स्कूल
चवड़ी बाजार

नाहर सिंह जैन, बी. एस.सी., बी एड २२८६५७
साइंस टीचर

म्यू० कार्पोरेशन सी. बेसिक स्कूल गर्ल्स
विराग दिल्ली
लाजपत नगर

श्रीमती मौलश्री जैन
सहायक अध्यापिका

फंशा वाला

श्रीमती मगन माला जैन
स० अध्यापिका

सु० दुलारी जैन, एम. ए., बी. एड.
स० अध्यापिका

म्युनिसिपल कार्पोरेशन सीनियर बेसिक स्कूल (बायज)
शादीपुर

प्रकाश चन्द्र जैन, हैड मास्टर
चाहरहट (निकट जामा मसजिद)

रामपुर

के. कुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

म्युनीसिपल कार्पोरेशन जूनियर बेसिक स्कूल (बायज)
डल्लूपुर

ज्ञानचन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

जैन हेपी स्कूल
लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली

श्रीमती सावित्री जैन
११, फॉच स्क्वेअर

श्रीमती कमला जैन

हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल
सदर बाजार

चन्द्रपाल
२८७८ जैनपुरी, किनारी बाजार

शंकर लाल
१६/८३ मोती बाग, सराय रोहिला

रामचन
२१ नार्थ, बस्ती हर्फूलसिंह, सदर बाजार

जुगमंदर दास
गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

श्री महावीर जैन मांटेसरी स्कूल
३५-डी. कमला नगर, दिल्ली (फोन-२२४५०६)

श्रीमती प्रकाश

जैन प्राइमरी स्कूल
दिल्ली-शाहदरा

ज्योती प्रसाद जैन, मुख्याध्यापक
गली पन्ना वाली, फर्श बाजार

रामधारी जैन, सहायक अध्यापक

पूर्णचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

जय किशन जैन, सहायक अध्यापक

निर्मलचन्द्र जैन

एम. बी. कोएजुकेशन प्राइमरी स्कूल
[illegible]

कपूर चन्द जैन, सहायक अध्यापक

एम. बी. बायज हाई स्कूल
[illegible]

[illegible] सिंह जैन, सहायक अध्यापक

एम. वी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल
जोर वाग
श्रीमती जय देवी जैन, वी. ए., सहायक अध्यापिका
ए. २०/३ लोदी रोड

एम. वी. वायज प्राइमरी स्कूल
लोदी रोड (नं० १)
सुगनचन्द्र जैन, असिस्टेंट टीचर

एम. वी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल
विनय नगर (III)
कु० किरनमाला जैन, सहायक अध्यापिका

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल (गर्ल्स)
जंगपुरा एक्सटैंशन
सु० सरला कुमारी जैन, प्रभाकर
सहायक अध्यापिका

पहाड गंज (मंडी घी)
श्रीमती तारावती जैन, सहायक अध्यापक

दरीवा कलां (II)
श्रीमती राजरानी जैन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

कूंचा घासीराम
श्रीमती शान्तीदेवी जैन
असिस्टेंट टीचरेस

बल्लीमारान (II)
सु० धन्नो जैन
असिस्टेंट टीचरेस

रंग महल (१)
कु० कुसुम लता जैन, वी.ए., प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

नवी करीम (II)
सु० ऊषा जैन
असिस्टेंट टीचरेस

वाड़ा हिन्दूराव (१)
सु० उर्मिला जैन
असिस्टेंट टीचरेस

शक्ति नगर
सु० कलावती जैन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

मोडल वस्ती (१)
श्रीमती मोहनी माला जैन
सहायक अध्यापिका

गवर्नमेंट क्वार्टर्स (१)
सु० शकुन्तला जैन
असिस्टेंट टीचरेस

जी. टी. रोड (१)
सु० मनोरमा देवी जैन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

कालका जी (१)
सु० कमलादेवी जैन
असिस्टेंट टीचरेस

किलोकरी कालोनी
श्रीमती कान्ता जैन
असिस्टेंट टीचरेस

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल
दरियागंज (१)
वीर सेन जैन, एफ. ए.
असिस्टेंट टीचर

ईदगाह रोड
खेमचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

तुर्कमान रोड (II)
आर. एस. जैन
असिस्टेंट टीचर
घमंडीलाल जैन
असिस्टेंट टीचर

मंटोला (पहाड़गंज १)
अमीर चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

बगीची तनसुखराय, अजमेरी गेट
सियाराम जैन
असिस्टेंट टीचर

नया दरीबा

बनवारी लाल जैन
    असिस्टेंट टीचर

किनारी बाजार

शेखर चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

बाजार सीताराम (१)

धनकुमार जैन
    असिस्टेंट टीचर

मोहल्ला दासान (१)

डालचन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

डा० एस. पी. मुकर्जी मार्ग

विक्रम सेन जैन
    असिस्टेंट टीचर

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल
लाल दरवाजा (२)

राधेश्याम, बी. ए. बी. टी.
    असिस्टेंट टीचर

लेंसर्स रोड

महावीर प्रसाद जैन
    असिस्टेंट टीचर

मोरी गेट

नानक चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

नार्दन रेलवे कालोनी

सुखमाल सिंह
    असिस्टेंट टीचर

बस्ती रेगढ़पुरा

श्रीराम, बी. ए. बी. टी.
    असिस्टेंट टीचर

ओल्ड राजेन्द्र नगर १

विजय सेन जैन
    असिस्टेंट टीचर

तिलक नगर

ओम प्रकाश जैन, एफ. ए. सी. टी.
    असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती १

पवन कुमार जैन
    असिस्टेंट टीचर

हेम चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती २

श्याम लाल जैन
    असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगंज (१)

वीर सेन जैन
    असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगंज (२)

कृष्ण लाल जैन

बाड़ा हिन्दू राव (१)

ओम प्रकाश जैन

ईदगाह रोड (१)

दौलतराम जैन
    असिस्टेंट टीचर

काबुली गेट (२)

सुमत प्रसाद जैन
    असिस्टेंट टीचर

सब्जी मण्डी (१)

मूल चन्द्र, प्रभाकर
    असिस्टेंट टीचर

वीर सेन, प्रभाकर
    असिस्टेंट टीचर

रोशन आरा रोड (२)

शेखर चन्द्र
    असिस्टेंट टीचर

निकल्सन रोड (II)

दिलास चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

लाल चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

पहाड़ गंज (प्रथम शिफ्ट)

शेखर चन्द्र जैन
    असिस्टेंट टीचर

वी. सराय रोहेला

वीर सेन जैन
 असिस्टट टीचर

गुनेशपुरा

जसवन्त राय जैन
 असिस्टैंट टीचर

पत्रकार (जर्नलिस्ट)

अक्षय कुमार
 प्रधान सम्पादक, 'नवभारत टाइम्स' २२८१६१
 ३३-३४, नेता जी सुभाष मार्ग २२४६६०

जैनेन्द्र कुमार
 ७/३६ दरियागंज

डा० इन्द्र चन्द्र शास्त्री
 १०/१७ शक्ति नगर

यशपाल
 सम्पादक 'जीवन साहित्य'
 ७/८ दरियागंज

ज्ञानेन्द्र प्रकाश
 सम्पादक 'सेवा ग्राम',
 १ दरियागंज

वी. वी. कपासी
 एक्रेडिटिड करसपोंडेंट
 (इकानामिक न्यूज एण्ड वियूज सर्विस)
 वी. ५ पंडारा रोड

पं० अजीत कुमार शास्त्री
 सम्पादक 'जैन गज़ट'
 अभय प्रेस, अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज

मुनीन्द्र कुमार
 स० सम्पादक 'खेती' (आई.सी ए.आर.) ३०१६१/७
 २/६ माडल टाउन, माल रोड

राकेश जैन
 सम्पादक 'समाज कल्याण'
 २ गली नाई वाली, करोल बाग़

शांतिलाल वी. सेठ
 सम्पादक 'जैन प्रकाश'
 माली वाड़ा

गिरी लाल जैन
 स्पेशल करसपोंडेंट, 'टाइम्स आफ इण्डिया' २८१६१
 ७/२३ दरियागंज २२६०६१

आनन्द स्वरूप
 (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
 २३ दरियागंज २२८१६४

ज्ञान चन्द्र
 सेंट्रल हिन्दी डायरेक्टोरेट

प्रकाश चन्द्र 'शास्त्री'
 सम्पादक 'सन्मति संदेश'
 ५३५ गांधी नगर

अमृत लाल जिंदल
 ११५ सुन्दर नगर

गोकुल प्रसाद
 २१ दरियागंज

बनवारी लाल 'स्याद्वादी'
 सम्पादक 'वीर'
 २२०० गली भूतवाली, धर्मपुरा

नरेन्द्र जैन करोसपोंडेट (लिंक)
 ५/ए दरियागंज

प्रकाश चन्द्र (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
 नाई वाड़ा

पारस दास (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
 जैन भवन, उर्दू बाजार

रमेश चन्द्र 'प्रेम'
 (नवभारत टाइम्स)
 ४८/दरियागंज २२८१६१

सुशील कुमार २२८१६१
 (नवभारत टाइम्स)
 ६, दरियागंज

देव कुमार
 १ दरियागंज

नरेन्द्र पाल नरेश २२८१६१/३८
 (नवभारत टाइम्स)
 ६६५/११७ शांति भवन, कैलाश नगर

चार्टर्ड एकाउंटेंट

आनन्द कुमार (मेघ आनन्द एण्ड कम्पनी)
    ५ डिप्टीगंज
जितेन्द्र कुमार (जे० एम० बेहल एण्ड कम्पनी)
    १०० गज्जू कटरा, दिल्ली-शाहादरा
एन० सी० जैन (एन० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    ४२७ एस्प्लेनेड रोड
पदम कुमार
    २५७५ फैज बाजार
सुरेन्द्र कुमार
    फैज बाजार (अशोक प्रेस के ऊपर)
त्रिलोक चन्द्र (टी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    १३७९ चांदनी चौक
सत्यवादी कपूर चन्द्र
    १०२ डी. कमला नगर
बी० सी० जैन
    ६ डिप्टीगंज, सदर बाजार
डी० सी० जैन (डी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    १३५७ वैदवाड़ा
एन० के० जैन
    ३८४० गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
एन० एस० जैन (एस० एस० कोठारी एण्ड कम्पनी)
    ३७७८ नेताजी मार्ग
जितेन्द्र कुमार, अ० अ० आफीसर (आई० ए० सी०)
    १८ बी. अजमेरी गेट एक्सटेंशन
मेघ कुमार
    ६ रोहतक रोड
सज्जन मल दूगड़, अका० आफीसर   २६६१९
    (एक्स्प० ला० उ०)
    २४ भरतराम रोड, दरियागंज   २२९६८०
एम० आर० भंडारी
    सेक्रेट्री हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइड्स लि०
    नजफगढ़ रोड

फोटो ग्राफर

मोतीराम जैन   २२९९१०
    आनि० फोटो ग्राफीसर (इ० एण्ड ब्रा० मिनिस्ट्री)
    गली कन्हैया लाल अत्तार, चर्खेवालान
प्रेम चन्द्र जैन
    गली कन्हैया लाल अत्तार, चर्खेवालान
तारा चन्द्र जैन
    (पब्लीकेशन डिवीजन)
त्रिलोक चन्द्र जैन
    डायरेक्टोरेट आफ एड० एण्ड विजुअल पब्लिसिटी
शान्ति प्रसाद जैन
    जैन स्टूडियो
    ६ बी, कनाट प्लेस
विजय फोटो स्टूडियो
    चांदनी चौक
लालचन्द एण्ड संस
    दरीबा कलां
जैनको फोटोव्यूज पब्लिशर्स
    धर्मपुरा
कपूरचन्द्र जैन
    धर्मपुरा
अमर चन्द्र जैन
    धर्मपुरा
प्रकाशचन्द्र
    धर्मपुरा
जैना फोटो सर्विस
    २२५० गली अनार, किनारी बाजार
हरिश्चन्द्र जैन
    २२४४ गली अनार, किनारी बाजार
पदम सैन जैन
    आर्यपुरा, सब्जी मण्डी
बी. दयाल एण्ड संस
    II १३५ सदर बाजार, दिल्ली कैंट

लायब्रेरियन

निर्मल कुमार जैन
    जूनि० लायब्रेरियन, पी. आई. बी.
प्रेमकुमार जैन
    जूनि० लायब्रेरियन
    नेहरू मार्केटोलोजिकल लायब्रेरी
नरेश चन्द्र

जैन गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, जंगपुरा

टी. सी. जैन

जैन हायर सेके० स्कूल, दरियागंज

महेन्द्र कुमार

सैन्ट्रल एजूकेशनल लायब्रेरी

केशोराम

म० जैन हायर सेके० स्कूल, नई सड़क

एस. पी. जैन

जैन लायब्रेरी, पहाड़ी धीरज

बखतावर लाल

वर्धमान लायब्रेरी, धर्मपुरा

बाबू लाल

वी. आर. गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, शहादरा

नर्स

श्रीमती के. सी. जैन

विलिंगडन हास्पिटल

डा० तारा जैन

डा० प्रेम जैन

श्रीमती जमनादेवी, श्री कांशीराम जैन धर्मार्थ औषधालय, सदर बाजार, डिप्टीगंज

इन्श्योरेंस एजेन्टस

गुलाब चन्द २२३०००

१७४९ हरदयाल स्ट्रीट, मालीवाड़ा

सी. एल. जैन २२३५३३

२१ नेताजी सुभाष मार्ग

एच. सी. जैन २२८८९३

ब्रा० मैनेजर (लाइफ इन्श्यो० कार्पोरेशन)

सुभाष बिल्डिंग, आसफ अली रोड

आर. सी. जैन ४३६५४

इन्चार्ज, न्यू एशिया० कनाट सर्कस

रतन चन्द ५५०३६

लाइफ इंश्योरेंस एक्सपर्ट, ५९/१५ वे० एक्स. एरिया रोहतक रोड

ओम प्रकाश

पहाड़ी धीरज

वैज्ञानिक, साहित्यकार व विद्वान

वैज्ञानिक

डा० डी. एस. कोठारी

एम. एससी. (इलाहाबाद) ३२७६८

पी. एच. डी. (केम्ब्रिज), एफ. एन. आई. २२८६६३

५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

प्राध्यापक (फिजिक्स)—(१) इलाहबाद विश्वविद्यालय (१९२८-३४) (२) दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यक्ष—फिजिक्स विभाग (१९३४-६१)

डीन फैकल्टी आफ साइंस—दिल्ली विश्वविद्यालय

साइंटिफिक एडवाइज़र–मिनिस्टर आफ डिफेंस (१९४८-६१)

चेअरमेन—रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट कमेटी मिनिस्ट्री आफ डिफेंस (सन १९४८ से)

सदस्य (गवर्निंग बाडी)—काउंसिल आफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च

चेअरमेन—एअरोनोटीकल रिसर्च कमेटी (सी. एस. आई. आर.)

मनोनीत जनरल प्रेसीडेंट—इन्डियन साइंस कांग्रेस (भावी जुबली सेशन—१९६३)

चेअरमेन—यूनिवर्सिटी ग्रांटस कमीशन, रफी मार्ग (सन १९६१ से)

शोध विषय—थियोरी आफ फ्रेगमेंटेशन आफ स्टेलर बाडीज़

लेखक—न्यूक्लियर एक्सप्लोजंस एण्ड देयर इफैक्टस पब्लीकेशंस डिवीजन—भारत सरकार द्वारा प्रकाशित प्रथम संस्करण—१९५३—द्वितीय संस्करण १९५८ जर्मन व जापानी में अनुवादित।

लेख, निबन्ध आदि—(१) थर्मोडायनेमिक व इलेक्ट्रिकल प्रापर्टीज आफ डीजेनेरेट मैटर

(२) थियरी आफ व्हाइट ड्वार्फ्स

(३) प्रेशर इओनाइजेशन

(४) स्टेटिस्टीकल मेकेनिज्म व पार्टीशन थियोरी आफ नम्बर्स का सम्बन्ध

साहित्यकार

१. आचार्य जुगल किशोर मुख्तार 'युगवीर'

इतिहासकार व रिसर्च स्कालर

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज

स्वरचित ग्रन्थ—'मेरी भावना', 'अध्यात्म रहस्य', 'जैन ग्रन्थ प्रशस्ति संग्रह', 'युगवीर भारती', 'समन्तभद्र विचार दीपिका', 'परिग्रह का प्रायश्चित', 'महावीर का सर्वोदय तीर्थ', 'सेवा धर्म', 'अनेकान्त रस लहरी', 'विवाह समुद्देश्य', 'जैनाचार्यों का शासन-भेद', 'ग्रन्थ-परीक्षा ४ भाग माला', पूजाधिकार मीमांसा', 'विवाह क्षेत्र प्रकाश', 'हम दुःखी क्यों', 'उपासना तत्व', 'जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश।

अनुवादित और सम्पादित ग्रन्थ–'पुरातन जैन वाक्य सूची', 'स्वयम्भूस्तोत्र', 'स्तुति-विद्या', 'अध्यात्म कमल मार्तण्ड', की प्रस्तावना 'युक्त्यनुशासन', 'सत्साधु-स्मरण मंगलपाठ', 'अनित्य-भावना', 'उमास्वामी श्रावकाचार-परीक्षा', '[illegible] [illegible] व [illegible]', 'कर्म-प्रकृति' (प्राकृत), 'समीचीन धर्मशास्त्र' आदि।

लेख व निबन्ध—१ श्री कुन्दकुन्द और [illegible] के पूर्ववर्ती कौन हैं, २ [illegible], ३ [illegible] की दूसरी प्राचीन [illegible], ४ [illegible]

व्यवहार कहां ?, ५ आर्य और म्लेच्छ, ६ सकाम-धर्म-साधन, ७ 'गोत्र-सम्बन्धी विचार' पर सम्पादकीय नोट, ८ गोत्रकर्म पर शास्त्री जी का उत्तर लेख, ९ अन्तरद्वीपज मनुष्य, १० श्री पूज्यपाद और उनकी रचानायें, ११ हेमचन्द्राचार्य-जैन-ज्ञानमंदिर, १२ योनिप्राभृत और जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला, १३ स्वामी पात्रकेसरी और विद्यानन्द (परिशिष्ट), १४ 'जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला' पर सम्पादकीय नोट, १५, जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला की पूर्णता, १६ तत्त्वार्थाधिगमसूत्र की एक सटिप्पण प्रति, १७ धवलादि-श्रुत-परिचय, १८ जैन लक्षणावली, १९ 'तत्त्वार्थभाष्य और अकलंक' पर सम्पादकीय विचारणा, २० होली का त्यौहार, २१ प्रभाचन्द्र का तत्त्वार्थ सूत्र, २२ प्रो. जगदीशचन्द्र और उनकी समीक्षा, २२ चित्रमय जैनी नीति, २४-२६ समन्तभद्रविचारमाला—(क) स्व-पर-वैरी कौन ? (ख) वीतराग की पूजा क्यों ? (ग) पुण्य-पाप-व्यवस्था, २७ 'सिद्ध प्राभृत' पर सम्पादकीय नोट, २८ भक्तियोग-रहस्य, २९ कवि राजमल्ल और राजा भारमल्ल, ३० वीरनिर्वाण-संवत् की समालोचना पर विचार, ३१ परिग्रह का प्रायश्चित, ३२ महत्व की प्रश्नोत्तरी, ३३ श्वेताम्बर तत्त्वार्थ सूत्र और उसके भाष्य की जाँच, ३४ अनेकान्त के मुख पृष्ठ का चित्र, ३५ 'सर्वार्थसिद्धि' पर समन्तभद्र का प्रभाव, ३६ समन्तभद्र का एक और परिचय-पद्य, ३७ अनेकान्त-रस-लहरी, ३८ वीर-शासन की उत्पत्ति का समय और स्थान ३९ स्वामी समन्तभद्र धर्मशास्त्री, तार्किक और योगी तीनों थे, ४० समीचीन-धर्मशास्त्र और उसका हिन्दी भाष्य, ४१ ऐतिहासिक घटनाओं का एक संग्रह, ४२ गोम्मटसार और नेमिचन्द, ४३ मूलाचार और कार्तिकेयानुप्रेक्षा, ४४ भट्टारकीय मनोवृत्ति का एक नमूना, ४५ 'वानर महाद्वीप' पर सम्पादकीय नोट, ४६ जीवस्वरूप-जिज्ञासा (प्रश्नावली), ४७ श्रीअकलंकदेव और विद्यानन्द की राजवार्तिकादि कृतियों पर पं० सुखलाल जी के गवेषणापूर्ण विचार, ४८ पं० महेन्द्रकुमार की का लेख, ४९ गदर से पूर्व की लिखी हुई ५३ वर्ष की 'जंत्री खास', ५० रद्दी में प्राप्त हस्त-लिखित जैन-अजैन ग्रन्थ, ५१ ऐलक-पद-कल्पना (संशोधित और परिवर्धित संस्करण), ५२ रत्नकरण्ड के कर्तृत्व-विषय में मेरा विचार और निर्णय, ५३ सन्मतिसूत्र और सिद्धसेन ५४ समवसरण में शूद्रों का प्रवेश, ५५ जैन कॉलोनी और मेरा विचार-पत्र, ५६ सन्मति-विद्याविनोद, ५७ अष्टसहस्री की एक प्रशस्ति, ५८ 'जैनागम और यज्ञोपवीत' पर सम्पादकीय विचारणा, ५९ एक प्राचीन ताम्रशासन, ६० गलती और गलतफहमी, ६१ विपुलाचल पर वीर-शासन-जयन्ती का अपूर्व दृश्य, ६२ कलकत्ता में वीर-शासन का सफल महोत्सव, ६३ संस्कृत 'कर्मप्रकृति', ६४ भारत की स्वतन्त्रता, उसका झंडा और कर्तव्य, ६५ वीर-तीर्थावतार, ६६ श्रीवीर का सर्वोदय-तीर्थ, ६७ वीर-शासन के कुछ मूल सूत्र आदि ।

२. श्री जैनेन्द्र कुमार

उपन्यासकार, कहानीकार, व निबन्धकार

निवास, ७/३६ दरियागंज २२४१०६

कार्यालय—८ ऋषि भवन फैज़ बाजार २२४६५६

उपन्यास—सुखदा, विवर्त, व्यतीत, आदि ।

निबन्ध—काम, प्रेम और परिवार, प्रस्तुत प्रश्न, पूर्वोदय, साहित्य का श्रेय और प्रेय, मन्थन, सोच-विचार, आदि ।

कहानियां—(प्रथम भाग) फांसी, 'जय सन्धि' 'स्पर्द्धा' 'निर्भय' तथा अन्य क्रान्तिकारी कहानियां (द्वितीय भाग) 'पाजेब' 'आत्म शिक्षण' 'तमाशा आदि। (तृतीय भाग) 'तत्सत' 'देवी-देवता' 'लाल सरोवर' तथा अन्य दार्शनिक सत्यों की प्रतीकात्मक कहानियां । (चतुर्थ भाग) 'परदेशी' 'नादिरा' 'एक रात' 'उर्वशी आदि । (छटा भाग) 'चलित चित्त' 'कःपन्था' 'साधु की हट' आदि ।

अनुवाद—'पाप और प्रकाश' 'टाल्सटाय के प्रसिद्ध नाटक 'दी पावर आफ़ डार्कनेस' का अनुवाद ।

३. आचार्य चंद्र शेखर शास्त्री

इतिहासकार, उपन्यासकार मंत्र शास्त्री व रिसर्च स्कालर

भूतपूर्व—सम्पादक 'नवभारत टाइम्स'

भूतपूर्व—अध्यक्ष 'जैन दर्शन विभाग' बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय ।

४५६६, बाजार पहाड़गंज, नई दिल्ली-६

उपन्यास—'श्रेणिक विम्बसार' आदि ।

इतिहास– 'भारतीय आतंकवाद का इतिहास आदि ।

४, डा इन्द्र चन्द्र शास्त्री एम० ए० पी० एच० डी० शास्त्राचार्य वेदांत वारिधि, न्यायतीर्थ लेखक, वक्ता व पत्रकार

अध्यक्ष—संस्कृति विभाग, इंस्टीच्यूट आफ पोस्ट ग्रेजुऐट स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय

निवास—१०/१७ शक्ति नगर २९९३२

स्व रचनाएंलेख व निबंध—Jain theory of knowledge' 'भारतीय संस्कृति की दो धाराऐं, 'कांटों के राही' (कहानी संग्रह) 'श्री जैन सिद्धान्त बोल-संग्रह' (७ भाग) आदि।

लेख व निबंध—Jainism and the way to spiritual realisation, Panch Shila 'Jain Scripturs, (2 papers). Jain theory of knowledge' 'Lord Mahavira a great democrat. 'Authority as a of knowledge. Jainism and democracy आदि।

सम्पादन कार्य—'श्रमण मासिक (१९४९-५४), जैन प्रकाश' (१९४२-५३) व 'भारतीय संस्कृति (१९५५-५७)

५. पं० दरबारी लाल कोठिया, एम. ए. न्यायाचार्य

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१, दरियागंज

लेख व निबन्ध—१ परीक्षामुख और उसका उद्गम, २ वीर शासन और उसका महत्व, ३ समन्तभद्र और दिग्नाग में पूर्ववर्ती कौन ? ४ तत्त्वार्थसूत्र का मंगलाचरण (दो लेख), ५ भगवान् महावीर और उनका अहिंसा। सिद्धांत ६ क्या निर्युक्तिकार भद्रबाहु और स्वामी समन्तभद्र एक हैं ? क्या रत्नकरण्डश्रावकाचार स्वामी समन्तभद्र की कृति नहीं है ? ८ नागार्जुन और समन्तभद्र, ९ साहित्य परिचय और समालोचन १० आचार्य अनन्तवीर्य और उनकी सिद्धिविनिश्चय टीका, ११ आचार्य विद्यानन्द का समय और स्वामी वीरसेन, १२ आचार्य माणिक्यनन्दि के समय पर अभिनव प्रकाश. १३ आचार्य विद्यानन्द के समय पर नवीन प्रकाश, १४ क्या भद्रबाहु स्वामी और निर्युक्तिकार एक हैं ? १५ गुणचन्द्र मुनि कौन हैं ? १६ नन्दगण क्षेत्र का अति प्राचीन उल्लेख, १७ क्या दर्शना का धर्म सदन है ? १८ कौन सा कुंडलगिरि सिद्धक्षेत्र है, १९ रत्नकरण्ड और आप्तमीमांसा का एक कर्तृत्व प्रमाण सिद्ध है, २० रत्नकरण्ड-टीका और प्रभाचन्द्र का समय, २१ वीरसेन स्वामी के स्वर्गारोहण समय पर एक दृष्टि, २२ 'संजद' पद के सम्बन्ध में अकलंकदेव का महत्वपूर्ण अभिमत, २३ वादीभसिंह सूर की एक अधूरी अपूर्व कृति, २४ समन्तभद्र भाष्य २५ संजयवेलट्ठि पुत्र और स्याद्वाद, आदि।

६. पं० परमानन्द शास्त्री
लेखक व रिसर्च स्कालर

कार्यालय—जैन साहित्य सदन दि० जैन लाल मंदिर चांदनी चौक

निवास—दरियागंज सेवा ग्राम के ऊपर

लेख व निबन्ध—१ अपराजितसूरि और विजयोदया, २ प्रमाणनयतत्त्वालोकालंकार की आधार भूमि, ३ भगवती आराधना और शिवकोटि, ४ मूलाचार संग्रह ग्रंथ है, ५ श्रावण-कृष्ण-प्रतिपदा की स्मरणीय तिथि, ६ शिक्षा का महत्व, ७ अतिप्राचीन प्राकृत पंचसंग्रह, ८ गोम्मटसार संग्रह ग्रंथ है, ९ अहिंसातत्त्व, १० श्वेताम्बर कर्मसाहित्य और दिगम्बर पंचसंग्रह, ११ धर्म प्रभाविका और पं० सदासुख जी, १२ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुटिपूर्ति, १३ सिद्धसेन के सामने सर्वार्थसिद्धि और राजवार्तिक, १४ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुटिपूर्ति के विचार पर प्रकाश १५ कर्मबन्ध और मोक्ष, १६ तत्त्वार्थसूत्र के बीजों की खोज, १७ तिलोयपण्णत्ति में उपलब्ध [illegible], १८ बनारसी नाममाला, १९ श्वेताम्बरों में भी भगवान महावीर के अविवाहित होने की मान्यता, २० [illegible] दिगंबर है श्वेताम्बर ? २१ अपभ्रंश भाषा का [illegible]-चरित्र, २२ अपभ्रंश भाषा के प्रसिद्ध कवि [illegible], २३ कविवर भगवतीदास और उनकी रचनाएं, २४ [illegible] का अन्तःपरीक्षण, २५ [illegible], २६ समर्थन, २७ [illegible], २८ [illegible] में एक महीना, २९ [illegible] नाम के [illegible], ३० भगवतीदास नाम के चार विद्वान, ३१ [illegible] और [illegible], ३२ [illegible], ३३ [illegible] नाम के तीन विद्वान, ३४ [illegible] ३५ [illegible] का समय, ३६ [illegible], ३७ अपभ्रंश भाषा का जैन [illegible], ३८ [illegible]

कविवर लक्ष्मण और जिनदत्तचरित्र, ३६ धर्मरत्नाकर और जयसेन नाम के आचार्य, ४० भगवान् महावीर, ४१ महाकवि सिंह और प्रद्युम्नचरित, ४२ श्रीधर या विवुध-श्रीधर नाम के विद्वान, ४३ चतुर्थ वाग्भट और उनकी कृतियां, ४४ ब्रह्म श्रुतसागर का समय और साहित्य, ४५ अपभ्रंश भाषा के दो महाकाव्य और नयनन्दी, ४६ ग्वालियर-किले का इतिहास, ४७ पं० दौलतराम और उनकी रचनाएं, ४८ पं० सदासुखदास जी, ४६ आचार्यकल्प पं० टोडरमल्लजी, ५० पांडे रूपचन्दजी और उनका साहित्य, ५१ महाकवि रइधू, ५२ यशोधरचरित्र के कर्त्ता पद्मनाभ कायस्थ, ५३ सोलहवीं शताब्दी के दो अपभ्रंश काव्य, ५४ भगवान महावीर और उनका सर्वोदय तीर्थ, ५५ कविवर पं० दौलतराम, ५६ आमेरभंडार का प्रशस्तिसंग्रह, ५७ कविवर द्यानतराय, ५८ कविवर भगवतीदास प्रथम और उनकी रचनाएं, ५६ अपभ्रंश भाषा का पासचरित और कविवर देवचन्द, ६० आचार्य कुन्दकुन्द, ६१ बुन्देलखण्ड के कविवर देवीदास, ६२ ब्रह्म जिनदास, ६३ कविवर बुधजन और उनकी रचनाएं, ६४ हेमराज गोदीका और प्रवचन-सार का पद्यानुवाद, ६५ विजोलिया के शिलालेख, ६६ साहित्य-परिचय और समालोचन, ६७ श्री पार्श्वनाथ मंदिर व कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद, ६८ अध्यात्मतरंगिणी टीका, ६६ अपभ्रंश भाषा के कुछ अप्रकाशित ग्रंथ, ७० आकिचैन्य धर्म, ७१ उत्तम क्षमा, ७२ उत्तम तप, ७३ कविवर भूधर दास और उनकी विचारधारा, ७४ कुछ नई खोजें ७५ गोम्मट सार जीवकाण्ड का हिन्दी पद्यानुवाद, ७६ जैन साहित्य का दोष पूर्ण विहंगवलोकन, ७७ मूलाचार संग्रह ग्रंथ न होकर आचारांग के रूप में मौलिक ग्रंथ है, ७८ हमारी तीर्थ यात्रा के संस्करण (६ लेख), ७६ साहित्य परिचय और समालोचन (५ लेख), ८० अतिशय क्षेत्र खुजराहो, ८१ अपभ्रंश भाषा का जम्बू स्वामी चारित्र और महा कवि वीर, ८२ अपभ्रंश भाषा का पार्श्वनाथ चरित्र, ८३ अहिंसा तत्त्व, ८४ क्या ग्रंथ-सूचियों आदि पर से जैन साहित्य के इतिहास कानिर्माण सम्भव है, ८५ कोल्हापुर के पार्श्वनाथ मन्दिर का शिलालेख, ८६ चन्द्रगुप्त मौर्य और विशाखाचार्य, ८७ दिल्ली और उसके पांच नाम, ८८ दीवान अमरचन्द्र, ८६ दीवान रामचन्द्र छावड़ा, ६० धारा और धारा के जैन विद्वान, ६१ नाम कुमार चरित्र और कवि धर्मधर, ६२ पं० जयचन्द और उनकी साहित्य सेवा ६३ पं० दीपचन्द्र जी शाह और उनकी रचनाएं, ६४ घोषहरास और भ० ज्ञान भूषण, ६५ वागड़ प्रान्त के दो दिगम्बर जैन मन्दिर, ६६ भगवान महावीर, ६७ भट्टारक युतकीर्ति और उनकी रचना, ६८ महा पुराण कालिका और कवि ठाकुर, ६६ गाजियाबाद के जैन शास्त्र भंडार में उल्लेखनीय ग्रंथ, १०० विश्व की अशांति को दूर करने का उपाय, १०१ श्रम संस्कृति तैयारी, १०२ श्रीधवल ग्रंथों के दर्शनों का अपूर्व आनन्द भोजन, १०३ वीर शासन जयन्तीमहोत्सव, १०४ साहित्य परिचय और सम्मेलन (४ लेख) १०५ हस्तिनागपुर का बड़ा जैन मन्दिर, १०६ हिन्दी भाषा के कुछ ग्रंथों की नई खोज, १०७ हुंवड या हुँवडवश और उसके महत्वपूर्ण कार्य, १०८ कवि ठकुरसी और उनकी रचनाएं, १०६ कविवर भगवतीदास, ११० कसाया पाहुड और गुंणधराचार्य १११ क्या भ० वर्धमान धर्म के प्रवर्तक थे, ११२ धारा और धारा के जैन विद्वान, द्वितीय लेख; ११३ पं० भागचन्द्र जी, ११४ पार्श्वनाथ वस्ति का शिलालेख, ११५ महा कवि स्वंयभू और उनका तुलसीदास जी की रामायण पर प्रभाव, ११६ महावीर के विवाह के सम्बन्ध में श्वेताम्बरों की दो मान्यताएं, ११७ रूपक काव्य परम्परा ११८ वीर शासन जयन्ती का महल, ११६ श्री बाबा लालमन दास जी और उनकी तपश्चार्य की महत्ता १२० सम्पादकीय नोट, १२१ साहित्य परिचय और सम्मेलन (दो लेख), १२२ हिन्दी का अप्रकाशित जैन साहित्य, १२३ जैन साहित्य में आगरा, १२४ ज्ञान भूषण नामके दो विद्वान, १२५ भ० यशकीर्ति, १२६ अर्हद् महानद, १२७ दिल्ली का इतिहास ।

अनुवादित व सम्पादित—(१) समाधित भाषा और इष्टोपदेश (२) एकीभाव स्तोत्र (३) अध्यात्म कमल मार्तण्ड (४) मोक्ष मार्ग प्रकाश (५) सुख की एक झलक (६) श्रावक धर्म संग्रह (७) जैन साहित्य शिक्षा संग्रह (८) प्रशस्ति संग्रह की प्रस्तावना (६) 'अनेकान्त' का प्रकाशन तथा सम्पादन ।

७. श्री ऋषभ चरण जैन

उपन्यासकार व कहानीकार

धर्मपुरा, किनारी बाजार

उपन्यास—१. मन्दिर दीप, २. तपोभूमि, ३. हिज हाइनेस, ४. हर हाइनेस, ५. चम्पाकली, ६. बुर्दाफरोश, ७. मयखाना, ८. तीन इक्के, ९. पैसे का साथी, १०. वेश्या पुत्र, ११. मास्टर साहब, १२, रहस्यमयी, १३. भाई, १४. भाग्य, १५. गदर, १६. सत्याग्रह, १७. कंठहार, १८. राज कुमार भोज।

कहानी संग्रह—१९. नर्क धाम, २०. चांदनी रात २१. बिखरे मोती, २२. हड़ताल।

अनूदित—२३. वह कौन थी, २४. कैदी, २५. षडयन्त्र कारी, २६. महापाप, २७. देवदूत, २८. अफीम का अड्डा २९. दीप शिखा।

८. श्री अक्षय कुमार जैन एम. ए.

लेखक, कहानीकार व पत्रकार

प्रधान सम्पादक, नवभारत टाइम्स २२८१६१

१०, दरियागंज

निवास—३३-३४ नेताजी सुभाष मार्ग २२४९६०

उपन्यास व कहानियां आदि—'परित्यक्ता' (१९३९) 'युग पुरुष राम' (१९५४ उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा पुरस्कृत) 'साहसी संसार' (१९५५), ईरान की कहानियां (१९५७) 'दूसरी दुनियां (१९५९), 'ब्रिटेन में चार सप्ताह'(१९६१) कुरु प्रदेश की कहानियां (१९६६) आदि।

९. श्री यशपाल जैन, एम. ए., एल.एल. बी.

निबन्धकार, कहानीकार, व पत्रकार

निवास ७/८ दरियागंज २२६३२६

कार्यालय—सस्ता साहित्य मंडल ४०५०५

कनाट सर्कस

कहानी संग्रह—'नव प्रसून' 'मैं मरूंगा नहीं' 'निराश्रिता' धारावाहिक उपन्यास, आदि।

लेख, व निबन्ध तथा अन्य पुस्तकें—'जय अमरनाथ' 'उत्तरा खंड के पथ पर' आदि। 'तीर्थंकर महावीर' 'कोणार्क' 'जगन्नाथपुरी' 'अमरनाथ' 'अजन्ता एलोरा, 'गोमुख' आदि।

अनुवाद—स्टीफन ज्विग के 'विराट' नामक उपन्यास का अनुवाद।

सम्पादन कार्य (१)—'प्रेमी अभिनन्दन ग्रंथ' 'श्री जवाहर लाल नेहरू की कुछ पुरानी चिट्ठियां' लुई फिशर की 'गांधी की कहानी' 'एलन कैम्पबल जानसन की 'भारत विभाजन की कहानी' तथा सस्ता साहित्य मंडल द्वारा प्रकाशित 'समाज विकास माला' की पुस्तकें आदि।

'जीवन-सुधा' मासिक व 'मधुकर' पाक्षिक आदि के भूतपूर्व सम्पादक। सस्ता साहित्य मंडल की पत्रिका 'जीवन साहित्य' के वर्तमान सम्पादक।

१०. श्री माई दयाल जैन, बी०ए०

कार्यालय व निवास } ४५९९ डिप्टी गंज सदर बाजार

स्व-रचनाएं—'सदाचार, 'शिष्टाचार और स्वास्थ्य', 'हमारा विधान' 'स्वतन्त्र देश के नागरिक' 'प्रयोग चक्र' 'सरकार कैसे चलती है' 'बाहुबली और नेमिनाथ' आदि।

अनुवाद कार्य—'प्रभावशाली जीवन' 'टूटे हुए पर' 'अगुआ और वन्धुले फूल', 'वाणी'

११. डा० विमल कुमार जैन एम. ए., पी. एच. डी.

निबन्ध व पुस्तकादि—'सूफीमत और' हिन्दी साहित्य (पी. एच. डी. का प्रबन्ध) 'तुलसीदास और उनका साहित्य' 'हिन्दी साहित्य रत्नाकर', 'हिन्दी के सर्वोत्तम रत्न'.।

सम्पादित ग्रन्थ—श्री रूपचन्द जी महाराज का जीवन चरित्र, दर्शन का सूर विशेषांक।

कवि व शायर

श्रीमती दिनेश नन्दिनी
३, सिकन्दरा रोड
श्री विजय चन्द्र जैन
दरियागंज
श्री चन्दूलाल 'अख्तर'
२२० दरीवा कलां
श्री अनूपचन्द्र 'आफताव' पानीपती
सी.-१ माडल टाउन
श्री शेरसिंह 'नाज़'
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार
श्री दिगम्बर प्रसाद 'गौहर'
दरीबा कलां
श्री सुमत प्रसाद 'शौक़'
सहा० सम्पादक—दैनिक 'तेज' २२४२४८
२२० दरीवा कलां
श्री सुलेख चन्द्र 'क़ाविल'
२७८ गली पनिहारी, तेलीवाड़ा
श्री प्रेमचन्द्र 'तस्कीन'
३३४७ गली अमरसिंह, मोरीगेट
जुगमंधरदास 'युगेश'
कूंचा सेठ
हीरालाल 'कौशल'
सदर बाजार
दलीपसिंह 'कागजी'
भाई वाड़ा
पं० मक्खनलाल
७घरा, धर्मपुरा
कु० त्रिशला जैन
(इंद्रा होजरी मिल्स)
वस्ती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड

लेखक, निबन्धकार व कहानीकार आदि

श्री पन्नालाल अग्रवाल
गली कन्हैयालाल अत्तार, चर्खेवालान, चावड़ी बाजार
पं० वनवारीलाल स्याद्वादी
२२०० गली भूत वाली, धर्मपुरा
श्री मुनीन्द्र कुमार, सहायक सम्पादक 'खेती' ३०१९१/७
डी. २/९ माडल टाउन, माल रोड
श्री राकेश जैन, सम्पादक 'समाज कल्याण' ४५७९७
गली नाई वाली नं० २, करोल बाग
डा० महावीर प्रसाद जैन
शौकी रतनलाल जैना
३८ गली नाई वाली, करोल बाग
श्री नेमी चन्द्र जैन
श्री शान्ती भाई वी. सेठ २२४३०७
१३९० चांदनी चौक
श्री छोटेलाल जैन
श्री नरेन्द्र गोयल
करोसपोंडेंट, इन्डियन एक्सप्रेस
श्री खूब चन्द्र
१३५ मोडल वस्ती

पंडित व विद्वान

आचार्य जुगल किशोर मुख्तार
वीर सेवा मन्दिर, २१, दरियागंज
पं० दरबारी लाल कोठिया न्यायाचार्य
वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज
पं लाल बहादुर शास्त्री
समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, दरियागंज
पं० प्रकाश चन्द्र 'हितैषी' शास्त्री
५३५ गांधी नगर
पं चन्द्र मौलि शास्त्री
जैन वाल आश्रम, दरियागंज
ब्र० गुणमाला जी
जैन महिलाश्रम, १, दरियागंज
पं शिखर चन्द्र
वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज
श्री प्रेम चन्द्र
७/३२ दरियागंज
पं० राजकृष्ण जैन
२३ दरियागंज

पं० मथुरा दास शास्त्री
दरियागंज

पं० मुन्नालाल
दरियागंज

पं० बाबू लाल
जैन बाल आश्रम, दरियागंज

पं कुंदन लाल
दरियागंज

पं० सुरेश चन्द्र
जैन बाल आश्रम, दरियागंज

पं० परमानन्द शास्त्री
जैन साहित्य सदन, चांदनी चौक

पं० मक्खन लाल महोपदेशक
छःघरा, धर्मपुरा

पं० बनवारी लाल स्याद्वादी
२२०० गली भूतवाली, धर्मपुरा

ज्ञान चन्द्र धर्मालंकार
दरियागंज

पं० सुमेर चन्द्र शास्त्री
१३१४ गली गुलियान

पं० फूल चन्द 'अनोकांती
१७०५ मोहन भवन, चांदनी चौक

श्री शांति भाई वी. सेठ
१३६० चांदनी चौक

पं० दलीप सिंह कागजी
धर्मपुरा

श्री पन्नालाल जैनी
पर्खेवालान, चावड़ी बाजार

श्री जुगल किशोर कागजी
तुजाना हाउस, चावड़ी बाजार

पं० मामन सिंह 'प्रेमी'
३६ डिप्टीगंज

श्री माई दयाल जैन
४५६६ डिप्टीगंज

पं० हीरालाल 'कौशल'
सदर बाजार

पं० अजित कुमार शास्त्री
अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज

डा० इंद्र चन्द्र शास्त्री
१०/१७ शक्ति नगर २२६६३२

श्री मुनीन्द्र कुमार ३०१६१/७
डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड

पं० मुन्नमाल चन्द्र
२० सी. बेयर्ड रोड

पं० रतन लाल
३८ सी. बेयर्ड रोड

श्री. जय कुमार
१ बी. बंगला साहब मार्ग

पं० नेम चंद्र
ए. २०/३ लोदी रोड

पं० शंकर लाल
रोहतक रोड

पं० सुन्दानन्द
रोहतक रोड

पं० जनेश्वर दास
छत्ता हिरामल, दिल्ली-शाहदरा

सार्वजनिक क्षेत्रों में जैन पदाधिकारी

रिसर्च एण्ड डवलपमेंट कमेटी, डिफेंस मिनिस्ट्री

चेअरमेन—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८

५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव काउंसिल

नई दिल्ली

सदस्य—श्रीमती लीलावती मुंशी

भारतीय विद्या भवन चौपाटी रोड

बम्बई।

जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी

(नार्दन रेलवे—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन

निवास—चांदनी चौक

मारवाड़ी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६

कार्यालय—विल्डवेल स्टोर्स, जी. बी. रोड २२६७०६

पेसेन्जर इमेनिटीज कमेटी

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

टाइम टेबल कमेटी

चेअरमेन—श्री एस. पी. लाल ४५०६०

चीफ आपरेटिंग सुपरिन्टेंडेन्ट

बड़ौदा हाउस ४५६७१

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

डिवीजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी

(दिल्ली डिवीजन—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

काउंसिल आफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च

रफी मार्ग

सदस्य (गवर्निंग बाडी)—डा० डी.एस. कोठारी ३२७६८

५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

एयरोनोटीकल रिसर्च कमेटी

(सी. एस. आई. आर.)

चेअरमेन—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८

५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन कोआपरेटिव यूनियन लिमिटेड

जनपथ

जनरल सेक्रेटरी—श्री एल. सी. जैन ४४६०८

४३ गोल्फ लिंक्स ७५१७०

पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ एडवाइजरी कमेटी

(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—श्री पी. आर. मित्तल

९५५ सदर बाजार २२८७२०

गवर्नमेंट आफ इण्डिया पेनल आफ वाचेज, क्लाक्स एण्ड टाइम पीसेज

सदस्य—श्री के. सी. जैन २२६६६०

७/३२ दरियागंज २२६२८३

बुक सेलेक्शन कमेटी

(एजूकेशन डायरेक्टोरेट—दिल्ली प्रशासन)

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

सीमेंट एडवाइजरी कमेटी

(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—(१) श्री डिप्टीमल जैन २२६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

(२) श्री हेमचन्द्र जैन ५५६८४
पहाड़ी धीरज २२६५७३
(३) श्री मंगतराम जैन ४३५६१
(अशोका मार्केटिंग लिमिटेड)
४८ दरियागंज २२५५८७

यूनाइटेड चेम्बर आफ ट्रेड एसोसिएशंस

संयुक्त मंत्री—पी. आर. मित्तल २२८७२०
६५५ सदर बाजार
डेलीगेट—(१) डिप्टीमल जैन
(दिल्ली बिल्डिंग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
मारवाड़ी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६, २२६७०६
चांदनी चौक
(२) बसंत लाल घंटे वाले २२३०८२
(दिल्ली स्वीटमीट मर्चेन्टस एसोसियेशन)
चांदनी चौक
(३) किशन चन्द्र जैन
(आल दिल्ली सर्राफा एसोसियेशन)
(४) राम नारायन जैन २२४७२७
(दिल्ली ग्रेन मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया बाजार
(५) उत्तमचन्द्र जैन २२७७४६
(६) खैराती लाल जैन
(दिल्ली आयल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया बाजार
(७) गिरधारी लाल जैन
(दिल्ली स्टेशनर्स एसोसियेशन)
चावड़ी बाजार २२६४२३
(८) ला० नन्हेमल जैन २२६४७८
(मेटल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
बाराटूटी, सदर बाजार २२६७६२
(९) श्री इन्द्र चन्द जैन
(श्री महालक्ष्मी बुलियन एक्सचेंज लिमिटेड)
(१०) श्री आर. टी. जैन ४८८५७
(साईंस एपेरेटस डीलर्स एसोसियेशन)
जैन भवन, छप्पर वाला कुआं, करोलबाग ५५१६१
(११) श्री देवेन्द्र कुमार घोसवाल
(व्योपार एसोसियेशन)
सदर बाजार २२६४६०

दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केंटाइल एसोसियेशन

चांदनी चौक [illegible]
व्यवस्थापिका सदस्य—(१) श्री अमरनाथ जैन
(न्यादरमल अमरनाथ जैन)
कटरा नया, चांदनी चौक २२८०४७
(२) श्री हेमचन्द्र जैन
(छज्जूमल हेमचन्द्र)
कटरा लाल, चांदनी चौक २२६३८४

दिल्ली चेम्बर आफ कामर्स

देशबन्धु गुप्ता रोड, पहाड़गंज
सदस्य व व्यवस्थापिका } ला० राजेन्द्रकुमार जैन ४५८८८
११ कौनिंग रोड ४७६५६

आल इंडिया ग्लास मेनुफैक्चरर्स फेडरेशन

गोविंद मेंशन, कनाट सर्कस
प्रधान—सी. एल. जैन
फीरोजाबाद (उ० प्र०)
दिल्ली कार्यालय—५४१ एस्प्लेनेड रोड २२४५४३

इंडियन शुगर मिल्स एसोसियेशन

बैनर्जी बिल्डिंग, आसफ अली रोड
ज्वाइंट सेक्रेट्री—श्री डी. पी. जैन [illegible]
६६ मोहन बस्ती [illegible]

आल दिल्ली सर्राफा एसोसियेशन

प्रधान—श्री किशनचन्द्र जैन
मन्त्री—ला० महताब सिंह जैन [illegible]
१७३४ दरीबा कलां [illegible]

दिल्ली बिल्डिंग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोसियेशन

प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन [illegible]
जी. बी. रोड [illegible]
कोषाध्यक्ष—श्री [illegible] जैन
जी. बी. रोड

पैस्ट्री ओनर्स एसोसियेशन

प्रधान—श्री [illegible] जैन [illegible]
१५४६/३ एस. पी. मुकर्जी मार्ग [illegible]

दिल्ली पैस्ट्री ओनर्स फेडरेशन

सदस्य व्यवस्थापिका } श्री [illegible] जैन [illegible]
११ कौनिंग रोड [illegible]

दिल्ली आयरन एण्ड हार्डवेअर मर्चेंटस एसोसियेशन

व्यवस्थापिका
सदस्य—ला० शाम लाल जैन ४०६५६
(मैं० महावीर प्रसाद एण्ड संस)
चावड़ी बाजार २२६७३५

दिल्ली मोटर ट्रेडर्स एसोसियेशन

पी. बी. १०६८ कश्मीरी गेट
कोषाध्यक्ष—श्री एम. एस. जैन
(लक्ष्मी मोटर कं०)
डा० मुकर्जी मार्ग २२५६५४

दिल्ली ग्रेन मर्चेंटस एसोसियेशन

मंत्री—श्री राम नरायन जैन २२४७२७
नया बाजार

दिल्ली स्वीटमीट मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० वसन्तलाल घंटेवाला
चांदनी चौक २२३२०८

दिल्ली थ्रेड वाल मेनुफेक्चरर्स ऐसोसियेशन

सदर बाजार
प्रधान मंत्री—श्री पी. आर. मित्तल
६५५, सदर बाजार २२८७२०

दिल्ली आयल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—श्री उत्तम चन्द्र जैन
नया बाजार २२७७४६
मंत्री—श्री खैराती लाल जैन
नया बाजार

मेटल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० नन्हेमल जैन २६४७८
बाराटूटी, सदर बाजार २६७६२

दिल्ली इलेक्ट्रीकल ट्रेडर्स एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री अजीत प्रसाद जैन
(सुप्रीम इलेक्ट्रिकल कं०)
इलेक्ट्रीकल मार्केट,स्टेट बैंक के पीछे, चांदनी चौक

फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेड एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री पी. आर. मित्तल
६५५ सदर बाजार २२८७२०

फ्रूटस एण्ड वेजीटेबल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० लट्टोमल जैन
(लट्टोमल नानूराम जैन)
४२०० आर्यपुरा, सब्जी मण्डी २२६७४४

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसियेशन

२६-ए. न्यू सेंन्ट्रल मार्केट, कनाट सर्कस
प्रधान—श्री जुगल किशोर जैन
दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार २२६१०५

दिल्ली वाच डीलर्स सिंडीकेट

पी. बी. १७५१, नई दिल्ली
जनरल सैक्रेटरी—श्री कैलाशचन्द्र जैन
(जयना वाच कम्पनी)
७/३२ दरियागंज २२६२८३

स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसियेशन

३३ डिप्टीगंज
जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन ५२३१३
३३ डिप्टीगंज २२६३२६

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज

डायरेक्टर—श्री प्रेमचन्द्र जैन
३२ हनुमान रोड

दिल्ली विश्वविद्यालय

(सदस्य-कोर्ट)

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी., एफ. एन. आई.
५ यूनीवर्सिटी मार्ग २२४३३३
डा० वी. डी. जैन
एम.एस.सी., पी.एच.डी. (लंदन)डी.आई.सी. (लंदन)
प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली यूनिवर्सिटी
श्री वंशीलाल जैन
बी. एस.सी., लेक्चरार—हिन्दू कालेज

सदस्य-एकेडेमिक काउंसिल

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी.,एफ. एन. आई.
५, यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

डा० एम. पी. जैन
बी. ए. (आनर्स) एल. एल. एम., जे. एस. डी.
रीडर—ला फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य—साइंस फेकल्टी

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
(एक्स आफीसिओ)
एम.एस.सी., पी एच.डी., एफ.एन.आई. २२४३३३
५ यूनिवर्सिटी मार्ग

डा० वी. डी. जैन
(एक्स ओफीसिओ)
एम.एस.सी., पी.एच.डी. (लंदन) डी.आई.सी (लन्दन)
प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली विश्व विद्यालय

सदस्य-बोर्ड आफ रिसर्च स्टडीज फार साइंसेज

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
एफ. एन. आई. (फिजिक्स) २२४३३३

सदस्य—लायब्रेरी कमेटी

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
एफ. एन. आई. २२४३३३

साइंस कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी., एफ. एन. आई.

ला कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० एम. पी. जैन
बी. ए. (आनर्स) एल. एल. एम.
जे. एस. डी.

कोर्सेज व स्टडीज कमेटी

साइंस फैकल्टी (फिजिक्स)

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम.एस.सी., पी.एच.डी., एफ. एन. आई. २२४३३३
एक्स आफीसियो चेयरमैन

साइंस फैकल्टी—कैमिस्ट्री

सदस्य—डा० वी. डी. जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी., डी. आई. सी.

नर्सिंग

सदस्य—श्रीमती पी. जैन
बी. एस. सी. (आनर्स)
एम. एस. सी. (यू. एस. ओ.)
कालेज आफ नर्सिंग, नई दिल्ली

एस्ट्रोनोमी व एस्ट्रोफिजिक्स

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी., एफ. एन. आई.
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

हिस्ट्री आफ साइंस व साइंटिफिक मेथड

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
एफ. एन. आई. २२४३३३

डा० वी. डी. जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी., डी. आई. सी.

इण्डियन फिजीकल सोसायटी

प्रेसीडेंट—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन साइंस कांग्रेस

(फिजिक्स सेक्शन)

प्रेसीडेंट—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ साइंसेज आफ इण्डिया

मथुरा रोड

एडीटर आफ प्रोसीडिंग्स—
डा० डी. एस. कोठारी [illegible]
५ यूनिवर्सिटी मार्ग [illegible]

साहित्य ऐकेडमी

सदस्य गवर्निंग बोडी—श्री जैनेन्द्र कुमार
७/३६ दरियागंज २२४१०६

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दिल्ली

जनरल सेक्रेट्री—श्री अक्षयकुमार जैन २२४६६०
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग
व्यवस्थापिका समिति सदस्य (१) श्री भगतराम जैन २४६६०
२०२३ बहादुरगढ़ रोड
(२) श्री जसवंतसिंह जैन २२३८११
२५-डी. कमलानगर
(३) श्री श्रीपाल जैन
सेंट्रल हिंदी डायरेक्टोरेट

दिल्ली लायब्रेरी एसोसियेशन

उप-प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

रिसर्च कमेटी—हिन्दी विभाग—दिल्ली विश्वविद्यालय

जनरल सेक्रेट्री—डा० विमलकुमार जैन २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

हिन्दी प्रचार समिति, दिल्ली

प्रेसीडेंट—डा० विमलकुमार २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
आर्यपुरा, सोहनगंज मंडल

प्रधान—डा० विमलकुमार २२६८०२
दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दरियागंज मण्डल

प्रधान—श्री अक्षयकुमार जैन २२८१६१
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग २२६४६०
कोषाध्यक्ष—श्री प्रकाशचन्द्र २२४५३५
सदस्य व्यवस्थापिका समिति श्री गोकुलप्रसाद जैन ३६३१६
२१, दरियागंज

इंटरनेशनल एकेडमी आफ इंडियन कल्चर
जे-२२ हौज खास एन्क्लेव

प्रधान—श्री आर० के० जैन ४५८२८
११ कीलिंग रोड ४७६५६

यूनाइटेड स्कूल्स आर्गेनाइजेशन आफ इंडिया
१७१५ आर्य समाज रोड

जनरल सेक्रेट्री—श्री जियालाल जैन २२५३४०
आर्य समाज रोड ५२६४४

दी इंटरनेशनल कल्चरल फोरम
२६५३ रोशनपुरा, नई सड़क

सेक्रेट्री जनरल श्री एस. पी. जैन 'नसीम'
२६५३ रोशनपुरा, नई सड़क २२३७१६

रोटेरी क्लब आफ इन्डिया
२०/१ आसफअली रोड, दिल्ली शाखा

कोषाध्यक्ष—श्री जवाहर लाल राक्याज ४८४३२
१४५ सुन्दर नगर ७५४६४

इंडियन वेजीटेरियन कांग्रेस
दिल्ली शाखा (फोन-२६४०५)

वाइस प्रेसीडेंट सेठ आनन्द राज सुराणा
१३६८ चांदनी चौक
उप मंत्री—(१) श्री निहाल चन्द रावयाण
(२) श्री अमृतलाल जिंदल
८१५ सुन्दर नगर

दिल्ली नेचरोपोथिक सोसायटी

उप प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२४८०६

इंडियन रेड क्रास सोसायटी
दिल्ली स्टेट ब्रांच

सदस्य व्यवस्थापिका—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

इंडियन रेडक्रास सोसायटी
दिल्ली-शहादरा शाखा

प्रधान—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
शारदा भवन, गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

टी. बी. आफ्टर केअर कमेटी

सदस्य—व्यवस्थापिका } श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शाहदरा २२३२०१/२०७

भारतीय महिला एजूकेशनल सोसायटी

मैनेजिंग डायरेक्टर—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
शारदा भवन, गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शाहदरा २२३२०१/२०७

श्री फीरोज गांधी मेमोरियल कमेटी

कन्वीनर—श्री बलबीर चन्द जैन ३६३१६
३६५ चित्रगुप्त रोड

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी
अजमेरी गेट

सदस्य—श्री सुमेर चन्द्र
निकल्सन रोड २२५८१६

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी
दिल्ली नगर

सदस्य (व्यवस्थापिका समिति)-ला० डिप्टीमल जैन २६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सदस्य } श्री गीन्नूराम जैन २५६६६
दिल्ली म्यू० कार्पोरेशन } पहाड़ी धीरज २७३२७

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी
नई दिल्ली

व्यवस्थापिका
सदस्य—ला० उल्फत राय जैन
१०५ बेयर्ड रोड ४७३१८

इलेक्टोरल कालेज राज्य सभा

सदस्य—श्री उल्फत राय जैन
१०५ बेयर्ड रोड ४७३१८

मंडल कांग्रेस कमेटी
दरीबा

सैक्रेट्री—श्री भाग चन्द्र जैन
देव नागरी विद्यालय, किनारी बाजार

मंडल कांग्रेस कमेटी
विनय नगर

सैक्रेट्री—श्री अजित प्रसाद जैन
एफ. १६७ (सी. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर
युसुफसराय

मंडल कांग्रेस कमेटी
दिल्ली छावनी

उप प्रधान—ला० चम्पालाल जैन

भारतीय जनसंघ
अजमेरी गेट

उप प्रधान—श्री किशन लाल

राम नगर दरीबा पान मंडल

उप प्रधान—श्री धर्मचन्द्र जैन

पहाड़गंज मंडल

उप प्रधान—श्री सुन्दर लाल जैन, प्रतिनिधि
श्री रतन लाल म्यू० कांउसिलर

चांदनी चौक मंडल

मंत्री—श्री शीतल प्रसाद जैन

बल्लीमारान मंडल

उप प्रधान—श्री सुन्दर लाल

डिप्टीगंज मंडल

उप प्रधान—श्री [illegible] चन्द्र जैन
म० मंत्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन
कोषाध्यक्ष—श्री [illegible] चन्द्र जैन
प्रदेश प्रतिनिधि—श्री [illegible]

[illegible] मंडल

मंत्री—श्री [illegible] प्रसाद जैन

कमला नगर मंडल

सदस्य

व्यवस्थापिका—श्री योगेन्द्र कुमार जैन

नजफगढ़ मंडल

मंत्री—श्री जोती प्रसाद

दिल्ली-शहादरा

कोषाध्यक्ष—श्री सूरजभान

भारतीय जनसंघ समिति, माडल टाउन

उप प्रधान—श्री अमीर सिंह जैन

डी. २/६ माडल टाउन

आल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लासेज यूथ लीग

१३ शंकर मार्केट

आफिस सेक्रैट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

हिन्द स्वीपर्स सेवक समाज

१६६ नार्थ एवेन्यू

सोशल सेक्रेट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन २२६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

वाल्मीक सेवक समाज

१७ नार्थ एवेन्यू

जनरल सेक्रेट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

सेंट्रल सेक्रेटेरियट असिस्टेंट्स ग्रेड एसोसियेशन

कोषाध्यक्ष, उप-प्रधान—श्री आर० आर० जैना

१०२ वैरन रोड

जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन

२७ क्लाइव स्क्वेअर

डिपार्टमेंटल स्टाफ क्लब, आर्मी हेड क्वार्टर्स

चेअरमेन—श्री हंस कुमार जैन ३१२५५

२७ हेवलाक स्क्वेअर

डी. ए. जी. (पी. एण्ड टी.) स्टाफ क्लब ओल्ड सेक्रेटेरियट

प्रेसीडेंट—श्री अरिदमन कुमार जैन

५१ थामसन रोड

स्वतन्त्र कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड

(किलोकरी गांव) रिंग रोड

सेक्रेट्री—गुलाब चन्द्र जैन ७३८५६

दिलशाद ट्रस्ट

सेक्रेट्री—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मंदिर

दिल्ली-शहादरा २३२०१/२०७

चेम्सफोर्ड क्लब

रायसीना रोड

सदस्य व्यवस्थापिका समिति — श्री रवि प्रकाश जैन ४५८२८

११ कीलिंग रोड ४७६५६

दरियागंज एसोशियेसन

प्रधान—श्री नाहरसिंह जैन

४० नेताजी सुभाष मार्ग २७५६१

शहादरा यूथ फेस्टीवल कमेटी

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मंदिर

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

श्री रामलीला कमेटी

दिल्ली-शहादरा

वाइस प्रेसीडेंटे—श्री हरीचन्द्र जैन

दिल्ली-शहादरा

आर्य कन्या मिडिल स्कूल

शहादरा

सदस्य (एक्जीक्यूटिव)—

श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मन्दिर

दिल्ली शहादरा २३३२०१/२०७

दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

१. लाल किला—यह दिल्ली के दर्शनीय स्थानों में सबसे प्रमुख है। इसका निर्माण सम्राट शाहजहां ने सन् १६३८ में आरम्भ किया था और १० वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद सन् १६४८ में पूर्ण हुआ। उस काल के अनुसार इसकी लागत का अनुमान एक करोड़ रुपया लगाया जाता है। किले की चहार दीवारी लगभग १½ मील लम्बी है। अन्दर से किले की लम्बाई ३,००० फुट और चौड़ाई १,८०० फुट तक है। किले की दीवार नदी की ओर ६० फुट तथा शहर की ओर ११० फुट तक ऊंची है। किले में जाने के लिए दो मुख्य द्वार हैं। इनमें से चाँदनी चौक की ओर वाले द्वार को 'लाहौरी गेट' और जामा मसजिद वाले द्वार को 'दिल्ली गेट' कहते हैं।

लाल किले के पुराने नाम "किला-ए-मुबारक', 'किला-ए-शहजहानबाद' व 'किला-ए-मुल्ला' आदि भी हैं। किले के अन्दर वर्तमान दर्शनीय स्थानों में से 'नौबतखाना,' 'दीवान-ए-आम' 'दीवान-ए-खास', और 'रंगमहल' प्रमुख हैं।

दर्शकों को किले के अन्दर जाने के लिए लाहौरी गेट से टिकट खरीदना पड़ता है। किले के अन्दर प्रवेश करने के बाद सबसे पहले 'छत्ता चौक' आता है। यह एक विशाल छत के नीचे बना एक दोमंजिला बाजार है। इस बाजार में दोनों ओर ३२-३२ दुकानों की कतारें हैं।

छत्ता चौक से आगे बढ़ने पर एक चौकोर मैदान के अन्त में एक विशाल द्वार दिखायी देता है। इस द्वार के ऊपर बारहदरी बनी है जहां मुगल काल में दिन में पांच पांच बार नौबत बजा करती थी। इस भवन को 'नौबत खाना' या 'नक्कार खाना' कहते हैं। वर्तमान में इसमें 'भारतीय युद्ध स्मारक पुरातत्त्वालय' स्थापित है।

नक्कार खाने से निकलते ही 'दीवान-ए-आम' का विशाल कक्ष दिखाई पड़ता है। यह कक्ष सामने की ओर तीन तरफ से खुला है। कक्ष की छत को सहारा देने के लिए सामने की ओर ९ महराब हैं और उनके पीछे चौड़ाई में ३-३ महराबों की कतार है। पीछे की दीवार के मध्य में संगमरमर की परछत्ती बनी है जिसे 'नशीमन-ए-जिल-ए-इलाही' कहा जाता है। इस परछत्ती के साथ बने छज्जे पर राजा के बैठने का स्थान रहता था।

दीवान-ए-खास के पास एक अन्य भवन है जिसे 'मुमताज महल' कहा जाता है। किसी समय यह भवन शाही हरम का एक भाग था। अंग्रेजी काल में कुछ दिनों तक इसको सैनिक कारागार रखा गया। वर्तमान में इस भवन में 'पुरातत्व म्यूजियम' स्थापित है। जिसमें प्राचीन अभिलेखों, सिक्कों, चित्रों आदि का अमूल्य संग्रह है।

शाही हरम का दूसरा प्रमुख भवन 'रंग महल' है। यह प्रमुख बेगम का निवास गृह हुआ करता था। भवन की पूर्वी दीवार में पांच खिड़कियां हैं। जहां से बेगमें हाथियों का युद्ध देख सकती थीं। भवन के मध्य में संगमरमर की एक नहर बनी है जिसमें स्थान स्थान पर फुहारे बने हैं। इस नहर का उद्गम एक [illegible] से है। जिस पर फूल पत्तियों की पच्चीकारी [illegible] गयी है। इस नहर को 'नहर-ए-बहिश्त' कहा जाता है।

'दीवान-ए-खास' तीन कमरों का एक समूह है। [illegible] के कमरे से मिला हुआ बुर्ज है जिसे 'मुसम्मन बुर्ज' कहा जाता है। इस बुर्ज पर खड़े होकर राजा जनता को दर्शन दिया करते थे। यह भवन [illegible] संगमरमर का बना हुआ है। मध्य के कमरे [illegible]
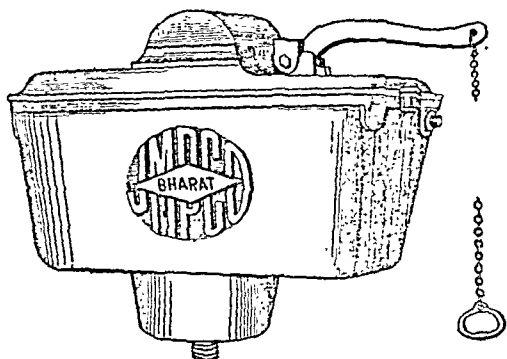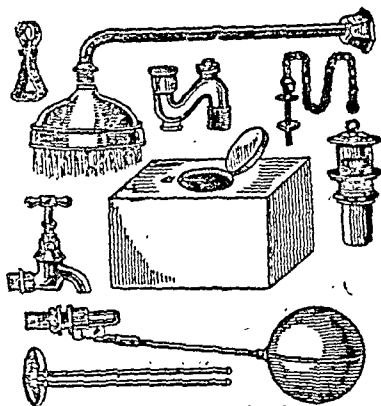
फुट है और इसकी छत पर सोने चांदी का काम बना है। इसी भवन में इतिहास प्रसिद्ध 'म्यूर सिंहासन' या 'तख्त-ए-ताउस' रखा रहता था। जिसकी लागत का अनुमान ६ करोड़ रुपया था। सन् १७३६ में नादिरशाह इस सिंहासन को लूटकर ईरान ले गया।

'दीवान-ए-खास' के उत्तर में शाही स्नानघर 'हम्माम' बना है। इस हम्माम में नहाने के लिए ठंडे व गर्म पानी था प्रबन्ध रहता था। गुलाब जल से सिंचित एक फुहारे का भी प्रबन्ध है। कहा जाता है कि इस हम्माम को एक बार गर्म करने के लिए १२५ मन लकड़ी की आवश्यकता होती थी।

शाहजहां ने अपने काल में किले में कोई मस्जिद नहीं बनवाई थी। परन्तु औरंगजेब ने १६ लाख रुपये की लागत से 'मोती मस्जिद' का निर्माण करवाया। यह मस्जिद सफेद और भूरी धारी वाले संगमरमर के मेल से बनी है।

इनके अतिरिक्त किले में 'हीरा महल', 'हयात बख्श उद्यान', 'सावन-भादों', 'जफर महल' आदि दर्शनीय है। किले के नीचे बना 'फांसी घर' अब दर्शकों के लिए बन्द कर दिया गया है।

२. लाल मन्दिर—लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने ही श्री दिगम्बर जैन लाल मन्दिर है। इस मंदिर का निर्माण भी शाहजहां के काल में हुआ था। मन्दिर के अन्दर सन् १८४१ में भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति दर्शनीय है। मन्दिर के समक्ष एक मान-स्तम्भ का नवीन निर्माण हुआ है।

३. पक्षियों का चिकित्सालय—यह संस्था विश्व में अपने प्रकार की एक ही संस्था है। इसके विशाल दो-मंजिला भवन में ऊपर की मंजिल में बीमार पक्षियों के निवास के लिए कई भागों में बंटा एक विशाल कक्ष है। कुशल चिकित्सकों द्वारा यहां रोगी व घायल पक्षियों का इलाज किया जाता है।

४. जैन साहित्य सदन—लाल मन्दिर के बाहरी भाग में यह विशाल पुस्तकालय स्थापित है। यहां पर जैन धर्म व तत्सम्बन्धी पुस्तकों का संकलन किया जा रहा है। इस समय तक लगभग ७,००० अर्वाचीन व प्राचीन पुस्तकें एवं हस्तलिखित शास्त्रादि संग्रहीत किये जा चुके हैं। यहां पर रिसर्च करने वालों के लिए अध्ययन की विशेष सुविधा है।

५. आपा गंगाधर का शिवालय—यह लाल मंदिर के निकट ही स्थापित है। यह 'गौरीशंकर' के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण मुगल काल में हुआ था। मंदिर के सामने के भाग में हाल ही में एक विशाल सभा भवन का निर्माण हुआ है।

६. जामा मस्जिद—यह देश की सबसे विशाल मस्जिद है। इसका निर्माण शाहजहां ने कराया था। यह मस्जिद लाल पत्थर व संगमरमर के मेल से बनायी गयी है। मस्जिद के अंदर का चौक ३२५ फुट चौकोर का है। मीनारों की ऊंचाई १३० फुट है। मस्जिद के मुख्य भवन की लम्बाई २०१ फुट व चौड़ाई १२० फुट है। कहा जाता है कि इस मस्जिद में पैगम्बर मुहम्मद के अवशेष सुरक्षित रखे गये हैं जिससे इसकी पवित्रता बढ़ गई है।

७. जैन मंदिर, सेठ का कूंचा—यह मन्दिर सन् १८३४ में बना था। मन्दिर के अन्दर मुख्यवेदी के चारों ओर दीवारों पर कुशल चित्रकारों द्वारा अंकित धार्मिक दृश्यावलियां दर्शनीय हैं। मूलनायक प्रतिमा भगवान ऋषभदेव की सन् ११९४ की प्रतिष्ठित है। मन्दिर के शास्त्र भंडार में लगभग १,४०० हस्तलिखित ग्रंथ हैं।

८. नया मंदिर, धर्मपुरा—इस मन्दिर का निर्माण सन १८०० में राजा हरसुखराय ने कराया था जो कि बादशाह शाहआलम द्वितीय के खजांची थे। उस काल में इसकी लागत का अनुमान आठ लाख रुपए था। मन्दिर की मुख्य वेदी पर सन् १६०७ में प्रतिष्ठित भगवान आदिनाथ की भव्य मूर्ति विराजमान है। इस मंदिर में स्फटिक, मरकत व नीलम आदि की प्रतिमायें दर्शनीय हैं। मुख्य वेदी की पच्चीकारी का काम ताजमहल की पच्चीकारी से भी सुन्दर कहा जाता है।

९. पंचायती मंदिर—यह मन्दिर धर्मपुरा के पास गली मस्जिद खजूर में स्थित है। इसका निर्माण सन् १७४३ में मुहम्मदशाह द्वितीय के शाही खजांची [illegible] ने बनवाया था। इस मन्दिर में भगवान पार्श्वनाथ की श्यामवर्ण पाषाण से निर्मित १ फुट १ इंच [illegible]

प्रतिमा दर्शनीय है। इस मन्दिर में अनेक रत्न प्रतिमायें भी विराजमान हैं।

१०. मेहर मन्दिर—यह मंदिर मस्जिद खजूर के बाहर स्थित है। इसमें नंदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयों की अपूर्व रचना दर्शनीय हैं।

११. पद्मावती पुरवाल मन्दिर—यह मेहर मंदिर के पास ही स्थित है। इसका निर्माण सन् १९३६ में पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने किया।

१२. नौघरा मन्दिर—यह मन्दिर किनारी बाजार के मुहल्ला नौघरा में स्थित है। इसका निर्माण शाहजहां के राज्यकाल में हुआ। मन्दिर में भगवान पार्श्वनाथ की श्याम पाषाण से निर्मित चतुर्मुखी प्रतिमा दर्शनीय है। मन्दिर के भवन में स्वर्ण चित्रकारी भी है।

१३. वैद्यवाड़ा मंदिर—यह मंदिर नई सड़क से आगे वैद्यवाड़ा मुहल्ले में स्थित है। इस मंदिर में स्फटिक आदि बहुमूल्य पाषाणों से निर्मित २००-२५० प्राचीन मूर्तियां दर्शनीय हैं। मन्दिर के शास्त्र भंडार में अनेक हस्तलिखित ग्रंथ भी हैं।

१४. दरीबा कलां—यह जामा मस्जिद और चांदनी चौक को मिलाने वाली मुख्य सड़क है। दोनों ओर सुन्दर दुकानें हैं जिनमें अधिकतर जौहरी व सर्राफ व्यापारी होने के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख सर्राफा बाजार समझा जाता है।

१५. शीशगंज गुरुद्वारा—दरीबा कलां से चांदनी चौक में पहुंचने पर यह बाएं हाथ पर कोतवाली के साथ ही स्थित है। औरंगजेब के समय सन् १६७५ में इसी स्थान पर नवें गुरु श्री तेग बहादुर का बलिदान हुआ था। वर्तमान भवन का निर्माण प्रथम महायुद्ध के अन्त में हुआ था।

१६. फौहारा—यह चांदनी चौक में कोतवाली के सामने स्थित है। १८५७ के स्वातन्त्र्य संग्राम के समय इस स्थान पर कुछ पेड़ों का समूह था जिन पर रस्सियां डाल-कर देशभक्तों को फांसियां दी गयी थीं। बाद में यह स्मृति को भुलाने के लिए उन पेड़ों को काटकर उस स्थान पर एक विशाल और सुन्दर फुहारे का निर्माण किया। आज कल यह स्थान आवागमन का एक प्रमुख स्थान है। यहां से दिल्ली के हर भाग के लिए दिल्ली परिवहन की बस प्राप्य हो सकती हैं।

१७. मारवाड़ी पुस्तकालय—इस पुस्तकालय की स्थापना सन् १९१५ में हुई थी। यह क्रांतिकारियों की योजनाओं का एक प्रमुख स्थान रहा है। इस पुस्तकालय में आजादी के इतिहास से संबंधित पुस्तकों का एक विशाल संग्रह था जो दमन काल में नष्ट कर दिया गया। आजकल यह दिल्ली के सर्वप्रमुख पुस्तकालयों में से एक है।

१८. सुनहरी मस्जिद—यह रोशन-उद्-दौला की सुनहरी मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध है और मारवाड़ी पुस्त-कालय के सामने स्थित है। इस मस्जिद के गुम्बदों पर सुनहरा पानी चढ़ा होने के कारण ही इसका नाम 'सुनहरी मस्जिद' पड़ा। कहा जाता है कि इसी मस्जिद में नादिर-शाह ने अपनी तलवार उठाकर दिल्ली में कत्ले आम की घोषणा की थी और यहीं से शहर के विनाश का दृश्य देखा था।

१९. चांदनी चौक—यह पुरानी दिल्ली का सबसे प्रमुख बाजार है। यह लाल किले के लाहौरी गेट के सामने लाल मन्दिर से आरम्भ होकर एक मील तक फतहपुरी मस्जिद के सामने जाकर समाप्त होता है। किसी जमाने में इस बाजार के बीचोंबीच एक पक्की नहर बहती थी जो अब पाट दी गयी है। दिल्ली की समस्त पुरानी फर्मों के मुख्य कार्यालय अधिकतर इसी बाजार में स्थित हैं। इसी बाजार में किसी समय पुराना घंटाघर स्थित था जो सन् १९५१ में गिर गया।

२०. महावीर भवन—यह दिल्ली के श्वेताम्बर जैनों की कार्य विधि का एक प्रमुख केन्द्र है। इसी भवन में महावीर जैन पुस्तकालय स्थापित है जिसमें जैन धर्म व [illegible] पुस्तकों का बहुमूल्य संकलन है। यहां [illegible] साध्वियों के ठहरने आदि की बहुत सुन्दर व्यवस्था है।

२१. टाउन हाल—यह चांदनी चौक [illegible] बना एक दो मंजिला भवन है। पुरानी दिल्ली की [illegible] सांस्कृतिक [illegible] इसी भवन के [illegible] हाल' में सम्पन्न होती है। आजकल यहां दिल्ली नगर निगम का मुख्य कार्यालय [illegible] है।

२२. फतहपुरी मसजिद—यह मस्जिद चांदनी चौक के अन्त में बाजार फतहपुरी के मध्य में स्थापित है। इसका निर्माण शाहजहां की एक पत्नी 'फतहपुरी बेगम' ने करवाया था। मस्जिद का प्रांगाढ़ बहुत विशाल है।

२३ बेगम बाग या गांधी पार्क (क्वींस गार्डन)—यह बाग दिल्ली के प्राचीन विशाल बागों में से एक है और दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने फतहपुरी से आरम्भ होकर फ़ुहारे तक जाता है। इसका निर्माण शाहजहां की पुत्री और औरंगजेब की बहन जहानआरा बेगम ने कराया था। किसी समय में इस बाग़ में यात्रियों के ठहरने के लिए एक विशाल सराय थी। अब इस बाग के मध्य में नवीन निर्माण किया गया है और महात्मा गांधी की एक मूर्ति स्थापित की गयी है।। इस बाग के फतहपुरी वाले भाग में प्रदर्शनियों का स्थान है और फ़ुहारे वाले भाग में एक विशाल मैदान है जहां सभा आदि होती हैं।

२४. दिल्ली पब्लिक पुस्तकालय—इस पुस्तकालय की स्थापना हाल ही में हुई है तदापि सरकारी और विदेशी सहायता के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख पुस्तकालय एवं वाचनालय बन गया है। यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रुचि रखने वालों के लिए एक रंगशाला भी है।

२५. हार्डिंग पुस्तकालय—यह विशाल पुस्तकालय गांधी पार्क के फ़ुहारे वाले भाग में बना है। यहां एक विशाल वाचनालय के अतिरिक्त अनुसंधान कार्य करने वालों के लिए पढ़ने के स्थान का विशेष प्रबन्ध है। भवन के सामने एक विशाल अशोक स्तम्भ का निर्माण किया जा रहा है।

२६. सलीमगढ़—लाल किले के उत्तरी सिरे पर इस किले के खंडहर अब भी दिखाई देते हैं। यह किला शेरशाह सूरी के पुत्र सलीमशाह ने १६ वीं शताब्दी के मध्य में हुमायूं के आक्रमण से सुरक्षा के लिए बनवाया था। जहांगीर ने अपने राज्यकाल में इस किले के साथ एक पुल भी बनवाया जिस पर आजकल रेल की लाइन है।

२७. दिल्ली पालीटेकनिक—यह कश्मीरी गेट के पास एक प्राचीन भवन में स्थित है। यहां पर दिल्ली के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कला कौशल के अध्ययन का प्रबन्ध है

२८. सेंट जेम्स चर्च—यह गिरजाघर काफी प्राचीन है। कहा जाता है कि 'जेम्स स्किनर' नामक एक अंग्रेज कर्नल ने युद्ध में शोचनीय रूप से घायल होने पर यह प्रण किया कि यदि उसकी जान बच गयी तो वह एक गिरजाघर बनवायेगा। अच्छा हो जाने पर कर्नल और उसके सम्बन्धियों द्वारा प्रदत्त धन से इस गिरजे का निर्माण हुआ।

२९. कश्मीरी द्वार—दिल्ली के प्राचीन ६ द्वारों में से बाकी बचे दो द्वारों में से यह भी एक है। इसके दोनों ओर बनी प्राचीर भी अभी तक वर्तमान है। उचित देखभाल के अभाव में आजकल इस द्वार की स्थिति जर्जर हो गयी है। सन् १८५७ में इस द्वार पर कब्जा करने के लिए तोपों ने इस पर भीषण गोली वर्षा की थी।

३०. कुदसिया बाग—यह बाग कश्मीरी द्वार के बाहर स्थित है। इसका निर्माण मुहम्मद शाह रंगीले की पत्नी 'कुदसिया बेगम' ने सन् १७४८ में कराया था।

३१. पुराना सचिवालय—नयी दिल्ली बनने से पहले यह सरकार का मुख्य कार्यालय था। यह दिल्ली के प्राचीन भव्य भवनों में से एक है। आजकल यहां केन्द्रीय सरकार के कुछ कार्यालय स्थापित

३२. जीतगढ़ टावर—यह मीनार दिल्ली विश्वविद्यालय के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। इसका निर्माण अंग्रेजों ने सन् १८५७ के क्रान्ति के दमन के उपरान्त कराया था। यह लाल पत्थर की बनी निर्मंजिला मीनार है जिसमें ऊपर तक जाने के लिए पत्थर की चक्करदार सीढ़ियां बनी हैं।

३३. दिल्ली विश्वविद्यालय—इस विश्वविद्यालय की गणना दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयों में की जाती है। इस के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों के भवन एक ही क्षेत्र में बने हैं। यहां पर विभिन्न विषयों की शिक्षा का प्रबन्ध है।

३४. जैन मन्दिर रूपनगर—यह मन्दिर सन् [illegible] में बन कर तैयार हुआ। इसका निर्माण पंजाब से आए हुए जैनों की संस्था श्री '[illegible] जैन सभा' द्वारा हुआ। मन्दिर का विस्तार एवं [illegible] भवन दर्शनीय है।

३५. [illegible] निवास—यह दिल्ली विश्वविद्यालय [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

पर स्थित है। यह वह स्थान है जहां पर किसी समय दरबार लगाया गया था। उसी के स्मृति स्वरूप इस पत्थर के विशाल स्तम्भ का निर्माण किया गया। इसके चारों ओर ऊंचे बांध पर बबूल का वन लगाया गया है।

३६. **बादली की सराय**—ग्रांड ट्रक रोड से करनाल की ओर से आते हुए आजादपुर और इन्द्रानगर के बीच सराय भरौला में इस विशाल सराय के खंडहर दिखायी पड़ते हैं। किसी समय यह व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र थी।

३७. **शालीमार बाग**—माडल टाउन से आगे करनाल रोड पर इस विशाल बाग के भग्नावशेष स्थित हैं। ३०० वर्ष पूर्व शाहजहां की पत्नी 'बेगम अकबराबादी' ने इसका निर्माण कराया। पुराने ग्रन्थों में इस विशाल बाग की सुन्दरता का विवरण पाया जाता है। इसका निर्माण कश्मीर के बागों के अनुरूप हुआ था। अब भी विशाल बारहदरी के चिह्न दिखाई देते हैं।

३८. **त्रिपोलिया द्वार**—शालीमार बाग से जी. टी रोड पर आते हुए राना प्रताप बाग के सामने तीन प्राचीन द्वारों का समूह स्थित है। इन द्वारों का निर्माण सन १७२८-२९ में एक मुगल सरदार 'नजीर महालदार खां' ने कराया था। किसी समय इन द्वारों के आगे एक विशाल प्राचीन बाजार था।

३९. **रूपराम टावर**—यह टावर सब्जी मण्डी के बाजार में स्थित है और इसका निर्माण एक स्थानीय व्यवसायी ने कराया था। इस टावर में चारों ओर विशाल घड़ियां लगी हैं।

४० **रोशनआरा बाग**—इसका निर्माण शाहजहां की पुत्री 'रोशनआरा बेगम' ने कराया था। बाग के सुन्दर द्वार के भग्नावशेष अब भी स्थित हैं। अन्दर की विशाल बारहदरी अभी अच्छी हालत में हैं। आजकल इस बाग के मध्य में कई लाख रुपयों की लागत से एक जापानी तरीके का बाग बनाया जा रहा है।

४१. **दिल्ली मिल्क कालोनी**—इसका निर्माण ईस्ट पटेल नगर के पास एक विशाल क्षेत्र में किया गया है। यह भारत की दूसरी सब से विशाल डेरी है और यहां से नगर को दूध व तत्सम्बन्धी पदार्थ शुद्ध रूप में उपलब्ध किये जाते हैं।

४२. **भारतीय कृषि अनुसंधान शाला**—यह पूसा में एक विशाल क्षेत्र में स्थित है। यहां पर कृषि सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाने के लिए खोज कार्य होता है।

४३. **राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन. पी. एल)**—यह पूसा के पास पहाड़ी पर स्थित है। यहां राष्ट्रीय भौतिक गवेषणा का कार्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

४४. **बुद्ध जयन्ती पार्क**—यह ईस्ट पटेल नगर के पास पहाड़ी पर बनाया जा रहा है। यहां पर सुन्दर उद्यानों के अतिरिक्त नहर व जलाशय आदि भी बनाये जा रहे हैं।

४५. **तालकटोरा बाग**—यह शंकर रोड से बिरला मन्दिर जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहां पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। बाग अब भी सुन्दर स्थिति में है।

४६. **लक्ष्मीनारायण मन्दिर**—पहाड़ी से नीचे उतर कर यह मन्दिर स्थित है। इसका निर्माण प्रसिद्ध उद्योगपति श्री बिरला ने कराया है। मन्दिर के साथ गीता भवन, व्यायामशाला, बौद्ध मन्दिर व उद्यान आदि दर्शनीय हैं।

४७. **हरिजन बस्ती प्रार्थना स्थल**—यह स्थान हरिजन बस्ती के मध्य में स्थित है। यहां महात्मा गांधी की प्रार्थना सभा हुआ करती थी।

४८. **राष्ट्रपति भवन**—अंग्रेजी जमाने में यहां वायसराय का निवास था। आजकल यहां भारत के राष्ट्रपति के रहने के साथ साथ विशेष विदेशी आगन्तुकों के निवास की भी व्यवस्था है।

४९. **मुगल उद्यान**—यह प्रसिद्ध उद्यान राष्ट्रपति भवन के एक भाग में स्थित है। यहां पर देश-विदेशों के सहस्रों प्रकार के फूल व वृक्ष उगाये गये हैं। वर्ष में कई बार निश्चित अवधियों के लिए यह दर्शकों के लिए खोला जाता है।

५०. **संसद भवन**—यहां का विशाल गोलाकार भवन वास्तव में दिल्ली का प्रतीक बन गया है। भवन के विशाल कक्ष में राज्य सभा व लोक सभा के सदस्यों के बैठने के लिए अर्ध गोलाकार रूप में बैठने की सुविधा रखी है। भवन के चारों ओर के कमरों में विभिन्न कार्यालय हैं।

५१. संसद पुस्तकालय—यह दिल्ली के सर्व प्रमुख पुस्तकालयों में से एक है। यहां पर कानून व न्याय की पुस्तकों का विशाल संकलन है।

५२. नेशनल म्युजियम आफ इंडिया—यह राष्ट्रपति भवन के एक भाग में स्थित है। यहां अनेक अलभ्य वस्तुओं का दुर्लभ संकलन है। यह प्रातः १० से ५ तक खुला रहता है।

५३. विजय चौक—राष्ट्रपति भवन के सामने यह एक विशाल चौक है जिसमें दोनों ओर सुन्दर लाल पत्थर के फुहारे बने हैं। यहां से इंडिया गेट तक एक चौड़ा राजपथ है जिसके दोनों ओर केन्द्रीय सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के भवन स्थित हैं जिनमें रेल भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन, वायुसेना भवन, विज्ञान भवन आदि बनकर तैयार हो चुके हैं।

५४. आकाश वाणी—यह संसद भवन के सामने पार्लियामेंट मार्ग पर स्थित है। इसका तिकोना भवन अनोखा बना है। यहां से देश के समस्त रेडियो केन्द्रों का संचालन होता है।

५५. रिजर्व बैंक आफ इंडिया—यह आकाशवाणी के सामने स्थित एक विशाल भवन है। यह बैंक के अतिरिक्त अनेक पूंजी सम्बन्धी सरकारी कार्यालय स्थित हैं।

५६. जंतर मंतर—रिजर्व से आगे एक सुन्दर पार्क में यह विभिन्न आकार प्रकार की इमारतों का समूह है। इसका निर्माण जयपुर के प्रसिद्ध राजा जयसिंह द्वितीय ने कराया था। यह पर नक्षत्र सम्बन्धी खोज की जाती थी। भारत में राजा जयसिंह ने विज्ञान की खोज के लिए इस प्रकार की चार वेधशालाओं का निर्माण कराया था।

५७. नयी दिल्ली टाउन हाल—यह जंतर मंतर के सामने स्थित है। यहां पर नयी दिल्ली नगर सभा के विभिन्न कार्यालय स्थित हैं।

५८. कनाट प्लेस—यह नयी दिल्ली का विश्व प्रसिद्ध बाजार है। यहां पर एक विशाल गोलाकार रूप में दो

मंजिला भवन बने हुए हैं। अन्दर के भाग को कनाट प्लेस कहते हैं जिसके मध्य में एक सुन्दर गोल पार्क बना है। बाहर के भाग में एक और बाजार बना है जिसे कनाट सर्कस कहते हैं।

५९. हनुमान मन्दिर—यह दिल्ली के प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिरों में से एक है। यहां मंगल के दिन दूर दूर से दर्शनार्थी आते हैं। इस मन्दिर के पास वाली सड़क को हनुमान रोड कहते हैं।

६०. निशिया जी—यह नयी दिल्ली के जैनियों की सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है और जैन मंदिर मार्ग पर स्थित है। यहां पर विशाल परकोटा है जिसके चारों ओर गुम्बज बने हैं। मध्य के एक ओर जैन मन्दिर स्थित है।

६१. खंडेलवाल जैन मन्दिर—यह जयसिंहपुरा जैन मंदिर के नाम से भी विख्यात है। यहां पर ५०० वर्षों से भी प्राचीन जैन मूर्तियां स्थापित हैं।

६२. अग्रवाल जैन मन्दिर—यह उपर्युक्त मन्दिर के पास ही स्थित है और छोटे मन्दिर के नाम से विख्यात है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय के पुत्र राजा सुगनचन्द ने सन् १८०७ में कराया था। मन्दिर में मूलनायक प्रतिमा भ० चन्द्रा प्रभु जी की विराजमान है। मन्दिर जी के शास्त्र भंडार में लगभग १,००० ग्रंथों का अनमोल संग्रह है।

६३. नेशनल आर्काइव्ज—यह अब 'सेंट्रल एशियन एंटीक्यूटीज म्यूजियम' कहलाता है और जनपथ पर स्थित है। यहां पर सर 'आरेल स्टीन' द्वारा मध्य एशिया से प्राप्त पुरातत्वों का संग्रह दर्शनीय है।

६४. आर्कलाजीकल सर्वे आफ इण्डिया—यह जनपथ पर इंडिया गेट के दूसरी ओर स्थित है। यहां पर १९४९ से भारतीय पुरातत्व की वस्तुओं का दुर्लभ संग्रह प्रदर्शित किया जा रहा है। यहां एक विशाल पुस्तकालय और राष्ट्रीय अभिलेखागार भी है।

६५. विज्ञान भवन—यह भवन नयी दिल्ली में होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय कार्यविधियों का केन्द्र है। यहां का विशाल हाल दर्शनीय है।

६६. चाणक्यपुरी—इस नयी बस्ती में समस्त प्रमुख दूतावासों ने अपने अपने दर्शनीय भवन बनाये हैं।

६७. अशोक होटल—यह चाणक्यपुरी के पास ही स्थित है। यह भारत का सबसे विशाल होटल कहा जाता है और भारत भ्रमण के लिए आने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए इसका निर्माण किया गया है।

६८. घुड़दौड़ का मैदान—यह किसी समय नयी दिल्ली का एक प्रमुख केन्द्र था। अब भी यहां पर कभी कभी घुड़दौड़ होती रहती है।

६९. सफदरजंग का मकबरा—यह मदरसा के नाम से प्रसिद्ध है। यह मकबरा एक विशाल परकोटे के अंदर स्थित है। मकबरे का विशाल भवन कई मंजिल ऊंचा है और चारों ओर नहरें बनी हैं।

७०. हवाई अड्डा—यह मकबरे के साथ ही बना है और दिल्ली के असैनिक उड्डयन का प्रमुख केन्द्र है। दिल्ली फ्लाइंग क्लब भी यहीं स्थित है।

७१. आल इण्डिया मेडिकल इन्स्टीच्यूट—यह दिल्ली में बनने वाली सर्व प्रमुख चिकित्सक संस्था है और फैक्टरी रोड के पास रिंग रोड पर स्थित है। यहां असाध्य रोगों की चिकित्सा सम्बन्धी खोज की जाती है।

७२. मोठ की मस्जिद—यह कुतुब जाने वाले मार्ग पर स्थित एक सुन्दर मस्जिद है। कहा जाता है कि एक बार नमाज पढ़ते समय सिकन्दर लोदी को एक मोठ का दाना पड़ा मिला। उसने वह अपने मन्त्री को दे दिया मन्त्री ने उसको बोकर मोठ उगायी और उसके बीज को बोकर कई साल बाद काफी रुपया इकट्ठा करके इस मस्जिद का निर्माण कराया।

७३. हौज खास—इस विशाल तालाब का निर्माण अलाउद्दीन ने ७० एकड़ भूमि पर कराया था। इस विशाल जलाशय को बनाने का उद्देश्य पास की बस्ती के लिए जल उपलब्ध करना था। कहा जाता है १३९८ में तैमूर ने दिल्ली ध्वंस के पश्चात् यहां विश्राम किया था। फिरोज-शाह तुगलक ने इस ताल की मरम्मत करायी और यहां एक मदरसा भी बनवाया।

७४. फिरोज शाह का मकबरा—यह हौज खास के दक्षिणी दिशा में स्थित है। यह भवन कला का एक सुन्दर नमूना है और अभी तक अच्छी दशा में है।

७५. कुतुब मीनार—यह २३८ फुट ऊंची पांच मंजिला मीनार है। कहा जाता है कि इसका निर्माण पृथ्वीराज चौहान के काल में हुआ और इसे 'यमुना स्तम्भ' कहते थे। वर्तमान काल में मुगल शासकों ने इसमें इतने परिवर्तन किए कि अब इसमें हिन्दू स्थापत्य कला के चिन्ह दृष्टिगोचर भी नहीं होते।

७६. अलाई मीनार—कुतुब से उत्तर में ५०० फुट दूर इस अधबनी मीनार का खंडहर है। कहा जाता है कि अलाउद्दीन खिलजी इस मीनार को कुतुब मीनार से भी भव्य बनाना चाहता था। इसी मीनार को देखकर यह प्रतीत होता है कि वास्तव में कुतुब मीनार का निर्माण हिन्दू काल में हुआ था। क्योंकि यदि कुतुबुद्दीन एबक मीनार बनवा सकता था तो उससे अधिक समर्थ अला-उद्दीन मीनार क्यों न बनवा सका ?

७७. पार्श्वनाथ मंदिर—यह वह स्थान है जिसको आजकल 'कुव्वत-उल-इस्लाम' मस्जिद कहते हैं। मंदिर की दीवारों की पच्चीकारी और जैन मूर्तियों के चिन्ह अब भी शेष हैं। इस मन्दिर का निर्माण तोमरवंशी राजा अनंगपाल तृतीय के मन्त्री अग्रवाल वंशी साहू नट्टल ने सन् ११३२ से पूर्व करवाया था।

७८. लोह स्तम्भ—यह प्राचीन भारत की कला का प्रतीक ठोस लोहे का १६ इंच आयत का २४ फुट ऊंचा स्तम्भ है। इस पर अंकित लेख से पता चलता है कि इसका निर्माण चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने चौथी शताब्दी में कराया। यह लोहा रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा इतना शुद्ध किया गया है कि इस पर ओपजनीकरण का कुछ प्रभाव नहीं होता।

७९. अल्तमश का मकबरा—यह सन् १२११-१२३६ में बना और पार्श्वनाथ मन्दिर के पीछे स्थित है। इस मकबरे की दीवारों पर कुरान अंकित हैं। यह भारत का सबसे प्राचीन मकबरा है।

८०. अलाई दरवाजा—यह कुतुब मीनार से ४० फुट की दूरी पर स्थित लाल पत्थर का सुरुचि पूर्ण द्वार है इसका निर्माण १३१० में अलाउद्दीन ने कराया। यह पठान वंश द्वारा निर्मित अन्तिम इमारत है।

८१. भूल भूलैया—यह स्थान कुतुब के पास महरौली गांव में है। यह वास्तव में अकबर के सौतेले भाई आदम खां का मकबरा है। किन्तु अनेक टेढ़े-मेढ़े मार्गों के कारण 'भूल भुलैया' कहलाता है।

८२. सूरज कुंड—यह स्थान कुतुब-बदरपुर मार्ग पर स्थित है और दिल्ली के हिन्दू साम्राज्य का प्रतीक है। यह कुंड एक ऊंचे टीले पर स्थित है। किसी समय इसके किनारे सूर्य देवता का एक विशाल मन्दिर स्थित था। कहा जाता है कि तोमर वंश से पहले वास्तविक दिल्ली यहीं स्थित थी।

८३. किला राय पिथौरा—इसे 'लाल कोट' भी कहते हैं। यह किला मूल रूप से राजा अनंग पाल ने बनवाया था। सन १४५०-१४६० के मध्य में चौहानों ने तोमरवंश को हरा कर दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया। पृथ्वी-राज चौहान ने किले का नव निर्माण किया। प्राचीन दिल्ली का शहर इसी किले के पास बसा हुआ था। इस किले के खंडहर तुगलकाबाद से लगभग ३ मील दूर है।

८४. विजय मंडल—यह मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा बनवाए गए शहर 'जहानपनाह' के अवशेषों में स्थित एक विशाल पत्थर की मीनार है। मीनार की ऊपरी मंजिल पर एक कमरा था जिसकी छत अब गिर गयी है। यह स्थान शायद फौजों का निरीक्षण करने के लिए बनाया गया था। बेगमपुर की प्रसिद्ध मस्जिद भी पास में ही स्थित है।

८५. दादा बाड़ी—यहां दादा गुरु श्री मणीधारी जी के चरण अंकित है। अभी हाल में यहां पर अनेक सुन्दर दृश्यों का अंकन किया गया है। जिनमें नन्दिद्वीप आदि की झांकी दर्शनीय हैं।

८६. जोगमाया—जोगमाया का प्रसिद्ध मन्दिर कुतुब और दादाबाड़ी के पास ही स्थित है। अपनी मान्यता के कारण दूर-दूर से दर्शनार्थी इस मन्दिर में जोगमाया के दर्शनों के लिए आते रहते हैं।

८७. ओखला—कुतुब से वापस आने पर एक मार्ग ओखला जलागार की ओर जाता है। यह स्थान दिल्ली का प्रसिद्ध मनोरंजन का स्थान है। यहां जमुना नदी पर बांध बनाकर एक नहर निकाली गयी है। पानी के किनारे-किनारे बैठने के लिए सुन्दर स्थान बने हैं।

८८. जामिया मिलिया—ओखला वापस लौटते समय भारत में इस्लामी शिक्षा का यह प्रमुख केन्द्र [illegible] पड़ता है। यह विश्व विद्यालय नई तालीम सम्बन्धी अपने प्रयोगों और राष्ट्रीय प्रवृत्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

८९. निजामुद्दीन—हजरत निजामुद्दीन औलिया भारत के एक प्रसिद्ध सूफी सन्त थे। उनकी दरगाह का निर्माण सन १२९६-१३१६ के मध्य में अलाउद्दीन खिलजी के काल में हुआ था।

९० हुमायूं का मकबरा—यह मथुरा रोड पर पुराना किला के पास स्थित है। मकबरे के चारों ओर एक सुन्दर उद्यान है जिसे 'चार बाग' कहते हैं। इसी मकबरे के पास नाई का मकबरा और 'नीली छतरी' आदि दर्शनीय हैं। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की विधवा पत्नी 'हाजी बेगम' ने फारस के एक कारीगर 'मिरजा ग्यास' से करवाया था। यह सन १५६४ में बनना आरम्भ होकर १५६९ में पूरा हुआ और इस पर लगभग १५ लाख रुपए खर्च हुए।

९१. पुराना किला—यह मथुरा रोड पर स्थित है। इसे कौरव-पाण्डवों का किला भी कहते हैं। इतिहास के अनुसार इस किले का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया था। किले की दीवारें ६० फुट ऊंची एवम ५० फुट मोटी बनी हैं। किले का घेरा लगभग २ मील का है। किले के अन्दर 'कुहाना मस्जिद' व 'शेर मंडल' देखने योग्य हैं।

९२. चिड़िया घर—यह पुराने किले के पास ही एक विशाल क्षेत्र पर बड़े सुव्यवस्थित ढंग से बसाया गया है। इसका निर्माण प्रसिद्ध जर्मन विशेषज्ञ '[illegible]' की देख रेख में हुआ है। यहां पर अनेक प्रकार के पशु-पक्षी [illegible] रखे गये हैं।

९३. प्रदर्शनी मैदान—मथुरा रोड पर स्थित यह मैदान दिल्ली में होने वाली समस्त विशाल प्रदर्शनियों का केन्द्र है। [illegible]

९४. [illegible]—[illegible]

९५. कोटला फीरोजशाह—यह स्थान दिल्ली गेट के पास मथुरा रोड पर स्थित है। यह किला लगभग ६०० वर्ष पुराना है। यहां पर किले के अन्दर 'अशोक स्तम्भ' दर्शनीय है। यह स्तम्भ नीचे के भाग में १० फुट १० इंच आयत का और ४२ फुट ७ इंच ऊंचा है।

९६. बाल भवन—यह कोटला के पास स्थित है। यहां बच्चों के लिए विशेष खेलों का प्रबन्ध है। यहां की सबसे प्रमुख वस्तु बच्चों की रेलगाड़ी है जो लोहे की पटरी पर चलती है।

९७. इण्डिया गेट—यह नई दिल्ली का केन्द्र स्थल है। विशाल पत्थर के द्वार के दोनों ओर पत्थर के फुहारे और नहरें हैं। रात में इन फुहारों की रंग बिरंगी रोशनी दर्शनीय है।

९८. नेशनल स्टेडियम आदि—दिल्ली में खेलों के तीन प्रसिद्ध स्थान हैं। इनमें इंडिया गेट के सामने बना नेशनल स्टेडियम सबसे बड़ा क्रीड़ागार है और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का स्थान है। दूसरा विलिंगटन पवेलियन क्रिकेट मैचों का स्थान दिल्ली गेट के पास है। तीसरा फुटबाल स्टेडियम भी दिल्ली गेट के पास स्थित है। यहां समय समय पर खेल प्रतियोगिताएं होती रहती हैं।

९९. खूनी दरवाज़ा—यह दरवाज़ा दिल्ली गेट और कोटला फिरोजशाह के मध्य स्थित है। कहा जाता है कि शेरशाह के समय में दिल्ली नगर का मुख्य द्वार था। इस दरवाजे को 'खूनी दरवाजा' कहते हैं क्योंकि १८५७ के विप्लव में मेजर हडसन ने तीन राजकुमारों को इसी स्थान पर गोली से उड़ा दिया था।

१००. दरियागंज की जैन संस्थाएँ—दरियागंज में 'जैन बाल आश्रम' और 'समन्तभद्र विद्यालय' दो अति प्राचीन जैन शिक्षण संस्थाएं हैं। इनके अतिरिक्त 'वीर सेवा मंदिर' व 'अहिंसा मन्दिर' दो साहित्यिक संस्थाएं हैं। वीर सेवा मन्दिर में जैन विषयों पर अनुसंधान की पूरी सुविधा उपलब्ध है। यहां से उच्चकोटि के धार्मिक ग्रन्थों का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

१०१. राजघाट—यहां पर ३१ जनवरी १९४८ को महात्मा गांधी का दाह संस्कार किया गया था। इसी स्थान पर सुन्दर एवम् शान्त वातावरण में एक विशाल समाधि स्थल का निर्माण किया जा रहा है।

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

उत्तर भारत

१. कैलाश (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र तिब्बत में अवस्थित है। यहां के लिए उत्तर रेलवे के ऋषिकेश स्टेशन से बस द्वारा जोशीमठ जाकर यहां से पैदल यात्रा करते हुए 'नीती' की घाटी को पार करके जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी अन्य कई मार्ग हैं। 'मानसरोवर' से लगभग २० मील की दूरी पर यह पर्वत है। यहां से युग प्रवर्तक तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ६०० मुनिराजों के साथ मोक्ष पधारे थे।

२. बद्रीनाथ पुरी—यह प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जोशीमठ से २० मील आगे पैदल मार्ग पर स्थित है। यहां पर मुख्य मन्दिर में पार्श्वनाथ स्वामी की श्याम पाषाण से निर्मित एक खण्डित मूर्ति पद्मासन मुद्रा में स्थापित है। अब भी इस मूर्ति के दो दर्शन कराये जाते हैं, एक सजाकर शृङ्गार रूप में और दूसरे नग्न रूप में जो कि श्वेताम्बर व दिगम्बर मान्यता के प्रतीक हैं।

३. पौड़ी-श्रीनगर—यह स्थान ऋषिकेश-जोशीमठ बस मार्ग पर अलकनन्दा नदी के किनारे पर स्थित है। यह नगर किसी समय गढ़वाल प्रदेश का सबसे समृद्ध नगर था और यहां के राजाओं की राजधानी था। यहां पर नदी के किनारे एक रमणीक और विशाल क्षेत्र में विशाल शिखर युक्त दिगम्बर जैन मन्दिर है। यहां भगवान आदिनाथ की एक मूर्ति जैन सम्वत् १ की अर्थात् २५०० वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। इस मन्दिर को टेहरी गढ़वाल के राजाओं की ओर से सहायता मिलती थी। जब गोरखों ने गढ़वाल विजय किया उसके बाद भी मन्दिर को सहायता मिलती रही। सन् १८२४ में जब यह प्रदेश अंग्रेजों के कब्जे में आया तो उन्होंने २० वर्ष की सहायता इकट्ठी देकर आगे को बन्द कर दी। वर्तमान में यह समस्त गढ़वाल प्रदेश में स्थित एकमात्र बचा हुआ जैन मन्दिर है।

४. दिल्ली—यह ऐतिहासिक नगर व भारत की राजधानी उत्तर, मध्य व पश्चिम रेलवे लाइनों का जंक्शन स्टेशन है। यह प्राचीन काल से जैन संस्कृति का केन्द्र रहा है, और आज भी है जैसा कि इस डायरेक्टरी के पिछले पृष्ठों से प्रगट है।

५. हस्तिनापुर (अतिशय क्षेत्र)—मेरठ शहर से २२ मील की दूरी पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इसी पुण्य भूमि पर राजा श्रेयांस ने वर्तमान युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को इक्षुरस का आहार देकर दान प्रथा चलाई थी। कालांतर में यहां भ० शांतिनाथ, कुंथुनाथ और अरहनाथ तीन तीर्थंकरों के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे और मल्लिनाथ भगवान का समवशरण आया था।

यहां एक श्वेताम्बर तथा एक दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। दिगम्बर मन्दिर दिल्ली के स्व० राजा हरसुखराय जी का बनवाया हुआ है। उपर्युक्त तीनों भगवानों की नसियां भी हैं जिनमें चरण-चिन्ह विद्यमान हैं।

यहां राजा हरसुखराय जी की धर्मशाला भी है। प्रति-वर्ष कार्तिक अष्टान्हिका पर्व पर यहां मेला होता है।

इस क्षेत्र के निकट ही बहसूमा नामक ग्राम में भी दर्शनीय और प्राचीन मूर्तियां हैं।

६. बहसूमा—उक्त हस्तिनापुर क्षेत्र से लगभग ६ मील दूर यह स्थान है। यहां एक मन्दिर है जो [illegible] में है। मन्दिर जी में एक [illegible] प्रतिमा विराजमान है।

७. अहिच्छत्र (अतिशय क्षेत्र)—[illegible]

की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यह भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की तपोभूमि है। यहां ही उन्होंने कमठ के जीव व्यंतरदेव कृत घोर उपसर्गों पर विजय प्राप्त कर केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

यहां के प्राचीन राजा जैन धर्मावलम्बी थे। राजा वसुपाल ने यहां एक सुन्दर जैन मन्दिर निर्माण कराया था जिसमें भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की लेपदार प्रतिमा विराजमान की थी। आचार्य पात्रकेशरी ने यहीं पर जैन धर्म की दीक्षा ली थी। जैन धर्मानुयायी प्रसिद्ध गंगवंश राजाओं के पूर्वज संभवतः यहीं पर राज्य करते थे।

यहां प्राचीन पांच वेदियों वाला एक विशाल दिगम्बर मन्दिर है जिनमें मूल वेदी किंवदंती के अनुसार देवकृत है। ग्राम में भी एक मन्दिर दर्शनीय है जिसमें भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

८. अयोध्या जी (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की लखनऊ-मुगलसराय लाइन पर यह क्षेत्र सरयू नदी के किनारे अवस्थित है। युग के आदि तीर्थ प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव, द्वितीय तीर्थंकर श्री अजितनाथ, चौथे श्री अभिनन्दन नाथ, पांचवे श्री सुमतिनाथ और चौदहवें श्री अनन्त नाथ जी की यह जन्म नगरी है।

यहां पांच मन्दिर हैं जो कि सन् १७२४ में नवाब शुजाउद्दौला के शासनकाल के बने हुए हैं। प्राचीन मन्दिर शाहबुद्दीन के राज्यकाल में विध्वंस किये जा चुके हैं। वर्तमान पांच मन्दिरों में आदिनाथ जी का स्वर्गद्वार के पास, अजितनाथ जी का इटावा तालाब के पास, अभिनन्दन नाथ जी का नवाबी सराय में, अनन्तनाथ जी का गोलाघाट नाला के तट पर और सुमतिनाथ जी का मंदिर रामकोट में है।

यहां पर १०८ आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज के प्रयत्न से भगवान आदिनाथ की एक ही पत्थर से बनी सफेद संगमरमर की ३२ फुट ऊंची मूर्ति की स्थापना की जा रही है।

९. वाराणसी—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय-हावड़ा लाइन पर प्रसिद्ध जंक्शन है। पूर्वी रेलवे पर मुगलसराय जंक्शन से लगभग ३ मील दूरी पर अवस्थित है।

यह नगर प्राचीन काल में काशी देश की राजधानी रहा है। वैदिक व श्रमण संस्कृति दोनों का ही प्राचीन केन्द्र है। सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ व तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की जन्म नगरी भी यही है। भगवान सुपार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान गंगा के तट पर भदेनी में दो दिगम्बर जैन मन्दिर हैं, निकट ही स्व० मुनि गणेश प्रसाद वर्णी द्वारा स्थापित प्रसिद्ध स्याद्वाद महाविद्यालय है। महाकवि वृन्दावन लाल ने यहीं रहकर अपनी काव्य रचना की थी। भगवान पार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान भेलूपुर में अत्यन्त कलापूर्ण जैन मन्दिर हैं। मुख्य सड़क पर ही खड्गसेन उदयराज लमेंचू का विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमें कई प्राचीन प्रतिमाओं के अतिरिक्त धरणेन्द्र-पद्मावती की बड़ी मनोज्ञ प्रतिमा है। इस मन्दिर के पीछे एक विशाल श्वेताम्बर मन्दिर है जिसकी एक वेदी में ५ दिगम्बर प्रतिमायें भी विराजमान हैं।

नगर में कई श्वेताम्बर व दिगम्बर मन्दिर हैं। दिगम्बर मन्दिरों में मैदागिन मन्दिर, ठठेरी बाजार का पंचायती मन्दिर तथा भाट के मुहल्ले में श्री धर्मचन्द्र जौहरी व गोविन्दपुरा में सूरजमल जी के चैत्यालय प्रमुख हैं। जौहरी जी के चैत्यालय में श्री पार्श्वनाथ स्वामी की हीरे की प्रतिमा और सूरजमल जी के चैत्यालय में स्फटिक की अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

ठठेरी बाजार में मस्जिद के निकट, बालू जी के फर्स पर व नये घाट के पास श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय हैं।

यहां पर ही श्वेताम्बर समाज का श्री धर्मविजय सूरी द्वारा स्थापित यशोविजय विद्यालय है।

१०. चंद्रपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी नगर से लगभग १४ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी का गर्भ, जन्म व तप कल्याणक हुआ था था। गंगा तट पर विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला है।

११. सिंहपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी शहर से लगभग ५ मील तथा सारनाथ स्टेशन से १ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांस नाथ का गर्भ, जन्म, तप व कल्याणक हुआ था। यहां विशाल धर्मशाला तथा दिगम्बर मन्दिर है। मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान श्रेयांसनाथ की विराजमान है। निकट ही खुदाई में जैन व बौद्ध मूर्तियां निकली हैं। वे सरकारी अजायबघर में रखी गई हैं।

१२. मथुरा—मध्य रेलवे की दिल्ली-आगरा छावनी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यहां नगर में ४ मन्दिर तथा कई चैत्यालय अवस्थित हैं।

१३. चौरासी (सिद्धक्षेत्र)—मथुरा से पश्चिम में लगभग १॥ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यह अन्तिम केवली श्री जम्बू स्वामी आदि ५०० मुनिराजों की निर्वाण भूमि है। उन मुनिराजों के स्मारक रूप यहां ५०० स्तूप बने हुए थे जिन्हें सम्राट अकबर के समय में साहू होडल जी ने फिर बनवाया था। समय व्यतीत हो जाने पर वह सब नष्ट हो गये। यहीं पर भगवान पार्श्वनाथ के समय का स्तूप बना हुआ था। इस क्षेत्र के सम्बन्ध में श्री सोमदेव प्रसाद ने अपने 'यशस्तिलकचम्पू' में लिखा है।

१४. कम्पिला जी (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर-पश्चिम रेलवे की आगरा फोर्ट-फतेहगढ़ लाइन पर कायमगंज स्टेशन से लगभग ६ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। ऐसा मत है कि यह स्थान ही प्राचीन काम्पिल्य है जहां भगवान विमलनाथ स्वामी के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे। यहीं सती द्रोपदी का स्वयंवर रचा गया था और यहीं हरिषेण चक्रवर्ती ने जैन रथ निकलवा कर धर्म प्रभावना की थी। भगवान महावीर का समवशरण भी यहां आया था।

यहां एक श्वेताम्बर व एक प्राचीन विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमें भगवान विमलनाथ स्वामी की तीन मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं। यहां खंडित प्रतिमायें भी बहुत हैं जिनसे प्रकट होता है कि यहां पहले और भी मन्दिर थे। मन्दिर जी में विमलनाथ स्वामी के चरण चिन्ह भी हैं।

१५. बटेश्वर-शौरीपुर (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की आगरा-कानपुर लाइन पर शिकोहाबाद जंक्शन स्टेशन से लगभग १३ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। बटेश्वर में एक विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर यहां के भट्टारकों का बनवाया हुआ है। जिसकी नींव यमुना नदी में है और जिसमें भगवान अजितनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा विराजमान है। कहते हैं कि यहीं से अन्तकृत केवली मोक्ष पधारे थे। श्री जगत्भूषण आदि भट्टारकों का पट्ट भी यहां रहा है।

बटेश्वर से एक मील चलकर शौरीपुर क्षेत्र अवस्थित है। यह प्राचीन काल में यादव वंशी राजा सूरसेन की राजधानी रही है। यहां भगवान नेमिनाथ का जन्म हुआ था। यहां कई प्राचीन दिगम्बर मन्दिर हैं। छत्री में भगवान नेमिनाथ की चरण पादुकायें हैं। बटेश्वर के एक प्रतिमा मूंगा जैसे रंग वाले पाषाण की श्री नेमिनाथ की अतिशय युक्त है। इसी क्षेत्र में सन् १९५४ में आगरा निवासी स्व० सेठ सुमेरचन्द्र बरौल्या ने नवीन मन्दिर का निर्माण करवा कर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा की थी।

१६. श्रावस्ती (अतिशय क्षेत्र)—पूर्वोत्तर रेलवे की गोरखपुर-गोंडा लाइन पर स्थित बलरामपुर स्टेशन से १२ मील पश्चिम सहेट-महेठ ग्राम ही प्राचीन श्रावस्ती है। यह प्राचीन समय में कोशल देश की राजधानी थी। ग्राम में एक टीला है। यहां तीसरे तीर्थंकर भगवान संभवनाथ जी का जन्म हुआ था। यहां प्राचीन मन्दिर भी है।

१७. फीरोजाबाद (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय लाइन पर टूंडला जंक्शन से लगभग १५ मील पूर्व की ओर स्थित है। प्राचीन काल में यह चंदवार का ही भाग था जहां पर, कहा जाता है, कि ५१ बिम्बप्रतिष्ठायें हुई थीं।

यहां २२ जैन मन्दिर हैं जिनमें सबसे विशाल व प्रमुख श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर है। इस मन्दिर में चतुर्थ काल की एक स्फटिक मणि की लगभग १॥ फुट ऊंची अति मनोज्ञ प्रतिमा सातिशय विराजमान है। इस प्रतिमा जी को एक नरेन्द्र श्रावक ने यमुना नदी से, [illegible] कि यह पूरे देश पर थी, स्वप्न में बतलाये गये, [illegible] चिन्ह के अनुसार पहचान कर निकाला था। ऐसा कहा जाता है कि नदी तट से यह प्रतिमा जिस रथ में विराजमान की गई थी, वह रथ स्वयं [illegible] इसी मन्दिर पर आकर रुका था। [illegible] नरेन्द्र श्रावक भी [illegible] स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। [illegible] में [illegible] प्रतिमायें [illegible] कि इसकी मनोज्ञ और [illegible] प्रतिमा [illegible] हैं।

नगर के अन्य मन्दिरों में कई प्राचीन हैं और उनकी कारीगरी दर्शनीय है। हाल ही में एक नवीन मन्दिर व विशाल मानस्तम्भ सेठ छदामीलाल जी ने अपने ही द्वारा बसायी जैन कालोनी में बनवाया है। इसमें संगमरमर की कारीगरी शिल्प की दृष्टि से भव्य व सुन्दर है।

यहां से निकट टापे नामक ग्राम, महाकवि तुलसीदास व हिन्दी के सर्व प्रमुख आत्मचरित लेखक व महान अध्यात्म कवि बनारसीदास जी के समकालीन कविवर ब्रह्मगुलाल जी की जन्म नगरी है।

१८. लखनऊ–यह ऐतिहासिक व उत्तरप्रदेश राज्य का प्रमुख नगर उत्तर रेलवे की लखनऊ फैजाबाद लाइन पर स्थित है। यहां अनेक प्राचीन श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मन्दिर हैं।

१९. आगरा–यह उत्तर रेलवे पर प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर है। यहां कई प्राचीन जैन मन्दिर हैं। जामा मसजिद के निकट भगवान शीतलनाथ जी का विशेष महत्वपूर्ण मन्दिर है जिसमें भगवान शीतलनाथ जी की लगभग ४ फुट ऊंची श्याम वर्ण पाषाण की सातिशय अति मनोज्ञ दिगम्बर प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर के अन्य हिस्सों में श्वेताम्बर प्रतिमायें विराजमान हैं।

२०. इलाहाबाद (प्रयाग)–उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर यह प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यहां पांच मन्दिर हैं जिनमें कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२१. फफोसा (अतिशय क्षेत्र)–उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मेन लाइन पर भरवारी स्टेशन से २४ मील दूरी पर यमुना नदी के किनारे यह अवस्थित है। इसके पास ही प्रभाक्षेत्र नाम से फफोसा पर्वत है जिस पर एक मन्दिर है उसमें तीन चतुर्थकालीन प्रतिमायें विराजमान हैं। ऐसा कहा जाता है कि यहीं पर पद्म प्रभु भगवान ने तप करके केवलज्ञान प्राप्त किया था। मन्दिर के आगे चट्टान में उत्कीर्ण प्रतिमायें हैं।

२२. कौशाम्बी-कोसम–उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर भरवारी स्टेशन फफोसा से २८ मील की दूरी पर गढ़वाल नामक गांव है। यहां के मन्दिर में पद्मप्रभु स्वामी की २ प्रतिमायें श्वेतवर्ण चतुर्मुख विराजमान हैं। एक जोड़ी चरण पादुकायें भी हैं। यहां के निकट ही कुशंवा नामक गांव है जिसका प्राचीन नाम कौशाम्बी है। यहां से पद्मप्रभु भगवान के गर्भ और जन्म कल्याणक हुए थे।

यह राजा उदयन की राजधानी थी। यहां की खुदाई में अनेक प्राचीन जैन मूर्तियां प्राप्त हुई हैं।

२३. सहारनपुर–उत्तर रेलवे की दिल्ली-अम्बाला मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यह नगर दिल्ली के प्रसिद्ध खंजाची श्री सहारनबीर सिंह ने बसाया था। यहां अनेक प्राचीन दर्शनीय जैन मन्दिर है।

२४. बड़ागांव–यह शहादरा-सहारनपुर लाइट रेलवे पर खेखड़ा स्टेशन से ३ मील की दूरी पर अवस्थित है। सन १९२२ में यहां के अत्यंत प्राचीन जीर्ण मन्दिर के विध्वंस्थ टीले की खुदाई में भ० पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति प्राप्त हुई थी, तदनंतर उसी स्थान पर मन्दिर बनवाकर मूर्ति को विराजमान किया है।

२५. कहावगांव (अतिशय क्षेत्र)–उत्तर-पूर्वी रेलवे की लखनऊ-गोरखपुर लाइन पर गोरखपुर स्टेशन से आग्नेय कोठा में ४२ मील पर है। यहां प्राचीन कीर्ति-स्तंभ २४ फुट ऊंचा व लाल मन्दिर बना है। यहां निकट कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२६ रत्नपुरी–उत्तर रेलवे पर फैजाबाद जंक्शन स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ जी का जन्म स्थान है। यहां एक पर प्राचीन भी मन्दिर है।

२७. किष्किधापुर–गोरखपुर से निकट ही खुखंदो ग्राम है। यही प्राचीन किष्किधापुर अथवा काकंदी नगर है। यहां नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान के गर्भ व जन्म कल्याणक हुऐ हैं। यहां के मन्दिर में उन्हीं की प्राचीन मूलनायक प्रतिमा हैं।

२८. कुकुस ग्राम–गोरखपुर से ४६ मील दूर कहाऊ ग्राम ही 'कुमकुम ग्राम' है। यहां प्राचीन जैन मन्दिरों के भग्नावशेष हैं। उत्तर में एक मानस्तंभ भी है।

२९. इटावा–यह ऐतिहासिक नगर उत्तर रेलवे पर आगरा व कानपुर के बीच में अवस्थित है। कहा जाता है कि ७वीं शताब्दी के आरम्भ में यह प्रदेश हर्षवर्धन के राज्य में था, कालांतर में चौहान वंश के शासन में यहां की विशेष

प्रगति हुई। राजा पृथ्वीराज चौहान के वंशज राजा सुमेर सिंह ने (जो बाद में राजा सुमेरशाह कहलाये) इस प्रदेश को मेवों से छीन कर अपनी राजधानी बनाया और जमुना नदी के किनारे एक किले का निर्माण कराया जो ध्वंसावस्था में अब भी टिक्सी के मन्दिर के पास अवस्थित है।

नगर के आस-पास के बहुत से पुराने टीले जिन पर प्राचीन काल में प्रसिद्ध नगर और किले स्थित थे अब भी वर्तमान हैं, इनमें कुदरकोट, मुज्ज, चकरनगर, और असई खेड़ा अधिक प्रसिद्ध हैं। इनके खंडहरों में विगत वर्षों में कई प्राचीन जैन मूर्तियां तथा अन्य सामग्री प्राप्त हुई है।

यहां ६ शिखर युक्त दिगम्बर जैन मन्दिर, १ चैत्यालय तथा नगर से लगभग १½ मील की दूरी पर प्राचीन नशियां जी हैं। नशियां जी श्री १०८ विमलसागर जी मुनिराज का समाधि-स्थान है, यहां उनके चरण स्थापित हैं। तथा जिन मन्दिर भी हैं। जिसमें कई मूर्तियां सहस्त्र वर्ष से भी पूर्व की हैं। नशियां जी की खोज निकालने का श्रेय स्व० पू० ब्र० शीतल प्रसाद जी को है जिन्होंने लगभग ३५ वर्ष पूर्व अपने चातुर्मास्य काल में यहां के बारे में खोज करके पुनरुद्धार किया।

यहां के मन्दिर में पंसारी टोला का मन्दिर प्राचीन है जिसमें प्राचीन साहित्य भंडार है। स्थापत्य कला की दृष्टि से लालपुरा का श्री पार्श्वनाथ मन्दिर महत्वपूर्ण है। मंदिर जी के नीचे विशाल धर्मशाला है। इस मन्दिर व धर्मशाला का निर्माण कलकत्ता निवासी स्व० बाबू मुन्नालाल जी ने जो कि मूलतः इटावा के निकट हतकांत के निवासी थे, लगभग ४५ वर्ष पूर्व सम्वत् २४४१ में कराया था।

हतकांत चम्बल नदी के तट पर बसे होने के कारण ११ वीं सदी से लेकर १६ वीं सदी तक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा। प्रांत के तत्कालीन कुशल जैन व्यापारियों ने हतकांत को अपने व्यापार-केन्द्र बनाने के साथ ही यहां लगातार ५२ बिम्ब प्रतिष्ठायें भी कराईं। जब रेलों के यातायात के कारण नदियों के साधन का महत्व घटा तो हतकांत ने अपना व्यापारिक महत्व को खो दिया और धीरे धीरे यहां की जनसंख्या भी कम होती गई। जैनों का निवास न रहने से मन्दिर जी में पूजा प्रक्षालन की व्यवस्था बन्द हो गई। इस समस्या का हल बा० मुन्नालाल जी ने इटावा में नवीन मन्दिर का निर्माण कर के किया। हतकांत से मूर्तियों का बहुभाग इस मन्दिर जी में लाया गया तथा कुछ अन्यत्र भी ले जाई गई। ऐसा भी अनुमान है कि हतकांत के जीर्ण मन्दिर में अनेक गुप्त भौंहरे हैं जिनमें सैकड़ों मूर्तियां विराजमान हैं।

हतकांत से लाई गईं सभी मूर्तियां पाषाण की हैं और ५०० वर्ष पूर्व की हैं। मन्दिर जी की तीनों वेदियों में ये मूर्तियां विराजमान हैं। मध्य वेदी में मूल नायक श्याम वर्ण पाषाण की ६½ फुट ऊंची मनोज्ञ प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की स्थापित है जो ८०० वर्ष प्राचीन है।

मन्दिर जी के निर्माण और हतकांत से मूर्तियों को लाने में बा० मुन्नालाल जी को अपने अनुज स्व० ला० तोताराम जी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। विगत वर्षों में मन्दिर जी व धर्मशाला में बा० मुन्नालाल जी के उत्तराधिकारी बा० सोहन लाल जी द्वारा नवीन निर्माण भी हुए हैं। मन्दिर जी के शास्त्र भंडार में अनेक प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथ हैं। धर्मशाला व मन्दिर के व्यवस्थापक ला० मधुवन दास जी हैं।

३०. फरहल—यह कस्बा उपर्युक्त इटावा नगर से लगभग १६ मील की दूरी पर इटावा-मैनपुरी बस मार्ग पर स्थित है।

यहां ४ शिखर युक्त विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर तथा २ चैत्यालय हैं, इनमें 'मन्दिर [illegible]' विशेष प्राचीन है। मन्दिर जी में मूल नायक प्रतिमा भगवान चन्द्रप्रभु की श्वेत पाषाण की लगभग ५०० वर्ष प्राचीन है। तथा अनेक हस्तलिखित शास्त्रों का भंडार है।

इसी कस्बे को वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ काल से सुविख्यात पं० मिही लाल जी व पंडित [illegible] जैसे प्रकांड विद्वानों के जन्म स्थान होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

यहां से निकट मैनपुरी, शिकोहाबाद, [illegible] आदि स्थानों में भी दर्शनीय मन्दिर हैं।

३१. देवबंद—उत्तर रेलवे की दिल्ली-सहारनपुर लाइन पर मुजफ्फर नगर से १४ मील पर देवबंद स्टेशन है। यहां १ प्राचीन दर्शनीय मन्दिर है।

३२. फिरोजपुर—[illegible] मील दूरी पर यह स्थान है। यहां एक प्राचीन मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा भगवान [illegible]

३३. ओसियां—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकराम लाइन पर ओसियां स्टेशन है। स्टेशन से आध मील की दूरी पर यह ग्राम है। इस स्थान के प्राचीन नाम अकेश, उरकेश, नवनेरी तथा मेलनुरयत्तन हैं। यह ओसवाल जैनों की उत्पति का स्थान कहा जाता है। यहां कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिसमें महावीर स्वामी का मन्दिर मुख्य है। इस प्राचीन मन्दिर का तोरण अति भव्य है। स्तंभों पर तीर्थंकरों की प्रतिमायें उत्कीर्ण है।

३४. नाकोड़ा पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—यह स्थान लूनी पुनाकाव लाइन पर वालोतरा स्टेशन से लगभग ६ मील चल कर पर्वतों में स्थित है। ग्यारहवीं शताब्दी में नकोड़ा नामक छोटे से गांव में भूमि खोदते समय तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोहर प्रतिमा प्राप्त हुई थी और उसे मन्दिर बनवाकर स्थापित किया गया था। अब यहां एक विशाल घेरे में तीन भव्य जैन मन्दिर हैं और चार भूमिगृह हैं। वाजोतरा स्टेशन व क्षेत्र में जैन भी धर्मशालाऐं हैं।

३५. घंघाड़ी-गांगाड़ी—उत्तर रेलवे की वीकानेर जोधपुर लाइन के आसरनाड़ा स्टेशन से घंघाड़ी तीर्थ को मार्ग जाता है। यहां सम्राट अशोक के पौत्र सम्प्रति का बनवाया हुआ पद्मप्रभु जिनालय है। १७ वीं शताव्दी में यहां कई धातुमयी जैन प्रतिमायें थी जिन पर सम्प्रति आदि के लेख होने का उल्लेख महाकवि श्री समय सुन्दर ने किया है। परन्तु व प्रतिमायें अव प्राप्य नहीं। १० वीं शताव्दी की मूर्तियां अव भी प्राप्त है।

३६. जैसलमेर—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकरण लाइन पर पोकरण स्टेशन से जैसलमेर के लिये वस सर्विस है। यहां के किले में ८ भव्य व कलापूर्ण मन्दिर हैं, उनके तोरणादि एवं शिखर की कारीगरी वहुत ही भव्य है। दो मन्दिरों के वीच एक तलघर में सुप्रसिद्ध प्राचीन ताड़पत्रीय जैन साहित्य भंडार है। यहां सभी मन्दिर १५ वीं अथवा १६ वीं शताव्दी के हैं।

नगर में अनेक मन्दिर, देवासर, दादावाड़ियां तथा उपाश्रय हैं।

जैसलमेर से लाद्रवा (लोद्रवपुर) जो पहले रियासत की राजधानी थी, १० मील पर है। यहां भगवान पार्श्वनाथ जी का एक सुन्दर मन्दिर है। इसी प्रकार जैसलमेर से ३ मील की दूरी पर 'अमर सागर' में अनेक कलापूर्ण जैन मन्दिर है।

पूर्वी-भारत

३७. पारसनाथ ईशरी—पूर्वी रेलवे की ग्रांड कार्ड हावड़ा मुगलसराय मुख्य लाइन पर प्रख्यात पारसनाथ स्टेशन है। यहां एक सुन्दर मन्दिर तथा उदासीनाश्रम है।

महान तपोनिधि, न्यायाचार्य पूज्य मुनि गणेश प्रसाद जी वर्णी का समाधि स्थान है:

३८. श्री सम्मेद शिखर जी (सिद्ध क्षेत्र)—उक्त पारसनाथ स्टेशन से १४ मील तथा गिरीडीह स्टेशन से १८ मील पर यह तीर्थराज अवस्थित है। इसी पर्वतराज से द्वितीय तीर्थंकर अजित नाथ आदि वीस तीर्थंकर तथा अन्य करोड़ों मुनिवर मोक्ष पधारे हैं, अतएव यह महान, महापवित्र तथा अत्यन्त प्राचीन सिद्ध क्षेत्र है। ऐसा कथन है कि इस सिद्धाचल पर देवेश ने स्वंय आकर विभिन्न तीर्थकरों की पुण्य निर्वाण भूमियों पर सुन्दर शिखरें चरण चिह्न सहित निर्माण करवाईं थीं। इनके जीर्ण हो जाने पर सम्राट श्रेणिक ने जीर्णोद्धार कराया। इस प्रकार समय समय पर इन स्मारकों का जीर्णोद्वार होता आ रहा है।

इस महापवित्र पर्वत की यात्रा मार्ग में कुल १८ मील —६ मील चढ़ना, ६ मील उतरना, ६ मील यात्रा—क है। तलहटी से ३ मील चढ़ने पर गंधर्व नाला है जहां विश्रामगृह वने हुऐ हैं। वहां से १ मील और चढ़ने पर सीता नाला है। इस स्थान से वायीं ओर चल कर गौतम स्वामी, व कुंथनाथ जी की टोंकें हैं। इन से पूर्व की ओर के मार्ग में क्रमशः अरनाथ, मल्लिनाथ जी, श्रेयांसनाथ, पुष्पदंत, पद्म प्रभु जी, मुनिसुव्रत नाथ जी, तथा चन्द्रप्रभु भगवान की टोंकें हैं। यहां से दक्षिण की ओर चलने पर शीतल नाथ जी, अनंत नाथ जी, संभवनाथ जी, अभिनंदननाथ जी की टोंके हैं। यहां से लौटते समय कुछ उतार पर जल मन्दिर हैं। यहां से अन्य तीर्थ करों की टोंकों पर जाना होता है। सव से ऊंची टोंक पार्श्वनाथ स्वामी की है, जहां अति मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी टोंकों में केवल चरण चिह्न हैं।

पर्वत की तलहटी (उपत्यका) में मधुवन नामक मनोरम स्थान है। यहां तीन बड़ी-बड़ी कोठियां बनी हुई हैं। पर्वत की ओर की बीस पंथी कोठी में विशाल धर्मशाला तथा दिगम्बर मन्दिर है। मन्दिर जी में ६ वेदियां हैं। इस के अतिरिक्त भी कई मन्दिर हैं। दूसरी कोठी श्वेताम्बरियों की है जिसमें सैकड़ों विशाल मन्दिर हैं। तीसरी कोठी तेरह पंथी दिगम्बर जैनों की है जिसमें विशाल धर्मशाला तथा १० वेदी युक्त अत्यन्त प्राचीन मन्दिर है। आदि मन्दिर के पीछे १ और मन्दिर है। जिसमें तीन वेदियां हैं, मध्य में पार्श्वनाथ स्वामी की ७ फुट ऊंची पद्मासन प्रतिमा अति मनोज्ञ है। इस मन्दिर में चौबीस प्रतिमायें, सहस्त्र कूट चैत्यालय तथा महावीर स्वामी की ६ फीट ऊंची कायोत्सर्ग प्रतिमा शिल्प की दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है।

तेरापंथी कोठी में ही कलकत्ता निवासी सेठ सोहन लाल जी लमेंचू (मुन्ना लाल द्वारका दास घी वाले) द्वारा बनवाया गया विशाल कलापूर्ण मन्दिर है। मन्दिर जी में अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु की सवा पांच फीट ऊंची श्वेतपाषाण की अति मनोज्ञ मूर्ति विराजमान है। मन्दिर जी में संगमरमर की दर्शनीय कारीगरी है। इसके चारों ओर परकोटा भी है। मन्दिर जी के निकट ही एक विशाल मान स्तंभ है।

३९. कलकत्ता—यह औद्योगिक नगर पूर्वी और उत्तर रेलवेपर स्यालदाह व हावड़ा जंक्शन स्टेशनों से निकट स्थित है।

यहां अनेक विशाल मन्दिर हैं जिनमें बेलगछिया का दिगम्बर मन्दिर व रायबद्री दास जी का श्वेताम्बर मन्दिर विशेषरूप से दर्शनीय हैं।

४०. फटगोला—यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे पर स्थित है। यहां एक प्राचीन श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय है।

४१. गया—पूर्वी रेलवे की हावड़ा मुगलसराय मुख्य लाइन पर गया जंक्शन स्टेशन है। यहां से २ मील की दूरी पर २ जैन मन्दिर हैं जिनमें कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

लगभग ३८ मील दूरी पर कुलुआ पहाड़ है। जिसकी चढ़ाई २ मील के लगभग है। पहाड़ पर ४ मील के घेरे में अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं। यहां अनेक प्रतिमायें खण्डित अवस्था में हैं और प्राचीन मन्दिरों के भग्नावशेष भी हैं।

ऐसा मत है कि यह क्षेत्र ही भगवान शीतल नाथ की तपो भूमि है और यहीं से उन्होंने केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

४२. राजगृह-पंचपहाड़ी (अतिशय क्षेत्र)—पूर्वी रेलवे पर बख्तियारपुर जंक्शन स्टेशन से ३३ मील दूर पर ऐतिहासिक क्षेत्र अवस्थित है।

यह नगर भगवान महावीर के समय में अत्यन्त समुन्नत व विशाल था। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार ने इस नगर को अपनी राजधानी बनाया था। यहां से निकट विपुलाचल पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था और सम्राट श्रेणिक उनकी वन्दना को गये थे। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार द्वारा यहां निर्माण कराये मन्दिरों व उनमें प्रतिष्ठित मूर्तियों और कीर्तियों के उपलब्ध अवशेषों में यह ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट है।

भगवान महावीर से पूर्व बीसवें तीर्थंकर श्री मुनिसुव्रत नाथ का गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक इसी पुण्य भूमि पर हुए थे। मुनिराज धनदत्तादि और भगवान महावीर के कई गणधर इसी स्थान से मोक्ष गये। [illegible] गुफा में पूतिगन्धा धुलिका ने समाधि मरण लिया था।

यहां से निकट पांच पर्वत हैं। प्रथम विपुलाचल पर्वत पर चार मन्दिर और दो चरणपादुकायें हैं। भगवान मुनि सुव्रत नाथ के चार कल्याणकों का स्मारक एक मन्दिर है। द्वितीय रत्नगिरि पर्वत है जिस पर एक प्राचीन मंदिर और मुनिसुव्रतनाथादि तीर्थंकरों के चरण चिह्न हैं। [illegible] उदयगिरि पर २ मंदिर और चरण चिह्न, स्वर्णगिरि पर २ मंदिर और एक चरण चिह्न, तथा [illegible] पर पांच मन्दिर हैं। इन मन्दिरों की [illegible] यहां से एक मील दूर गणधर स्वामी के चरण [illegible]।

तलहटी में २ दिगम्बर तथा एक श्वेताम्बर मन्दिर [illegible] और कई मनोहर कुण्ड हैं।

४३. [illegible] गुफायें—राजगृह से लगभग [illegible] पर [illegible] हैं। [illegible] पर ४ और दूसरी पर [illegible] गुफाओं में प्राचीन [illegible] दर्शनीय है। [illegible] पूर्व के हैं [illegible] होता है।

४४ पटना (सिद्धि क्षेत्र)—पूर्वी रेलवे पर यह प्रमुख नगर जंक्शन स्टेशन है। यहां से सुदर्शन सेठ मोक्ष गये हैं। स्टेशन के पास एक टेकरी पर उनकी चरणपदुकाऐं बनी हैं। यहां पांच विशाल मन्दिर व चैत्यालय है।

४५. खंडगिरि-उदयगिरि—दक्षिण पूर्वी रेलवे की हावड़ा वाल्टेयर लाइन पर भुवनेश्वर स्टेशन से पांच मील की दूरी पर पश्चिम की ओर खंड गिरि व उदय गिरि नामक दो पहाड़ियां है।

उदयगिरि पहाड़ी का प्राचीन नाम कुमारी पर्वत है। इस पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहाँ से ५०० मुनिवर मोक्ष गये थे। यह ११० फीट ऊंची है इसके कटिस्थान में पत्थरों को काट कर कई गुफायें व मन्दिर बनाये गये हैं। गुफाओं में अलकापुरी, जयविजय, रानीनूद, गनेश गुफा, स्वर्ग गुफा, मध्य गुफा, व पाताल गुफा विशेष महत्वपूर्ण हैं रानीनूद गुफा में अनेक अन्तर गुफायें हैं। हाथी गुफा में कलिंग सम्राट खारवेल का शिला लेख है। खारवेल कलिंग देश के चक्रवर्ती राजा थे और जैन धर्मवलम्बी थे। खारवेल द्वारा उदयगिरि पर अनेक जिन मंदिर व स्तंभ निर्माण कराये गये थे।

खंडगिरि पर्वत १३३ फुट ऊंचा है। सीढ़ियों के सामने ही खंडगिरि गुफा है। जिसके ऊपर नीचे ५ गुफायें बनी हैं, अनंत गुफा में १½ हाथ की कायोत्सर्ग जिन प्रतिमा विराजमान है। यहां 'आकाश गंगा' नामक जल कुंड है। इस पर्वत पर भी अनेक गुफायें हैं। जिनमें राजा इन्द्र केशरी की गुफा, आदि नाथ गुफा, बारहभुजी गुफा विशेष प्रसिद्ध है। इनमें अनेक प्राचीन दिगम्बर मूर्तियां हैं जो अति मनोज्ञ और प्राचीन शिल्पकला की अमूल्य कृति हैं।

४६. गुणावा (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे की गया-क्यूल लाइन पर नवादा स्टेशन से लगभग १॥ मील की दूरी पर अवस्थित है। ऐसा प्रसिद्ध है कि यह वहीं पुनीत स्थान है जहां से भगवान महावीर के गणधर श्री गौतम स्वामी मोक्ष पधारे थे।

यहां तालाव के बीच में विशाल और कलापूर्ण मंदिर है। मन्दिर में तीर्थकरों के चरण भी हैं। यात्रियों के वास्ते यहां जैन धर्मशाला भी है।

४७. नालंदा—यह बौद्ध कालीन प्रसिद्ध शिक्षण-केन्द्र बिहार लाइट रेलवे पर राजगिरिकुंड स्टेशन से लगभग ८ मील पूर्व ही आता है। पटना या बख्तियारपुर से मोटर-बसें भी यहां के के लिए आती हैं।

नालंदा स्टेशन से लगभग १ मील दूर बड़गांवा ग्राम है जिसके पास ही नालंदा के भग्नावशेष हैं। कुछ लोग इसे कुण्डिनपुर कहते हैं।

इस स्थान पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहां की खुदाई से पता चला है कि यह महानगर कई बार बना और कई बार ध्वस्त हुआ। यहां के आर्कियोलोजीकल सर्वेक्षण के फलस्वरूप एक सम्पूर्ण नगर जिसमें विद्यालय आदि तथा बौद्ध व जैन मन्दिरों की मूर्तियां प्राप्त हुई हैं।

यहां के जैन मन्दिर में भगवान महावीर की अति मनोज्ञ प्राचीन मूर्ति है।

४८. पावापुरी (सिद्धिक्षेत्र)—बख्तियारपुर बिहार लाइट रेलवे पर बिहार शरीफ स्टेशन से लगभग ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां से चौवीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ७२ मुनियों के साथ निर्वाण पधारे थे उस विशेष स्थान पर ही महापद्म नामक रमणीक सरोवर है जिसके मध्य में एक विशाल मन्दिर है। इसे जल मंदिर भी कहते हैं। इसमें भगवान महावीर स्वामी, गौतम स्वामी और सुधर्मास्वामी के चरण चिन्ह हैं। निकट ही दिगम्बर जैन धर्मशाला में एक दुमंजिला मंदिर है जिसमें ऊपर नीचे ६ वेदी हैं। पावापुरी ग्राम में एक श्वेताम्बर मंदिर भी है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम अपापापुर (पुण्य भूमि) था।

४९. भागलपुर—यह नगर पूर्वी रेलवे की हावड़ा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यहां जैन धर्मशाला के निकट ही विशाल जैन मंदिर है जिसमे ४ वेदियां हैं। इन वेदियों की भव्य कला दर्शनीय है।

५०. नाथनगर—पूर्वी रेलवे की हावड़ा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यह भागलपुर से लगभग ४ मील की दूरी पर स्थित है।

रेलवे स्टेशन से निकट ही एक तेरापंथी तथा एक बीसपंथी धर्मशाला व मंदिर हैं। तेरापंथी मंदिर में पांच

वेदियां हैं, इसमें बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी की गेहुआं वर्ण की अत्यन्त मनोहर मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर जी के सामने एक स्तूप भी है।

५१. चम्पापुर (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त नाथनगर से लगभग २ मील दूरी पर गंगा नदी के तट पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इस नगर में बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के पांचों कल्याणक (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान व मोक्ष कल्याण) हुए थे और यहीं मुनि धर्म घोष ने समाधिमरण किया था। प्रख्यात हरिवंश की स्थापना भी इसी नगर में हुई थी।

गंगा नदी के एक नाले (जो चम्पा नाला नाम से प्रसिद्ध है) के निकट एक विशाल श्वेताम्बर धर्मशाला तथा दुमंजिला जैन मन्दिर है, जिसमें नीचे चार वेदियों में श्वेताम्बर प्रतिमायें तथा दूसरी मंजिल में दिगम्बर जैन प्रतिमा व चरण हैं।

मध्य–भारत

५२. मोरेना—मध्य रेलवे की झांसी-आगरा वाली पूर्वोत्तर मुख्य लाइन पर यह नगर स्थित है। यहां दो विशाल मंदिर हैं जिनमें १४ वीं व १५ वीं शताब्दी की प्राचीन प्रतिमायें विराजमान हैं। यहां पर स्व० पं० गोपालदास जी बरैया की स्मृति में श्री गोपाल जैन सिद्धान्त विद्यालय चल रहा है।

५३. ग्वालियर—यह ऐतिहासिक नगर मध्य रेलवे की झांसी-आगरा कैंट वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित है। इसको कच्छवाहा राजा सूरसेन ने सन् २७५ में बसाया था। उस समय कदाचित् यह गोपगिरि अथवा गोपदुर्ग के नाम से भी प्रसिद्ध था। यहां के राजाओं के शासनकाल में सदैव ही जैन धर्मानुयायियों की बाहुल्यता रही तथा कई राजाओं के स्वयं जैन धर्मानुयायी होने के कारण जैन धर्म को राज-संरक्षण भी प्राप्त हुआ।

नगर में १५ विशाल मंदिर हैं, इनमें चम्पाबाग तथा पंचायती मन्दिरों में स्वर्ण-चित्रकारी दर्शनीय है। पुरानी बस्ती में भी १२ मन्दिर हैं।

नगर के बाहर लगभग २ मील की दूरी पर ग्वालियर का प्रसिद्ध किला है। किले में पहुंचने के पूर्व लगभग २ फर्लांग के फासले पर एक पर्वत है जिसमें बड़ी बड़ी गुफायें बनी हैं। इन गुफाओं में बड़ी बड़ी विशाल जैन मूर्तियां पहाड़ों को काटकर बनाई गई हैं। यहां अधिकांश मूर्तियां श्री आदिनाथ स्वामी की हैं। एक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ स्वामी की ३० फुट ऊंची है और भगवान आदिनाथ स्वामी की इससे भी विशाल है। लोकोक्ति है कि इन प्रतिमाओं की तैयारी में लगभग ३३ वर्ष लगे थे। निश्चय ही किले के भग्नावशेष व जैन मूर्तियां यह प्रकट करती हैं कि इस क्षेत्र में जैनों का महत्व सदैव रहा है।

५४. पनिहारा (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त ग्वालियर नगरसे लगभग १५ मील की दूरी पर पनिहार (पन्नीहार) ग्राम है। ग्राम से थोड़ी दूर चलकर [illegible] दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमें एक भोंहरे में १४४ प्राचीन प्रतिमायें हैं। इस मन्दिर से एक मील चलकर पहाड़ पर एक और मन्दिर है जिसमें २४ फुट ऊंची ३ प्रतिमायें अति मनोज्ञ हैं।

५५. भिंड—ग्वालियर से ३० मील दूरी पर यह प्रमुख नगर है। यहां कई प्राचीन मन्दिर हैं जिनमें [illegible] व [illegible] के मन्दिर प्रमुख हैं। यहां नसियां जी भी हैं।

५६. सोनागिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की आगरा कैंट-झांसी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर सोनागिरि स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ३ मील की दूरी पर सोनागिरि पर्वत है। यहां से नंग अनंगकुमार आदि साढ़े पांच करोड़ मुनि मोक्ष गये हैं।

यह प्राचीन ऐतिहासिक क्षेत्र है। इसका प्राचीन नाम श्रमणाचल अथवा श्रमणगिरि है। यहां श्रमण [illegible] का निवास होने से इसे श्रमणगिरि [illegible] किया गया। श्रमणगिरि का अपभ्रंश ही सोनागिरि है।

पर्वत पर ७७ शिखरयुक्त मन्दिर हैं जिनमें प्राचीन [illegible] विराजमान हैं। पर्वत पर भगवान चन्द्रप्रभु जी का [illegible] है। मन्दिर में मूलनायक चन्द्रप्रभु स्वामी की [illegible] कायोत्सर्ग आसन में [illegible] प्रतिमा है। [illegible] भगवान शीतलनाथ [illegible] है। [illegible] बाहर आंगन में [illegible]
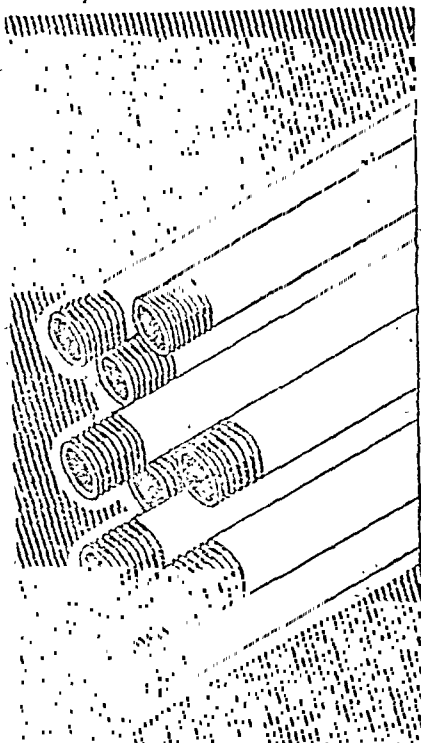
N. L. JAIN - R. N. JAIN - U. S. JAIN . J. R. JAIN - S. R. JAIN
JAIN BROTHERS
HAUZ QAZI DELHI
29, - STRAND ROAD
CALCUTTA
JAIN STEEL FABRICATORS PVT. LTD.
11, G.T. ROAD
BELLUR HOWRAH
A REPUTED HOUSE FOR WATER & STEAM
G.I.
PIPES
and
FITTINGS
GUN-METAL, BRONZE & BRASS
WHEEL VALVES, SLUICE VALVES
FEET VALVES & BENDS ETC.
JSF
JAIN BROTHERS
HAUZ QAZI DELHI-6
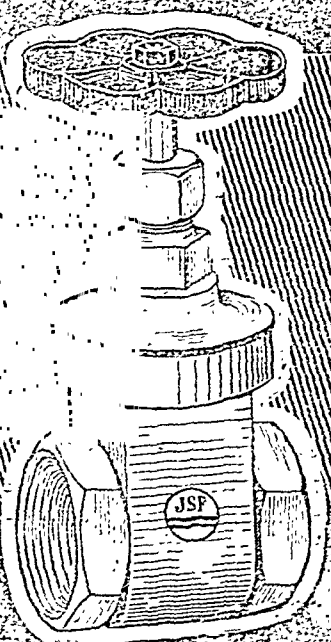
बायीं ओर बाहुबलि स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर में गर्भगृह के दो लेखों से प्रगट है कि इस मन्दिर को सन् २७८ में श्री श्रवणसेन कनकसेन ने बनवाया था। पर्वत पर दो चमत्कारिक स्थान हैं। प्रथम तो नारियल कुंड जो एक शिला में नारियल के आकार का कटा हुआ है और द्वितीय बजनी शिला जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है।

पर्वत के नीचे १८ मन्दिर व अनेक धर्मशालायें हैं। पर्वत की परिक्रमा पक्की बनी हुई है। पर्वत पर जाने के लिए सीढ़ियां बनी हैं तथा मन्दिरों पर भी संख्या पड़ी है जिससे वन्दना में सुगमता होती है।

५७. कुरिगवां (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे पर स्थित झांसी जंक्शन स्टेशन से ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां एक मठ जमीन से निकला है, उसमें एक भोंहरा है। इस भोंहरे में १४ वीं शताब्दी की कई प्राचीन मूर्तियां हैं।

५८. ललितपुर—मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह ऐतिहासिक नगर है। यहां एक कोट के अन्दर पांच विशाल मन्दिर हैं।

५९. सैरोन (अतिशय क्षेत्र)—ललितपुर से १० मील दूर यह ग्राम है। यहां के ६ मन्दिर लगभग १,००० वर्ष प्राचीन हैं। एक मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ स्वामी की २० फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। यहां खुदाई में अनेकों जैन प्रतिमायें निकली हैं।

६०. चंदेरी—उपर्युक्त ललितपुर नगर से यह स्थान लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यहां तीन प्राचीन मन्दिर हैं। एक मन्दिर में अलग अलग चौबीस तीर्थंकरों की अतिशययुक्त प्रतिमायें विराजमान हैं। इन प्रतिमाओं की विशेषता यह है कि जिस तीर्थंकर के शरीर का जो वर्ण था वही वर्ण उन प्रतिमा जी का है। ऐसी प्रतिमायें अन्यत्र नहीं मिलतीं। इस चौबीसी को सन् १८३६ में सवाई चौधरी फौजदार हिरदे शाह मरदनसिंह के कामदार सवाईसिंह जी ने निर्माण करवाया था।

६१. खन्दार जी—उक्त चंदेरी क्षेत्र से एक मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां पहाड़ी की गुफाओं में पत्थर काट कर मूर्तियां बनायी गई हैं जो तेरहवीं से सत्रहवीं शताब्दी के अन्तर्गत हैं। एक प्रतिमा २५ फीट ऊंची है। यहां की सभी प्रतिमायें पुरातत्व व कला की दृष्टि से विशेष महत्व रखती हैं।

यहां भट्टारक कनककीर्ति तथा पद्मकीर्ति के स्मारक सन् १६६० और १६८० के हैं।

६२. बूढ़ी चंदेरी—उपर्युक्त चन्देरी से ९ मील की दूरी पर यह स्थान है। यहां प्राचीन कलापूर्ण मूर्तियां सैकड़ों की संख्या में यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। शिल्प कला की दृष्टि से यहां के मन्दिर व मूर्तियां अद्वितीय हैं। प्रत्येक मन्दिर की छत केवल एक पत्थर की है। किसी किसी शिला का परिमाण २०० मन से भी अधिक है।

६३. थूबोन जी—चंदेरी से ९ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसका प्राचीन नाम 'तपोवन' है। यहां २५ दिगम्बर मन्दिर हैं जिसमें सबसे प्राचीन पाड़ाशाह द्वारा निर्मित काला मन्दिर है जो १६ वीं शताब्दी का है।

६४. गुरीलागिरि—यह स्थान चंदेरी से ८ मील पूर्वोत्तर है। यहां प्राचीन जैन मन्दिरों के भग्नावशेष हैं। अनेकों खंडित प्रतिमायें इस स्थान के प्राचीन जैन वैभव को दर्शाती हैं।

६५. पंचराई (अतिशय क्षेत्र)—चंदेरी से ३८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां के २८ मन्दिरों में लगभग १,००० प्रतिमायें हैं जिनमें लगभग ४०० खंडित हैं। इन मन्दिरों में एक मन्दिर पाड़ाशाह द्वारा ग्यारहवीं शताब्दी का निर्मित भगवान शान्तिनाथ स्वामी का है।

६६. टीकमगढ़—मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी लाइन नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर ललितपुर स्टेशन से लगभग ३४ मील की दूरी पर यह अवस्थित है। यह नगर पूर्व में टीकमगढ़ रियासत की राजधानी भी रहा है। यहां लगभग १६ विशाल जैन मंदिर हैं।

६७. पपौरा जी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त टीकमगढ़ नगर से लगभग ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसके चारों ओर कोट बना है। कोट के अन्दर विशाल ८० दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। [illegible] के साथ एक [illegible] प्राचीन प्रतिमा है [illegible] से [illegible] की [illegible] प्रतिमायें हैं। [illegible]
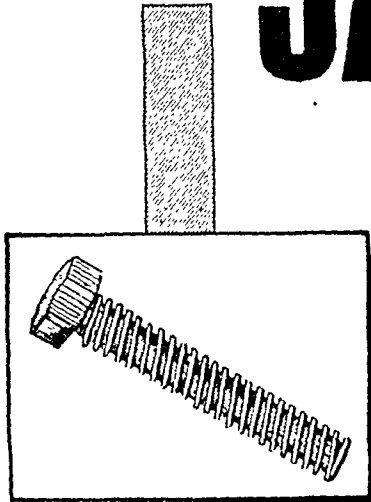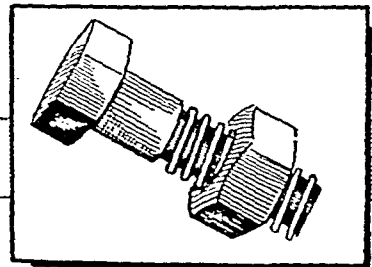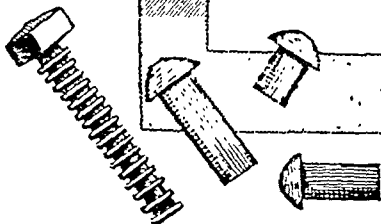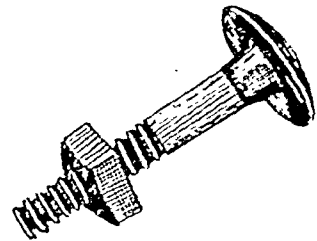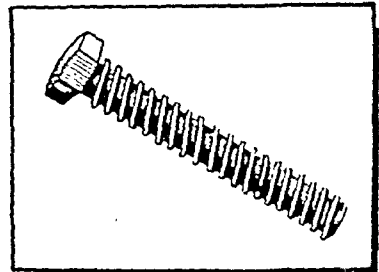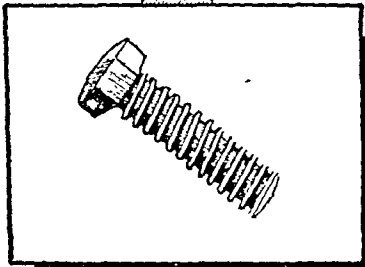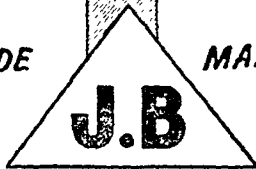
सबसे प्राचीन है जो सन् ११४५ में प्रसिद्ध चंदेलवंशीय राजा मदन वर्मनदेव के समय का बना हुआ है।

६८. आहार जी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त टीकमगढ़ नगर से पूर्व की ओर लगभग १२ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां के विषय में ऐसा प्रसिद्ध है कि प्राचीन समय में एक पाणाशाह नामक धनवान जैन व्यापारी थे, उनको नित्य जिनेन्द्र-दर्शन करके ही भोजन करने की प्रतिज्ञा थी। एक दिन उनको व्यापार सम्बन्धी यात्रा में उस तालाब के निकट ठहरना पड़ा जहां आज आहार जी के मन्दिर हैं। उस स्थान पर कोई मन्दिर न होने से दर्शन न हुए और उन्होंने उपवास करने का निश्चय किया, किन्तु तभी एक मुनिराज का शुभागमन हुआ और उन्होंने साक्षात गुरु के दर्शन कर उन्हें आहार दिया और तत्पश्चात स्वयं भोजन ग्रहण किया। इस अतिशयपूर्ण स्मृति को सुरक्षित व स्थान की पवित्रता बनाये रखने के लिए उन्होंने वहां जैन मन्दिर निर्माण कराना निश्चित किया। संयोग से वह जो रांगा व्यापार के लिए लाये थे, वह भी चांदी हो गया। पाणाशाह जी ने उस सम्पूर्ण द्रव्य से यह मन्दिर निर्माण कराये। तभी से यह क्षेत्र अहार जी के नाम से प्रसिद्ध है। इस कथानक के अतिरिक्त यहां से प्राप्त दूसरी शताब्दी के शिलालेखों से भी प्रमाण मिलते हैं कि पाणाशाह जी ने इस पुरातन तीर्थ का जीर्णोद्धार कर प्रसिद्धि की थी।

वर्तमान में यहां चार मन्दिर अवशेष हैं मुख्य मन्दिर में १८ फीट ऊंची भगवान शान्तिनाथ जी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इस प्रतिमा की प्रतिष्ठा सन ११८० में गृहपति वंश के सेठ जाहड़ के भाइयों ने कराई थी। यहां और भी अधिक प्राचीन प्रतिमायें व शिलालेख हैं जो इस तीर्थ के महत्व को स्थापित करती है।

६९. जबलपुर—मध्य रेलवे की इटारसी-जबलपुर वाली मुख्य लाइन पर प्रमुख जंक्शन स्टेशन है। यहां लगभग ५० विशाल मन्दिर हैं। पुंआधार नामक स्थान के निकट भेड़ाघाट में मढ़िया जी नाम का मन्दिर विशेष प्रसिद्ध है जिसमें चतुर्थकालीन २ मेरु हैं। पहले मेरु में ९२ और दूसरे में २४ मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

७०. पाटन—जबलपुर से तीन मील की दूरी पर पाटन ग्राम है। यहां कई प्रसिद्ध श्वेताम्बर मन्दिर हैं जिनमें कई प्राचीन प्रतिमायें हैं। मन्दिरों की कारीगरी दर्शनीय है।

७१. बाहुरी बंद—जबलपुर से २१ मील की दूरी पर यह ग्राम स्थित है। यहां प्राचीन मन्दिरों के भग्नावशेष यत्र तत्र बिखरे पड़े हैं। एक मन्दिर में १२ फुट ऊंची भगवान शांतिनाथ स्वामी की सन् १०४३ की प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है।

७२. अजयगढ़ (अतिशय क्षेत्र)—नगर में एक मन्दिर है। आबादी के निकट एक पर्वत पर किला है जिसके द्वार से पार होते ही दीवालस्थ २ शिलाओं में उत्कीर्ण लगभग ५० दिगम्बर मूर्तियां हैं। इनके पास ही २ कुण्ड और एक तालाब है। तालाब की दीवार में भी प्राचीन प्रतिमायें हैं। यहा एक मानस्तम्भ भी है।

७३. बीना जी (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे के बीना-कटनी सेक्शन पर सागर स्टेशन से देवरी नामक स्थान है। देवरी से ४ मील की दूरी पर बीना जी अवस्थित है। यहां तीन विशाल व कलापूर्ण दिगम्बर जैन मन्दिर है, इनमें एक प्रतिमा भगवान शान्तिनाथ जी की १४ फुट की तथा एक प्रतिमा वर्द्धमान स्वामी की १२ फुट की पद्मासन विराजमान है। एक कोठरी में वहां की प्राचीन प्रतिमायें हैं।

७४. देवगढ़ (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी वाली [illegible] मेन लाइन पर स्थित जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर है। ग्राम की मुख्य आबादी से थोड़ी दूर चलकर एक पहाड़ है जिस पर प्राचीन किले के खंडहर दृष्टिगत होते हैं। किले में [illegible] असंख्य जैन मूर्तियां खंडित अवस्था में हैं। यहां [illegible] प्राचीन जैन मन्दिर हैं जो [illegible] हैं। लोगों के अनुसार इन मन्दिरों [illegible] व उनकी [illegible] थी [illegible] जाता था, परन्तु मुख्य मन्दिर [illegible] प्राचीन है। मन्दिर व जैन मूर्तियों [illegible] २०० शिलालेख सं० ९१९ से १० [illegible] १५७ ऐतिहासिक लेख हैं। मन्दिरों [illegible] मन्दिर है, जिसमें एक गुफा [illegible]
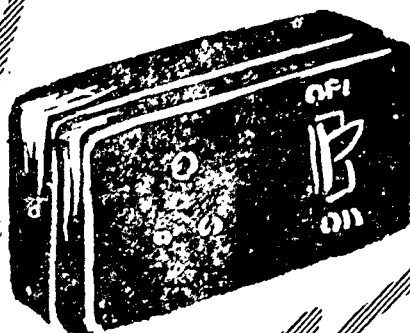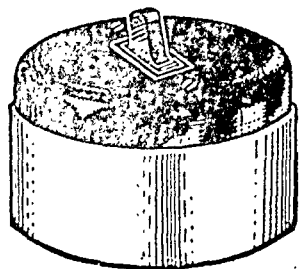
भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है। यहां ८ मान-स्तम्भ हैं। भगवान शान्तिनाथ जी की विशालकाय प्रतिमा भी दर्शनीय है। यहां की एक गुफा सिद्ध-गुफा नाम से प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र की मूर्तियां, मन्दिर आदि सभी प्राचीन जैन स्थापत्य-कला की प्रतीक हैं। यह स्थान उत्तर भारत की 'जैन-बद्री' से भी प्रसिद्ध है। ग्राम में नदी के निकट ही धर्मशाला है।

७५. चांदपुर (अतिशय क्षेत्र)—उक्त देवगढ़ क्षेत्र से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां २ प्राचीन मन्दिर हैं। एक मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ की १४ गज ऊंची प्रतिमा विराजमान है, उसके उभय पार्श्वों में दो-दो प्रतिमायें सात सात गज ऊंची हैं।

७६. कुरगमा (अतिशय क्षेत्र)-मध्य रेलवे की बीना-झांसी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है।

७७. चांदपुर-चंदावर—मध्य रेलवे की बीना-झांसी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ५ मील दूर यह स्थान है। यहां के मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ स्वामी की प्रतिमा विशेष प्राचीन है।

७८. द्रोणगिरि (सिद्धक्षेत्र)—सेंट्रल रेलवे की बीना-कटनी लाइन पर सागर स्टेशन से लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यह क्षेत्र श्री गुरुदत्तादि मुनिराजों की निर्वाण-भूमि है।

इस पहाड़ी पर २६ प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर हैं जिनमें ६० प्रतिमायें विराजमान हैं। पहाड़ी के दोनों ओर चंद्राक्षा और श्यामरी नामक नदियां बहती हैं। निकट ही एक गुफा है तथा एक चबूतरे पर चरण भी हैं।

पर्वत के निकट ही सेंधपा नामक ग्राम है। पर्वत की तलहटी में २ धर्मशालायें तथा एक मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की सम्वत् १५४८ की विराजमान है।

७९. नैनागिरि (रेशिंदेगिरि सिद्धक्षेत्र)—यह सिद्धक्षेत्र मध्य रेलवे की बीना-कटनी शाखा लाइन पर स्थित सागर स्टेशन से ३० मील की दूरी पर है। पहाड़ी पे ७ दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। इनके निकट ही रेशिंदेगिरि पर्वत है जिस पर २५ भव्य जिनालय हैं। यहां पर भगवान पार्श्वनाथ का समवशरण आया था और इसी पुण्य भूमि से वरदत्तादि पांच मुनिराज मोक्ष पधारे हैं। पर्वत के मन्दिरों में सबसे प्राचीन मंदिर १० वीं शताब्दी का है।

पर्वत के निकट ही एक तालाब है और उसके बीच में एक जैन मन्दिर है। यहां प्रति वर्ष कार्तिकी अष्टान्हिका के अन्त में मेला होता है।

८०. सिद्धवरकूट (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की अजमेर खंडवा लाइन पर मनावद स्टेशन से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र नर्मदा नदी के निकट अवस्थित है। यहां से दो चक्रवर्ती, दस कामदेव आदि ३½ करोड़ मुनि मोक्ष गये हैं।

क्षेत्र के चारों ओर कोट खिंचा हुआ है। कोट के अन्दर आठ दिगम्बर मन्दिर हैं जिनमें अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं। एक मन्दिर पास ही जंगल में भी है।

८१. कुण्डलपुर (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की बीना-कटनी लाइन पर दमोह स्टेशन से २० मील की दूरी पर ईशानकोण में यह क्षेत्र अवस्थित है। ग्राम के निकट ही एक कुण्डलाकार पर्वत है। इस पर्वत और तलहटी में कुल ५८ मन्दिर हैं। पर्वतस्थ मन्दिरों के बीच में एक बड़ा भारी मन्दिर पहाड़ काट कर बनाया गया है। इस मन्दिर में भगवान महावीर की १२ फुट ऊंची प्रतिमा पहाड़ में उत्कीर्ण है। यह मन्दिर जमीन की सतह से १७ फुट नीचा है। पर्वत के कुछ मन्दिरों में प्राचीन शिलालेख हैं।

यहां भगवान महावीर का समवशरण आया था।

८२. सागर—यह मध्य प्रदेश के प्रमुख नगरों में से है। यहां १६ मन्दिर हैं जिनमें २ [illegible] प्राचीन हैं।

८३. [illegible] (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] पर यह ग्राम है। यहां के प्राचीन मन्दिर में [illegible] २४ फुट ऊंची प्रतिमायें विराजमान हैं। [illegible] शिलालेख भी है।

८४. [illegible] (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] से ८ मील यह क्षेत्र है। यहां के [illegible] की अतिशय [illegible] फुट [illegible] है।

८५. विदिशा—यह नगर मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित है। यहां एक विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है जो विशेष प्राचीन है। इसके अतिरिक्त कई सुन्दर मन्दिर व चैत्यालय हैं।

नगर से लगभग ४ मील की दूरी पर उदयगिरि पर्वत तथा सांची का स्तूप ऐतिहासिक दर्शनीय स्थान हैं। उदयगिरि में २० गुफायें तथा कई मन्दिर हैं। इन गुफाओं में प्रथम व बीसवीं जैन हैं दोनों गुफाओं में प्राकृत भाषा व ब्राह्मी लिपि में दो लेख हैं। दूसरी गुफा के एक आले में दो चरण चिन्ह हैं और दीवालों पर अर्हंत प्रतिमायें (भगवान पार्श्वनाथ आदि) खंडितावस्था में हैं। इस गुफा को गुप्त वंश के राजाओं के समय में उनके एक जैन सेनापति ने जैन मुनिराजों के लिए निर्माण कराया था। इन प्रमाणों से यह अनुमान किया जाता है कि संभवतः यह क्षेत्र ही दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ जी की जन्मनगरी भद्दिलपुर रही हो।

यहां स्टेशन के निकट ही जैन धर्मशाला भी है।

८६. खजुराहो—मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी वाली लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां २५ जैन मन्दिर हैं जिनकी शिल्पकला प्रख्यात है।

यह ऐतिहासिक स्थान है। यह चंदेलवंश के राजाओं के समय विशेष उन्नति पर था। जैन मंदिरों में 'जैनकाय जी का मन्दिर' विशेष आकर्षक है। इस मन्दिर को सन ९५४ में पाहिला नामक महानुभाव ने दान दिया था।

८७. रामटेक (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण-पूर्वी रेलवे की रामटेक नागपुर लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नगर के निकट ही जंगल में विशाल मन्दिर हैं एक मन्दिर में १८ फुट ऊंची कायोत्सर्ग पीले पाषाण की भगवान शान्तिनाथ की चौथे काल की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि श्री अप्पा साहब भोंसले के राजमन्त्री श्री वर्धमान साव जी श्रावक ने यहां कई मंदिर बनवाये थे।

८८. भद्रावती (भांदक)—मध्य रेलवे की वर्धा-विजयवाड़ा लाइन पर भांदक स्टेशन है। भांदक का प्राचीन नाम भद्रावती है। गांव से थोड़ी दूर एक पहाड़ी पर तीन ओर गुफायें हैं जिनमें प्राचीन मूर्तियां उत्कीर्ण हैं। इन्हें विभासन की गुफायें कहते हैं। टेकरी पर श्री पार्श्वनाथ मन्दिर है जिसमें निकट के सरोवर में अनेक प्राचीन जैन मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा भी स्वप्नादेश पर जमीन से निकाली गई है।

इसके अतिरिक्त भगवान आदिनाथ स्वामी का मंदिर है जिसमें शिखर-भाग में मनोहर चौमुखी प्रतिमा विराजमान है।

८९. मुक्तागिरि-मेढ़ागिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की मुर्तजापुर-एलिचपुर लाइन पर एलिचपुर स्टेशन से ९ मील दूर यह क्षेत्र है। यहां से ३॥ करोड़ मुनि मुक्त हुए हैं।

यह पर्वत लगभग २ फर्लांग ऊंचाई का है। जिस पर सीढ़ियां बनी हैं। ऊपर कई गुफायें हैं जिनमें बहुत सी प्राचीन प्रतिमायें हैं। गुफाओं के आस पास ३५ मन्दिर हैं जिनमें अधिकांश १६ वीं शताब्दी के हैं, किन्तु कुछ मंदिर अधिक प्राचीन हैं। यहां से प्राप्त एक ताम्रपत्र से इस क्षेत्र का सम्बन्ध सम्राट श्रेणिक बिम्बसार का साथ प्रकट होता है। यहां ४० वें नं० का मन्दिर पर्वत के गर्भ में खुदा हुआ व प्राचीन है। इस मन्दिर की नक्काशी का काम अति सुन्दर है। स्तंभों और छत की रचना अपूर्व है। श्री शान्तिनाथ जी की प्रतिमा दर्शनीय है। यहां कुछ ऊपर चढ़ने पर मेंढ़गिरि पर्वत है जहां कई मन्दिर हैं। श्री पार्श्वनाथ भगवान का नं० १ का मन्दिर भी प्राचीन और दर्शनीय शिल्प का नमूना है। पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा सप्त परम मंदिर प्राचीन है। शान्तिनाथ जी के मन्दिर के निकट जलप्रपात भी है।

तलहटी में भी एक मन्दिर है। इस क्षेत्र पर नित्य केशर की वर्षा होती है।

९०. अमरावती—मध्य रेलवे की बडनेरा-अमरावती शाखा लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नगर के चारों ओर कोट है। यहां ५ शिखरबन्द मन्दिर तथा ३ चैत्यालय हैं। एक मन्दिर में भोंयरा है। दूसरे प्राचीन मन्दिर में स्फटिक की १५, पुखराज की एक, चांदी की ६, मूंगा की १ और हीरा की एक, इस प्रकार रत्नों की २८ प्रतिमायें हैं।

९१. परतवाड़ा—उक्त अमरावती नगर से ३३ मील दूर यह कस्बा है। यहां एक दिगम्बर मन्दिर दर्शनीय है। यहां से ३ मील की दूरी पर मुल्तानपुर ग्राम में एक विशाल दिगम्बर मन्दिर व चैत्यालय है। चैत्यालय में ८ अंगुल ऊंची मूंगा की एक प्रतिमा है।

९२. भातकुली (अतिशय क्षेत्र)—अमरावती से १० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां तीन मन्दिर व कई चैत्यालय हैं। इनमें श्री ऋषभनाथ जी की प्रतिमा अति मनोज्ञ व सातिशय विराजमान है।

९३. अंतरिक्ष-पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—मध्य-रेलवे की भुसावल-नागपुर लाइन पर अकोला स्टेशन से १६ मील की दूरी पर शिरपुर ग्राम के निकट यह क्षेत्र अवस्थित है। शिरपुर में दो मन्दिर हैं जिनमें एक विशेष प्राचीन है। प्राचीन मन्दिर के एक भोंयरे में २६ मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ की ३½ फुट ऊंची श्याम वर्ण की पृथ्वीतल से एक इंच ऊंची अधर विराजमान है। इस प्रतिमा के अधर होने से ही यह क्षेत्र अन्तरिक्ष नाम से सम्बोधित किया जाता है।

इस क्षेत्र को दिगम्बर व श्वेताम्बर समाज दोनों ही पूजते हैं। इसके अतिरिक्त ४ नसिया हैं।

९४ श्री महावीर जी (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मेन लाइन पर श्री महावीर जी प्रसिद्ध स्टेशन है। स्टेशन से यह क्षेत्र लगभग ४ मील की दूरी पर है।

यहां विशाल जैन मन्दिर में भगवान महावीर की अतिमनोज्ञ सातिशय प्रतिमा विराजमान है। यह प्रतिमा एक ग्वाले को जमीन खोदते समय मिली थी। जिस स्थान से प्रतिमा जी प्राप्त हुई थी वहां छतरी के नीचे चरण-चिह्न अंकित किये गये हैं। मन्दिर जी के सामने विशाल मान-स्तंभ भी बना है।

उपर्युक्त मन्दिर के निकट [illegible]

भगवान महावीर की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मंदिर जी में बावन चैत्यालयों की सुन्दर रचना उपस्थित की गई है।

६५. सवाई माधोपुर–पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर सवाई माधोपुर जंक्शन स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ४ मील की दूरी पर आबादी है। यहां ७ विशाल मन्दिर हैं। कई मन्दिरों में भोंहरे हैं जिनमें सैकड़ों मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

६६. चमत्कार जी–उक्त सवाई माधोपुर स्टेशन से २ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां एक विशाल मंदिर व नशियां जी हैं। ऐसा कहा जाता है कि सन् १८४७ में एक स्फटिक मणि की ६ इंच की प्रतिमा एक बाग में मिली थी, उस समय यहां केशर की वर्षा हुई थी।

६७. रणथंभोर–पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मेन लाइन पर रणथंभोर स्टेशन है। सवाई माधोपुर से यह १० मील दूर है। यहां राजा हम्मीरसिंह का बनवाया १ हजार वर्ष प्राचीन किला है जिसमें अनेक मन्दिरों के

साथ एक जैन मन्दिर भी है। मन्दिर जी में सं० १० की श्वेत पाषाण की एक फुट ऊंची पद्मासन भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है।

६८. खंडार–रणथंभोर से २४ मील दूर यह स्थान है। यहां एक बड़े कोट में दो मन्दिर हैं उनमें अनेक विशाल प्रतिमायें हैं।

६६. श्री केशवराय-पाटण–पश्चिम रेलवे की बम्बई-दिल्ली लाइन पर कोटा जंक्शन स्टेशन से ५ मील दूर यह नगर अवस्थित है। यहां एक प्राचीन विशाल जैन मंदिर है जिसमें पृथ्वी के अन्दर गुफा में मूर्तियां विराजमान हैं।

१००. चांदखेड़ी (अतिशय क्षेत्र)–पश्चिम रेलवे की बीना-कोटा लाइन पर कोटा जंक्शन से ७० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां सन् १६८६ का प्रतिष्ठित विशाल मन्दिर भूगर्भ में है। इसमें भगवान ऋषभदेव की ५ फुट ऊंची प्रतिमा तथा उभय पार्श्वों में भगवान शान्तिनाथ की दो प्रतिमायें ७–७ फुट की विराजमान हैं। इनके अतिरिक्त सैकड़ों प्राचीन जैन बिम्ब हैं। द्वार के उत्तर भाग में १० फुट ऊंचा एक कीर्ति स्तंभ,है जिसके चारों ओर प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं।

१०१. बजरंगगढ़ (अतिशय क्षेत्र)–पश्चिमी रेलवे की कोटा-बीना लाइन पर गुना स्टेशन से ५ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां के ३ मन्दिरों में एक पाड़ाशाह द्वारा निर्मित है जिसमें एक भोंहरे में अनेकों प्रतिमायें हैं। इनमें से कुछ प्रतिमायें धार्मिक विद्वेष से जैनेतर लोगों ने लगभग १०० वर्ष पूर्व विध्वंस कर दीं। सन् ११८१ की प्रतिष्ठित भगवान अरहनाथ व भगवान कुंथुनाथ स्वामी की प्रतिमायें अतिशयुक्त हैं।

१०२. उज्जैन–यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान पश्चिमी रेलवे की नागदा-उज्जैन-भोपाल लाइन पर अवस्थित है। यह प्राचीन अतिशय क्षेत्र है। अवन्तिकापुरी का उज्जैन या उज्जयिनी नाम यहां जैन शासन के समय में ही पड़ा। यहां की श्मशान भूमि में भगवान महावीर ने तपस्या की थी और यहीं पर रुद्र ने उन पर घोर उपसर्ग किया था। कालान्तर में यह स्थान चन्द्रगुप्त की राजधानियों में से रहा। श्रुतकेवली भद्रबाहु यहां पधारे थे।

यहां के प्राचीन खंडहर अब भी यहां के प्राचीन जैन **वैभव** को बतलाते हैं।

१०३. इन्दौर—पश्चिम रेलवे की उज्जैन-इन्दौर लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

यह जैनों का प्रमुख केन्द्र है। यहां कई विशाल मंदिर धर्मशालायें तथा अन्य संस्थायें हैं। मन्दिरों में स्व० दानवीर सेठ हुकमचन्द्र जी का मन्दिर अत्यन्त विशाल व कलापूर्ण है।

१०४. भोपावर—धार नगर से यह स्थान २४ मील है। यहां के विशाल प्राचीन मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ स्वामी की १२ फुट ऊंची अति मनोज्ञ प्रतिमा प्रतिष्ठित है। अन्य तीर्थंकरों व गणधरों की प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१०५. मक्सी पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की नागदा-भोपाल वाली लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां एक मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा पद्मासन श्याम वर्ण ३½ फुट ऊंची सफल पार्श्वनाथ स्वामी की विराजमान है। इस प्रतिमा की पूजा वगैरह दिगम्बर व श्वेताम्बर भाई समान रूप से करते हैं। उभय पार्श्वों में श्वेताम्बरीय प्रतिमायें विराजमान हैं।

इस मंदिर के चारों ओर ५२ देवरी और बनी हुई है जिनमें ५२ दिगम्बर जैन प्रतिमायें मूलसंघी शाह जीवराज पापड़ीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान हैं।

१०६. उदयपुर—यह ऐतिहासिक नगर पश्चिम रेलवे पर स्थित है। यहां कई कलापूर्ण मंदिर व चैत्यालय हैं।

१०७. जयपुर—पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक व वर्तमान राजस्थान राज्य का मुख्य नगर स्थित है।

यहां के प्राचीन कलापूर्ण जैन मन्दिर दर्शनीय हैं।

१०८. आमेर-अम्बर—यह स्थान जयपुर से ५ मील दूर है। जयपुर राज्य की प्राचीन राजधानी यहीं थी। यहां अनेक विशाल व कलापूर्ण जैन मन्दिर हैं।

१०९. सांगानेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली वाली लाइन पर सांगानेर स्टेशन अवस्थित है। यह नगर जयपुर से लगभग ८ मील की दूरी पर है। यहां सात प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर हैं जिनमें अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं। इन मन्दिरों की चित्रकारी अनूठी है।

११०. अजमेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर प्रसिद्ध नगर है। चौहान राजा अजयपाल ने इस नगर को बसाया था और अपनी राजधानी बनाया था। उसके अनन्तर भी चौहान राजाओं की राजधानी रहा। इन चौहान राजाओं में पृथ्वीराज द्वितीय और सोमेश्वर जैन धर्म के पोषक थे। यहां मूल संघ के भट्टारकों की गद्दी भी रही है।

नगर में १५ शिखरयुक्त मंदिर और कई चैत्यालय हैं। सेठ टीकमचन्द्र भागचन्द्र जी सोनी की नसियां विशेष कलापूर्ण हैं, यह तीन मंजिल की बनी हुई है। पहली मंजिल में अयोध्या और समवसरण की रचना अत्यन्त सुन्दर है, दूसरी में स्फटिक व माणिक आदि की प्रतिमायें हैं तथा तीसरी मंजिल में उत्सव आदि की सजावट का सामान है।

१११. पुष्कर—अजमेर से ७ मील दूर यह स्थान है। पश्चिमी रेलवे द्वारा चलने वाली प्राइवेट एजेंसी बसों से यहां आया जा सकता है। यहां भी कई प्राचीन मंदिर हैं जिनमें मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

११२. सूमेंक (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] स्टेशन से ४ मील कच्चे पहाड़ी मार्ग की दूरी पर यह स्थित है। यहां पर्वत पर एक छतरी बनी है जिसमें १२ इन्च के प्राचीन शान्ति नाथ भगवान के चरण-चिह्न हैं।

११३. धूलेश्वर (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की अजमेर-खंडवा (मालवा सेक्शन) वाली लाइन पर चित्तौड़गढ़ स्टेशन से २८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां पहाड़ के नीचे तथा ऊपर एक एक मंदिर है। ऊपर के मंदिर में २ फुट ऊंची भगवान पार्श्वनाथ की एक प्रतिमा [illegible] बनी हुई है।

इस स्थान पर भ० पार्श्वनाथ स्वामी का समवसरण आया था।

११४. नीमच—पश्चिम रेलवे की अजमेर-चित्तौड़गढ़-रतलाम-खंडवा (मालवा-सेक्शन) वाली लाइन पर अवस्थित है। यहां एक सुन्दर शिखरबंद जैन मंदिर है।

११५. विजोलिया पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त नीमच स्टेशन से लगभग ६८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां २ दिगम्बर जैन मंदिर है, एक में अन्य मूर्तियां के अतिरिक्त १ फुट ऊंची स्फटिक पाषाण की भगवान चंद्रप्रभु की अति मनोज्ञ पद्मासन प्रतिमा विराजमान है, दूसरे मंदिर में एक देहरी है जिस में २३ प्रतिमायें उत्कीर्ण की गईं हैं दर्शनीय हैं। दो मानस्तंभ भी हैं, जिन पर प्राचीन शिला लेख हैं। चारों ओर दीवालों पर मुनियों की प्रतिमा उत्कीर्ण हैं। मंदिर के निकट ३० फुट लम्बा चौड़ा और २१ फुट गहरा एक जल कुंड है।

११६. पावागिरि ऊण (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की अजमेर-खंडवा वाली छोटी लाइन (मलावा-सेक्शन) पर सनावद स्टेशन से बस द्वारा खरगौन जाकर २ मील आगे यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां से सुवर्णभद्र आदि चार मुनिराजों ने मोक्ष प्राप्त किया, एतदर्थ सिद्धक्षेत्र है।

यह क्षेत्र लगभग १७-१८ वर्ष से प्रकाश में आया है। यहां के मंदिर आदि जमीन के अंदर धंस गये थे। आबादी से दक्षिण की ओर एक छोटे से टीले पर एक विशाल प्राचीन जैन मंदिर है। इस मंदिर में सन १२०६ की प्रतिष्ठित भ० शान्तिनाथ की १५ फीट ऊंची बीच में तथा उभय पार्श्वों में ११-११ फीट ऊंची भगवान कुंथनाथ व अरहनाथ की कृष्ण पाषाण खड्गासन प्रतिमायें महामनोज्ञ और सांगोपांग विराजमान हैं। इस मंदिर जी के गर्भगृह में इतनी मिट्टी जमा हो गई थी कि सिर्फ मूलनायक प्रतिमा का मुख ही दिखलाई देता था। निकट ही नदी होने से यह सर्वथा निर्भ्रांत है कि यह वही सिद्धक्षेत्र पावागिरि है जिसके विषय में निर्वाणकाण्ड में उल्लेख है।

११७. बड़वानी—पश्चिम रेलवे की अजमेर-चित्तौड़गढ़ खंडवा वाली छोटी लाइन (मलावा-सेक्शन) पर अजनोद स्टेशन से लगभग १२ मील दूरी पर यह नगर अवस्थित है। नगर के बीच में एक किला है जिसके निकट एक धर्मशाला व प्राचीन मंदिर है।

११८. चूलगिरि-बावनगजा (सिद्धक्षेत्र)—उपर्युक्त बढ़वानी नगर से दक्षिण की ओर लगभग ५ मील की दूरी

पर मुक्तागिरि पर्वत है। यहां से इन्द्रजीत और कुम्भकर्ण आदि ५½ करोड़ मुनिराजों को मुक्ति प्राप्त हुई, अतएव यह सिद्धक्षेत्र है। पर्वत पर २२ दिगम्बर जैन मंदिर व एक चैत्यालय है।

एक मंदिर में पहाड़ से उत्कीर्ण बावनगजा नामक ८४ फुट ऊंची भगवान आदिनाथ स्वामी की विशाल प्राचीन प्रतिमा है। ऐसा भी मत है कि यह प्रतिमा कुम्भकर्ण की है। इस प्रतिमा जी के ऊपर पीछे की ओर एक दालान में मध्य में भगवान चन्द्रप्रभु तथा उभयपार्श्वों में चरण-चिन्ह विराजमान हैं। नीचे के मंदिर की दो वेदियों में क्रमशः शान्तिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ व मल्लिनाथ स्वामी और नेमिनाथ जी की विराजमान हैं। अन्य मंदिरों में भ० मल्लिनाथ, भ०चन्द्रप्रभु, भ० मुनिसुव्रत नाथ आदि तीर्थंकरों की प्रतिमायें विराजमान हैं जिनमें अधिकतर यहीं जमीन के अन्दर से खुदाई में प्राप्त हुई थीं। कई मंदिरों के भग्नावशेष भी पाये जाते हैं। एक छतरी में तीन प्रतिमायें कुंद-कुंदाचार्य आदि की विराजमान हैं।

११९. नागपुर-यह मध्य रेलवे पर प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यहां के अनेक मंदिरों में सैकड़ों प्राचीन और अर्वाचीन प्रतिमायें विराजमान हैं।

१२०. कारंजा (अतिशय क्षेत्र)-यहां एक प्राचीन विशाल मंदिर व भट्टारकों की गद्दियां हैं। मन्दिर में धातु व पाषाण की प्राचीन अर्वाचीन सैकड़ों प्रतिमायें हैं। एक मंदिर में सर्वधातुमयी सहस्रकूट चैत्यालय है। अन्य मंदिरों में नंदीश्वर द्वीप सम्बन्धी ५२, पंचमेरु की ८० तथा अनेक प्रतिमायें हैं। ब्रह्मचर्याश्रम के भवन के ऊपरी व भूगर्भ भाग में चैत्यालय है। भूगर्भ चैत्यालय में मूंगा की ४, चांदी की १, सोने की १ गरुड़मणि की १, स्फटिक की ४ व नीलमणि की १, इस प्रकार कुल १४ रत्नमय प्रतिमायें हैं। चैत्यालय के सामने विशाल मानस्तम्भ है।

१२१. रामपुर-यह मध्य रेलवे पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

यहां के शिखर युक्त मंदिर में स्फटिक मणि की अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं।

पश्चिम-भारत

१२२ आबू पर्वत—पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद दिल्ली लाइन पर स्थित आबू रोड स्टेशन से आबू पर्वत लगभग १७ मील दूरी पर है। यह पर्वत १४ मील लम्बा और २०४ मील चौड़ा है।

आबू के सिविल स्टेशन से एक मील [illegible] पर दिलवाड़ा (देलवाड़ा) में पांच श्वेताम्बर जैन मन्दिर हैं। यह मन्दिर अपनी उत्कृष्ट कारीगरी के लिये विश्व-विख्यात है।

यहां मध्य में चौमुखा मन्दिर है जिसमें भगवान ऋषभ देव की चतुर्मुख मूर्ति है। पश्चिम में राजा भीम देव के सेनापति विमल शाह द्वारा सम्वत् १०८८ में बनवाया गया मन्दिर है जिसमें भगवान पार्श्वनाथ की मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। इसके निकट ही [illegible] में राजा वीर धवल के मंत्री वस्तुपाल तेजपाल द्वारा सम्वत् १२८७ में बनवाया गया मन्दिर है जिसमें भगवान नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है। इस मन्दिर के गर्भगृह के उभय पार्श्वों में देवरानी जिठानी द्वारा निर्मित दो सुन्दर आले बने हैं। इन दोनों मन्दिरों में पच्चीकारी की बारीक कारीगरी दर्शनीय है। उपर्युक्त दोनों मन्दिरों के बीच में एक दिगम्बर जैन मन्दिर भी है जिसमें [illegible] विराजमान हैं। इसके अतिरिक्त एक बड़ा मंदिर भी [illegible] स्वामी का है। जिसकी प्रतिष्ठा सम्वत् १४८४ में ईडर के भट्टारक द्वारा हुई थी।

यहां कई जैन धर्मशालायें हैं तथा ठहरने [illegible] की समुचित व्यवस्था है।

१२३. अचलगढ़—आबू रोड स्टेशन से लगभग ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां [illegible] है जिसमें ४ विशाल श्वेताम्बर मंदिर हैं। [illegible] के मंदिर की मुख्य मूर्ति [illegible] निकट ही भगवान नेमिनाथ जी का मंदिर है। [illegible] वेदियां हैं। मंदिर जी के [illegible] पर [illegible] हुआ है।

१२४. [illegible]—[illegible]

१२५. कुम्भारिया—[illegible]

१२६. जीरापल्ली—आबू से १० मील पश्चिम में यह स्थान है। यहां के मुख्य मंदिर में पार्श्वनाथ जी की २ मूर्तियां हैं। प्राचीन मूर्ति मुसलमान शासनकाल में कुछ भग्न हो गई है।

१२७. भीलड़ी—पश्चिम रेलवे के पालनपुर कंडला लाइन पर पालनपुर से २८ मील दूर यह स्टेशन है। ग्राम के पश्चिम में एक भूगर्भ स्थित मंदिर है। इसमें भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति है। यहां अन्य प्रतिमायें भी बड़ी प्राचीन है।

१२८. जसाली—भीलड़ी से ६ मील पर यह गांव है। यहां भगवान ऋषभदेव का प्राचीन विशाल मंदिर है।

१२९. रामसेठा—भीलड़ी से २४ मील दूर यह ग्राम है। यहां के जैन मंदिर में जो मूर्ति है। उसके साथ ११वीं शताब्दी का शिलालेख है। नगर के पश्चिम भूगर्भ-मंदिर में ४ सुन्दर मूर्तियां हैं।

१३०. थराद—भीलड़ी से १७ मील दूर देवराज स्टेशन से पास ही यह नगर है। इसका प्राचीन नाम स्थिरपुर है। यहां पहले विशाल जैन मंदिर था जो काल दोष से अदृश्य हो गया है। यहां भूमि की खुदाई पर प्राचीन मूर्तियां प्रायः मिलती हैं। यहां के वर्तमान मंदिर में खुदाई में मिली पञ्चधातुमयी मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं।

१३१. भोरोल—थराद से यह स्थान १० मील है। यहां के विशाल मंदिर में श्री नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है।

१३२. तालनपुर (अतिशय क्षेत्र)—यहां कई विशाल मंदिर हैं। दोनों श्वेताम्बर व दिगम्बर मंदिरों में जमीन से निकली हुई प्रतिमायें विराजमान हैं। इनमें से एक प्रतिमा भ० मल्लिनाथ की अतिमनोज्ञ है।

१३३. वड़ौदा—पश्चिम रेलवे की वड़ौदा अहमदावाद लाइन पर स्थित है।

यहां कई श्वेताम्बर मंदिर हैं जिनमें अति मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

१३४. अहमदावाद—यह औद्योगिक और गुजरात राज्य का प्रमुख नगर पश्चिम रेलवे की वड़ौदा-अहमदावाद लाइन पर स्थित है। यहां कई प्राचीन व कलापूर्ण मंदिर है। रामदास की पोल वाले मंदिर में दो भौहरें हैं। जिनमें अनेक अत्यन्त प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१३५. शत्रुंजय पालीताना (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की सिहोर पालीताना छोटी लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां से तीन पांडव कुमार, युधिष्ठिर, अर्जुन व भीम द्रविण देश के राजा तथा अन्य ८ करोड़ मुनि मोक्ष पधारे हैं, अतः यह सिद्धक्षेत्र

नगर से शत्रुंजय अथवा सिद्धाचल लगभग ३, ३½ मील की दूरी पर है। पर्वत के दोनों शिखरों के चारों ओर परकोटा है। परकोटे के साथ ही पांडव कुमारों की खड्गासन मूर्तियां हैं। परकोटे के अन्दर ३,५०० श्वेताम्बर मंदिर अपूर्व शिल्प चातुर्य से परिपूर्ण हैं। इनमें भ० आदिनाथ, सम्राट कुमारपाल विमलशाह, और चतुर्मुख मंदिर विशेष हैं। चौमुख मंदिर में १२५ मनोज्ञ मूर्तियां हैं। यहां के ८ मंदिरों की शिल्प-कला विश्व ख्याति प्राप्त है।

रतनपोल के पास एक दिगम्बर जैन मन्दिर फाटक के भीतर है।

नगर में श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनों के मन्दिर व धर्मशालायें हैं।

१३६. झालरापाटन—यहां १२ शिखर युक्त मंदिर तथा कई चैत्यालय हैं। इनमें से एक मंदिर शहर के बाहर ईसा की दसवीं शताब्दी का बना हुआ पद्मनाथ स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। इसी मंदिर की ईशान दिशा में लगभग सन १०४३ के समय का लाखों रुपयों की लागत का विशाल मन्दिर है जिसमें ११ फुट ऊंची भगवान शांतिनाथ जी की खड्गासन प्रतिमा है। यह प्रतिमा जी जो कि सन १०४६ की प्रतिष्ठित हैं जमीन में से प्राप्त हुई थी।

१३७. शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ—शत्रुंजय से दसमील दूरी पर यह स्थान है। यहां का जैन मंदिर विशाल है। मुख्य मंदिर के समीप मंदिरों का एक समूह है, जिनमें विभिन्न तीर्थंकरों की मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर में पार्श्वनाथ स्वामी की मूर्ति है जिन्हें शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ कहते हैं। मन्दिर नवीन हैं किन्तु प्रतिमा अत्यन्त प्राचीन है। पुराने मंदिर के नष्ट हो जाने पर नवीन मंदिर बनवा कर उसमें मूर्ति की प्रतिष्ठा हुई है।

१३८, भाव नगर—पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर स्थित है। यहां कई विशाल मंदिर हैं। जिनकी स्थापत्य कला दर्शनीय है।

१३९. द्वारिका (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की वीरमगांव-सुरेन्द्र नगर राजकोट लाइन पर द्वरका स्टेशन है।

यह नगर यादव वंशी राजाओं की प्राचीन राजधानी रही है। यहां ही भगवान नेमिनाथ स्वामी का जन्म हुआ था। यहां के मंदिर में भगवान नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति व उनके चरण-चिह्न स्थापित हैं।

१४०. सोनगढ़—पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर यह रेलवे स्टेशन है। यहां प्रसिद्ध अध्यात्मिक संत श्री कानजी स्वामी विराजते हैं। उनके द्वारा बनाया गया भगवान सीमंधर स्वामी का मंदिर है। अध्यात्म पिपासुओं के लिये कानजी स्वामी द्वारा संस्थापित एक आश्रम भी है।

१४१. जूनागढ़—यह नगर पश्चिमी रेलवे की राजकोट वेरावल छोटी लाइन पर जंक्शन स्टेशन है। नगर के पश्चिम में रेलवे स्टेशन और पूर्व में गिरनार पर्वत है। यह अपने प्राचीन नाम 'गिरिनगर' से भी प्रसिद्ध है। यहां कई श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मंदिर तथा धर्मशालाएँ हैं। निकट ही पुराना किला है जिसकी अनेक गुफाओं में बौद्ध व जैन मूर्तियां हैं। किले में एक वृहत तालाब तथा बावड़ी भी है।

१४२. गिरनार, ऊर्जयंत (सिद्धक्षेत्र)—उपर्युक्त जूनागढ़ नगर से लगभग ४ मील दूर गिरनार पर्वत है. बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ तथा वरदत्तादि ७२ करोड़ मुनिराजों की निर्वाण-भूमि होने से यह महान सिद्धक्षेत्र है। इस स्थान की यह विशेषता है कि हिन्दू, मुसलमान जैन आदि विभिन्न मतावलम्बी इसे अपनी अपनी श्रद्धा व मान्यता के अनुसार पूजनीय मानते हैं।

गिरनार, ऊर्जयंत अथवा रैवत पर्वत के नामों से भी प्रसिद्ध हैं। यह पर्वत समुद्रतल से लगभग ३,६६६ फुट ऊंचा हैं। इसकी प्राचीनता आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव के समय की है। भरत चक्रवर्ती अपनी दिग्विजय में यहां आये थे। ताम्रपत्र से प्रकट है कि ई० पूर्व ११४० में गिरिनार (रैवत) पर भगवान नेमिनाथ जी के मंदिर थे। यहीं पर चन्द्रगुफा में आचार्यवर्य श्री धरसेन जी ने तपस्या की और उनके द्वारा आचार्यगण पुष्पदंत व भूतबलि को अवशिष्ट श्रुतज्ञान को लिपिबद्ध करने का आदेश मिला। सम्राट अशोक ने यहीं पर जीवदया के प्रतिपादक धर्म लेख पाषाण पर लिखाये थे। रुद्रदामन के लेख से पता चलता कि मौर्य काल में व उसके बाद भी गिरिनार के प्राचीन मंदिर आदि तूफान से नष्ट हो गये थे। मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त के गुरु श्री भद्रबाहु स्वामी भी गिरिनार पधारे थे। भगवान कुंदकुंदाचार्य भी गिरिनार की वंदना को पधारे थे। राजा खंगार के वंशज राजा मंडलीक ने गिरिनार पर भ० नेमिनाथ का सुन्दर मन्दिर बनवाया। सुल्तान अलाउद्दीन काल में दिल्ली के सेठ पूर्णचन्द्र जी संघ यात्रा में यहां पधारे थे और उसी समय एक श्वेताम्बरीय संघ भी पहुंचा था। दोनों संघों ने मिलकर यात्रा की।

तलहटी से लगभग २ मील पर्वत पर चढ़ने के पश्चात सोरठ का महल है जो कि मुसलमानों के मतानुसार गढ़ है। इस महल से पूर्व ही एक पुराना कुंड है, जिसके ऊपर पार्श्व भाग में एक पद्मासन दिगम्बर जैन प्रतिमा अंकित है। इस प्रतिमा के बगल में एक युगल पुरुष व स्त्री की मूर्ति है और कमलासन पर जैन अंकित है। सुन्दर

संभवतः धरणेन्द्र पद्मावती होंगे। मार्ग से थोड़ा हटकर चारगाह मिलता है जिसमें चरण-पादुकायें बनी है।

सोरठ महल के बाद जैन मन्दिर प्रारम्भ हो जाते हैं। इनमें श्री कुमारपालतेज पाल आदि के बनवाये हुए अत्यन्त कलापूर्ण मन्दिर हैं। इनमें प्राचीनतम मन्दिर (Grenite) ग्रेनाइट का है। जिसकी मरम्मत सम्वत् ११३२ में सेठ मान सिंह भोजराज ने करायी थी। यहां से आगे एक कोट में विशाल दिगम्बर जैन मंदिर हैं। इनमें एक श्री बंडीलाल जी द्वारा निर्मित सं० १९१५ का व दूसरा लगभग इसी समय का शोलापुर वालों का है। इस के अतिरिक्त एक मंदिर दिल्ली निवासी सागर मल महावीर प्रसाद जी ने सं० १९७७ में बनवाया था। इस मंदिर में ही सबसे प्राचीन खड्गासन प्रतिमा विराजमान है। सम्वत् १९२० की नेमिनाथ स्वामी की प्रतिष्ठा थी, जिससे स्पष्ट है कि उस वर्ष यहां जिन बिम्ब प्रतिष्ठा हुई थी। इस पहली टोंक पर ही विशाल मंदिर है।

मंदिर समूह के निकट ही राजुलजी की गुफ़ा है, जहां उन्होंने तप किया था। यहां राजुल जी की मूर्ति पाषाण में खुदी है तथा चरण-पादुकाऐं हैं।

दूसरी टोंक पर जो अम्बादेवी की टोंक कहलाती है, अम्बादेवी का मन्दिर है। जो मूलतः जैनियों का हैं। अब इसे हिन्दू व जैन दोनों पूजते हैं। यहां चरण पादुकाऐं भी हैं।

तीसरी टोंक पर भगवान नेमिनाथ स्वामी के चरण-चिह्न हैं। इस टोंक से लगभग ४,००० फुट नीचे उतर कर चौथी टोंक है। जिस पर काले पाषाण की श्री नेमिनाथ जी की दिगम्बर प्रतिमा और पास ही दूसरी शिला पर चरण चिह्न हैं। किन्हीं लोगों का मत है। कि भ० नेमिनाथ यहीं से मोक्ष पधारे थे। यह स्थान शंबुप्रद्युम्न नामक श्रीकृष्ण के पुत्रों का निर्वाण स्थान है।

चौथी टोंक से नीचे उतर कर पांचवी टोंक पर जाना होता है। यह शिखर सर्वोच्च व अतीव सुन्दर है। टोंक पर एक महिमा के नीचे नेमिनाथ के चरण चिह्न हैं। नीचे पास ही शिला भाग में खुदी हुई प्राचीन दिगम्बर जैन पद्मासन मूर्ति है। यहां एक बड़ा भारी घंटा है, वैष्णव इसे गुरुदत्तात्रेय का स्थान व मुसलमान मदारशाह पीर का तकिया कहते हैं। इस टोंक पर से कुछ सीढ़ी उतरने पर सम्वत् ११०८ का एक लेख मिलता है। नीचे उतर कर पुनः दूसरी टोंक पर आना होता है, यहां गोमुखी कुंड के दाहिनी ओर सहस्त्राम्रवन (सेसावन) है। जहां भ० नेमिनाथ ने १,००० राजाओं के साथ दीक्षा ग्रहण की थी। इस की दीवाल पर एक आले में २४ तीर्थंकरों के २४ जोड़ी चरण हैं।

तलहटी में एक दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमें सम्वत् १५१० का एक यंत्र और सम्वत् १५४६ की साह जीवराज जी द्वारा प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है। शेष मूर्तियां अर्वाचीन हैं। मूलनायक श्री नेमिनाथ जी की कृष्ण पाषाण प्रतिमा सं० १९४७ में पिपलिया निवासी श्री पन्नालाल टोंग्या ने प्रतिष्ठित कराई थी।

यहां के एक शिला लेख से तता चला है कि गिरनार की चारों टोंकों पर सीढ़ियां दीवान बेचर दास के उद्योग से बनीं।

यह क्षेत्र कोटि कोटि महान आत्माओं की तपोभूमि निर्वाण-स्थल होने के साथ साथ यहां के जैन मन्दिर व अन्य स्थान प्राचीन स्थापत्य व शिल्प कला के लिये संसार प्रसिद्ध हैं।

यहां से उत्तर-पश्चिम की ओर से २० मील दूर ढंक नामक स्थान पर प्राचीन जैन मूर्त्तियां दर्शनीय हैं।

यहां श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनों की ही विशाल धर्मशालाऐं हैं।

१४३. अमीझरा पार्श्वनाथ (डवाली) अतिशय क्षेत्र—पश्चिमी रेलवे की अहमदावाद-खेडब्रह्मा लाइन पर ईडर स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां के प्राचीन मन्दिर में चतुर्थ कालीन भ० पार्श्वनाथ जी की पद्मासन प्रतिमा है। यहां के अन्य मन्दिर भी कलापूर्ण हैं।

१४४. राणकपुर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर रानी स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र है। यहां १२ मंदिर तथा ८६ देवकुलिकाऐं (मठियां) हैं। इन सभी मन्दिरों की निर्माण कला दर्शनीय है। इनमें 'त्रैलोक्य दीपक' नामक मन्दिर विशाल चार मंजिल का है। इसकी कारीगरी अनूठी है। मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की हैं।

यहाँ से वरकाणा माडोल, नाडलाई और धाठोराव ग्रामों में भी विशाल प्राचीन मन्दिर हैं। धाठोराव ग्राम से

१½ मील की दूरी पर मठाला महावीर नामक श्रेष्ठ मन्दिर है।

१४५. महुवा (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की सूरत भूसावल वाली लाइन पर बारदोली स्टेशन से ८ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां एक प्राचीन मंदिर है जिसमें अन्य प्रतिमाओं के अतिरिक्त एक अत्यन्त प्राचीन श्याम-वर्ण पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा है। इस प्रतिमा को जैन व जैनेतर समानरूप से पूजते हैं और विघ्न हरणपार्श्वनाथ जी कहते हैं।

१४६. खंभात (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की दिल्ली-बम्बई सेंट्रल लाइन पर आनन्द जंक्शन स्टेशन से लगभग १½ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां के मन्दिर में १½ हाथ ऊंची भगवान विमलनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त ७५ प्रतिमायें और भी हैं। प्राचीन काल में यहां बहुत मन्दिर थे जिनको मुसलमानी शासनकाल में विध्वंस किया गया। इन्हीं मन्दिरों के पत्थर मुहम्मदशाह की मसजिद में प्रयोग किये गये हैं। मसजिद के स्तंभों पर जैन प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं जो अब भी स्पष्ट हैं।

१४७. रतलाम—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहां कई विशाल मन्दिर व स्थानक हैं। मन्दिरों की कारीगरी दर्शनीय है।

१४८. सूरत—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

रेलवे स्टेशन से १ मील की दूरी पर आबादी है। यहां कई मन्दिर हैं जिनमें अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं। मन्दिरों में की हुई चित्रकारी दर्शनीय है।

१४९. अगास—पश्चिम रेलवे की आनन्द-खंभात (बोरवे) लाइन पर आनन्द से ८ मील दूरी पर अगास स्टेशन है। यह श्रीमद् राजचन्द्र का जन्मस्थान है। उनकी स्मृति में श्री राजचन्द्र आश्रम बना है जिसके ऊपर के भाग में दिगम्बर मूर्तियां और मध्य भाग में श्वेताम्बर मूर्तियां तथा नीचे के भाग में श्रीमद् राजचन्द्र जी की मूर्ति विराजमान है। यहां दिगम्बर व श्वेताम्बर समान रूप से पूजन करते हैं।

१५०. बम्बई—यह प्रसिद्ध औद्योगिक और महाराष्ट्र राज्य का प्रमुख नगर मध्य व पश्चिम रेलवे स्टेशनों पर स्थित है। यह जैनों का प्रमुख केन्द्र है।

यहां कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिनकी कारीगरी दर्शनीय है।

१५१. मांगी-तुंगी (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की दिल्ली-बम्बई वाली मुख्य लाइन पर मनमाड स्टेशन से लगभग ६० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इस क्षेत्र से श्री रामचन्द्र जी, हनुमान जी, सुग्रीव, गवय, गवाक्ष नील, महानील आदि ९९ करोड़ मुनिगण मोक्ष गये हैं।

यह स्थान पर्वत एवं वन का है। मांगी व तुंगी दोनों अलग अलग पर्वत हैं। मांगी पर्वत की चढ़ाई तीन मील की है। पर्वत पर चार गुफा मन्दिर हैं जिनमें मूलनायक भद्रबाहु स्वामी की मूर्ति है। अन्य प्रतिमाओं में कुछ भट्टारकों की भी हैं। यह सभी मूर्तियां ११ वीं, १२ वीं शताब्दी की हैं। चारों ओर प्रतिमायें पत्थर में उत्कीर्ण भी हैं। पर्वत से थोड़ी दूर उतरने पर बाईं ओर एक विशाल गुफा में बलरामजी का चबूतरा है जिस पर कई चरण चिन्ह हैं।

मांगी पर्वत से ३ मील दूर तुंगी पर्वत है। यहां तीन गुफा मन्दिर हैं। मूलनायक प्रतिमा श्री चन्द्रप्रभु स्वामी की ४ फुट ऊंची पद्मासन विराजमान है। यहां से उतरते समय 'सिद्ध कूट की गुफायें' तथा 'अद्भुत जी' नामक स्थान है जहां मनोज्ञ व प्राचीन प्रतिमायें हैं।

पहाड़ की तलहटी में दो प्राचीन मन्दिर हैं।

१५२. औरंगाबाद—यह नगर मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड मुख्य लाइन पर स्थित है। यहां ६ मन्दिर व कई चैत्यालय हैं, इनमें एक प्राचीन विशाल मन्दिर है। मन्दिर जी में वेदियों में [illegible] प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१५३. [illegible] (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र [illegible] औरंगाबाद स्टेशन से लगभग [illegible] मील दूरी पर स्थित है। यहां पर एक प्राचीन मन्दिर है जिसमें बहुत प्राचीन प्रतिमायें हैं। [illegible] मन्दिर है जिसमें भगवान नेमिनाथ की ४ फुट [illegible] प्रतिमा विराजमान है। [illegible] जैन व [illegible] हैं।

१५४. [illegible] (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] औरंगाबाद स्टेशन से [illegible]

यहां के मंदिर जी में, जो कि विशेष प्राचीन है, अन्य प्रतिमाओं के साथ एक प्रतिमा सातिशय भगवान पार्श्वनाथ जी की विराजमान है। लोकोक्ति के अनुसार इस मूर्ति का शिर अकस्मात् धड़ से अलग हो गया और जब श्रावकों ने उनके स्थान पर अन्य मूर्ति स्थापित करने की योजना की तो एक श्रावक को स्वप्न हुआ कि जमीन के नीचे कोठरी बनाकर उसमें धड़ पर शिर रख कर १ माह तक रहने देने पर शिर जुड़ जावेगा। तदनुसार व्यवस्था की जाने पर मूर्ति पूर्ववत् हो गई और यथा-स्थान विराजमान कर दी गई। तभी से इनका विशेष है अतिशय। प्रति वर्ष मेला भी लगता है।

यहां एक जैन धर्मशाला भी है।

१५५. ऐलोरा–मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर दौलतावाद स्टेशन से ८ मील दूर यह स्थान है। यहां से निकट ही २ मील लम्बा एक पहाड़ है। जिसमें ४५ गुफायें हैं। इन गुफाओं में 'पार्श्वनाथ', 'नाग शय्या' व 'गणेश भुवन' नायक के ३ गुफाएं नौ नौ खंड की विशेष महत्वपूर्ण हैं। यह गुफायें अपनी चित्रकारी व शिल्पकला के लिये संसार प्रसिद्ध हैं इन के निकट गर्म जल के १३ कुंड।

ऐलोरा ग्राम के निकट एक छोटा पहाड़ भी है जिस पर पार्श्वनाथ जी का मंदिर है जिसमें अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं।

यहां पर पत्थर का हाथी, सिंह, इत्यादि की रचना चित्ताकर्षक है। नीचे उतरने पर ७ गुफायें और है जिनमें अनेक प्रतिमाय हैं।

१५६. ऊखलद (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर पिंगली स्टेशन से ४ मील दूर पूर्णा नदी के तट पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नदी के किनारे पत्थर का बना एक विशाल मंदिर है। जिसमें श्यामवर्ण नेमिनाथ भगवान की एक विशाल सातिशय प्रतिमा विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि इस प्रतिमा के अंगुष्ठ में पारस मणिरत्न था (उसके निकल जाने का निशान अभी भी है) जिसको निकालने का प्रयत्न एक मुसलमान राज्याधिकारी ने किया। परन्तु ज्योंही उसका स्पर्श हुआ त्यों ही दिव्य वाणी सहित मणि नदी में उछल कर गिर गई। सतत प्रयत्नों के बाद भी यह मणि उसके हाथों में न आई। इसी अतिशय के कारण यह क्षेत्र विश्व प्रसिद्ध है।

१५७. गजपंथा जी (सिद्धक्षेत्र)–यह क्षेत्र मध्य रेलवे की मनमाड-बम्बई वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर नासिक रोड स्टेशन से लगभग ९ मील पर मसरूल ग्राम के निकट ४०० फुट ऊंचे पर्वत पर अवस्थित है यहां से बलभद्रादि आठ करोड मुनिगण मोक्ष पधारे हैं। पर्वत पर चढ़ने के लिये ३५० सीढ़ियां हैं। ऊपर दो नये मंदिर हैं। जिनमे एक में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा है। पर्वत की चोटी में तीन गुफायें और एक सजल कुंड है। गुफाओं में १२ वीं से १६ वीं शताब्दी तक की प्रतिमायें और शिल्प दर्शनीय हैं।

नीचे तलहटी में एक छतरी है जिसमें क्षेमेंद्र कीर्ति भट्टारक के चरण हैं और बंजीबाबा का मंदिर, व उदासीन आश्रम है।

ग्राम में धर्मशाला कोट के रूप में है जिसके मध्य में ही एक मंदिर है।

जिसमें १,००८ सांचे में ढली हुई प्रतिमायें हैं। इस मंदिर को 'त्रिभुवन-तिलक-चूड़ामणि' कहा गया है। सन १४४२ में ईरान के व्यापारी अब्दुल रज्जाक ने इस मंदिर को विश्व में अद्वितीय कहा था।

अन्य मंदिरों में 'गुरु' और 'सिद्धांत बस्ती' उल्लेखनीय हैं। सिद्धांत बस्ती में 'षट्खंडागम सूत्रादि' सिद्धांत ग्रंथ तथा हीरा पन्ना आदि नवरत्नों की ३५ मूर्तियां विराजमान हैं।

'गुरु बस्ती' में मूलनायक भ० पार्श्वनाथ स्वामी की आठ गज ऊंची प्रतिमा है।

१८७. कारकल (अतिशय क्षेत्र)–मूड़बद्री से १० मील दूर यह क्षेत्र है। यहां १२ प्राचीन दिगम्बर मंदिर हैं। पूर्व की ओर एक छोटी सी पहाड़ी पर एक फलांग ऊपर चढ़ने पर श्री बाहुबलि स्वामी की ४२ फुट ऊंची प्रतिमा है। सन १४३२ में कारकल नरेश वीर पांड्य ने इस मूर्ति का निर्माण कराया था। यहां के भैरव ओडेयर वंश के सभी राजा जैन मतावलम्बी थे। सान्तार वंश के प्रसिद्ध महाराजधिराज लोकनाथरस के शासन काल में सन १३३४ में कुमुदचंद भट्टारक के बनवाए भगवान शांतिनाथ के मंदिर को उनकी बहिनों व राज्याधिकारियों ने दान किया था। इम्मडिभैरव-राजा ने सन १५६८ में यहां सामने छोटी पहाड़ी पर 'चतुर्मुखी बस्ती' नामक विशाल मंदिर बनवाया था। इस मंदिर के चारों दिशाओं में दरवाजे हैं और चारों ओर १२ प्रतिमायें सात सात गज की विराजमान हैं। यहां से पश्चिम की ओर ११ कलापूर्ण मंदिर बने हुऐ हैं।

१८८. वारंग–कारकल से २४ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां कोट के भीतर नेमीश्वर-बस्ती नामक प्रसिद्ध मंदिर है। इस क्षेत्र सम्बन्धी स्थल पुराण' व महात्म्य यहां के मठ के स्वामी भट्टारक देवेंद्र कीर्ति जी के पास सुरक्षित है। यहां के निकट ही सरोवर में स्थित मंदिर को जलमंदिर कहते हैं। जलमंदिर में चौमुखी प्रतिमा विराजमान है।

१८९. मद्रास–मध्य रेलवे की दिल्ली-मद्रास मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहां से निकट ही जैन पुरातत्व सम्बन्धी का मंदिर दर्शनीय है।

१९०. कांजीवरम (कांचीपुरम)–यहां एक प्राचीन जैन का मंदिर अनूठी कारीगरी का दर्शनीय है।

१९१. हुम्मच पद्मावती (अतिशय क्षेत्र)–यहां कई मंदिर हैं। जिनमें एक मंदिर विशाल है और कला से सम्पन्न से विभूषित है। यहां पर बड़ी बड़ी गुफायें और प्रतिमायें हैं। यहां महाराजों की गद्दी भी है।

१९२. पेरमंडूर (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे की मद्रास धोन-धनुष्कोटि लाइन पर तिंडिवनम् स्टेशन से लगभग ४ मील दूरी पर पेरमंडूर ग्राम है। ग्राम में दो जैन मंदिर हैं जिनमें सहस्त्राधिक मूर्तियां हैं। जब मैलापुर समुद्र में डूबने लगा, तब उस स्थान की मूर्तियां लाकर यहां रखी गयीं थीं। यहां प्राचीन मंदिर में ताड़पत्रों पर लिखित १५० शास्त्र हैं।

१९३. पोन्नूर-वंदीवास (कुंदकुंदाचार्य अतिशय क्षेत्र)–उपर्युक्त तिंडिवनम स्टेशन से लगभग २५ मील दूर पहाड़ की तलहटी में यह ग्राम है। ग्राम में एक शिखर बद्ध दिगम्बर मंदिर है। पहाड़ पर एलाचार्य (कुंदकुंदाचार्य) के प्राचीन चरण चिन्ह हैं। यह स्थान कुंदकुंद स्वामी की तपोभूमि है।

१९४. तिरुमलय (अतिशय क्षेत्र)–पोन्नूर से ८ मील दूरी पर १,००० फुट ऊंचा तिरुमलय पर्वत है। [illegible] फुट ऊंचाई पर जाकर [illegible] मंदिर है जिसके आगे एक गुफा में दो प्राचीन प्रतिमायें व भगवान [illegible] के मुख्य गणधर वृषभसेन की [illegible] है। गुफा की चित्रकला दर्शनीय है। आगे चोटी पर तीन मंदिर और हैं, यहां के शिलालेखों से प्रगट है कि यहां [illegible] द्वारा मंदिर बनवाये गये थे और मुनिगण यहां तपस्या करते थे। यहां के कुन्दवै जिनालय को [illegible] की पुत्री अथवा [illegible] की बहिन ने बनवाया था। [illegible] क्षेत्र [illegible] आचार्य द्वारा स्थापित [illegible] मूर्ति [illegible] चित्र बना हुआ है। [illegible] है। जिनके [illegible] फुट [illegible] की [illegible] प्रतिमा विराजमान है। [illegible] के सामने तीन मंदिर हैं [illegible] में [illegible] की प्रतिमा विराजमान है। [illegible] के शिलालेखों [illegible] में एक मुनिराज [illegible] का [illegible]

करवाया और उसमें यह मूर्ति विराजमान की गई। यह क्षेत्र तभी से प्रसिद्ध है।

१९५. चितम्बूर–तिंडिवनम से १० मील वायव्यकोण में यह स्थान है। यहां दो जैन मंदिर हैं इनमें एक डेढ़ हजार वर्ष से पूर्व का है।

१९६. विल्लुक–चित्तम्बूर से दो मील की दूरी पर यह ग्राम अवस्थित है। यहां १,००० वर्ष प्राचीन मंदिर तथा सरोवर तट पर गुणसागर महाराज के चरण हैं।

१९७. पेराम्बूर–तिंडिवनम् से लगभग १५ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां एक प्राचीन शिखरयुक्त मंदिर है जिसमें भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की श्यामवर्ण ६ फुट ऊंची मनोज्ञ प्रतिमा है।

१९८. वेल्लूर (अतिशय क्षेत्र)–पेराम्बूर से लगभग १० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां श्री वीरसेनाचार्य का समाधिस्थान है। एक मंदिर जी में उनके द्वारा श्रमणवेलगोल से लाई हुई पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा विराजमान है।

१९९. पुण्डी (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे की विल्लुपुरम-रेनीगुंटा लाइन पर आरणी रोड स्टेशन से लगभग ३ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां एक विशाल प्राचीन मंदिर है जिसके चारों ओर कोट है, अन्दर १६ स्तम्भों का दहलान।

२००. कुलपाक–मध्य रेलवे की वाडी-काजीपेट मुख्य लाइन पर अलीर स्टेशन से ४ मील दूर यह प्राचीन क्षेत्र अवस्थित है। यहां के मंदिर में भगवान ऋषभ देव की माणिकस्वामी, नामक प्रतिमा विराजमान है।

२०१. आस्टे (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिणी-पूर्वी रेलवे की कुर्दुवाड़ी-रायचूर लाइन पर आलंद से लगभग १६ मील दूर यह क्षेत्र है। यहां एक प्राचीन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सातिशय प्रतिमा है, जो विघनहरण पार्श्वनाथ के नाम से भी प्रसिद्ध है।

विज्ञापन क्रमिका

—✱—

निवेदन

इस डायरेक्टरी में यदि :—

☆ कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है;

☆ प्रकाशित विवरण अधूरा है;

☆ प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं;

☆ प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है—

कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें।

विनीत :
मंत्री, जैन सभा
जैन निशी मंदिर, लेडी हार्डिंग रोड
नयी दिल्ली—१

REQUEST

In this Directory, If You Find That :

☆ **any information has been left out ;**

☆ **the information given is incomplete ;**

☆ **the information given is wrongly printed ;**

☆ **the information given has undergone some change —**

Kindly Write to :

THE SECRETARY
JAIN SABHA
Jain Nishi Temple, Lady Hardinge Road
NEW DELHI-1

जैन सभा नयी दिल्ली

सदस्य-सूची

संरक्षक :

साहू शांती प्रसाद
    ६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
    ११ क्लाइव रो, कलकत्ता

साहू श्रेयांस प्रसाद
    ६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
    १५ ए हार्नमिन सर्किल,
    फोर्ट, बम्बई

श्री लाल चन्द्र
    कूंचा सेठ, धर्मपुरा

सदस्य :

श्री अजीत प्रसाद
    १ म्यूटिनी मेमोरियल रोड
    रिटायर्ड अकाउंटस आफीसर (नार्दन रेलवे)

श्री अतर चन्द्र
    २६८१ कूंचा नीलकंठ, दरियागंज (२२४०४६)
    अंडर सेक्रेट्री, कृषि मंत्रालय (३६५२११)

श्री अनन्तवीर प्रसाद
    ६ बी, तिबिया कालेज क्वार्टर्स, करोल बाग
    एड० एण्ड वि० प० डायरेक्टोरेट (४६५२४)

श्री अभिमन्यु कुमार
    ४ तालकटोरा लेन
    अंडर सेक्रेट्री, शिक्षा मंत्रालय (३२४४३)

श्री अरिदमन कुमार
    ५१ टी, थोमसन रोड
    सुपरिटेंडेंट, डी. ए. जी. (पी. एण्ड. टी.) (२२४१७१)

श्री आदीश्वर प्रसाद
    १ डी, देव नगर (५४६१८)
    से० आफीसर, यू. पी. एस. सी. (४०१६३)

श्री आनन्द प्रकाश
    एड० आफीसर, सी. एस. आई. आर.
    नागपुर (म० प्र०)

श्री आनन्द राज सुराना
    ४१ सुन्दर नगर (७५८६२)
    इंडोयोरोपा ट्रेडिंग कं० १३६०, चां०चौक(२२४३०७)

श्री ओम प्रकाश
    २ टोडर मल स्क्वेअर
    आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३१०२३)

श्री इंदर सेन
    ४६ हेस्टिंग्स स्क्वेअर
    प्रेजीडेंटस प्रेस (३५३२१)

श्री उग्रसेन
    मद्रास काफी हाउस, क० सर्कस (४८१६२)

श्री उग्रसेन
    ५३ टी, देव नगर
    ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री उग्रसेन
    ३२ हनुमान रोड (४६३४३)
    एम्पिलम्स ड्राईक्लीनर्स, क० सर्कस (४५८४३)

श्री उल्फत राय
    १०५ बेयर्ड रोड (४७३१८)
    मै० अर्जुन लाल उल्फत राय, बेयर्ड रोड(४७३१८)

डा० कन्हैया लाल (के० एल० जैन)
१२ स्कूल लेन (४८११३)
1 डाक्टर्स लेन (४८१३८)

श्री कपूर चन्द
३ एलनवी रोड (४०६६२)
डि० सेक्रेट्री, डिफेंस मंत्रा० (३२४२५)

श्री कश्मीरी लाल
४० एफ, कमला नगर
से० ग्राफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१३८१)

श्री काशी प्रसाद
२८ पटौदी हाउस, केनिंग लेन
रिसर्च ग्राफी०, डिफेंस मंत्रा० (३२४२८)

श्री किशन दयाल
३३-३५ मोडल वस्ती (५५६४४)
सुपरिटेंडेंट, एग्रर हेड० (३०१३१/२३१)

श्री कुंदन लाल मादीपुरिया
मैं० उमरावसिंह कुंदन लाल (२२०५१६)
कटरा खुशाल राय, किनारी वाजार

श्री कुलवन्त राय गोयल
२ पार्क लेन
स्टाफ ग्राफी०, डिफेंस (३२४०८)

श्री के० वी० लाल
४६ हेस्टिंग्स रोड
डिवीजन ग्राफ वोटोनी, पूसा इंस्टीच्यूट

श्री कैलाश चन्द
५/७२ वे० एक्स० एरिया, क० वाग (५२४२६)
एक्जी० इंजी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी. (जी. ब्लाक) (३१६८३)

श्री कैलाश चन्द
११, शेरसिंह विल्डिग, के ब्लाक, क० सर्कस (४५१०८)
न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लि०, सिंदिया हाउस (४७७२७)

श्री कैलाश चन्द
२७, क्लाइव स्क्वेग्रर,
खाद्य मंत्रालय (३५३११/६६)

श्री कैलाश चन्द
७५, जैन मन्दिर, राजा वाजार
प्रावीज़न डीलर

श्री कोमल चन्द्र सोधिया
वी-३१, पंडारा रोड
ग्रंडर सेक्रेट्री, ग्रर्थ मंत्रा० (४७८३०)

श्री गेंदामल विलायती राम
८१० कनाट सर्कस (४६१८४)

श्री गेंदामल हेमराज
११ रीगल विल्डिग (४७६५१)

श्री गोकुल प्रसाद
४६५७/२१, दरियागंज,
विधि मंत्रा०, पी. ब्लाक (३६३१६)

श्री चक्रेश कुमार
३८ सी, वेग्रर्ड रोड
लोक सभा सेक्रेटेरियट, पार्लियामेंट हाउस (३१८६७)

श्री चन्द्र किरण
२४/६५ इवेटसन रोड चेमरीज़
से० ग्राफी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी.

श्री छुन्नू मल
१२ लेडी हार्डिग रोड
ग्रशोका मार्केटिंग लि०, पार्लि० स्ट्रीट (४५६१३)

श्री जगत नारायन
१४ फौच स्क्वेग्रर (४४१५६)
ग्रंडर सेक्रेट्री, प्ला० कमी० (३६२२०)

श्री जगदीश चन्द्र
ई १०, ग्रीन पार्क

श्री जगदीश शरण
सी-II/१०७ मोती वाग (३६४२६)
डिप्टी सेक्रेटी, इर्री० एण्ड पा० मंत्रा० (३२७३१)

श्री जगमंदर सिंह
३४ गौतम नगर
कामर्स एण्ड इंडस्ट्री मंत्रा०, उद्योग भवन (३३२८३)

श्री जम्बू प्रसाद
४८ डी, राजा बाजार
अ० अकाउंटस आफी०, ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री जय कुमार
१ बी, बंगला साहब लेन
से० आफीसर, सूचना व प्र० मंत्रा० (३६७६८)

श्री जय कुमार
एक्स ३३२, सरोजिनी नगर
साइंटि० एण्ड कल्चरल अ० मंत्रा० (३६५७८)

श्री जय चन्द
५ ओल्ड मिल रोड
चावड़ी बाजार (२२७३३४)

श्री जय देव
३६ डिप्टी गंज
सुपरिटेंडेंट, डिफेंस मंत्रा० (३२२८६)

श्री जय प्रकाश
२३ अहिल्याबाई रोड
इंस्ट्रक्टर, सेक्रे० ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४४१८३)

श्री जानकी दास
७६ रनजीत सिंह रोड
ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री जिनेन्द्र प्रसाद
४ टोडरमल रोड (४०६५६)
मै० शाम लाल एण्ड संस, चावड़ी बाजार (२२६७३५)

श्री जीत मल
जैन मन्दिर, राजा बाजार

श्री जुगमंदर दास
४६ सी, इर्विन रोड (४७६१०)
अंडर सेक्रेट्री, सूचना व प्र० मंत्रा० (३२५५७)

श्री जे० सी० पारिख
जे. सी. पारिख एण्ड कं०,
६ एफ, कनाट प्लेस (४७३५५)

श्री जैन प्रकाश
४/७ ये० एक्स. एरिया, करोल बाग

श्री जोती प्रसाद
१०२ ए, मोडल बस्ती (२२३२३३)
असि० एडजू० जनरल (रिटायर्ड)

श्री जंग बहादुर
डी-II/२३ नार्थ आफ सफदर जंग
स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३५७६१)

श्री टीकम चन्द्र
जैन मन्दिर, राजा बाजार,
पुनीत राम छदम्मी लाल, ३ लेडी हार्डिंग रोड

श्री टेक चन्द्र
१२-ई, बेअर्ड रोड
आइरन एण्ड स्टील मंत्रा० उद्योग भवन
(३४२४१/२५)

श्री दीप चन्द
३३८ जोशी रोड, करोल बाग़
जैन फ्लोर मिल, ४६ गोल मार्केट

श्री धर्मकिशोर
७/३८ डा० सचदेव लेन, दरियागंज (२२७६०८)
१२५ सेंट्रल रेवेन्यूज़ वि० (४५५५६)

श्री नरेन्द्र कुमार
२२ फीरोजशाह रोड
कांट्रेक्टर

श्री नरेन्द्र कुमार
५५५६ बस्ती हर्फूलसिंह
कृषि मन्त्रालय

श्री नरेन्द्र सेन
१०ए/२३ शक्ति नगर
यू. पी. एस. सी. (४०१६१)

श्री नरेश चन्द्र
२२ हेग स्क्वेअर
मेडीकल डाय० (डिफेंस)

श्री निहाल सिंह
१६-बी/२८ देव नगर, करोल बाग (५४४८३)
ज्वा० डायरेक्टर (रिटा०), डायर० [illegible]
मैनुफैक्चरर—'[illegible]' कं० करोल
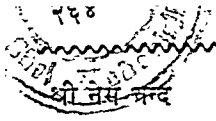
श्री नेम चन्द
२४ फोच स्क्वेअर
से० आफी०, अर्थ मंत्रा० (४२५४८)

श्री नेम चन्द
७४/२ गली नाई वाली, क० बाग़
डि० डिवी० मैनेजर, स्टेट ट्रे० का० (४२४६३)

श्री नन्द लाल
जैन मंदिर, राजा बाजार

श्री पदम सेन
४३ जाफ़ी स्केवअर
स्टाफ आफी०, एअर हेड० (३०१३१)

श्री परषोत्तम दास
१३ महादेव रोड
आफीसर आन स्पे० ड्यूटी, डी. जी. एस. एण्ड डी. (४००२६)

डा० पी. सी. जयना
१६ वावर रोड (४०४८८)
डेंटल स्पे०, फाउन्टेन (२२५२७३)

श्री पीताम्वर दास
३७ तुर्कमान रोड
एडवोकेट, २६७ दरीवा (२२५६५५)

श्री प्यारे लाल
जैन काटेज, ६ रामा पार्क, ओल्ड रोहतक रोड
प्रोफेसर, वाई. डब्ल्यू. सी. ए. (४८१५३)

श्री प्रकाश चन्द
७ क्लाइव स्केवअर

श्री प्रकाश चन्द्र
३८४-ई, देव नगर
कामर्स एण्ड इंड० मंत्रा० (३४६०१/६४)

श्री प्रताप वहादुर
३-डी कोटला रोड (४३८२१)
डि० डायरेक्टर, रेलवे वोर्ड (३४२१४)

श्री प्रद्युम्न कुमार
१७ कार्नवालिस स्केवअर
से० आफी०, डब्ल्यू. एच. एस. मंत्रा (३११२५/२३६)

श्री प्रभू दयाल गुप्ता
३४ सी, इर्विन रोड
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३१३४४)

श्री प्रेम चन्द्र
१४७-१४८ ई, कमला नगर
पंजाव ने० वैंक, रीगल विल्डिंग (४७८७७)

श्री प्रेम चन्द
२३/१७० लोदी कालोनी
आफी० सुप०, नेवल हेड० (३३५२६)

श्री प्रेम सागर
७६ रनजीत सिंह रोड
सुपरिटेंडेंट, ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री वजरंग लाल
कंट्रोलर जनरल मिलि० एकां०, जवलपुर

श्री वनवारी लाल
४८ फौच स्केवअर
अर्थ मंत्रालय (डिफेंस डिवी०)

श्री वलंद राज
झब्बूमल कालोनी, मोडल वस्ती
(फिलिमस्तान सिनेमा के पीछे)
असि० मिलिटरी सेक्रेट्री (रिटा०) आर्मी हेड०

श्री वलवीर चन्द्र
३६-वाई, चित्रगुप्त रोड.
खाद्य मंत्रालय (फाइनेंस) (३६१६३)

श्री विशम्भर दयाल
४१ रनजीत सिंह रोड
आफी० सुप०, एअर हेड० (३२४६३)

श्री विशंभर दयाल
वी-२२४ लक्ष्मीवाई नगर
से० आफी०, शिक्षा मंत्रा० (३३६७१)

श्री वी० वी० कपासी
वी ५ पंडारा रोड (४८४३६)
जर्नलिस्ट

श्री वीर दमन
डब्ल्यू-३६ ग्रीनपार्क
सी० पी० डब्ल्यू० डी०

श्री भगत राम
३०२३ बहादुरगढ़ रोड (२२८६४८)
जयपुर उद्योग लि०, पालि० स्ट्रीट (४३५६१)

श्री मगन चन्द
लड्डू घाटी, पहाड़गंज
कंट्रेक्टर

श्री मदन मोहन
एच ६५ साउथ एक्सटेंशन
अंडर सेक्रेट्री, सां० रि० एण्ड क० अफै० (४६०१६)

श्री मदन लाल
जैन मन्दिर, राजा बाज़ार
मदन लाल जैन एण्ड कं०, टेलर्स, राजा बाजार

श्री मन मोहन वीर सिंह
३३ एक्स, चित्रगुप्त रोड
से० आफीसर, सूचना व प्र० मंत्रा० (३६८६०)

श्री मनोहर लाल
५४०५ लड्डू घाटी, पहाड़गंज
इंस्टी० चार्टड एका० (४७०३१)

श्री महावीर प्रसाद
३०/५३ वे० एक्स० एरिया, क० बाग (५५४८२)
आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३२५६६)

श्री महेन्द्र प्रसाद (एम. पी. जैन)
डी II/२०४ काका नगर
अ० एजु० एडवाइजर, शिक्षा मंत्रा० (३६४१५)

श्री महीपाल
४४० ई, देव नगर
यू० पी० एस० सी० (४०१६१)

श्री महेन्द्र कुमार
१५/२८७ लोदी कालोनी
से० आफी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी.

श्री महेन्द्र कुमार
३३ ई वेअर्ड लेन
से० आफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१८४०)

श्री मानिक चन्द्र
१३११ दैदवाड़ा
लोक सभा सेक्रेटेरियट (३२५२८)

श्री माम चन्द
डावटर्स लेन
श्रीजी फ्लोर मिल्स, गोल मार्केट

श्री माम चन्द
६५ जैन मन्दिर, राजा बाजार (४४८१३)
कंट्रेक्टर

श्री मित्तर सेन
६६ ई राजा बाजार
सुपरिटेंडेंट, एअर हेड० (३०१३१/२५२)

श्री मुकंद लाल
कन्फैक्शनर, कनाट प्लेस

श्री मुनीन्द्र कुमार
डी २/६ माडल टाउन, माल रोड
स० सम्पादक, आई. सी. ए. आर. (३०१६१)

श्री मुन्नी लाल
५८६४/५० वस्ती हर्फूल सिंह
डिवी० आफिस (L. I. C.) आसफ अली रोड

श्री मेहर चन्द
३३८ धानसिंह नगर, आनन्द पर्वत
शिक्षा मंत्रालय (३३६७१/५४)

श्री मोती राम
२८२ गली कन्हैया लाल अत्तार
परसेवालान, चावड़ी बाजार
स० फो० आफीसर, सूचना व प्रसा० मंत्रा०
(२२६६१०)

श्री मंगत राम
४८-ए/८ न्यू डबल स्टोरी क्वा०, लाजपत नगर
अमेरिकन एम्बैसी (४३०४१)

श्री आर. आर. जयना
१०२ वेरन रोड
नेशनल वि० आ०, जनपथ (४२५२२)

श्री रवि चन्द्र कुमार
२१२ ई देव नगर
सुप०, सी. ए. ओ., डिफेंस

श्री राकेश
२ सी/१० रोहतक रोड
सम्पादक, समाज कल्याण (४८८७८)

श्री राज कुमार
११ फौच स्केवअर
सी. पी. डब्ल्यू डी. (३४४८१/९७)

श्री राजाराम
३८ सी वेअर्ड रोड
प्रा० सेक्रेट्री टू ज्वा० एजू० एड०, शिक्षा मंत्रालय (३२७९२)

श्री राजेन्द्र कुमार
२२ सुन्दर नगर (७५९६५)
आर. जी- गोवंन एण्ड कं०, ५८ जनपथ (४५८२८)

श्री राजेन्द्र कुमार
सी ४३ जंगपुरा
डि० डायरेक्टर, सी. डब्ल्यू. पी. सी. (४०६८१)

श्री राजेन्द्र कुमार
१४ फोच स्केवअर (४४१५९)
सें० सो० वे० वोर्ड (४७९५७)

श्री राम कंवर
३०२० गली चूड़ियां, मसजिद खजूर
से० आफीसर, स्टेट आफिस (३१२३७)

श्री राम चन्द्र
१३ पार्क लेन
स्टाफ आफी०, आर्मी हैड० (३१३४२)

श्री राम चन्द्र
ए-२५८ पंडारा रोड (४३९३७)
वेल्यूएशन आफी०, रिहैवी० मंत्रा० (४५२०५)

श्री राम प्रसाद
५६ डी फौच स्केवअर
लाइफ इन्स्योरेंस कार्पो० एच व्लाक, क० सर्कस (४७४५८)

श्री राम वहादुर
ए-२१/८४ लोदी कालोनी
अंडर सेक्रेट्री, हेल्थ मंत्रा० (३६३१९)

श्री रामेश्वर दास
७० सी वेअर्ड रोड
ऐड० आफीसर, सी. ए. औज़ आफिस (३१०९१)

श्री वकील चन्द
५३ ई राजा वाजार
अर्थ मंत्रालय (३५७४१)

श्री विजय कुमार
चाहरहट
गृह मंत्रालय (४५४६७)

श्री विमल चन्द्र
२ वाई चित्रगुप्त रोड
ई. टी. ओ., जामनगर हाउस (४५४१३)

श्री विलायती राम
४५० ई देव नगर
अर्थ मंत्रालय, मैनेजर, को० स्टोर्स (३५७२७)

श्री शंकर लाल
१७ जी, मीरदर्द रोड
हेड क्लर्क, नार्दन रेलवे, (रिटा०)

श्री शंकर लाल
१ म्यूटिनी मेमो० रोड (४४५२५)
सुखानंद शंकर लाल, खारी वावली (२२५३६४)

लाला शाम लाल
४, टोडर मल रोड (४०९५९)
महावीर प्रसाद एण्ड सन्स
चावड़ी वाजार (२२६७३५)

श्री शांति कुमार
१७/१२/१९ अतुलग्रोव चेम्वरीज़
मेटरोली० डिपा० (७४२४१/४४) लोदी रोड

श्री शांति प्रकाश
जैन स्टूडियो, कनाट प्लेस

श्री शांति प्रसाद (एस० पी० जैन)
मोरी गेट
जैन बुक एजेंसी, कनाट प्लेस (४०६२६)

श्री शांति सागर
भोगल रोड, जंगपुरा (७४६४४)
खाद्य मंत्रा० (३५३११/६)

श्री शिवदयाल सिंह
८ टैम्पिल लेन
इंस्ट्रक्टर, सेक्रेटेरियट ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४३४१०)

श्री शिवनाथ मित्तल
ए-८ नेताजी नगर (७२५२६)
अ० प्रि० इन्फ० आफीसर, पी. आई. बी. (४५८२७)

श्री शीतल प्रसाद
६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
११ क्लाइव रो, कलकत्ता

श्री शीतल प्रसाद
२२ डी करोल बाग, देव नगर
अंडर सेक्रेट्री, शिक्षा मंत्रालय (३४६६०)

श्री शुभ चन्द्र
छपरवाला कुंआ, करोल बाग
एडवोकेट, ७ जनपथ (४७८५७)

श्री शुभ चन्द्र
८-II/८०६ लोधी कालोनी
आफी० सुप०, डिफेंस

श्री श्रीदयाल
३२ हनुमान रोड (४६३४३)
एविलप्स ड्राईक्ली०, ५६, जी फ० प्लेस (४५८४७)

श्री सज्जन मल दूगड़
४८०४/२४ भरतराम रोड, दरियागंज (२२६६८०)
अकाउंटस आफीसर, कं० ला० एड० (३६६१६)

श्री सतीश कुमार
६६ ई राजा बाजार
कृषि मंत्रालय (३३७४१/२२)

श्री सरदारी लाल
ए-३ ग्रीन पार्क
से० आफीसर (रिटा०), एक्सटर्नल एफैयर्स मंत्रा०

श्री सीताराम
पहाड़ी धीरज
यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कनाट सर्कस (४२५५३)

श्री सुखमाल चन्द्र
२० सी बेअर्ड रोड
स्टाफ आफी०, आर्मी हेड० (३२२३५)

श्री सुखेन्द्र लाल
बी १८/३५० लोदी कालोनी
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३३००७)

श्री सुमत प्रसाद
ए- ५५/जी लक्ष्मीबाई नगर
इन्कमटैक्स आफीसर (४२६६०)

श्री सुमत प्रसाद
४३-डी राजा बाजार
आर्मी हेड० (३३१०८)

श्री सुमेर चन्द
१२६ सम्मन बाजार, जंगपुरा

श्री सुमेर चन्द्र
डी-II/२४६, विनय मार्ग
अंडर सेक्रेट्री, ट्रांस० एण्ड कम्यू० मं० (३२१११)

श्री सुरेन्द्र कुमार
६५ जैन मंदिर, राजा बाजार,
फोटोग्राफर (४४८१३)

श्री सुरेन्द्र नाथ
१६ हाथज स्क्वेयर
अर्थ मंत्रालय (रेवेन्यू)

श्री सुरेन्द्र वीर सिंह
३३ एलन चित्रगुप्त रोड
प्रशा० आफीसर, टाइ० ग्रो० पब्लिसिटी (४६५२४)

सुलतान सिंह

१६ दरियागंज (२२८३४६)

मास्टर साठे एण्ड कोठारी,

कनाट सर्कस (४७४८६)

श्री संत लाल

२०५ जोर बाग़ (७४७०६)

डि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड (रिटा०)

ओ. एस. डी., हिन्दुस्तान स्टील लि०, हीनू (रांची)

श्री हुकम चन्द

१७/१२/१६ अतुलग्रोव चमरीज़

इंस्पेक्टर, जी. पी. ओ. (२२६३४४) (२२८१२०)

डा० हेम चन्द्र

११/३ पंचकुइया रोड (४५२०४)

रिटा० सर्जन, नार्दन रेलवे

श्री हेम चन्द्र

मुल्तानी ढांडा

इलेक्ट्रीकल डीलर्स

श्री हेम चन्द्र

२२ फीरोजशाह रोड

मद्रास काफी हाउस ५/६० कनाट सर्कस (४८१६८)

श्री होश्यार सिंह

१५ फायरब्रिगेड लेन

स्टा० आफीसर, एअर हेड० (३०१३१)

श्री हंस कुमार

२७ हेवलाक स्कवेअर

स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३१२५५)

श्री हंस राज

अ० कंट्रोलर, चीफ कंट्रो० प्रि०

एण्ड स्टेशनरी (४२२६१)

४६ सी मातासुन्दरी रोड

श्री त्रिलोक चन्द्र

एफ २ ग्रीन पार्क

असि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड, रेल भवन (३५८२४)

—★—